बृहद् हिंदी ग्रंथ-सूची

वरिशिष्ट १९६६

(हिंदी वाङ्मय के प्रयो तथा ग्रथकारो की विस्तृत नामावली)

94440



संपादक यशपाल महाजन तथा कृष्णा महाजन



दिल्ली-६

ग्रन्थ निकेतन

मा. प. नि. १६

महाजन, वशयात, ११३२- तथा कृष्णा महाजन, ११३२-बृहर् हिंदी शय-पुत्ती - परिशिष्ट ११६६. प्रथम सस्करण दिल्ली, मारतीय ग्रथ निकेतन, ११६७-

वृ. २८, १४१. २५ सेंगी

हिंदी बाइमय के बदो तथा बयकारों की विस्तृत नामावली.

१. भास्याः २ हिंदी वाङ्मधः

३ महाजन, यदापाल, १६३२- ४ महाजन, कृष्णा, ११३३-

O15 54 [1] a14.3152,N67

ONNHO

प्रवास सरकरण : **१**६६७



पूरव 💣 रुखे महत्र

C बरापात महाजन तथा हच्या महाजन

महाराष भारतीय सम निवेतन, १३३ शाजपतराय मावट, दिल्ली-६

मुद्र : स्वामी इच्यानस्द, राष्ट्र मारती प्रेस, दरियायत्र, दिल्ती-६

Buhad Hindi Granth Suchi - supplement 1966 (Hindi books in print, 1966; an auther-title index) (A bibliography) By Yash Pal Mahajan & Krishna Mahajan,



भुमिका

इस प्रथ-भूतो का घपने पाठकों वे समझ प्रस्तुत करते हुए हमें प्रसन्तता का शतुभव हो रहा है। हिन्दी साहित्य मे यह सपने दण की पहली भीर पन्दो पुस्तक है, जिसमें यह प्रयस्त निया गया है नि हिन्दी साहम्य के समस्त गयो तथा प्रयस्परि की जिन्दुत जानकारी सिन सके। सामान्यत पुरानी पुस्तक नुष्त होती रहती है भीर नमीन रजनाभी का प्रापुमीन होता रहता है, परन्तु जो सदर्भ-थय जन जाता है जसका स्थायी महत्व रहता है भीर वह एक सपहणीय वस्तु बन जाती है।

प्रयालयी ही नही सरितु प्रत्येक विद्वान, शिक्षा-दास्त्री, पुस्तक-विकेश तथा प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति यह जानना

षाहवा है कि ।

ममुक त्यक की कीत-कीत-सी पुस्तक वपसम्य है ? ममुन पुस्तक का लेखक, धरुवायक मणया सपायक कीत है ? ममुक पुस्तक का प्रकायक कीत है ? समुक पुस्तक का वियम नया है ? प्रमुक पुस्तक का प्रस्य नया है ?

इस सुची में यथासम्भव हर प्रकार की जानकारी देने का प्रयत्न किया गया है।

प्रथ-मूनी-जीत सदर्भ कोषो के निर्माण भीर वसके सकतन-तरादन में बडे धंये एव सयन की प्रावश्यकता पढ़दी है। हुपने प्रयासम्बद्ध हिंदी के सभी प्रकाशकों को उनक्वय सुनियों को एकष करके इसका निर्माण किया है। फिर भी कुछ अंकाशक ऐसे हैं निवहींने हमारे वार-बार अनुरोध करने पर भी धरनी पुस्तक-मुधी नहीं भेगी भीर इस तरह सुनी में उनकी पुस्तक नहीं भा पाई। इस ध्रथ को तैयार करने में को बिकाश भा भी है, वे सनेक प्रकार को है। कई एक सुनियों में तरिक का पूरा नाम नहीं था। एक लेखक का नाम विधिन्त सुनियों में विधिन्त प्रकार से दिया हुआ था। पत्र के स्थान में स्थान के सुनियों में समावेश पाया था। हुछ प्रकाराकों की सुनियों में प्रचारित छाहिया भी था। धादिभादि। इस सब प्रकार के बुटि-रहित कनाने का प्रचारित छाहिया भी था। धादिभादि। इस सुनियों ने समावेश पाया स्थान होता है। इसी सिनाय ने कुछ प्रधिक विश्वयों में प्रचारित छाहिया भी था। धादिभादि। इस स्थान स्थान होता है। इसी सिनाय ने कुछ प्रधिक विश्वयों है। इसी हो सह प्रकार के बुटि-रहित कनाने का प्रचल किया है। इसी धानवार्य तथा स्थादिहार्य विवस्ताओं के कारण इसके प्रकार में धानुमान से कुछ प्रधिक विश्वयों है।

भारतीय तेसकी के नामों की किस प्रकार कमबद्ध किया जांब, हमारे सामने यह भी एक जटित समस्या थी। उदाहरणत सिंह, स्वामी, सास्त्री, धावार्य मादि कही-कहीं तो कुलनाम जैसे प्रतीत हुए घोर कही उपाधि-मुचक लगे। हमने इस बात का परासक प्रमात किया है कि तेसकी का उत्तेस उनके कुछ नाम से ही किया जाय घोर यथासम्मय उपनाम से निर्देशी स्वेन (Cross reference) दिया जाय। इसकी प्रामाणिकता के लिए कितने ही व्यक्तियों एव प्रस्तामों से पुजनाक की नई। इस वर्ष में हमने अपना आदर्स 'राष्ट्रीय ध्रय-मुखे' (Indian National Bibliograph)) की ही माना है।

हम नहीं यह सकते कि प्रस्तुत यह को सर्वोण्यूचे बनाने में हमें कहा तक सफसवा मिसी है। हमें तो केवल हमी बात का सन्तोप है कि जितनी सर्वकंग दर काम में बरतनी 'नाहिए, उतनी बरती पाँ है है। धारण है कि मिरम में बिहानों के दिया निर्देशन तथा प्रकाशने के सहयोग से यह नमें बीर भी पूर्ण बीर पहुंबत हो स्वेला। दूरी वेप्टा करने पर भी मीद हससे मुद्रम मादि की मसुदिया रह गई हों तो तो उसके लिए मेरी पाठक हमें उदारतावृद्धें क्षमा करेंगे । विद्वान पाटकों से अनुराध है कि वे इन शूटियों की छोर हमारा ध्यान दिलायें, जिससे उनका सुधार कर भविष्य में इसे धीर भी सदर तथा उपयोगी बना सकें।

हम उन सभी प्रशासकों को हुदय से धन्यवाद देते है जिन्होंने इस सुची के निर्माण में प्रपता धनन्य सहयोग दिया ! बास्तव में यदि उनका सत्रिय योगदान न निवता तो हमारा यह अनुष्ठान इस रूप मे न आ पाता । हमे आशा ही नहीं, प्रत्युत पूर्ण विश्वास है कि भविष्य मे भी वे अपने नवीन तथा बहुमूल्य प्रकाशनों की जानकारी यथा समय देते रहा करेंगे जिससे इस एथ के मागामी परिशिष्टो (Supplements) में उन रचनामी का समावेश हो सके।

प्रस्तुत शर हमारी पूर्व प्रकाशित 'बहद हिंदी बच सूची' के परिशिष्ट के रूप में तैयार किया गया है। इसमें १६६४ तथा १८६६ में प्रकाशित धीर पहले खड़ से छूटी हुई उन सभी पस्तकों का सबमें दिया गया है, जिनका विवरण हमें सविधायवंक उपलब्ध हो सका । इस खड़ की तैयारी में यदि हमें श्री दीनानाथ वधवा (ध. एस लायवेरी झाँक कार्यस, नई दिल्ली) वा सक्रिय सहयोग उपलब्ध न हुमा होता तो बदाबिल यह इतता सर्वांगित धीर अवयोगी न हन पाता । इसके लिये हम उनके हार्दिक श्रामारी हैं।

यदि इस व्यवहारोपयोगी सदम-प्रव से पाठकों को कुछ भी साम बिल सका, तो हम अपना पश्चिम सार्थक समस्ये ।

दिल्ली, १ मार्च, १६६७

य. पा. म.

क्र. स.

इस ग्रंथ-सची का उपयोग करेंसे किया जाय

इस मृहद् हिंदी प्रय सूची ' परिशिष्ट १८६६ में ६५० प्रकाशकों की समयम ४,००० पुस्तकों का विवरण है। इसके दो विमाग है (१) सेखक-निर्देशी (२) ग्रय निर्देशी।

देक दा तकागि ह (१) जलक-प्रत्या (१) प्यानिकाः । सेसक-निर्देगी विभाग में सेसक-क्रम के व्यवस्था है: सेखक, प्रय का नाम, प्रकाशक, मूल्य तथा विषय । श्रय-निर्देगी विभाग में प्रय-शीर्षक से मनुक्य है प्रय का नाम, सेखक, प्रकाशक तथा मूल्य । साथ ही प्रनेक तरह के निर्देशी स्रतेस (Cross references) भी है (वेसे—मुक्तन दे खेनवंद्र 'युपन'; शास्त्री, चतुरसेन दे चतुरसेन, भावार्य) भीर प्रशासम्बद सेखको की जन्म-निर्मिया भी तो गई हैं।

स्यादित्व तथा एकरूपता लाने के लिए निम्निविधित प्रणाली अपनाई गई है, विवसे पुस्तको को शीम्रता से इडा जा सके—

१. प्रत्येक विमाग में पुस्तको को हिंदी घसार-कम के घनुसार रहा गया है। 'पनम वर्ण' के स्वान पर प्राय. सर्पंत्र 'भुनुसार' का प्रदोग किया गया है। जैसे—'पन्त' का 'पत्र', 'हिन्दी' का 'हिची'। यह इसिल्ए प्रावस्यक या कि सूपी के त्रम को सुगमता तथा स्वप्टता से जिमाया वा सके। सस्याए इस प्रकार से यी गई हैं जैसे वे घर्कों से किसी गई हैं जैसे क्या प्रदेश के स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता से प्राया स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता स्वप्ता से किसी गई हैं जैसे के घर्कों से किसी गई हैं। जैसे—

सट्ठाईस दिन की कहानी सठारह वर्ष बाद प्रठारहवरी रातों के श्रवमाया काव्य में देमगन्ति १८५७ भगरह सी सतावन

१८५७ का स्वतंत्रता संयोग

से लेखक निर्देशों में, यदि एक लेखक ने एक से व्यक्ति पुस्तक लिखों हैं तो उस लेखक का नाम एक बार देकर उसकी अग्य कृतिया नीचे दे दी गई हैं। जैसे---

गुरुदत्त, १८६४- भवतरणः सुद्रोध पा (पा.) २.०० कामना मा सा. सदन १.००

गया की धारा २ मा. मा सा सदन, १८,००, छ,

गया की घारा रे मा. मा सा सदन हैद.००. ह जयत की रचना मा सा सदन रे.००. दप्र.

प्र. जब दो लेसकों घमवा सपारकों ने एक पुस्तक विखी है तो पहले लेखक के गीने पुस्तक को पूरो जानकारी दी गई है तथा दूसरे लेखक प्रमा सपारक से पहले के लिए निकेंगी सलेख (cross reference) दे दिया गया है 1 किसी पुस्तक को दो से प्राथक लेखकों प्रमा सप्ता लोह

दिया गया है ।

प्रथ निर्देशी में यदि केवल पस्तक का नाम तथा लेखक ही हो तो पूरी जानकारी के लिए लेखक-निर्देशी देखें। ¥ यथ निर्देशी मे ब्रथ शीर्षक का पहला सब्द यदि अपर मा चुका है, तो उसे पन न देकर उनके स्थान पर '--' ξ

¢

£

80

15

32

13

88

ŧx.

पर दी गई है।

दिया गया है। जैसे-बढ़े बच्चे दिवारी रामचढ़ आत्माराय १५०। सहसेखक की जानकारी के लिए प्राप लेखक निर्देशी देखें।

लेखक और ग्रथ निर्देशी दोनो विभागी से एक लेखक के ग्रथ को यदि कई प्रकाशको ने प्रकाशित किया है ती लेखक भीर उसके वय को बार-बार न देकर '--- ' से सुचित किया गया है। जैसे--वृद्दनचदर एक गर्भ की

प्रकाशकों को अधिकतर सक्षित्व रूप मे दिवा गया है, जिसकी विस्तृत जानकारी (पते सहित) पुष्ठ संस्था ११

पदि एक पुस्तक को एक प्रकाशक ने प्रकाशित किया है तथा दूसरा उसकी विकी करता है, सो जिस सुधी से

जहा प्रकाशको की सूचियो में हमें पुस्तकों का विषय भी बिस गया है, वहा विषय की भी सक्षिप्त रूप से दे दिया

गया है। जैसे-'उ' से उपन्यास ना' से 'नाटक', 'क' से 'कहानी', 'का' से 'काव्य', 'जी' से 'जीवनी', भादि । (पूरी जानकारी के लिए पुष्ठ सक्ष्मा ह देखें) । जिन पुस्तकों के शीर्पक से जनका विषय स्वतः स्पष्ट है वहां विषय नहीं दिया गया है। जैसे-'प्रयंशास्त्र का सिद्धात', 'प्रारमिक रसायन' झादि। इस सुवी मे प्राय पचहत्तर पैसे से कम का कथा-साहित्य नहीं दिया गया है।

इस सुची मे केवल उन्हों प्रकाशकों को दिया गया है जिनकी पुस्तकें इस पुस्तक में समावेश हुई हैं। कुछ मन्य

प्रशास भी हैं । उनकी जानकारी के लिये भाग बहुद हिंदी प्रय सूची का १६६५ सस्करण देखें ।

वापसी राजपाल ३०० उ , --- हिंद पा १००. पातको का मत्य प्रकाशक-सची के भनुसार है।

यदि किसी पुस्तक का मस्य नहीं दिया गया है तो कृपया प्रकाशक के पत्र-व्यवहार करें।

हमे जानकारी मिली है, उसी का नाम दिया गया है।

ब्रथ निर्देशी मे जब एक पस्तक को एक से अधिक लेखको ने लिखा है तो एक लेखक को देकर आगे "" दे b

---चतरसेन शास्त्री के उपत्यासों में इतिहास का वित्रश भारदाज, विद्यामुख्य अ प्रतिष्ठान

धाचार्य केशवदास के तीन यथ केशवदास विक्वेडवरानद ४.०० -चतुरसेन का कथा साहित्य कपूर, शमकर विवेक २५००

का प्रयोग किया गया है। जैसे-

संकेत-सूची

घनु	•	धनुवादक	1
धर्य	-	ग्र यंशास्त्र	1
मश	-	धप्राप्य	
मा	-	ग्रालोचना, समालोचना	
इति	-	इतिहास	
ਢ	-	उपन्यास	1
ष	-	एकाकी	-
ক		कहानी	1
क्या	-	कया साहित्य	1
का	-	काव्य, कविता, शायरी	1
काम	-	काम विज्ञान	1
स	•	खड	- 1
खडका	-	स्डकाध्य	
বি	-	चिकित्सा	- 1
जी	-	जीवनी, जीवन चरित्र	
टीका	-	टीकाकार	- 1
दर्शन	-	दर्शन शास्त्र	- 1
दे	-	देखिए	- 1
घमें	-	वर्म, धार्मिक	1
ना	-	नाटक, प्रहसन	- 1
নি	-	निबध	1

पत्रकारिता पत्र परिवर्दित परि पाकेट पा प्रत्येक ਧ बालोपयोगी, प्रौडोपयोगी ਕਧ माग भा भूगोल भू महाकाव्य महाका यात्रा या लोक-कथा लोक বিন্নান ਰਿ व्यास्थाका**र** व्या शोध-प्रथ, शोध प्रवध द्योघ संस्करण स सप्रहरूती सम्रा सपादक सपा सशोधित सद्यो सस्मरण सस्म. साहित्य सा हास्य व्यग्य विनोद

हा

प्रकाशक-सूची

ग्रमा दर्शन पेखिल भारतीय दर्शन परिषद क्षी-१८ (ए) बायूनगर, जयपुर पखिल भारतीय सर्व-सेवा-सघ घ. भा. सर्वे राज्याट. बाराणसी-१ ध. वि गृह प. वि गृह प्रकाशन १३२ महात्मा गाची रोड, कलकत्ता-७ घजना घजना अवपासी प्रकाशन सबहा रोड, मुजफ्करपूर श्र बपाली मकादेमी माफ मार्ट, कल्बर एड लाङ्ग्वेजिख ग्रकादेमी भाफ भाट जम्मू (क्यभीर) धक्षर प्रकाशन ग्रा. लि २।३६ जवारी रोड, दरियागज, दिल्ली-६ धसर ग्रसंह मखंड ज्योति संस्थान मयुरा ६१।१४८, बुलानाला, वाराणसी घटल प्र भटल प्रवाशन यत्तरबद धतरबद कपूर बद्देत बाधम घटैत बायम ४ डिडि एन्टासी रोड, कतकता-१४ चनाध मनाय विद्यार्थी गृह प्रकाशन १७८६ सदाशिव, पुना-२ धनिल प्रकाशन मदिर धनिल प्रमः १५३४ कचा सेठ, दरीबा कला, दिल्ली-६ मनु पुस्तकें धनु पुस्तकें हारा मुद्रक निष्काम प्रेस, मेरठ १००-सी, नई मडी, मुजपफरनगर शनुपम धनुपम प्रकाशन बनुसंघान घनुसधान प्रकाशन दणा२५६, भा**चार्यनगर,** कानपुर भनुप साहित्य सस्यान जगपरा, नई दिल्ली मनुष सा-षपरा ४१ ए तारावद दत्त स्टीट, कलकता-१ धपरा प्रकाशन भपूर्व धपूर्व प्रकाशन भनमेर प्रयोती मपोलो पब्लिकेशन चौदा रास्ता, वयपुर प्रमित्तान धिभागत प्रकाशन राची. वितरक : पुस्तक भवन, राची प्रभिनव पिभनव साहित्य प्रकाशन वीनवत्तो, सायर (म प्र.) प्रमरावती प्रमरावती मदार विद्यापीठ, मागलपुर, विहार ग्रमिताम, इ धमिताम प्रकाशन इलाहाबाद मिताम, क भ्रमिताम श्रकाशन २० बात मुकूद यक्कर रोड, कलकता-७ धमिताम, ल धमिताम प्रकाशन धमृत बुक कपनी भमृत क्नाट सकेंस, नई दिल्ली-१ भरविद प्र. गु. मर्रावद प्रकाशन वह घटर (राजस्यान) धारुण प्र. भ्रहण प्रकाशन १६२ नीमू गोस्वामी लेन, कलकत्ता

हमारी यह प्रान्तिक प्रभिनाषा थी कि यह मुची खबाँगपुष हो घीर प्रविक से यविक उपयोगी बने । यदि प्राप ऐसे प्रकाशनों के नाम हमारे पास भेर्ने, जिनका इसमें समावेश नहीं हुया है, तो हम प्राप्त प्रामारी होंगे।

२१ ए. बी के पाल एवेन्य, कलकता-६ धर्चना, क धर्चना ४१।१६, पटेल नगर ईस्ट, नई दिल्सी-१२ धवंना प्रकाशन घर्चना प्र महादेवा रोड, झारा (बिहार) प्रचंता प्र. या-ग्रचंना प्रकाशन खासगी, ग्वालियर-१; वितरक : प्रेरणा प्रकाशन घलका प्र,ग्वा ग्रसका प्रकाशन गृह १७।२३६ बुजराअपुरा, कोटा (राज) सरवडी सदन, सीकर (राज) शसना प्र, सी धलका प्रकाशन मलपा-बीटा ग्रमफा-बोटा पब्लिकेशन्स पो वा २५३६, कलकता-१ प्रशोक पारेट बुस्स ४) ३१ रूपनगर, दिल्ली-६; वितरक : एन. डी द्यांकि पा सहगल एड सस, दरीबा कला, दिल्ली १६३ महात्मा गाधी मार्ग, कलकता ७, शाखा : घरोक पुम ब्रशोक पुस्तक मदिर ज्ञानवापी, वाराणसी-१ नई सडक, दिस्ती-६ सदीक प्र ध्योक प्रकाशन स्टेशन रोड, फर्ड खाबाद द्यारोक प्र. फ प्रचोक प्रकाशन बसिया भारीक संद भशोक प्रकाशन यशोक प्रकाशन मंदिर ३६ बी, चाहबद, इलाहाबाद धरोक प्रम ब्रागोक प्रेस घदोक प्रे भगरा बुक स्टोर रावतवारा, भागरा घागरा बुक (प्रकाशन विभाग), मागरा मागरा विश्व द्यागरा विस्वविद्यासय ४० केंसरवाग, सखनऊ-१ भाष्रहायण माप्रहायण मानायं युक दिपो ਕਾਵਿਤ घाचार्यं बुक धारमाराम एड सस काश्मीरी गेट, दिल्ली ६ द्यात्माराम धादशं पुस्तर भडार ५- मपर चितपुर रोड, कलकत्ता-७, डी ४३।८६ भादसंपुम लक्सा रोड, गुरुवाग, बाराणसी ४१६ श्रहियापुर, इलाहाबाद बादर्श हिंदी पुस्तनासय मादर्श हि भादिमजाति भनुसयान एव प्रशिक्षण संस्था हिदवादा (म प्र) घादिमञाति भाषतिक क्या बाधनिक स्या प्रकारान इसाहाबाद धाषनिक सा. स भाष्तिक साहित्य सदन ४८७२ चादनी चौक, दिल्ली-६ मानद पु,वा धानद पुस्तक भवन भौसानगत्र, वाराणसी-१ घानद प्र मानद प्रकाशन १३५-६, कृष्णनगर, इसाहाबाद-३ बादुर्वेद शिक्षा बायुर्वेद शिक्षा सहन नई दिल्ली बार्टेस एड मेंटसं घाटंस ५७ दरियागज, दिस्ती-६ मार्गी बामीं एजुनेशनल स्टीवं रामजस रोड, बरीनवाग, नई दिल्ली-४ धार्य जुव धार्य बुक हिपो ३० नाई बाला, बरोलबाग, नई दिल्ली-४ धार्य सा घार्य साहित्य महल लि थीनगर रोड, ग्राडमेर मामावलं प्रकाशन गृह धार्यावनं १५ ए, विसर्जन एवेन्यू, बसबता-१२ धांत इ ग्यूबपेपर श्रांल इंडिया न्यूबपेपर एम्पनाइड फंडरेशन एक २६ बनाट सबस, नई दिल्ली धालोग प्र, दि. धासोक प्रकाशन दिल्ली चालोग म . बरेसी धामीर प्रसाधन शिवाजी मार्ग, बरेमी

मालोक प्र, बी घालीक प्रकाशन मालोक प्र. म मालोक प्रकाशन मालोक प्र, भी ग्रालोक प्रकाशन माशा पब्लिशिय हाउस धाशा पश्चि धाशा प्रकाशन गृह धारत प्र प्रास्या प्र प्रास्था प्रकाशन ड पब्लि इहियन पब्लिने शना इंडिया पन्तिश्य हाउस इ मन्ति हा

इंडियन प्रम (चब्लिकेशस) प्रा लि ड प्रे इडोलाजिन्स वक हाउस इडोलाजिकल इतिहास प्रम इतिहास प्रकाशन महत्त इन्टर वृति इन्टर युनिवसिटी प्रेस (प्रा) सि इन्टरनेशनल स्टैडर्ड इन्टरनेशनल स्टेंडहं पश्लिकेशन्स उचित प्र त्रचित प्रकाशन उत्कर्षे प्र जन्मचं प्रकाशन उत्कल प्रातीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा उत्कल प्रा उदयपुर विश्वविद्यालय उदयपुर विश्व स्दराचल उदयावल उपन्यास प्र सपन्यास प्रकाशन खमेश उमेरा प्रकाशन एम एल बुक एम एल बुक डिपो एमने पब्लिकेशन्स एमके एलाइड पब्लिशसं प्रा ति. एलाइड एवर प्रीन एवर-ग्रीन प्रकाशन

एशियन पश्चित्रासं

एस बाद एड क

एशिया पश्चिशिम हाउस

एस डी रामां एड कपनी

भोरिएटन पश्चिमिय हाउस

मोरिएटल प्रक्ति कमुहि कमल प्र

एशियन

एशिया पश्चि

एस डी शर्मा

एस चाद

क मु हिंदी तथा माधाविज्ञान विद्यापीठ कमल प्रकारान

कमल प्र, प्र कमल प्रकाशन कमलबीर प्र कमलबीर प्रकाशन कमतेश प्र कमलेग प्रकाशन कर्नाटक प्रतीय कर्नाटक प्रतीय हिंदी प्रचार समा कता प्र, इ कता प्रकाशन करा प्र, दि कता प्रकाशन के ई राम रोड, बीकातेर मही बीस, मुरादाबाद मोतीभ्रीत बीड रास्त्रा, जयपुर करोजवाम नई दिल्ली-५ १/ बह्यसम्बद्ध कोलायटी, सहसदाबाद-७ हिल रोड सम्बाला केंट्र समस्यर पैकर, इंटर शिमोल, नवई-२२, बाव : ५-ए सहाद मार्केट, करोलवाग, नई दिल्ली-५

१-ए प्रह्लाद मार्केट, करोलबाग, नई दिल हताहाबाद बारामजी ११२६ नवाबी बाग, दिल्ली ३४ एफ १११६, समारी रोड, दरियागज, दिल्ली बारामजी ४ हताहाबाद २-१-५२७॥३, नन्ताकुटा, हैदराबाद २० कटक-१ (हिली दिवाग), उदयनुर धार्मेड्रमार रोड, पटना-४

अ. नाय मार्केट, नई सहक, दिस्ती ६ पी उत्पर्धा (दुवें रेगदे) १ बनाल भी टी रोक, शाहदरा, हिस्ती १२ १३।१४, धानक बती रोड, नई क्लिडी १ ४ ए।१० वी राजेंद्र नगर, नई दिल्दी ५ ०५, नई मार्जेट नगर, नई दिल्दी ५ ०५, वर्षा मार्जेट नगर, नई दिल्दी ६ क्लिडी हो प्रकार, नई दिस्ती-१, जाउनदेन, दिल्ती ६ १० जी जी रोड, दिस्ती-१

संस्वतः

षावस्य दुनिर्विष्टी, धावस्य द्वित सीदी, यहें स्ट्रीट, यो बा ११२, राची (विहार) सनाव मती, धवाला छावनी २३ बी ४, सेहतक सेट, नई दिस्सा-४ बाजार सीताराम, दिल्ली ६ (२४० व्यटो समिति) धारबाट १४० बुट्टीयब, इसाहाबाद-३ दिस्सी कला ग्रेस रुखा ग्रेस कृष्ण यती (सराय सैयद भनी), मृजवफरपर कला भारती बलाभा. (बिहार) नई सडक, दिल्ली-६ कला मदिर कला म क्लावतार पुस्तक मदिर जोधपर मलावतार कृष्णक्व, बीकावेर कस्पना प्रकाशन करपना प्र कस्याच मदिर कटरा, प्रयाग कल्याण य ज्ञानवापी, वाराणसी-१ बस्यापदास ए इ बदसँ कल्यासदास त्रिपोलिया बाजार, जयपुर कस्याणमल एड सस कल्यागमल मनकर (राज) स्थिता बर्विता प्रकाशन (एव इस्यू एव ८०) पी बी. १२६२, मर्ती काटेज काटेज हडस्टी इपतर के पीछे जमना रोड, दिल्ली-६ गाजियाबार कानुनी कानूनी पुस्तकालय कारीना कारीका मार्ट सप्लावधं बेमजाना जिनेट स्तव के सामने, मेरठ सिटी काशीप काशी पुस्तक महार चौक, वाराणसी वाराणशी-१, विवरक बनारस हिंदू वृतिवसिटी काशी हिंदू काशी हिंद विश्वविद्यासय प्रकाशन बुक बिपो, बाराणसी-४ ४ महात्मा गाची रोड, मागरा-२ कि घर, बा श्तिव घर हाईकोर्ट रोड, सश्कर, ग्वालियर कि घर, खा किताब घर सोबती द्वार वाहर, जोयपुर कि घर, जो हिताद घर श्तिताद महल (होससेन डिविजन) प्रा सि १६ ए, जीरो रोड इलाहाबाद कि महल सोवन (हिमाचस प्रदेश) क्मार सम्ब कुमार सन्ज बस्ती शेख, जालधर शहर कृष्ण प्रम कृष्ण प्रकाशन मदिर हृष्ण मुरारी ग्रहवास ध्रजमेर कृष्ण मुरारी कृष्णा बदसँ धजमेर कृष्णा स मेंद्रीय भी परि बॅडीय गोसवर्धन परिषद वर्ट दिल्ली स्वास्थ्य सेवामी का महानिदेशालय, स्वास्थ्य मना-बेंद्रीव स्वास्थ्य दिशा व्यरो केंद्रीय स्वास्थ्य सय, भारत सरवार, बोटला रोड, मई दिल्ली-१ १५।१६ पेन बाजार, दरियागन, दिल्ली-७ बँडीय हि केंद्रीय हिंदी निदेशालय बैतारा पस्तक शदन वैनागय श **पैसाय व** कैसाश बदर्स १६।१८ विवेशानद मार्ग, इलाहाबाद-६ बीतिल ग्राफ साइन्टिविक एवड इन्टिस्ट्रियस हिंदी यूनिट, वी धाई की भवन, हिलहाइड रोह, **व**ैशित रिसर्प गई दिन्ही-१२ रोमराज नेमराज योक्ष्णदास गगहरा प्रवादान रार्मा सदन, वृष्वीपुर, पटना-३ र्गगहरा प्र गरा पुरनबमाना बार्यातय गगा सहराज मयाप्रमाद एक्ट सस निटी स्टेशन शोह, धागरा गयाच्याद समें व. नमें बदते १ कटरा रोड, श्लाहाबाद विदिय गिरिक प्रकाशन दीवनिवास, पत्रवस्पूर गीत प्र. दिस्सी गीत प्रशासन

गीता गुरुवूस कागडी गोविदराम

गोविंदराम हासानद एय निकेतन ग्रय निकेतन

वय नि, दि चय नि.प र्यमारती वयभारती वयम चयम

गुषमाना-कार्यालय वयभासा ग्रयासय

ग्रयासय, माः चद्र प्र

चदामाभा पब्लिकेशस चदामामा चंद्र प्रकाशन चरसोक प्रकाशन

चद्रातप प्रकाशन

चढ़छोक चद्रातप

चमनलाल सोनी एण्ड कपनी चमनचाल चित्तरवन प्र. चित्तरवन प्रकाशन चित्रकला सवग

चित्रकला सगम

বিষযুদ্ধ সকাহান বিসমুদ্র

चित्राधार चित्राधार चिरमय चित्रमय प्रकाशन

चैतन्य चैतन्य प्रकाशन

भीसवा

चीखबा विद्या भवन

चौपरी छतीस लोक जगजीवन सर्वोदय जगत राम

हत्तीसगढी नोक-साहित्य परियद जगजीवन सर्वोदय भाषम टस्ट क्षा व जगवराम की रिटायर एस ही हो। बगत चसचर जन कल्याण प्रकाशन जदलपुर प्रकाशन गृह

जगत शलघर जन कल्पाण अबलपुर प्र गृ-जमशेदपुर मोजपुरी जयशिव

जमशेदपुर मोजपुरी साहित्य परिषद जयशिव बुक एजेंसी जवाहर पुस्तकालय जिज्ञासा प्रकाशन

भौभरी एड सस

जवाहर जिलासा

जैन म क्षेत्र दि जैन भ क्षेत्र शीमहावीर जो जैन प म जैन पृस्तक मंदिर

जैन सस्कृति जैन संस्कृति संरक्षक संघ

शीता प्रेस

गुरुकुत कामडी विश्वविद्यालय

कृष्ण नगर, दिल्ली-३१ चौषरी टोला, पटना-६ ≈६।४२४, देवनगर, कानपूर-३ १०४ ए।२१५, रामबाय, कानपुर भिखनापहाडी, पटना-४

सुजागज, भागलपर-२, बिहार

(बुरुकुल सम्रहालय), हरिद्वार

नई सडक, दिल्ली-६

२. ३ धरकाट रोड, बदयलानी, महास-२६

ग्रसीगढ चहलोक भवन, १३ दरमगा कालोनी, इलाहाबाद ६२ पार्वती घोष लेन, कलकत्ता-७

धमुतसर श्वर

गोरखपुर

एत ७७ बादे लाइफ बिल्डिंग, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

पुरानी बड़ी, धन्नभेर

क्षकता थीडा रास्ता, जयपुर, विकेशा दी स्ट्डेटस बक कं , जवपुर

मदनगोपास कुलश्रे क का हाता, हच्णानगर (दर्शनपुरवा) कानपुर

थौखबा, सस्कृत सीरिज प्राफिस, गोपाल मदिर सेन, वो बा न० ८, बाराणसी-१

नीची बाय, वारापसी हर्ग(म प्र) श्रीकोलायतथी, बीकानेर (राज) १०० दयानद मगर, समृतसर

कमच्छा, वारावसी-१ योपाल चवन, याधव नगर उज्जैन (म प्र)

११, नवा वाजार, जबसपूर १, गोलमुरी बाजार, जमशेदपुर-३

साकची, जमसेदपुर बसकुडा बाजार, मधुरा =६१३३७, देवनवर, कानपूर-३

(साहित्य बोध विभाष) महाबीर भवन, जयपुर चौडा सस्ता, वयपुर

सोतापुर

जैन सा जैमिनी प्र जानदीय प्र.

झानपीठ शान भारती, दि

ज्ञानमहल ज्ञान महल प्र ज्ञान मदिर

ज्ञान सर्वे भानसोक ज्ञानोदय क्योत्स्ना प्र

टी भार

ज्योत्स्ना प्रकाशन टी झार एण्ड कपनी त्ररिक्की प्रकाशन तारा पश्चित्रकेशस

तारामहल प्रकाशन

तुलसी साहित्य सदन

तेजहमार बुक डिपो

त्रिपाठी एण्ड सन्स

दत्तदपुत्रा वि

दस कहानियां प्रकाशन

दिनेश प्रशासन सटीर

दित्सी पुस्तक सदन

दिवार प्रशासन

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार समा

त्यागी प्रवादान

तुलसी स्मारक समिति

जैन साहित्य धोघ सस्यान

जैमिनी प्रकाशन

शानदीय प्रकाशन

ज्ञानपीठ प्रा सि

ज्ञान महरती

ज्ञानग्रदल लि

शान मदिर

शन सहल प्रकाशन

ज्ञानास्रोक प्रकाशन

जानोस्य प्रकाशन

ज्ञान सूर्य-साहित्व म्यूबता

सर्गिणी तारा तारामडल

त्तलधी तुलसी स्मारक **वे**जकुमार स्यागी प्र.

त्रिपाठी स दक्षिण भा

दत्तवयु दस कहानिया दिनेश प्र. कू

दि पु स दिवानर प्र

रिष्यासीस च

दिवस

दीप प्र, म दीय प्र.स देववप देवभारती प्र देव समाज

देहाती धन्वतरी वर्मभूमि प्र दिव्य जीवन साहित्य प्रकाशन दिव्यालोक प्रकारत दीप प्रकाशन दीप प्रशासन देवबय् देवगारती प्रवाशन देव समाज देहाती पुस्तव महार

धन्वत्ररी कार्यालय धर्ममूमि प्रकाशन

छिदवाद्या (भ प्र) खजाची रोड, पटना ४ श्रा १४ रूप नगर, दिल्ली बाराणसी (बनारस)-१ सैंदुल नाववें री के पास, लश्कर, म्बालियर मानपुरा (म प्र) ३८।खा१ बनीडीह परियत, जीनपर

महावीर मबन, सवाई मानसिंह हाईवे, जयपर

१३७, प्रकाशवीयी, इयोडी धागामीर, शल्लमळ बेकाप्र, मुगेर (विहार) २६० बास्त्री नगर, कानपर

द**१** एफ, कमलानगर, दिल्ली-६

इसाहाबाद

कसकता

कमच्छा, बाराणशी मुजफ्फरपुर (बिहार) महारमा गांधी मार्ग, इन्दौर संस्थान

यो वा ८५, सलनऊ मेरठ

बाराणसी (प्रकाशन विभाग) स्थानराय नगर, महास-१७ महात्या गांधी मार्ग, धनमेर १३२७ पसील रोड, बाजमेरी मेट, दिल्ली ६

द्यसीगढ १५, मुबी बगसी रोड, दिल्ली-७ बद्यीपर बतार का मकान, महर्रो का रास्ता रामगज, जयपुर

वाहिचेरी-२ विश्वमित्र भवत, वत्रिक्षीर वस, वद्या-१ ४०२१।२. ववासा शहर

३३ दुविवयगव, ससन्द्र श्रीनगर बेतिया, चपारन (विहार) भारतनगर, इसाहाबाद

मोगा (पत्राव) धावडी बाजार, दिस्सी-६ विजयदह, श्रामीगढ दिस्सी

घारा प्रकाशन बारा मदिक्योर एड दर्स नद. ब्र नदिकशोर एड सस नद सः नई सदी प्रकाशन नई सदी प्र नगीना प्रकाशन नवीना प्र नया लेखक प्रकाशन नया सेखक प्र-नवा साहित्य प्रकाशन नया सा. प्र मध्यर प्रकाशन नस्यर प्र. नरेंद्र सक्ती प्रकाशन नरेंद्र बक्ती म मसंरी पश्चिशिय होम नर्सरी नव साहित्य प्रकाशन नवसाप्र-नव साहित्य महिर नवसाम-नदचेतना प्रकाशन नवचेतना नदजोत पब्लिकेशन्स नवजीन नव ज्योति प्रकाशन नव ज्योति प्र., मा-नवभारती सहकार प्रकाशन प्रतिष्ठान मबमारती नदभारती प्रकाशन सबसारती प्र नवयुग ग्रय-कुटीर नवगुग यः कुः नवदुग ग्रवागार नवपूर्व प्रयागार नववृग पुरुनक भंडार नवयुग पुञ नवयुग प्रकाशन नदपुग प्र नवयुग बुकस्टाल नवयुग बुकम्टाल मययुग साहित्य सदन नवपुग सा. स , घा नवयुग साहित्य सदन नवपुग सा स , इ नदहिंद प्रकाशन नवहिंद नदीनतम प्रकाशन नवीनतम नागरी प्रवारिणी सभा नाप्रसभा नारायण प्रकाशन मदिर मारायण प्र नारायण दुक डिपो नारायण दुक नालदा साहित्य सदन नानदा सा-नावस्टी एड क मावल्टी निराता नित्रेतन तिराला नि निरासा साहित्य सदन निराला सा. स निर्माण प्रकाशन निर्माण प्र,प-नीतम स्टोसं नीतम स्टोर्स नीलाभ प्रशासन नीताम नेशनल पब्लिशिंग हाउस

नेशनल

१०१, लूकरगत्र, इलाहाबाद पो वा ११२, बासफाटक, बारामधी-१ पो बा १७, चौक, बाराणसी-१ ए-२६७ डिफेंस कालोगी, नई दिल्ली ग्रम्बाला शहर हनुमान टोला भारा २-हो, मिटो रोड, इलाहाबाद ११ नाथ पस्ट पतोर, १२ वी रविद्र सरगी, कलकता-१ मीठापुर, पटना १ कानपुर बगलो रोड, दिल्ली-६ दलीपपुर, बाहाबाद कासिमलॉब, तीसरी मजिल, गुहुन रोड, तसनक-१ मानेर कोटला (पत्राव) नावनगर, भागतपुर-६ (विहार) (सी) ए बाधर, राजा प्रताप बाग, दिल्ली-७ ल्कर्वज, इलाहाबाद-१ ही का ने र सी ७४७ महानगर, लखनक धमीनुदौता पार्क, सखनऊ ३६, यू ए बगलो रोड, दिल्ली-६ ग्रमरावती वो बा. ७६, सोहा वडी, प्रागरा-२ श्चनुरी बाबार, इन्दौर-२ ८३१, बेगम बाजार, हैदराबाद ११५७।१, रोहतासनगर, बाहदरा-दिल्ली ३२ काशी क्षक्छा, वाराणसी-१ वरेड, कानपुर १६३ महात्मा गाघी रोड, वतकता-७ श्रशोक राजपय, पटना-४ मुजपफरपुर (बिहार) ७।४० रमेश नवर, नई दिल्ती-१५ कदमदुषा, पटना-३ बरहिया, मुगेर ५. खुसरोदाग रोड, इलाहाबाद-१ चुद्रलोक, २६-ए, बवाहर नगर, दिल्ली-६, नई सड़क, दिल्ली-६

प्रतिमा प्र

प्रतिमा प्रशासन

वाराणसी नेहरू साहित्य प्रकाशन गृह नेहरू सा रवींद्रपूरी, बाराणसी-प्र नवेद निनेतन नैवेद्य पो वा २६, धनबाद (विहार) न्यू स्केच प्रेस न्यू स्केच पजाब प्रादेशिक पत्राव प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन १४ लिंक रोड, जालघर (प्रकाशन विभाग), वहीगढ-३ पुजाब युनिवसिटी पजाद यू दरीबा कला, दिल्ली-६ पञावी पुस्तक महार पञाबी पटना-४ पराग प्रकाशन पराग प्र १६४, सोहबतिया बाग, इलाहाबाद-६ परिमल प्रकाशन परिमल २१० द्याशायज, धजमेर परिमल, अ परिमल प्रकाशन पटना कालेज के सामने, पटना-६ पहुजा बदर्स पहुजा बाक बयला शेब, पटना-१ पारिजात पारिकात प्रकाशन गोपालगज, सागर पारिजात अ, सा पारिजात प्रकाशन संस्वक पाइल प्रकाशन पादल प्र २१२। ५ वडाला, बबई-३१ पार्य साहित्य पार्व सा मदारी गेट, बरेली (उप) पावंती प्रवाशन पावंती चस्पतास रोड, ग्रावरा-३ पीतम प्रम पीतम प्रकाशन मदिर पुस्तक केंद्र संस्थात पुकेंद्र धशोक राजपय, पटना-४ पुस्तक जगत पु जगत पुस्तक महार योविंद मित्र शेह, पटना-४ प्रम पुस्तक मदिर ११ विवेकानद मार्ग, इलाहाबाद पुम,इ पुस्तव महिए ही १६।१८ व्यास भवत, माम मदिर, वाराणशी पुग, वा पुश्तक सदन गोला, घारा पुस, प्रा श्चानवापी, वाराणसी-१ पुस्तन सदन पूस, वा टाहा, बाराणसी पुनीत प्र पुनीत प्रकाशन पुना विस्वविद्यालय गनेश खिड, पूना ७ पुना विश्व संसनक पूर्णिमा प्र पुणिमा प्रदाशन पूर्व ज्योति श्रेष्ठ गौहादी-१ पूर्व ज्योति न, नेताबी सुमाय मार्ग, दिस्ती-इ पूर्वोदय पूर्वोदय प्रवादान पविदी प्रशासन **दारा**णसी पृथियी प्र पुरवीशात्र प्र पृथ्वीराज प्रदाशन मुमाय कुब, दा मुत्रे मार्ग, सीताबढी, नागपूर-१ न्यु बिल्डिंग्स समीनाबाद, लएनऊ प्र केंद्र प्रशासन केंद्र প্রধানার প্রবিধ্যার धानदपुरी, मेरह ম মনিংহান (दिवनेस मैनेजर) मूचना भौर प्रसारण मंत्रासय, प्र विमाग प्रकाशन विमान पुराना सविवालय, दिल्ली-६ प्रकाश बुरे प्रकास बुक्र हिपो बहा वाजार, बरेली (उप) १४ शिवटाबुर गली, बलबत्ता-७ प्रगति पष प्रगति पष प्रशासन घटिया धाजमना रोड, धागरा-३ प्रगति प्र प्रगति प्रशासन प्रतिमा परि प्रतिमा परिचद निवृत्तिया निवृत्या, होशवाबाद (म प्र)

१३ वर्षहरी रोड, देहरादूत

प्रत्यूय प्रकाशन प्रत्यूप प्रभाग्न प्रमा प्रकाशन प्रमात पब्लिशिंग हावस प्रभात पश्चि प्रमात प्रकासन प्रमात प्र प्रभात बुक हिपो प्रमात बुक क्रमोद प्रमा प्रमोद प्रकाशन मदिर प्रवास प्रकाशन प्रयाग प्र प्रयाग विश्वविद्यालय प्रयाग विद्रव प्रवीर प्रकाशन प्रवीर प्रसाद प्रकाशन प्रसाद ग्रं प्रमाट प्रकाशक महिर प्रसाद प्रम प्रसाद बुक ट्रस्ट प्रमाद बुक प्राची प्राची प्रकाशन प्राच्य विद्या प्राध्य विद्या प्रसारन केंद्र ब्रिटकाण्ड **प्रिटका**पर সিহলঁৰ प्रत्नेह प्रैस पुम प्रेम पुस्तक महार ब्रेग ब प्रेम प्रकाशन प्रेमी प्रकासन सदिर प्रेमीप्र स फुलचद वेदप्रकाश पूलवद बगाल हिंदी मडल बगाल हिं बगीय हिंदी गरियद दगीय बर्क्ड प्रकाशन प्रा नि बबई प्र बसल एड कपनी दसल बारहव प्र बारहरु प्रकासन बाल साहित्य मदिर बाल सा म बाल हितैपी बात-हितंपी पुस्तकमाला विय कु बिहार ग्रम कूटीर बिहार पब्लिशिंग हाउस वि पश्चिम विहार राष्ट्रभाषा परिषद बि. राष्ट्र वियाणी दिवाणी प्रथ प्रकाशन समिति **डिटानचट** विश्वनचंद्र

बीकानेर टाइम्स

बुक हाइव वेद्यास

बेनीपुरी

माग्र नि.

भा वयमाला

भा चरित्रकोश

भा, ज्ञानपीठ

२२४ हरि सदन, खैरनगर गेट, मेरह शीश महस्र, मेरठ ही-१२२ कवीर मार्ग, वशीपार्क, जयपुर ७ ससार चद रोड, नयपुर विहार्रापुर, बरेली ३०१४, चर्खेंबालान, दिल्ली ६ गडलेश्वर (प नि) य प्र गुडगावा क्लकता १५, बकिम चटर्जी स्ट्रीट, कनकत्ता-१२ के-१६, नवीन शाहदरा, दिल्ली-३२ फेफ़ाना (थी वयानगर) राजस्थान बाव मुज्जफर सा, भ्रावध-२ बाराणसी-१ खजाची रोड, पटना-४ पटना-४ षटना-३ इटीर **टिल्ली** बीकानेर टाइम्स प्रकाशन वीकानेर युक हाइव २६।१८ ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-६ वेषास प्रकाशन गरीठा (भांसी) वेनीपुरी श्रवासन मोतीकील, मुजफरपुर (बिहार) भारतीय प्रव निकेतन १३३, बाजपतराय मार्केट, दिल्लो-६ भारतीय ग्र बमाला गुगे नवाद का पाके, भ्रमीनावाद, लखनऊ १२०६ आ४४ जनली महाराज पय, पूना-४ मारतीय चरित्रकोश महत्त मारतीय ज्ञानपीठ द्गीकड, वाराणसी-४, प्रधान कार्यातय ६, प्रतीपुर पाकप्लेस, क्षकता-२७

शमबाग, कानपूर ८१ वी डी कृष्यनवर, इलाहाबाद-३ नया गाव, लखनऊ २०५, चावडी बाबार, दिल्ली-६ पवित्रतम हृदय निवास, दीधा घाट, पटना-११ कान्ह महाजन का बड, पुरानी बस्ती, जयपूर २१४।६५ चक, इलाहाबाद ३ प्रयाग ४०।६८, परेड, कानपर भागलपुर-२ म्रोरियन्टल पश्निशिन हाउस, ४०।७८ परेड कानपुर, चेरो वाची कोठी, घटिया पिप्लोईट, ग्रागरा-१ कमानी चैबसे निकल रोड, बेलाई इस्टेट, बबई १

बहादुरगज, इलाहाबादे भारतीय परिषद मा परिषद दिस्सी भा प्र-, दि भारतीय प्रकाशन ११६, सागर भवन भूलेश्वर, वबई-२ मारतीय प्रकाशन भा प्रब **ज्ञ**सन्द भा प्र.ल मोरतीय प्रकाशन संघनऊ भारतीय प्रकाशन मदिर भा. प्रम.त १७७, मिसिर पोखरा, वाराणधी-१ मारतीय प्रकाशन महत्त माप्र महल मलीगढ भाग्न मदिर भारतीय प्रकाशन मदिर ३१।१४४ श्रलवर गेट, मजमेर, ४६४३ रेगरपुरा, भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान भा प्राप्य यसी ४०. करोलबाग, नई दिल्ली-४ १७ वी इद्वप्रस्य मार्ग, नई दिल्ली मारतीय प्रौढ शिक्षा सब মা মীত मारत वृक्त डिपो मागसपूर २ भा दक मीडर प्रेस, इलाहाबाद भा भ मारतीय महार गोविदमित्र रोड, पटना-४ भा भवन भारतीय भवन भामात्र,दि भारत मारती प्रकाशन १३।३७ श्रवितनगर, दिल्ली-६ सी १।२७४, चेतवज, काशी भा मापा भारतीय भाषा प्रकाशन बोविंद भवन, चौबुर्जा, भरतपुर (राज) क्या सदिह मारती मदिश पो बा १०८, कचोडी गली, वारागसी भा विद्याप मारशिय विद्या प्रकाशन यौपाटी, वर्बा ७ मा विद्याभवत, व भारतीय विद्या भवन भा विद्यास भारतीय विद्या मदिर शोध प्रतिच्ठान बीकानेर (राजस्वान) क्रवारा, दिल्ली भा विश्व भारतीय विश्व प्रवाधन माई हीरा गेट, बालघर शहर भा सस्कृत भारतीय सस्तृत भवन २०४ ए वेस्ट एड रोड, सदर, मेरठ भारतीय साहित्य प्रकाशन भासा प्र भारतीय साहित्य मदिर पञ्चारा, दिल्ली भासाम ३०।६०, बनाट सर्वस, नई दिल्ली-१ भासासदन भारती साहित्य सदन विवेशानन्द मार्ग, प्रमाग भासासम्मे भारतीय साहित्य सम्मेलन ५०३, माता वसी मयुरा भाग्योदय भाग्बोदय प्रकाशन २८७, सैक्टर १५ ए, खडीगढ २ बारतेंद्र भवन भारतेंद्र भवन भगोल भगोन बार्यातय क्करहाबाट, इलाहाबाद विवरी बला, बाराणसी मोला प्र भोता प्रकाशन म स यूनिवर्सिटी पश्चिकेशम्स सेस्स यूनिट राजगहन दरवाने के पास. बडीदा-१ मंख पुनि योविद सवियों ना सत्ता, जयपुर मगत प्रशाशन मगल राटी मंदिर, बुलापेर, बापु शामार, जयपुर भेगम उदय मदल उदय प्रशासन मगन तारा ११०।३ नेहरू नगर, सानपर मगल खारा संगमा नागपुर मनसा प्रकाशन चौपटिया रोह, चौर, सक्षमऊ মস্ मेजुप्रकाशन यगप सा मनव साहित्य सदन प्रस मचुर प्र मपुर प्रकाशन बार्य समाज मंदिर, बाजार बीताराम, दिल्ली-६ मध्यप्रदेग शासन मध्यप्रदेश ग्रासन साहित्य परिषद् भाषा-सवासनासय, सदर मजिल, भोपाध (स प्र) मनोरमा मनोरमा प्रकाशन गृह टी-६४, अगपुरा सेन, नई दिल्ली

४६।२३, गोविंदपुरा वाराणसी-१ मनोविज्ञान प्रकाशन मनोविज्ञान मासी मयुर प्रकाशन मयूर रावपुर (म प्र) महाकोशल ब्रिटिंग प्रेस महाकोशन महाबोधि बुक एवँसी साग्नाय, वारापही महाबोधि ७०५, महामना मालवीय नगर, इलाहानाय महामना प्रकाशन मदिर महामना शब्दमाषा मवन ३८७ नारायण पेठ, पुणे र महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा महाराष्ट्र राष्ट वाराणसी १, पुस्तक सदन सामवानी, वाराणसी-१ मतृश्चि कित महाानित साहित्य मंदिर मागलप्र-७ महेश प्र महेरा प्रकाशन पो उन जिला पश्चिम नीयाड (जरगील) म प्र-माधव पुरतवासय মাঘৰ सतीदरवाया, उरजैन मानकवर वुक दियो मानकवद १६० संबटर ६, चडीगड मानवं प्रशासन मानव प्र ४० ए हनुमान लेन, नई दिल्ली-१ माखाई। प्रकासन मारवाडी प्र मापं दशंक रार्वातय १७८, पुसाईपुरा, महसी मार्ग दर्शक मित्र प्रशासन प्राइवेट निमिटेड मृट्ठीगव, इसाहाबाद বিব मीस प्र मीरा भकाशन लखनक ३=१२७६ राजॅद्रनवर पटना-४, दितरक साहित्य केंद्र, মুকুল সং मुत्रुल धकाश्चन ज्ञानवादी, वाराणसी बीकानेर मुन्ता प्र मुन्ता प्रकाशन मुशरी मुरारी वृद्ध विपो हरवतात रोड प्रावता-३ साहित्य साधना सदन, केलापाडा, जैसलमेर मुमल अ मु मत ५काराव मेहरचद मेश्रवद सहमनदास **ਟਿ**ਨਸੀ मोतीलाल मोतीसात बनारमीदास बगली रोड, जवाहरनगर, पी वा १५८६, दिल्ली-७ युगवाणी प्र युगवाणी प्रकाशन कारपुर यूनाइटेह बुद्ध डिपो युनाइटेड १३ वृत्विस्टी रोड, इलाहाबाद २ युनिडी यूनिटी पश्चिस ही १।१२० सामयत नवर, नई दिल्ली-१४ पुनिवसंत दुक म्निवर्धंस दृर हिपो गेत्रीपुरा, जबसपुर यूरेशिया मूरेशिया पश्चिशिय कवनी दिस्सी योग नि योग निकेतन ट्रस्ट द्राक्रपर-स्वर्गाश्रम रेलवे स्टेशन, ऋषिकेश (वि देहरादून) रतभूमि रगभूमि ५-ए।११, असारी रोड, दरियायज, दिल्ली-६ रजना प्र-रतना प्रकाशन वमदेदपुर रपञ्जीत रणशीन ब्रिटसं ए ड पब्लिशमं ४८७२, चाइनी चौक, दिल्लो-६ रतन ए४ क रतन एड क दरीबा कला, दिन्सी-६ रवीद प्र-, ग्वा रबीद प्रकासन पाटनकर बाजार म्वातियर-१, शासा : ३६, देश्ली गेट. भ्रागरा रस्वोगी रस्तोगी ए ड कम्नी मेरठ त्ता. बेतीप्रसाद रामनारायणसाल बेनोप्रसाद इताहाबाद-२ रा वेनीमाधव रामना प्रयासाल बेनोमाधव २, बटस रोड, इताहाबाद-२.

रोड १३, नई मडी, मुजपकरनगर (यू पी.)

पका पन्निश्चिम हादस

राक्ष पश्चि

रावेश पुन रावेश पुस्तक मदिरे १००३ वेसनगज, भागरा राज-पंम राजस्थान पुस्तक मदिए अयपुर राजस्यान परातत्त्वान्वेषण मदिर राज पुरा म जयपुर त्रिपोलिया बाजार, जयपुर राज प्र.ज. राजस्यान प्रकाशन बोधपूर (राजस्थान) राज प्राच्यविद्या राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान राज दुक राजरणान वुक स्टोर्म वापु बाजार उदयपुर (राजस्यान) राजस्थान भागा-प्रचार समा जयपुर राज भासा राज लेखक राजस्थान लेखक सहकारी समिति लि अयपुर राजस्थान साहित्य मकादमी (समय) सदयपुर राज साधना चौडा रास्ता, जयपूर राजस्यानी साहित्य प्रकाशन राज साप्र राजस्यान साहित्य समिति विसाऊ, जिला कुकुन (राजस्थान) राज सा समि जयपुर राज पंचायत प्र राज परायत प्रकाशन राज च चकमुसल्सहपुर, पटना-६ राज प्रकाशन द, फेन्न वा**जार, दि**स्ली-६ राजश्मस राजकमल प्रकाशन प्राप्तिः राजकमल पुस्तकमाला राजकमल पुस्तकमाला १६ एच ५, साजपतनगर, नई दिल्ली-१४ राजधानी बचागार राजधानी कारमीरी गैट, पो बा १०६४, दिल्ली-६ राजपाल राजपाल एड सस राजहसम्म म. राजहस प्रकाशन मदिर शिन्बनलाल ग विस एड सस, मेरट मालोपी बाग, इलाहाबाद·६ राजीव, इ राजीव प्रकाशन साल दूर्ती, येरठ केंट राजीव, मे राजीव प्रवादान वेधो भवन, तिलक द्वार, मयुरा राज्यथी प्रशासन राज्यश्री ४।१४ रूपनगर, दिल्ली-७ राधाकृष्ण राधाष्ट्रण प्रकासन ।, बसारी रोड, दरियागड, दिस्सी-६ रामचद रामचद एड क ध्रस्पतास रोड. घागरा रामप्रसाद रामप्रसाद ए ह सस नवीरादाद, सखनऊ राभा प्र रामा प्रशासन ध्रैमा६ वी विश्वास नगर (कडनडी रोड), शाहदरा, राप्टुप्र,दि राध्द्रभाषा प्रकाशन दिस्सी-३२ राष्ट्रप्रधा, इ इसाहाबाद राष्ट्रभाषा प्रचारक दिल्ली राष्ट्र, प्रचा. म राष्ट्रमापा प्रचार महल हिंदी नगर, वर्षा (महाराष्ट्र) राष्ट्र प्रदासमि. राष्ट्रमापा प्रचार समिति मारतीय सस्कृति पुनस्त्यान समिति, उत्तर प्रदेश, पो राप्ट्रवर्मं राष्ट्रधर्मं पुस्तक प्रशासन बा २०७, रघुबीर नगर, सलनक राध्टीय गैराणिक राष्ट्रीय पैक्षणिक बनुसमान एव मई दिल्ली प्रशिशण परिपद राष्ट्रीय संबद्दानय नई दिल्ली राप्दीय संग्रहालय राष्ट्रीय स्मारक राप्टीय स्मारक (दस्ट बस्तुरका बाम, इदौर राष्ट्रगीर प्र राहुगीर प्रनाशक दशादनमेश, बाराणसी, दिनरर : हि त्रवा. पु. रतनपुरा, सारण (विहार) राहुत पुग्तकालय राहुत पुरतशासय रीयन रीगम दुर हिपो नई सहक, दिल्ली-६

रूपक मल रोजनसास रूपक्रमल प्रकासन रोशनसास जैन एड सस

सहमी नारायण भग्रवाल लहमी ना

लता प्रकाशन तता प्र. प सता प्रकाशन लता प्र. सा

लमित कता, सस्कृति व साहित्य सकादमी सलित कला सवलीना प्रकाशन

सदलीना प्र

लहरी

सहरी बुक डिपो साजपत स्मारक साहित्य सदन लाजपत स्मारक लायल बुक दिपो

सायस सोक चेतना प्रकाशन लोक चेतना लोक सच प्रकाशन मोक सच

लोकप्रिय प्रकाशन स्रोकप्रिय स्रोकमारती प्रकासन सोकमारती

सोकराज प्रकाशन स्रोकराज लोडायत शोघ सस्यान लोकायत

कर्माव बर्मा बदस बाली वितान प्रकादन वाणी दिलान

बातायन प्रकाशन बातायन बासदेव प्रकाशन वामुदेव

विध्याचस प्रकाशन হিচ্মাবন विक्रमधिला प्रकासन विक्रमशिला प्र

विकेता प्रकाशक सप वित्रे ता विजय पुस्तक मदिर विजय प म विजय प्रामे विजय प्रकाशन

विजय बुक डिपो विजय दुक विज्ञान (प्रेस) मदिर विज्ञान म

विद्या प्रकाशन भवन विद्या प्र भवन विद्या प्रशासन मदिर विद्याप्र म

विद्या भवन विद्या भवनः उ विद्या सदत विद्या भवन, ल विद्या मदिर विद्याम . वा

विद्या मदिर विद्याम, हो विजायती प्रकारान विद्यावनी प्र

विद्यासागर बुक डिपो विज्ञासागर विनोद पुस्तक मदिर विनोद विप्लव कार्यालय विष्सव

विविध भारती प्रकाशन विविध

१५, बु बी बगलो रोड, दिल्ली-६ बोरढी का सस्ता, जयपुर

ग्रस्पताल रोड, श्रागय

पटना

मलसाचक, सारन (बिहार) जम्मु तवी

गोविंद निवास, मरोजिनी रोड, विले पारले (पश्चिम) वबई-१६, वितरक हिंग्र र.

पो बा ३१, रामक्टोस रोड, वाराणसी मीरवापुर (उन्न)

पाटनकर बाजार, सरकर, ग्वालियर १८४, शहीद स्मारक-पथ, जबलपुर

दिल्ली

३७, दरियानज, दिल्ली ६

११ ए, महात्मा गायी मार्ग, इलाहाबाद-१ सम्रादत गज, बारावकी

दाता हाउस, खबपुर

२१, न्यू सैट्ल मार्केट, मई दिल्ली ब्रह्मसाल, वाराणसी-१

इ हागा बिस्डिंग, बीनानेर मिनवीं बुक डिपो, माडल टाउन दिल्ली १

छतरपुर (म प्र) कालेज रोड, मुगेर (विहार)

टिल्सी

रामप्रसाद मिश्र पार्क, नारियल बाजार, कानपुर ४६१६६ ब्रह्मपुरी, मेरठ

जयपुर ऋषिकेच (देहरादून)

६शा १ रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली प्र

१६ = १ दरियागत्र, दिल्ली ६

सदयपुर संस्थ

बद्रासास, बाराणसी १

होवियारपुर बाम करिवया, यो करितया, नि माजमगढ

कल्याणी, मूजफरपूर हास्पिटस रोड, भागरा २१, शिवाजी मार्ग, लखनऊ ११७, बाडीबान टोला, इलाहाबाद-१

विश्रोर बुक डिपो, प्रमीनाबाद, लखनऊ विवेक प्रशासन विवेक नागपुर विश्वभारती प्रनाशन विष्ट्रवभारती ११७८, २२-बी, पढीगढ विरव भारती प्रकाशन विदव-भारती प्र मलास चौर, गोरसपुर विदव्दिदालय प्रनाशन विश्वविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यासय प्र. ग्. विश्वविद्यलय प्रवासन गृह विश्वविद्यालय हि प्र विश्वविद्यालय हिंदी प्रशासन संखनऊ साध् प्रायम, होशियारपुर (पजाब) विद्वेदवरान्द वैदिस शोध सस्यान विद्वेदवर। नद ४६।२७६ नाका हिंदोसा, सलनऊ-४१ श्रीणाः प्रवादान बीगा प्र ६०।१३, रोहतक रोड, नई दिल्ली-५ वेद प्रचा मं देद प्रकारक गडल थो बा १५०, बादु मोहत्ता, मजमेर घेद सस्यान घेद सस्यान श्री योगानद बाधम सत्सय सभा, लालघाट, यमुनातट, वेदात केसरी देदात केमशी कार्यालय सप्तसागर, वाराणसी वैदिक पुस्तकालय वैदिक पुस्तकालय वैदिस प्रशासन महिर इसाहाबाद वैदिक प्रम बन्दाणी, मुजपकरपुर वैद्यालीप वैदार्स) प्रकाशन ३. राउड विल्डिंग, कालबादेवी रास्ता, बबई-२. वोरा एड कपनी पश्निशर्स मा लि वोरा २६=६।१ कूचा ववनरां, कटरा महासिह, ममृतसर बोहरा प्रवादान बोहराप्र 'तपरवर्या, रेद १-क, शनवार पेठ, पुणे-२ व्हीनस प्रकाशन व्हीनस ११, दरियागब, दिल्ली-६ राङ्ग प्रकारान शहुन बाहबहीपुर হাবিব স লবির সৰায়ন ४७ लाजपत नगर, बनारस-२ शहर-नोच प्रवासन सरद-लोक क्षात्रपुर (जिला दरभया) विहार दार्भी प्रकादान হাম িয় रेसवे बाबार, हरुद्वानी सर्मा दुर डियो दार्मा खुव वेस्ट नवा गांव सलनऊ नशिषर शशिवर मालबीय प्रशासन ४१२ वन्दोडंगब, इसाहाबाद द्यादि जनवस स्टोर द्यादि जनरभ व्यात्रापुर जिला सहारनपुर লাতি ছয়ায়ৰ शानि प्र, ज्वा ए-४, तिविया कालेज, करोल बाग, नई दिल्ली-४ दांति प्र., दि दाति प्रचाशन शाति सदन, वाराणसी-४ बाहि प्रशासन शादि प्र., वा. १ पोनप्ता गेड, इस'हाबाद शारदा पुरतर महार शारदा पु. म. राधोगद शारदा पुरतक मंदिर कारदा पुमः भागतपुर २ धारदा प्रशासन धारदा प्र, भा शास्त्रा महिर बारायसी शास्त्रा मं, बा द्याहदरा, दिस्सी-३२ शिक्षा मा-शिला माग्सी थो ध्यामनगर, घन्रीगद (व प्र) शिव माहित्य प्रवाशन मेहल चिव मा २४३/२ ए, बाचयं प्रवृत्यबद्ध रोड, बसबता-६ विब सारिय मध्य चित्रमा सः शिक्यान धरव स एह क्पनी (शा.) वि बस्पनाम रोड बायस िवना र विदानी प्र जिबानी प्रशासन जमग्रदपुर-१, विनस्य . जयशिव युर हियो, माक्सी बाजार, जमगदगुर त्रेम निवास, भैनपुरी शीवग्र. धीय प्रकारत

रोपातिका रोफालिका प्रकासन योगा प्र-सोमा प्रकासन ध्यामल प्र. इयामल प्रकाशन स्यामसदर रसायनशाला स्यामसुदर धमजीवी ध्यमतीवी साहित्यकार प्रकाशन धीपरविद यी प्ररविंद ग्रायम वी प्रत्मोद्वा श्री धलमोहा वुक डियो खीएकपत थोगणपत भकासन धी गुप्ता थी गुप्ता स्टोर्स बीगुरदेव श्री गुरुदेव प्रकाशन धी दयाल पु सबन शीदयाल पुस्तक सबन थी निकेतन धी निकेतन प्रकाशन भी पीनाबरा पीठ सस्कृत परिचड् थी पीतांबरा

श्रीमालबीय थीराम मेहरा थीरामकृष्य थी की ब्रानदमयी

थीमा मारती

बी प्रभाकर थी प्रकाती 🗉

> धीमालवीय बनुसधान विमाग धीराम मेहरा एःड क. श्रीरामकच्या द्याश्रम श्री भी मातदमयी सव

थी प्रभावर साहित्यलोक

थी भारत मारती वा लि

श्री सवानी प्रकाशन

सगीत कार्यांतम

मरीत सदत प्रकाशन

सच शक्ति प्रकाशन

सतीय पश्चिशित हाउस

चंगीत सारीत संध सय राहित सनीय पृष्टिल सपतलाल सान्दर संबंद द. सतीशकुमार सस्साहित्य सन्मति सन्मार्ग

संपत्तलाख हेमराज सुराना जैन सरकार साहित्य माला सजस प्रकाशन सतीराकुमार एन्ड बदसे सरसाहित्य प्रकाशन दुस्ट सन्मति शानपीठ सन्मार्गे प्रकाशन समकालीन धकाशन समसातीन प्र समग्र नई शिक्षा समग्र नई समवाय समवाय प्रकाशन समानांतर समानातर समृद्ध समूदय प्रकाशन

सरदार सरदार वरसममाई विद्यापीठ सरस सदन सरस सदन

वयपुर

मालवीय नगर, लखनक घोसी, भाजमबढ गायघाट, वाराणसी-१

२६६/१, पदमनगर, किश्चनमब, दिल्ली-६

वाडेचरी-३ याची मार्चे, भ्रम्मोहा

पटना यो शिवडक, मुजफ्करपुर (बिहार)

गुरुकज, जि समरावती

ब्राम पराहा, डाकघर पचरा (सतास परगना, विहार)

बनलडेस्वर, दितया (म प्र) रानीकटख, सखनऊ

लछनऊ जैन स्टीट, १ अनुसारी शेह, नदा दिग्यागज,

दिल्ली-६ ऋषिकेश विद्यापीठ, हरिद्वार ग्रस्पताल रोह, ग्रायरा-३ चन्तोली, नायपुर-१ भदैनी, बारायसी

दद साउँच मलाका, इलोहाबा**र**

ज्यपुर इसाहाबाद

१६ इतवारिया वाजार, इन्दौर नगर

कैसाश भवन, वबई-६०

बीकानेर, वितरक : बालोक प्रकाशन, बीकानेर

'विपुल' २५५-ए/१६, रिज रोड, मलबार हिस, बबई-६ भागरा १६ बू बो बगलो रोड, जवाहर नगर, दिल्लो-६

१४/१६० सत्याग्रह मार्ग, वाराणसी-२ पटपडगर्व, दिल्ली-३२

नधनऊ

१७/७० थाई बान, श्रागरा-३ ५६४ उन्नीसवा रास्ता, सार, वर्द-५२ वस्तम विद्यानगर, वि धेरा

गणगीरी बाजार, अयपर

जार्जेटासन, इलाहाबाद सरस्यः पब्लि सरस्वती पब्लिशिय हाउस सरस्वती पुस्तक सदन योती बटरा. थागरा सरस्य. पू स सरस्वती प्रेस ५. सरदार पटेल गार्गे, पो वा २४, इसाहाबाद सरस्य, प्रे सरस्व सं., वी. सरस्वती मदिर चतनपूर, वाराणसी सरस्वती सदन मसुरी (उ. प्र) सरस्व स सरस्वती सदन सरस्य स., का धानदवार, वानप्र भरस्वती सवाद सरस्ब. सवाद आसरा सरोज प्र सरोज प्रकाशन भीक, ससनऊ-३ सर्जना सर्जेमा प्रकाशन थुप छाँह, अश्रोक नगर, इलाहाबाद-१ रामनगर दुर्ग, बाराणसी सर्वमारतीय सर्वभारतीय काशिराज स्वास कनाट सरवस, नई दिल्ली सस्टा साहित्य भडल हस्ता एन. डी. सहयल एड सब दरीवा कला, दिल्ली-६ सहगल सा. श्रदादमी शाहित्य भनादमी रबोड मवन, ३५, फिरोजवाह रोड, नई दिल्ली-१ साहित्क रूला ग्रनादमी ३५/२= सिविल लाइन्स, बरेली सारताध सा-दूटीर साहित्य बुटीर खडवा सा केंद्र. दि साहित्य केंद्र प्रकाशन हिस्सी साः केंद्र, वा साहित्य केंद्र ज्ञानवापी, बाराणसी सा. नि. वा साहित्य निनेतन बद्धानद पार्क, गिलिस बाजार, कानपुर सानि व साहित्य निकेतन बरेसी सा. प्र. साहित्य प्रकाशन मालीवाबा, दिस्सी-६ साप्तमः वा साहित्य प्रकाशन मदिश हाई कोर्ट रोड, सरकर, न्वालियर साप्रमदिर साहित्य प्रशासन मदिए रामपुरा, कोटा (राजस्थान) सा प्रतिप्ठान साहित्य प्रतिच्छान ६ महात्या गाधी गायं, धाररा साम.. मे साहित्य महार मेरत साः भवनः या साहित्य भवन ग्रस्पतास रोड, धावरा साहित्य मदन त्रा लि सा भवन, इ इसाहा शद साः मदल साहित्य महल १५५/२६ मटेस प्रसाद स्ट्रीट, मीनवीगन, ससनऊ माहित्य रतन भडार सा. रत्न भ साहित्य कृत, शागरा सा सगम, श्वा साहित्य सगम नई सहक, सरवर, ग्वालियर सा. सगम प्र , व्या साहित्य सगम प्रकाशन विवेशानद मार्गे, खालियर-१. साहित्य सगम सा सगम, भ-माता गमी, मधुरा साहित्य सगम साः सगमः, ल् बलाक टावर, स्वियाना षाः गस्यानः राज साहित्य-संस्थान राजस्थान विद्यापीठ, जयपुर मा मदन, घ माहित्य सदन धजपगढ़ (जिला पन्ना) म प्र. सा सदन, वि साहित्य सदन निरगाय (मासी) सा. सदन, दे साहित्य सदन पसटन बाजार, देहरादून सा. गेवा स. साहित्य सेवा सदन वाराणसी-१ सारेत सारे न साहित्य सदन ६२ हलवासिया मार्डेट, हबरतगत्र, मसनक धायी साबी प्रकासन सागर (म प्र) सारूम सार्ष राजस्यानी रिमुर्च इन्स्टीटयट बीकाने र

शाधना प्र. साधना प्रकाशन साधनः मदिर साधना म-सापना सदन साधना सदन

सारन जिला हिंदी साहित्य सम्मेखन सारन सार्वदेशिक द्यार्थ मार्वेटेशिक चार्च प्रतिनिधि समा

सविरकर सन्वज्ञान

प्रसार केंद्र के लिए प्रवीसञ प्रकाशन साहित्यवाणी साहित्यवाणी

साहित्यायन साहित्यायन साहित्यालोक प्र साहित्यासोक प्रकासन

साहित्यानोक प्राचा साहित्यलोक प्रकासन सिंघल सियल युक श्रिपो

सिहल सा हिहत साहित्य विकेशन

सुदर साहित्य सदन सुरर सदर प्र सुदर प्रकाशन

सुबोध पा सुबोध पर बुक्स सुमन प्र समन शकारान

सुमेर प्र सुमेर प्रकाशन मुलभ सुलभ साहित्य सदन

सुषमा प् सुपमा पुरवकालय सुपमा सा म सुषमा साहित्य महिर

सर्वे प्र सर्पे प्रकाशन

सर्वे प्रम सूर्य प्रकाशन मदिर सेठ सरबमल हेठ पुरवमल जासान पुस्तकालय

सेन्ट्रल बुक

सैन्ट्स बुक डिपो सोसायटी सोसापटी कार पार्रितयामेटी स्टडीब

सोहन प्र सोहन प्रकाशन स्रार स्टार पब्लिकेशव स्टूबुक, क, ज स्ट्डेंट्स बुक्त कपनी स्वराज्य स्वराज्य प्रकाशन स्वाति प्र स्वाति प्रकाशन

स्वाध्याव स्वाध्याय महत्त स्वास्थ्य सरिता स्वास्म्य सरिता शकाशन

हर्जुरिया दा हरजीवराम हरयाणा हरिनामकसा हाड़ोती

इस प्रकासन हबरिया बादसं हरबीवराम प्रकाशन हरपागा साहित्य सस्यान हरिनामकला पुस्तक सहार हाडीडी सोक साहित्य प्रकासन

१७/१११ रोहतक रोट, नई दिल्ली मिखना पहाडी: पटना-¥

लकरगदा, इलाहाबाद-१ छ्मरा (बिहार) दिस्ती

सुभाषकव डा मुखे मार्ग, सीतावहीं, नागप्र-१ ४. गोसाई टोला, इलाहाबाद-३

क्रीनपुर मरतपुर

भावरा वली धर्मशाला, बढौत (मेरठ)

जमेराती द्वार, भोपाल

ददर, गली बेरी वाली, सीताराम बाजार, दिल्ली-६

३६ शिवतल्या स्टीट, कलकता-७ नई सबक, दिल्ली-६ चिडावा (रावस्थान)

दिस्सी

पटना-१ ए ४/२२, कृष्णनगर, दिल्ली-३१

बबतपुर

नई सडक, दिल्ली-६ विक्सो का चौक, विकानेर

१८६ वितास्थन ऐवेन्यू, क्लक्त-७

इलाहांबाद १८ राबेंद्रप्रसाह रोड, नई दिल्ली-१

७४३ सरदारपुरा, बसतसागर वट, कोधपर २७१५ दरियाग्य, दिल्ली-६

वयपुर, बोधनुर ३४/२८ सिविल साइन्स, बरेसी बुलानासा, वारापधी पारही (बि सूरत) कोटपेट, बीकानेर

हर, जीरो रोड, इसाहाबाद बाई होरा येट, जालघर १ घरोक नगर, ससनऊ-१ गुरुकुल मञ्जर (रोहतक) २६०२ नई सडक, दिल्ली ११८ साहपूरा, कोटा (राजस्थान) हि प्रकादमी हिंदी बकादमी भूरलीधर बाग, हैदराबाद (पां प्र.) हिंगर हिंदी प्रय सलाकर प्रा नि ही राहाम, बबई-४ हिंदी-परिवद बाशापुर हिं परि, व चित्तबडा बांव, विलया (उ प्र) हि प्र,वा हिंदी प्रकाशन द्वाराष्ट्रसी • हिंदी प्रचारक पुस्तकालय पो बा ७०, सी २१/३०, विशासमीयन, वाराणसी-१ हिं प्रचाप हिंदी भवन हि भवन माई हीरा गेट, जालधर शहर हि शिक्षक हिंदी शिक्षक १२५ गिरगांव रोड, बबई ४ हि समि हिंदी समिति (व प्र शासन) सूचना-विभाग, प्रदर्शनी भवन, बनारमी माम, समनक हिंदी साहित्य कुटीर हिंसाकू हायी वली, वाराणसी-१ हिंसा केंद्र हिंदी साहित्य केंद्र चावडी बाजार, दिल्ली-६ हिंदी साहित्य परिषद हिं सा परि प्रवास हिंसा परि, पी हिंदी साहित्य परिषद प्रकाशन विभाग, ग्रीसी भीत हिंदी साहित्य प्रकाशन हिंसाप्र., च. ३ विकास पप, धलदर हिंदी साहित्य भडार हिं सा मः **४**४, चौपटिया रोह चौक, लखनऊ-इ हिंदी साहित्य सवन ड़ि. सा मदन लवनङ हिंदी साहित्य मदिर गहसोठ निवास, मेडती दरवाना, जोघपुर हिसार्ग, जो हिंदी साहित्य ससार हिं सा स १३, यू बी, बगली रोड, दिल्ली-६ हिंदी साहित्य सम्मेलन हिं सा. सम्मे. प्रयाग हिंदी साहित्यासय हि साहित्यालय रमा निवास (दमोह) म अ. हिंद पाकेट बुक्स शा लि हिंद पा जी. टी. रोड, बाहदरा, दिल्ली-३२ हिंदुस्तानी एकेडेमी हिंदु एकेडेमी देसाहाबाद हिंदू धर्म वर्ण व्यवस्या महल हिंदू धर्म गाबी चौक, कुलेरा (जि. जमपुर) हीरा-भैमा प्र हीरा-भैदा मकाशन १४ भोपाल कपाउन्ह, स्टेशन रोड, इंदीर-१ हृदय मदिर हृदय म १०६१२७४, बांधीनगर, कानपुर हेमक्ट श्रेस ई १४१४, पटेस रोड, नई दिल्ली-१२ हेमकुट

वृहद्ग हिंदी ग्रंथ-सूची : परिशिष्ट १९६६

छो

प्रवत दे शक्ल, रामेश्वर अचल अबाप्रसाद 'सुमन , १६१६ हिंदी भीर उसकी उपभापाओ का स्वरूप हिंसा सम्मे १००० हिंदी भाषा असीत भीर बतमान विनोद ६०० अविकाप्रसाद दिव्य, १६०७ तीन-पग सा सदन झ ४ ०० निर्वाण पय सा सदन घ १०० मकोलकर, व वि सामाजिक मनोविज्ञान विश्वविद्यालय मनय, १६१५ १६७५ मन्य रस सपा चद्रप्रकाश सिंह न स पुनि प्रवास सरस्वती, स्वामी १६११ ईशाबास्य प्रवचन सप्रह सुदर्शनसिंह धन सत्माहित्य मक्तियोग सस्साहित्य माबुक्यप्रवचन स २ सरसाहित्य श्री पुरयोत्तम योग सस्साहित्य ३०० भीमद्भागवत रहस्य सत्साहित्य सास्ययोग (गीता का द्वितीय प्रत्याय) सरसाहित्य ४०० मसिलेखात्रसाद प्रथंशास्त्र मह भवन ६०० भाषुनिक निवधावली भा भवन ३५० उच्येतर निवधावली भा भवन ४५० कॅनिज निवधावती भा भवत ४५० प्रारंभित प्रयोशास्त्र भा भवन ३ २% वैशिग के विद्वात तथा भारतीय वैक ध्यवस्या भा भवन 800 - तथा हरिहरप्रसाद राय प्रवेशिका नागरिक शास्त्र तथा धर्य शास्त्र भाभवन भा १ ३०० मा२३३५० (प्र) **—दोश प्र**योध्याकाड भा भवन ६ ५० विनावली भा सबन १२५ मुशामां चरित मा भवन १२% मस्तर दे जमनादास भस्तर मन्तिरप, महर्षि चर्रसहिता २ मा चौसवा ३६०० मन्तिहोत्री भवपदिहारी पच्चिष क्याय-क्त्यना विज्ञान चीलवा १६०

मैपच्य बल्पना विज्ञान भीखवा ५०० म्बन्निहोत्री, ज्ञानदेव माटी जागी रे ब्रास्माराम २०० ना यतन की मावरू उमेश २ १० ना श्रानिहोत्री डो डो रसायन शहत में बया, बयो, कैसे ? २ मा राजीव, मे ०७६ (प्र) सपूर्ण १२६ अस्तिहोत्री दिवाकर हिमालय का सदेश साकेत १०० का अम्निहोत्री सत्यनद मुक्ते ने देव जीवन का विकास देव समाज 5 20 बाब दे जैन, नेमचद 'बाब ग्रहवाल तथा गुप्ता बुक-कोषिंग के ग्राधृतिक सिद्धात हि प्रचापुर ७५ मुद्रा तथा वैक की रूपरेखा हि प्रचा पु २०० बाणिज्य सिद्धात हि प्रचा पु ३७५ मयवास, ममरनारावण, १६१७ भारत का वाणिज्य भूगोल रा वेनीप्रसाद ३०० बववात, बनोकडुमार तथा रामप्रताप त्रिपाठी पारमदानियो की प्रेरक कथाए सशोक प्र म १ २४ अववाल, बार एस सरल प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सहमी ना द्यप्रवाल भार दी भाषा विश्वान प्रकाश वुक ८०० प्रव्रवाल बार सी बौद्धेयिक सन्नियम नवयूग सा मग्रवाल एव वी दे कौशिक, एच के बब्रवान, एल सी भारत का सरल भूगोल मुरारी ३३० भगवाल, एस दी कृषि प्राणी शास्त्र सरल प्रध्यनन राज-हर प्रम ४४० कृषि बनस्पति वास्त्र सरल प्रध्ययन राजहस प्र म ४.५० धवनाल, एस सी तथा धार के मित्रा मुद्रा चतन एव अधिकोषण नवव्य सा ५५० मुद्रा, बैक्नि एव राजस्व नगयुग सा ६०० मौद्रिक धर्यशास्त्र नवपूर्य सा ७०० ययवान, कदारनाय, १६१२- पूल नही, रग बोलते हैं परिमल ६५० वा धग्रवाल, कैलाधचर सुधियों नी रिमिम्स प्रालोक प्र, धू. ३०० गोत प्रववाल, योपालवृष्ण मानव समात्र कि महल **≡** ५० प्रवदाल गोविद राजस्थानी सोक-स्थाए सा भ

प्रप्रवात, पनस्याम प्राचल दलन स्था अपूर्व द्विवेरीओ प्रोर वाणभट्ट की धारमकचा अपूर्व धरतो गाए रे हुएस मुरारी. २१० का पुगाकत अपूर्व का हिंदी-उर्दू स्वास्थी सपूर्व

ार्या प्रज्ञानिया साहित्यक निवन्य सपूर्व भग्रवाल, जे वे दे मुक्जी, सार एन सग्रवाल, जानश्याल प्रजाबी साहित्य का नवीन इतिहास

प्राचा प्र प्रव्यवाल, नीतम, सपा मृहरम्या कि महल १२ ५० ज प्रप्रवाल, पद्मजद तथा महावीरसरन जैन सपा विचार,

दृष्टिक्षोण एव सबेस विनोद १००० नि प्रमुदाल, पद्मा, १६२२- चच्छ नवभारती २२५ नोक

स १२५ इति प्रतीकवाद सनोविज्ञान

मैं मिनिस्टर वा बेटा हू कि महल २०० उ प्रयदाल, पृथ्वीहुमार है प्रयवाल, बायुदेवसरण प्रयवाल बी एन क्यानी सचिद्योग वाय-विधि स २ नवयुन

सा.स. या ६२५ इति

भारतीय वपनी ग्रामिनियम सः ५ नवयुगसा सः, ग्रा ३७% स्यापारित सन्नियम सशो सः ७ नवयुगसा सः, श्रा ६००से १०००

मयवाल, भारतभूपण, १६१६- चनुपस्थित लीह, कविताए

१६५६-६४ लोकमारती ४०० हमारे पर-अदर्शन रामाहरण, ४५० जो सपदाल, मापबदात उन्तित वेते करें हिंद पा (पा) १०० सपदाल, गोपदान देनतिका, नवसून स्वागार ३०० सपदाल स्वाधितार प्रसान १००० स्वाधित

सप्रवास, रामश्रिमोर 'मनोज' १६११- मिय विजन-वास उचित प्र २५० सप्रवास, रामनारायण कृतरी राज्यणी २०० लडका

मप्रवाल, रामप्रकाश बाल्मीकि और तुलसी - नाहियक मूल्याकन प्रप्रितिकात २०००

हीरे मोती भाषा प्र २०० प्रमाल, रामभरोसे गडा-महला वे गोड राजा रामभरोस

भयवात, महला ४०० भप्रवार, रामस्वरत्वालु भुग्यकोष मापा विज्ञान प्रवास पुव सम्प्रकार, राष्ट्रदेवारण, १८९४- आसीन मारतीय सरेवणण ज्ञानीवर रस्ट, भहमदावाद

भारतीय कता मणा पृथ्वीहुमार श्रववाल पृथिवी प्र. २५ ००

वैद-रश्मि स्वाध्याय ५.००

—स्या पदमावनः सा सदनः चि १५०० —सया प्रत्यः सपा व । सरनित्रशयः प्रति

स्वा प्रत्य, स्वा प० मुर्शननस्यम् मणि श्रमिनदन स्व
 प० मुर्शननारायण मणि त्रिताठी समिनदन समिति,
 पेऽ।१८ भैरवताप, वाराधमी २५००

००६० मरवदाय, वाराममा देश ००
 मयवात, वी छटन्वतीवात मीतीनात्त, ११०
 मयवात, गीत महावि नददास वैनात व २ ०१
 मयवात, गीतिमात गीति विद्यासमा देहाठी. ४१०

श्रवनात, श्रीहष्ण स्वाधीनता के सेनानी कृष्णा व ३०० जी. श्रवनाल, हसराज वैदिन साहित्य की रूपरेसा चौलवा.

२ ०० सस्ट्रत साहित्य का इतिहास, वैदिन साहित्य की रुपरेसा

सहित सबो स ४- गोसवा ७ १० प्रस्त रावपूत दे मार्टिया, योगुकराम भवल रावपूत प्रस्तुत फिट्टो का रण नेवनल १०० क. प्रवल दे प्रतादित प्रजय प्रवण दे पुरोहित, ववरताय 'प्रवय'. प्रवीत, अतकुमारी दे आनुकुमारी प्रकीत

चनानुसार व सामुझार अनात प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान क्षेत्र कर नथी परती : नथे लोग परिमान १००. उ. धनीतिषष्ठ भवरा भवडू ह्यां स्वास्थ्य सरिता १०० धनात दे बहीरे, स्वीदनाव 'मजात' । धनात दे वहीरे, स्वीदनाव 'मजात'

भन्नेय दे वारस्यायन, सञ्चिदानद हीरानद 'मनेय' भटल दे योगेदा भटल

्रिग्रटन दे शुक्त रपुनदनप्रसाद झटल' | भ्रटलेकर, ए एस दे सञ्जूमदार, भार सी | भ्रानिदेव विद्यासकार, १६०२- भावुवैदिव गाइड मोतीसास.

पू ०० चरन बहिता का सास्त्रतिक मनुशीलन पाति प्र , वा अवज्य-बहिता, ज्ञायम भीर प्रत्यक्ष दिन्टि हि समि

४५० योग विहित्सा चौत्रका ३५० वास्त्रमाव नाममूत्र देहाती ७५० स्रोत्रम् एए सार्वेश मनोविह्नान, मौतीलाल ६००

धधिकारो, महाबीर, १६१८- धपने प्रापको पहचानिये हिर पा (पा) १०० सालबहादुर प्राप्ती हिंद पा १०० गी धरीवर 'सरग'. उनेशी बयांजिय २०० धनत कियों के पेरे. नक्या प्रमागर ४२५ उ

सनत स य (सद्भाव प्रश्ति स्थायत १ ११ ड सनत स स (सद्भाव सहयद) भागो हिंदुस्तान मी सामार्थ २ १० नियोजित परिवार स्थापन सामार सुयोग प्र

महान् वाधितक हाँ. राषाहरणन् प्रेम प्रे २ ४० धनुवानुव दे सोतकी, देवेंद्रशतापशिक्षं पनुष्रानुवं, अप्यापनप्या गुक्रहम्य भारतीः कि महत्तः धवरोतः दे स्वीद्रवकार 'धवरोत'.

बब्दुस्मतार, काओ पहला धौर भाषिरी रातः विश्वविद्यालयः ४-००, स

सत्त्री विद्वविद्यालय २००. छ. धमयहुमार 'गोधेय', १६२३- थना से पवित्र सा. बेन्द्र, दि.

धमपरुमार याधयः, १६२३- श्यां स पावत्र सा. बन्द्र, १६ ६-०० ड धमरकातः, १६२५- शास्त्री हे धमन, राजीव, इ. ५-००. उ

देश ने लाग धार्यानन नया. न पराई डाज ना पछी हिंदी पा (पा) १-०० क. धमरनाव हिन्दी लाहित्य परिवय जानवान २-१०

—सपा गाम्त्री स्मृति षय ज्ञानातीरः

```
प्रमरनाय चवल रेडियो के लिए कैसे सिखें नववृत्र प . ब्र
   300.
ग्रमरनाय शास्त्री वैदिक स्वर समीक्षा श्रीमानवीय १०००
षमरवहादूर सिंह 'ग्रमरेश', १६२६- त्राति के नगन मा
```

प्र.स ६०० व चाचा नेहरू जिन्दाबाद इ पब्पि १.०० भाषा शास्त्र प्रवेशिका रा वेनीप्रसाद ६००

धनरसिंह धमर कोश, हिन्दी रूपातर श वेनीमाधन ११० प्रमरेश दे समरवहादर सिंह 'समरेश' प्रमिताम दे विशिषम, टेनेमी

प्रमीर सुसरी, १२५३-१३२५ सालिक बारी सपा. श्रीराम दार्माना प्रसभा २७१

प्रमृतराय, १६२१- इतिहास सर्जना ३०० व-

केंद्रपरे सर्जना २०० क. एस्बे का एक दिन सर्वना ३०० क गीली मिट्टी सर्जना ३०० व

चित्रकलक सर्जनाः ३ ०० कः चीवन के पहलु सर्जना २०० क नयी सभीता सर्वना ६००

नागफली का देश सर्वना १ ५०. उ प्रेमचन्द कलम का सिपाही सर्जना, २०००

बीज क्षेत्रना ६०० व भीर से पहले सर्जना २०० क

रम्या सर्वना ५०० लाल घरती सर्जना २५० क

सह चितन सर्जना ५०० हायी के दात सर्जना २ १० उ

—पनु भग्निदीझा सर्वना ५०० मादिवीहीही सर्वना ६ १०

मौत की परछाइया सर्वता ११० नुतन बालोक सर्जना २ ५० भासी के तस्ते से सर्वतः ३००

रबीद निवध माला सर्जना १२०० हैमलेट सर्वना ६००

---मगानुष्तधन २ भा सर्जना २०० (प्र) विरुधी पत्री सर्वना भा १७००, भा २ ६००

प्रमचद स्मृति सर्वेना ६०० मालाचरप सर्जना ११०० मजुमा हस ५०० र

विविध प्रसग सर्वना मा १ ७ ४०, भा २ ३

१२५० (प्र)

वादेतार सजना १ ६० हम सर्वता ६५०

यम्तराय दे शेक्तवियर, वितियम

मनुना प्रोतम, १८(६० धनुना श्रीनमको खँट कहानिया राजपात ३५०

भरती सागर भीर सीनिया राजपान २ १०, (पा) १०० पूप का टुकडा. राजकमल ८००. का

नागमध्य राजपास २५० (पा) १०० र, भम्मात, अनत लहमी, मनु रहस्यमय विश्व केंद्रीय हि

बबोध्यासिंह राज्य की बर्ब व्यवस्था एवं कर-सिद्धात हि

समि ७५० ब्रायर तथा औहर प्रायोगिक हेरी रखायन शास्त्र तथा पशु पोयत्र सिघत

ग्राग्वर हे घोष, ग्राग्वर पर्रावद दे द्विवेदी रामवनन पर्रावद'

ग्ररविद जनक १६३४- श्रसम को गोर मे भागी ७५०

ग्रहण बलियान कुमार सर्व ३०० धरण, १६२ट- धुनुरमुर्वो का रेगिस्तान धनु पुस्तकें ३ oo

घरण दे ब्रधस्वर ब्रह्म

प्रहण दे विद्यागर 'घरण' मरुग दे रामां सरनामीसह 'मरुप'

बरण दे सार्वेद्रप्रसाद निह 'भरण' श्रद्ध द्वित तदा पर्वतात अपूर्व का नया सुवेश आर्थ दुक.

प्ररपेश दे चतुर्वेश, सुन्दरलाल 'पर्गिश' बरोडा प्राप कवहरी निवामावती पहुजा १.०० प्यायत राज ऐस्ट एव नियमावली, १९६४ पहला-

बरोडा, बबरबीत मबुर मिलन चमनलाल. २००. छ

शरोडा, शानदप्रनादा भारत में नये बाटों का सुपन रेडी रेक्तर कि घर, जो ३०० घरोडा, भोनप्रकारा थम समस्याएँ एव समान कल्याण सरल

प्रध्ययन राजहस प्र **म** ६२५ घरोडा, पूर्वेबद्र, संपा बिहार भूमि सुधार प्रधिनियम, १६५०

पहुरा २ २१ भारत का बविधान सशो १६६३ पहुजा १०००

भगती पारक मिया बोलो गाइड देहाती २ ६०

पोटीय गाइड देहाती ४ १० वेडीब बाडी मेक्स देहाती २५०

चर्नेस्ट, बार में बमरीका की विदेश नीति भारभाराम ७ ५० श्रवाणी सम्पत्ति मगही व्यावरण कोश हिसा ए १०५० ग्रनस मध्य नवान देश और निवासी हिंद पा (पा)

धनगराय शास्त्री, १६००- मेरा जीवन सरस्व पद्धित ६००

मवनीइकुमार विद्यालकार राष्ट्रपति राघाङ्ग्यन राजपाल

राष्ट्रपति राधाङ्कष्णन हिंद पा (पा) १०० जो - नपा भारत ज्ञानकोण (वाधिको) हिंद पा (पा) २ oc

बबस्यी तथा सबसेना मुद्रा एव प्रधिकीशन कि महत

बवम्बी, बमरेरवर तथा थीराम माहेरवरी लोन प्रशासन तहमी ना

बबस्यी, बबधविहारी आचीन भारत का भौगोलिक स्वरूप

मोदीतात १०००

द्यवस्थी, जगमोहननाय 'द्याशुक्ति', नदम्ब पू स वा ३००.

प्रवस्यो, देवीरतन 'व रील' दे कालिदास ग्रवस्यी, देवीदाकर नई कहानी सदभ श्रीर प्रकृति ग्रन्थर

— सपा विवेक के रग भा ज्ञानपीठ ७०० ह्या ग्रवस्थी, नदबुमार राष्ट्रीय ग्रान्हा पौराणिन नान से चीनी

धात्रमण तक स २ थी प्रभावर ३०० प्रवस्यी बच्चुलाल 'ज्ञान' बाज्य मे रहस्यवाद ग्रवम

83 80 धवस्यी, राजेंद्र धमामधिनी पुकेट नि

युगोस्लाविया की कहानी चबई प्र २ ५० वा ग्रमस्यी, राजेंद्र तृपित' १६२६ एव प्यास पहेली हि प्रचाप् ५०० व

ग्रवस्थी, रामुशरण शमुं धरती थी वेदना हि सा परि,

पी २०० वा -सवा दर्व हमारे, धन्न, तुम्हारे हिं सा परि वी २ ५०

ग्रवस्थी, शिवशंवर मत्र भीर मातराओं का रहस्थ, ततानुसार चीलवा

प्रवस्थी, सरला बुनियादी शिक्षा नी विधिष्ट प्रहतिया

जबलपुर प्रगुर ७५ यनियादी शिक्षा की सामा य पढ़ितया जवनपर प्र म

प्रविनाशिनिगम्, दी एस , १६०३- स्योहार बीर शिक्षा

राष्ट्रीय शैक्षणिक द्मशकार सहमद दे धनत, स स

मधात दे रामेश्वर प्रधात

घरोकि घरोक के गीत मगता व चाद, मूरज घीर सितारे मगता उ

सीन इनके मगला प

धरती भौर भाराश मगरा उ

पुरमही मगला उ सहोदरा मगला उ

ब्यानिक्मार्रसह वैज्ञानिक प्राणायाम रहस्य व्यवहरि २ २५ म्यापाम भौर वारीरिक विरास स २ स्वाममुदर २ ५०

बारव दे उपेंद्रनाम 'बारब' धारक दे की रात्या धारक

धरवधीय, धाचार्य वसमूचिज्यनियद् चनु जनानद

महाबोधि ० ५०

घट्टमद घन्वास, न्याचा तथा घण राती नी बाहा मे राधाकृष्ण ३५० नि

बहुनुवालिया, गुदर्शन दे निगम, गिवनाय मांद्राजीद प्रेम भीर प्रशाप भनु भानदा पारनी गस्ता

२०० उ

धाषायं, बेशबदेव बटोपनियद बाच्य दिव्य श्री बर्रावद पारिमापिक ग्रन्थ कोण दिव्य

--गरसन एव पनु गीता विज्ञान दिव्य १००० धाधार्य, नेरावरेव दे पोप, घरविद

श्राचार्यं, गोपाल निर्वेसना सूर्यं प्र म ५ १० उ धानायं, निरजननाथ विस्मति के परा भा सा म ३००

धाचार्यं श्रीगोपाल, १९१२- छाया पुरुष मृत्ना प्र ३ ४० याजाद दे वृपानसिंह घाजाद

धाराद दे प्रतापचद्र 'ग्राजाद'

यातमदेव, स्वामी ब्रह्मज्ञान ग्रपुर्व महार विज्ञान म ६०० चात्मानद, स्वामी मनोविज्ञान तथा शिव सनस्य हरयाणा

श्रात्माराम, ग्राचार्यथी श्राचारागगुत्र हिंदी ग्रानुबाद सहित २ मा मोतीलाल १६००

द्यावस्यक सत्र भा १ मोतीलाउ ० ७५ उत्तराध्ययनसम् हिंदी टीना सहित भा २ मौतीलास

उपायबद्यान सुत्रम् हिंदी टीवा सहित मोतीलाल ६ ०० तत्वार्यं सूत्र जैनागमं समन्वय मीतीलाल १२५

दश वैकालिक सूत्र हिंदी टीका सहित मोतीसाल १००० ब्रानेय, भीखनसास, १८६७ भारतीय नीति गास्त्र का इति-हास हिंसिम २०००

बात्रेय, बार्विप्रकाश योग-मनोविशान इन्टरनेशनत हटैडई बादर्श भारत परिचय नक्यों में राजकमल • ७४ ग्रादर्श दे वजभूषण ग्रादर्श

चारर्त दे भट्ट सोमनाय 'घादर्य'

बादमंद्रमारी 'बार्या', १६३० पावस बात्माराम २००

ब्रादित्य दे बोमप्रकाश 'ब्रादित्य'.

धादिन रदीद एक नडकी एक समस्या प्रदीत पा (पा) ₹00 ₹

वहरुपिया स्टार (पा) २०० उ

द्यानद नीरना जयशाला नवयुग प्रधामार ४ ५ छ द्यानद पी एउ तथा एस एस दक्षिण्ठ हमारा सबैधानित इतिहास तथा राष्ट्रीय घादीलन वेशनल

प्रानद, सुरेन्द्र या प्रब लौट वर्ते सतो स २ प्रानद प्र \$ 00 3

व्रमचद महानी शार द्यानद प्र १००० प्रेमवद वे पुरुषमात्र शानद प्र १५००

भटनता दनदास भीर शोई हुई पारो धानद प्र ६०० वै सोग गया-स २ धानदंप्र ४०० उ

रागेय राषव धौर उनका उपायास साहित्य मान्द ॥

बानदरुमार पुस्त-शापन एव सेररा प्रणापी मा भवा 00 3

मक्तिता रामप्रमाद २ १० हारजीत का भेद सस्ता २००

मानदप्रकाश भारतीय समाज भीर सस्याप् सरत मध्यपन राजहरात्र स ४ ५०

समाज धान्त्र शरल भ्रष्ययन भा राजहरात्र स ३७५ (2)

शामाजित कल्याण भीर मुरक्षा ' सरल भव्यवन राजहस ब्र म ४.५० ग्रानद बधु. बोधिसस्य रूपरमन २.०० वप्र

भापटे, वी एस कापटेज सस्टान हिंदी कोप मोतीसास \$0.00 धारसीप्रसाद सिंह जननी प्रमात पब्सि सन्त ना सजीविनी, तारामहल १७१ सड का सोने का भरना तारामहत्त १७५ वर्ग झारिमपूडि दे रमेश चौधरी ए आरिसपूडि प्रारिफ मारवीं घुप द्याव स्टार (पा) २०० उ

प्रार्थ, वेदमानु चुने हुए विविधीर लेखव राजहस प्र म 1 40 प्रायं दे बनारमी नाल 'भायं' मार्पा दे बादशंकुमारी 'बार्बा'

ग्रालमशाह का राजस्यानी वचनिकाए राज सा ग्रका 8 34 बाल बाने वाया है योगानह, गरमहम स्वामी (बान वाने

धाशिया, साबसवान दे मोहनसिंह ब्रासिया, सामलदान दे व्यास, मोहनलाल वाशिया, सावनदान दे धर्मा, गिरिपारीलाल प्राप्तकृषि दे धवस्यी जगमोहननाय 'ब्रायुक्षि' ग्रामनानी, दशस्यराज कविवर समितानदन पत

एव कृतित्व नद स ४०० इद्र दे. इद्रपास सिंह 'इद्र' इद्र दे शर्मा, देवेंद्र 'इद्र' इइजितसिंह 'दलसी' बर्फ बनी घगारे आर्ट स ६.०० इद्रपालसिंह 'इद्र'. रीतिनाल के प्रमुख प्रवय-नाय्य, स १७००

१६०० वि विनोद १६०० इनवालनारायण हायर सेवेग्ड्री नागरिक शास्त्र शिव गाल

इरविन, विशिवम चारतीय मुगलो की सैन्य-व्यवस्था बादर्श 18 to 00

ईंडन, प्रीड़क स्टीम इनन की बहानी नेशनल ३ ५० ईश्वरच्य विद्यासागर सस्यत व्याकरण की उपक्रमणिका सवा गोपासबद्र शास्त्री चौखवा १२५

मस्कृत व्याक्ता कीमुदी अनु गोपालचंद्र शास्त्री भा

१-४ चौधवा ६ ०० ईश्वरदत्त, १०१६- चित्र दूँढा निन पाइयाः पु जगत नि

उप्र देशमीं, पाडेय बेचन 'चंग्र' उन्न प्रातीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा राष्ट्रभाषा रजत-जयती प्रय उनल भा २०००

उदय दे राय, उदयनारायण 'उदय' उदयन मतर्गा बहानिया चीखवा १४० म्बा कहानी चौबवा १ 40 उदयनारायण सिंह अमर नातिकारी परियत. ४०० जी उदयभान्सिह, गपा १११७- त्नसी. राषातृष्ण. ६.०० उदयमानुसिंह दे नीथ, ए वी-

उदयभान हम्र. विहारी की काव्य-कला शीवल. उदर्यासह 'किश्वोर' दे श्रीवास्तव, बी पी उपाध्याय, ग्रविकादत्त हिंदू धर्म ए वसत मोतीलाल

चपाच्याय अमरमूनि, १६०५- समाज और सस्कृति सपा विजयमृति शास्त्री सन्मति ३ २४

उपाच्याय, ग्रयोध्यासिह 'हरिग्रीय', १८६६-१६४४ इतिवृत प स , वा १५० सस्म उपाध्याय, बासीनाय न्यायशास्त्र की स्परेखा भा भवन

उपाध्याय, हटमदेव नित्रध बदिका चौछवा २०० उपाच्याव, के इन दे भार्यव, वी एन उपाध्याब, गगाप्रसाद १८८१- जीवारमा कला प्रेस ५ ०० सध्या, नया ? क्यो ? कैसे ? वैदिक प्र स

उपाध्याय देवराज साहित्य का मनोवैज्ञानिक प्रध्ययन एक चाद ६०० उपाच्याय, नपेंद्रनाथ नाथ और संव साहित्य तुलनात्मक मध्यवन काशी हिंदू १०००

उपाध्याय बसदेव १८६६- धर्म धीर दर्शन चीलदा ४०० पुराण विमशं चीखवा २००० बौद्ध दर्शन मीमासा महाबोधि ६ ०० मारतीय दर्शन चीलवा. १० ०० बैदिक शाहरव और संस्कृति चीखबा ६ ००

मस्कृत वाहम्य **चीलवा ।** ७५ सस्कृत साहित्य का इतिहास परि.स. ७. माग्दा म., बा एव चीखबा १२०० सहरत सुकवि समीक्षा. पौलवा २००० चपाध्याय, बानहृष्ण बास प्रदान प्रथमाला २०० हा

थीहर्षे की बात्मक्या युवमाला १५० यप्र उषाच्याय, भगवतशरण, १६१०- अजेय राष्ट्रमावना प्रभात प्र३५० नि

कालिदास नमामि रणजीत ७.४० सबेरा, सघर्ष, गर्जन भा आनपीठ ७०० ववाध्याव, भवानीतवर, सपा राजस्थानी वार्ता मा २ सा.

सस्वान, राज १ ५० उवाच्याव, विविलेशचढ भारतीय इतिहास सरल मध्यपन

राजहस प्रम २२५ से ४५०

उवाध्याव, रबधीर हिंदी धीर युवराती नाटय साहित्य का तुननात्मक ग्रव्ययन वैश्वनल २०००

उपाध्याय, रामजी, १६२०- प्राचीन भारतीय साहित्य भी सास्कृतिक मृमिका देवमारती प्र एव लोकमारती

33 20 भारत का सम्मानिक कार्ति स वेनीमायन ३०० मन्हत व्यावरण, रचना तया निवध लोइभागनी -तथा रामयोपाल निया सस्तृत ने महावृति भीर ना य

रा वेणीपाधव डपाध्याय, रामनारायण, १६१६- सुद्र सिगाओं, एक

थध्ययन सा बुटोर ३००

उपाध्याय विश्ववभरनाय १६२५ निराला वा साहित्य भीर । साधना स २ विनोट ६००

मध्यशालीन हिंदी बाज्य का तात्रिक पप्टभूमि सा भवन

उपाध्याय गची द्र ठुनराये हुए सोय कृष्णा च २५० उ उपाध्याय शालियाम दे हेमच्द्र काचाय उपाध्याय निवक्रमार दे वमा श्रीकृष्णप्रसाद

उपा याय निवनारायण निव नये नये गीत हि भवन ০ ১/০ বর

जगाय्याय इरिमाऊ १८६२ बाधी-युग के सस्मरण नेपनस ७००

मेरे हदयदेव सस्ता ३०० सहम

उप द्रनाथ प्रश्च १६१० एक रात वा नरक मुद्रोय पा (97) १००

धो नील नीलाम १२५ यत्र

मो हेनरी नीलाम १२५ वन स्रोया हुमा प्रमा महत्र नीलाभ ४०० वा

परताके धारपार नीलाम ४५० सस्म पैतरे नीलाम ४०० ना

ब्रगद की बेटी नीताभ ४०० का

माक टवन नीलाभ १२५ वज रीबदाव हिंद पा (पा) १००

गहर में धूमता माईना नी नाम १२०० उ निकायते भीर निकायते नीलाभ ४००

हैमिग्व मीलाभ १२५ वप्र

ह्विटमैन नीलाम १०५ वप्र — तया की गल्या भाकदो घारा स ३ भी ताम ४०० व

प्रमाणकर, १६२० धनप्रभः सपन भावनि ५०० उ दिल पर एक दाग प्रवीर ३०० उ

मीर भर माये बदरा स २ आ ग्रानि ४०० उ मुद्दन विदयम् स २ भाग्न नि ६०० उ चनाावर सर्वाल सरकार की रूपरेक्षा निर्माण अंप

१२ ५० उमेग काच के दत सोभा≡ २०० वा भारतीय बाध्य म प्रयानरत्यास जीखबा ६०० उमिल दे बपुर मस्तराम उमिल क्रमरदान उमरे नाव्य हि घर जो ४५० क्यारानी ज्या बाधनिन बढ़ाई देणती ३०० ऋतराज में भागिरन हिंसा प्रश्न का

ऋषिनारायण पायन शीमा की धार नारायण प्र ४०० उ एडमैन इरविन पतिन बलाए धीर मनुष्य नेशनल ४०० एडबिन तथा टील प्रहृति वे बाच धनुभूति व क्षण धामासम ४५० एलडर दर्गवेग पुन का मण्य कि महुद २५०

एनपि रतन दि निर्दी माथ ६डिया कि सहन २५०० एसिन एम पुस्तर की बहानी सुबनाल - ==

धाःमाराम ५५°

एतेसबैटर राक्य व मार्विस विकास, एक प्रारमिक निवेचन

एसीमीव बाह्य अवस्थि मे उपवह भारमाराम ४०० घोकार राही खडी दोली ना स्वरूप रूपरमल ५०० भोनार गरद सवा १६२६ पद्मनात मालबीय।व्यक्तित्व बौर कृतित्व शारदा प्रभ

धोकार सरद दे शर्मा जनादन प्रसाद भोत पुना ताजमहल राजपूती महल था भनूजग

मोहनराव मटट सुर्ये प्र ४०० योमा ब हैयालाल तुल्सीदास सा सस्यान, राज १ ५०

भोमा, नामीरीनान दे साधना प्रतापी

धोम्ब इच्यदत्त रूप के बादल पेहयसिंह चौहान (कू) धाउना (पाली) १२५ का

मोमा कैना १५वि नाटय विद्वात नैवेद

योभा गौरीणकर हीराचद योभा निवध संग्रह सा सस्यान राज मा १ ६०० भा र ६०० ना ३४ ६०० क्रोम्प्र जनदीन सुदर शिखारिन मनोर प्र म १२४

क्रोभ्य दगरव १६०६ सवा नया साहित्य हेमकट मा १ ३००, भार वेरथ भार ३ ५० मोभा दीनदयात सपा राजस्थान का नास तिक पर्व गण

गौर मुमल प्र राजस्थान के कहानीकार राज सा धरा ३७४ स्रोक्त रसिकविहारी निर्सीर परिष्ठाही जमनेदपर

भोजपरी १०० ना

सुरिन्या ना विखरे जमनेदपुर मोजपुरी १ ५० रेलाचित्र धोड एल र भाषा निश्च की नदीन विधिया विद्या भवन उ ३७१

बोमप्रशा दे गोविददास

बीमप्रकाण कविराव, १६ ४ पोलियो तथा बायवँद पोलियो भागम भागांवर्श नई हिस्ली

क्षोमप्रकार क्षादित्य इचर भी तथ है उधर भी तथ है मुबोगपा (पा) १००

भोमत्रकाण भारिय' वितासीं की पाठणाला मूय प्र २ ४० धामप्रकार नामत्री तथा धारणितहारी गोरवामी ममीक्षा तरब

हिसास ३०० योभी तत इताहाबादी एवं विदेशी सहती राष्ट्र प्रचा इ२४० व

बतव्य राष्ट्र प्रमा इ ३५० उ क्मात्र राष्ट्र प्रवा ६ ३५० उ चुनाव राष्ट्र प्रचा ६ ३ २४ उ दाई गत का टुक्झा राष्ट्र अना इ ५ १० उ तुम उद्धार करो हम प्यार करें सा कड़ कि ३०० उ

पति यना राष्ट्र प्रवा ६ २ ७४ उ भाग्यहान राष्ट्रं प्रचा ६ ८०० उ

मो की उनामी राष्ट्र प्रचा, इ.१.५० उ

कवनसुमार यत्र हुए मुतृत प्र कपानी, गुणवर्तसिंह दे मित्र नरेंद्रनाय कवल एम एन टूटती जनीरें टा भार उ कनस, एस पी विचाराका महबदिकास आरुमाराम ७५० क्लिक, मार्ग ग्रमरीकी साहिय का सक्षिप्त इतिहास गर्म

वर्ग्हैमासिंह १६३४ समा ध्यक्तित्व ग्रीर विचार कि

करित, माचार्य जो मुलाए नही भूनत वेनीपुरी १०० दिनकर भीर उनकी काध्यकृतिया बेनीपुरी ३ ७४ विवार भीर मूल्यावन विष कु ११० सूरतें स्नीर सीरतें बेने पुरी २ २५ सस्म कपिलदेवनारायम सिंह 'सुँहद, १६१६- बीती बातें

विषक् १४००

मेरे अपने विप्रकृ ७ १० उ क्पूर ग्रमरनाय भौगीतिक ग्रब्दकीय मीर परिमाणार्थे कि

मपूर, एव सी स्टीम इन्जीनियसं गाइड देहाती १२०० स्टीम इन्बीनियसं हेंडबुक दहाती २०२४ कपूर, करहैयालास हास्य बत्तीसी राजकमल ४५० नि करूर, कालियास, १८६२ देश देश के सखा सहेवी

रामात्र ३००

भारतीय भूनीति हिं समि ७ ५० स्पूर, पृथ्वीराज दीवार हिंद या (या) १०० ना क्पूर, प्रम एक मोर सर्व हिंप्रचा यु ५०० उ कपूर बदरीनाय, १६३२- हिंदी वर्षायों का मायायत

ब्राध्ययन हिं सा सम्ये सीघ —सपा अग्रजी हिंदी पर्यायदाकी कीश राजकमन वैनातिक परिभाषा बीप शब्द-सीव १२०० कपूर, मस्तराम 'र्जीमल बच्चो के नाटक नेखबल २ ५० कपूर, रामचद नमुपाराशरी माध्य मोतीलाल ६०० क्पूर पुमनार भावायं चतुरसेन नाक्या साहित्य विवेद

२५०० शोष विवापित भीर उनका काव्य मेगा

कपूर, स्वाम भारता चरित्र निमाण ग्राम कीजिए मार्थ बुट ২০০ ৰস

भपना जीवन निर्माण ग्राप कीजिए ग्रामं बुत २०० वप भगना स्वास्थ्य भाग बनाइये भाग बुक २०० क्पूर, रमामचट्ट हम कैसे जियें ? विद्या प्रम रपूर, स्पापनारायण भारतीय वैनानिक सत्ती स सा

नि, का ६०० जी रानेट को कहानी सानि, वा २ ५०

करीर क्वीर-पदावली सपा वरसानेवाल चतुर्वेदी सा सगम, म

वीजक बूत समा महाराज राधवदास वावू वैजनाय प्रसाद, राज्यदरवाजा, बनारस ७०० कमठान, गगात्रसाद संपा राजस्यानी लोशगीत भा १ सा सस्यान, राज २५० कमलेश दे सा, कमलनारायण 'कमलेश' कमलेशकुमारी दे वासुदेवनदन प्रसाद

कमनेश्वर १९३२ राजा निरविधया भा ज्ञानपीठ ५०० सरहदो के बीच हिंद पा (पा) १०० उ करणीदानजी सुरवप्रकास संपा सीताराम लालस ३ भा

राज प्राच्यविद्या क्रील दे बबस्वी देवीरान 'करील करण भयकर लोक मजु १२५ उ कृष्णा शक्र भारतीय किल्मी का इतिहास रगभूमि कल्पित दे कैसान कल्पित वस्वार्णीसह कुंवर करमीर की एक शाम साकेत २०० ना बदी साकेत १५० ना

दश्मीरोलास चाकिर सीमा दफ ग्रौर फूल दिशनचद ₹७५ कदयप प्रेम सोज सभी दिल्ली दूर है सीर गहराइया सा सुसम्ब्र, स्वा ३५०

कस्यप, हरवञ्चलाल, १६३३ आशका की मृत्यु दस कहा निया ३०० क —सपा कवादरारु दस कहानिया ४०० क

काट, इमेन्मल सींदर्य मीमासा कि महल ७ ४० काता समयातीत नर्वाहद ३०० का कार्तिमोहन, बनु प्राणाकी वात्री हिंदग (पा) १०० मशीन बुब की रहानी राजपाल २००

काका हायरसी (प्रमृताल गम) १६०६ कानदूत सगीत २ ५० खडना काकदूत हिंद पा (पा) १०० बारादी फुलमहिया हिंद पा (पा) १०० का

काका के कारतूस संगीत कावा के प्रहसन संगीत दलती सुबोध पा (पा) १०० का महामूल सम्मेलन स्वोध पा (या) १००

वॉनेंग, जेम्स वी शिया यौर स्वतंत्रता श्रात्माराम २०० काने, पी वी सस्त्रन काव्य गास्त्र का इतिहास मोतीलाल.

2200 काम दे नामताप्रसाद सिंह 'नाम नामतात्रसाद सिंह नाम कामता प्रयावली पारिजात

नामेस्वरप्रसाद सिंह प्रसाद नी नास्य प्रवृत्ति प्रमुमपान कार्तिक्य महद्र देशा सुबह की जितरजन प्र को कालरा, सुत्रीला चप देलीरय फैरान बुक दहाती ३ २४ कातिकालसाद सिंह, १६३४- हिदी भीर गांधी लता प्र

\$ 20

नालिकास कालिदास प्रयावली सपा सीताराम चतुर्वेदी भा प्रमदिर २००० दुमार समवम् बनु विद्योरीयरण वर्मासर्वे १ ५ मा भवन ३०० मेघदुत राजस्थानी रूपा मनोहर प्रभावर हिंदी रुपा रागय राघव बल्याणमल २०० रघवरा शन् देवीरता ग्रवस्यी करील सा ग्रनादमी शंकुतला नाटक धनु राजा लक्ष्मणसिंह सपा जयश्वर श्रिपाठी सोकभारती २ ४० शाक्तल रूपा मोहन राकेश राधाकृष्ण ५०० ना वालीचरण एवर कन्डीशनिंग गाइड दहातो १४०० क्षराद व वकशाप ज्ञान देहाती ६००

घरेल उद्योग धध बहाती २ ५० परपर्मरी मास्टर दहाती २५० प्लाम्टर वास्टिंग बना दहाती २ ६० धनस्पति घी निर्माण बहाती ६२% माहन सोप इन्डस्ट्री दहाती १० ५० रबंध इंडस्ट्री दहाती ६०० लाही इन्डस्टी दहानी ६०० साहा व द्वाइवलानिंग दहाती ४ १० बनगाप प्रैकिटस दहाती १२००

विचुत इजीनियाँस दहाती १६०० शीट मैटल बदम दहाती = २५ सदा जवान रही दहाती १२०० मिनेमा मगीन प्रापरेटर देहाती १२०० स्प्र पेंटिंग दहानी १२०० बारतबर, बाबा (दलायम बातहृष्ण बावतबर), १८८४

परमसपा मृत्यू सन्ता ३०० यात्रा द्या मानेन्द्र विराष्ट्र ७ ५० शाति-सेना भीर विश्व शांति घ ना सब -- तथा प्राय सपा रचुवीर श्रद्धात्रनि इत्रतेशनन एकडमी

श्राफ दृश्यित का बर. मई दिल्ली बागीनाय सिंह भारत का राप्टीय प्रादानन सरम प्राययन क्मल प्र ३००

साध्यप, मर्जन भीव धमगास्त्र वा इतिहास हि समि मा १ २१०० मा २ १३००

बारवप, मिन् जगदीत उदान महाबोधि १ २% मयुक्त निशाय महाबोधि , मा १ ७००, मा २ ६०० बागरीमार बम्बूरचंद जैन ब्रह मण्डारम् इन राजस्वान

जैन सा राजस्यानी जन सत्तों की माहिया साधना जैन सा -सपा दिशे पद सम्रह जैन सा ३०० बासलीवात बग्यूचर दे राजींसह रितिमा, भिर्मु मिगान-मुत महाबोधि ० ५० तिरण योज्ञ निमान्नद बहानिया इन्टर यूनि १२%

िक्नार द वदयगिह 'शिनार'

श्चिपोरीसरनपाप शिलकी वय **वा** इतिहास सदमी ना

कीय, ए बी बैदिक धम एव दर्शन धन सूर्यकात २ भा मोतीताल ५०००

संस्कृत नाटक, यन उदयभान सिंह मोतीलाल १५००

बुक्म दे बमा कार्तिकीशल कुनुमें कवरनारायण आत्मजयी, निवकेता के प्रसम पर प्राधारित

मा शानपीठ ३५० क

बूकरेती मोहनलान दुर की ग्रावाज हिंसा भवन ब्तुबन मुनावती सपा गिवशोपाल मित्र हि सा सम्मे

कृचिमार मूर्ति कृचिमार तन (भाषा टोशा) घवतरि ० ५० बुप्रिन य चकले वालिया सुबोध पा (पा) २०० कुमारविभल, १६३२ धाधुनिक हिंदी काव्य धवना प्र,

মা ২০০ বি महादेवी वर्मा पराग प्र १५०

—सपा चत्याधुनिक हिंदी साहित्य पराग प्र ६ oo

कुमारेख दे विकाश हृदयानद नुमारण क्रैंबी बमीसा रगमी होरे परिमल ३०० ना

सरगम परिमल २७५ ना

कुलवर्णी तथा गोखर, भाष्य नाम मानिका - भोग मोतीताल ६००

क्षथेष्ट एन एवं भारत वा धार्यिक वाणिज्य भूवाल

रामंत्रसाद ३०० भारतीय द्यायिक समस्याए एव पुष्ठभूमि स २

रामत्रसाद २ ४०

बुलथण्ड के सी नवीन रसायन शास्त्र जबनपुर प्र गृ

ब्लथेप्ट बी एन दे रस्तीगी, मुधीरचद ब्रुप्रथट रपूबीरसह य, १६२१- निगम विस सा भवन, भा क्रिअय्ठरमेशच्द्र, १६२१- यद के साधन भीर साध्य रा

वनीप्रसाद ८०० -- तथा बनवारी जात गर्ना भारतीय सैय विजान

भगोग - चद्रप्र ६२४ ब्तथप्ठ रबीद्रप्रकाण अधर श बाहर रा २ वि मय ५०० हिमालव सावाब दना है वि मय १२५ रुपक हि नुतंधी च्छ, वद रमभरे ग्राम रामप्रनाद ० ७५ ब्लथेष्ठ सरीजिनी सापना राज्यथी २०० मा

हि दी साहित्य म प्रप्ण राज्यथी १२५० घोष बुगवाहा, य'तारानी १६४५- खरोत्र थीपरी इ कुनवाहा तजनारायण धनकार यद्य म एम एस प्रा १ ५० बुगवाहा विमल दयनी रात हुआ तारे नपपुर प्रयोगार

बुगर्राहा बान चगर साबन स्टार (पा) २०० उ

नागिन मुत्रोध पा (पा) २०० उ वृतुम द बनेश 'बृतुम

बून बार्नेन्न एम् बातव बी बद्दानी ग्रामाराम ७ ५० कृपताय गरस्वती द हरनारायण स्वामी

बुगानितः धाबाद नवीनतन की बद्धािया एमक १०० া ব্য

बृदनचदर प्राधे घटे वा खुदा राजपाल- ३०० वाग्रज की नाव- राजनमंत- ४.५०. उ दिल, दौलत भीर दुनिया सब्दशन २ १० फिल्मी फुलमडिया हिंद पा (पा.) १०० बावन परी स्टार (पा) २००- उ मिट्टी के सनम- राजपाल- व.००, (पा) १०० सस्म हमारा घर राजपाल-२०० वप्र

कृष्ण, प्रो॰ भौद्योगिक इतेक्ट्रानिकी के सिद्धान श्रीर प्रयोग

हि समि ६०० हृष्णकुमार 'नृतन' पखुडिया कुमार सञ्ज १ १० सोना या प्राजादी कुनार सब १ ३०

बृटणचद्र सडक बापस जाती है एमके ५०० उ सितारो की सैर-एमके १५० बन्न कृष्णचद्र विजयः देः स्वसेना, शिवनारायथ

कृष्ण चैताय सस्हत साहित्य का नदीन इतिहास धन .धनसङ्क्रमस् अधः सीरपा २०००

कृत्य जनसनी, सपा रेलाए. सूर्य प्र म १२५ क कृष्णनारायण प्रसाद 'मागर्घ' हिंदी साहित्य वृत भौर धारा

मा. सदन. ५ १० —होका, पद्माभरण, भा, भवत ३ ५० आ

कृष्णनारायणलाल हुमारे साहित्यकार सा भवन, ६ ३०० हृष्णबहादुर. परमाणु शक्ति की कहानी रा बेनीप्रसाद

कृष्यमूर्ति, के वी नानार्थं महरी-राघव मोतीलाल १५०० हृष्णमीहृत 'प्रेम'. कमला नेहरू काव्य प्रभा प्र हुध्माबार्व, १६१७- सपा. हिंदी वे मादि गदित ब ब मा

ज्ञानपीठ हिरी के स्वीकृत प्रबन्ध भाषांवत्ते २०.०० कुष्णादेवी. इदिशा जी इन्टर यूनि १७४ जी तया गायत्रीदेवी हियमारो की क्लानी इन्टर यूनि १५० कृष्णानद कप मोटरकार ट्रेनिय मैनुप्रस नपूर्ण ३ आ

देहाती. २४ ७५ बीजन इजन गाइड. देहाती 🖛 २४ मोटरकार इस्ट्रक्टर देहाती १३००

र्फेडेल, बाई एम बीसवी शहाब्दी में ग्रमरीकी शिक्षा गर्ने म ३६०

हैं वि स्वास्थ्य विशा न्यूरो स्वन्य मारत केंद्रीय स्वास्थ्य हैशानाय लाभ भागती मा भवन ३०० का र्मियमारानी मा सबद २५० वा रेन, रिलिप विस्व के महान वैज्ञानिक राजपाल १००० वी

केने थी, ज्ञान एक विस्व द्यानि की स्रोर शारमाराम ४ ५० **नेपा, कार्नेल तथा माया पाइन्स ग्र**विक्*षिन बच्चो नी* सहायता गर्गेत्र २००

केनकर, र श हिंदी तथा मराधी कृष्ण नाव्य ना तुननात्मक मन्ययन धरार. २००० नेवन देशक्तिपान नेवन

केपवरास, बाचार्यं केरावदास वे तीन बच- विरवेश्वरानद

¥ 00

प्रिय प्रकास सपा साला भगवानदीनः स ३. कस्यानदास रसिक प्रियाः राष्ट्रीय संग्रहातय १००० ----। केशवर्षसाद सारत में स्थानीय स्वशासन का भालोचनात्मक

ग्रध्ययन, मा मदन ४०० केशवप्रसाद सिंह, सपा समकालीन प्र २५०. नेमरीकुमार पत और उनका मुजन मोतीलाल. ३१२ प्रतिनिधि कहानिया मोतीलाल. ४.०० प्रसाद भीर उनके नाटक मोतीनाल २१२

महाकवि हरिग्रीय का प्रिय प्रवास मोतीलाल २ २४ साहित्य समीक्षा मोतीलाल. ३०० हिंदी के कहानीकार मोतीलाय २२५ केहरोसिंह 'मध्कर', सपा देश प्यार के गीत प्रकारेमी प्राफ

कैंबर, विला बेमिका सन् स्यामू सम्यासी राजपाल

₹003 करव दे भा, बुदिनाव 'कैरक' कैलाश कल्पित इद्रवेला और नागफनी प्रयागप्र २०० क राख भीर ग्राम प्रयाग प्र १००. क

रूप की धूप प्रदान प्र साहित्व दे साची लोक चेतना. २००

साहित्य साधिकायें. सोक चेतना, २ २% — बन् न्वीड गीताजिल प्रयाय प्र २०० का -सपाः पराजिस विष्याचल २००

कोक्चा, हरनारायण- अनुभव के मोती साधना प्र ६०० म्रावृतिक इन्जैक्शन बुक देहाती व.२५ बाधुनिक एसोपेशिक इंधैक्शन बुक देहाती ८.२४ ब्रायुनिक एलीपैविक गाइड देहाती १५०० द्यायुनिक टैं≉लेट गाइड देहा∘ी ≈ २४

रुतार्पेषिक गाइड देहाती १५०० एलोपेविक पेटेंट विकित्सा सबनीत. सामना प्र. प.००

कपाउन्हर्म याइड देहाती ५२५ बदास कपाउन्डर देहाती ५००

कश्चल विकित्सा देहाबी. ५ ०० वृषं रत्ना हर देहाती ३०० त्तरी ने गुण तथा उपयोग देहानी १०० नपुषक चिक्तिसा देहाती ६००

निदान नवनीत चार्म साधना प्र ८०० पानी ने गुण तथा उपयोग देहाती ३०० पूर्व गुरत रोग चित्रित्मा देशती ६०० मिटनी इ मुण तथा उपयोग दशती ३००

स्चित्र परिवार नियोगन देशती ५३५ होग के पूर्व तथा उपयोग देहाती ३००

काटारी डो एस तथा धन्य, सपा गुरदेव श्री रहन मृति स्मृति ग्रम गुन्दव स्मृति ग्रय समिति, जैन भवन, लोहा-मडी, ग्रामर्खे १४००

नोमल दे गोड, पुरयोत्तबदास 'नोमल' बोहरी, द्वोपबीर बसायम बर पुरस्तार राजनमत्र. १.४०. वत्र

नीर गायाए- गजनमल १ ५०, बप्र

प्रमधद के साहिय सिद्धात कोहली नरद १६४०

ग्रगोकप्र १००० **व**ैसिन ब्राफ साइटिफिक एड इडस्टियल रिसच इर निर्माण म विनान सपा घोमप्रकाण नर्मा कीसिन

क्यर उद्योग (नारियल की जटायो का उद्योग) कौंसिल

स्रात से चमडा कौंसिल ०१० घरेल इधन कौंसिल ७००

चाय उद्योग की सिल ६ ५०

विनोला उद्योग नौसिल ६००

दिनोले का बजानिक उपयोग कौसित ०३० सक्त्री सरदाण वॉसिल ०५०

शीतक बनारसी (शिवमूर्ति शिव) १६२३ सनिहान वर्षे श्लीक पुम ४००

कीन कृष्णकृषार विश्वेषणा सक ऋषणास्त्र कि सहार

कौल गोपा नरू पा बाल्मी ने बिनास की कहानी नेतानस

नीस रामरूप्ण चढती पगडिया यनयने पांच हि प्रचा प्

मीगल रामस्वरूप स्वनत्र भारत ने सूरमा नमल प्र स

की पर सतीय १६°६ बहुती नदिया रोती गगरी नगीना

भीगल्य गनरलाल (मोले बाला) धनु उपनियन १ मा । स २ वेशत केसरी ३४०

की पत्या प्राप्त प्राप्त एवं रगीन व्यक्ति व नी राज

१२०० सस्म कीनस्या धन्त दे उप न्नास धन्त

कौनाबी धर्मानर १८३६ १६४**७ विनुद्धिमस्म**नीयिका महा

बोधि ३५० बौतिक बार एस ब्रावृतिक परिवहत नवयून सा ७ ५०

मोगिक एवं के तथा एवं की व्यवसार आर्श्विक आयोगिक मौतिकी बास सा म

मौधिक ऋषि अमिती बदमा १६१६ किरण विश्वल गई विरण निखर गई जमिनी प्र

शटट सदरे मीठ सनरे अधिनी प्र ३ % दीप चरण दीप क्रिक्ण जॉननी व्र 😢 🖫

थी मूरजमन जालान मय-मनन थी सवा रायाप्रण नेवटिया तथा घ'य सठ गुरजमल ५३ ००

कौरिक पी की देशमा एम की कौरिक पीतादरनाय गया कौरिकजी की दक्ष्मीस कराशिया

नेगनस ५०० नौगित रायधनाग स्ववहारित मनीविधात रात्रीव स

म्मवहारिश मनोविकान सरल बध्यमन राजीव मे

¥ 94

कौसल्यायन भदत ग्रान्ट १६०५ वगुत्तर निकाय महा

वोधि मा १७०० भा २१००० मिधम्मप यमगहो महारोधि ३ ०० तुलसी के तीन पात महाबोधि १००

देंग की मिट्टी वसाती है सस्कार बृद्ध बचन महाश्रोधि = ७५

सयोजन महावोधि ०३७ बौसल्यान भदेत ग्रानद दे गौरपादाबाय

त्रोचे बेनदेतो वं नेती त्रोच वि मय ४०० भी श न ज गर्डध्यवसमीक्षा मोतीलास २ ५० सनिया के मातृप्राया निश्रम विनीत ६००

कीरसागर चरगँद नी छाह दिश्व भारती म अ क्षमचंद्र सुबन सपा चीन को चुनौती हिंटपा का हिनी कविधित्रिया के प्रमगीत हिंद पा (पा) १००

अमेद रामायण मजरी (गुदर माह) टीका प्यामनिहारी नुक्त सनो स सार्निका १ ३५ खडलवार जुण्यकात १६२६ सपा ग्रासीय वेला मानीय

प्र बरेली १०० वर सहस्वार गणपतमाल रेडियो न न्नोप देहाती १२४

साब्त उद्योग देहाती २ ५० सहस्रवार मुसार १६०२ उपा घपना म

खडलवार चयरिंगनप्रसाद ग्रामनिक हिंगी कविता प्रमुख वार राहेग ए म २५० महादेवी का वेदना भाव भन्दी स २ विनीत 100

राउनदान रामन्बरलान दे नुश्त रामबद खत्री दुगावसा^क सपा कब्बारग नहरी **म** शत्री बंबपाल गगा की गोर म सानोर प्र पी

यत्री थालाल महाभारत बताब राधन्याम गणुण १२ मा

देगती बद्दासाइच १४०० श्रीवद्भागवन तत्र राष्ट्रयाम सपूर्य २० मा दहाती \$3.00

साना उदय शरुण शामायण यिवासागर १०० या साना गापारमान ब्राइनिश नवर न बात सा M

साना जवजूरण कृषि प्रायायिक स्मायन गास्त्र सामहम प्र

म २५० कृषि रसायन गास्त्र मरत द्वाययन राजहरा प्र. म ९ ७४

प्रायोगिक रमायन शास्त्र राजेहरा प्र. म. २.४० प्रायानिक रताया नात्त्र सरस अध्ययन राजन्त प्र म \$ 20

भौतिक रमायन पास्त्र राजहेग प्रे म । ०० भीवित रसायन गरियन राजन्म अस २ /० रमायन नास्त्र 🖫 वया धीर वस राज्यस प्र म 🤻 🗸 २ रमायन नाम्य सम्बद्धयय २ मा राज्या प्रस

¥9 (X) य ना विद्यावनी नहरूकी की पम्यामा की बादाज विद्यासागर ०६० वप्र

सना, शिवनाय, १६०५- एलोएँबिक पाकेट प्रेस्ताइवर चौसवा ५००

त्रिलनिकल पैयौसोजी (बृह्त् मल मुत्र-४फ रक्तादि परीक्षा) चौखवा १००० रोग परिचय चौसवा १२७५

राग पारचय चालवा १२७५ रोगी परीक्षा चौलवा ६०० सचित्र इन्बेक्शन चौलवा ११००

समानी सिंह 'घनगर' हम जाग उठे नवीननम २ ४०

स्ररे, एन एस तया एस एस श्रीवास्तव चुवकत्व एव विद्युत ग्रात्माराम १५००

स्नान तथा बमा उच्चतर माध्यमिक बहीसाता दि महत १०००

खामीश द रामलाल लामोश विकास कराव्यापमाल पान सीर

त्रेतान, ज्वालाप्रसाद पल और पास विश्वविद्यालय

३०० की

रोमाणी, माध्यप्रशास तथा वेदप्रकाश सवा मनुबाद कता कुछ विचार एस चार

गगरांड, रमेणचद्र निमाद के सत-कवि सिगाओ हि सा

सिंगाओं की वाणी नेशनल ४०० का गगवाल, मोहनलाल दे जैन, हरिस्वड गगावर, मयुक्त किर स कही पारिवाल उ गगावरसड क्योतिश्वदिश धाय सा १०० पवकीत धीर सुरम जगत काय सा ०००

पचकारा घार सूच्य जगत काय सा ० ० ० ० गणनायसेन, १८७७ - हिंदी प्रत्यक्षणारीर चौस्रवा आ ११०००, मा २१४००

गग, मानदस्वरूप भयेगास्त की रूप रेवा स १० राजहस प्रम ७ ४०

दिल्ली हायर सेकड़ी वर्षसास्त्र की रूप रेखा राजहत्त प्र म ६००

बिहार प्री-यूनिवर्सिटी भयतास्त्र की हप-रेसा (खिडात) राजक्षम म म ५००

विहार हायर सेक ड्री मर्यधास्त्र की रूप रेखा राजहस प्र म ४००

मुद्रातमा वैकिंग की रूप रेखा सतो स २ राजहस क म

४५० मुद्रा, वेश्या विदेशी त्रिनिमय भ्रतराष्ट्रीय व्यापार, राष्ट्रीय, माय तथा राजस्व राजहस प्र म ८५० से १५० राजस्थान भी युनिवसिटी भयदास्य भी स्थ रेखा राजहस

प्रम ६०० वाषित्य प्रथमस्त्र की रूप-रेखा राजहस प्रम

६०० —तथा एस के गर्ग दृषि धर्यनास्त्रको रूपरेखा राजहरा

प्रसं ५०० मारतीय भगो स ३ राबहृत प्रसं ८५० मारतीय भगारत संगो स ३ राबहृत प्रसं ८५० मध्य प्रशेष स्वास्त्र को रुप रेता राबहृत प्रसं ५५०

यमं, भार पी कृषि अर्थशास्त्र सरल भध्ययन राजहस प्र स ४५०

वब, एस के दे गर्ग, बानदस्वरूप ग्य, गगप्रसाद तथा दयाप्रसाद रस्तोगी राजनीति विज्ञान के सिद्धात सरस श्रध्ययन राजहस प्र. म. ३०० से

४०० शय अवदीक्षाच्य तथा जबप्रकाद सौयल कृषि भौतिको एवम जसवायु विद्वान राजहरू प्रमु ४५० साध्यमिक भौतिको २ सा राजहरू प्रमु ७०० (प्र)

गर्ग, ही पी राज्य सीर उद्योग राजीव, मे ५०० गग, देवीसरण रस रसायन मुश्कित गूगम घवतरि ०२५

गग प्रमुद्याल द काका हायरसी गग प्रमुद्द्याल मही व कुड़ी का काम विद्या भवन, उ

२ ४० हस्तकला

गव, अदनताल रवण परीक्षा करवाणमस १२५ वय बहेशचद्र निवध केवर चौलवा ५०० यग, रवनप्रकाश अवशास्त्र के सिद्धात सरल अध्ययन

राजहस्य प्रभ ४५० विद्वार प्री-यूनिर्वसिटी स्थशास्य के सिदात सरल प्रथ्यवन राजहस्य प्रभ ३७५

वानिजय सपदास्य राजहस्य स्र म ४५० वय, साठित्रकाय तथा चमनप्रकास वैषय भौतिक सास्त्र राजहस्य स्र म ५२५

बब, धार्तित्रसाद बारिक भौतिको मे हल हुए प्रश्न राजहरा प्रमा १८८

त्रीतिक सास्त्र सरलं अध्ययन २ मा राजहस प्र मा ३७४ (व्र)

वन, सीभा सिक्षा के मूल आधार रा बेनीप्रसाद ६५० गहलोत, जगदीर्धासह भेगाड राज्य व केंद्रीय शक्तियां स २ हि सा मा, जो २००

राजपूताने का इतिहास भा ३ जयपुर व प्रसवर राज्य हिं सा म, बो १४००

बहतीत, महावीरसिंह जमाल दोहायती. पु स , बा

प्राचीन राजस्थानी वाव्यसौरभ कि घर , जो २०० भीरा जीवनी भीर काव्य पु स , मा १५० बहुबोडा, सुखबीर्यसङ्घ, १६२३ - स्टानस्थान के रीडिरिशाज

रोराननास गामुखी, पी ए दे मनुभदार, ए धार गामी, सी वी 'सागर, १९२६- कोलाहल राष्ट्र प्र. दि.

याया, सा वा सागर, १६४६- कालाहल राष्ट्र प्र. १३

बाडरले, बास्टर मान का वैज्ञानिक अनु प्रमोद सूरेशिया १०० वप्र

गायत्रीदेवी दे कृष्णादेवी गार्गीदेवी दे सावित्रीदेवी गियरस. बैजनाय. १६१६-

गिमरस, जैजनाम, १६१६- यम धवशास्त्र सरस्व स गिरवर्रीसह एव दिव दो राह देहाती ६०० पत्यर घोर फूस देहाती ३०० विरिजादयाल विरीश कॉलिटी सा मडल का तरिंगणी सा महत २०० का वडा का बचवन नवद्ग प्रथम्भार ० ७५ वप का वासती सा महल भारत के रक्ष्म नवयुग ग्रयामार = ७६ बन्न महिला महत्व 💵 यहल माधवी सा मंडन का रात्रा सा मदल का विधवा विभाग सा महल वा बिरव के यनरे भादश नवयुग ग्रथागार ०७६ वन बीणा बादिनी सा मडल ३५० का गिरिराज विद्योर १६३७ लोग बोरा ५५० छ ─सपा ४ ह प्रारेगा नवभारती प्र ३०० क गिरी राजेंद्र भौतिक शास्त्र मे बवा बयो, कैसे ? राजीव मे

१२५ गिरीण दे गिरिजादयाल गिरीश गीतालाल प्रभवद का नारी चित्रण हिं सा स ५०० गूप्त मित्रवेष भारतीय रत-यद्वति चौलवा १ ५० स्वास्म्य भीर सदवृत्त स २ स्वामसुदर २०० गुप्त, विशोशिलाल सपा गोसाई चरित वाणी वितान गुप्त, कियोरीताल दे कागरीदास गुप्त, कुजबिहारीलाल सेके स्कूल नागरिक सास्त्र २ मा

रामप्रसाद ३ ४० गुप्त, गणपतिचद्र प्राचाय हजारी प्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व

एव साहित्य भारतेंद्र भवन ७०० ब्रायुनिक साहित्य भीर साहित्यकार भारतेंद्र भवन ७ ५० बिहारी-सतसई वैज्ञानिक समीका भारतेंद्र भवन ५ ५० शुगार रस और हिंदी-बाब्य भारतेंद्र भवन १२ ५० माहित्यिक निवयं सञ्जी स व अञ्जीक प्र ८०० सीरयशास्त्र और रस सिद्धात नारतेंद्र मवन ६ ५० हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास कारतेंद्र अवन

१५००, की सबस स २२५० गुप्त, गिरियाशकर गणित शिक्षण राजीव म ४००

गुप्त, गिरिराजप्रसाद मुद्रा एव राजस्य स ३ रामप्रसाद गुप्त, गोपीनाच दत विज्ञान म २ धवतदि ०३७ गुप्त, गौरीशकर प्रारमिक स्वास्थ्य स (दयानसूदर ०३३ गुप्त छदीनास रोशनी के पेरे बबना ३०० तथा विजय संवक, सथा बयायात्रा अजना गुप्त, जगदीना, १६२४ हिम बिद्ध मा भागपाठ ३ ०० वा गुप्त, टेब बद्र धायत्र सीमार्ये वर्षो ? प्रतिमा प्र १०० नि दीप से दीप जलें प्रतिमाप्र १०० जी नये मदर्भे नय हुत्तागर प्रतिभा अ २०० व प्राना कठ नई हुवार प्रतिमा व १०० ए यद एक मोर्चे धनेक प्रतिमा प्र १०० क सम्पूर प्रतिमाध १०० कथा मीय सहर जागे प्रतिमात्र २०० क गुप्त, तनमुखराम विस्मृति के भव से सूब म. ३०० सहम

बप्त, दाऊजी १६४०- भीस बोली दिवैक ४०० का गुप्त दीलदवाल सवा श्री बद्रभान गृप्त धिमनदन ग्रव एस

गुप्त, झूबवंद्रप्रसाद अवसास्त्र के सिद्धात सरस मध्यपन वमल प्र २ २१

भाविक सिद्धात मुद्रा एवं योजनाकरण सरल भ्रष्ट्ययन वमसंघ २५०

मायिक सिद्धात मुद्रा, वैक्षिम राजस्य एवं योजनाकरण सरल यध्ययन रमस प्र ३ ००

गुप्त नीहाररजन उत्तर पारगुनी वोरा ६००

युष्त परमतात, १६३३- गीतावती का काव्योत्कय नवपुर वयागार

सियाराम धरण गुप्त का साहित्य मववूग प्रयागार 🗓 🕫 गुप्त प्रकाशवद १९०८- बाज वा हिंदी साहित्य नेशनल मुन्त बद्रीविशान अयतिया सा ति, ना १०० का गुप्त वी एन भारतीय उद्योगो का सगठन, प्रवय एवं वित्त

सा भवन, धा मुप्त वैजनाय ६५ यासकार भगवतीप्रसाद बाजपेवी व्यक्तितव एव कृतिरेव सरस्य पू स ३५०

कैं वी भीर क्सीं भा यूनि ४५० उ

गुप्त भैरवप्रसाद १९१६- अतिम प्राच्याय घारा १०००, उ भावो का सवाल धारा ३ ५० क एक बद्योगन क्या बारा ८०० उ

गुप्त, समधनाय, १६०६ पत्यर की नाव हिंद पा (पा) भारत के शांतिशारी हिंद पा (पा) २००

मानव दानव राज्यान ६ ५० उ द्यरीफा का कटरा राजपास उ बुन्त, मातात्रसाद सपा चतुभूजदास इत मधुमानती बार्ता

तथा उसका माधव धर्मा क्त स्वीधित रूपांतर ना प्र

9म्बीराज रागउ सा सदन, वि मधुमालती वार्ता ना प्र सभा ६०० गुप्त, मानाप्रसाद दे राजसिंह, विव गुष्त मोतीसास मतस्य प्रदेश की हिंदी-साहित्य की देन

राज प्राच्यविद्या

-- तथा सम निवय निवत चित्रद ६०० गुष्त, मोतीनात दे जाचीव जीवण गुन्त युग्तरियोर यस मरमण विनान चौलवा १००

मरन व्यवहारायुर्वेद भीर विपवितान श्रीसवा गुष्त, रमुवगनास दे ठाउूर, रबीदनाय

गुप्त, रमनाबाद, १६४०- अ बस्वामिनी का नाट्य सौरवं श्रमोहत्र २००

— तया मनोहर "ार्मा रिपु" गधरीर प्रभीर प्र. ४०० हा गुप्त राजेग नामस्य देहाती ३४०

चौराहा देहानी ३५० युवान देहाती ३५०

मोट दर्ग दहाकी ३४०

```
वर्माकी रानी देहाती ३००
मुद्र, रामचद्र तथा ध्रय, सपा वियाणीत्री मित्रो की नजर
```

में वियाणी ७०० गुन्त, रामनारायण भारतीय सविधान तथा नागरिक जीवन (राजनीति) कि महल ४७५

गुप्ता, रामप्रताप दे नागर विध्युदत्त

11

गुप्ता, रामभरोसेलाल पक्जजानी नया अवदान नवयुग

प्रधानार २०० ना पुरा, विध्याचलप्रसाद राह का पत्यर श्रमात श्र स गुरा, विजयकुमार खूब सङ मरदाने पत्राची गुरा, विजयकुमार खूब सङ मरदाने पत्राची गुरा विज्ञा १६२५- स्टिस के श्रमा वस्त्रीवराम न

गुप्त विद्या १६२५- मुधि ने क्षण हरजीवराम २०० का गुप्त विद्यानाय हिंदी कविता म राष्ट्रीय भाषना भा सा

म् १६०० पुरत वीरॅंडकुमार, प्रमु हवेली राजपाल ५०० उ गुप्त गातिस्वरूप १९२५ पास्थास्य काव्य सास्त्र के

सिद्धात असोक प्र १००० प्रमयत और उनकी रतमूमि रीगल साहित्यिक निवध सनी स ४ अनोव ध हिरी तथा मराठी उपयासी का तुसनात्मक प्रध्ययन

१८०० १६५० ई० भा सा में १६०० पुप्त, गातिस्वरूप दे निपाठी रामसागर स्टब्स सामितास साच सोर हहेकी लोकसीतो से करण क्य

पुष्त शासित्राम क्षत्र मोर बदेली लोकपीतो में कृष्ण क्या विनोर १२५०

गुप्त, श्रीकृष्य वित्रपट नी परियों देहाती ४ १० पिरम एनिन्य साइड देहाती ४ १० फिल्म कोटोग्राकी देहाती द २१ फिल्म मकप्रप साइड देहाती द २१

सिने सगीत बहार देहाती ४१० सिने स्टास एनवम देहाती ४१० मुत्त सरवा खडी बोली का लोक साहित्य हिंदु एकेडमी

ै १५०० गुप्त सुरेंद्रमाण प्रापन बच्चे की खुराक साकेत ३ ३७

गमदतो स्त्री सानेत २५० नारी नी मौत समत्याएं सानेत २५०

भोजन कब भीर केंसे साकेत ४०० भीज मनोविकार, कारण भीर निकारण साकेत २०० राजा बेटा कीस कारण साकेत १२० विवाहित लीवन में भीत सप्रयोग साकेत ११० बीटामिन भीर हीनता जनित रोग साकेत ४००

सर्तात निरोध कय क्या और केंग्रे सावेत ४०० सुदर दांत और उनदी देश रेस सावेत २५० सुदर, सुरावद, १६३३ महाकवि की साहित्य-साधना

मुप्त, सुरावद्र, १६३३ महार्शव की साहित्य-साधन रोगल समीक्षात्मक निवध प्राय बुक १२्४०

पुत्त, हरिष्टरणदास 'हरि' अपने अपने मुह से सुदर २०० वप्र

मलते पुत्रं सुदर २०० वप्र भीदन मंचेली सुदर २०० वप्र बन सो हीरे स २ सुबर १०० वप्र बनो साल धनमोक्ष सुदर २०० वप्र गुन्त हुकमचद महाकवि हरिसीध प्र प्रतिप्ठान गुन्त यह गो दे बून्ता

मुप्ता ईश्वरप्रसाद उच्चतर माध्यमिक भूगोत राजहस प्र म ६००

एशिया राजहस प्र म ११० सरल प्रध्यान ४१२ त्रियात्मक मूर्गोल एव मौसिक परीक्षण सरल ग्रध्ययन राजहस प्र म ४००

प्रक्रिया यक भूगोत सरस शम्ययन राजहत प्र म १ वस भारत का मगोत सरस अस्यवन राजहत प्र म व वर मारतीय मृगोत सरस अस्यवन राजहत प्र म ४ ५० मौतिक भूगोत सरस अस्यवन राजहत प्र म १ ५० मानक भूगोत सरस अस्यवन राजहत प्र म १ ५० वर्षा कर अस्यवन राजहत प्र म १ ५०० भूगोत सरक अस्यवन राजहत प्र म १ ५०० व्हारत वया मौतिक भूगोत सरस अस्यवन राजहत प्र म

विश्व तथा भारतक भूगान सरल स्रम्यसन राजहत प्रः ४५० गुप्ता एल एन विस्ता दशन कैसान स्र ६००

— तथा एस के पाल शिक्षा के सिद्धात और प्राधार सं २ कुँतास सं ८ ७३ विक्षा मनोविद्यान कैंतास सं १२ ५०

मुप्ता एस सी म्रापुनिक भारत का इतिहास सरव मध्ययन राजहस प्रम ३५० से ५०० प्राचीन भारत सरव मध्ययन राजहस प्रम ५००

भारत का इतिहास सरत अध्ययन राजहस प्र म ५०० से ७५० मध्यकाचीन भारत सरव अध्ययन राजहस प्र म ६५०

से ६ ०० - तया दयाप्रकाण रस्तोगी भारत का इतिहास सरक्ष

क्रध्ययन राजहत प्रस्त २०० में ११०० बुदा, थी वा हाई स्वूल भौतिको मुचारी २९५ हाई स्कृत रहाय प्राप्त २५० पुदा, क्रोचीवरण स्थाल स्वत इडस्टीज देहाती १२०० पुदा, क्रोचीवरण स्थाल स्वत इडस्टीज देहाती १२०० पुदा, के पी १८३० नेहरू विज्ञों म इ पर्स्लि १५०,

बार्ट पेपर ३ ७४ वेहरू दूसरो की दिल्ट में इ शक्ति २ ४०

नेहरू दूसराको दोस्ट में इ गब्लि २ ५० — समा नेहरू अधिम यात्रा इ गब्लि १ ५०, भार्ट पेपर ३ ७४

पुष्ता, पीडी देविमल शातिडी युष्ता, पूरतमल्यति वितान राजहस प्रम १५०

प्ता,पूरमध्य गाँत विनान राजहेस प्र म १५० क्रेस च्यामिती राजहेस प्र म ११२ बीजगणित सरस अध्ययन राजहेम प्र म १५० स्थिति बिनान राजहेस प्र म १५०

बुद्या, व सीलात डोगरी भाषा भीर व्याकरण तितत्तवला २ ८०

बुष्ता राषेरयास नवीन त्रियोणनिति जयसपुर प्राग् २०० तवान बीच गणित जयसपुर प्राग् सा १२५०, सा २२२५, सा ३३४० गुप्ता रामगरणदास विन्व इतिहास राजहस प्र म ३ ७१ गुप्ता विजयकूमार कसे सेलें किनेट माम्योदय ३०० वैसे नेत फूल्याल भाग्योदय ३०० वैसे सेलें वालीबाल भाग्योदय ३०० करो शेलें हाकी भाग्योदय ३०० सेल वद माग्योदय ? ०० परिवार नियोजन नवा धीर कैस आध्योदय ३०० गुप्ता पाता ग्रदभुत नगर राज सा भना ३०० वज रगदिरगीनदितंए क्ल्याणमन १०० वप्र गप्तायहभी देगुप्त गुरता जोहर पद्यु विकिसा सियल यनुपालन सिदाल एव प्रयोग सियल मरु दे राजेन्यर गृह गरदयालसिंह मडी का दीवा राजकमल ४०० वप गुरमुख निहालसिंह फण्डामेण्डल्स झाफ पोलिटिकल साइस एण्ड इकोनामी कि महल १८०० गुरुदत्त १८६४ भवतरण सुबोध पा (पा) २०० मालिरी विश्त सुबोध पा मामना भा सांसदन १०० गताकी भारा २ भा मा सा सदन १८०० उ जगत की रचना भा सा सदन २०० वप्र जमाना बदल गया भा ४ मा सा सदन १००० उ जवाहरलास नेहरू एक विवेचात्मक वृक्त मा सा सदन 500 जागृति राजपाल ४०० उ जीवन ज्वार भा सा सदन (पा) ३०० उ तब और सब हिन्या (या) १०० उ दिसीय विश्वयुद्ध की कहानी भा सा सदन मयी दृष्टि भा सा सहन ६०० व नये विचार नई दात भासा सदन ४ ५० ड पतन का माग भा सा सदन = ०० उ यथिक भासासदन ७ ५० उ पूर्वग्रह भा सा सदन ७०० उ प्रतिनीम राजपाल ४०० (पा) २०० व प्रथमना हिन्या (पा) २०० उ बिसरे चित्र हा प्रतिप्रात ३५० ह महर्षि दमान" मा सा सदन महं सब मूठ है उमा ५०० व यह सब मूठ है स्टार (पा) २०० व मृत पुरव राम मा सा सन्त २०० वध सोक-परसोक मा सा सन्त ५०० उ विष्याग्रम २ भासासन्त ३०० उ स्वराज्य दान भा सा सदन ७५० उ स्वाधीनना के पंष पर भाका सदन ७ ५० उ गरप्रिय दवी चारह महायत श्रा श्री भान? समी √ १० थीथी द्यान न्मयीधी श्री द्यान न्मयी भा १३ 💪

६२०० (प्र), भार, ५३०० (प्र)

बुट बर्सिवर सपा हिंदी के दस सवधय्ठ कथात्मक प्रयोग रणजीत गुट्र संबीरानी टूटता घागा इ पब्लि हा ३ ५० व विश्व की महाने महिताए भाषुनिक सो स ४०० गुलाटी मदनलाल गोस्वामी द्वित हरिवशराय एर प्रध्ययन गुलाटी यन सपा निवध पीयूप हि भदन गुलाम नवी रखलीन सैयद रखतीन प्रधावनी सपा सुधा कर पाँडय हिं प्रचापु गैरैट हैनरी ई मनोविनान एउएड ४ ६० गोगोल एन वाराध बुल्वा एमके २५० व गोपाल उपनिषद् बसंब १६० गोपालचड गास्त्री दे ईश्वरचड विद्यासागर कोपाल जबदेव १८६०? १६१३ कविराज गोपबुक्त काव्य प्रभाकर किंवा रुक्तिणी हरण स्था भाग ग्रंथ स्पा चद्र प्रकार सिंह म शा यूनि योपालदास नीरव १६२६ शारवी गुजर गया हिंद पा (पा) १०० का — तया न^हमा लान सपा अच्यन एक युगातर पत्राक्षी पू गोपानप्रसाद वृग मुक्ता चडातप १०० मा गोपाल सारत्री पाणिनिप्रपस्ति नाटक मानसरल गोपीकृष्ण गोपेन ये मेरी कविताए हैं तथा अय रचनाए-बवीद्र रवीद्र कि महल ३०० गोपीनाय कविराज काशी की सारस्वत साधना वि पाष्ट्र भारतीय सस्दृति घीर साधना भा २ वि राष्ट्र ७०० गोभिल नदिशोर द राधानध्यन् सवपत्नी गोपन जलमचद ग्रामीन एव भागरिक ग्रथ-व्यवस्था सरल धभ्यवन राबहस प्र म गोवल जबप्रकाग द यय जगदीगचर गोवल युसचा म रहीन ममाज एव गरपृति (भारतीय जन संस्था) सरस भ्रष्यमन राजहरा प्र म ४०० बारतीय समान एव गरतृति (भारतीय जातिया) सरस श्रध्ययन राजहत प्र म ४०० समाज भीर भगराथ सरल भध्ययन राजहस प्र म ६२४ समाजात्त्र के पूल विद्वांत सरस प्रायमक पर १ राजहसंप्र म ३ ५० समावनास्त्र ने सिद्धात सरम प्रध्ययन राजहन प्र मं € 5% सामाजिक मानव बास्त्र एव बाव जाति बल्याण सारस धच्यपन राजहम भ म ६२४ वामानिक मानव गास्त्र सर्व ब्रध्ययन राजरम् प्र म सामाजिक विषटन भीर भवराध सरस मध्ययन राजहस प्रम ६ ५५ सामाजिक विवारधाराधी का इतिहास राजहत प्र म

सामातिक सर्वेश्या एवम् स्रोतः सरल अध्ययन राजहस्य प्रः म् ४००

सामाजिक सर्वेत्रण सराल घाण्यपन राजहात प्र य १०० गोयल, वी पो दे विषय, वाति डी गोयल, विवकुत्रार ध्रमर सेलानी सावरकर मा सा सदद गोयल, मोराम गुण्डकालिन मरास्त विस्वविद्यालय १२४० गोयल, मोताराम एवाकी मा सा सदन ६००

पक्त भोर पानी भा सा सदन १७५ पुरु ने परवरा भा सा सदन ४०० प्रमाय भौर परियह भा सा सदन १७५ सरकार ससद भा सा सदन १७५

मस्तार समय मा सा सदन १००० गारहाप्रमात ज्योतिय को गहुच हि समि १००० गोर्हो, मेहिसम, १८६६ १६३६ मा हिंद वा (वा) २०० उ गोर्ह्य सिंह बहुसी चट्टानें टक्स गई बटबर प्र एव सिंब

मा स ३५० उ छाया शे छाया नय्यर प्र १५० व बारती के बीव नय्यर प्र १०६ व गोविष साहर प्रामायसाबि स्थानी सस्ता २५० का मानद सस्तति के निर्माता रचींद्र प्र, च्या २०० गोविष्टसात तथा प्रोमास्ता अपू खीर प्रनत इस्टर पूर्वि

You प्रशिवदात सेठ. १-६६- कर्मध्य स ३ का सा स ३०० प्रिविद्यात से विश्व २५० में विश्व २५० से सात प्रवेश स्थापन १५०, (मा १९०० सुर पुर नेहर उपनाय २०० प्राचनात हिंदी हिंदा सम्में विश्व अपना विश्व १५० सामें विश्व अपना विश्व १५० ना विश्व विश्व

२ १० गोग्वामी, इप्णदास श्रीश्रीचैत यचरिवामृत श्रीहरिनाम प्रेम सकीर्तन मङ्ग, व दावन

सकीर्वन महत, बुदावन गोस्वामी, विम्मनतास, सपा श्रीकृष्णजन्त्राय्टमी महोतस्व गीता ॰ ३०

गोत्सभी, भगवानदत्त सातिद्वत मूर्यं य १०० ना गोरवामी मोहनपुरा त्रान की कुनी देहानी १२५ गोरवामी, रूप थीहरि मत रमामृत सिंखु व्या खामनारा यण पढिय मा नि , वर १५०

गोन्नामी, रारणविहासी कृष्णमन्तिनाच्य में ससी माव चीसवा २५ ०० पाषाची मेंटियं चेतना का क्षण करण जिल्ला स

पापाती सींदर्भ पेतना ना क्या नाव्य हिसा स ५०० पृष्ठियी जी लोठा हिसा स २२५ छ सोग्यानी गरणारिहारी दें भोमप्रकारा शास्त्री गोरासामी, सीगाता यानिय हसाहत बदसरे मा विवा सं ५०० मा भौड, ब्रार. एन राजहस हिंदी निवध राजहस प्र म २७४ हिंदी साहित्य का सरन इतिहास राजहस प्र-म २२४. गोड, ए पी, १६१६- तथा ब्रन्थे मिरत का ब्राधिक

विकास सबो स ७ नवयुग सा स, भा १२ ५० गौड, भोमदत्त सम्मी 'विकल' सूणिया जाति निगय हिंदू घम

गोड, कपलेस, १८२६- अनुपूर्ति और चितन नवपुण प्रया गार ७ ५० गोड, कुपासकर भारत की भीगोलिक सभीसा सदी स ४-

ढ, कृपाशकर जारत की भीगीतिक समीक्षा सर्वास ४. हिंप्रचा पु १६०० सरतीय प्रयक्षास्त्र दशन रा देनीप्रसाद ३००

बारतीय प्रयोशन दशन रा वेनीप्रसाद ३०० मीड, कृष्णदेवप्रसाद, समा जामरण के निए जागरण सतीय पन्ति ३००

यौड, गयाप्रसाद नाहर डाक्टर प्रावला सांकेत ०५० डाक्टर नींवु साकेत ०५०

डाक्टर मिटटी बाकेत १५० बौड, बणेयदस माधुनिक हिंदी नाटको का मनोर्वनानिक

अध्ययन सरस्व पु स १५०० सस्कृत रचना प्रकाश बुह २०० बौड, वे एन उम्बतर रहायन बल्याणमन ४००

वीड, जे एन उच्चतर रहायन वर्त्याणम्त ४०० — उदा वी सी वैरठी प्रारंभिक रक्षायन वर्त्याणम्ल ४००

मोह, पतराम दे सूर्यमल्स मिश्रण गोह, पुरुपोत्तमदास 'कोनस', १९१२- एक गणी की घात्म कथा सा केंद्र, दि १९०उ वक्सोम्पर्श के महत्व २४० व गोह प्रकृतिक सम्बन्धानस दिवसानसे सोनीसाल, १९००

योड, पूर्णानद सस्कृतानुबाद निवधादयं मोदीलाल. १५० गौड, प्रतापनारायण यद्य बिहार नि महल २०० गौड, राजेंडसिंह, ११०५- काव्याग परिवय प्रधीक प्र म

१००
चयित्तरा प्रमोक्ष प्र म २०० का
चयित्तरा प्रमोक म म २०० का
माया मूचण करोक म म
हमारे कवि मोर तेवक स ३ कैताम म २०५
हमारे तेवक सची च १ मा मवत इ ६००
—तमा स्मार्थ तेवक सची च १ मा मवत इ ६००
—तमा स्मार्थ प्रकारित प्रमोत प्रमार म १७४
मिक्ष विस्तार होता प्रचीराजरामी-नद्मावती सम्म मा
नि, का १७६१

मीट क्रजेंद्र मिश्रन एमके २०० छ। मीट क्रजेंद्र मिश्रम ने

मोड यत दे शिवानी मोडपादाचार्य भागम चास्त्र भन्न भन्न भागद शोसल्यायन

महाबोधि १४० मौतम, नमसा रचनात्मन स्हानिया धार्य वृत्त ४०० वप्त मौतम, प्रेमप्रनाक दिंदी यह सर्व विकास प्रस्तानात १००

नीतम, प्रमाणकार हिंदी गव का विकास प्रमुख्यान १६०० भीतम, प्रमाणकार हिंदी गव का विकास प्रमुख्यान १६०० भीतम, प्रमाणकार १६३३ - मशीका की राष्ट्रीय जागृति विद्यानवन, स

गोतम, मनमोहन निवध भारती भा सा म ४५० सरत बाया विज्ञान नदी स. ३० हि. सा स ८००

पात भाषप हताहर मदमरे मा विवा मं । सरत भाषा विज्ञान नदी स-३-हि. सा स ८०० गीतम, सहमणदत प्रिय प्रवेश की टीका मरीकिप ४०० गौतम सुधानर भारत म याताबात सिद्धात एव व्यवहार राजीव में ७००

गौरीवत १८३६ १६०४ दवरानी बेठानी की कहानी ग्रम निप२०० उ गौरी नकर भाग्ताय सहकार बादोलन क्यो ? कि महल

सहकारी भडार क्यों व कसे कि महल ५०० बौरीनकर सिंह लघ सिद्धात कौमुदी विश्वविद्यालय १ ५० पह के दल घरित रोगनताल १२%

पाणकर भास्कर गोविद धीपसमिक रोग सपा नक्ष्मीनकर गर सगो स ३ चौलदा मा १ १००० भा २

१२ ०० स्वास्य्यविभान भौर सावजनिक धारोग्य चौखवा ७ ५० -- प्रया बागुदव भारतर घाणकर स्वास्थ्यनिक्षापाठावली

चौलवा ३ ५० याणकर वासुदव भान्कर द घाणकर भारकर गोविन विल्डियात रमाप्रसाद पहाडी १६१० भारत मेरा दग

रावेनीप्रसाद २०० -सवा भारतीय लोक कथाए रा बनीप्रसाद ४००

योष गर्रावर १८७० १६५० उपनियद रणन शतु नेराव देव भाषाय दिव्य

दियशीवन भा १ यतिति वे १८ अन श्रीसर्विद 28 00

निब्य जीवन धनु केनवन्त बाचाय २ मा निज मृषु भीर उमपर विजय श्रीप्रकार ३०० योग-समयम मा २ ल १ श्रीधरविंद ५०० श्रीमर्शव?-पत्रावती भा २ श्रीमर्शव? १०० श्चन्तक श्रीचरविंद १५० का

घोष दमामसन्द उत्यास का प्रमं भा सा म ४०० नयी कविता का स्वरूप विकास हि सा म 400

भीय न्यामसन्द १६३४ नाम और उबनी भा बुक २७१ व

धवर द बमरनाय बचन धन्वरदर्श पृथ्वीगत्ररामी मेंगा भी निग्ह ४ मा सा सस्यान राज १००० (प्र.) मा 🗟 श्रप्रा पृथ्वीरात्रसमा नी विवनना मना मोहननान भाग्यो तथा नायुमान य्याम सा सम्योज राज १५००

पृथ्वीराजगरी प्रधानती समय टीका विजनाय गौर स सानि का १ ७५

चरदार्मा साह्य चर षद्र दे ग्रस्य मुरेन्दर सर

चद्र दे श्रीवास्तव राभवद्र वन

चन्द्रता प्रतीक तथा प्रतास्त्रात स्थाप २ ३०

चद्रदान ग्रनस्विया सप्रदाय नवयुग ग्र कू ५५० चद्रपालसिंह मयक परियो ना ना न नवपुग प्रधागार ० ०५

सर सपाटा नवयुग प्रयागार ० ७५ क चद्रप्रकार्यासह १६१० कवि दूर गृह भा प्र र ए जन दवि जगनिक भा प्र स ३००

बाधौर बापू साक्तेत १.४० ना -स्पा भ्रम्य रस म ता यूनि —सवा विद्यान गोपहृत का य प्रभावर किया रविमणी

हरण तथा चाय ग्रथ म स यूनि चढवेगी बह्यानद प्लीहा के रोगे मीर उनकी चिकिसा

चौसवा ०३४ चद्रनेखरन नायर एन १६२६ कराव जागता है थीनिकेतन १७५ ए

द्विवेशी श्रीनिकेतन ० ५५ ए युग-सहम श्रीनिरेतन १ ५० ना िमालय यरज रहा है थीनिनेतन १७८ का चद्र नेखर नास्त्री राष्ट्रनिषतिः सरदार पटेल स । सासायटी

१००० जी चद्रसिंह कबर दे ठाकुर रबीन्नाय चद्रहासँव ए सपा प्राचीन निव ने गवदास लोक्सारती

बहारर दे धुरूर पुतुराल बहारार चिता देवमी उद्मीत्वी चद्रिका च स्वरवसार प्रारंभित ठीस ज्यामिति भा भवन २०० प्रारंभिक नियामक ज्यामिति भा भवत भा १३००

भा २ १५० बीबगणित मा भवन ५ ५० नगान्धी चवा गतर जन सा १०० वा

बरोर द हुनुभानतास चनोर चकघर स्पतरविषी मीतीलाउ चत्रधारी शहर गीता चमनवास ० ४० चत्रमाणि सपा विविध जुहवा चनामामा १०० अवदर्शी प्रसार की दार्गिक चतना प्रवस २०००

चनवर्ती वी वी त्र मोनिन स्तायन गास्त्र जयलपुर प्र ग चत्रवर्ती बार एन तथा बार दी राय बाधुनिह प्राथानिह

रसायन मा भदन १५० चर्जी प्रमानर रगनिकिसा भौगवा ६०० उद्गाप्ताय न्वीप्रमान जानने भी व ॥ स्वत्रक्षत वप्र

सारतीय द्यान सर्र परिचय राज्यसन् ६०० चरापाच्य व विकार १ १० १०६४ मानरमर मन् कृष्ण≠त भट्ट पुसं्वा २ ४० उ

चट्टापाच्यास वसतनुसार नहरू अनिम प्रध्याय प्रणान पा (11) 200

थ_{े। राष्ट्राय नाग्तवण १८३६ १६० = श्रतिम परिचय हिंग}

पा (पा)१०० उ

नृमुप स्टार (पा) १०० इ

सेसक निदंशी

देहाती दुनिया हिंद पा (या) १०० च बाह्मण की बेटी हिंद पा (पा) १०० उ सेन देन हिंद पा (पा) १०० च विप्रदास हिंद पा (पा) १०० व स्वामी हिंद पा (पा) १०० उ यहडा, भारतभूषण अहमीनारायण मिध्य के सामाजिक नाटक

नेशनल ५ ०० षतुरसेन, भाचायं, १८६१-१६६० ग्रनवन सुबीय पा

(97) 8 00 मालमगीर हि प्रचा पु ६०० ईदो हिं प्रचापु६०० उ नवाय ननकू सुबोध पा (था) १ ५० उ निमत्रण हिंद पी (पा) २०० उ ब्द और बीद यम भा प्र.स ११० मीत के पजे में हि प्रधा पु (पा) १००

वैद्याली की नगरवधु घारदा प्र मा पूर्वाई ६००, उत्तराद ६.०० द्युभवाहि प्रचापु ४ ५०

सोमनाम हिंद पा (पा) २०० ड चतुरी चाचा हिवातयंना भुरी कबहू हि परि,व १०० का चनुरेश गाव की घोर विध्याचल २००

रसगुल्ला विष्याचल २ २१ का बतुर्बुज, नामोरिया तथा सत्यनारायण दुवे हावर सैके दी

भूगोल शिवलाल ७०० चतुर्वेदी, कमलेदा दे रूपचद, मुनि

चतुर्वेदी, केशवप्रसाद 'सि है श उभरती रेखाए समानातर २५० म

चतुर्वेदी, गिरिचर दार्मी १८८१- गीता प्रवचन गीता ब्यास्यान माला ३ भा 🛮 कारी हिंद ३४ १० साहित्यिक निवय सपा शिवदस शर्मी पतुर्वेदी मोदीलाल.

चनुर्वेदी, गिरीगदुमार दे हाडीं, टामस

चतुर्वेदी, गौरीधरूर हिंदी कवि कीमुदी काशी प चतुर्वेदी, जगदीन, १६१३ - मपा प्रारम मा मा प्र, दि

चतुर्वेदी, जगदीशबद्र समावद की गुगा नवबेदना ६०० मला संस्कृति

पनुबंदी, जगदीयप्रभाद जिस्तारबादी चीन के दो हजार वर्ष

नवभारती २२५, लोक स १२५ चतुर्वेदी, जपगति बैतानिक उद्भावा का इतिहास हि समि

चतुर्वेदी चवाहरताल, सपा बजमापा रीति शास्त्र वय-कोण

हिसा सम्मे

चतुर्वेदी, जवाहरलाच दे विद्यारीदास चतुर्वेदी, तरेग, समा भाचत होत गया प्राति प्र क चतुर्वेदी, देवीदयाल मस्त , १९११- अब नवान, जय क्सिन मनका प्रवा १५० का भरोचे लायल सहय

चतुर्वेदी, नद, समा , १<u>१</u>६२३- राजस्यान के कवि राज सा ग्रना १००० चतुर्वेदी, परशुराम १८१४- सूफी कान्य संबह संबी स ४ हिसासम्मे६००

—क्षाद्रदशल क्ष्यावली ना प्र समा चतुर्वेही परश्रुतम दे मारावाई

चतुर्वेदी, बनारसीदास समा अमर् बहीद रामप्रसाद विस्मिन नया स बात्माराम ३००

---तथा श्रन्य, सपा नेहरू, व्यक्तिरव ग्रीर विचार स ३ सस्ता २५०० चतुर्वेदी बरसानेतास १६२०- छीटे राज्यश्री २ ५०

मिस्टर खोये-खोये' विनोद ३००क व्यय्य की बरसात रामप्रसाद १७५ हास्य की प्रवृत्तिया राज्यश्री ४ १०

क्बीर पदावली सा सगर म —सपा तुलसी पदावली सा सपम, म

सर पदावती सा सबस म चतुर्देशी बरसानेताल दे मीरा चतुर्वेरी भगवतदारण दश के बीट सिपाही बिनोर २००

स्वाइया विगेद १५० वा सपा सुरक्षा भीर सचय विनोद १५०

नतुर्वेदी भगवतगरण द दगोरा भक्रसाल बतुर्वेदी मनोहर धुएँ के घटो पुस,बा २ ५० का चतुर्बेदी महेद बनु भाग्तीय परपरा कॅद्रोम हि २५०

सपा निरंध चयनिका नेशनस

चत्वेदा माखनसास १८८८ चितक की सावारी भा

व्यक्ति भौर काव्य भनुसधान १६०० चतुर्वेदी राजेस्वरत्रसाद १६१८ विविद् रस्ताक्षर ग्रीर उनका उद्भव सतक रोयल

विविद विहारीलाल भा सा स १५० सत कबीर मा सा म १५०

चतुर्वेदी रामजाम डोलता हिमालय ॥ २ चिन्मय ४.०० बीर देश के बालव बीर चिमय १२८

-सपा जवाइरलाल नेहरू विमय १००० चनुवंदी रामस्वरूप, १६३१- भाषा भीर सवेदना भा

चतुर्वेदी विपिन नागाची के देश में विनोद ३००

पतुर्वेदी, धमुनाम नमा हिंदी बाब्य ग्रीर विवेचना नद स

चतुर्वेदी, निवरत्त शर्मा दे चतुर्वेदी, गिरिघर शर्मी चतुर्वेदी निवनहाम हमारी लोग नमाए सन्ता २ ५० चतुर्वेदी सीनाराम १६०७ देवना पस वा १५० ना

नारतीय तथा पारवात्य रवसच हि समि २२.०० थीयद्वत्तमानायंत्री भौर उनका पुष्टिमान हि सा मु ४ ••

समीधा-दास्त्र चौखवा २१०० सेनापनि पुष्यमित्र पुस्न, वा १५० ना —स्या नानिदास प्रयावनी भा प्र म, स २० ०० —तया भ्राय सपा सास्त्रतिक परित्रहम मे भारतीय जीवन भाग्रम ल १०००

चतुर्वेदी सदरलाल ग्रहणण गुरुगुदी श्रमति प्र २००

मुनभुना लोकराज पविष्ठरा लोकराज

फुलवारी लोकराज १०० सब बुद्ध स्रोकराज १००

--सपा सारावनी स्रोकराज

मेघमाला लोकराज बतुर्वेदी सुधानु दे तपोदनम जी महारात स्वामी

चतुवदी सुषापु द नायर टी एन गोरानाय चनवरी हीरादेवी घरती के गीत अलगा अ ज्वा १ ४०

चमुपति या जीवन ज्योति गोविदराम चरनसिंह तया मिथीलाल नर्मा हाई स्कूल ज्यामिति मुरारी

बादीवाला ब्रजनियन टिल्ली की सोज प्र विभाव चाटज्यां सुनीतिकुमार राजस्यानी भाषा सा सस्थान राज

२ ५० (घपा) चातक दे गोविंद बातक

चा सी हनरी धमरीरी निशा वे कुछ पहलू गग व २ ५० पारण चद्रदान ग्रातिया सप्रदाय मा विनाम ३०० -सपा गोगाजी चौहान री राजस्थानी गाया भा विद्या म

चारदेव पास्त्री व्यावरण महाभाव्य १३ थाह्यिक हिंदी

सहित मानीनान ४००

चावला स्वे"ा लहर मीमासा बला म ४ ५० विकराव गिद्ध वरनास्त्री भारतवर्षीय प्राचीन परित्रवीन

भा चरित्रकोग ६००० विदान गला भीर गाहित कमत प्र २००

विमनजी सोदायण मपा गतिगान विश्वा राज प्राच्य विद्यानी

विरत्नीन डील की पोत (रेश्यो मृहित्यात) मृदाय पा (41) \$ 00

चर्चसरयंपात भोरकठ नियुम ४०० वा

मुंडादन सम्मीद्रुमारी राजस्थानी बातों मा ६ सा सम्थान राज ४००

भींध द पांडम कानानाथ काव भोपडा सुरुपन धीहरण एमण २०० वज

षोवस निविभिद्ध सपा राष्ट्रस्वाना लोग नीन मा २ सा

गस्यान राज २५० भीरमहे बामनगढ मरागी हिंदुरशनी योण स्वच्याय २००

पौक्षि राजरत्यान द्विनीयुनीन हिनी गळ गानिया मा शाम १५००

चौपरी प्राप्तिक वृति विनान प्रसार प्र ६०० षीपरी इद्रनाम निरात्ता काम्य पर यगका का प्रशास श्री

घोषरी पृथ्यमहाय व्यापार निन्तान ब्यापात स्र म मा १

३५०, भा २ ३००

चौघरी गोनोक्षविहारी प्रवेशिका गरीर विनान एव स्वास्थ्य या यवन सा १ गरीर विनान ४ २४ मा २ स्वा

स्थ्य विज्ञान १०० प्रारमिक गरीर विज्ञान भा भवत ३ ६५

प्रारंभिक स्वास्थ्य विज्ञान भा भवन ३०० चौधरी युगलकिपोर घपना इलाज घाप करो यत्याणमल

उपवास भौर फलाहार वस्याणमल ० ७३ 0 04 तवाक जहर है कल्याणमल ०५० इन्छ करप या दुग्ध चिकित्सा करमाणमल २ २५ नाक कान गले के रोग कत्याणमल १००

नेत्र रोगो का इलाज कल्याणमल १०० प्राकृतिक विकित्सा सागर कत्याणमस १ ८० मुटापा और उसका इसाज बस्याणमल १०० व्यायाम का नायास्त्य सत्याणमल १००

स्वाभाविक भोजन कत्याणमल १०० चौवशे राजकमल १६२६ ककावती १६६४ राजगमल पुस्तव माला

देहगाया पारिजात

मछली मरी हई राजरमल ५०० उ नहर था नहर नहीं था वि व कु ३ ७५ उ

नीपरी रामखेसावन प्रतिमा (प्रमुचद) एर प्रध्ययन हि साम २००

रवभूमि (प्रयमद) एक प्रध्यवन हिं सा भ २ ५० चीधरा रामचद्र सस्कृत व्याकरण दशन प्रधानय भा

-- तथा दिवेगी सि-बदानद थीरनेही प्राथित हिंदी व्या करण भीर रचना ग्रयालय भा

भौधरी रामोनार प्रारमिक कनननास्त्र भा भवन ३०० भीयरी पविवितासराय टाक निषद की जाय कहानी प्राप्त मनीच " सुखानी ग्रवना ६००

चौषरी गातिबाता गाहस्य विहान ना भवन ३ ५० यह विदान-तस्व भा भवन ४५०

प्राथमिक सहायता और गर परिचया भा भवन १०० शीवरी राज्यानद १६४५ हिंदी बाज्य गारत म रस

सिद्धान धनुमधान १८०० चौषरी साय²व स्टब्रणीत का यासवार बागुन्य १८००

षीवरी भरयत्व द रद्रट चीपरी सामनारायण प्रवित्ता सन्तृत व्यादरण का भयन

भीवरा स्नह्मया १६३५ एनावी दानो १६६० १६६८

नी नविनायें राजकमन ४०० चौड पर्मारर पूर्वी श्रीया का बायुनिक तिहाम म २

हिंसिस ११०

भीर जिवनुमार सामाच रोगा की रोतचाम भीगवा

भीत्र सरसूप्रसार १६१६ । सारत व कुछ गिगा दागावि रा बनीमाधव ४७%

वीरसिया वेनजीयसार १६३० धासानता व प्रतिमान युनाइटेड ३०१

धनानदः ब्रह्मोक प्र. म. २.२१ चुटनी भर चादनीः अमिताम, इ मध्यकालीन हिंदी सतः विचार भीर साधना हिंदु एकेडेमी

हिंदी के कवि मीर लेखन वासीक प्र म —हपा. मेशदूत मशोक पु म २५० चौहान, मारमाराम तथा सहमणसिंह रजपतिया प्रसार व

सामुदायिक विकास विद्या म , हो । चौहान, गञानन सिंह 'नम्ब' पश्चिम निमाड दर्शन श्रेमी प्र-

स्. ० ४० रोजान की

सोहान, ही दी एस दे. टडन, जे. एन सोहान, नदावींसह सब हैं समान, सन हैं बहुतन इन्टर यूनि.

र ५० चौहान, प्रतापसिंह- समिता में प्रयोगवाद की परवरा नवयुग

प्रयागार. २०० विवार प्रौर सभीक्षा नवयुन प्रवागार ५७५ हिंदी काव्य प्रोर ग्रास्टिन-दर्शन युगवाणो प्र १५०० भौहान, प्रेमसिंह बुद्ध कीतन महावीधि. १.५०-का

बुढार्षेतः महाबोधि ०२४

भौहान, मनद्दर प्रसतुतन उमेश. कहानिया ही कहानिया सम्बंबक २५०

कहानिया हा कहानिया स्थाप कुक २३० क्षीस मुददो के बाद सेना राजोब सनसेना उमेदा ३.५०.क. साहस भीर परात्म की कहानिया झार्य बुक २.०० सीमाए उमेदा १२००.उ

सूर्व का रक्त उमेश. ६.००.उ.

हांची का शिकार उमेश २०० वन्न चौहान, रामयोपालसिंह, १६२५- बाधूनिव हिंदी साहित्य,

१९४७-१९६२ विनोदः १५.०० स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी-उपन्यास सन् १९४७-१९६२ विनोद

३ ०० स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी नाष्य, सन् १६४७-१९६२- विनोद ३.०० चीहान, वित्रय, १६३०- धर्मसेने कुरुसेन्ने. रणजीत चीहान, वीर्रेडसिंह भारत, आरतवय का विस्नृत भूगोत.

सतो स. २. रस्तोगी श्रोहान, शिवस्थानसिंह एव एस सी. जित्तल मुदा एवं बैनिग. सा. नवन, भा

सा. भवन, भा. चौहान, समर, १९३७- ग्रर्चना वे सणः साहित्यासीक प्र,

मा ३०० हा सा ३०० हा सोहान 'प्रेमी'. विरास-गीत प्रेमी 🖩 म १.०० जगररूमार शस्त्री. वैदिक-प्रवचन, मध्र प्र. २.२१

जगरुमार भारतः बारके प्रवचनः मधुर प्र. २.२५ जगरीमात्रः यारो ने पहाडः नैमानतः ३०० जगरीमात्रातः प्रदोधचडिना-वैजनः मोतीलातः ३.०० जगरीम विगारतः चुनौतीः धरविदः धः पू. ०.५० ताः दयान्दं दर्यतः अरोवद् प्र. मृ. १.००

जगदेवसिंह शास्त्रीः छात्रोपयोगी विचारमाताः हरयाणाः ०.६४

वैश्कि पर्म-पर्तिचय हरमाधाः ० ६५ धगन्नायः समावस महारम्यः देहातीः १.५० चतुर्मास सहात्म्य साधाः देहाती १५० पञ्जीस पूर्णमासो कथा देहातीः १५० प्रदोष बृत कथाः देहाती १२१ बृहत् सप्तवार कथा देहातीः २००

जगन्नायप्रसाद मिनिद, १६०७- वर्द किरण- रवीन्त्र प्र, य्वा ५.००का स्वतत्रवा की बलिवेदी सा प्र म., या. २.०० सडका

जगन्नाय बास्त्री भारतकथा. मोतीनात. १२५ जगन्नाय सिंह धारती, १६२०- एक घटा देश को. २ भा.

श्रतीक प्र, व ३०० जन्मी, रत्निवह दशम ग्रय की पौराणिक पृष्ठभूमि. भा. सा

स १६०० जनक प्ररोवट प्रसम तथा नेका के धरती-मुश प्रामी. । जनार्दन प्रथय. हिमालय खतरे में चौधरी | जमनाशास प्रस्तर कारमीर ही बेटी मुशोक पा. (पा.)

२०० उ जयत बायस्पति रावी के किनारे. राजपात, २५० छ. जयमोपास मादर्श वाल्मीकि रामायण देहाती. मोटा टाईप,

बडा साईव १२०० महामारत मापा देहाती १२०० वहगोविद तपोवन कि, घर, जो २.०० नि. जबनाय 'निनर्ग', १६१२ माचार्य रामचद्र गुक्त, बसत.

६ ५० बिसरते साथे नेचनस. ४.०० यक्ति काव्य मे माधुये साव मा स्वरूप बसल. २५.००

जयप्रकाश नारायण देश की समस्याए और प्रामदान, स. २, श्र वा सर्व. जवरायन, पी महाकवि सुप्रहायय भारती एवं महाकवि सुप्रे.

वरावत, भा नहाकाव सुन्नहान्य नाराता एवं महाकाव सूच बात निपाठी निराचा के काच्यो वा सुलनात्मक प्रध्ययन. हिंसा सं२०००

जनरामितिह कुन्कुट पालनः सः वेनीप्रशाद जनवल्लाम सिह सामान्य मनोविज्ञातः सरल प्रध्ययनः कपल प्रः ३००

वर्यासह नीरव, १६२६- नीलवल सोई परछाइया, कविता. ३०० का.

जबती, बी. के. स्वतंत्र समाज की शिक्षण पद्धति. हि. सा.

वनानसिंह, महाराणाः बनराज-काव्य मापुरीः साः सस्यानः राज

वर्षकोती, के के क्ला की परल धारसाराव ४.०० वहीर, रविवा सन्वाद नेहरू का प्रतीजाः एक्के १ १० वन्न वाविड, रामबीताव इतिहास के स्कृट लेख. सुभेर प्र. वाविड, रामबीताव इतिहास के स्कृट लेख. सुभेर प्र. वाहिर. दें कम्मीरीताल वाहिर.

जानीक जीवण प्रताप-रासो थंपा. मोतीलाल गुन्त. राज. प्राच्यविद्या. ६.७१

प्राच्यावदाः ६.७१ जानकीवस्त्रमं बास्त्री, १९१६- पापाणीः जयसिवः ३.५० सगम जयविवः २००

साहित्य दर्शनः वयश्चितः २,००

-स्वा महाकवि निराला जयश्चिव एव निराला

जान्सन, जेराल्ड हरून् अमरीना उन्नति के भाग पर

गर्गम ३०० धमरीका कैसे बढा गर्गंब ३००

ग्रमरीका कैसे बना गर्ग व ३०० जायमवाल तथा धर्मा शिक्षा के तात्विक सिटात

मद स ६ ५० जायसवार, प्रधातहुमार गुप्तवालीन उत्तरबारत का राज-नोरिक इविहास पारिजात

जायसवान, बी एस कैमिनल इहस्ट्रीज देहाती २००० जायसवास, माताबदन नबीर की माया कैलाझ ब ११०० मनाविज्ञान की ऐतिहासिक जायसवास, सीताराम, १६२०

रपरलाहिसमि १३०० शिक्षा मनोविज्ञान विद्या प्र म १००० शिक्षा विज्ञान विजीद ११०० धौक्षिकसमाजदास्त्र हि समि ७३० जायसी (मलिक मुहत्मद) पद्मावत व्या शासदेवशरण घप्रवास स र सा सदन वि १५००

जार्त, जेकब पी, १६३८ - सायुनिक हिंदी गता बीर गताकार य्यम १५००

जिदल, मदन नाल मध्यप्रदेश सहवारी संस्थाए ग्राधिनियम, ११६० स ३ राजकमल

त्रिशामु दे बहादल जिलामु जिज्ञामु दे राजेंद्रपाल जिज्ञामु जिनेंद्र प्रशात महासागर साँकेंद्र का ३०० त्रितेंद्रचद्र मारतीय, १८१६- कवि छेनापति समीता

नवपुर प्रयाचार ४०० खाली पित्ररा गुगा म्बेह के बचन नवपुर प्रयोगार ३ ५० छ

जितेंद्रप्रसाद सिंह, १६३७ सपा मानवहादुर शास्त्री সণ্রিস ३०০ জী

जिर्देद्रियाचार्य, जगदीशचढ़ सिद्धांत कीमुदी जबीग सूची ४ भामोतीना**ल ६**५०

त्रिया प्रतीमावादी सईदा हि प्रचा पू (था) १०० भीवनप्रशास 'जीवन' हिमानन चमनतास २ १० गीत जुन, पाँत की अनर्राष्ट्रीय स्वापार तथा अर्थिक दिवास गर्गं व २००

जुमतास जैन धर्म वा प्राण सस्ता २०० जुरमगी, मोहनी मां धौर मुना शानेत १०० बन्न जुरमनी, मोहनी दे दोस्तयबस्वी ज्रमी हरी में हार गया नवयुग व यागार, 3,3% त

जुवास, गुणानद हिंदी भाषा का उद्भव कीर विकास विनोद जेम्म, म्बाट परिवमी साहित्यसीयन के विद्वांत कि महस जम्म, हेनरी हृदय के बधन राजपाल ७०० उ

जैन तथा कोटारी मुदा एवं बेरिय सदमी ना ७ ४० नेन, धापपूरमार, १६११- कुछ निवय भा, जानगीठ जैन, इद चौंसठ विवताएँ भा जानपीठ ३०० जैन, उजागरमल उत्तर घटेश पंचायत राज एवट, नियम व मैनुबल कानूनी ६००

चैन, कृतलकुमार, १६४०- पहिंचे के उत्पर हि भवन ३ ४०

जैन, कृदनलाल हिंदी ने रीतिकालीन भलकार प्रथी पर

संस्तृत का प्रभाव सा वि. व १६०० वैन, चिर्जीलाल दे भागवा, गोपालताल जैन, छगनवात हिंदी घसमीया शब्दनीय पूर्वज्योति ६००

चैन, जनदीयचद्र जैन द्यानम साहित्य मे भारतीय समाजः

सोवियत रस पिता के पत्रों में नैशनल ४ ०० जैन, जवाहरताल पदावली विध्याचल १००

जैन, जिनेंद्रतुमार हिंदी गध हुसुमाकर कमल 🏿 १५० हिंदी पद्य कुसुमाक्त कमल प्र १५० जैन, जैनेंद्रकुमार तथा झाय, सपा श्री तनसुखराय जैन स्मृति

ग्रव तनमुखराय स्मृति ग्रथ समिति, दिस्सी १००० जैन, थी सी तथा के सी जैन प्रायोगिक मौतिक विज्ञान

जबनपुर प्र मृ ५ ५०, सक्तिप्त स ३ ५० जैन, देनॅद्रदुमार, १६३२- घरभ रा माया भीर साहित्य मा शानपीठ १०००

जैन, देवेंद्रद्रमार, १६३२- निवधकार : गुलावराय.

निरासा वी काव्य साधना कमल प्र

जैन, चन्यकुमार रवीद की येष्ठ कहानियां हिंद पा (पा) जैन, नदलाल दे बाइल्ड, धारनर वैन. नवीनवद्र नवीन धर्यशास्त्र स २ रामप्रसाद २७%

हायर सेवेंडी वर्षेशास्त्र रामप्रसाद ६ २५ जैन, निर्मेला ध्लेटो के शास्य सिद्धात नेशनस ६,००

जैन, नेमचर 'प्रम' प्राचाता चीन प्रीर हमारा भवन्य विकेता ५००

जैन, नेमीचंद्र काव्यांग परिचय कमन प्र २ ५० क्यारसभव (पचन सर्ग) कमत प्र मील भाषा, साहित्य धौर सत्त्रति हीरा भैया प्र ६००

जैन, नेमीचड दे स्वाचार्य ग्राह जैन, पवनकुमार धनु उल्काए वेंद्रीय हि २.६०

जैन, पी घार, १६३०- भारत घीर दिस्व दिपू स ७ २४ र्जन, वी सी. स्वतन धार प्रतिनिधि शासन हि

समि ११०० जैन पुरयोत्तमलास धनु धश्रव्य ध्वनियां भेंद्रीय हि १ १०

जैन, पुष्पा दे महाचार्ये, मूलमग

जैन, प्रवृत्तनुषारं भाषमनं तर्गशास्त्र रमस प्र निगमनं तर्वशास्त्रः समाप्त प्र. ५ ००

जैन, क्लबद नवीन ध्यापारिक सक्पणित मुरारी २००

जैन महाबीरगरन दे धप्रवाल, पचवड बैर, मिथीमन 'तर्गित'. इन्स मिनिए सोहन प्र २ ७४

उनटी गग मोहन प्र २७३ पूरीले पुरन्तने सोहन प्र २ ७५

फलमहिया सीहन प्र २७५ क्या जैन, यरापाल, १६१४ सहिंसा की कहानी सस्ता १ ७१ पढ़ोसी देशों में सस्ता ६०० सस्म जैन, यादवचद्र, १६२०- धारजू- हिर पा (पा) १०० उ

दीपू मुल्तान प्रमात प्र २५० उ जैन, रतनहामार, ११२४- यर्ग विचार विश्वमारती.

नः ६०० तेस जैन, रमेगचद्र, १६३४ कृषि प्रसार सिद्धात एव ग्राम्य

विकास सिषस हिंदी समास रचना का शब्ययन विनोद १००० जैन, खोदकुमार, १६२५- वविवर बनारसीदास

भा ज्ञानपीठ १०००

जैन, राजेंद्र नैतिक शिशा बनुपम ३ ५० जैन, विमलरुमार, १६१२ वामायनी वितन मा छा

म १२०० महाकवि दिनकर उर्वशी तथा सन्य कृतिया मा सा

जैन, विमला सपा जैय भनिय शानदीव प्र २ १० क जैन, बीरेंद्रकुमार १६१८॰ यातना का सर्व परुप सबलीना प्र एव हिंग्र र ५०० का

जैन, श्रीचद्र, १६१० वज्जूर है छात्री किसान की

सारमाराम ३००क

मै सहस्रहाते पेड विष्याच्छ २०० ये वन के पद्म विष्याचल १५० हिंदी क्वियों की कहानिया करवाणयल १५० जैन, मुक्तनकाल सामाय भौतिकी राजीय, मे २ ७४ र्जन, हरिशवद्र तया मोहनताल गमवास राजस्थान टीजरी

मेन्यूचल सद्यो स राज वदायत ब्र राजस्यान प्रवायत न्याय प्रवायत, प्रवायत समिति एव

जिला परिषद् बृहत् नोड राज बनायत प्र र्जन, हरिलाल, समा भप्ट प्रवयन विद्याचल १५० जैन, द्वीरालाल, सपा जैन धर्मामृत भा ज्ञानपीठ

सगधदगमी कथा भा ज्ञानपीठ

पैनेंद्रकुमार, १६०५ सनाम स्वामी पूर्वोदय ४०० उ भैनेंद्र की महानिया मा १० पूर्वेश्य ४०० परिप्रेश पूर्वोदयः ६०० नि प्रान घोर प्रान पूर्वोदय नि

मृक्ति बोप पूर्वीदय ४ ५० उ राष्ट्र भीर राज्य पूर्वोदम ३०= सूक्ति सचयन सम्रा हर्षचंद्र पूर्वेदिय ३००

-तया ऋगमचरण जैन तथीमूरिम मुबोध पा (पा) २०० उ

जैनिनी दे रामकिशोर 'जैनिनी'

जोवनेशर, न वि तया प्रत्य, सपा राष्ट्रभाषा विचार-संबद्ध संगों सं ४ मनाप

जोतवाणी, मोतीसाल सिधी माथा, लिपि भौर साहित्य थीमती राज जोतवाथी, ४ एत १६४, लावपत नगर, नई दिस्ती-१४ २००

जोशी, इलाचड १६०२- योकी के सस्मरण पुस, वा विपत्ती सोकभारती ५०० उ डायरी के नीरस पृष्ठ लोकमारती ३ ५० सस्म दीवासी भौर होती लोकभारती ४५०क बरेठन पुस,वा २००क —ग्रन विश्व मानवता की घोर हि समि ७०० बोबी कृष्णवस्तम नव्य हिंदी समीक्षा स्थम १६००

बोसी, वे सी राज्य की दाशनिक विचारधारा हि समि जोशी, केदारहत्त सिद्धात शिरोमणि ३ मा मोतीतास

जोगी, गणेनचद्र रण जागरण स २ चिन्मय ५०० जोशी, गौरीशकर गोवद्वन दे धूमकेतु जोशी जगदीश्चद्र हिंदी गद्य साहित्य चि मय १० ०० जोशी जनहवीप्रसाद निलाजीत विभान चौखया ०७५ स्टेधिस्कोप तथा नाडी परीक्षा चीलवा ०७४

हैना (विसुचिका) चौसबा ०७५ बोधी जीवनप्रकाश साधुनिक प्रतिनिधि क्व भीर उनका

काय्य नवद्ग प्र ५०० प्राचीन प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य नवयुग प्र ३ ५०

साहित्यक निवध नये प्रायाम नवपुर प्र ५०० बोधी, दिनेशक्द्र दे दीक्षित, वर्षेद्रनाय जोशी, बद्रीप्रसाद दे धीमाली नदिनशोर जोशी, बदनमोहन खगम रामप्रसाद ३०० जोसी, मुरलीबर बार्बिक पद्धतिया हि समि ६ ६० जोती रमेश मोतीलाल नेहरू साधना सदन २०० जी

बोग्री, सहमय शास्त्री, सपा राजदाह लेख सप्रह शिवलाल १२ ४०

जोशी, सम्मीलास सपा मेवाडी कहावर्ते सा सस्यान, राज २०० (ग्रप्रा) जोशी, शांति मेरा यन बनवास दिया सा रायाक्रपण उ

बोशी, श्रीपाद दे नेने, तो प बोशी, हरिशकर सास्ययोगदश्चन का जीर्णोद्वार चीलवा

\$ 2 00

जोशी, हिमासु १६३५ स्नात प्रवीदय ३५० क बर्रांस फूलते तो हैं भा सा म ५०० व बोशी, हेमचर माया विज्ञान पर भाषण हि समि ८०० बोशी, शिवकुमार सुवर्ण रेखा धनु युगजीत नवलपुरी

नेशनत ३०० ना बोहरापुरकर विद्याघर, १६३५- सपा तीर्घवदनसप्रह

वैन संस्कृति ५ ००

बौहर, सुरिद्रसिंह भारत में सामुदायिक विकास युनिटी जीहरु मुरेंद्रसिंह रवीद्रनाम टैगोर जीवन घीर रचना सा सगम, ल् ५००

जौहरी, कमलबूमारी हिंदी ने स्वग्नदताबादी उप यास ग्रपक 70 00

ञ्चान दे प्रदस्यी, बन्दुलाल 'ज्ञान'

ज्ञानकुमारी **प्रजीत** रंगमच परिमल २००ए

भानमूनि सामधिक सूत्र मोतीलाल १५० ज्ञानवती साहित्य बुछ विचार ज्ञानालीन ज्वालाप्रसाद, टीका नुलसीकृत रामायण नया सस्करण देहाती

8400 रामायण तुलसीहत सचित्र सपूण बाळो बाड दोहे चौपाई सहित मोरे ग्रगर। मे देहाता बहत बडा साइब ४४ ०० दहन एडीशन ३२ ०० वडा साइख १४ ००

दहेज एडीयन ।६०० भा प्रनिरंद्व भारतीय तकवीच ज्ञान मीमासा मोतीलाल

भा प्रयोध्यात्रसाद यह घरती है विलदान की ग्रथमाला

२०० बप्र देमाई के लाल प्रयमाना १२५ वप्र

भा बानद १६१४ पदाय बास्त्र हि समि ६०० मा एव वे लवण परीक्षा भा भवन

भा नगरनारायण कमलेश विश्वय के प्रव पर बचमाला

१०० वप्र सिखा के गुर हि सा स

हमारा नेपा हमारा लहाल हि सा स ० ७% भा तारिणीय सपा मालविकान्तिमत्रम् रा बेनीत्रसाद

3 00 मुद्राराक्षरम रा वनीप्रसाद ५००

वणीसहार नाटकम रा बनीप्रसाद ५५० भा दयानद चमकते नजारे हिं भवन १५० वत्र भा दिनेगबद्र प्रवाक्षा बधन के सेत् गरिमत ३००

श्वतियौ गुल है परिमल २ ८० व्यव्य भा, नदक्तिशीर प्रियमिलन देववय ४००का

मेरी सबसे बढी कहानी देववय १०० व हृदय दवदधु २०० का भा पनपर बासववारिष्ट विश्वान चीलवा ३०० मा बारगोविंद मैथिनी निव्यादली मा भवन ४००

मैथिली साहित्य का इतिहास भा भवन २ ५० मा युद्धिनाय करेव साहित्य साधना की पृष्ठभूमि परि

য়ঁ২ সাবেণীত ६ ५० मा, रमशबद्र याची मुतो बहाती बयनासा ०७१ रा मीरा नाथी रे नस्पर प्र ३०० व

मा, राबेंड, १६२६- यहण सा बड, दि ७ ०० उ भा धीनात दे राजेंद्रहुमार राजन

भा, हरिमोहन भारतीय दर्गन परिचय व २ व्याय दर्गन mi २ वैगैविक दशन पुञ

भारी वृत्यदेव १६२७ चर वामनार प्रेमचंद धीर उनका गोरात एक नया मूल्याकत मारतेंद्र भवत ६ ५० बीमाल रम भीर हिंदी माहिन्य सूब प्र २० ००

भारत पान-मुद्ध १६६६ नमात्र व ८ १० रस-शास्त्र भौर साहित्व समीता भारतेंद्र भवन ६०० भिगरन 'तुगुः' धभिसाद-भीरा श्र वा

ਣ

टडन, बुरुप्रसाद सपा काव्यधारा कि घर, ग्वा ३०० टडन के एन १६२५ तथा ही वी एस चौहान भारत की प्रमुख फसर्ने रामप्रसाद

टइन प्रतापनारायण १६३२ अभियाप्ता सा केंद्र दि

३ ५० उ

नवाब कनकौवा विवेक २५०ए पचरीले प्रतिरूप विवेक ४००का रुपहले पानी की बुदें विवेक ४०० उ बासना के अकूर सा केंद्र, दि ३ ५० उ शुन्य की पूर्ति विवेक ४०० सबीना के मान भीर हिंदी समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तिया

२ मा विवेक २५०० (प्र) हिंदी उप यास कला हि समि ६ ४०

टडन प्रेमनारायण १६१५ नेहर अतिम भलद हि सा

म २ ५० ना हिंदी सेबी ससार ख २ हि सा भ २००० -- हपा मूर बासकृष्ण हिं सो भ १५० ना

—सपा सूर सुधा हि सा भ १ ५० ना टडन, बी चार के तथा भी चार साहभी भारतीय सैंप पद्धति का इतिहास प्रकाश युक् ७ ५०

स्वल युद्ध कला तथा उत्तरी भशीका का सम्राम प्रकाश सुक 040 टउन, महे प्रसाद मतर्राष्ट्रीय सबस में दीय हि म मन

टडन विस्वनाय अच्छी हिंदी २ मा रामा प्र १५०० (प्र) टडन, श्रीप्रशास, १६२६ वहतो वा ससार बाल सा म १२४ उ

टहन, सतत्रसाद, १९०६- स्टान घीर उसका व्यवसाय हि समि ७५०

टाँड, जेम्स १७८२ १८३८ परिवमी भारत की याता झन एव सपा गोपाननागयण बहुरा रात्र प्राध्यविद्या

टीन, एटविन व, प्रशृति के बीच बनुभूति व क्षण बारमाराम ४ १० वा

टेलर, हैरलंड निगण की समस्याए राजपान ७ ०० हैलोर, रदोद्रनाथ दे डाहुर, रबोद्रभाष

टोपा, विद्या सरन हिंदी भा १-६ हेमबूट भा १ १००,

मा २३ १६० (प्र), मा ४ १२४, मा ४ १४०, मा६ १६०

टोरी दे बदप्रशास 'टोरी'. ठक्तुर, चद्रशासर वाशातको, १६२८- धरेलू इताज भा

ज्ञानपोट २०० ठाररे कानिसास 'नतिनीन' बाबो साथ थरें नवपुण सा

स,ई २३० श ठाहर तथा शमा सामा व रनावन भा भवन १०५०

टाहुर खपा सिह सामा य रासायनिक गणना भा भवन ३५०

ठाडूर, द्योकारनाय प्रणव भारती-प्रथम बीणा मोतीलाल 800

सगीताजीत ६ मा मोतीलाल ३२ ०० टाकूर देवेश, १६३३ प्रसाद के नारी चरित्र नवयुग प्र ₹0 00

ठाक्र, प्रेमकुमारी जाग उठा है हिंदुस्तान प्रेमकुमारी ठाकुर, १२, रामानिवास विधान सभा मार्ग, लखनऊ २०० ना

बाहर, बबुएलान तथा चद्रशेखर शर्मा अवेशिका रसायन मा भवन भा १ ४००, मा २ ३००

डाकूर बनवर्तासह प्रारमिक उद्भिद्शास्त्र चौखवा ४ १० टाकुर, इजमीहनसिंह चाठ मिनिय एकानी साथी ३०० ठावूर, रवीद्र तथा गोपेश यह मेरी विवताए हैं कि महल २४० का

ठाकूर, रबीद्रनाय, १०६६ १८४१ सहय राज प्रमास प्र

रैदी झौर जजीरें सजू ३ ५० ड गौताजनि भनु रामनाय व्यास परिकर राज सा प्रकार ५०

चतुरा प्रभात प्र २०० विवासका अनुस्वर पत्रसिष्ठ राज सा भवा १०० बसरी, बनु रावत सारस्वत राज सा अवा १ ५० बहती नदिया जलते जिनारे मज् ३५० उ यह बस्ती है घहीदो की सत् वे ५० छ मोगायोग हि प्रया पु (पा) १००

रिकारर दी वादा भन् रानी सहमोत्मारी राज सा यवा ३२४

रवीद्रनाय की घोष्ठ कहानिया हिंद पा २०० रबीद पद्य रूपा चनु मदनगोपाल दार्मा राज सा धरा १५०

रवीद्र रामाकर प्रनु रष्ट्रवशनाल गुप्त भा विद्या भवन, व यदे मातरम् मञ् ७०० [वा स्वजनताना ⊪रिणाम प्रभात प्र २०० ठारुर, राधस्थाम दे शर्मा चद्रशेखर ठारूर विविनविहारी, सपा हिंदी साहित्य एक मृत्याकन

राष्ट्रा सारायदास भी ह्युसान जावन करिक देहाती ४३० हफ बाट मराठा का इतिहास (१००० ई॰ से १७५५ ई॰

तक) श्रामिष १२०० डायल, रानन भीत की छाया हिंद था (या) १०० उ दास्टन सोनवित्त के निदात एसाइड ६००

हागी गणपतलास सडे मुरमा झात्र थी उक्त गीगने का वापू भा १ दत्तवयु २७४

डिक् म पार्स दो नगरी की कहानी नेशनस ५०० दुषेत न द्वाणी भूत की सीन मा माराम ३ ५० दूरेट दिन सम्पना नी बहाती नि महल मा १ १० ००, भार् ६००

हे, पनिस निरक्षर, १६३४ दुष्टिकोण दि पु स ४३१ इ

हे. सतीय इसान अस्वान पसा दहाता नभी वर्म नथी तिर्म देहाती १ ५० कांटा दायन फूर्स देहाती १,५० ना नई किरण देहाती १ ५० नागेश्वरी देहाती १ ५० वधन देहाती १५० **बसपित देहाती १५०** ससकार देहाती १ ५० द्योला और तुफान देहाती १५० ना हिमालय ने पुनारा देहानी ११० ना हिवह, एस पी चमह का नाम विद्या भवन, उ २ ४० डोगरा झार एम दे रसान डयुमा, चलेक्बेंडर तीन तिक्रमे नवयग्रयागार १००० उ

त

तक्सीवाले, सुवीलाबाई तथा त्रिलीचन सेठी युनियादी गिक्षण मृतोद्योग जवनपुर प्र गृ २ • ५ तनसुत्रजी व्यास स्वास्य भीर भोजन वि घर, जो १०० स्पोदनम की महाराज, स्वामी १००६ १६५७ हिमापिर विहार रूपा सुषायु चतुर्वेदी वासुदव तरिगत दे जैन, मिथीमन तरिगत तरन तारन भावाज दो हम एव हैं नववेतना २ ५० तरल दे शहर, श्यामविहारी 'सरल' तक दे राक्स तक तागडी, बन्नपूणा चूक की हक विवेक ६५० उ पक मे पकर पूर्णिमा प्र तात्रिक बृहत् इद्रजाल सपूण देहातो २५०० ताजबर सामरी लहरी की दीड नवयुग प्र ४०० छ ताम्हणे, के ग भाष्त्रिक प्राथोगिक रहायन शास्त्र अनु भ द टोले जबलपुर प्र गृ१२५ तायल, ज्यमदिर, १६३६ ध्रप भरी सबह रविता 300 57

होशकी कर रहे कि सर प्र, बर २००० सर तारकेश्वरप्रसाद शिशण कला हि पु स ७ ५० हिंदी भाषा निगण मनपा भा भवन ३ ४० ताराचदपाल बेर न' अब जय हिट्स्तान शांति प्र , ज्या तासवार निर्मेन, १६२८ सपा प्राचाय द्विवदी वरीय ८००

—सपा प्रसाद सा प्रतिष्ठान ८ १० ग्रा

तिसक १६३२ अधूरी मुस्नान चमनलात २ ५० उ वक्त चोर तथा स्थ वहानिया बता भा निराना विक्यवीला प्र ७०० तिवन दे तिनम्यारीसिंह तिनक

मेषद्रुत विद्यावती प्र एवं गानि ननरन ३ १० वा विवारी, अविशाप्रसाद दे सक्तेना, भूवनेदवरीचरण

तिवारी, ब्रार सी हिंदी साहित्य के इतिहास की रूप रेखा जबलपुर प्र गु १००

-तया एँच पी गोस्वाभी ग्राधुनिक विश्व इतिहास जवस पुर प्र गृ ४००

तियारी उदयनारायण जमनी देश भौर निवासी हिंद पा

(पा) २०० तिवारी, केदारनाय धागमन तकंशास्त्र मा मवन ५ ५०

विवारी, गोपीनाय १६१३ दीप से दीप जरे नवय्य ग्रवागार २२४ नि

हरा कीता नवयून ग्रंथामार २२% ए

-तया रामचद्र तिवारी सपा विधारा विश्वविद्यालय ३०० वा

तिहारी, बद्धोत्रर छद ग्रसकार रस जवलपूर प्र गु०७० रिवारी, जगन्नायप्रसाद बुनियादी शिशा सिद्धात जनसपुर प्रगु२७५

तिबारी, जे एस प्रायोगिक रसायन जवलपुर प्र शृ ३ ६० विवारी, भगवानदास पावसगान झ वि गृह

हिबारी, भवानीप्रसाद गद्य निर्माल्य जब प्रयुर प्र गु २ ५० दिवारी, भोतानाथ १६२३- सपा वृहत् पर्यायवाची कोश

सद्योस २ वि महल

हिंदी महाबरा कीश सा २ कि सहक दिवारी, रमाशकर सूर का शृगार वर्णन धनुसधान २००० विवारी, रमेरा मराठी का उत्वर्ष भीखबा १२ ००

--तथा सरेत तिवारी पुराणधान्त्र एव जन नचाए चौलको १२०० तवारी, रामिन रावन मासनलान चतुर्वेदी व्यक्ति भीर

माव्य धनुमधान, १८०० तिवारी, रामचंद्र, १६१०- नवजीवन साथना सदन ४-०० व

~ धन् उचको राजपान ५०० की हैं-पत्रे राजपान २४०

विवारी, रामचद्र दे तिवारी, गोपीनाथ तिबारी, रामचद्र दे माम, समग्सेट तिवारी, रामचद्र दे मिश्र, भारित तिवारी, रामचह दे वर्गशाह, हस्सु बी

तिवारी, रामपुत्रन, १६१४- जायसी रामाइच्या ३ ७५ तिवारी, रामप्यारे हिंदी वे प्रायुनिक कवि हि सा म ३००

हिंदी के प्रतिनिधि क्षि हिं सा स ६ ५० हिंदी व प्राचीन कवि हिंगा स ३०० तिवारी, रामगरर नाव्य निता चौत्रवा ६०० प्रयोगवादी काय्यवास तबीस्त नई कविता भौनवा १२ १०

तिवारी, रामानद 'नारतीनदन', १६१६- वावती महाशस्य

मा महिर १५०० भारतीय दर्गन वा परिचय मा मदिर ३ ५० भारतीय दगन की मुमिशा सा मदिर ७०० महानृतागाममं मा मदिर ५०० नि गरव निव ग्दरम् २ मा भा मदिर ६००० सेनानी मा मदिर ५०० वा

स्वतत्रताना सर्पे भा मदिर ४००

हिमालय मा मदिर ५०० का विवारी, रामेश्वरनाथ गजानन शास्त्री ज्ञानपीठ २०० रेल की पटरिया धर्चनात्र प्रा३००

तिवारी, रामेश्वरनाथ दे विश्वनाथ सिह विवासी, विश्वनाथ मानुनित्र क्या प्रकाश हि प्रचा 00 05 F गानचित्र निरूपण मशोक प्र म ५००

मानचित्र प्रवेशिका भन्नोक प्राप्त २ ५० सैन्य मानचित्र दर्पेग धशोक प्र म १५० विवारी, सञ्चिदानद आध्निक हिंदी नविता में गीति-तरब

हिं सा सम्मे विवारी सियाराम हलवरदास हत सुदामा परित्र

सा भवन ५०० तिवारी, हृदयानद 'मुमारेश' त्रातिदूत सानेत ३०० वा

मुस्कुराते धासू, साकेत ४०० वा क्षीयराज फिरोजपुरी कातिकारी रमणी सनीक पा

(पा) २००

तुकडोजो महाराज प्रनुभव प्रवादा २ मा थीपुरुदेव १५०

भारम प्रभा भजनावित श्रीगुरुदेव १०० काति दीप भजनावित धीग्रहेय ० ४० गाधी गीत श्रीगुरुदेव ० १६ जीवन ज्योति धीमुन्देव ०५६ ज्ञानदीप भवनावनि शीगहरेव ०३७ प्रायंशा पद्धति श्रीयरुदेव ०५० সহবৰ্ষ থীণ্ডবৈ ৹ ६০ मा सा स सेवा साधना शीगुरूदेव १५० मेरी जापान यात्रा श्रीगुरूदेव १२४ राष्ट्र नौका भजनावति श्रीगुरुदेव ०७५ राष्ट्रीय भवनावति शीवृहदेव १५० सहर की बरला श्रीगुरदेव १५० बाचा वस्ती थीगहरेव १००

विवेच सरिता भवनावित थीगरूदेव १ ४० सतिय, प्रार्थेना पाठ श्रीगुरूरेव ० १० मुपा निष् भजनावित थीगुरदेव ० ६० त्ननेव पिता भीर प्रव हिंद पा (पा) २०० छ प्रेम प्रपच सस्ता २०० स

त्रक्षे, य व प्राची कराडी कोरीय लेख मौनी नार

तुत्रसी द इइजिनसिंह त्सपी' न्तरते माचार्यं क्या धर्मं दक्षियस्य है ? मा ज्ञानपीठ 300

तुतसी, बलजीत, १६१५- प्रेमाप्तरि ग्रारमाराम २५० मा नुविभीदान करण गीतावती श्रीका रामयद्र श्रीवाग्तव 'बद्र'. गात्रम, ग्वा

नुसमी परावती सपा बरवानेताल घतुर्वेदी सा धगम, म रामचरितमानस भवा विश्वनायप्रमाद मिथ्र सर्वप्रास्तीय C 00

श्रीतमचरितमानस अथवा रामायण बाठो काङ सटीक सपा सदमपप्रसाद भरदान तेनकुमार १४०० हावित दे अवस्थी, राजेंद्र तृषित

तेजनारायण्यसाद सिंह तथा श्राय, संपा नियाना जीवन श्रीर साहित्य राज प्र

तेला, एस सी तथा प्रन्य भारतीय ग्रर्थशास्त्र स ६ कृथ्या व १३ ४०

व १३ ४० सोमर, ग्राजमेरसिंह, १६३५ ?- मुस्कान का मोल जवाहर

७५० उ. तीमर, निगका प्रज्ञाचा और ब्रजनुलि साहित्व, तुलनात्मक

सध्ययन काणी हिंदू ६०० होमर, एमबिहारीसिह धामीण समानदास्त्र श्रीराम मेहरा

१६ ००
प्रतायक सम्प्राहक संस्थाए वीराम मेहरा १०००
प्रतात समाजदारशीष विद्वात औराम मेहरा १०००
प्रार्तक प्रमाण समाजदार औराम मेहरा १०००
प्रार्तक प्रमाण समाजदार औराम मेहरा ७ ५०
प्रार्त की समाजद स्थार औराम मेहरा १०००
प्रार्तीय करवा पूर्व समाण औराम मेहरा १०००
प्रार्तीय करवा पूर्व समाण औराम मेहरा १०००
प्रार्तीय करवा पूर्व समाजदेव औराम मेहरा १०००
प्रार्तीय समाजद एवं सम्हति औराम मेहरा १०००
प्रार्तीय समाजद सम्हति तथा स्थार औराम मेहरा

१२ ५० मारतीय सामाजिक व्यवस्था श्रीराम मेहरा १००० समाजवास्त्र की प्रकृति एव भाषार श्रीराम मेहरा १००० समाजवास्त्र के मुस्तदस्त २ भा श्रीराम मेहरा *१०००*

(प्र)
समानपास्त्र के मुलाधार भातकवद समानपास्त्र के विद्धात औराम महरा १००० समान पास्त्रीय निवस राजीव में ३४० समानक समोहिक्स विरिद्ध स्थीरम मेहरा १००० समानिक स्ववस्था औराम मेहरा १०००

वीमर, रामसिंह प्राकृत और ग्रवश्न व शहित्य वया उनका हिंदी साहित्य पर प्रभाव प्रधान विश्व

होर पित भीर सुधानिधि सपा सुरेंद्र सासूर ना प्र सम

स्यायी, पद्मसिंह तथा प्रन्य रमायन परिश्वय स २ राजीय, मे ३२४

होगाय समयन राजीव म २७५ विगो, महाबीराँमह ऐनिहासिक निवय राजीव में ६०० प्राचीन एव मध्यकातीन भारत (प्राच्य स ११३६ तक) राजीव में ६४०

प्राचीत भारत (प्रारम से १२०६ तन) राजीव मे १०० राजनीतिक निवय राजीव में ७१०

सरत राजनीति तमा बट ब्रिटन चौर समेरिका की शासन प्रणातियां राजीव, में ६००

सरत राजनीति शास्त्र २ मा राजीव मे ३५० स ६५० -- तया पी झार साहनी झतर्राब्द्रीय कानून राजीव, मे ६५० यूरोप का इतिहास राजीन में ५०० से १५० राजीनीतिक विचारों का इतिहास भा २ राजीन, मे

७०० -- तथा सतीशनद मित्तल मध्यकालीन भारत राजीव, मे

४ १० से ८ ०० राजनीतिक विचारों का इतिहास मा १ राजीय, मे

६ ५० --तथा हरगोविंद पत विस्व की प्रमुख शासन प्रणातिया

परि स २ राजीव, मे ७०० से ८५० विश्व के प्रमुख सर्विधान परि स ३ राजीव, मे ७५० स्थामी, स्वीदनस्य कल्पन्य राजकमस ४०० का

वारी, खोडनाय कल्पवृक्ष राजकमस ४०० का भित्ति चित्र राजकमस नि

त्याची रामावतार १९२४ सपने महक उठे प्रगीत सम्रह भारमाराम ४००

त्रिगुनायत, गोविंद, १९२४ हिंदी दशरूपक धनजय संगी

त सा वि का ८०० विपालो, म्रानिसेय मासिसी मायाम मानद प्र २५० क

स्याह ककोर सानद प्र ३०० छ त्रिपाठी करुणापति साधुनिक हिंदी काच्य की प्रवृतिमा हिं प्रसा पृ ५००

— सवा समृतर हिंदी शब्दरागर ना प्र सभा ६०० — सवा सचू हिंदी शब्दसागर ना प्र सभा १४०० निवाठी इच्चकात महाकवि बालिदास और उनदा सभितान

दाक्तन सा नि ,का २७६ विवासी करणाहेन गरिस्ती की सावासार सहाई हाउर सी

त्रिपाठी, कृष्णादेव युर्त्स्ति की छापामार सडाई इटर यूनि १२५ त्रिपाठी चडवसी बढ़ धीर बढ़ धर्म महाबोधि ०७५

त्रियाठी, छविनाम चेषू कास्य का मासोचनात्मक एव ऐतिहा सिक प्रव्ययन चौलवा १२०० त्रियाठी जगदीशनारायण सर सी वी रामन प्रस्पूप २००

त्रिपाठी, जयगकर दे कालिदास त्रिपाठी, तारा धल्वट माइसटीन प्रत्यूप २०० जी

तिपाठा, तारा घत्वट माइसटीन प्रत्यूप २०० जी जाज वासिवटन प्रत्यूप २०० जी सर जमदीजवद बसु प्रत्यूप २०० जी

त्रिभाठी त्रियुपीनारायण सुगम गत्त रामप्रसाद १३७ त्रिपाठी देबीदयालु धनुवाद सास्कर रामा प्र ८०० त्रिपाठी नर्मेदाप्रसाद चादनी का बहुर हि भवन ३०० का

त्रिपाठी नमदाप्रसाद चादना का जहर हि सबन ३०० व त्रिपाठी प्रभुनारावण मोटापा क्य करने के उपाय स २ स्थापसूदन १००

त्रिवाटी प्रमासारी के बातायन झानदार ३०० उ जियाटी अमनाया का रामदुमार वर्ण का बाद सदरीक त्रियाटी भित्रानीभील विकास का प्रकार साकेंद्र १४० का निवाटी प्रावकेंद्र किलगारी होएं क्या बद्ध कि हो शार्वकरीर हिंदी काहिस्स वा विवचनारम क्षीनास

धरण प्र १४ ०० विषाधी समप्रवाद, १९१८- वहनीदाम के बाह्य कि महस

5503

बालीदास के नाटक हि प्रवा पु = 00

वालिदास प्रयावती कि महल १८०० पराणावी ग्रमर वहानिया भा ५ सा मेवन इ त्रिपाठी रामप्रताप ने मग्रवाल मगीवनुमार त्रिपाठी रामप्रताप द गौड राजद्रसिंह विपाठी रामप्रताप गास्त्री खेवा ग्रीर खलिहानो म ग्रागीर प्रम १२५ व हिंदुमो के बन गब ग्रीर त्यौहार लोकमारती ७०० त्रिपाठी रामफेर कवियत्री रामा प्र ६०० ग्रा त्रियाठी राममात ग्रीचित्य विमा मा भ रस विमा विधा म वा ६०० रहस्यवाद रात्रहमल ५०० सक्षणा और उसरी हिंगी काव्य में असार ना प्र समा साहित्य गास्त्र ने अमुल पक्ष वाणी विनान त्रिपाठी रामगङ्गर द दनाई लामा त्रिपाठी रामसागर ध्यायालोक सोचक २ या मोतीसाल विहारी मीमासः सन्तो स २ मनीव प्र १००० मुक्तक काव्य परपरा भीर विहासी सनो स २ बनोक प्र —तया नातिस्वरूप गुप्त बृहत साहित्यिक निवध धनोक प्र १२५० विपाठी सदमीपति जुलसी के बैनानिक ३४३ परीनित प्रयोग বীরেরা ০৬২ त्रिपाठी, बाल्मीरि अथ विजय प्रत्यूप १००० उ नियाठी विजयागद रामचरित मानस ३ मा मोनीसाउ विषाठी वैदेही इत्तम उब्बतर माध्यमिन विग्व भूगोल नद स ६५० ष्टियानद स्र ५६० त्रिपाटी गम्रस्त मया सुनवि नुनिहारी वाजपेयी स्मृतियय माहित्यायन १००० त्रिपाठी सरवनारायण १६२७ हिंगी माया और निषि सा ऐतिहासिक विकास विश्वविद्यापय ४०० विनाठी सुयकात निरासा , १०६६ १०६१ धवना जवनपुर प्रगु४०० ना षाबुर जरतपुर म मृ३०० नि देवी जबलपुर म ग्४५० व तय पती जवनपुर में गृहे अर का बना जवनपुर मंगू ४०० का नग्रह जबापुर प्रगृप्त ७६ नि विशाही हरीहरनाय प्राचान मारत म राज्य धीर बाय पानिश मोतीलात १००० तिभवनविष्ट १६२६ हि । उप याग भौर बवायवार मणा में ४ हि प्रवापू ६०० विनोश्यी दे नर्देश्यान निय तिनोशीनाय प्रमा, १६३७ व्यविका नातना मा ३ /० शाहित्य-भगम मा प्र मदिर ३००

विवेनी बृटणप्रसाद इन्यपुर्वा (पर्वे) धवतरि ० ५० व पाक संग्रह ववतरि ३ ५० विवेदी चद्रभूषेण रमई नाना नेनाजी सानेत ० ५० ना फुहार साक्षेत्र १२५ का बहिर बाधन बाका साकेत १२५ मा बौद्धार सावेत १२५ वा मिनसार सानेत १२५ वा रतींधी सावन १२४ ना हर पाठी ससवार साकेत ० ३५ का त्रिवेदी दुर्यानकर नाये देन प्रम के गात अर्रावद प्र गृ ০ ৬০ বস —सया कृष्णवित्रय सपा अध्यक्षरी दोहावती भरविद प्र ग्०६० अन्त्र निवेटी वृजवासा रामाधम भा १ देवाधम (सारवाह) यी दवी बृह्याला ४०० त्रिवेदी रघुकीरप्रसाद श्रीभनव विष्टतिविज्ञान चौखरा ₹₹ 00 त्रिवेदी रमानद शास्त्री ११२२ चित्रकट निनोद खडका विवेदी रामनरेन भारतीय राष्ट्रीय मानीलन एव सबैधानिक विकास मोडीलान त्रिवेनी विषिन्विहारी, १९१५ असनी के हिंदी कवि थी मवानी प्र ६२५ 9ध्वीराजरासी पास्त प्र १००० मा विचार धौर विवेचन पाइल प्र १००० ति विवेदी गक्ति १६३६ भारतीय मेनी गया युग प्रभात यानवी रामन्त जै समदेव बाग की कि घर जो १७४ वानी सोवराज १६३३ मा की समना ग्राय ग्रव २०० हिंगी साहित्य एक सर्वेगल युत्र हाइव = ०० थापर महद्रश्रमाय ने रखतेब मायपात दरवा दे सुपर्शनत दहवा दािण मारत हिनी प्रचार सभा निमन साहि य दिनाण भा ३०० नि दि त्यपूर्वि एन एम सहारदि सूरतास ग्रीर महावदि पोतना हिमा स २००० दन तथा चक्रवर्भे स्कृत धक्राणित भा भवत ३०० दत एन सद्धमाण्डराज सूत्र मोतीनात १००० दतपाराचाय स्वामा रामचरित नवनीत मा १ दिगान म न्न भारती धाकाण साक्षी है गुक्कोष पा (पा) २०० घावागमन रतन एड क (पा) २०० उ मानव मंभीत घौर मृद्यु रता एइ र (पा) २०० व त्यान प्रशिर धर्मुन मानी लिये गा १०० गच्ड पृता रहम्य निव मा १०० मानव बस्थाण निव मा भा १ १०० मा २ १ २१ विष्यधम निवसामा १०७१ मा २०५०

दर, निर्मला, १६४१ निर्मारियी और पत्यर नेशनल ५०० उ

दर्शक दे हसराज 'दर्शक'

दशकानद, स्वामी, टीका मीमासा दश्चन देहाती ६००

योग दर्गन देहाती ६००

दलाईश्रामा बौद्ध सिद्धात सार समा रामचकर निपाठी

मोतीसास ४२०

दवे तथा कार्वाडया प्रायोगिक स्सायन कल्याणमस १५० स्वारकराज कविवर हा रामकुमार वर्मा और उनना काव्य

शकर बीर सपने, प्रभात व

सुर साहित्म विषयं प्रमात प्र ५००

दशोरा, मदरलाल तथा मगवतघरण चतुर्वेदी, सपा राजस्थान प्रगति के पद्रह वय राज प्र व = ६०

दादूदवास १५४४ १६०३ दादूदबाल प्रवाबनी सवा परगु-राम चतुर्वेदी ना प्र सभा

दास, जेसी वानिज्ञ मास्टर देहाकी २३०

दासगुष्ता, रामशरण इनलैंड का इतिहास सरल प्रध्यवन राजहसम म ३७%

मुरोप का इतिहास सरल ब्रध्ययन राजहस व म ४५० दिनकर समस्या भीर समाधान कृष्णा व ४०० उ दिनकर दे रामधारीसिंह दिनवर दिनेश दे शर्मा, रामगोगान 'दिनेश' दिनेशायन भीर स्नेही सपा गीत गीत न ४००

दिलीप ऋगु-युग और हम घ म। सर्वे दिवाक्द दे भोजिय शिवप्रसाद दिवाकर'

दिवाकर, कृष्णाजी वगाधर, १६३१- महाराष्ट्र का हिंदी-सोक-काव्य हिं साम ३००

दिवाकर, बस्सेभेर में गीत सुनाता जाऊमा प्रगति स्थ ५ ०० | दुवे ज्यतकृष्ण हरेकृष्ण गुराती साहित्य का इतिहास हि विवादार, शिवसन सन्मति प्रश्रदण मोतीसाख ६०० दिव्य दे धरिकाप्रसाद दिव्य दीरिक, सदकुरा सिहनाद सावेत १२% का

दीनित भास के नाटका का बाह्वीय बब्धयन बार्य बुक ₹₹ o a

दीक्षित, मानदप्रकारा, १६२३- वेसिक्सिन रुकमणीरी परि

श विश्वविद्यालय ७०० का

बीजित, वर्षेत्रनाय समा दिनेशनद नोसी बारतीय शिवा नी प्रमुख समस्याये राज द्व

दीशित, छोटेनान जुनसीदास का सोंदर्व बोध नइ स

दीनित, त्रिलोशीनारायण, १६२०- सत कवि मलुकदास सा सस्पान राज

रिदी साहित्य कुछ विकार नवयुव ग्रथामार १०००

बीभित, विजीकीनारायण दे निवसिंह ठाकूर दीभित, दयाशकर हिंदी के प्रवितिधि निवधकारा का साहि-त्यित परिचय सबेश पुत्र १००

दीति, प्रवात नव संबेरे का उनाला जवलपुर ज ग १२४ ना

\$0 20

दीखित, मगीरब, १६१६- बामायनी विमर्श समुदय समीक्षालोक समुदय २०००

दीक्षित, भूषनासम्बंग जयत म मगल ग्रयमाता १ ८० दीक्षित, मृस्तारींबह जब भारते मानद पु, बा का दीक्षित, राजेस १९२८ पद्यमें के पातक रोग देहाती

वय करोत (परिवार नियोजन) देहाती ५०० होस्योपीयक पारिवारिक चिकित्सा देशण देहाती ६००

दीनित, रामस्तेही भाषीन बह्यकान भजनमाना देहाती मुरका साइब ४ ५०

मधुके गुण तथा उपयोग देहाती २ ५० दीक्षित, त्यामविहारीलात अमिरका के पेतीसमें राप्टपति जीन

फिटसबेरल्ड कॅनेडी धमभूमि प्र दीनानाय दारम छावाबाद विश्लवय और मुल्यावन नवपुरा

यथागार १०००

भारत की विभूतिया सवयून प्रयासार ०७५ वप्र राष्ट्रीय समप्रता ने साहित्य वि प्र नु ३००

सबसे निराली चीज बदयूग प्रधागार ० ७५ बप्र बीमसित्स व म हिंदी ब्यांकरण की रूपरेला राजकमत

8000 द्गाल, कर्तार्राहर सुवीरा राज्याल २५० उ

दुवे तथा पिष देश बौर समाज रामप्रमाद भा १ १७०,

मा २ २०८, भा ३ २४६ दुवे, अमृततान तुलसी के विरवा जगाय झादिमजाति

६०० बीत दुवे कृष्पविहारी प्रकृति भीर प्रारम्य नवयुग ग्रयागार

हुब, जुगतराम बासबाडी धनु काशीराम विवेदी प्र भा

सर्व ३०० ह्वे की भी गणित शिक्षण विधि विनोद २००

दुवे, बाबुरी, १६२८- संस्कृति भीर साहित्य रामप्रसाद.

दुवे, मिलापचड, १६०६- बुनियादी शिक्षा मौर नबीन

समाज व्यवस्था स २ संष्ट्रीय रीक्षणिक दुव, रामडवागर करम् प्रवान साइत २०० मा घरम् सरपच हाकेत १०० का

पुरलो की याती साकेत २०० ना बेटाहिंद का लहाम भ साकेत ३०० ना सूर्वन सिंह इरर क्लास म साकेव १ ०० मा. दुवे, रामेश्वरदयाल कोणाई सील प्र २०० मा

पिकनिक शीन म १०० दुवे, द्यामाचरण दे योवेश घटल. हुन, सत्यनारायण दे श्रीनास्तव, ग्राशीनादीलाल

दुव, सत्यियित्र मनु की समाज व्यवस्था कि महत्व ७०० हुन, सुरेशचद्र. इपोट एनसपोर्ट बाहड देहाती = २४

घरेल उद्योग घषे रतन एड क प्रोफेरेंबल होम इडस्ट्रीज देहाती = २% सुदेव प्राक्ष्यक केंस बने देहाती दगीशकरप्रमादसिंह नाम १८६६- कुम्परसिंह. एक मध्य-यन स २ नवं सा म गद्ध सम्रहनव साम १०० गुनावन नव सा म ३ ५० जैवालामुक्षी स २ नव सा म २०० गद्य-का तुम राजामें रक नव सा म १२% नारी जीवन नव सा म २ % "याय के न्याय भोजपुरी नाटक नव सा म फरार की डायरी नव साम ३ ४० बाव कबरसिंह नवसा म ३५० ना भूल की ज्वाला नव सा म १२५ भोजपूरी एक समीक्षा नव साम २०० भोजपुरी के कवि धौर काव्य नव सा म ४६० भोजपरी लोकगीत में करण रहा स २ नव सा म १००० मोत्र भोतपुर मौर मोतपुरी प्रदेश नव सा म ३०० लका बाट नव सा म बह शिल्पी या नव साम १२% सामृहिक खेती नव सा मं १०० साहित्य रामायन (स्वतन) नव सा म ६०० महाका हृदयं की घोर नवं साम २ ३०

हुँनाच, विजेद पूरा झाचल विलरे मोठी कुमार सब ४०० इपराय बिहु इपि प्रयोशस्त्र रा वेनीप्रसाद २०० इपि प्राप्तीण समाद एव समाव नत्यास नद स सामुत्ताविक विशास एवं इपि प्रचार नद स इसे, मक्टेंद्रन्ताम चनात्रन पर्मोद्वार ४ का बोतीलाल

इप्यतक्षमार छोटे छोटे सवाल राजकमल

दुव, रायेय्याम शिथा के मृतभूत सिद्धात दि पू स १४० दूर, विध्यावल रामवयन दिवदी 'ग्ररविद' वायनकमणिका सुनम ०४० जी

दूबे, शकुतना काव्यरूपों के मूलस्रोत और उनका विकास हि अवा पू

दूर, वरवनारायण दे चतुर्भुत्र मामोरिया देराधी, संयदेव तथा सम्मानारायण नाधूरामका मारतीय भय्तास्त्र सभी सं ४ सम्मी ना १२ १०

देव, गोरासचढ सरजा शिवाओं जा मां म २०० वा देवकीत्त्र विजय जारत-पाकिस्तान-चीन समस्या वि चर, भा १४० देवडा, सरद ११३४- एक प्रासोचक की नोट जुर स्वयस

क्यांतर प्रयस्त ६०० क टूटतो इकाइमी प्रयस्त च देवशा, हतुमतीसह, तंत्रा प्रापीन राजस्यानी मीत मा ५ मा सर्पात, राज २ ०%

राजस्थानी सोह बीठ मा ३ सा मस्यान, राज २ १०

दैनदत्त, १६७३-१७४४ ? देव-सुधा टीका मिश्रवयु गगा

३०० दैवदत्त शास्त्री जापत भारत कि महल स्मृतियो की छाँह मे प्र प्रतिच्ठात ४०० सस्म

जयत राम ३०० देवराज ए टैक्ट घाफ सोशियल स्टडीव वि महल १००० देवराज (नदकिकोर देवराज), १६१७- प्रतिक्रिया राज-

रक्क हरागण २०० वेबडमवापिह रहीम की राष्ट्रीयता हुण्या व १००० प्रवेशित घषशास्त्र मा मबन ६०० साम्रवित्क षपश्चास्त्र मा मबन १००० वेवचाई मारतीय साहित्य धाल्य मोतीमाल १२४० देवचाई नरहर गयायर हिंदी धायुनेवन मानद मगासी (साहित्क एव कुसी) वी प्रतिमाती, ३२३ मारायण पैठ,

जूना २ ७ ५० देखासः, भी सो, १८११ मराठी का साधुनिव साहित्य; इतिहास १००५ में १८६० नवसुग बुरस्टॉन दोतो, वेचरतास आहत मागीपदिशका मोतीलाल दोरतेयबस्की स्वपास भीर दह सबू मोहनी जुरससी सावेय

प्रत्याचनका वाचित्रका महिता कुरवता त ८०० उ इहरिकाताय सी बाय विविस्ता मोतीलाल २००० इहरकाप्रसाद पायुकी री वेति राज सा प्र २००

द्वारपायसार पाहुन। या नात राज सा प्र २०० बातक वातिनवार्धों की सनीवैधानिक प्रमस्याए नेत्तनस नेत्रनन ३०० सम्मी रिवर्डेगी उपन्यास प्र छ

सम्मा । यहना उपन्यास प्र च रजना एमके २०० च द्विवेदी उमाधेकर बुनियादी दिव्हासय सगढन, जबसपूर प्र

शृ २७१ डिवेडी वित्तदेव प्रीड़ रचनानुवाद-नौमुदी विश्वविद्यानय

१८०० सस्कृत व्याकरण विद्वतिद्यालय ५००

द्विवेदी, देदारनाय १६३०० वबीर प्रार वबीर-पथ हि सा सम्मे

डिवेदी, वेदारनाव 'वर्तींड' बाधावनी दिग्दर्शन सं २ चिन्नव १०००

चिन्सय १००० दिवदी संयाप्रमाद प्रसाद नदिशाम काव्य मोक्सारती

डिबडी हुर्गीर्गकर नहे मेलाती माग्योदय १०० बन्न डिबेडी, देवीर्गकर, १८३१- भाषा धीर मापिकी लक्ष्मी ता ४००

डिवेदी, मन्तास, १६०६- धादर्श शायांचय गढित प्रभात

द्विवेदी, रमानाय शालाश्यतंत्र स २ चौखबा

द्विवेदी, रविशकर नागरिक शास्त्र एवं उसके सामान्य सिद्धाव जबतप्र प्र मुभा १ २२४, मा २ २५०, मा ३

दिवेदी, राजकुमार मायुवेंद प्रदीप सपा गमासहाय पाडेय

चौसवा १२०० एतोपैधिक मिक्वसं भीसदा २ ६० सापमापन (धर्मामीटर) चौखवा ० २१

बस्तिशासाकोप्रवेश चौसवा ०४० सचीवेष विज्ञान सही स ३ चौलवा २ ४० द्विवेदी, रामचद्र, १६३४॰ बलकार मीमासा मोतीलाल

इतकारसर्वस्य समीविनी मोतीनास

दिवेदी, रामगाप पेटेस्ट प्रेस्काइबर चीखबा ८०० प्रसुतिबिज्ञान चौलवा १०००

धेनी रोविनम्स् चौतवा २००

स्त्री रोगविज्ञान बीखवा ३ ४०

दिवेदी, रामवचन 'मरविद', १६०५- भारती विद्या प्रवारक युक दियो, कचहरी रोड, गया ० १० वा

स्वप्न सुदरी राजराजेश्वरी पुस्तकालय, कचहरी शेड, गथा ०१० ना

स्वाहा मुलम ३००का

द्विवेदी, रामेश्वरप्रसाद 'रामेश्वर' बात बुछ बहुनी ज्वोत्स्ना

ম ४০০ কা

द्विवेदी, विश्वताम सचित्र क्रियारमङ मीयधि परिचय विज्ञान

चीलका १२००

दिवेदी, मन्चिदानद 'बोस्नेही', १६३६ हमारत की सूरत प्रसाद घ १७५ ना

द्विवेदी, सम्बद्धानद 'शीरनेही' दे चीघरी, रामबद्ध

दिवेरी, हवारीप्रसाद १६०० कवीर सञ्जी स ७ हि ब ₹ ६ 00

कालीदास की लालित्य-योजना नैवेश २ ००

कुटज नेवेश ३५० नि माय-सप्रदाम मोकभारती १०००

सहज-साधना मध्यप्रदेश शासन ३ १० साहित्य का साथी राष्ट्र प्रचा समि १५०

साहित्य सहचर नैवेश ५०० नि हिंदी साहित्य प्रतरचंद ७ १०

--सपा काव्य शास्त्र भा सा थ ५०००

ध्यास मिनदन य ए एस जाद २००० हिंदी साहित्य का इतिहास राजकमल धनराजपुरी, महत भीत की साद म हिंद था (पा) १०० यमॅद्रनाय शास्त्री त्याय सिद्धान्त मुक्तावली हिंदी व्याख्या

प्रत्यण सह मोतीनानः ५,२५ धमीरा, सवाईसिंह, सपा पीरू प्रकास सब धानित २१० ना

सैतान सूत्रम सथ शक्ति ४०० का सैतान-गुजरा सथ शक्ति का

षमदत प्राचनिक विक्तिस चास्त्र मोतीलाल

घमेंदेव विशामार्वेड महर्षि दयानद भौर महात्मा गाघी हरयाणा २००

धमपास मैनी कबीर के धार्मिक विद्यास. भारतेंद्र भवन

"Gligo सतो के पाणिक विश्वास त्वेत्रीत रूप्के वर्मपाल शास्त्री प्यारी/प्यारी वहानिया ग्रीम बुक २००

हिंदुस्तान हमारा सम्मान कर्ने

800

इति बृत्तक महाबोधि वे ७५ हिन्दीन क्योनगर का इतिहास. महाबोधि के भूजन चरिया पिटक महाबोधि १२४ कातिमेद भीर बद, महावीधि ० ७५ तयागत का प्रयम उपदेश महाबोधि ० ३७ क्यागत हृदय महाबोधि ०७१ वेसकटाह गाया महाबोधि ०३७

धम्भपद महाबोधि १५० धम्मपद (कया के साथ) ३ ००, (हिंदी सन्वाद मात्र) ०५० महाबोधि

पाति पाठ मासा महाबोधि १०० बदकालीन भारत का भौगोलिक परिचय महाबोधि

बौद्ध चर्या विधि महाबोधि ० ५६ बीड धर्म के मूल सिद्धात महावोधि ० ७५

बीद्धमें दर्शन तथा साहित्य बौद्ध विभूतिया महाबोधि १०० बौद-सस्बार पद्धति भहावोधि ० १०

मत्त्वष् नद व २०० महावसी महाबोधि ० ७५

वियुद्धिमार्ग २ मर महावीधि १००० सयुन्त निकाय महावोधि भा १ ७००, भा २ ६००

सारताय दिग्दर्शन महावोधि ०३७ सारनाव बाराणसी महाबोधि, १ १०

-सपा बौद धर्म ही बानव धर्म महाबोधि १०० धर्मरत्न, शिक्ष सहक पाठ महाबोधि ० ३७ घर गावा महाबोधि ३००

मुत्त निपात महाबोधि ४ ५० धमराज बहादुर दिनकर भीर उनका कुल्क्षेत्र. कमल प्र धर्माधिकारी, दादा, १८६६- मानवीय निष्ठा प्र भा सर्व

धमेंद्र बहाचारी शास्त्री साहित्यिक निवध मोतीलास ४ ०० घरमाना, तरन तारन हिमानय के बावल म नवयूग प्रया-गार ५ ५० उ

धारासिह पद्म रोग चिकित्सा देहाती ० ७४ घीर, केवल, १६३८- परिवार नियोजन एमके २०० प्राथमिक चिनित्सा एवं चन प्रतिरक्षा राजधानी. २००

युद्ध के भीवें पर हिंद पा (पा) १०० घोर्टें पक्ज जीवन भीर शामे दि पुन २५० धुमकेत् (गौरीशकर गोवर्टन जोशी), १८६२- खबबाता-

वोरा ४४० उ वर्वरक विजेता बोरा ६०० उ भारत सम्राट समुद्रगुप्त वोरा ६ ५०० उ सोरठ विजेता वोरा ६०० उ

ध्यानसिंह लोकोक्तिया कुमार संख ३०० हिमाचन की लोक गाया नुमार सब ३०० क नद्विचीर देवराज १६१७ द्वितहास पूरुप तथा प्रन्य वृदि-ताए मा जानपीठ ३५०

भदनयोनियर ऋषिकुमारी समुरेगीत सक्काबीटा ४५०

नदा, गुलशन, १६२६ एक नदी दो पाट प्रशोक था (पा)

इलिनीस्टार (पा) २०० उ काच की चूडिया बेशोक पा (पा) १०० घाट का पत्येर पत्राची २०० उ घाटका पत्यर सुबोध पा (पा) २०० उ जलनी चट्टान सुबोध पा (पा) २०० छ हरपोक ग्रहीक पा (पा) २०० देवजागा स्टार २०० व

नीलकमल मशोक पा (पा) २०० पत्यर के होठ प्रशोक पा (पा) २०० माधवी ब्रह्मोक पा (पा) २०० मैली पादनी हिंद पा (पा) १०० उ

राख और बगारे स्टार (पा) २०० व स्यमती ग्रहोक पा (पा) २०० ड साफ भी वेला नवपूर्त प्र ४०० उ

सक्षे पेड सब्ज पत्ते प्रयोक पा (पा) २०० नदा, बी पार महारमा गाँधी एवं जीवनी सस्ता ५ ००

नईमा खान दे गोपालदास नीरज मगेंद्र, १६१० - प्रायुनिक हिंदी वविता की मुश्य प्रवृत्तिया स ३ नेशनल ४५०

मालीवन की मास्या नेशनल ७०० --- रापा भारतीय माहित्य कोण राजकमल मानविकी पारिभाषिक कोश दर्शन स सवा वी एस नरवणे, साहित्य स समा नवेंद्र राजवनन १२ ५० व

वियासमधारण गृप्त स २ नेशनल ७५० मा हिंदी व्यक्तियों सो साम ख है ६४०, छ २ ३०००, स ३ १०००

नयमस, मुनियी, १६२० तुम मनत शन्ति के स्रोत हो सक्तन कमनेन चनुवदी मा आनपीठ

भम्र दे घेहान, गजाननसिंह 'नम्र' नरवण, विश्वताथ माधुनित्र भारतीय चिवन राज्यसन नर्रातह स्याम, चनु श्री स्याम सुलसागर, सपूर्ण मन्त्रि, मोटे

उत्तर देहाती बहा साइज १४००, दहेज एडीयन ₹ 60

मस्ता, श्रमगरीवह, १६१५- एन वसरी को शत घार

राज्यमल ५०० व

नरेंद्रकुमार श्रीड शिला ने नवे माध्यम धाशा परिल

नरेंद्रनाथ भावत व मैस इजन माइड देहाती १५००

यामेंचर वाइडर्स गाइड देहाती १५०० ग्राल्टरनेटिंग करेंन्ट देहाती २५ ८० इलैन्टिक लाइनमैन व बायरमैन गाइट देहाती २५ ५०

इसैनिट्रक वार्यारम देहाती ६०० इलैक्ट्रिक सुपरवाइजर पेपसं देहाती १०.५० ट्राजिस्टर रिसीवर देहाती ६७५

प्रकटीनल भामेंचर वाइडिंग देहाती द २५ मशीनिष्ट देहाती २५ ५०

रेडियो पाकेट बुक देहाती ६०० रेडियो फिजिन्स देहाती १६ ४०

वक्याप टेबनोलोजी देहाती २५ ५० सिगरेट वीडी कैसे छोड़े. सुबोध पा (पा) १०० नरेंद्रवाल सिंह प्रकास की छाया में प्रनू त्रिलोक्दीप सस्ता

X 00 3

नरेंद्रप्रशाद 'नवीन भीर चिराय बुभ गया हि सा स ০ ৩২ বস

काठका घोडा हिंसा स ०७५ दप्र मददार दोस्त हिं सा स ० ७५ वप्र

दिल भीर दीवार हिंसा स ०७५ वप्र नरेशमोहन कुमार छद-रस-प्रसंकार भा भवन ० ८६

नरोत्तमदास स्वामी, १६०५- रासो साहित्य भीर पथीराज-रासो सभिप्त परिचय भा विद्या म ७००

-सपा विसन वनस्थी री देखि श्रीराम मेहरा ७ ४०

राजस्थानी वार्ता भा १ सा सस्थान, राज

नमंदेश्यरप्रनाद जाति-व्यवस्या राजवमल ७५० मतिन दे जयनाय 'नतिन'

निस्तिनी नात दिगत की किरचें एम एस वक नितनीय दे ठाकर वातिलात नितिनीश

नवपश्चिमेर्रसिंह प्रयोशास्त्र ने सिद्धात भा भवन ६०० ब्राचिर सिद्धात, मुद्रा बैस्य र त्रस्य तथा योजनाररण

मा भरत ७ ५०

भारतीय धर्यशास्त्र भा भवन १६५० । नवाब दे पुरोहित इद्रवृमार 'नवाय

नवीन दे नर्देदप्रसाद 'नवीन' नसोव धनाडीराम भौर तसने साची धारमाराम ५००

नाग दयानकर काम ध्या एव स्थाल मुद्रा व सिद्धात हि

नागर जनासनर गुजरात के हिंदी गौरव ग्रंथ गंगा

। नायर धमुनताल, १९१६- धमृत घोर विथ सावभारती

नावर जनार्दनराय बासार्य भाषाय सा सस्यान, राज

नागर, बोनकराम धुक्ष छुक छुक एमक १००. बप्र

नागर, दी डी तथा धार पी गुप्ता धर्यशास्त्र का सरस परिचय जबलपुर प्र गृ ७ ००

नागर, विष्णुदस तथा रामप्रताप युप्ता भारतीय परिवहन की समस्याए भीर सिढाँत कैनास पु ■

नागर, श्रीराम हिरी की प्रयोगणील कविना और उसके प्रेरणा स्रोत (१६४३ १६६०). सरदार ८००

नागरीदास १६९६ १७६४ नागरीदास-प्रवादनी सपा क्रितोरीताल गुष्न भा १ पदावसी, मा २ पदवर

रबनाए ना प्र सभा नागरी प्रचारणी सभा इस्तलिखित द्विदी पुस्तको का सक्षिप्त

विवरण सन् १६००-१६५६० तक ना प्र समा

भागार्जुन (बैदानाय मिश्र) १६११- उपनारा राज्यात चर्चा हिंद पा (पा) १००उ

माय द दुगाराज्यप्रसारसिंह 'नाय' नाय, पी 'मोहन' मासूम निपाहो का सिकार हिं अचा पू

(पा) १०० नानकतिह १८६७ - उत्पान और बतन कोरा ५०० छ एक रहस्य एक सत्य राज्याल १००

दावानलं बोरा ४ १० उ प्रतिनिधि रचनाएं मा ज्ञानपीठ विषेता समृत राजकमल ४ १० उ

निष्या अभूत राजकनल ४ इन्ड नायक, डा भा दे चेखनुसाद नायर, टी एन गोपीनाय सुधा अनु सुधानुचलुर्वेदी

नवभारती ३५० च नारग गोहुसबदा गुमाई गुरवानी नेशनल २००७ नारतमृति विचित्र राष्ट्र राग हिंसा परि,पी ०२५ ना

नारायण दे ब्रजनियोर 'नारायण नारायण, बार के गाइड राज्ञवान (वा) ४०० २००

नारामणदत्त सिद्धानलकार चनराचार्य नवभारती २१०

जा नारायणप्रसाद 'विद्र' श्री भरविद साहित्य श्रीप्ररविद

सोनाइनी, कतकता नारायणीतह यानमं भीर गाधी ना साम्य दर्शन हि सा सम्प्रे

नावरे, एर डी प्यास विश्वभारती, ना नाहरा भगरचर, १६११ - प्राचीन काव्यो की रूप-प्रस्था मा विद्या म ५००

—सपा राजस्यान में हिंदी के हस्तनिस्ति प्रयोक्ती सोक मा २ भें सा सस्पान, राज मा २ ४००, मा ४ ४०० नाहटा, मगरबर दें राभवदान नाहटा, मगरबर दें. सम्बद्धार

नाहरा, प्रतास्तर, दे. सम्बनुदर नाहरा, मदताला चानती टाव सा घरा ४१० —नाम पदिननी परित्र चौगई साहुल ४०० नाहर सीनकान एक सम्पन्न हि मट्न नाहर दे गीड गामसार नाहर नाहर दे रीक्रमानुसह नाहर दे नियम, अनतराम तथा रामेश्वरसहाथ मुद्रा, बेकिंग, विनियय और अतर्राष्ट्रीय व्यापार सा नि , का नियम, एस पी तथा अन्य सामाय विद्वान एवं गणित व्यवसपुर प्रयुक्त मुक्ता १ ४४०, मा २ १४०

निवम, जयदीयनारायण परिजन प्रत्यूप ३०० र निवम, बृजिहारी आपके वालक और मनाविज्ञान सा सयम, य्वा ३२५

निगम निक्मादित्यसिंह सिवार-सुधा हि भवत ४२४ समीत

नियम शिवनाय तथा सुद्धान प्रहसूत्रातिया भारत में गिला की बतमान निर्विधिया जवतपुर प्र गृ २ ५० महान शिक्षा द्यास्त्री जवतपुर प्र गृ २००

नियम, स्थामिकशोर मर्याश की कान पर सा केंद्र दि २०० ना

निटन, बिटर प्राचीन भारतीय साहित्य इतिहास घमु रामचद्र पाडय मोतीलान १२०० नित्यानदमसाद काव्य प्रयोजन सरस्व पु स

नित्याबदमाद काव्य प्रयोजन सरस्वे पु स निरकार देव क्षेत्रक', १६१६- दालगीत साहित्य कि महल

निरजननाय प्राचार्य राष्ट्र का प्रहरी चिन्मय १५० निरक्षरः दे हे, प्रनिख निरक्षरं निराक्षाः दे त्रिपाठी, सूर्यकात निराजां निर्मोक दे ग्रोका, रिकडीबहारी निर्मीकं

निर्मम दे हैमराज 'निमम' निर्मोहो दे भगवानदास 'निर्मोहो' निराद दे दार्मा, रामशकर 'निशक'

नीरव दे योपालदास 'नीरव' नीरज दे जर्यासह 'नीरव' नीरव सादन की बूप स्वास्थ्य सरिता १६०

नीलक्द बास्त्री नद मौदे गुग मोतीलाल नूदन दे कृष्णकुमार नूदन

नेवी बलवोरसिंह भारत रा भौगिभि सम्मयन हि प्रचा पुरिश्र००

वेवे, वोपास परसुराम, १६१३ सामरे नीलाम २५० क राष्ट्रमाया मार्योतन महाराष्ट्र राष्ट्र २५० —जन्म कीपाद कोमी तथा बृहत् हिंदी गराडी राष्ट्रकोण

महाराष्ट्र राष्ट्र २००० नेहरू ज्वाहरताल, १८८६ १६६४ भागादी के समह वहम

त्र विभाग सहकारिता सस्ता २००

सामुदायिक विकास ग्रीर पदायती राज सस्ता २५० व्याती, जानकीवाल माध्यमिक मुगीन भा १२ जिवजास

६०० न्यादर्शमह 'वेचैन' असड त्रिकानच ज्योगिय दशनी ४५० अम्र्यसह राठौर देहाती ३५०

दुर्गा पुष्पापति देहाती ११० दुर्गा स्तृति देहाती ११२ षर्मवीर हसीनतराय देहाती ३०० भक्त घुव देहाती १२५ भक्त मोरध्वज देहाती १२५ ना महाराजा भर्तृहरि नाटक दक्षाती १५० रामायण बतज राधस्याम दहाती १३० लोक भौर परलाक सुधार देहाती १२% सरदार मगतसिंह दहाती १२५ ना सागीत धमरसिंह राठीर देहाती ४५० सागीत कवर निहालदे ना मुल्तान देहाती ४५० सागीत गोपीचद्र तज बालकराम दहाती ४५० सागीत रोला मारू तर्ज बातरराम दहानी ४५० सागीत पूरनमल तज बालकराम देहाती ४ ५० सागीत भक्त प्रहलाद दहाती ४ ५० सागीत मारू का मात देहाती ४ ५० सागीत राजा मत हिर देहाती ४ ४० सागीत रूपयमत तर्ज बालकराम देशती ४ ५० सागीत शक्तला देहाती ४५० सागीत शीला दे तद बालरु सम दहाती ४ ५० सागीत सरवर नीर देहाती ४ ४० सागीत हरिश्चद्र देहाती ४ ५० हस्त सामुद्रिक ज्योतिष देहाती ६ २% हस्त सामुद्रिक शास्त्र देहाती ४००

राष्ट्रीय व्यापार वे निद्धात गर्ग स ५ १० परमार, त्याम मात्रवी का स्रोत-माहित्य हिंद एकेडेमी परसाई हरिधार वेईमानी की परत तथा याय निवय पूनि-वर्गल बुग ३२,५ मृत के पांच पीछे सिहस सा २ १० नि मुनो बाई साधो मा १ वृत्रियमेन युर ३०५ —तथा रामधनर मिथ' छद बातनार रश बोध जयनपूर মাধা • ১১ व्याकरण-बोध- जबसपुर प्र मृ । ८०

वि , पजाव, परियामा पहित, प्रकाण (धोनप्रकाण पहित), १६२४ उर्द की हास्य व्यक्त नायरी हिंद पा १०० बर एहा हूँ जुगून में भी ज्ञानपीट ३०० हो

— सपा जफर की शावरी हिंद पा (पा) १००

रिष्टाल की सामानी हिंद का (का) १००

पंडित, स्वर्णे, गरा बहुब हे हिंद पा (पा) १०० पत, सिदनाय दे शिवमृतिस्वामी एव भाग

छायादाद - पूनर्भृष्यासन सोगभारती ६ ५०

प्रेंच की शायरी हिंद पा (पा) १००

दीर भी-शायरी हिंद पा (पा) २००

पातिस्तान की उर्दे की शायरी हिंद पा (पा) १०० प्रेम भीर हरया के रहत्यमय मुक्दम हिंद वा (वा) १००

पत, गुनित्रानदन, १६००- वाता और मस्ट्रित वि यहन

- तया माय, नया महादेवी भमिनदन प्रव लोहामान्ती

पजाब भाषा विभाग श्री स्वामी सत्यदेव पश्चिमक भाषा पहित, नारायण हितोपदेग हिंद पा (पा) १००

पक्रज दे घीटेंद्र पक्रज

५०० नि

\$2.00

मृति यज्ञ राघाङ्ग्ण

पश्चित, मोमप्रकाश दे पहित, प्रवास

पटकर, एम ए अनेनार्थ तिलव मोतीलाल ६०० पटकर एम एम, माध्य कोप कल्पतक-विश्वनाय मोती-लाल २००० शारदीयास्यानाममाता – हुर्प नीति मोतीलास ५०० पटवर्षन, केशव मनत, १८६२- ऋषियों ने विज्ञान की

पत, हरगोरिद दे त्यागी, महावीर तिह

पटवा, शुभकरण, १६४३ - उस दिन सूर्यं प्र म ३०० ज

वतरज का प्यादा सबल प्र एव मूर्य प्र म १५० क

पटेल, पीतावर, १६१८- तेजरेला मात्माराम २०० ज

पश्चित्र, निरधारीसिंह मानसी जगजीवा सर्वोदय ४०० पिक दे जगन्नाय ब्रह्मशारी 'पिक'

पटेल, नित्यानद जीवन की राहें गोविदशम ४००

पपा सुधि' झसकनदा के साथ साथ नैशनल १६०

पद्माकर भट्ट, १७५३ १७३३ गगालहरी सपा सुधानर

पनिकर, रजनी, ११२४- जाड की घूप हिंद पा (पा)

देव चुनरिया बहुरगी तथा घन्य न हानिया कल्यागमल. पन्नातास या धानदमयी थी थी धानदमयी २५० परदेसी सदेह का सिंदूर बल्याणमल ३०० क —सपा विश्वयुद्ध की रोमाचकारी कहानिया हिंद पा (पा)

परमारमा शरण दिल्ली की कहाती घीर उसने बास्तू स्मारक

भारत का राष्ट्रीय बादोनन, सर्वधानिक विशास एव सुवि-

भारतीय शासन एव राजनीति का विकास मशी ग २

परमानद, माई मरे अन समय का बाधव श्रीमदभगवदगीता.

परमानद शास्त्री, १६२६- गायासप्तपति प्र प्रतिष्टान

०० ३९, फाराजीय य धारकी एवं प्रधानतीति राष्ट्रपत

परमार, एस एस तथा पी ही हुनेला मुद्रा, बैशिंग, अत-

मध्ययुगीन भारत, १००० से १७०७ ई रणजीत

पत, हरगोबिद खोक प्रशासन सशो स २ राजीब, मे ६५०

श्रेष्ठता स्वाध्याय ६००

मगतदीप धारमाराम ३०० व

पाडेय ना प्र समा १२५

धान सद्यो स ३ रस्तोगी

भा सा सदन ५००

\$ 00 €

रस्तोशी

2000

हिंदी साहित्य : विकास कथा- जबलपुर- प्र यु १.५० —सपा निवध-दशक जबलपुर प्र. मृ २ ६० परेरा, ए पी तीस दिन में सफलता हिंद पा (पा) १०० पवनकूमार दानवीर मामाशाह कल्याणमल १२५

सिहपड विजय बल्याणमल १२%

पत्नात, जे सत फासिस जेवियर प्रभात कुक २७५ जी पहाडी. दे धित्रियाल, रमात्रसाद 'पहाडी',

वाहे, पार, सी दे दार्मी, पी पी पाढे, गगाप्रसाद हसना रोना पुसः सा २०० क

पाढे, गोविरचंद्र. बोद्ध धर्म के विकास का इतिहास हि समि.

पाडे, रामनारायणः भक्ति-काव्य मे रहस्यवाद नेदानल पाडे, दिशासागर, १६२७- विकास और सर्वोदय सा समम.

ल्वा २ ५० पाडे, सरवनारायण, सपा ऋकु सुबत सद्ध हा बेनीप्रसाद

पाढे, सी ही , मनु. सिक्ता रण विध्याचल २ ५० नि माडे यह भी दे पाडेय.

पाढेप याकार्वनिक रसायन सरल शच्यवन कमल प्र २ ३० पाडेंग, समरचंत्र स्वप्नदोप सौर वीयें सजीवन धवतरि.

7.00 पाइँग, उमेराचद्र झलकार प्रदीप कि महल ३००

वैदिक व्याकरणः चौक्षवा २००

पाडेंग, कपिलदेव हिंदी सक्षेपण बला प्रकीर १२% पाडेंब, कातानाय 'चोच', १६१४- ठाकुर ढेगासिह पु स . वा ३००

पंडिय, के पी शिक्षा में क्रियारमंत्र सनुसंधान विनोद ३०० शिक्षा में सरल साख्यिकी विनोद ३ ००

पारेय, गगासहास दे द्विवेदी, राजकुमार पाडेय, गगासहाय दे भाद मित्र पाडेंब, गयाप्रसाद नवजीवन ज्योनि प्रवेशिका देहाती १०५०

पाडेय, गोपालचढ्र- गोरितला की लीज में प्रवमाला १ ४०

पारेष, पद्रवली कालिदास मीतीलान

तमन्त्रभ प्रथवा सुपीमत नद व ५०० पारेप, बगरीम कहानीकार जैनेंद्र व्यक्तिम और उपलब्धि

घर्षना प्र, धा. ४०० पाढेंग, जनार्दनम्बरूप भामिनी विलास अन्योत्ति विस्व

विद्यालय ३५०

पारंग, जे पी माध्यमिक रेक्षागणित क्ल्याणमन ४०० पाँडेच, दीनानाय बाचार्यं विश्वनाधप्रसाद विश्व वृगवाणी

पाउँप, प्रमुनाय जीवन ग्रीर बीव जत की क्टानी. विविध १६२ वप्र

पारेच, पूलवद, सम्रा भारतीय मान्य दर्शन वित्रमृत्व प्र

पारेय, मुक्तपद्रः शामायनी ने पाने नवयुष य धानारः * 44

पाडेय, मुबनेरबरप्रसाद. काव्य कदब चीखवा. २.५० का पाडेय, महावीरप्रसाद, १६१३- चिक्तिसा तस्व दीविका

भा २ शानि प्र, दि १०५० पाडेय, रालाकर, १६३८- सपा, द्विया नी नज हो में नेहरू

नेहरू सा

—सपा- दाति के ग्रमर घहोद श्री दास्त्री. भोता प्र-

पाडेय, राजकिशोर, १६४०- हिंदी साहित्य का प्रारंभिक युग नर्वाहद ६००

पार्टेय, राजनाय, १६०६० नेपास घीर नेपास-नरेश ज्ञान-पीठ ४३०

पाडेय, राजवलो, १६०७- ब्रासीक के ब्रामिलेख, ज्ञानगढल

६००० एव स -७५०० मारतीय नीति का विकास वि राष्ट्र, ५०० हिंदु सस्कार सधी स ? चौलवा १६००

पाडेंब, राजेंद्र भवध की सुट हिं समि. ३.५० पाडेय, राधारमण सिद्धातकोमुदो प्रयंत्रकाशिका, मोतीलाल पाडेय, रामखेलादन प्रसाद की नाट्य क्ला धनुसधान

¥ ..

मध्यकालीन सत साहित्य हि. प्रचा पु १६०० सोघ पाडेय, रामच्द्र दे निट्स, विन्टर पाडेव रामत्री, १६१७- हिंदी शहात्री, विधान एव विकास.

राहेल पुस्तकालय याहेब, रामदीन हिंदी में स्तैय प्रयोग एवं धन्य निवय

ग्रभिज्ञान ३०० वाडय, रामनारावच भनित नाव्य मे रहत्यवाद नेशनन.

2000 पाइय, रामशकर हिंदी-काव्य-मञ्गा चौतवा ३०० पाडेब. शमशक्त नवीन शिक्षा का सिद्धान पानप्रसाद

मनोवैज्ञानिक सप्रदाय रामप्रसाद ४०० सम्बत्त शिक्षण दिनोद ।.५०

पाडेब, रामेश्वररमेश युववाणी (सुमित्रानदन पत्त) एक मन्ययन हिंसा भ ३५०

वाडेब, स्पनारायण सच्या नवयम ग्रयामार ४०० उ पार्वेष, विनोदचद्व कृष्णपक्ष राजस्यन ४०० हा. पाडेब, विमलबह प्राचीन भारत का राजनीतिक एषा

मास्कृतिक इतिहास सेन्ट्रल द्व १२ ४० पाडेब, वी एन महा, मीहिन एवं प्रयं व्यवस्था मोतीसाल

पाडेय, बीरेंद्र सिंघु की वेशी प्रमुप सा ४ ४० उ. पाडेय, शकरदयाल दरचरित्र नव्यूप ग्रवाधार ३००. स बह ने चरण- नववर्ग ग्रंथागार ३०० उ

पाडेंब, रामुनाय बाधुनिक हिंदी कविता की भूकिका. विनोट 20.00

थाडेय, स्यामनारायण, १६०७- नाटवालोचन विजय प्र

साहित्य का उत्वर्ष-विदय-पू. म ६००

पाडेय, स्यायनारायण दे गोस्वामी, रूप पाडेय, स्यामलास प्राचीन मारत मे राजशास्त्र प्रणेता हि

समि १००० भारतीय राजशास्त्र प्रणेता हि समि

पाडेम, सगमलाल १६२६- भारतीय दर्शन की कहानी सा वेनीप्रसाद ४००

पाडेय, सिञ्चदानद गुमराह नवयुव प्रशासार २७५ इ सम्प्रार नवयुत प्रथासार ३०० उ

पाहेय, सत्यनारायण सरकृत साहित्य का बासोचनात्मक इतिहास सा म , में ६००

पाडेय, सुधानर प्रसाद की कदिताए हि प्रचा पु ८००
—तया प्राय पुत्रा धीर दैक-परिचय हि प्रचा पु १६२
—सपा रसलीन प्रधावनी हि प्रचा पु
पाडेय, हदमनारामण हृदयेश '१८०४- इनलैंड की सैर

हृदयं में १५० करणा हृदयं में १५० का करणा हृदयं में १५० का पत्रको । हृदयं में १५० का पत्रको । हृदयं में १५० का पत्रको । हृदयं में १५० का मार्चिया हृदयं में १५० का मार्चिया हृदयं में १५० का मार्चिया हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का सुप्ता हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का प्रोत्ति हृदयं में १५० का पार्वित हृदयं में १५० का पार्वित हृदयं में १५० का पार्विय पार्वित हृदयं में १५० का पार्विय प्रार्थी हैं पार्वित ह्या में १५० का पार्विय प्रार्थी हैं पार्वित ह्या में १५० का पार्विय प्रार्थी हैं पार्वित ह्या स्वार्थीय स्वर्थी हैं पार्वित ह्या स्वर्थीय स्वर्थी हैं पार्वित स्वर्थीय स्वर्यीय स्वर्थीय स्वर्यीय स्वर्यीय स्वर

पाडेय विषक्ष (पाडेय विश्वित नारायण सिन्हा), १९३०-सपा मारण्यर सबीवर नगेंद्रप्रसाद सिंह सारन

पाइन्स माधा दे तेया, नानेंल पाटनी, सार एन सपतास्त्र के सिद्धांत सा १०४ राजीन, में ४०० से ७४० सर

मे ४०० से ७ १० सह भारत ना प्राधिक विकास सागी स २ राजीब, मे

११० सारम की साहित सम्प्रमार्थे सभी २०० वस्त्रीत के

मारत की प्राप्तिक समस्यायें सधी स २ शजीव, मे

भारतीय सर्वशास्त्र सत्यो स २ राजीव से ४३० मुद्रा बेरिया, विश्वामित राजीव, म ४ ४० मुद्रा बेरिया, विश्वामित राज्येय सात्र, सर्वाधिय स्वासार तथा राजस्य मन्त्री स २ राजीव, मे ६०० मुद्रा बेरिया, विश्वामित्र, राज्येय सात्र, सर्व्याप्योध स्वासार, राजस्य एवं गाणियवीय मास्य विश्वस सर्वाध्या

मुता बेहिन, विदेशी विनिमनं, राष्ट्रीय बाय तथा बद-राष्ट्रीय स्थापार सभी ॥ ३ राजीव, म ५०० राजस्य एव रोजपार वे विद्धात सभी म २ राजीव, मे राजस्य के सिद्धात राजीव, मे २५० तोक मर्यशास्त्र राजीव, मे ७०० तोक वित्त राजीव, मे ६०० बाठक, एस वी तेल भौर उनसे वने परार्थ हि समि

पाठक, एस पी तेल ग्रीर उनसे बने पराधं हि समि १५०

पाठक, केदारनाच श्रनुभूतयोग स ३ मा २ श्यामसुदर

हुँ । स्वामसूर १०० साहीस द्वानसूर १०० साहीस द्वानसी स २ स्थामसूर १०० साहार द्वानसी स १०० साहार द्वानसी १०० साहार द्वानसी स १०० साहार द्वानसी स १०० साहार १०० स्थानस्टर १०० स्थानस्टर १०० स्थानस्टर १०० स्थानसी स्थानसी १०० स्थानसी स्थानसी स्थानसी १०००

नाम के उपयान में स्थामनुदर १०० प्रसीण रहाजस्वी स्थामनुदर २०० कोजन निर्म (पद्माप्त्य) स. २ स्थामनुदर २०० मधु के उपयोग ह ४ स्थामनुदर १०० हिंद्ध मुल्लुञ्जय योग स २ स्थामनुदर १०० एठक, बहुत थया वस्तुसास प्रामी आपा तान मीर निवध

रकत किन्न १४० पाठक जितेंद्रनाथ क्षेत्र के कूल ग्रीर वद टहुर भोला प्र

२०० क पाठवः, दानबहादुर 'वर' रत्वाकर की साहित्य साधना

विनोद ६ ०० विनव विकल नवसुग स्रथागार ६ ७५ पाठक, बाबुलाल, १६२५- ऐत्रदेयश्राह्मण ना एन सम्मयन रोगननास १००० स्रोप

हाडोती कहावतें हाडौती २००० पाठक, पद्मधर दे बखतराम साह पाठक, बच्चन सतिखं सेमर से फून जमसेदपुर भीजपुरी

० ८० स्तेह वे घामू जयसिव १४० पाठक रघुनायप्रसार पाठसाला वे हीरे सन्मार्ग १०० पाठक, राजकुमार, १६२६- बहुत है एक स्वतन पीत

प्रयोग संता घ. प शा पाटक, रायरक्ष कार्यविक्तिस चौगवा

समें विज्ञात चौलवा ३ ४० पाठक, सर्वानद चार्वाकदरात की शास्त्रीय गमीभा चौरावा

१२ ३० पाठक, सुरेशप्रसाद तथा एस ही दार्मा भाग्सीग निहा की तत्कातीन समस्यार्थे वस्तीमी

पारनेरनर, बगबत महादेव गोपालन ने सबप में केंद्रीय गो परि

पाराचर एव बुजधेच्ठ नवीन व्यापार प्रणाती २ मा

रामप्रसाद ७ ०० पारागर, इदुप्रभा कामायनी म नाम्कीय तत्व हि सा भ

पारागर, विरजीकान, १६२३- यह परिनयां दि प स ४००

300

पारागर, रामकृष्ण बुनियादी झाला ग्रमिलेख समग्र नई

बुनियादी दाला सगठन समग्र नई ६ ५० बुनियादी ज्ञाला सगठन शोर शिक्षण व्यवस्था समग्र नई

समवायी पाठ रचना समग्र नई ० २५

पारीक, बुद्धिप्रकाश, १६२२- विरसा प्रयोद प्र म २ ७%

पारीक, मुयशकर जाभोजी और उनकी वाणी मा विद्या

म १००० र पाय दीच की कडी पाय सा ४०० उ

पाल एस के वे गुप्ता एस एन पाल, केशवराम हिंदी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अय-परि

वर्तन प्राची २००० पालीवाल, दिनेश पाप भीर पीडा प्रगति ह १०० उ

परवन वे ऋषिनारायण 'पावत पितान, विजीतद भादरी गांद की कहानी कुमार सब

800

पिल्लाई, मेक्कोल्ला परमेश्वरन गीतानद अनु पी जी वासु

देव रा बेनीप्रसाद २०० ना पीताबर, व्या पचदशी रतन एड क ८०० परी, सुदर्शन द भटनागर सुरेश

पुरुपोत्तमदास स्नामी, १६१३ रत्न विनान कि महल

\$400 पुरोहित, मार पी दे शर्मा सूरजप्रसाद प्रोहित इद्रम्मार 'नवाब' एहसासे दर्दे मा अ महस

২ ২০ কা प्रोहित जनरनाथ 'अबय' बिनुस वज उठा चिन्सय ०७%

पुराहित, पुरुषोत्तमदास पुरकरणो के सामाजिक गीत कि

घर जो १०० परोहित रामचत्र, सपा दस कदम कल्याणमल, १ ५० क

पुष्प दे रावित शा 'पूष्प'. पुष्प दे लड़ा, सत्यनारायण 'मृत्य'

पुष्पराज समामशास्त्र सरल ध्रव्यवन रामहस व म

पृप्वीरान, राठोड, १५४६-१६०० किसन स्क्रमणी री वेली सपा नरोत्तमदास स्वामी स २ वीराम मेहरा ७ १० पेंडरो. श्री ना रयचक राजपाल ६ ७० उ पेटलीकर, ईश्वर अतज्वीला बोरा ८ ५० उ पैट, पर्नेचर विस्यात प्राविध्नारक तथा उनके भाविष्कार

भन् दीवान राजपाल २००

पोहार, हनुमानप्रसाद श्रीराधा-माधव विकन गीता

पौराणिक, कालीचरन मार्ग दशन प्राच्य विद्या प्रकासनारायण क्यक नृत्य स २ क्ला प्र, इ ५ ५० क्यक्ति नत्य-नाटय करा श्र इ १०० गिटार वादन कला प्र, इ. २००

तवला प्रवेशिका क्लाप्र, इ. मा १५०, मा २

ब्त्य प्रश्नोत्तरी कला प्र, इ १०० प्रवीण प्रक्तोत्तर कला प्र,इ ४००

मणिपुरी नृत्य कला प्र , इ १०० वायलिन बादन कला प्र, इ २०० बास्त्र राव परिचय ४ मा कला घ, इ भा १. १७४, मा २ २००, मा ३ ३००, ना ४ ५००

हमारे सगीतज्ञ कता प्र, इ ३०० प्रकाश बारती बाशा के दीर भा सा सदन २५० ड

बहता सागर भी सा सदन ३२५ उ प्रचन्डिया, महेंद्रसागर प्रसाद शौर उनको कामायनी कमल

सूरदास और उनका अमरनीत कमल प्र प्रज्ञानद कालाम सुत्र महादोधि ० २५ प्रजानद दे भवनभोष, धानाय प्रताप कुबर सिंह स्थामस प्र १२५ खडका

प्रताप दे बीरभान सिंह प्रताप

व्रतापचद्र 'भाजाद , १६१५ १८५७ की माति भीर रहेल खड स्वराज्य २००

चासुमी के फूल स्वराज्य २०० क घर का चिराग सा कला एवं स्वराज्य ३०० क

जमाने की बाल स्वराज्य ३०० क वमीन के तारे स्वराज्य ३०० क

दक्षिण भारत की कला संस्कृति सभ्यता का इतिहास स्वराज्य ५००

व्रतापनारायण, पुरोहित नम नरेग परि स २ सरस स्दर २००० महाका

प्रवार्णसह भूरूप विज्ञान एव भूस्वरूप विधान हि प्रचा 9 2000

प्रदीप दे रामबद्र 'प्रदीप' प्रभाकर शास्त्री याजवल्बय-स्पृति रोगनलाल ४०० प्रभात १६२५- मीराबाई हि ग्र र शोग

प्रमात दे विश्रा, केदारनाच प्रभात' प्रमाध दे सीवाराम प्रभास

प्रमोद दे गाडरले वाल्टर प्रमोदराजा वह फिर घाई राज्यश्री २२४ व

प्रवाग संगीत समिति नृत्य प्रस्त पत्र क्ला प्र , ६ ० ५० प्रमाकर प्रस्त एवं कला प्र इ ० ५०

संगीत प्रवीच प्रश्न पत्र कसा प्र, इ ० अ५ प्रवासी दे भा, दिनेशबद्ध 'प्रवासी' प्रभातकुमार वेदालकार, १९३७ वेदिन साहित्य म नारी

वासुदेव ७०० प्रसाद दे दिवेदी, गयात्रसाद 'प्रसाद

प्रसाद, वी एन ठोस ज्यामिती भोतीताल २ ४० शायन शायन कृत भवरगीत सपा हरिमोहन मालवीय हि सासम्मे वा

प्राणेश दे. मूलबद 'प्राणेश'.

प्राणेश दे सम्भू गणेशलाल 'प्राणेश' प्रिमर्ड ई ई इवाइन्स सामाजिक मानव विज्ञान राजकमल प्रिया राजने मौतश्रो ने फुल बीलाम ३ २५ व प्रेम दे जुष्णमोहन प्रेम प्रमचर, १८८० १६३६ कमभूमि (सक्षिप्त) हस २५० उ मनुषा चयन समृतराय हुस ५०० क रगभूमि सरस्व प्र सक्षिप्त ६०० च शबेतार हस प्र १५० प्रेमदाकर संपा सचिता विध्याचल २५० नि प्रमानही, कुमारी तीन मूर्ति सबहातव बैताय १६० प्रेमी दे बौहान प्रेमी प्रेमी द विलोकीनाय प्रेमी' फणीश्वरनाथ 'रेलु', १९२१- जुलूस मा ज्ञानपीठ ३ ६० उ फतेहींसह १६१४ साभास और सत हि समि ११०० फाकनर विलियम उचको राजपास ५०० उ कित तौनदी बारट गिरफ्तारी हिंद पा (पा)१०० व्यन्य फील्ड ब्लूम भाषा यन विश्वनायप्रसाद मोतीलाल फील्ड, होंडन दया स्टिनेट बच्चापका की शिला का माराम फलबद दें बच्छादत धीरजमल फेंडरीनफेन्ड किरणें धनु रमेन वर्मा २ मा बूरेशिया ₹০০ হস फैनिंग, लियानाड एम उद्योगा के जनदाता सर्वेद्र २ ५० किंग मोदो मार माधनिक परमाण मौतिको मास्माराम फॅकेल बान्न विरविद्यालय शिक्षा की समस्याष्ट्र गम 🕏 2 %0 बगालीसिंह साहित्य सरोवर हिं सा स २ ४० बद्योपाच्याय, विभूतिभूषण दूरातर हि प्रचा पु (पा) 2 . . बयुद पुत्रम, गणेशसम्ह विधु वर्गनारायणलाल धम्याद महादोधि • ३७ वा बनल प्रमोदनुमार रोडी के टुकड नवयुग प्र वर, पर्स एव , १८६२ - अमीन भासमान हिद पा (पा) बराउराम साह बढि वितास सपा प्रधार पाठक राज प्राच्यविद्या ३ ७५ बनी रमेन, १६३६- घटारह मुख्य के वीध भा जानपीट 3 ०० च इहरी जिस्मी हिंद पा (पा) १०० व रॅक्कर सोवनी हे हि प्रशापु (पा) १०० बश्नी, पदुमनास पुन्नासाल, १०१४- जि हैं नहीं मूनूवा मोरचेनना ३ ६० सस्म मरादेश दि पुस ३ २६ नेल मेरे प्रिय निवयं मोरचेतना ६०० विज्ञान बार्ता सक्तपुर प्र मृ ३ ४० ति , क

बस्त्री, स्वरूपकुषारी, १६१६- कीडियों का नाच मा ग्रयमाला ३७४क हाली नी हिन्र पार्टी या ग्रथमाला ४०० क निकेरक या मा ध्रथमाला ३५० क मेम साहब का देश भाग्रयमाता ३७१ ना बच्चन दे हरिवश्चाय 'बच्चन' बच्छावतः धीरबमन तथा फूनचइ धर का ज्योतिए कि घर, जो १०० बच्छावतु, घीरजमल दे मोदी, श्रीताय बजान, रामहृष्ण समा पत्र व्यवहार भा ५ सस्ता ५०० रचनात्मक राजनीति सस्ता ४०० बडववाल पीनाबरदत्त योग प्रवाह साकेत ३ ६० बडगुरू बाह । बनारस भा भाषा १२५ का बडोला रामरतन कदम कदम पर पूप भीनानेर टाइम्स ই ২০ কা बदरीदास हिंदी उपन्यास ' पृथ्वभूमि भीर परपरा ध्रयम बढ़ीप्रभाद भवन निर्माण रुला भाग्योदय ३ ०० वधीतिया रामजीताल सफल श्रीवन मुरारी ० ६६ बनमाली दे भूषण बनमाली वनजीं प्रायोधिक जीव विश्वान मा भवन भा १. १००, बनारक्षीसाल बाव' खबहरी के देख में प्रेम पूम २५० बनारसीसिंह देश है बीर जवानी का स २ राजधानी बनेडा 'क्सूम द भट्ट, एम ए बम्बर, संदर्धन सद चलता है नवयूप प्र २ ५० मा दरनवाल, पश्चीप्रसाद बरनवाल काव्य-समृह एम एल बुक ○ その 歌 बरनवाल सुखदेवप्रसाद वीरगाचा स्वतन भारत ना मार्गी ४५० बरसा, चैनसिंह, १९३७- भारत ना माथिक विशास, एक विश्वपण जैन पुम बरमा दे कीशिक, ऋषि जैमिनी वरमा बरो, टी सस्कृत याया चनु मोलाशकर श्वास चौलका बर्ग. एडमड बारेन हस्टिया का मुक्दमा धादमी हि २००० बनवीरसिंह रखें हिंदी को छायाबादी कविता का बता-विधान नशनन १२ ५० बलरामदत्त लिप्सा स्वास्थ्य सरिता ० ६२ बलवर्तासह १६२६- मानचित्र प्रध्ययन की सरक्ष विधि प्रशासक ३७१ राबी पार्रोहद पा (पा) १०० उ बनतकुमार सगीत शिलाक कमा प्र ६ २०० बमु मनीत्र मास्टरमहिम सरता ४.०० रचा मृदरी हिंद पा. (पा) १०० बहादूर दे वर्षसम्बद्धम बहादूर

बहादुरताह 'जफर'. जफर की शायरी- हिंद पा. (पा.) १.००

बहुगुगा, मुरेंद्रदत्त व्यापारिक तथा भौजोगिक सगठन एव प्रवयः सतो स. ३ सहमीनाः १०.००

बहरा, गोपालनारायण दे टॉड, जेम्स

बहोरे, रवीदनाय 'मजात', १६४६- बहती नदिया, जलते किनारे मंजु व

बाग्बी, जे एँ प्राचीन भारत की दढनीति- मोठीलाल

१००० बागीरवर, विद्यालकार भ्रमिकान साक्तल-सपूर्णः

मोतीताल बाबपेरी मविकाप्रसाद, १८८० विवध साहित्य की प्रमुख

समस्याप्, सा. नि , बा. बाजपेशी, जनधनसाद दाराशिकोह नवसून संयोगार. = ००

इ. बाजपेदी, एस डी. पर्तु-पालन, चिकित्सा एव दृग्वीत्पादन

एतियन बाजपेशी, भीनप्रशाश स्वर्ण बाला मजु १,३०,उ

बाजपेयी, देवकरण निमोनिया प्रकाश स २. धवतरि

गावपेवी यह भी दे वाजपेवी-

राष्ट्रकर, मोहतलाल, गढवाली लोक-साहित्व का विवेचना

स्भक प्रध्यपन हि. सा सम्मे ८०० राम, शहर युवाब के फूल शाय बुक २१० अगल में सुराहोती नाचे घाये बुक ११० वजः

बारहर करणीदान, १६२६- क्लई का धामा नवयुग सं कु. १०० छ

मेर भर कथा. नवपुग ग्र. जु. एव बारहठ प्र ४.६० का. सिंहियो. बारहठ ≣ १ ४०.वा.

प्रेम-सता. बारहठ प्र ६.००. छ.

बद्दान्स दारहट प्र. १.४०.का.

बालहरम 'मुजतर', १६२३- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रन्युः एव नशतम १२ ५० इति

बातवद मृति बालबद बत्तीसी. सपा हरिमोहन मासवीयः

हि. सां, सम्मे काः बाती, सुदर्शन, १९२३ - साहित्य और समुद्दर, त्रिटकापट

१९९१, पुररान, १६५३ - साह्य ग्रार समुद्दा प्राटकापट १.००.च. स्मिति एक राज्ये विकास १.०००

स्मरियो का स्वर्ग. प्रिटलेंड ३००७. बाहुदेव, पी जो दे. पिल्लाई, मेवकोल्ला परमेदवरन बाहुदेव हिंह, अपभंदा और हिंदी में कैन रहस्यवाद-हिंह, प्रचा-

र्थे बहरी. सीवाराम विचार विहान लोकमारवी. बहरी, हरदेव ग्रामीण हिंदी बोलिया. कि. महत्त-

युद हिंदी, सोकभारती २.०० हिंदी: उदमव, विकास भीर रूप कि यहन ७.३०

हिनो : उदमव, विकास भीर रूप कि यहन ७०% हिदी का विकास कि महस

विरेरवरीशिष्ट, १६२८- सामुदायिक विकास योजनाः साधना म २ २४ बिडसा, धनस्यामदास, १८६४- कुछ देखा कुछ सुना. सस्ताः ३.१० सस्मः

जमनानालजीः सस्ताः १५० विमनसम्बद्धाः मृबद्धाः मृत्यार नवयुग् प्र. ३.००

विवाणी, व्रजनाल, १८६५- त्रिविधाः नववुग सा. स , इ

बरवा, लक्ष्मीनिबास सुल्तान भीर निहालदे नेशनल ५००. ज

विशि, प्रयमनाय करो साहब बा मुशी वोरा १२.००.छ विष्णुस्वरूप कविसमय-मीमासा काशी हिंदू ६ ००

बिहारी बिहारी प्रयावती मा १ सपा थीनिवास गुक्सः विष्याचन

बीरॅडकुमार सिंह, १६३७- भारतीय शिक्षाः माधुनिक काल साधना म ५००

बुइलर भारतीय पुरालिपि-सास्य धनु मगलनाय सिंह मोतीसाल

मातानान बुद्धिवत तथा बुद्धिवत ठोस च्यामिति रामप्रसाद १.५० बुजयोहन टुटतो यगद्धियाः प्रजनाः ३.०० उ

बेबास दे व्यास, कृष्णानद 'वेब्रास'

बेकल दे. ताराचदपास 'बेकल'.

बेचन माधुनिक हिंदी कथा-साहित्य भीर घरित्र विकास.

सन्मार्ग १६०० शोध बीन के मोर्चे पर सन्मार्ग ३०॥

विचनप्रसाद सिंह- चातु शित्प- कि. महत्त विचरदास जीवराज पाइम-वच्छीनाम माला- मोतीलाल

१००० वेर्षन दे न्वादर्रासह विश्वन'-

बदी, राजेंद्रसिंह प्रपने दुल मुक्ते दे दो. नीलाम. ४,०० क. सबी लडकी हिंद गा. (पा) १०० क

बेदी, रामेश्व. खर. भारमाराम १.२४

बेनीपुरी दे रामवृद्ध येनीपुरी बेसा, भाषायंत्री भेससहिता संपा गिरिजादयाल शुक्तः

बता, मार्चायशा भतसाहता संपा शारणादयाल शुक्त चौलबा १०००

बेसुम, बिनियादिक युन्तवर्षे हि. परि , ब १००,४७ बेबनाय सिंह, १६२० - यद-मुक्ताहार, प्रचोक प्र मं १.४० ---तमा बनादेन राम गवायन, प्रामोक प्र. म १७४

बैजस, बालहुण्यदास हम भीर समाजः भाः २. रामप्रसादः

१.०५ हमारी पृथ्वी रामप्रसाद ३२५

वेजल, इयावनारायण, १९१३- ग्रांसो देखे चित्र पार्वती.

एक सी एक दर मजु. ३ १० ज.

कुइनीः पार्वती ३.४० क. दिसाओं का पहला आनाश पार्वती ३००. ना इसहिन की बातः पार्वतीः २५० म.

बैरठी, वी सी. दे गौड, जे एत. बोडा, रागचड, धमर राहीद सागरयस गोपा, सोनायत

₹0.00

चार्वाक दर्शन एक मानबीय घरोहर नवयुग 🛚 कु ३ ५० बोस, शैनेशकुमार तथा रामबालकसिंह भारतीय भयशास्त्र

भाभवनं भा १ ६ ७४, सार ६ ४० बोहरा, मगलदत्त साथी मान का सिंदूर कि घर, जो ३००

बीस्स, चेस्टर, १६०१- एक उदारवादी स्वर भारमाराम

200 ब्रजनिशीर नारायण १६१० सब्नुलहबास पारिजात

३০০ জী ब्रजनदेन प्रीत का पुरस्कार फेमल प्र १०० उ यजनदनप्रसाद प्रायीरी काव्यात्मक विष्व ज्ञानाक्षीक

ब्रजनारायणींसह कदिवर पद्धाकर और उनका बुग

यनुसंघान १५०० ब्रद्रभूषण १६३३ धनाज के दाने कृष्णा ब ३०० ए

इंदु कृष्णा व ३०० ए

यशवत कृष्णा द ४५० छ ब्रजभूपण ब्रादर्श, महाकौशल के तरुग पारिजात प्र सा

इजमोहन १६०८ गणित का इतिहास हि समि ६ ५० मोहन की दशी चौखबा ०७५ का व्यवसीलाल काव्योलोक रधीद्व प्र,व्वा २०० ब्रजेश दे रामसिंह ब्रजेश

ब्रह्मचारी जगन्नाय 'पमिक' सध्या योग ग्रीर ब्रह्म-साशात्कार एस डी शर्मा २०००

ब्रह्मदत्त जिलाम सप्टाप्यापी भाष्य मा आच्य मा है

१२ ००, भा २ १० ०० इसुमपीरह, एम प्रवदंवेद एव गोराव बाह्मण बनु सुर्वनात

चौलवा २५०० भडारी, ए सी दे विमनेदा

भहारी, गुणपतिचद्र रत्तदीप कि घर, जो ३ ४० का राजस्थानी एकाकी राज सा खना —सपा राजस्यानी एकाकी राज सा बका ५७५

महारी, चद्रराज सपा, १६०२- विश्व इतिहास कीय भा ३ ज्ञान मदिर

भडारी, प्रेम भगवान श्रीकृष्ण सीनामृत श्रमजीवी ३ १०

भड़ारी, मध् प्रमेशास्त्र ने सिद्धात है. २ राजीव, मे ६०० मापिर नियोजन राजीव मे भहारी, मान् दिना दीदारों के घर क्षणर ३०० ना मताती, मुरबराज पचायती राज का वित्त विधान अवल उदयः

भगवत रियोर सरल हिंदी नेशनल भा १०६४, मा २

0 60 भगवतराय बैशवर्ग एड डाई फिटर देहाती ६२५ रिमर्वे भाक टावपट गाप्य देशती १५०० मगबदत्त, १=६३- निरुक्त माध्य या प्राच्य १२०० भाषा बा इतिहास स ३ इतिहास प्र म ५००

भगवानदास पुरुषार्थं सशो स ३ चौलवा विविधार्थ चौसवा ६०० मनवानदास 'निर्मोही' चाद उत्तर धरती पर माम्रो- भारतेंद्र

भवन ४५० गीत वयवानदीन, महात्मा अपनी पहचान पूर्वोदय नि सगवानदीन, लाला, सपा प्रिय प्रकाश (नेशवदास) कत्यान-

भगवानदेव, माचार्यं बसिदान हरयाणा १२०० ब्रह्मचर्य के साधन भा १-१० हरवाणा ३ ४५ बीर मुमि हरवाणा हरवाणा ¥०० बीर हेर्मू हरयाना ०७५ ची चेरवाह सूरी हरयाणा ० ७५ हरयाणा का इतिहास हरयाणा १६०० भगवानप्रसाद शिक्षा का महत्त्व सस्ता ३०० शिक्षाकाविकास सस्ता ३०० वयवान बक्शसिंह मानवीय ज्ञान के सिद्धांत हिं समि ८ ५० बगवानसिंह काले उजले टीले हि प्रचा पू (पा) १०० रतनमर्भा भारतभूमि राजपाल १५० घटनावर, उदयसिंह, सपा , १६१७- राजस्थान में हिंदी के

हस्तिवितित यथो की खोज भा ३ सा सस्यान, राज ¥ ०० (भग्रा) भटनागर, कंपादऋषि खहर नेशनल ३०० ना

बटनावर, बाकेबिहारी धाति के पुत्रारी, युद्ध के विजेता शकून ६०० जी

—सर्पा उदयश्चकर यह व्यक्ति झीर साहित्यकार श्रात्माराम ७ १०

जैनेंद्र व्यक्ति, क्याकार भीर चितक नेशनस ५०० बच्चन, व्यक्ति और क्वि नैशनल ४०० शेवडे व्यक्तित्व, विचार और कृति मारमाराम भटनागर, महेंद्र, १६२६- गद्य भारती बल्याणमल

\$ 20 वयनिका कत्याणमत का बिकृत रेखाए, ध्धते चित्र कृष्णा ह ३०० म भटनागर, राबेंद्रभोहन बाचभद्र की घाःमक्या एक प्रध्यपत

विनोद ३ ४० भटनागर, रामरतन गुर साहित्य की भूमिका सधी स २

रा बनीमायव ५००

भटनागर, बुरेश तथा सुदर्शन पूरी शामान्य मनोविशान राजीव, मे ५५० बट्ट, उदयबकर, १८६७ धूमशिका ब्रात्माराम २ ४० ए

युक्त भ जो दोप है घात्माराम २ ८० का सागर, नहरें भीर मनुष्य भारमाराम ५०० उ

यह, एम ए तथा बनेडा 'बुगुम'. बसामान्य मनीविज्ञान सहसी ना ५००

मह. कृष्णदत्त इमानदार बालक बाल हितैयी. • ७५ उठो चागे बढ़ो शाल हितैपी १०० परोपनारी बालन बाल हितेपी ०७४ सद्गुणी बासक बाल हिनैयी ० ५५

मारत

मह, गौरीसकर भारत में समाजशास्त्र, प्रजाति धौर संस्कृति भा सदन, दे १५ ००

भारतीय संस्कृति एक समाजशास्त्रीय समीका सा सदन, ₹ 20 %0

भट्ट बद्रदोसर हडोती लोकगीत कृष्णा व २००० मट्ट जनमोहनराव दे म्रोक पुना मट्ट बलबतराय गुलाबराय 'बाबरग' भावरण सहरी

मोतीलाल भरूट, सोमनाय 'भादर्श' हिंदी साहित्व का इतिहास दिग्दर्शन

व्होनस १२ ५० मटट, हरिदत्त होतेश' एवरेस्ट मिमान नवभारती २ २५, लोकस १२%

महदाचार्य, हरवापद कहानी धस्पताल मार्थ दर्शक ४ ५० हिशोर किशोरियों की सदाचारी शिक्षा मार्न दर्शक १०० सून की परपरा मार्ग दर्शक १२५ उ ष्ठायासीक की रहस्य नगरी मार्ग दशक १०० प नेहरू के उत्तराधिकारियों का रहस्य माग दर्शक १२५ भारतीय तत्व दर्शन मार्ग दर्शक ३०० मास्को की रहस्यमयी युवती माने दर्शक ३ २% विज्ञान में बह्य दर्शन मार्ग दर्शक २५० स्वतंत्र भारत की सदाचार सिंहता मार्ग दर्शक ४ ०० मद्दाचार्य, पी सी तथा झन्य रुपये का अवमृत्यन भीर

उसनी प्रभाव नवमारती ००० मटटाचार्य, वेलाराती मभिनेत्री की स्वयवर समा साय

दर्शक १२६ ख

भारतीय स्त्री विका मार्थ दर्शक १०० भटटाचार्यं, रायराकर, १९२६- वातजल योगसूत्र-भोजवृत्ति

मोतीलाल २०० पातबल योग-सूत्रव्यास वाचस्पति मोतीलास १००० पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन इंडोनानिक्स १२००

पुराणगढ वेद विषयक सामग्री का समीक्षात्मक प्रध्ययन हिं सा सम्मे

मॅंटाबार्य, बीरेंद्र शतध्ती नेशवल १०० ड मट्टामार्य, सुलग्ग महाभारतकालीन समाज धनु पुष्पा जैन लोकमारवी २५००

भरतमतल हृदय तथागत गर्भसूत महाबोधि ० ३७

भग्ननी, हरीत एक उपकी नजर की मुई वाढावन ८००

मुलगते पिट दातायन ६०० का मदमेन, भाषायं सत्यमेव बचते राजधानी १७५ वप्र मनोट, रामान्द सताईस कविताए कात्माराम १ ५० रा भनोट, सरनदाम, सपा श्रद्धाराम व शावली नेश्चनल ८०० मनरा दे भजीतसिंह 'मनरा' भरदान, लरपणप्रवाद दे तुलसीदास

भेवानीदास एपीकत्यरन गाइड देहाती १५ ०० एला की कारत देहाती = २%

मबानहर, बनमाला, १६१४- महामारत की नारी.

मनिनद २०००

भाषरी, चद्रप्रकाश तथा दयाप्रकाश रस्तोगी श्राधनिक राज-नीतिक विचारधारायें सः २ राजहस ॥ म ३०० से

भारत का राष्ट्रीय बादोलन राजहसम म ४०० बारतीय सविधान तथा राष्ट्रीय भारीतन राजहरात्र म

भाईबी मातुदर्यन श्री श्री श्रानदमयी २ ५० सद्वाणी श्री श्री ब्रानदमयी १०० माटिया, घोमप्रकाश 'बचन राजपूत' ग्रशात चिता प्रनिश

प्रम २५० छ क्षितिच की स्रोज भनित प्र म ०६० का

बढते चरण भनित प्र म २००३ हबते रोते शासू श्रानिस प्र म २०० वा

शाटिया, पी प्रारं भ तर्राब्दीय सबध स र राजीब मे १६१६ से बाधुनिक समय तक ७ ००, १६३६ से बाध-निक समय तक ३५०, १८७१ 🖺 द्राधनिक समय तक

मायुनिक भारत का इतिहास (१७०७ से १६५० तक)

परिस २ राबीय में ६०० राजनोतिक निवय राष्ट्रस प्र म लोक प्रजासन सरल श्रध्ययन राजहरू प्र म

भाटी, देखराजनिह चितामणी विदेवन भा २ प्रशीक प्र

निराता धीर रामकी शनितपूजा भशोक प्र २०० विहारी की काम्य साधना बातोक प्र २ १० मुद्राराक्षस भरोक प्र ३०० मृगनयनी समीक्षा भ्रशोक प्र २ ५० रसलान प्रयादनी प्रशोर प्र ५०० हावी के काव्य सिदात करा प्र, दि भाटी, नारावणींसह बोलू नलावतार २००

जायसी बशोरू प्र ३००

माबानी, हरीश, १६३४- एक उजली नजर की सूई बातायन ५०० स

सुनगते पिड वातायन - तया पूनम दर्देवा बीतायन सूर्य प्र म २०० मानावत, नरेंद्र, १६३४- राजस्थानी वेलि साहित्य राज सा मका २१००

राबस्यानी साहित्य बुछ प्रवृतिया नैशनल ६ ०० नानावतः नरद्रकुमार दे धौत्रिष, कृष्णचद्र

मानुविजय, गणिवर जैन धर्म ना सरल परिचय मोठीलाल 200 भारत सुचना भौर प्रसारण सवालय प्रकाशन विभाग

ज्योति जसे 🎹 विभाग भारत का सर्विधान परि सं ३ प्र विमाण मरीमाना प्रविभाग वप सपुष गायी बाह्मय- भा १ १८८४ १८६६, मा २

१८६६-१८६७ मा ३ १८६८ १६०३,मा ४ १६०३. १९०४. चा ६ १६०४-१६०६.

भा ६ ११०६ ११०७ भा ७ जून दिसबर १६०७ मा ८ जनवरी मंगल १६०८ मा ६ सिनबर १६०० नवबर १६०६ मा ११ मत्रल १६०१ माच १६१३, मा १२ धर्मल १६१३ दिसबर १८१४ भा १३ जनवरी १६१५-धनतूबर १ १७ प्र विभाग

भारतीनदन दे तिवारी रामानदं भारतीनदन भारतीय दे गौरी गकर भारतीय भारतीय दे जितें इ भारतीय

भारतीय प्रौद्र गिक्षा सघ कानून ग्रीर कामगार मा प्रौढ

कायकर्ता सेमीनार की रिपोट भा प्रीड १०० स्रोक नाटक भा प्रौद ३००

सामृहिक सौदागिरी भा प्रौड = ३%

मारतद् हरिरचद्र १८५० १८८५ प्रममायुरी भीर स्कट कविताए सपा भूषण स्वामी हिं सा स

भारतदृश्या सपा भूषण स्वामी हि सा स साय हरिश्वद्र नाटर सपा लब्भीशकर व्यास चौसवा ० ६५

मारद्वाज दिनेनचढ भारतीय निक्षा की पार्चीनक समस्याएँ (प्रग्नोत्तर) विनोद ४०० सरल रिया विधिया विनोद ३ ००

भारद्वाज रामदत्त रत्नावली धीर उनका का॰व गना भारद्वाज विद्याभूषण प्राचाय चतुरसेन गास्त्री के उप बासी

मे इतिहास मी चित्रण प्र प्रतिच्ठान गोध भारद्वाज गौतिलाल राकेंग ग्राधुनिक राजस्थानी साहित्य

वित्रगुप्त प्र ५०० प्रतिनिधि वहानिया चित्रगुप्त प्र ३०० मूर्यास्त वित्रपुरत प्र ४०० उ भारित्ल नान निर्णि पुरारे नित्रगुप्त प्र ४०० उ

भागद बामेन्वरसहाय दनिक जीवन म जीव विजात हि समि ३५०

भागव पी एन तथा ने एन उपाध्याय माध्यमित तृषि रसायन नद व ७००

मागव भागीएथ तथा घ'य विवता ६१ २०० कविता ६३ २५० कविता ६४ ३०० कविता भागव मोनीताल भासी की रानी भा प्र मदिर उ इसी की तीन वाताय हि समि ४ ०० भागवा गोपालनात दे नर्मा हरिन्ध

-तमा विरशीतान और उच्चर बहीलाता बस्याधमस

माव निम्न भावप्रशानिषट् स्था गगामहाय पांडम चीला

भावरण दे मटर दरवनशाय गुलावराय भावरण भाव विनोबा १८१५ वृष्ठ सामयिक बन्न स मा सब ग्रामदान प्रत्नोत्तरी स महसुब बोरती महानियां च भागत १५० दव विनोश र विचार मा ३ सम्ना २०० मास्कर दे वैप्य सुपक्षीराम भारतर

भिक्त दे नमी कृष्णबद्द मिक्तु मिखारीदास १७३४ १७५० नाय्यनिगय सपा जवाहर नान चतुर्वेदी सनी स २ बत्याणदास का भीमसेन पदाय की रचना राजकमल । ६० भीत फूलजी माई सपा राजस्थानी भीतो की बहावतें सा

सस्यान राज २ ५० राजस्वानी भीको के लोकगीत भा १ सा सस्पान राज

मूपदकुमार सनातन भजनमाला देहाती २५० भूपण बनमाली में धीर तुम नई सदी प्र ५०० मा भूषण स्वामी दे भारतेंद्र हरिश्चद

मोले बाबा दे कौशल्य शकरलाल (भीन बाधा) भ्रमर दे रवीद्र भ्रमर

ध्यमर दे रामकुमार भ्रमर भवर दे रावयतनसिंह भागर

मगलदास स्वामी श्रीमहाराज हरिदासजी की वाणी रोगन

नान २००० मगलनाय सिंह दे बुइलर

मनलपूर्ति बासद्वेश्वर द सहाय गिवपूजन मजुला गुदडी का साल लालवहादुर उमेग २ ६० वप्र मसाराम युनानी तिम्बका पाम कोषिया मोतीलाल ५०० सञ्ज्ञार ए बार स्कूल बीजगणित भा भवन ५००

—तया पी ए वायुली समतल तिकोणिमिनि भा भदन भेजूमदार धार सी तथा ए एस घटलेकर बाबाटक गुप्त

युग मोतीलाल मजुमदार थी के यूरोप का बाधुनित इतिदान कि महत

मटरूसाल सपूर्व धाल्हा खड ५२ लडाई दहाती १२०० मन्यानी वीसेन १६३१ ईवटर नी मिठाई बात्माराम

१००वप्र नोई ग्रवनवी नहीं कि महल २५० उ दो दुलो नाएक सुन्य कि महल क दो बुद जल कि महल २ ५० उ भाग हुए लोग नि महल ४०० उ बसुधरा हिंद गा (पा) १०० सात समदर वि महस उ मणि क एस मबिलीन य गुप्त भीर बल्लातील का

तुलनात्यर बध्ययन ने ननल ४००० मयाड् रत्नसिंह ठोम ज्यामिति जबलपुर प्र गृ १२४ नवीन गतिवित्तान जनपुर प्र गृ२०० नवीन स्थितिविनान जबतपुर प्र ग २०० मबुरासनी माडन एम्बाइड्डी दहाती ५ ५० मदन धानाय धनल-कट थीगुप्ता १७१ क

सजवाटापी श्रोगुप्तां ०३० रा दीप निसा थीनुष्ता २०० ना प्रम पत्रावनी धीगुप्ता ११० स

हम जीने दो थीगुप्ता १५० ना

मदनगोपाल क्लम का मजदूर प्रेमवद शजकमल ११०० मदान, इद्रनाय, १६१०- भालोचना भीर साहित्य नीसाम

निवध ग्रीर निवध नेशनल १५०० प्रेमचद की श्रेष्ठ कहानिया हिंद पा (पा) १०० - सपा कहानी ग्रीर कहानी रामचद ७ ५०

कुछ कहानिया ज्ञान मारती दि ४०० तुलसीदास चितन घोर क्ला स २ राजपान

€00 नव भारती पजाब यूका

महादेवी चितन व नला राधाङ्गण ५ ५० मदारिया, मदममोहन मिसब लाल हि प्रचा पु (पा)

मदारिया, मनमोहन चक्के की कहानी वेशनल १०० मधुकर दे केहरीसिंह 'मधुकर मधुकर गुनाधर यही सच है राजकमल ३०० व मधुकर सिंह दे विजयमोहन सिंह मधुप दे स्वामनाल 'मधुप' मधुर द शिवचरण मधुर मधुर द हरीश मधुर मधुर मायिणी भटके राही प्रभात प्र २ १०

मधुराय भानक भ्रजना ३०० मघोक, बलराज, १६२०- जीत बाहार भा सा सदन

भारत भीर संसार भा सा सदन ५०० मनप्ताराम, कवि रघुनाय रूपक कि घर, जो १५० का मनोज दे धप्रवास, रामकिशोर 'मनोज' मनोहर प्रमानर भाप बीती बल्वाणमल ३ ४० सस्ब

कावमीर हमारा है कल्याणमल २५० की —सपा राजस्थानी साहित्य भीर संस्कृति भाषा पब्सि

मनोहर प्रभाकर दे कालिदास मनोहर प्रभाकर दे रागेय राघव मयक दे बद्रपालसिंह 'मयक' मतिक, विवय कृषि श्रायोगिक रसायन सिधल मितिक मीहम्मद भाववार भला का तमित प्रवधम भीर हिंदी ।

कृष्ण बाच्य विनोद २००० मलैया ने सी तुलना मक शिक्षा लोकमारती ७००

मलैया, विद्यावती वृतिवादी शिक्षा मनोविज्ञान बदलपुर प्र ग २७४

—तंया प्रन्य गृह-ध्यवस्था एव विज्ञान दि पु स ६५० महिलक, जगदीरानारायण भागमन तकंशास्त्र मा भवन

ሂ ሂ º निगमन तकेशास्त्र मा भवन ७५० हिंदू नीतिशास्त्र मा भवन ३ ०० मस्त दे चतुर्वेदी, देवीदयान 'मस्त' मस्तनाय मस्तनाय चरित्र देहाती ४०० महता, पी एम वैद्यकीय सुभाषिताविल श्रीरावा २ ०० बहतो, बलिराम 'हरिनेरा' दो चित्र एम एल बुक १०० महतो, वालेराम भविष्यवाणी नववुग ग्रथागार २०० क महर्षि, श्रीकान्ह मरू मयक कि घर, जो २०० का

महाजन कृष्णा दे महाजन यशपाल महाजन यशपास तथा कृष्णा महाजन, सपा बृहद् हिंदी प्रथ-सची भाग्र नि ३६००

महापात्र दिलीपकुमार धमपद का कीणार्क निर्माण लोक-चेतना १५० महाबोर मीमासक, रामप्रसाद दिस्पित हरपाणा • ७५ महास्थिवर, भदत ही भासन बुद्ध की देन महाबोधि २००

बुद्ध बचनामुख महाबोधि १२५ महास्थिवर, भदत बोधानद पदशीस और बुढ बदना महा-बोधि ०१३

भगवान गौतमबुद्ध महाबोधि १५० महीपॉबह, १६३०- जजाते के उल्लू तथा प्रत्य कहानिया हिंभवन ३०० युरु गोविदसिंह उमेश ४०० जी

महेंद्र, रामचरण, १६१६- प्रतिनिधि एकाकीकार सा सदन, दे ६ ८० सस्कृति की धरोहर अर्रावद प्र मृ २२५ ए

हिंदी एकाकी सरस्व पु स ४ ४० -सवा राजस्थान के गढ बाध्यवार राज सा प्रका ६०० राजस्थान के नाटककार राज सा मना ५७५ ए -स्या यादवेंद्र शर्मा 'बद्र', स्था राजस्थान के कहानीकार,

हिंदी राज सा प्रका ६०० महेदनाथ सूर्य रेत भीर गुनाह एमके ३०० स महेदप्रताप, १६३१- ब्वात मामद प्र- ५०० का स्कृतिय सानवन्न ४०० वा महेंद्रप्रसाद सिंह लोर प्रसासन भा भवन १००० महेचा, मागीलाल राजस्थान के राजपूत कि घर, जो ४००

महेरा दे बाहेरवरी सिंह 'महरा' महेराचद मूल्ये शीर पूजी हि समि ६०० —तथा रामनारायण नोहकर भारत ने सहकारिता ग्रादोलन रा बेनीप्रसाद २००

महेसभद्र ददंसो गया हि प्र र ३ ४० उ महेरवरी, एव पी भाषिक विचारधाराधा का इतिहास सरत मध्ययन राषहस प्र म ६२५

लोक प्रयंशास्त्र सरल प्रध्यपन राजहस प्र म ७ ५० लोकविता सरल भध्यपन राजहस प्र म ६२५ महेसदास राव विन्हेरासी राज प्राच्यविषा ना मानवे, प्रमाकर, १६६७- एक तारा हि प्रचा पु (पा)

एशिया का साहित्य कृष्णा व. माठीवाले, द व , १९२६- डिविंदु वर्गीकरण घारमाराम

मायुर, एस एस सरल शिक्षा मनोविज्ञान विनाद

मायुर, कवर बहादुर कवर एकादछी धम्ल २००, क

मापुर िरिजातुमार १६१६ नयी कविता सीमाए घोर समावताए प्रक्षेत ६००

मायुर जगमोहनतान सफीका वे राष्ट्रीय नेता नवभारती २५० लोक स २००

र १० साक स २०० मायुर बकुं ठनाय समाजनास्त्रीय निवध नामा बुक ४४० मायुर एन पी विन्य सम्यता का इतिहास वित्रगुन्त प्र

मायुर दिश्वताय महाय िम्म की समस्याए ६ पील मायर मूर प्रमाद योर घुन्यतामिनी हिरानाम कला २ ५० —मरा कवि तोष मोर सुधानिधि ना प्र समा मायुर हरस्वकृप भारतीय साधना मोर संत सुबसी सा

मि हा २००० माधव दे कृत्यनाराज्यतमार माधव माधव दे मित्र भृवनेत्वरतीय माधव माधव प्राचाय माधुवद प्रकाण चीखवा १२१० माधवन मानण्यकर १९१५ खब्र केपस अवरायित

५०० नि
विज्ञासम् प्रमण्डिति ७०० का
देशस्यका प्रमण्डिति ७००
प्रवम गाम प्रमण्डिति ६००
प्रवम गाम प्रमण्डिति ६००
प्रवस वेदना प्रमण्डिति १६०० ख
प्रमुन्यस्य प्रमण्डिति २०० क
वर्षे प्रमण्डिति ८००

मानकदर रामपुरिया १६३४ जन्बोधन विजाधार २५० का मानप्या के बी समराईका साइ नेपनल २५० क

चित्रकृट नेपानल ३०० माम सबरसेट सबय अनु रामचढ़ तिवारी राजपास ६००

मामोशिया अतुभन भारत ना बार्विक भूगोन वर्गाप्रसाद

मामोरिया नी वो कोमापरेगन कन्युनिनी हवनेपकेट एड विसन पनायन इन इतियो कि महस ६००

पारसम् वेस्मा इञ्जू समरीही सबन्यवस्था सारमाराम ७ ४०

मारिस एटिता हिरोटिमा के फून बनु मोहन शकेर राज | कमन ३५० उ

मारुद्ध सहस्र भीर नुमं धारा एवं नवा सा थं ४०० व मार्टिना निस्टर सत बनड प्रभात तुकः १ रथ औ माइन स्वर १६५० ११२४ प्रथना लग्न वसे मराण

नुवोध या (शा) १०० माने पात्रनी पहुंचारित मुबोध या (शा) १०० माने पाद्रनातो मुबोध या (शा) १०० पात्र क्या नहीं कर करते ? मुबोध या (शा) १०० उने बाबो भागिर या (शा) १०० वित्ता मुक्त कर्ष हा? मुबोध या (शा) १०० बो बाह को क्यो यार्थ ? मुबोध या (शा) १००

हसत हमत व के बियें 7 मुबीध पा (पा) १००

नयी कविता सीमाए धौर मास्वर्गणया दश्तसुस्त्रभाई घायम युग वा जैन दान समित

५०० मालविका विद्यावती भादस बीद महिलायें महाबोधि

मामना महावीयि ० ३७ का नारी हृदय महावीयि १ १० पूर्णिया महावीयि ० ६० का बुद्ध विराज्यको महावीचि ० ७१ मनवान बुद्ध हि प्रना पु ३ ५० ची

हिंदी माहिय पर बौद्ध धन ना प्रभाव हि प्रचा पु २००० मालबीय मदनभाहन १-६१ ११४६ महामना श्री पढित मन्त्रमोहनश्री मालबीय के तक झौर प्राप्ता सन्तन बासु नेवारण मा १ प्रजित मा जम्मती समारीह समिति

नावी हिन्नु विश्वविद्यालय बाराणधी
सम्बद्धीय नवस्पीयर दावरा चिनस्य ५००
सम्बद्धीय हरियोहत स्वद गीत हिं सा सम्मे
सम्बद्धीय हरियोहत र प्रायत सम्बद्धीय हरियोहत र नाजदर हिन सम्बद्धीय हरियोहत र नोजहाण निय सम्बद्धीय हरियोहत र नोजहाण निय समुख रखा रही धाराह हो स्वताबत धारमार्थम ६००

ना छोटे प्रात्मी की बडी वहानी राजवमल जी माहेश्वरी द्वारिकाप्रसात १९१६ ीक्षा में बस्तोदोग पू

स वा २५०

तून की सज रा देवीमाध्य ३५० का माहन्वरी श्रीराय दे शवक्षो समेरेशर माहन्वरी श्रीहर वहन बीज घीर घण महेग प्र २२४ विदारीयिक चिगीपर पहना प्यार राजक्तम २२४ क विदारीयिक चिगीपर पहना प्यार राजक्तम २२४ क विदारीयिक चिगीपर पहना प्यार धीर बार्थिक विकास

सामाराम ५५० बिस्टू हरिकृत्ण तथा स्था स्था हिगाचल वे सीक गीत विन्यक जोव मन्यक विभाग हिम चल प्रदेग गिमला

निन्तेत्र तीश सम्पन्न विभाग हिम चल प्रदेग निमला ४ ३०० मिलन एम मी खबगास्थ के सिद्धांत सरल सम्पन्न पान

नता पुराता था पर तरा गायकाता गरण सम्पर्धा ह हम प्रज्ञ था था था आर्थिक विकार का इतिहास नवपुग ना सु आर ६०० एडवास्ट दसानामिक व्योगी श्री भामोझा

ण्डबाहर मोनीन्त्री इकाशीम्त्रण क्यान वु स कृषि प्रधानक पोरियञ्च परिन सामीम एव स्क्रीन्ट्स प्रधानक पोरियाटन पिन भारत का मा विक विकास पोरियालम पि १२ ४० भारत में मार्गिक निवोक्त एव राष्ट्रीय माय स्वार मा म

 मित्तल, जे के दे मित्तल, सी के भित्तल, नेमिशरण अतर्राष्ट्रीय सबध राज्हस प्र म ७ ५० नागरिक भाष्त्र के मूल सिद्धात सशो स ६ राजहेस प्र

प्रमुख राजनीतिक विचारक राजहस प्र म ५०० से ७ ६० भारतीय लोहजावन घीर शासन व्यवस्था सवी स

राज्हसम्म म ५००

राजनीतिक विचारी का इतिहास सरल घटनवन मा १ ? राजहस्य म

मितल, महेंद्र मगलमूत्र भा सा म ५०० ड भित्तन, सतीशबद दे स्थायी, बहाबीर्शनह

मिलल सी के तथा जे के भिताब प्रमुख राजनीतिक

विचारक सरल मध्ययन राज्रह्य प्र म ३०० से ४ ५० मिलल, भूरेंद्र समाज और राज्य भारतीय विचार हिंदु

एकेडेमो

मित्र दे रघुवीरशरण 'मित्र

मित्र प्रजय शास्त्री द मिराशी, वासुदेव विष्णु मित्र, शमित दे मित्र, शम

मित्र, नर्द्धनाय महानगर बनु गुणवनसिंह क्यांनी म नना 3003

मित्र बिमल, १९१२- खरीदी वीडियो के मोल २ ल

घारमाराम ४२ ४० उ मित्र, शम् तया ग्रमित मित्र काचन रा नेसनस ३०० मित्रा, उपादेवी सोहिनी नेशनल ४०० उ

मित्रा, रवीदनाय भारत का राष्ट्रीय बाशनन तथा नावै

घानिक विकास सोकमारती १२०० निराणी, बास्देव विष्णु १६६३ वाकाटव राजवंदा की

इतिहास तया प्रमिलेख प्रनु यज्ञ वित्र दास्त्री तारा मिलिस दे जगन्नायश्रमाद मिलिस

निध साहित्यालाचन शिद्धान बगोव प्र २ १० सिद्धात कीमुद्दी स प्राप्या मानीनान

मिश्र, प्रवयिवहारी भारत म मुद्रा और वैश्विन का विकास हिंसमि ४००

भित्रं मानद, १२३४ भागा की सनी जक्तपुर प्र गृ

४ ०० शहरा प्रियदर्शी कैनाश पू स का

मिश्र, उप्रनारायण, १६२७ तथा धाय सपा सनुबध भा १ ज्ञानोदय ५ ०० का

मित्र, उपेंद्र, सपा वादवरी वयाम्यम रा वे प्रियद

Y-20 मिथ, उमेप प्रथनिवादी काव्य ग्राचम रैं ००० भारतीय दशन सभी स 🏻 हि समि

मिथ, एम एस द राठी, एन एस मिश्र कुरणिहरारी तथा ग्रजिस्तीर निश्र सप। यनिगम

ग्रयावली ना प्रसमा ⊂०० मिश्र केदारनाष 'प्रमात', १६०७- समुद्यत राष्ट्र वि

पत्ति १५० का

मिश्र केशवप्रसाद कोहबर की शबं राजकनन ५०० छ.

मिश्र, मगाधर भारतीय काव्य में छायादाद पुर्स, दी

২ ২০ মা तस्वीरें भीर साथे सा भवन, मिय, गगात्रसाद, १६१७

मिश्र चढ़शेखर, १६२६- नुमर्सिह स्वाति प्र १०००

देश के सच्चे सपूत मा १-३ हि प्रचापुमा १ १००. भार ११६, सा३ १२५ वप्र

मिय, जवदीयदिहारी अग्रेजी साहित्य का इतिहास हि

नियः, जय नागप्रसाद जाति का देवता क्वरसिंह सन्मार्ग

११० वज

काति का देवता चढ्रशेखर ग्राजाक सन्मार्ग १५० वप्र कानि का देवता सरदार मगतसिंह सन्मार्ग १५० वप्र साहित्य की भाषनिक प्रवृत्तियाँ प्रथमाला ३०० मिश्र, जयमत काव्यात्म मीमासा चौसवा १६०० मिय जवशकरनाच सरोज, १६२३- करवना सरोज प्र

भिन्न, दुर्गाञ्चकर अनुभृति और अध्ययन नवस्य प्रयागार

कहानी क्ला की भाषार शिलाए नवपुन प्रधानार 620

वामना (प्रसाद) एक बध्यपन हिंसा म २४० गीनिका (निराला) एक अध्ययन हि सा म ३ ४० प्रसाद की काश्य प्रतिभा वदयुग प्रथानार ६०० भक्ति काध्य के मूल स्वोत सबद्ग प्रधानार ५७५ रससान ना धमर काव्य नवयुष स पारा " २०० विचार बीविका नवसूप प्रस्तार ४०० सेनायनि धीर उनका का य सबयुग प्रवासार ३ ५० —सवा प्रभात के प्रमून क्षयुग प्रयोगाः ८५० र मिश्र नरद्र रुठी रानी तरविकी ३५ उ

मिध नरेग सहाहि की बेटी तक्षिणी - २/ ज मिश्र नवसविहारी १६०० सातास का राक्षम हि प्रचा प (पा) १००

मिथ प्रकाशनारायण एश्विषा रामप्रसाद ६ - ५

पृथ्वी की परिक्रमा रायप्रसाद भा. १. ० ६१ मा २ ११४, मा ३ १०२

ह बर सेकड़ी भूगोल भा १ स. ३ रामप्रमाद ४०० विश्व बट्टकदव शालकी यति प्रयमात्रा ३०० क मिश्र, बनेवारीनाच सुपन दत्याकोदिबनो सुमन प्र ५०० का मिख व वृतास निवय सीरभ चौसदा १२५

निय भगवनप्रत सन टाटू धोर उनहां का प दिनेण प्र बू मिथ मनवनस्वरूप, १६२०- तथा विरवसर ग्रहण पुर नी साहित्य साधना चिवलाल १०००

मिथ, अगवतीगरण, १६३१- वैरता हमा नाज राज प्र २०० व,

मिश्र, मगौरव, १११४- नाव्यदाम्य गयो स : शिव-

विद्यालय १०.००

-तया राजनारायण मौयं, सपा- सत नामदेव की हिंदी पदावली पूना विश्व १५००

-तथा रामचंद्र तिवारी साहित्य निकय विश्वविद्यानय

मिश्र, भुवनेश्वरनाय 'माधव' जीवन के चार अध्याव सोकगारती ७०० सस्म

मिथ्र, मवनेदवरनाय माधव, १६१२ सीरा की श्रेम-साधना सज्ञो स राजकमल १०००

—तथा विक्रमादित्य मिथ्र सपा कहाबत-कोश बि राष्ट्र

मिथ, मदनमोहन ल भुराहो को ग्रमर ज्याति कि महल सरहत का रगस्थ र कि महल

भिध्न, मायानद माटी के लोग-सोने की नैया राजकमल उ मिश्र मिसना पूर्वी एशिया ना ब्राधुनिक इतिहास ख १ हिंसीम ८५०

मिथ्र मृ यु जयप्रसाद स्वानीय शासन भा भवन 20 00

मिश्र रनाकात जीवन के मोड नवयुग बयागार ४ ५० मिथ रमेश 'ब्रजात' हिंदी भाषा का इतिहास ब्रग्नोक प्र

पानी विच मीन पियासी नेदानल मित्र, राघवेंद्र, १६२७

मिथ, राजेंद्रकुमार बाधुनिक हिंदी काव्य सबम २००० मिश्र रामगापाल रूपको की भाषा हि सा सम्म ३०० मिश्र, रामगोपाल दे उपाध्याय रामशी मिश्र, रामचद्र शादनरी (उत्तर भाग) चीलवा १०८०

मिश्र रामदरण १६२४ एतिहासिक वर्षासकार ब्दानलाल वर्मा एत चद ३ ५० वैरंग बेनाम चिन्ठिया ग्राह्मा प्र २५० का

हिंदी का भाराचनात्मक इतिहास बोतीतात ६०० मिश्र, रामनागायण तथा गुवंनारायण मिश्र विश्व का ब्बापारिक भूगान भूगोन २००

—सपा दगदगन पुस्तकसाला १ लहा २ इसक ३ पिनिस्तीन भूगोन

भारतक्य का भूगोत भूगोत ३००

मित्र रामप्रसाद खडी यात्री बिवता म विरह बचन सरस्व

9 # 14 00 दर्ग, दिल्ली भीर भहम् अनिल प्र म ४०० वा बौदिव रस धनिल प्रम का

मिय, रामप्रिय 'सारपुद्धा' बाल सर्प मा भवन ०७%

मिय, राममंबर १६४१- नयी विता सस्वार और शिल्प सामी ५००

मिय, रामणकर द परशाई, हरिशकर मित्र रामानवर नागरिक सुरुता सोकप्रिय प्राविश्व सहायता भारमाराम २५० मिया, सहमीनागायण नारी का रंग हि प्रचा प है ०० ना

स्वर्गमे विप्तव हि प्रचापु ३०० ना मिय, लोक्मणि दे लोक्मणि मिथ मिथ, विज्ञमादित्य द मिथ्र, भूबनेश्वरनाथ 'माधव' मिथ्र, विद्यानिवास, १६२६- भेन सिल पहचाई राजकमल ५०० नि

—व्या धमस्वदातक राजकमल २ ५० घा सिध विद्यावती १६१८- यग दीणा सपा शिवशवर मिध

मिश्र विश्वनाय भटके राही नवयग प्र ६०० उ हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रमाव लोकभारती १६०० निधा विश्वनाषप्रसाद नीला कठ, उजले बोल बाबी वितान

बिय, विश्वनाथप्रसाद दे तुससीदास मिध्य बीर्रेंद्र गीतम विष्याचल २ ५० मिस बैद्यनाय दे नागार्जुन (बैद्यनाय मिस्र). निय, राभुनाय १६३६- स्वप्नविद्व ग्राभिज्ञान ३०० विद्य, शिवकुमार आधुनिक वृदिक्षा भीर युग दृष्टि विधा

म, वा १००० प्रगतिवाद राजकमस ५०० बालबीरो के बेल प्रमात पब्लि १२५ दप्र

हिंदी निवध संशी स ६ नारायण बुक एव प्रवीर मित्र, रिक्योपाल सपा मृगावती (बूत्यन) हि सा सम्मे

मिथ, जिब्दाकर धार्यन के फूल प्रभात परिल १२८ ना बस्ती हरी भारी प्रभात पब्लि १ ५ ना -सपा तुनशी साहित्य दशन तुनशी स्मारक एव प्रभात

पब्लि ४०० नि विथ, शिवदाकरसास मन के गीत सभिताभ, त का विश्र, शिवशसर सोपश्वरकत मानसीस्तास पीएका मिश्र शिवसागर, ११२७ व सहँग हजार सान राहा विद्य, स्थान जायसी भीर उन्तरा मान्य प्रशाह प्र बिश्र, स्वामभुदर हिंदुम्तान की भांकी शावेस १०० मा विश्व द्यामाचरण समाजवादी बमा नवमारती (००

विश्र, सत्यवारायण जीती जागती यहातिया मस्बार विश्व सुरेंद्रनाथ विरागामृति योग गाध्य कल्याणदास 840

मिध, सूर्वनारायण द विध, रामनागवण विथ, सुवेबारायण 'शरत , १६२७- उपासना जार सूर्य जागरण वे स्वर ज्ञान गृय एव सर्वी ननगार २०० मा । मनुरान वीधरती ज्ञान मूर्वे उ

माधना में स्वर ज्ञान-मय ना विश्ववध् द दवदत्त विधा धार ने द धवनार गग गी विद्या, वे समिनव न्दि। निर्म जबनपुर प्र. ग. १२५

मिया, शारदा रवमजरी नववृत्र प्रवासार १७ प्रना मिन्त्री, सहमीत्रमाद 'रमा वागुरार क्षत्रिय वरा दिवागर हि सादित्यामय ०५०

थी 'रमा' भीर उनका काव्य हि गाहियासय ० ७४

मीतल, प्रमुखात, १६०२- बब का सास्कृतिक इतिहास राजकमत १२०० मीतल, मुनावाल, १६१४- भारतीय शिक्षा की समस्याए राका विक मीमासक दे महाबीर भीमासक मीमासक दे महाविद्य भीमासक

मोराबाई मोरा पदावनी सपा बरसानेलास चतुर्वेदी सा सगम, म मोराबाई की पदावती सपा पण्छराम चतुर्वेदी स १वे

हि सा सम्मे ५०० मुती, करहैयाताल गाणिकचढ, १०८७० वसी की युन राज-

बमल ७०० उ सोपामुद्रा सुबोय पा (पा) १०० मुशीबाल समाजदास्य मोतीबाल १००

मुंबद, लांलता थी गृह परिचर्या तया प्राथमिक उपवार विदा प्रभवन मुक्द सिंह स्वतनता सम्राम के विस्मृत पृथ्ठ वय नि , दि

३०० मुक्जी, बार एन तथा जी के अग्रवाल भारतीय सामाजिक

सगठन स ने प्रकाश बुद २५० समाजग्राम की रूपरेका स २ प्रकाश बुक ३५० सकर्जी, मार के बयोक मोठीलाल

हिंद मोतीवाल मुकर्जी, रवीद्रनाम भारतीय जनता तथा संस्थाएं संसी एव परि स ३ सरस्व स

मुकर्जी, राधातमल भारत की संस्कृति मौर कला राजपाल १२००

मुकर्जी, श्रीघरनाय १६०६ ११८२भाषा नी शिक्षा स २ बालार्थं कुक ८०० मुक्तरस्वर मानव सारीर रचना मोतीलाल मुक्तिकोस, गजानन मामव, १११७-१८६४ एव माहिरियक

भी हानदी सा र भा सानतीठ २५० कामामारी एवं पूर्वविकार पूर्वविकार प्रतिकारीत इंद ४०० चाद का मुद्द देखें है या जानदीठ १००० का नदी करिया का पारनस्था येथा सम्य निवय विश्वसारतीथ्र भारत हर्षिद्दांस भीर सङ्ग्रीत जवसमूद य मृ १४० मूनदी, एस एवं मासीनिंग स्वाक्षन गास्त्र स्था ख

राबहस प्र.म. १२५ मुखर्जी, राषाकुमुद प्राचीन नारतीय दिला मोतीसाल सुबतर दे बातकृष्ण 'मुखरर'

मुजतर दे बालकृष्ण 'मुजतर' मुनेश्वरप्रसाद प्रविशिक्ष मा भवन था १ ३००, २,३ ४५० (४)

प्रवेशिका समाज प्रध्ययन मा भवन मा १३००, मा २३४०, भा३४००

मुरतीयर मिह विहारी रोहावची देहाती ० ७५ रसवान रोहावती देहाती ० ७५ मुरती मनोहर कुछ विचार चुछ समीगाय नवसुन दवासार ४४०

मुरलीमनोहरप्रसाद सिंह प्रसंकार ग्रीमांछा भा भवन ६०० मुते, गुणाकर महान बैदानिक राजकमत ३०० जी मुद्दर, जान, १८१०-१८८२ मृत संस्कृत उद्धरण मनु तथा संपा रामकुमार राय चौसवा भा १-३ ६०००, भा

बूर, विदेश पृथ्वी को कच्यो कहानी नेशनत ३०० बूर, एवं धमन जीवन को बुढ़तो पात्माराम ७५० बुत्वर प्राचेच नामदाय या विद्या म ४०० बरदेशी को घोरडी स्वास्थ्य वरिता १०० पणमब छद या विद्या म ४००? ब्रिवे वर्षा व्याय स्वास्थ्य करिता १००

मुर्गेदेशताप सिंह इल्फी जमशेदपुर भीजपुरी १०० का

भेषाधी स्वेदचर, १८६७ १६४७ मानवना के दीये सस्ता ११० भेषाबत, मुनि, टीका छव चास्त्र हत्याणा २५० मेनारिया, पुरपोत्तमसास रे सावाजी मुखा नेनारिया, मोतीसास, सपा राजस्थान में हिंसी के हस्तीसीसत क्यों की स्वीत मा १ सा सस्यान, राज. ३०० (स्त्रा)

मरी, मार्थेरेट प्रेम कथा अनु रेमीशील साह प्रभात दुन २०० जी मेहता, नोर्धाहह भावितिवासी भील सा सस्मान, राज २ ५० मेहता, नरेस, १९२४- बूबते मस्तूल साधना सदन ४००

मेहता, रतनतान, सपा मालवी कहावर्ते भा १ सा सस्यान, राज २०० (अग्रा) मेहताब, हरेकृष्ण प्रतिभा हि प्रचापु (पा) १००

महरोता, प्रस के तथा धन्य भीतिकी परिषय सं २ राजीव, मे १ ५० महरोता, पी सी तथा चैतनस्वरूप सर्मा हाई स्कूल स्मृति चित्रण राजीत, मे ० ३५

मेहरीजा, बलदेवज्ञवाह रिसी प्रयोग भी प्रस्मोदा ४५० मैक्टोमेन वैदिक व्याहरण प्रत्यु सत्यवन मोतीसात मेहेबी, दे भूक समयन दर्गन को रुपरेता राजस्मन ७०० मैक्सपुतर प्रयोग बस्तत साहित्य का इतिहास कि महत्त हम बारत से क्या सीलें प्रारों हिं, २००० मैटिन राजनीति चित्रत का दीनहास सम्भी सा १५००

मैना, बनिननह वपु मा प्रियतमा पारितात प्र , सा उ मैच्युन, हेंडर नाटक साहित्य का प्रध्ययन धातमाराम ७ ५० भैनी दे चर्मपाल मेनी मोदी, दीपरिक्ता, सपा भैपभीयचरितमा रा बनीप्रसार मोदी, प्रीयास नहार मेर्ट्यास स्वयानार स्वयानार कि

भोदी श्रीनाच तथा घीरवमन बच्छावत गुम गीत हि घर, वो ११० मोपासा एन भोरत की विदयी हिर पा (पा) २०० उ

| मोहन दे नाप, पी 'मोहन' मोहन रानेश माईने के सामने धगर ४५० | मुहाधिन हिंद था १०० क

मोहन रानेश दे नालिशस मोहन रानेश दे मास्सि, एदिता मोहनलाल बडा मनिय सागर देहाती ४०० मारवाडी गीत संबह देहाती ४५० सोदन कला दिवार्थी कि घर जो २ ५० मोहनताल गास्त्री तथा नायुसान व्यास सवा पृथ्वीराजरासी की विवेचना मा सस्यान राज १५००

मोहनसिंह सवा पथ्वीराजरासा ४ मा सा सस्यान राज १००० (प्र) भा १ वप्रा

प्राचीन राजस्थानी गीत भा ३ ४ ७ ६ सा संस्थान. राज मा ३ २ ४० मा ४ २ ७५ मा 🖩 २ ७५

भा ह २ ३४ तमा सावलदास प्राधिया सथा प्राचीन राजस्यानी गाँत भा १०१२ सा सस्यान शज २७५ (अ) मोहना सिंह महाबरे कहावन हि निभव ०५०

सीरप्त हिंदी व्याकरण हि निभक ०५० मोहसिन एस एम प्रारमिक मनोवित्रान लोकभारती 400 भौटफोड लुइस ॥ सच्ची भरित प्रभात ब्र्क २ ५०

मौध राजनारायण ? मिश्र भगीरव

य

यतींद्रनाय राही, १६२६ तथा राजा भैवा सपा सासो के स्वर प्रतिभापरि यगपात १६०३ भ्रष्यराकाश्राय विध्वव ४०० उ मच्चर ग्रीर शादमी विकास ३०० व तारा हिद पा (पा) १०० उ दिव्या हिंद या (पा) २०० उ पार्नी बामरेड स ४ विध्लव ३०० उ बारह घरे विकास १ १० उ बारह घट हिंद पा (पा) १०० यगराल हा गिम्यानन विश्लंड ३०० यापाल वालीयां भ्रष्यी सुबह निराला सा स ३०० उ याजिक भवानीपार गरा रमका वस्तान वस्तावली हि सा सम्म यादव ए एम तथा एम मी बादव भारत की सब्जिबा कैतान पूस

गस्य विचान बैलाग पु स यान्य जगरीन संभग्नी रूप भा भवत ३०० यादव क्षी एम मास्यिती मिद्धान एवं व्यवहार अरेप धध्ययन राजन्म प्राप्त ६२५

यादव राजेंद्र १६-१- एक दुनिया समानातर प्रश्रर ₹0 00

 सपा कमसन्दर की श्रष्ट कलाजियां राजपास २ १० नये बहातीबार राजपात

फ्लीन्दरनाय रेण अन्द्र कर्जानयां राजपात २ ३० राजेंद्र यान्य थेटड बहानिया राजशास ४ १० यादव, रामप्रसाद विद्यालय व्यवस्था चीराम महरा

यास्क निष्टत्त माध्य ग्राचाय विश्वेश्वर नानमङ्ग १६०० युगजात नवलपुरी दे जोगी, गिवरुमार युधिष्ठिर मीमासक १६ ६ वानहत्स्न व्यानरणम मा

प्राच्य ४०० दैवम् पुरुषकार कार्तिकोयेतम भा प्राच्य ६०० वैदिक वाडमय म प्रयुक्त विविध स्वराहन प्रकार भा

प्राच्य १५० काशनुस्त धात् व्यास्यानमं भा प्राच्य १००० —सपा मागवत्ति सक्लनम भा प्राच्य ३०० युधिष्ठिर सीमांस्कद वरशीव योगानद परमहस स्वामी (ब्राल् वाले बाबा) गया चर्पट

पर्जारका स २ वेदात नेसरी १/40 योगी दे शुत्रम भगीरय 'योगी योगी दे सत्यभूषण योगी बोगेंडबीत भाई कमाध्यापन पाठ सके निर्माण एव विनिष्ठ

विधिया विनोद ५०० चौधिक एव विद्यालय प्रशासन विनाद ६०० हिंदी भाषा शिक्षण सनो तवा परि स ४ विनोद

योगेव घटन बादिवासी भारत नवा स्थानावरण हुवे राज क्षमस ३००

योगेस्वरतद सरस्वती स्वामी बहा विभान योग नि 1800

यौधेय दे समयहमार यौवय रगनायकी पृथ्वी नी कहानी रा बनीप्रमाद १५० रगबास सरेग दिनकर बीर उपना कवि व प्रपुत श्री भेरूरतन सवा जननायत जवाहरलात नेहरू मूर्य प्र

रवादाय प्राद्य सुतो जनमनय प्रतु मभीषद्र जैन नेपानल

रघुनाधत्रसाद, सपा हिल्ल भीर काशि भात्र महल १०० र्घन चनिह नागरिय गास्त्र व सिद्धान ग्रीर भारतीय सविधान ज्ञानालोक - ५०

रधनाथमिह १६१६ नेश्रम जो का महाप्रस्यान नेपनन

रचबीरसिंह पुत्र बाधिक राजस्यान मा सस्यान राज

रधुवगदयाल सावन सावन की बना नवयुग प्रवागार 3 37 3 रघुव ी राजेंद्र ८० क बीर जवान विनोद

रघवनी बीरेंग्सिंह भारत की बढ़ाम पद्भित प्रमुख रचेश्वीरपरण मवाड गौरव गाया नहानी ३०० रषुवीरणस्य मित्र', १६१६ द्यादो भर्ने द्यादो गार्वे भा साप्र २०० बप्र

योग के या मुभा साथ ६०० उ कर मना हो मना भा भा भ १४० वप्र तप्रवातक रूप वे जाल भागा प्र ३०० उ

दिन रोगा रात हथी भा सा प्र ३ ४० उ

प्यास और दोले. भासा प्र. ३०० स. भारत गौरव भा सा प्र २.०० बप्र. मानवेंद्रभागात्र २५०० महाका रपुर्वीरसिंह, १६०६- दोष स्मृतिया ना. प्र. समा. रजनीक दे शर्मा, गोविंद रजनीक'. रजिया मृत्वाना रजिया का शाही दस्तर खाह देशती-

रणजीत, १६३७ में सपने, ये प्रेत नवयुग प्र कु ४००

रणदिवे, एम. बी. युग युग की बहानी सन्नी स २ विविध

१ २५ दब्र रणदेव, सरवपास तथा महेंदशताय यापर, सवा गद्यकार

बाण पजाब प्रादेशिक एवं मा सरवत ६००

रणपतिया सहमगतिह दे चौहान, भारमाराम रित मानु सिंह 'नाहर दिल्ली चल्तनव कि बहल

भारतवर्षका इतिहास-कि महल ६००

रतीराम शास्त्री भरवर बीरबल विनोद देहाती. ० ५० क. बापू राष्ट्रीय जन्नी देहाती. १ १० ब्यापार सर्घ मानंग्ड १०.००

शिवमहापुराण देहाती १४ ०० श्री बापू राष्ट्रीय जन्नी देहाती ०६०

रत्ही, बीरेंद्रमोहन हमारे बहादर जनान जमेश-हमारे बहादूर हवा राज उमेश रसा, हरिचद स्टीम लोकोगाइड. बारमाराम १५-००

रतन दे बलबीरसिंह रान रलप्रशास 'सीत . फरींचर दिवाइन बुक देहाती १२.००

सिनेमा मधीन मापरेटर दहाती १२.०० हिंदी इगिलदा दामर, दहाती ३००

हिंदी इगतिश बोलवास देहाती ३०० हिंदी इमिल्झ लेटर सहींटम. देहानी ३ ००

रनवीर सिंह तथा दयारान दानी साद एव उनेरक एशियन. रसई बाका दे त्रिवेदा, चत्रभूषण रसई काका ै. रमण बिहार में जिला परिपद ग्रापिनियमावली पहजा

200 रमा दे भिस्त्री, शब्मिप्रसाद रमा रमेरायद हिंदी साहित्य का मिक्षण इतिहास मुखरी- ०-७१ रमेशबद विवय झाजिस्टर माइड दहाती २० १०

प्रकटीक्स ट्राजिस्टर सकिट्स देहाती ७ ६० रेडियो की प्रथम पुस्तक देहाती प्रथम पुस्तक ४ ५०, दितीय पुस्तन ४ १०, तूनीय पुस्तक. ४ १०; चनुप पुन्तव ४ १०, प्रथम पुस्तक ४ ६०

रेडियो सर्विसिंग हि समिन्द ५० मोबस ट्राजिस्टर देहाती ४ % रमेगचढ शास्त्री. भारत में पचायती राज. कृष्ण व.

रमेशवद्र 'सबल'. सुधिया शेष रह गयी. दिवाकर प्र. १.०० €1.

त्र म. ६.००

भारतीय संस्कृति का इतिहास : सरल प्रध्यमन, राजहस मध्यकासीन भारत (१०००-१७६१). स. २. राजहस घ. य. १०,००

राजहस्य प्र. म ६०० भारतीय सविधान : सरल ब्रध्ययन राजहस प्र. म

भारतीय सर्विधान तथा राष्ट्रीय भारीलन : सरल भध्यपन.

भारत का इतिहास (पूर्व ऐतिहासिक काल से भव तक). राबहरा प्रम ६२५

११२६ तक ६ ४०, १४२६ से घव तक. ७.४०, प्रारम से १७०७ तक ८.००, १७०७ से प्रव तक ४.५०

प्रम ४०० से ६.५० भारत का इतिहास संशों स ७. राजहस प्र. ल प्रार्म से

नागरिकदास्य : सरेन बच्ययन, राजहस प्र म. ४.५० प्रमुख देशो की शासन प्रणालिया : सरल ग्रध्ययन राजहस

राबहस प्रम ४००

श्राधनिक राजनोतिक विवारधाराए : सरत मध्ययन

बायुनिक मारत राजहस प्र स १७०७ से प्रव तक ३ १०, १८०८ से धव तक. ५००

राजहसम म २६४ से ६.२४

रस्तोगी, दगायकाच ब तर्राष्ट्रीय सवध : सरल बच्ययन

सस्त्रत साहित्य मे भौतिकता एव प्रमुहरण. चौलबा

रस्तोगी, उमेशप्रसाद भारति काव्य मे प्रयातरस्यास चौसवा.

प्रम १२५ शासायनिक गणित पर हम हुए प्रश्न. राजहस प्र. मः

विद्यालय रस्तोगी, बार बी रक्षायनशास्त्र मे नयो भीर नैसे. राजहस

रसिक दे रामकृष्णदास रसिक रस्क बार बार महान विश्वा शास्त्रियों के सिद्धात. विश्व-

राजकयस ६०० रसास दे गुक्त, रामशकर 'रसास'

रसलान रसलान-रत्नावती सपा भवानीशकर यातिन हि. रसस, बर्डेंड १८७२- आपेशिकता की मूल सकल्पनाए.

धौर कृतित्व भा सा म १२ ५० हिंदी मक्ति-साहित्य में लोक तत्त्व भा. सा. म १२.५०

रमेश भारती अवेरी बस्तिया नवयूग प्र ५ ००.उ रबीडप्रकाश 'सबरोल' नये निवध हेर्जुरिया वा रवीह भ्रमर, १९३४- हिंदी के ग्राधुनिक वृदि, व्यक्तित्व

निलंब्ज हि. प्रचा पु. (पा.) १०० व रमेश बाई पन्नी का मुक्ट धार्य बुक २०० वप्र

रमेश बौधरी, ए. 'ब्रारिगदूडि', ११२२- चरित्रवान बि. ग्र कु ६.०० उ

मृगप्तकालीन भारत सम्रो स २ राजहस्र प्र म १५२६-राजकवर तथा बन्य चीनी चित्रकता सा नि वा ३५० राजिक्योर भारतीय धर्वशास्त्र सरल प्रध्ययन कमल प्र १७६१ ६०० ४२६१८१८ ८०० राजनीति म विभिन्न बाद सरल अध्ययन राजहस अ भ राजबुशार देश के लिए हिं प्रचाप १५० राजनीति शास्त्र राजहस्य म ७ ५० विद्य के प्रमुख सबियान सरल अध्ययन राजहस प्र म रस्तोगी दयाप्रकात ट गृप्ता एस सी रस्तोती दयाप्रराग दे मामरी चटप्रशाक रस्तोगी फकोरवर सरल प्रकाशनत कि सहल २३६ रस्तामी विनोद १६२३ वसी मछनिया तमेश ३८० ए भगीरच के बेटे या नाराव र ०० नाटिका रस्तीनी, मुलचद तथा माय कृषि जतु विज्ञान राजीव मे रस्तौगी सुधीरचद तथा की एन कुलधे ब्द वैज्ञानिक यण नार्थे राजीव म १२६ रहबर दे हसराज रहवर राका रियभनास धन कमाने की कला सक्कार रागेय रापन १६२३ १६६२ कन तन पुकारू हिंद पा (पा) २०० व काका हि शिशक २०० छ काश्य बला भीर गास्त्र सदो स २ विनोद मापी हिंद पा (पा) १०० उ पूण कला राजसा बका २७% महायात्रा गाया (रैन और चढा) कि सदस १६०० उ राई धौर पवत राजपाल उ राणा भी परनी हिं शिक्षक १ 40 उ रामानुत स २ वि महल ४ ४० विश्व के २० ग्रमर उपायास हिंद पा (पा) २०० तथा मनोहर प्रभावर मेयदूत (राजस्थानी अनुवाद) बस्याणमर २०० — सपा विश्व व २० घमर उपायास हिंद पा (पा) २०० रागेय रायव द कालिदास राप्रा, रणबीर १६२४ साहित्य साधना और सचय भा साम / ०० हमारे प्रेरणा योत एस चाद ३०० --- तथा डा नगेंद्र व्यक्तित्व भीर वृतित्व भा सा म राक्रेण कवि भीर लेखक राजीव म १३% निवध दशन नि घर ग्वा ४०० रावेण दे भारद्वाज द्यांतिलान 'रावण राजेन दे विष्णुन्त रावेन रावेश तर गर्गा विनारे कृष्ण प्रव २ ५० वा रावेश वरम, १६४१० मर्याश इ पब्लि च राधव, रागेय द रागेय रायव राधवदास भवतमास चतुरतास मृत टीवर सहित सपा धगर षद सण्या गप प्राच्चित्रा ६७३

रायबदास महाराज दे बबीर

हाजी पीर का दर्रा हि प्रेचा पुर ०० ना राजगोपालन, एन वी, बन कब राप्तायण स २ वि राष्ट्र राजगोपालन न वी तमिल साहित्य ना नवीन इतिहास ग्राचा प्र राजगोपालन, न वी दे दर्भा अजेरदार राजपन नायर, एम राष्ट्रभाषा शिक्षण हि सा 🛪 🗦 🕫 राजमन्तार पी वी मनोरमा धनु बानशौरि रेड्डी नेरामल २५० ना राजसदमी कानून का ध्यार कल्याणदास क राजवशी झानदरूमार हवियारबद हमले से निहत्ये बचाव इन्टर यूनि १५० राजसिंह कवि जिणदत्त चरित सपा माताप्रसाद गुप्त तथा वस्तुरचद कासलीवाल मनी दि जैन 🖫 क्षेत्र श्री महावीरबी, जवपुर एव जैन सा ५०० राजा भंवा दे वतीह्रनाय 'राही राजाराम बास्त्री, १६०४- मोड् फिरी लोक सच ३०० समाज विद्यान सिद्धात धौर प्रयोग सही स प्र विभाग राजीवदयन प्रसाद मानव सभ्यतर का दिशास भा भवन राजु पी टी बौद्ध विज्ञानवाद भववा बौद्ध दशन तथा उसका विकास मोतीलाल १५० राजेंद्र घष्यक्ष कीन हो सा केंद्र, दि ३ ५० उ राजेंद्रकृमार जदी पैमाइश चोव (मोल लरुडी) देहाती \$ 00 जत्री पैमाइस चीव (चिरी सकडी) देहाती ३०० राजेंद्रदुमार राजेग तथा थीकात भा तीन मुटठी धूप सपा राबिन शौ पूर्ण ज्ञानीदय राजेंद्रपाल जिल्लामु १६३१ बीर स बाती थी स्वामी सर्वानद जी दवानद मठ, दीना नगर (पजात) ४०० राजेंद्रपास सिंह १६३२ अनुसमान की रूपरेला गयाप्रसाद मटमैंने पृथ्ठ राज्यधी २ ५० उ राजेंद्रप्रसाद चपारन म महात्मा गांधी परि ॥ वि राष्ट्र — तया रामा वाल सामान्य विज्ञान भा १ रामप्रसाद राजद्रप्रसाद सिंह सजीवन वहा ? वेनीपुरी ३ ५० वा राजेंद्र मितन नाच वे तन मोम के मन समानांतर २५० नागपनी भीर घुषाँ प्रयति प्र १०० उ नागपनी भौर धुमा समानः तर २ १०, (पा) १०० उ मिलन के बीत समानादर ३०० का --सपा बयार एक हत्यो-सी समागतर १०० मा.

सतुसन स १ समानाटर ३७५ राजेडींग्रह १६१४ वरषट प्रामी क राजेग वे राजेडजुमार राजेग राजेब्बरगुरु १६१६ जीवन रेशा नेगनल ५०० का

राजेस्वरदेशाल कम्युनिटी डवेलपमेष्ट प्रोग्राम इन इण्डिमा कि महत १२५०

राजेरवरय्या एम र सन्विदानदन जी । राजेरवर्य्या मे तथा प्रधान गुहरत्त 'तिमना धौत्तरेश पिर

हिणो हि साम ४००

राठी एस एस तथा एम एल मिश्र द्रव्य विनिस्नयं तथा चैक प्रया मुरारी ४००

राठोर विजयवहादुरसिंह विजय वामायनी रहस्य इ प्र राधाकृष्ण दे विद्यार्थी गणनगरूर

राषाङ्कला द विद्याया गणनावर राषाङ्कलान् सवपत्सी १८८८ प्राध्य धम भीर पाश्चात्य विभार राजगल

भारतीय दगन चनु नगिंश्योर गोधिल गाउपाल पूर्वीव

२४०० उत्तराध

राधाकृष्ण सिंह सत पनटूदास धीर पनटूपण सूत्र प्र राधाकृतम पदीदय मृक्रस्वत स ३ धवतरि ०२६

प्राकृतिक ज्वर घवतरि ०३७ रक्त घवतरि ०२५

देशों में बंदिक नानू घवतरि ० १६

राधिकारमणप्रसाद सिंह माडन कौन — सन्दर्भीन ? सनोक प्रे १५० उ

माया मिली न राम ग्रानिश १७५ उ रानाव जिल्ला मराठी का उल्कय बोतीसाल १२००

रानी सक्सीहुमारी टावरा की वार्ता (राज भाषा) शव सा मना २२५ (वप्र)

रानी सक्ष्मीकुमारी दे ठाकुर रवीन्नाय राबिन नों पुष्प १६०६ विरती दीवार कापती झास

प्रभात प्र उ

जारी मास्त्रे का सपना हिंद या (वा) १०० छ राबिन द्या पटन की कहानिया नरत बक्ती म ३५० हिंदी की सोक्प्रिय हास्य कविनाए हिंदी वा (वा) १००

राँकित साँ पुष्प दे राजेंद्रतुमार राजेन राम दे नर्मा श्रीराम राम

रामध्यतार वीर डिलाइन घट घिन देहाती ६०० मारवल विष्म ने डिलाइन टेहाती ६०० हैंड वृत्र प्राप्त विश्वित कास्ट्रहोंने देहाती ४१०

रामहिनोर विभिन्ने १६३५ प्रयाण संपातिका २५० स रामकुमार भारतका राजनीतिक इतिहास १७५७ १६६०

संभी सरे हि प्रचा पू रामदुमार ध्यमर १६३६ शिरस्तिन विश्वमारती ना

पबल का घारिया विज्वासरता ना उ घोषाल चर्चा जालपुर प्र गृ १०० पाच विपाही जवलपुर प्र गृ १४० क राज्कुमार शिह्न साधुनिक हिंदी कांन्य माया वसम २४०० बीध
पास्त्राम्य स्वादिक कृष्ण उपास्त्रा देहाती ४४०
दूर्वा उपास्त्रा देहाती ४४०
देशी करता (केले स्कृति) दहाती १४०
वारत्व माह के त्योहार देहाती ४४०
वार्य प्रसादना देहाती ४४०
विषय प्रसादना देहाती ४४०
विषय प्रसादना देहाती ४४०
विषय प्रसादना देहाती ४४०
विषय प्रसादना देहाती ४४०
वृज्ञार प्रसादना देहाती ४४०
हुनुमार उपास्त्रा देहाती ४४०
हुनुमार उपास्त्रा देहाती ४४०
हुनुमार उपास्त्रा देहाती ४४०
प्रसादन व्यव्या प्रसादी ६४०

रामबोपान १९२५ वहिक ब्याकरण भाग १ नेपानल ११०० स्वतंत्रका पूर्व हिंगों के समय का इतिहास हि सा सम्प्रे रामबोपाव सरदेशी १९३७ समा भावन बोल गया

प्रपति स ४०० क उद्यान प्रपति स ४०० का यदमा मार्गति स ४०० का यदमा मार्गति स ४०० का योगहुर प्रपति स ४०० का यहाँ दिए प्रपति स ४०० का यहाँ वे पिरा वस्प मार्गति स ४०० का प्रतिस्थि हस्ताकार प्रपति स ४०० का प्रतिस्थि हस्ताकार प्रपति स ४०० का साम्यानि सामित्र स्थापित स्थापित

साहियांतिक प्रमान प्र १००० राममद प्रदीप साहिय भीर उरमोगिता चिमय १४० राममद्रताल बुद परिवासी महाभीध १०० राममद्र राम्बी सालकाह—रामभरितमानस मोतीसाल

३०० रामपरितमानस— प्रयोध्यानाह मोतीसाल ४५० रामदेव चिरकता के घोड विद्या म हो ६०० रामधारीसिंह दिनकर, १६०६ कोयला धौर कवि व उदयानस ३५०वर

उदयावत २ १० वा लोकन्व नेहरू उदयावस १ ०० सस्म बुद्ध विवत की स्त्रेज उदयावल १००० रामनाच सुषन साला साजवतराय साधना सदन ४ १०

रामनापन सरस्वती कव राधायण दि महल रामनापन सरस्वती कव राधायण दि महल रामनाधायण संभाविया की गुप्त बृद्धिया देहाती ७ ५० रामप्रनाप सिंह धनुवित्ति तथा उन्निद प्रमिजनन कि

महल रामबासक सिंह दे बोस गैनेशहुमार रामबाने वर सिंह विकासात्मक बाल मनोविशान मोडीलाल

ጂ ጂ ኖ

रामयननसिंह 'भ्रामर' भ्राधुनिक हिंदी विवता में चित्र-विधान नेरानल २०००

रामरात क्षामोन वर्षी घाने वर एवर ग्रीन २ ५० ड रामवक्ष वेनीपुरी १६०० भनोत्रा ससार बेनीपुरी २००

वप्र भगर रचाए ४ मा वतीपरी १०० (प्र)दप्र ग्रमर ज्योति ग्रीर रामराज्य बेनीपुरी २०० ना उहते वसी उहन चली बेनीपुरी इ २५ बाजा कुछ मैं कुछ दे देनीपरी ५०० नेदी नी पत्नी वनीपुरी ३०० ड गेह भीर गुनाय दि पुस ३०० सन्द चित्र विता के पूल वेनीपुरी ३०० क

द्विष्स बनीपुरी ५०० संयागत बनीपुरी २२४ ना मई नारी सकी स बेनीपरी २ ३० मया समाज और गाव के दक्ता वेनीपुरी १ ५० ना प्रतितो के दश में बेनीपुरी ३०० उ पृथ्वी पर विजय २ भाँ वेतीपुरी २०० (प्र) बा

प्रकृति पर विजय २ भा बनीपुरी १०० (प्र) बप्र यदिया हो तो ऐसी वनीपुरी १०० वप्र घेटे हा तो ऐसे बनीपूरी १०० वप्र वेनीपुरी बार प्रधावती मा १ बेनीपुरी १५००

रवीर भारती बनीपुरी ५०० लाल तारा दि प स ३०० शक्तला बनीपुरा १२५ ना

सर्घमित्रा भौर मियल विजय बनीपुरी २०० मा गसार भी भनोरम वहातिया बनीप्री २०० वप्र माहस में प्नरे ३ भा बेनीपुरी २०० (प्र) बज सीना की मा वेनीपुरी १५० ना

हम इतकी सनात है र मा बनीपुरी २०० (प्र) बप्र -सना विद्यापित भौर जनशी पदावनी परि स वेनीपुरी \$0.00

रामगहर शास्त्री हिंदी निज्ञधादनी चौलजा २२% रामगरणप्रसाद तथा नूयभूषणक्ष्माद यथशास्त्र सा

स्कुल ज्यामिति भा भवन रामांसह तथा ग्राय, गा ढो रामाच्या दुश स ३ ना प्र समा ६०० लोगनीत

रामशिह 'ब्रजेश' मोर नी जमुहाइवा नव ज्योति ध , मा २ २५ मा

रामस्वस्य बारंत्री बादर्ग हिंदी सस्तृत कोण जीववा

१२ ५० रामायणीयसाद जिला प्रणासन कि महल

रामाधनारिनह निमीदियां. समात ने संबोने खानद पू, रामाध्रम 'मिता', १६३२- दीजि बीला प्र १६०

रामेश्वर, द द्विवरी, रामेश्वरक्षमाद 'रामस्वर'.

नेवान वा सर्विमान भा भवन व्यविका नागरिक भारत मा भवत ६००

प्रारमिक नागरिक गाम्य भा भवन ३ ४० भारतीय प्रतामन तथा नापरिस्ता मा भवन ८ ३५ भारतीय राष्ट्रीय बादाउन भा भवन (००

भारतीय भागन मा भवन ४ ४० भारतीय नासन घोर जसना विशास भा भवन

रामेस्वर प्रशात किसानी लोक क्याए देहाती ४५० तिलहन की सेवी देहाती ४ ५० राय, भ्रमरनाथ बनार कुछ नही सस्ता ० ७५ राय, धार ही दे चत्रवर्ती घार एन राय, उदयनारायण 'उदय' प्राचीन भारत मे नगर तथा नगर जीवन हिंदू एकेटेमी २२०० राय, उपेंद्रभाय नई समीक्षा पुराना साहित्य नवयूग प्रया-

20

गार ३०० नि राब, हप्णा राजनय के सिद्धात भीर व्यवहार चीपवा

राय, नीरासकुमार भवराध और दश्जास्त्र चीलवा ८०० राय, गगासागर महाकवि भवभूति चौखबा ५००

वैदिक प्रास्यान चौलवा २०० राय गोपाल, १९३२- गोदान अध्ययन की समस्याए

बचनि, प ८७५ हिंदी क्या साहित्य और उसके विकास पर पाठको भी रुची

का प्रभाव इय नि, प २५०० राय जनाईन दे वैजनाथ सिह

राय, बैंबनाय बाधुनिकतम नियंग हि प्रचा पु ६०० राय, ब्रह्मदेव घपना देस अपना राज राजीव, इ १ ५० भारत के नवरत्न राजीव, ६ १२५

स्वामी विवेशानद राजीव, ६ १५० राय, रामकुमार बाल्मीवीय रामायण बील घीएका २००० महाभारत-कोश शीलवा २०००

ब्यावहारिक मनोविज्ञान चौखवा ६०० व्यादशास्त्र मनोविज्ञान की रूपस्ता भीगवा ४ ०० राय, रामद्रमार द मुद्दर जीन

राय सावव्यप्रभा धरतेषद्र घोषवा. २०० जी राय विनयपुषार दे कृष्ण चैनाय राय, विदेशी बध्ययन बालोश बादगं पु भ २००

रजनीयधा धादमे पूभ २०० का राय शिवनानव १६१५- वालिदाम के सोंदर्य सिद्धात बीर मधद्रम धर्वना प्र. धा ६००

राय, संयुक्ता तूपान की रात धाली ह प्र, दि ३ ७४ छ राय सिहामन मिद्रेग' हिंदी सारिय का इतिहास मादर्ग

9 7 % oc राव, मुक्षीति बहार धव धारि है भारतेंद्र मुक्त २ १० क राय हरिहरपंसाद बायुनिस भारत ना इनिहाग मा मवत

ग्रेट बिटेन का गवियान भा भवत ८०० नागरिक धारत के सिद्धान मा भवन ४ ४०

राजनीति विज्ञान सरल श्रव्ययन कमल प्र ३०० समाज भ्रव्ययन की रूपरेखा मा भवन ३०० राम, हरिहरप्रमाद दे मिल्निश्वरप्रसाद रायहरणदास १८६२- भारत की वित्रकला मा भ रायगीविदवद, १६०६- शाचीन मारत म लक्ष्मी-प्रतिमा, एक ध्रध्ययन हि प्रचा प् ७००

बैदिक युग के भारतीय माभूषण चौखबा १५०० रायबीयरी, ही , १६३७- तथा ग्रन्य संबहातय अनुश्रीलन

एमके २५०० राव, नर्दे धुये के बादल जवलपूर प्र मृ २ ५० उ राब, मोहिनी हसी की बहानिया एसके १०० बन्न राव रबीद्रप्रताप वैनानिक सनुसधान सौर साविष्कार

जबनपुर प्र गृ १५० राब, विजयबहादुर उत्तर-वैदिक समाज एव सस्कृति मा विद्याप्र १२००

राव सूर्यनारायण युनियादी शिक्षा सिद्धात क्ल्याचमल रावत, चद्रभान मापा विज्ञान विकास भौर विश्लेषण

सरस्व पु स १२ ५० रावत, डी एस प्रयोगात्मक मनोवितान सहो स २ विनोद

पवल, नारायगदत्त साधन-सूपदा विनान म २००

रावी तथा सतीशचड, सपा माध्यम समानातर १०० क, राबी दे विद्यायीं, रामप्रसाद 'राबी'

राप्टुबयु फसल जलिया बाले बाग की नसरी २०० वद्र में महान कैसे बने राजपाल १०० राष्ट्रभाषा प्रचार समिति शासकीय एव कार्यासयीन घालखन,

टिप्पण भीर सक्षय-लेखन राष्ट्र प्रवा समि राप्ट्रीय मात्मा दे गुक्त, राक्षाताम 'राप्टीय ग्रात्मा' रास्टिर क्लिन्टन समरीकी राजनीति और भगरीका के

रागनैतिक दल भारमाराम ४०० राहगीर राहगीर के गीत राहगीर व ३५०

राही दे भागूम रजा राही राही दे यतीद्रनाय 'राही'

राहुन साहत्यायन, १८६३ १६६३ अवट्ठमुत महाबीधि

धम्मपद महाबोधि १५० नवदीशित बीद महाबोधि ० १६ पासि साहित्य का दतिहास हि समि ५०० बुद्धचर्या, महाबोधि १००० महामानवबुद्ध २ ५० विनय पिनक महावीषि १२०० भादी हि प्रचा पु ६०० उ

सुबद्रमम् महाबोधि ६०० रिगबिन सुनद्द्व सामा बायं ग्रमुलियाल सुत्र महाबोदि

वाधिपय प्रदीपम् महाबोधि ०५०

रिषु दे शर्मा, मनोहर रिषु इद्रह काव्यालकार टीका सत्यदेव घीवरी वासुदव २१०० रूब तथा ग्रायस्टस गेट्च वारिस धनु राजेंद्रकुमार शर्मा श्चात्वाराम १५० ना

रूपचद, युनि, ११३६- अधा चाद सकतन कमलेश चतुर्वेदी भा ज्ञानपीठ ३०० वा रे, मनोहर तथा हरस्वरूप धर्मा सेकेंड्री स्कूल बीजगणित

रामप्रसाद ४०० रेउ, विस्वेश्वरनाय, १८६० अध्येष का सामाजिक सास्कृ

तिक और ऐतिहासिक सार राज सा मका ६०० रेट्डो, बालशोरि, १६२८ वेलुगु की घेष्ठ कहानिया हिंद पा (पा) १०० क

वेतुगु साहित्य का इतिहास हिं सिम ६०० भन्त सीमाए राजकमत ४०० व रेड्डी वालशीरि दे राममन्दार, मी बी रेण दे पाणीश्वरनाथ रेणु रेक्तदान चेत मानला कि धर जो ३०० का रेवतीरमण, सपा बिहार भूमि हदवदी कानून, १६६१ पहेंचा १७५

रेसीन पाप का फल भन्न बार एम डोगरा हि. भवत. ० ७५ ना रैना, विमला खंडहर राजपाल ३०० ना प्यासा पानी. भारमाराम = ०० उ

ল

तस्मवसिंह राजा, धनु शकुतला नाटक लोकमारती

लक्ष्मी 'साधना' जन जन मे जामा नेहरू सुदर प्र ४०००

लक्ष्मीकात बारोग्य दिज्ञान सथा जन-स्वास्थ्य कि महल लहमीचद दे गोविददास, सेट लक्ष्मीनारायम सेवस की विश्वित्रहाए हिंद पा (पा)

800 लक्ष्मीनारायण नायुरामका दे देराश्री, सत्यदव बदमीनारायणताल, १६२५- एक ग्रोर वहानी नवभारती 7 800 B एक बुद जल बोरा ३००

मनव दावन नेशनत ५०० छ रममच और नाटक की भूमिका नशनल १००० —सपा सात प्रतिनिधि एकाकी बोरा ३ ५० सहमीनारायण 'सुषायु', १६०८ जीवन के तत्व ग्रीर

बाव्य के सिद्धात सभी स ज्ञानपीठ ६०० वियोग, करण रस का गदा काव्य विग्र क् सपकं मापा हिंदी राजकमत २५०

साहित्यिक निवध राजकतल ३ ४०

श्रष्टमीराम बास्त्री हमारे सस्कार सूत्र सस्ता ३०० लक्ष्मीशकर गरू दे घाणेकर, भारकर गोविंद सदा, सत्यनारायण पृष्पं प्रतीत नवयग प्रधानार २२५

लल्लाल थी प्रेमसागर देहाती ५ ०० शवानिया, मुरारीलाल भारत मे क्ल तथा कुलो की खेती

स ३ सिंघल १०६२

सहर कभी नहीं कभी भी नहीं प्रयति प्र ४०० उ भूठ वषन प्रगति प्र १०० उ

शासन, ईरन धादिप्यारों की सच्ची कहानी नेयनल

क्षाल, एम बी प्राणि विज्ञान दीपिका केंद्रीय हिं६ ०० सालचद, वैद्य घटटाग हृदय सपूर्ण मोतीलाल १५ ००

क्षालधुमा दे निय रामप्रिय सालयुक्ता बानरमा यदुपालसिंह मेथदूतम (उत्तर मेव) क्षोकशारती

सालस, सीताराम राजस्यानी ब्याकरण कि घर, जो \$ 00

सालस, सीनाराम दे करणीदानजी सास्त्री, हेरोल्ड जे राजनीति ने मूल तस्त्र एसाइड ८१ ०० लिन, क्रेनेय एस प्रमरीकी समाज शाल्मासम ७ ५० शीलाघर वियोगी' रसदान की काव्य-कला दीय प्र

2 40 लवा, राममृति मनोवितान के क्षेत्र हिं समि ७ ४० लुई, वियरे यौवन की भाषी हिंद था (वा) २०० उ

लुबरा हरीसिंह, १६००- श्री बनुभृति प्रकाश हरिसिंह लबरा, रिटायर्ड वैश मैनेबर, जे है राजीरी माइन, नई

दिल्ली १४ ६००

लूनिया, बनवारीलाल नयूराम, १६१७- प्राचीन महरत का राजनैतिक एव सास्कृतिक इतिहास, पुरातक प्रस्तरकाल से

सन् १२०० तक मानकचद प्राचीन मारतीय सस्तृति सदमी ना १२ ००

संवेदवरसिंह रासायनिक परिमापार्वे तथा माश्चिक समीकरण भा भवत १७५

लेबी तथा राश समरीकी राजनैतिक प्रक्रिया सात्माराम

सोत्रमणि मित्र नदरस रय सपा हरिमोहन मालवीय हिंसा सम्मे

सोड़ा, बल्याणमल तया विष्णुकात शास्त्री बात मुक्द गुप्त एक मून्याकन बादू बाल मुकुद गुप्त शनवाविकी समारीह

समिति, बलवता दितरक , श्रीमताम, ब २००० सोन पनी मुहम्मद घरती का स्वर्ग एमके १०० वन्न सोहरर, रामनारायण दे महेशबद

्नी, मास्ररानद भारतीय ऋतुविज्ञान हिं समि

पाहिया राममनोहर, १६१०- जातिकरण नवहिद १०० धमं पर एक दृष्टि नवहिंद ० ४० नरम भीर गरम पय नवहिंद + ६०

निजी और सार्वजनिक क्षेत्र नवहिंद ०६० निराश के क्तंच्य नवहिंद ० ७० मारत, चीन श्रीर उत्तरी सीमाए. त्वहिद २००० भाषा नवहिंद १००० सरकारी, मठी और कुजात गाधीवादी नवहिंद ० ८० हिंदू और मुसलमान नवहिंद ०७५ ववाली सिंह दस एकाकी मोतीलाल ३००

बद्योपाध्याय प्रणवनुसार नरक की नाति स में पाउँती ३०० सा वद्योपाध्याय, माणिक स्वयसिद्धा श्रवोध पा (पा) १००

वद्योपाध्याय, विमृतिभूषण दुशतर हि प्रचा पु १००

वचनदेवहमार १६३४- ईहाम्ग जयशिष ३ ५०

चितन वे धामे नावस्टी ४०० बहुक द वेदप्रकाश 'बहुक' वत्स द राकेश वरसः बत्स्य, नतराम अच्छा नागरिक नेशनल १२५

ग्रच्छी रहानिया रामप्रसाद ० ८६ ज्ञानभारती २ मा रामप्रसाद या १ १२१, मा २

१५१ वालभारती भा २ रामप्रसाद ०७५ बर दे पाठक, दानवहादुर 'वर'.

वरश्व निरमत समुज्ययं सपा युधिष्ठिर मीमासक भा प्राच्य ५००

बरेरकर, मामा धनावित का साग्य विद्या प्र. स ४ ४०

क्तदेवी विद्याप्र. भ ४०० उ इवरासी विद्या 🖩 म ४५० उ घरती नी यूल विद्याप्र म ५०० उ नाश का बिनाश सस्ता ३०० ना सन्यासीका विवाह विद्याप म २०० ना वर्णवाल, एम एल होम्योवेदिक म इत्रत्रान एम एल युक वर्णवास, एम एस द हैनियन गहास्मा

वर्मा, बसोरङ्गार प्रारमित समाज दर्शन मोतीलाल

मारतीय तब दास्त्र सया ज्ञानदास्त्र भारतिलाल २०० वर्मा, ईश्वरत्रयाद वाघरी इतिहास ग्रनिल प्र म वर्मा, र्जामला पढ़ो, इसो घोर गायो घारमाराम १००

वर्मा, उपा मध्य एशिया के लरोप्टी प्रभिनेतों में जीवन.

मोतीयास ३०० मिट्टी की दीवार धार्मी क

वर्मा, ए के सक्षिप्त सामान्य दर्गन मोतीपाल ४ ५० वर्मा, ए बी भारतीय चित्रबना हा इतिहास प्रवास यह

बर्मा, बानि स्वातःथीलर हिंदी उपन्यातः रामपद

\$0.00

वर्मा, कातिकौराल 'बुकुम' जाग जाग सैनिक महान. वर्मा ब २०० वा

वर्मा, किशोरीशरण दे कालिदास वर्मा, कृष्णचर रीनियगीन काच्य प्रमा इ १५०० -सपा पनभानद (संटीक) खीद्र प्र स्वा १००० वर्मा के एन राजनीतिक निदय सशी स २ रस्तीगी -त्या एस सी सिन्हा भारतवर्ष का भूगील जनलपुर प्र

1 3 40 -- त्या ए के सबसेना प्रायोगिक भूगोल के मूल तरव

जबलपुर प्र मृ १५० साधारण एव प्राइतिक भूगोल जरतवुर व न २ १० बर्गा, केरावश्वद्र, सपा माधुनिक हिंदी हास्य व्यव्य स २ भा

बर्मा, गजानन बारहमासा कि घर, जो ४०० का सोनो निपन रेत में कि घर, जो ४०० का यमा गोपीचद तथा हृष्णमुरारीलाल श्रीवास्तव विश्व का

इतिहास- कल्यागमल ३ ००

वर्मा, ताराचद जय जवान वित्मय २ ५० महान नेहरू चिमय २५०

वमा, दीनानाथ विश्व राजनीति का इतिहास, १८७१ १६१८ दि पुस २००

बर्मा, देवधारीप्रसाद भारतीय दह सहिता पहुजा १२ ०० वर्मी, धनजब, १६३५- निराला, काव्य धीर व्यक्तित्व स

२ विद्याप्र म १०००

दर्मा, घीरेंद्र, १८१७- सदा (प्रधान) तथा चन्य हिंदी साहित्य कोण भा १ पारिमापिक शब्दावली स २ २५००, भा २ नामवाची शन्दावली स. १ २०००

शानमङ्ग

वर्मा, न्रेंद्र बाधुनिक निवय समीक्षा साबी २ ७% बर्मा निर्मयस्वरूप, १६३३ - यूग युगो मे दिस्ती आर्य बुक वर्मा निर्मल १६२६- जलती भाडी राजकमल

वेदिन राजकमन उ

यमी, निहासबद्र बनते बिगडन सदम हि प्रचा यु ८००

बर्गा, परभेरवरदीत तथा बदीविनात विद्यार्थी महाकवि आयसी, स्यक्तिस्व एव कृतित्व नवय्य पू अ

महाकवि सूरदास, कृतिया घीर बसा नवया पु भ धर्मी, परिपूर्णानद, १६०७- झात्महत्वा और वासना के मपरार्थसानि, का ६०० जोष

प्रतीक शास्त्र हि समि १००० मरघट का मुद्दी सा वि, का ११० व वर्मा, प्रवासीनान मट्डा या हाछ के उपयोग स २ स्थामसूदर १००

वर्मा, फूरादेवसहान कार्बोहाइड्रोट और ग्लाइकोसाइड मेंद्रीय हि

भारत की वित्तीय शासन व्यवस्था केंद्रीय हि ४ ८५

वर्मा, भगवतीचरण,१६०३० भूने विसरे चित्र राजक्रमत 13 .0. ₹

ये सात भीर हम राधाकृष्ण साहित्य की मान्यतायें हिंदु एकेडेमी ४ १०

वर्मा, बनोहर हा चम्पक और मचसु राज सा सका २५० वप्र

साती साहिया की शादी कृष्णा व ३ ५० क हम सब एक हैं प्रभाव पब्लि १२४ वप्र वर्मा मनोहर दे वोहरा, जगदीश वर्मा भाइदेवी सप्तवय सोनभारनी ६०० वा वर्षा मुकदस्वरूप नव्य विकित्सा विज्ञान २ भा चौखदा

28 00 बीसवी शताब्दी ही भीषध्या चौतया ८०० सचित्र यभरसा तथा शिशुपरिपालन चौलवा ४५०

वर्गा मुक्टविहारी पत्राव कसरी साता साजपतराय सस्ता १०० जी

वर्मा मुन्तालाम प्रशिक्षण विद्यालको म धप्रेजी शिक्षण विधि विनोद ४००

वर्मा, रजन सिस इडा ज्ञानपीठ २०० का वर्मा, रमेश कफ परीक्षा मोतीलान १ २४

बर्मा, रमेश दे फेडरीनफें ड वर्मा रविशेखर, १६३१ - मजिल दूर नहीं घपोलो ४००

वर्मा, रबीद्रसहाय पारचारय साहित्यालीचन और हिरी पर उसका प्रभाव विश्वविद्यालय ७ ४०

वर्मा, राजनारायण राही के सपने राज प्र उ वर्मा, रामक्यार, ११०५- वृत्तिका चद्रलोक ६०० वा गजरे तारों वाले कि महल ८०० था

साहित्य चितन वि यहम ६ १० वर्मी, रामवद्र, १८८६ ? - शब्द और धर्य शब्द लोक

वर्गा बरमीकात एक करी हुई चित्रपी एक मटा हमा भागज

नेशनल ४५० नये प्रतिमान, पुराने निकय भा ज्ञानपीठ -सपा हिंदी भादोतन हिं सा सम्मे

वर्मा, सहमोदेवी 'चहिका' टूटते सपने मगला क सिंदर की लाज गाला क

वर्मा, तहमोविहारीसाल शिक्षा-मनोविद्यान प्रशोक 🖩 म

शिक्षा सिद्धात भ्रणीक श्र म ३००

वर्मा, विस्वनाषप्रसाद, १६२४- पारकात्व राजीतिक विचार-घाराका इनिहास हि समि १४००

बर्मा, बू दावननास, १८६८- महारानी दुगावती मपूर. उ वमाँ, बजलाल, १६२४- सत नवि रज्यव सम्प्रदाय भीर

साहित्य राज प्रान्यविद्या ७२५ वर्मा ववेस्वर, प्रधान सपा आरढीय साहित्स, सुपनात्मक

धध्ययन विनोद --नया न बी राजधोरातव, सपा भारतीय

भाषामा का भाषासस्त्रीय मध्ययन भा १ विनोद स.०० वर्मा, बारदाप्रधाद शिक्षा मनोविज्ञान एव वान वृतियादी

मनाविज्ञान लोकचेतना

बमा 1भा स्सालाक क्याए हि मबन २०० बप्र वर्मा, स्यामलाकात मिनन निवधावती चौत्रवा ४ ५० वमा थीहरणप्रनाद तया निवड्मार उपाध्याय बाबुनिक

हिंदी निवध जबलपुर प्रग्रे ५० वमा थोराम फिटर महेनित्र देहाती ८ ५%

किरिय शाप परिचय देहाती १४०० यमा सतीशयहादुर १८४२ सहर ग्रीर लपटें ग्रशोद ग्र,

प ३०० वर वमार यशाम १८२६ जनकवि दिनकर मात्र दि महानदियन मात्र दि

महारवि प्रमाद भा प्र, दि युगरेवि तुलसी भाग्न दि

बमा सत्रशंतर धारय कहानी हि प्रचा प २०० छ बमा, सावित्रीदवी एक पाय नट बंद के पन झात्माराम

2 00 घर की सहती हि प्रवा पु (पा) १०० वर्मा, तुमन प्रारमिक भूगाल चौखवा २ ६० बर्मा, सुरेंद्रनाय वदिना नेशनल - ०० का

बमा सुरेशपुमार रामपुमार बना की नाटयकला सावचेतना 200 बर्मा, हुनुमत्रद दृत्य मदिर नवयुग ग्रयागार १०० ए.

वर्गफोल्ड, टानु बी माहित्य का मृत्याकन सनु रामधद तिवारी विश्वविद्यास्य ३००

विशिष्ठ, एस एस द प्रानद की एन बशिष्ठ रामम्बरूप मानव भूगीत वि घर, व्या १००० बसु, निवेदनाथ सरीत प्रवेतिका २ मा मानीलात ३००

बहुंगी द गोबद्दन सिंह बहुशी बाइलर बास्कर १८३८ है ६०० मुली राजदूभार बीर बन्य

नहानिया प्रत् नदताल जैन विष्याश्वल १०० बन्न बागीन, बदानर बंद चारमाभद जीवन ज्याति हरयाणा

बाचम्पनि जयन भाननिवाहिद वा (पा) १०० उ वाचान बातनर पदावती वर्ज ० ५० बाजपदी, भवपत्रपाद टैमोर क्रीर निराला पन्मधान १२०० बाजपर्या, किपोरीदास १८१८- धाबाय द्विवदी थीर उनक

सुगी-मायी जिल्लामा ३०० बाजपणी, नेनाण सवात मा आनगीट ३०० ना बाजपर्वी नददुरार, १६०६- वृति निरासा वाणी विद्यान

20 00 प्रकीषिका सन्त्रवान ७६० नि राष्ट्रीय माहित्म तया च य निवय विद्या च , वा १००० म्यस्ति भीर ताहित्व सवा रावाधार गर्वा धनुमधान

 तया साथ सार्शियण निथध शास्त्रेतना — गपा मुरमागर २ मा स ४ ना प्र समा १२ १०

(11) बाजपर्यो, निमना साम्यकी बद्दरी धार्य बुक्क

3000

वाजदेवी, पुरबोत्तम सूरदास भ्रमर-गीत सार हि प्र, वा

बाजपेयी, प्रवास हिंदी के भाचित्र उपन्यास नद स ५०० वाजपेयी, भगवनीयमाद, १८६६- ग्रविहार वा प्रश्न भा

साम ३०० यपरास्वर्गमा ग्रनि ६०० उ एक स्वर बास का प्रमात प्र १०० ह छतना प्रभात प्र ३०० ना द्याटे साहब संभाग ६०० उ टूटते वधन हिंद पा (पा) १०० उ मुक्ते मालूम न था सुनीय पा (पा) १०० उ मेरी थेप्ठ कहानिया प्रत्यूप ४५० लोकप्रिय शहानिया प्रवीर ४०० विजयनी वात साम ४५० छ

स्वप्नादी गोदभाष नि६०० उ होटल का कमराभाग्र नि ३५० क बाजपेयी राषवेंद्र वार्हस्पत्य राज्य व्यवस्था चीनशा बाजपेयी, विद्यासास्कर देहरी के बाहर प्रगति प्र १५०

समाधि प्राप्ति प्र ३०० उ

बाबपेयी, विशिनविद्वारी मेवाड पश्चिम सा सस्थान, राज

बाजनवी, द्याविक्रमारी व्यवधान, विलगी मास निलगी प्रीत-मोरभारती उ वाजपेयो, हरनामप्रसाद एक भौर प्रवीर ६०० उ

जिंदगी एव धाद, एक फून प्रभात प्र १००० बन्दन परियो का नाक प्रकीर ४०० क बाजपंगी, हरिकृष्ण प्रस्त भीर गूच नववुत प्रधानार २००

वाजपयी यह भी दे बाजपयी वा स्वायन, सन्विदानद हीरानद 'मनव', १६११-

कून भीर मन्य वहानिया सरस्य प्रे ३ ५० जिलामा और घ्रम्य यहानिया सरस्य प्रे पूर्वा राजपात ७०० सा सनहने शैवास धगर १२०० का हिंदी साहित्व एव ब्रापुनिव परिदृष्य राघामुण -स्या तार सप्तर मा शानपीठ ७०० मा

-तया भ्राय, सपा भारतीय सस्ट्रति के स्थामी स्वर राज-

वानप्रस्यी, प्रापनाथ, १६१८ मारत ने महानु ऋषि स २ सम्बद्धाः

वारानिकाव भाषा भौर साहित्य हि प्रका पु ५०० वार्षिय सटमीमायर, १११८ यापूनित बहानी वा परि पाइवें भा भवन, इ ४ ५०

ब्रायुनिक हिंदी साहिय की मूमिका शाक्रमारती १२०० पश्चिमी बालोचना चास्य हिंसमि ८ ५० मारतीय वार्ष भाषाचे हि. समि १०५०

भारतेंद्र हरिस्पद्र सवा स ३ सा भरा, इ ७ ५०

-- सपा निवय-नवनीत स ४ विस्वविद्यालय ४,००

बालीया दे यद्यपाल 'बालीया' नात्द, एस एन तथा द्वार थी साह धर्म बच, प्राचीन तथा नवीन व्यवस्थान के ग्रयो का हिंदी धनुवाद सत पौलुस

प्रकाशन, इनाहाबाद वाशिष्ठ, राम देश विदेश की सचित्र कहानिया बाल्माराम

१५० वप्र

वासवदत्ता, पो झाचायं हजारीप्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व झौर वृतित्व युगवाणी घ^{रे}२०० बागुरेव तथा विश्वनायप्रसाद साहित्र के विश्लेषण भा

—टीरा सत्यहरिश्चद्र नाटक मा मवन १६० बामुदेवनदन प्रसाद भाधुनिक हिंदी व्याकरण ग्रीर रचना

भा भवत १ ५०

नई कविता कत्याणमल ६०० बशोधरा एक समीक्षा भा भवन ४ ५० साहित्य का विश्लेषण भा भवन ६०० - तया कमलेश कुमारी, सपा नई कविता कल्याणमल

वामुदेवरारण, ग्रनु भगवद्गीता मूल तथा हिंदी टीका मोती

साल ६०० बासुदेवशारण दे मालवीय, मदनमोहन

वामुदेवा, सी एल धनमास रतन झामी १७% विदु दे नारायणप्रसाद विदु विकल दे गीड, भोमदत्त शम्मा 'विकल' दिवस दे दिरणदल दिवस

विकल दे रामा, बहानारायण 'विकल' विवित्र दे नारदम्नि विवित्र'

वित्र पुरुपोत्तमलाल, १६४३- 'प्रसाद' और उननी लहर

प्रसाद का स्वदगुप्त, विवेचनारमक तथा व्यार्गारमक धन्ययन रीगल

विजय दे रमशबद्र विजय विनय दे राठीर विजयबहादुरसिंह विजय दिनय, भार सी रेडियो ट्राजिस्टर गाइड दहाती

रेडियो व हाजिस्टर सर्वितिय देहाती १५ ७५

विजयक्रमार माहित्यालाचन बदोह प्र ३०० मा -त्या करणदव रामां प्राचीन निवध साथर धारीक प्र-

विजय निर्वाध मेरा भारत दश महान क्ल्याणमल १ २५

विजयपास सिंह मर्पशास्त्र सरल अध्ययन राजहस प्र- म

बुर-वीरिंग सरल भध्यवन राज्यक्ष प्र स

मुद्रा समा बैशिंग राजहस 📰 म ३७५ निजयप्रराण सायरी ही रगीनिया हि प्रचा प (पा)

100

। विजयप्रताप सिंह भारत में सामुदायिक विकास रा बेनी-प्रसाद १० ०० विजयबहादुर सिंह काम कुत्र महाशक्ति ८०० विजयमोहन सिंह, १९४२- तथा मधुकरसिंह सपा '६० के

बाद को कहानियां नया लेखन प्र ७०० न विजयलक्ष्मी देश के प्रहरी हिंद पा (पा) १००

विजयवर्गीय, रामगोपाल श्रमिखार निशा राज सा ग्रना

विजय सेवक दे मुप्त छेदीनान विजयेंद्रपाल सिंह भाषशास्त्र के सिद्धात संशो स ६ सबयुग

सा स, बा १६२ से १००० वहत शाविक विश्लेषण नववृग सा स , मा १४०० राजकीय भय प्रवध के सिदान नवयग सा स , मा

सोक धर्यशास्त्र नवयुगसा स , भा ११ २४ - तथा एस एम जुन्त मुदा चलन एव अधिकीयण सशी स १२ नवयुगसा स, मा ६३७

मुद्रा वैक्ति एव शाजस्व सही स १२ नवयुग सा स , मा १० व०

विजयेंद्र स्नातक, १६१४- विसन के क्षण नेशनल

— सपा क्वीर राघाक्षण ६२५ मा

विनद्रनारायण बिह, १६३६- वर्वशी उपलब्धि भीर सीमा ज्ञानालोक

दिनकर एक पुनमूल्याकन परिमल ४०० विद्यानद विदेह, स्वामी उत्तम स्वभाव येद सस्पान ० २० भीवन पार्वेय वेद सस्याम ० ५०

योग-तरम वेद सस्या ० २० विदेह गीतावती वैद सस्या ०४०

वेद ब्यास्या ग्रंथ सप्तम पुष्प वेद सस्यान १५० वैदिक साधना वेद सस्पान ० १० शिव सक्त्य वेद सस्यान ०३०

विदायकारा अधानमत्री श्री सासबहादुर शास्त्री, एक जीवनी मनित ॥ म

विद्यामुगण 'विम्' कोश्रवसी परिमत १५० वप्र

मगन यमा परिमल २ ०० सप विज्ञार्थी धनतप्रसार छत्राग भौर खाइया भूचना विभाग,

वत्तर प्रदश सरकार, लयनज

विकासी गणेशाकर कर्मबोर घात्माराम ३००

गणेश शहर विद्यार्थी के घेट्ठ निवध सपा रामाहरण यात्माराम

विद्यार्थी, जगदीश विद्यापियों को दिन चया गोविंदराम

वेद सौरम गोविदराम हास्य विनोद गोविदगम विद्यार्थी, बद्रीविगाल दे वर्मी, परमेश्वरदीन विवासी, भारती तथा भाय भीन बाल एकाकी नदानम

₹ 00

विद्यार्थी, रामप्रसार रावी १६११- नये नगर की कहानी कल्याणमञ्ड २०० च स्टार्टिक रामप्रसार १६५

प्रवृद्ध सिद्धार्थं रामप्रसाद १६५ विद्यार्थी, लिनतप्रसाद बारतीय नगर राजकमल ३५० विद्यासागर साम्बी श्रद्धोत्तरस्रतनाम मालिका भा प्राच्य

६०० विषु, रामगोपाल ग्रतर्राष्ट्रीय कानून सरल ग्रम्थयन

राजहत्त म म विनय महामारत का माधुनिक हिंदी प्रवध काव्यों पर

प्रभाव समार्ग २००० विनयकुमार महामारत पर बाधुनिक हिंदी प्रवध बाब्यो पर

प्रमाव सम्मार्ग २००० --- तथा मुरलीधर धीवास्तव सपा मध्यकालीन काच्य मा

भवन १२५ विनोबा दे भावे विनोवा विभाव दे देवरीनवर विभव विभु दे विद्यापुरण विमु विभाव, सामि की प्रमोगातमक बनस्पति विमान खनहस स

H Y 00

प्राणी तास्त्र सर्पे अध्ययन राजहस्य प्र म ४५० प्रायोगिन जतु निमान राजहस्य प्र म ४०० वनस्पनि सास्त्र सर्पे प्र म ५२४ -- तथा वी भी गोयल प्राणी सास्त्र राजहस्य प्र म

३७४ --- तथापी डी गुप्ता वनस्पनि सास्य राजहस्य स

३७१

विमनगर एक बीमार लडकी विश्वविद्यालय २०० उ विमनकुमार कामायनी चितन मा सा म १२०० विमनुगतमा सुनी महारी मार्तीय रास्टाय झादोलन

भौर सामुदायिक विरास सदमी ना ८ ४० वियोगी दे सीपापर वियोगी वियोगी हरि गाथीजी भौर उनके सपने सस्ना १००

—दीता विनय पत्रिता पुस, वा १८० विरही दे गुवल परनुराम विश्ही

विरामी तथा सन्ताना हिंदी ध्यावरण व मपटित म ३ समग्रमण्ड २००

विशानी, स्थामिव गरी नित्रध प्रकाण स्रोक्षेत्र म २०० नि विजियमा देनेशी काल के विभानि धन् धरिवाम शावकार

वितियमा टेनेमी शास में मिलीने धनु धमिलाम राजपान ६०० ना

निक्रतन्तर स्वामी १८६३ १६०२ आरमनत्त्व श्रीसम-इरण् १३०

शानयोग पर प्रवचन श्रीशामकृष्ण ०६० धर्मतस्य श्रीरामकृष्ण १७०

नारद मिलिगून एव मिलिविययः प्रवयन भौर भाग्यान श्रीरामगुरण १००

भगवान बुद्ध वा गगार को गश्न एवं प्राय ध्यान्यान घोर

प्रवदन थीर(महूष्ण

भगवान थीकृष्ण भौर भगवद्गीता थीरामकृष्ण.

र ७० भारत का ऐतिहासिक कप विकास एव भ्रन्य प्रवय श्रीराम-कृष्ण १३०

ृह्य । विवेकानद सचयन श्रीरामकृष्ण ७५० विवेकानद साहित्य १० स प्रदेश साध्यम ६०० (प्र.) वेदात श्रीरामकृष्ण २००

सुनितवा एव सुभापित श्रीरामरूप्ण (पा) १०० विश्वद दे गीड पतराम 'विश्वद विस्तोई, हरसरनिष्ठह भोती मा पेड एमरे १०० बन

विश्वगर थरण, १६३६- कविवर पत और उनका द्वापर स्रोक प्र २ ५० रासपवाध्यायी धौर मबरगीत (नदहास) स्रदोर प्र

३ ५०
विद्ववर 'ग्रहण' हे भिष्य, भगवतस्थरण विद्ववर शहरण' हे भिष्य, भगवतस्थरण विद्ववर शहरण' हे द्यारी अधिकाचरण विद्ववर 'मानव' सावेत को द्येगा सोकमारती

१२ ५० विश्वनाय गीतायन नवयुग ग्र हु ३००

विस्ताय गातायन नवधुग प्र हु ३०० —सपा हिन्दी साहित्य पिछना दशक, १९४२-६२ सू अ म ७००

विद्वनाथ सिंह तथा रागेदेवरनाथ तिवारी, मपा समित निवय स ३ घर्षना ४, आ ३००

दिस्त्रमोहनकुमारसिंह १६०२ - मुक्ताकी सबी मा भवन २०० क

विस्वेश्वर, धाषायं द यास्म विश्वेश्वरदयान रेढार परिचय हिं समि ५ ४० श्री रामनीला नाटम देहाती ७ ४०

विर्जुगत दास्त्री दे सीझा, वस्त्राणमत विरजुतीय स्वामी ध्रव्यास्म विश्वास विशान म १५० धारम प्रदोग विज्ञा म १०० उपनिषद-गरिषय विशान म ६००

पानवत योग दर्शन विनान ॥ १५० प्राणतस्य विश्वान म १०० वैदिन योग परिचय विनान म १५०

वादन याग पारस्य (स्थान में ६ १० शानितपात से ३ दियान में १ १० साधन-सड़ेन से २ दिशान में ० १० सिप्युतीय, स्वामी दे शहराचार्य

विश्वुदत्त विविश्ल एनीमन इसमैन्डरी दहाती १२०० विष्युदत्त रावेन, १६४१- सुननात्मन साहि यपास्त्र सा सदन, दे

। सदेन, द विष्णुदत्त विश्व विशासी नहरनिया प्रारमाराम १२४ वप्र इमान बना भ्रारमाराम १०० वप्र

रव विश्वी बहातियां था माराम १५० वप्र विच्नु प्रमावर, १६१२- बूछ शब्द बुछ रसाए साता

३५० सस्म स्वप्नमधी हिंद पा (पा) १००. ए.

हसते निर्भार दहकती भट्टी नैशनल १५० या — गुपा ग्रीमयान ग्रीर यात्राएं विश्वविद्यालय २ ५०

नीली भील सस्ता ३५० विष्णस्वरूप श्रम तर उत्देश प्र ४०० क तथा का नयाँ साहित्य कुछ पहलू उत्हप श ३ ५० बीर देरामग्रवतार 'वीर

वीरकेश्वरप्रसाद सिंह नागरिक शास्त्र के सिद्धात सरल मध्य यन कमल प्र २२५

भारत का सर्विधान सरल अध्ययन क्यल प्र १ ५० 1 2 23

भारतीय सर्विधान भीर नागरिक जीवन, सरस अध्ययन वयल प्र २२५

राजनीति विज्ञान सरल श्रष्ययन कमल त्र ३ ०० विश्व के सविधान सरस घष्पयन कमस प्र ३ ०० बीरदेव वीर हलवल भा भवन १४० ना बीरमान सिंह प्रताम क्ताई ह नवयून स्थानार ३५०

सम्राटके म्रांसूनवयुग प्रयागार ४०० उ बीरेंद्रजुमार कांगज के पूर हिंद था (था) १०० हा बीर्दे सिंह, १६३४- हिंदी-काव्य मे प्रतीकवाद का विकास

१६००-१६४० हि सा परि प्रश्नि, जेरी प्रमरीका में सहकारिता मन ब ३०० व दावनदास, १६४३-१७२३ वृद सतसई टीका श्रीकृष्य

धुक्तस ४ पुस, वा का वेंकटेरवरन, एन कैरल वैभव रा वेनीप्रसाद २०० बेर ८ कात एल आधनिक लोक्तन नगनल ३०० बद विमल, १६३३ व्यूपान और किनाश हि प्रचा पु

(93) \$00 बदप्रकास दे लेमाणी, शानदप्रकाण बदप्रकारा दोरी महापुष्प नवीनतम १००० उ वेदप्रकाश 'बटुक, १६३२- श्रिविधा विद्वविद्यासय ४००

वैदप्रकाण सिंह हिंद चीन दि यु स ११०० वैदराजप्रसाद बृद्ध शीवनी महाबोधि ० ७५ वैदवाणीय, बदानद महाप दमानद का जीवन हरयाचा

वेदत्रत भारत्री प्रासाता ने व्यामान हरमाया ०६० बद विमा हरवाणा २०० वदानद स्वामी विरजानद चरित हरयाका १ ५ বীনিয়া एम জা সুবিহ্যান সন্মাৱ বুক १০০ খন वेबर, प्रत्वर भारतीय साहिय का इतिहास कि महत बत्स, एव जी डा माया का द्वीप नवाल ३ ६० वैद्य दे शमा हनुमानप्रसाद वैद्य वैद्य, हरिवरण १९२४ स्वप्न-सानार मा सा- सदन

€00 € वैद्यक प्रमृत सागर देहाती १०००

रसराज मतौदधि, सपूर्ण ५ या देहाती १००० विवनाय वद सनम् भ्रमग्रवति १ ३०

वैद्यमाय शास्त्री, १६११- दयानद सिद्धात प्रकाश सार्व-देशिक धार्य

वैदिक विज्ञान विसर्व सावदेशिक पार्य वैरागी धनवय रजनीयधा बनु प्रतिमा प्रश्वाल नेशनल

वैरामी बालकवि ललकार सुबीध पा (पा) १०० का

वैश्वपायन, विश्वनाय धमर शहीद भरवेखर प्राजाद लाजपत

वैश्व, उमेदीनाल ऋतुए और स्वास्थ्य दवामसुदर ० ६२ वैश्य, गायत्रो नयी कविता मे सौंदर्य बोघ रोशनवास ४५० **बैश्य चमनप्रकाश कृषि भौतिकी तथा जलवाय विज्ञान स**रल

ब्रध्ययन राजहसं प्र म १२४ मौतिक बास्त्र से क्यो और कैसे राजहसूप्र स १ पद बैश्य चमनप्रकाश दे गर्ग, शातिप्रकाश

वैस्य तुलसीराम मास्कर', १६०२- कृष्ण कारे हैं साकेत ४०० का

बुससी के दल साकेत ६०० खड का वैश्य रूपलाल दरामूच (सचित्र) धवतरि ०५० बोहरा जगदीश डैस्कों पर खुदै नाम प्रध्या व ३०० क

- तथा मनोहर वर्गा सपा चानासागर की सीडियो पर कृत्या द्व ५०० बीहरा जबदीश सिंह तुफान के दिये बीहरा प्र

व्यक्ति हृदय, १६०० े नये ज्ञान की नयी कथाए धार्य सुक 200

पाक हमलावरों से भारत की ललकार वृत्यागमल ४०० प्राय देवये नाम कर तये भा सा मं १५० बप्र यज्ञ का घोटा व ग्राची की ग्रास जबलपुर प्र गृ१ ०० ना रण बाक्रा या सा स १ ५० वप्र

नाम बहादुर शास्त्री समप्रमाद ३५० नाहती जी दूसरो की नजर में बार्य युर १ ४० हमारे नाटबकार रामप्रसाद व्यास चुनाव कानृत १९६२ पहुंबा ६००

प्राहृत पैयनम २ मा मोतीलाल too व्यास, कृष्णान्द वेद्यान वरीहा के गृहीत्रद वधाम । ५० गात

तराना हुमा दिल बेमास १०० फिर श्रम्य पार वेधार (पा) १०

"डा बीर जिल्लासय पर देशाम बच्बी फाण भिष्य भा १ ५% देवस की फाँ१ भा वैग्राच १०० (प्र.)

दप्रास बोच बद्धाम १ ≡ कारत भीनी भीना भाव एघि बग्रास १०० गात सम्मोहन पशानन बग्रास १००

हरदीय वयाम ५०० ना हास्य व्यानार वद्यास (पा) १०० गीत व्यास योपालप्रसाद १६१६ पत्नी को परभरवर मानो

सुबोध पा (पा) १०० का रगजगबीर व्यय भासाम ५०० का

सतवार चली, सलवार चली सुबोध पर का

—सपा हास्य क्रिंत स्पेतन सुवोध पा (पा) १०० ना हिंदी स्थाय विनोद मा ता य ८०० ना व्यास, नेयानाल साम्र सनारे विष्याचन १२४ स्थास, मोनायकर १६२५ ययबरूपे चौलवा २४० मारतीय साहित्य साहत्र घोर नाध्यालकार चौलवा ८०० व्यास, मुलीयर तथा मोहलनात चुरोहित जुना जीवना चित्र-

राम राज सा प्रका रे ७५ ब्यास, मोहनलाल सपा राजस्थानी लोकवील मा ६ सा

सस्यान राज २५० —तथा सावलदान घाडाया सपा राजस्यानी लोक धीत

मा ४ सा सस्यान, राज २ २० व्यास भोहस्तार दे रोलावत सोमार्म्यीवह क्यास, राजनार परिकर दे ठालुर, रवीदताथ व्यास, राजनारायण समान दशन तुनसी व्यास, सक्योधकर दे भारतेंहु हरिस्बद्ध क्यास, स्वर्मीयकर दे भारतेंहु हरिस्बद्ध क्यास, स्वर्मीयकर दे भारतेंहु हरिस्बद्ध क्यास, स्वर्मीयकर एक मुताबित एक दुनिया हि प्रचा पु ३००

भारत ने महान श्रातिकारी बवा जी व्यास, विनोदर्शकर उसभी स्मृतिया युग वा २०० सस्य दिन रात पुग वा २००

नवाज तीक पुन बा २०० व पोरोपीय व्यव्यास साहित्य पुन, वा २०० बोरोपीय साहित्य पुन, वा २०० घोरोपीय साहित्या पुन बा १०० —स्या मधुकरी का १४ पुन वा २०० (प्र) व स्थास, पातिकृतार नानुत्यन, १८२१ पानावणकातीन

सस्दृति सस्ता ६०० भ्यास, शिवकुमार १६१६ प्रायुवेंदीय द्रव्यगुण विज्ञान भयर प्र

भधु ४ प्यास, श्रीकात सनु सादमी तो नहागी राजपान २५० हमारी पृथ्वी दिला भा २६० हमारी पृथ्वी के मादिलात्त राजपान २५० व्यास, सोवेस्वर रामा नृत्य तात्रकात हिंदी म सारदा यू म व्यास देव हिमालय ना मीरी मीत नि ००० जी भोरी, प्राथात्रकी पविच यह विशान सार्शनदाम ०००

श

सहर चौरयी राज्यसन्त ११००. ज नवानने राषापुण ७०० ज मेम विभीन राज्यसन्त ६०० ज सहर बाम भीराग्या चैनामा जनग २५० बज सहर मुलानुसी १६३८- धान्या नी मार्गे मा गॅड. दि ६५० ज

पापर नंगनमं मुदीय पर इ मै पापानहरू भाग्रदमाना बन्नः मोती पनके भूल में सा केंद्र, दि २५० ना यही हमारे पाव हैं नयनेतना १५० महु का रण एक है या नेंद्र दि ३६० उ विज्ञान कोर वैज्ञानिक अनुषम ० ७५ खरस्यों के बीच निरासा मा ग्रममारा २०० खरस्य रामायम मा सा म २५० बप्र पर पायों वीदिय बहुरों ज्या स्वामी विष्णु सीपं सत्तों पर २ विज्ञान म ४०० खरस्य रामायम वीदयं बहुरों ज्या स्वामी विष्णु सीपं सत्तों स्व २ विज्ञान म ४०० खरस्य रामायम वीदयं सहित का स्वामी विष्णु सीपं सत्तों स्व २ विज्ञान म ४०० खरस्य रामायम वीदयं से से

भाग्योदय ३००
स्वास्त्य एव प्रावायाम भाग्योदय ३००
वास्त्य एव प्रावायाम भाग्योदय ३००
वास्त्र व्यवस्था चसुनारण दामुँ
दामुनाय विद्द १६१७ विद्वव वेतु समस्त्रातीन प्र ४००
छ्यायाद-पुग सरस्य म वा ७०० (बा
प्रयोगवाद ग्रीर नयी कविता समस्त्रातीन प्र ६००
सूच्य ग्रीर उपसन्धि मोतीलाल ४२४०
सम्मन सेवा का सेव हि त्रवि भा १ ६५०, मा २

शर्मुसिंह मनोहर, सपा बोला मारू रा दूहां म २ चिन्मय १०००

राश्चित्रान परिया दे पिमनशे राश्चितान परिया दे पिमनशे राश्चित्रास केनद, सरा पर्चीस श्रेट बहानिया सहगत रामग्राह हुसेन मनोविद्यान में प्रारमित्री साध्यिनी मोतीनाव ३ ४० सारण नहीं की बनी त्रिपाठी स २ ७४ उ

शरण दे बीनानाण वरण'
परण, धार एवं कैनीका वा सविषाः नद व २५० द्वरण थे दे परास्तार बरण सरण थे दे परास्ता बरण सरणद्वाद उपवास घ सा सर्व १२५ वि सरत बिटिया धौर सभीरें झालाराम २०० ग

सरत विद्यास स्थापनार सार्ताराच २००५ सरद दे घोनार 'सरद' समा मानस ना मनोनैनानिन धध्यमन नि महन १०००

शर्मा, धिवकाचरण तथा जिल्लामर घरण' जिल्ला स्तार प्रताद वृक्ष २७४

दामा भारतनारायण, १६३०- सुरवि-समीशा भा भवन ४००

दामां, बानदरावार दिव्य पुरुष नेहर भगवती दामां, स मीवन नरतो नई दिन्ती २ ६००

बस्को नई कि से १ ६०० नर्मा, वदितनुमार बानु प्रयं चाउन घोर उत्तर उपयोग नेंडीय हि ३ ७५

समि, एव एन कृष्णाध्युदय-तोशनाय मोनीतान ३०० भैरव विलास-वैधनाय मोतीलान ३०० समी, एव वो तया यो तो कीनिश हायर गेशरी नागरिक

नात्व सा ३ रामप्रमाद भर १ ३०० मा २ ४०० वर्षा एम ही दे पाटन, म्रग्यमाद

धर्माः एव बार मानव इतिहास की न्परेगा सक्तीना

रामजनम देहाती १२५

सम बनवास देहाती १२५

नस्मण मूर्छा देहाती १२५ श्रवण कुमार देहाती १२५ मा

सीता बनवास देहाती १.२५

सीता स्वयंवर देहाती १२५

वैज्ञानिक ष्रध्ययन कि महल

मासाद माहातम्य दहाती १५०

कार्तिक माहातम्य देहाती १ ५० चैत्र माहातम्य देहाती १५०

ज्वेष्ठ माहारम्य देहाती १**.**५० पुरयोत्तम मास माहारम्य देहाती १.५०

पौप माहातम्य देशती १५०

फारनुन माहातम्य देहाती १ ४०

मगितर माहातम्य देहातो १५०

माघ माहारम्यः देहावी १५०

वैद्याख माहातम्य देहाती १५०

धावण माहारम्य देहाती १५० प्रसाद के नाटको का सास्त्रीय सम्प्रयन नद व ८२४

प्रमा १८१व

शर्मा, जनादंनप्रसाद तथा भोगार 'शरद' गन्य-दीप भगोग

बारह मास माहातम्य देहाती १५०० म्राद्रप्रद मास गाहारम्य देहाती १ १०

सीता हरण दहाती १२५

एकादची माहारम्य १५०

राम सवदुश युद्ध देहाती १२४

श्रीराम सीला नाटक देहाती १०००

द्यमी, जगदीदाप्रसाद, १९३५- रामचरितमानस का मनी-

शर्मा जयन्ताय घसोज माहारम्य दहानी १५०

रेवती. हि प्रचा पु ५००. उ गर्मा, हरणदेव रस छद मलकार ग्रशीक प्र १ ५० विद्यापित पदावली सटीक अगीक प्र ५०० विद्वास का बल, एक बच्ययन हिंसा स ३ ४० रामां, नेदार उपन्यासकार प्रशेष, रोलर एक जीवनी के सदर्म मे रोधनताल ४०० धर्मा, केदारनाथ काशी दर्शन चौलवा = ३४ राष्ट्रमाया सरल हिंदी ब्याकरण चौछवा १२५ -सपा श्रीकोप, हिंदी-मस्कृति-कोप चौसवा १२४ गर्मा, कैनाशनाय तथा वामुरतन त्रिपाठी पारिवारिक समाव-गास्त्र कि महल ५०० रामाँ, गजानद रूप रहिम रा वेनीप्रमाद ३ ००० ए श्रमा, गणेशप्रसाद राय प्रवीण कला प्र, इ ५०० गना, गोग्रनान 'प्राणेश' प्राणेश पुष्पानित शारदादेवी धर्मा, फीरोजाबाद जि मागरा रामा, विरिधारीलात, सपा राजस्यानी दोहावसी मा १ सा. सस्थान, राज २५० —स्या राजवानी भीत गीतः मा २-३ सा सस्यानः राज **২-**५० (प्र) च्या सावनदान भागिया, सपा भावीन राजधानी गीत मा १-२ सा सस्यान, राज २१० (प्र) शर्मा, गररत प्रायोगिक मीतिक विज्ञान सत्री स २- रावहस | प्रमा ३७५ से ४ ४० शर्मा, गेंदालात द्रजमापा एव सडी बोली न व्याकरण ना तुतनात्मक प्रध्ययन प्र प्रतिष्ठान १००० गर्मा, गोरीनाय भारत का सपूर्व इतिहास विक्लाल ७००

गर्मी, गोवेंद्रन प्रारुत भीर भएल श का डिशत-साहित्य पर प्रमाव भनुसधान- १६०० —सपा प्राचीन राजस्थानी गीन. मा ६ ह सा सस्यान. राज मा ६ २ ७४, मा ६ २ ७४ रामां, गोविद 'रजनीक'. हिंदी बाब्य, विद्यक्षा दशक. मवत

शर्मा, ज्ञानस्वरूप, १६३१- मंगल युग, एक बादर्श समाज व्यवस्था मगल तारा १०० रामा, टेकबद भाकाशदीप बसल ४०० क

शर्मा, त्र्यबक्ताय १६१८ रसमित्र, त्रियात्मक रसञास्त्र प्रमेशनाय शर्माजी १७, निजाम कालोनी, का हि

विविश्वाराणसी ५०० रार्मा, दयाराम दे रनेवीर सिह

रामी दानेश्वर १६३१ सपा छत्तीसगढ के लोक गीत छत्तीस लोक २००

शर्मा दिनेशचद्र पनु माताथो और शिशुको के रोगो की रोक-याम कॅद्रीय हि ४००

रामी दीपचद्व संस्कृत काय्य भ राजुन सा भ म १२ ६० शर्मी, देवेंद्र 'इद्र महारुवि बिहारी की समर कृति बिहारी

सतवई सशो स ३ बिनोद राम की शक्ति युजा तथा निराला विनोद २ ५० रामी, देवेंद्रदत्त कृषि प्रभियन्त्रणा एवम् भूमाप सरल

ध्रध्ययन राजहसम्म म १२५ पक्षपातन एक चिकित्सा अस्य प्रध्ययन राष्ट्रस प्र स ¥ 40

शस्य विशान सरल प्रध्ययन २ मा राजहसात्र न **३७**४ (স.)

रामा देवेंद्रनाच १६१० असकार मुक्तावली मा भवन ३७४

धाईना बोल वठा राजपाल २२६ नि षजभाषा की विमृतिया मोतीलाल ३७५ भाषा विज्ञान राघाङ्गण

राध्टभाषा हिंदी समस्याए श्रीर समाधान राज्यमल ६ ६० राहिनहा के मासू हि सा स ३००

शर्मा धर्मेश वकरेलाए नवयुगस कु४०० रामां नरेंद्र १६१६ - ग्रायती चिता नम्पर प्र ३ ५० **उत्तर जब, गाया-काव्य रामदद २ ७**३

जवाला पर्वूनी समुदय २ ३० व ध्यासा निर्भार समृद्य ॥ ०० का

शर्मा मितनिवलीचन विष के दात मोतीनास २०० मानदह शालोबना भौर धनुसधान मोतीसास ५०० -- सना यारत की प्रतिनिधि कहानियाँ व भ हरिचरित स १ वि राष्ट्र ३२४

रामा नारायण भीरा की काव्यकता और जीवनी सरस्व

पु स ३ ७५ रार्मा, नित्यानद सपा भाठ एवांकी इ प्रे शर्मा, निरवनतास भारतवर्षं शी खनिजारमन सपति (चार्ट

सहित) भूगोत २२५ धर्मा परमारमा प्रध्वी की कार्ते शामा प्र १ ५० वप्र

रामा, पहिंद बेचन उद् , १६०१- गालिब सब रचनीत 34 00

पानून ने दिन भार हिंद पा (पा) १०० व बुषुपाशी बेटी हिंद पा (पां) १०० उ मुक्ता भारमाराम २ ५० क

धर्मा यी यी, ११२१- सवा द्यार सी पाढे शाकोत्पादन ने सिद्धात एवम विभिया एशियन धर्मा प्रसिद्धनारासूयण प्रौड शिक्षा विधि धौर सामग्री दि

THY OO नर्मा, त्रियवत ध्रमिनवद्यारीरित्रयाविज्ञान चौरावा १००० मायुर्वेद की कुछ प्राचीन पुस्तकें चौधना १०० दोपकारणत्वमीमासा चौक्षदा १०० द्रव्यपूर्णविज्ञान २ भा चौत्रवा १८००

रोगी परोक्षा विधि चौखवा ६०० चेर्मा प्रयत्तता सगीतराज-प्रथम मोतीलाल ४००० चैर्माप्रमिलाहिंदीव्याकरण तथारचना मुमार सर्व ४ द० रोमी बदरीनाय ध्वन्यालीक खीलवा १००

नेमां बनवारीलाल दे कुलथष्ठ, रमग्रदद चेर्माविमला कमल कुर्वे झमुत्त ३ ५० उ विमा भन्त १०० व

सीमा धर्मत ३०० उ चर्मा वी बार नानाय रत्नमाचा वडाधिनाथ मोतीसास

27 00 नर्मा, बीएन प्रमुख शासन प्रणालिया कि महल १२ ५०

चमा, बनमोहन राजनीतिक दायित्व में सिदात हि समि. संववाद बोर संववाद शासन हि समि ५ ५०

धर्मा, बद्धानारायण 'विरुल बार मी घुर नवपुर प्रधानार

हिंदी उपन्यासी का मनोवैज्ञानिक मुख्याकन नवपूर प्रधानार

ीर्मा बद्धानद संस्कृत साहित्य में सादायमुखन धननारों ना विकास ब्रह्मानद गर्मा, गवनमेट बातेज प्रजमेर १२ ०० द्योध ीर्मा, भगवतीदेवी १६१७ सपा दोहा घात्याधरी ग्रसह

धर्मा, भववतीलास स्वराज्य स द्वारो वि घर, जो १००

शर्मा, भवभूति छदोलनार दीपिका सा नि, का ० ६० शर्मा मोलानाच युद्ध-बुद्धि मोमासा हि समि ६०० शर्मा, मस्त्रनमा हिंदी उपव्यास सिद्धात भीर समीशा त्रमात प्र १२००

धर्मा मदनवोपास बोरवै कभी गौरही राज सलक ३०० शमा, मदनगीपास दे ठातूर, खीद्रताच धर्मा, मदनमोहन १६१०- साहित्य परिषय राष्ट्र प्रयो

रामी भनमोहनलास जगन्नाथ साहित्यिक निवय कृष्णा व

१२ ६५ धर्मा बनोहर चरावसी नी पारमा राज सा समि ना

गीठ₹या राज सा समि बातारो कृमको २ मा राजसा समि

रसमिद्ध रामनाच कविधा राज सा समि राजस्थानी सोब सस्कृति को रूपरेगा राज सा समि

--- भन् राजस्थानी उमरखेयाम शाव भाषा

ग्रहस्याची मेधदूत राज भाषा राउस्थानी रवींद्र वाणी राज सा समि -- सपा गोपीचद राज सा समि का ग्रमी, मनोहर 'रिषु' दे गुप्त, स्मेशचड 'रिषु' रार्मा, मिश्रीलाल दे चरनसिंह एर्मा मुत्ती एम 'सोम', १६०१- विरहिणी प्रत्यूष १२०० महाका देरिक निवधावती चीववा ४०० सरदास का काव्य-वैभव प्रयक्ष १२ ४० नवा, मुक्द लिगानुशासनवय बोतीलाल १२ ०० रामी, यज्ञेरत, १६१६- कुमूद हिंद पा (पा) १०० उ

चरण विहासा प्र तुकान के बाद सा अ ३०० उ पाचाली साम्र उ

शमा, बादवेंद्र चत्र ,१६३२- सन्नि वय अन्यामसल ३०० उ एक देवता की कथा कल्याणमस २ ५० क **नेसरिया प**गडी कल्पना प्र ३ ५० च चनर की पीड़ा नेशनल ५ ५०

वेश्यारूप सूर्यप्रम प्र५०० क राह प्रतग जलग राष्ट्र, प्र, दि ४३० ड सन्यासी भीर सुद्दरी क्ल्याणमल ३०० व सावन भावी में सूर्य प्र म ३०० छ शर्मा, बादवेंद्र 'चद्र' दे महेद्र, रामकरण

गर्मा पोगॅडनाथ परधुराम की प्रतीक्षा (दिनकर) एक ब्रध्ययन हिंसा से १७%

रित्तरबी (दिनकर) एक बध्यवन हि सा म संपूर्ण Y ००, सक्षिप्त २००

रामां, रबुबोररारण चरकसहिता का निर्माणकाल तथा काश्यप सहिदाका निर्माणकाल चौलवा २०० धर्मा, रतीराम, बनु योग वाशिष्ठ सपूर्ण, १ जिल्द मे ६ प्रक

रण सहित, सरल भाषा म, देहाती वडा साहब, मोटे

परार २२००, दहेज एडीशन २५०० विव महापुराण सरल भाषा सचित्र, मोटे बसारों मे देहाती बडा साइज १४ ००, दहेज एडीयन १६ ००

शर्मा, रतनाल शाप धौर वर वसल ३०० ए शर्मा, रमेशचद्र धार्षिक विचारो का इतिहास ७ ५० प्रामीण प्रयंशास्त्र राजीव, मे = 40 वैतिक व्यवस्या राजीव, मे

सामान्य विनान शिक्षण कृषार संच ३ २% धर्मा, राजनाय, १६२२- जयशकर प्रसाद भीर 'तितली

विनोद ३ ५० महादेवी वर्मा भीर 'स्मित की रेखाए विनोद ३ ०० विस्वास का बल मालोचनात्मक मध्यवन विनोद ३ १०

साहित्यिक निवय सत्ती स = विनीद ८०० —सपा जायकी प्रयावली विनोद ५००

भ्रमरगीत-सार विनोद रामा राजेंद्र, १६२३- निवधालीक सहमी ना ६०० नि

समीक्षा के मान-दह श्री मा भारती

बर्मा, राजेंद्रकुमार दे रूप वर्षा, राजेंद्रप्रसाद श्राधुनिक पाश्वास्य दर्शन भा भवन

बर्मा, रावेश गुरू गोविदसिंह उमेश २०० वप्र बर्बा, रामनुमार निश्चक, १६३४- वाजनहत हि य र सहका

जर्मा, रामकृष्ण प्रेरक प्रसग ग्राय बुक १५० वप्र बटुक बहुद्दि भार्य बुक २००

सौरो का सत आग वुक २०० धर्मा, रामनोपाल दिनेश', १६२७- श्रध्ययन श्रीर शन्वेषण

उदयपुर विश्व १०० मा उत्सर्ग राज प्र ज १ १० बदलती रेखाए राज प्र, ज २५० उ मधुरजनी राज सा प्रका ४०० गीत मीमासा भीर मृत्याक्त साहित्यालोक प्र ६००

सदानीरा पीतम प्रम २०० ना हिंदी-काथ्य म नियतिबाद, सबत् १०५० वि से २००० तक

कि महत १५०० —सपा मध्ययन भौर भ्रम्बेषण उदयपुर विश्व ४०० तुलसी की काव्य कला भीर दर्शन सरस्व सवाद = ६०

सर्वा, रामनाय, १६३१- भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र मोरियन्टल पब्लि १२ ४०

श्री भर्रावेद का सर्वाग दर्शन झोरियन्टल पश्लि १००० शर्मा, राममृति, १६३२- शकराचार्य उनके मायाबाद तथा बन्य सिद्धाती का बालीवनात्मक ब्रध्ययन सा भा मे शर्मी, समविनास भारतेन्द्र हरिश्चद्र राजकमल ५०० राष्ट्रभाषा की समस्या प्रकार १२००

सर्मा, रायप्रकर 'निशक' ताजगहल हिंग्न र ४०० का सर्मा, रामसन्त्रपय द्विवेदो युग का हिंदी काव्य अनुसंधान.

शर्मा रामाधार, सवा भाषार्व नदद्तारे बाजवेवी व्यक्ति

भीर साहित्य प्रनुसवान २००० सर्मा, सहमीनारायण नया समात्र राजपाल १०० फ्स्ट एड तथा नागरिक स्रक्षा हिंद पा १००

स्वस्य रहने के सरल उपाय हिंद पा (पा) १०० धर्मा, वसत्तरास दे पाठक, चद्रहस शर्मा, बासुदेव हिंदी साहित्य का विकास सूर्य प्र ५ ००

दामाँ, विनयमोहन कवि प्रसाद, धासू तथा धन्य कृतिया परि स ४ विस्वविद्यालय ३ ००

-तिया भ्रत्य नवे नित्रध कैलाश पूस ६०० धर्मा, विष्णुबद्द प्राशास विभाजित है जगत शलधर

६०० का इन लोगो के मध्य सा केंद्र, या ५०० ताबमेन सा केंद्र, वा ३०० उ

द्यर्मा, वीषा, १६४६- निरासा को काव्य-साधना हि सा स ६०० शोध

द्यमी, बीरेंद्र १६३०- युद्ध के शीत विश्वय प्र, मे

शर्मा, वेंकट सामान्य व्यानरण ग्रीर रचना चिन्त्रय २०० शर्मा, वेंकट दे सारस्वत, गोरानदत्त धर्मा वेदवती, सना वायनीय सिगानुशास्त्रम् भा श्राच्य

२०० धार्मा वैद्याताय ज्यामितीय बनावट दामा ब प्रारंभित ज्यामिति दार्मा ब भवन प्रह्लीद दामा व ना द्यार समुन वर्मा घ

धर्मा, राभूदयाल स्वस्य वीस रह महासवित १०० वामा शिवहुमार १६२६- विशे साहित्य युग और प्रवृ-

तिला नारो एव परि स २ बस्तोत्त य घँ०० साना नितवप्र नितनाए सिम्मान का साना नित्त प्रश्नीक प्रश्निक प्रश्नीक प्रश्निक प्रश्नीक प्रश्निक प्रिक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्नि

च ज जहातीर सन्धारं च वीदा, बानी चौर तुकान नवयुग स ५०० छ पुर सौर सदल सन्तार ४६० च

सममोता सूर्य प्र ४०० ज धर्मा, सत्येद्र उनका प्यार प्राप्तोक प्र दि ज समा, मरनामीसह सोच प्रक्रिया एवं विकरणिका मात्माराम समी, मरनामीसह सर्ग्य, १६१७ सार्यक्षायाको के विकास-

कम मे प्रयक्त बार्या प्रयम्भिक्ष सः २ विल्यय ७ ५० काय चयनिका कल्याणस्य २ ५० कृति भीर कृतिकार राजासङ्खी ब्रास्मक्ष के सदर्स में

विजय हुँव भौन वे भूट स क्ट्राणमात्र ३५० सस्स हिंदी भाषा वी पाधुनिक समस्वाह तथा सन्य निवध चिन्सय

े ४० धर्मा, गुमन, १८८० प्राचीन भारतीय श्रनमीन रत्न यय-

हरा प्र प्राचीन भारतीय प्राप्त राजवदा गणहरा प्र ११०० रामा, मुचन प्राचीन भारतीय बहुत्यस्य वणहरा प्र रामा, मरवपमार, १९२४ - वहर स्था की बरोदिक स्थार

रामां, मूरजप्रमाद, १६२४ तदा बार वी बुरोहित भारत मे रामस्य न निदात एवं स्वयन्त्रार मानव बद समी, मूर्यदेव महामानव सार्य सा १००

हिंदी चोर मार्च नमाज भाज मा १०० हामा, स्नेहनता यापपत है उदान्यान प्र श्रीतच्छान ४०० नि

रामी, हनुमानप्रमाद 'बैद मुन्छे मृहिणी महास्थित २.४० रामा, हरेपमाद, सनु भूरबीक्षण क निद्धान हि समि ६४० धर्मा, हरस्वरूप भादरी शक्यणित भा १ रामप्रसाद

११० हायर बैक्ट्री अनगणित स ३ रामप्रताद ३.०० हायर बेक्ट्री अनिवाय भणित स ३ रामप्रसाद ४०० हायर बेक्ट्री बीजगणित २ भा. स ३ रामप्रसाद

मा १ ३ ४०, मा- २ २ ४० वर्मा, हरस्वरूप दे रे, मनोहर

समा, हरत्वरूप द र, भनाहर समा, हरिचरण निराला ग्रीर राम की शक्ति पूत्रा चिन्मय

समीता घोर मूल्याकन निश्मय, १००० वांग ११० वांग हिरिजोहन भारतीय रिनेट में नमरत बोरा ११० वार्मा हिरिजाहन भारतीय रिनेट में नमरत बोरा ११० वार्मा हिरिजाशन अपनु बाईने धनवारी महामना ११०० वार्मा, हिरिजाह केहिंग विधि एक श्यवहार सा मनन, घा वार्मा, हिरिजाह केहिंग विधि एक श्यवहार सा मनन, घा वार्मा, हिरिजाह वा प्रारं एम सिंह भारतीय सर्वेदांस्त्र सा मनन, घा

त्रमा, हरिस्चद्र तथा गोपालवाल भागवा उच्चतर मुद्रा तमा

बैक्सि बरुवाणमस्य १७५ शस्य, यतदेव, १६२८- अनुभववाद मोठीसाल १५० दार्सीम्न बिस्थण्य मोठीसाल १२०० मृतद्य बस समाद दर्शन मोठीसाल ८०० —स्या, समकालीय दार्शीन्त समस्याए स्नामा दर्शन

१३०० स्रोधकर दोषक शिरिक ११२ वा बद्यवया विरित्द १.२५ खडका रो बहे तुम विरित्द १२४ का सर्वित्द समय वेहरू को कास्थानीत विरित्द १२५ शाताक्ष्यार द्विमालय पर साल खरवा आ सा सदन

१२०० जानि भिनु सास्त्री बोधिववावतार महाबोधि १००० साक्य, जयजयराम विस्व के महान सिक्षा सास्त्री राजपाल

३ ४० शास्त्र, समततुमार युद्धत्व की ब्रोर महाबोधि ६०० उ धानी, १६३३- बालायल शहर ६०० उ सास्त्री, एन ती बाचार्य हेमचड ब्रीर उनका शादानुमासन : एर क्षम्ययन चीलका १५००

शास्त्री, चतुरसेन दे चतुरसेन घात्रार्य बाह, मरतपुषार संतिल निज्ञान प्रमरावृति ८०० घाह, ह्यमुल गीत शिषा, प्रशः १७ बाही, रामगानर निज्ञानो हा देव . हनवार मा भवन

रे ००
साही, धोरण श्रीरत की बात जबपानी २००
सबि मेरिन विद्यापि जकपानी २००
मुस्तकात्वय दर्शन अवशानी २००
बण्डिका भाषा भ्रीर साहिल घवपानी २००.
वेडिका भाषा भ्रीर साहिल घवपानी २००.

शिरीय, १६३८- कसे कमला प्रभान्तर्व १००. बप्र खेल सेल में सीसनान्य मा सर्व १५० बप्र नमता नीर मरे. जबाहर. ज. शहद ना छता आ सा. सर्व १.००- वम प्रित रे. उमाप्पाय, शिवनारावण 'शिव' वित. दे शिवकुमार 'शिव' जिवनरम तिहु श्वच्छनादाइ एवं छाम्यावाद का सुलवाहमक

ग्रन्थयन नारायण १३.०० शिवहुमार नारायण. छद शास्त्र की मूमिका खिवानी प्र

३,०० शिवहुमार 'शिव'. वद करो शहनाडे शिव-सा स ११० शिवकुमार 'शैल'. छतीसगढी गायाए राष्ट्र प्रचार स १००

क्षप्र. गितनतरुप्रसाद माप्तिक छरो का विकास वि. राष्ट्र ५ ४० गितनाय, १६१७ - रखीन्द्रनाय नंद. व १००० सा सितप्रधार्वसह, १६२६- सूरदा सराय मा जानपीठ

१,००, क. १,०, क. १,0, क. १,0

रजतोत्सव-प्रथ कर्नाटक प्रातीय = ०० पिवहततास कडीर गुड़ शहर व्याच्या शिव सा १.०० स्वार पोग. मा २ शिव सा १७५ भीवत सुपार शिव सा १.२५ मत्रक हार मीडी चिव सा २ ००

वावरार मोती शिव सा. १ ४० वानक योग. ३ मा. शिव सा. ४.०० मर्गण महारामामण शिव सा. ६.००

शिवशकर काव्यभीयं वैदिक इतिहासार्थं निर्णयः स २ विदिक पुस्तकालय = ५०

विवर्जरप्रसाद दे सुरशंतप्रसाद मिह गिर्बाम्, ठाजुर शिर्वासह सरीज स्वा त्रिलोकी बारायण वीक्षित शेजकुमार ६००० का

शिविभित्र 'सरोज . सनेश कठ · एक पुकार आ ब . त. २०००

रा रिकानी (गीड पत्त), १६२३- चौटह फेरे विस्वविद्यालय

६०० मास हवेली दिख्यदियासय ४.८०.क.

रोन की लोक्क्यायें कि महल. रिवोम्प्रकार, बहुम्बारी, श्री नारायण उपवेशामृत विज्ञान म १७५

साधन-यय विज्ञान स. १०० सीच पुषा, मान और भौतू नवपुत स्थाबार ३०० उ. मटक्टो सहर भौर किनारा नवसुत स्थाबार ४.०१ उ

तील दे रत्नेप्रवात 'शील'. तीलावार, मिशु. बुद्ध गया महावीखि ०.७४. चित्रपुरम मधुर धादस हिंदी निवध राजीय. मे १२४

पुरदेवींमह क्वीर की साविधों का माणा वैज्ञानिक अध्ययन. सरस्व पु स ६०० पुरुत, ममरताय, १९२१- चक्रपुट विद्या म म. ६००.छ. मानवता के पुतारी विद्या प्र. म २ ४०. हमारे सवह म री एक्जा विद्या प्र. म २.४०. हमारे सावक हमारी विद्या. विद्या प्र. म २ ४०. युक्त, उमाजकर दे सुकत, उमाजकर 'स्वाल' युक्त, एसा एम ककेवण संसी स. टे नवसुन सा स , म्रा.

द.०० वर्षेक्षण दिख्दर्सन सद्यो स ३ नवपुग सा स, या ५०० ग्राय-कर विधान स्था खाता सद्यो स ११ नवपुग सा.

स., मा ७ १० बागत बेबा सत्तो स १ नवयुन सा स , मा ८००

खुरन, एत एम- दे विजेद्र गर्लासह खुरन, एत एम- दे विजेद्र गर्लासह खुरन, २४ ते विजेद्र गर्लासह

कराई की तत का प्रयमाता ४७१ उ दर्द की तत्रविरे अनुषम २१० करती और माजाय मा प्रयमासा ६१० ज विद्या की गोर सन्याये. २१० ज पाए और पुण. सन्यार्थ १०० ज. मारी की मुस्या अंघ प्र ६००. रोजी तार्ह विद्यकर्त तारे नव्यर व ४.३० ज. स्वर्ण कमत जा केंद्र, हि २ ५०. ज

स्वर्ण कमल सा केंद्र, दि ३५०, उ शुक्त, कुष्ण, टीका याथे घोर महरो की कहावते पु स., वा. १५० का यह सत्तवह सटीक पु स., वा. २५०, पुस्त, कुष्णयकर, केशय की काव्य क्या पु स., वा. २,१०, पुस्त, कुर्मितारायण, १९१६ स्वी साहित्य गा इतिहास.

हि सपि ७०० शुनल, गणेराशकर 'बच्च'. पीलीमीत का साहित्यिम इतिहास.

हि सा परि, पी. २.०० प्यार कर मुख्ते सनुब हिं. सा परि, पी १०० वा सुक्त, चिंडकाप्रसाद मुक्तफ्त सारोक प्र म १०० शुक्त, ज्यानगप्रसाद- परिवादा प्रवच चौदवा २५०. सुक्त, देवीदत. वुछ परी वरी वस्ताण प्र २००.

प्राचीन मारत में बनतव हि. समि. ५ ५० सपादक के पण्डीस वर्ष क्त्याण म. ४.००. शुन्त, डिब्हेनाय, धनु समरागण-सुत्रधार-बारसु-साहत्रीय

भवन निवेश महरचद. युनत, नृतिहराव श्रन्छी रसोई यात्वोदयः ५.००. युनत, परशुराम 'विरही', १६३१- भाषनित्र हिंदी बाध्य मे

यवार्षनाद. ययमः ११ ००. शुक्तः, पुतुनात 'वडावर' मानूगाहोः विवेक का

युक्तः प्रकृति पश्चित् । विश्व का. युक्तः, प्रभावर वायसी वी भाषा विश्वविद्यालय हि. प्र. १६००.

मुक्त, प्रयाग भनेती भाइतिया परिमतः २ १० क. मुक्त, प्रेमनारायण सत साहित्य प्रयम १८०० गोध. मुक्त, जालनरामः उपदश्व विज्ञान म > पत्रतिः १०० मुक्त, जालनरामः उपदश्व विज्ञान म > पत्रतिः १०० मुक्त, मागीरय 'योगी' भनावस धौर पूनम ज्ञानमहत्त्र प्र.

१०० च

पुतन मानुदेव सपा चित्रा विष्याचन ३०० ए पुत्रन रपुनदन प्रसाद ग्रटल शीमद मानवत ग्रटल प्र १४००

शुक्त रमेगदत्त ध्यायाम निना पुस वा ० ७५ गुक्त राजाराम राष्ट्रीय झारमा १८६८ ११६२ श्रनोती गाल सरस्य स ना ४०० वह

माल सरस्व स की ४०० का पुरस रामकुमार मगान जन उठी सुषमा सा म ना पुक्ल रामगोनिद सिद्धात वीमुदी प्रश्नोत्तरी २ मा

मोतीलाल ३०० गुक्त रामचद्र १६२५ क्ला भीर बाधुनिक प्रवित्या हि

सिम ३५० कता का दगन कारोना १०५० कला प्रमान गरोना ७०० नि चित्रकता न रसास्वादन हि प्रचा पु६०० नदीन चित्रकता गिसा पद्धनि वि सहस्र ४००

नवीन भारतीय विश्वक्ता शिक्षा पढिल कि महस ५०० पुक्त रामचद्र सपा अमरगीत-सार सगो स १३

सा सेवा सं ५०० हिनी ग्रामोचना के ग्राचार सतम संग रामस्वरसान

लडलबाल तथा गुरेगचढ़ गुप्त राधाष्ट्रण पुक्त रामरूमण नहसुहै बीर सिपाही साहियवाणी १००

पुक्त रामगक्तर रसात १८६८ ज्ञालीचना सोचन सपा जमागकर पुक्त रा बेनीमाधन भाषा गुरू कोष मगो मिरिजादत गुक्त गिरीण स ४

रावेनीप्रसा″ श्रीभीम्विजयंपरिमलः स्य २ ५० लडना

हुदल रामेश्वर प्रवन १८१५ नई इमारत हि प्रवा यु ৬০০ ত हिदीक्षाहित्य सनुगीरन जवलपुरंग्र सु४००

गुवल बातान्वर पराथ बिनातम बीख्या ८०० गुवल बातान्वर पराथ बिनातम बीख्या ८०० गुवर बिनयपुमार हिरी साहित्य का सम्पित इतिहास जबनेपुर प्र. गृ. ९८७

हिंगी साहित व इतिहास पर चुने हुए प्रश्न और उनके बरार जबनपुर प्र मु ०७४

-तथा गोविन्प्रमाद श्रीवाग्तव सवा सेठ गोविन्दास व्यक्तित्व एव साहिय सा अवन इ १२५० धुरुर वित्वनाय हिंग हुटण अक्तिना य वर श्रीयदमायवन

े बा प्रमाव भाष्य महिर १२०० मुदेर "पुष्तराल देश्यावार पणी वा निवार उमा २००

महुरा को मीना री उक्षण २०० वज्र विज्ञ को साहितिक सायाए उमेरा २५० वज्र सम्राद गुरारिय प्रवीद ५०० उ --- हपा रामियो जियवर उक्षण २०० वज्र

गुरन निवरुपार १६०४ रामचरितमानस का तुलना रमक प्रध्ययन प्रमुख्यान १५०० धुक्त निवदत्त द्रव्यगुणमञ्जूषा चौसना २०० 'मुक्त स्थामबिहारी तरल सरल सस्कृत ब्याक्षरण सा निका २००

ान का २०० —दीका रामायण मजूरी (मदर वाड) संगी स सा

नि का १७१ धुक्त भ्यामसुदर हिंदी काव्य नी निगृण घारा में मक्ति काणी हिंदु = ००

चुनल श्रीकरण दे वृदावनगरस अनल श्रीकरण दे वृदावनगरस अनल श्रीतिनास सण विस्तरी महादयो भा

र्युक्त श्रीनिवास सर्पा बिहारी ग्रायावशो मा १ विध्याचल २००

युक्त सुखदेव हिंदी उपायास का विकास भीर मीतिकता प्रतु समाग १५००

शुक्त मुरेशचढ चढ प्रतापनारायण मिश्र जीयन ग्रीर साहित्य अनुपद्यान १५००

साहित्य प्रमुचयान १५०० नेनमपियर विनियम १५६४ १६१६ च्युलियम मीजर

त्त्रनाययर विकासम ११६४ १६१६ च्युलियम माजर बोरा २०० ना मूलुपर मूल उमेश्च २०० वन्न

रोमियो जूतियट उसेग २०० वज्र हैमनेट मनु ममकराय हत ६०० नेनामुगव समा बोडवानी सपा ठा मा नायक मादिम

वाति ७ ५० लोकगीत पहुंचानी सपा ठा भा नायक २ मा प्रादिनगति ६०० (प्र)गोत

(प्र) गात रामायनी प्रक्रमन की सत परीक्षा ध्वादिमजाति ६०० गीत

गीत नेत्र रहीन भाषा प्रगरत सवा उदयनकर नास्त्री व मु

नेवाबत सीमायसिंह मना राजस्याने नेनगीत (राजस्यानी पद्दतर) मा ५ सा सस्यान राज २५० राजस्यानी वार्ती मा ३ ४ ७ गा सस्यान राज २५०

(प्र) -- तथा मोहन ताप स्वास सवा स्तास्थानी याती भा ५

--- समा महित वा द व्यास समा दास्याना याता भा प्र सा संस्थान राव २ ५० नेवड प्रनतयोगार १६१६ इंद्रथन्य योरा ४५० उ

्वांसामुकी सस्ता १५० छ - वांसामुकी सस्ता १५० छ

सतरों की डाली हि प्रचा पु (पा) १०० गैनवा दे सतो प्रकृपारी गलवा

भवनावा सामा व स्वर हि धनादमी २०० मा धनावे मटट हरिदत चना

भोतोसीव भिसाइल दान वे स्निगरे न्दिया (ग)२०० उ

भीरे वह दोन रे ४ भा रावस्यत ३५०० उ भीवत बानवी १६०७ १६६३ वाटन मगोगपा (पा)

वृतिया धनोत्त पा (पा) २०० परवृद्ध चनात्त पा (पा) १००

पर न बढ्राधान पा (पा) १०० भारमी बोग बाधान पा (पा) २०० उ सॉब को बोच ब्राधीक पा (पा) २००

सूरन नया, पुरानी घरती रा स्यामनदन कियोर, १६२३ वेतीप्रसाद का

स्वामनदनप्रसाद सिंह निवध संग्रह हिं सा स २०० हिरी साहित्य सर्वेशण घीर समीक्षा हि सा स ७०० स्यामनदन शास्त्री काव्यशास्त्र की रूपदेला मा मवन

६५०

-- टारा मधदूत मीमासा मा भवन स्यामप्रकास भारतीय कला एव सस्वित रवीन्द्र प्र म्बा

हिन्दू सस्कृति के मूल करन रदी द्वाप्त, ग्वा १ ५० ध्यामलाल मधुप त्राति का नाहर मनोरमा ना बय जवान जॅब किसान नवीनतम २०० परम बीर भारत नवीनतम ३२५ विस्मिल की वहर मनोरमा २०० ना विहारका गर मनोरमा ना स्वामसुदर चटनान नवयुग प्रयागार ४०० उ मारत भूमि जिदाबाद द्वित प्र १७४ श्याममुदरलाल ग्रमर नेहरू इ पश्लि १०० वया विदश जदलपुर प्र सृ ३०० — सर्वा कथा माध्यी जवलपुर प्र गृ३०० स्यागमृदराचाय अनुपान विधि स ६ द्यामसुदर ० ५० मनुभूतयोग स ७ मा १ स्वामसुदर १०० रसायनसार स ४ स्यामसुन्दर ८०० स्यामू सन्यासी दे कैयर, विला

यदाराम फिल्लीरी, १८३७ १८८१ अद्वाराम प्रवादली यो [०० म प्री स्वामी जी महाराज स्वा बैदिक उपदर्श शा | श्रीवास्त्वर, कृष्णमुग्रासिसस दे वर्मा, गोरीचर

१ नी पीताबरा १२५ थीहणदास, बनुरगमचहि समि ११५० घीकृत्वालाल वर्त्याण भारती दहाती १ २५ यीकृष्णतात, १६१२- मानस दशन सभी स मानद पु

बा ४०० थीहुच्य सरल पद्भुत कवि सम्मेलन जबलपुर प्र- गृ

४०० वा गद-बुसुमाजिति जबनपुर ॥ गृ२ २५ महारानी महिल्यावाई जवलपुरं प्र गृ २०० खडका देवन हमारा जन कल्याण २०० सरदार भगतसिंह जन कल्याण की हिंदी नान प्रमार र जबलपुर प्र गृ १ ७५ थीसडे, मानती दो प्रभिनय नाटक साथी ३०० थानिरवतदास धीविचारसागर खेमराज थीमन्तारायण, १११२ भारतीय सयोजन मे समाजवाद थीमाताजी चतुर्विष तपस्या घौर चतुर्विष मुक्ति थोघरविद सस्ता ३५०

पुरानी बातें योग्नरविद १ ५० प्रान भीर उत्तर भा ४ धीप्ररविंद ४०० माज्वाणी भा ४. बीमर्सवद ० ३७

मानव एकता का स्वरूप श्रीग्रर्रीवद २ ५० श्रीमाता जी के बचन श्रीमर्रावद २ १० सफद गुसाव थीप्ररविद २ १० श्रीमाली बालुलाल बच्चो की बुछ समस्याए स ३ विद्या-

भवन उ ३ २४ चिक्षा और भारतीय लोनतम विद्या भवन, उ ३००

श्रीमाली नदिकशोर तथा बद्रीप्रसाद जोशी सामाय विज्ञान

विद्या भवन, उ ०७५ बप्र

थीमाती पानासास प्रजनन दिशा भवन, उ २५० श्रीरामसिंह ज्ञलम सुबह मेरी है लजन २०० का थीबास्तव ग्राम कचहरी पहुजा १६०

मुखिया के बधिकार ग्रीर कल व्य पहुजा २५० थीवास्तव तया ग्रंच भौतिक एव रासायितिक गणनाए

क्ल्यावमल २२५ श्रीवास्तव अनतकृमार सैद्धातिक एव सारतीय कृषि रसायन

शास्त्र कि महत ७ १० श्रीवास्तव श्राशीवादीलाल तथा सत्यनारायण दुवे भारतवर्ष का राजनैतिक तथा सान्कृतिक इतिहास र मा शिवलाल

श्रीदास्तव एस पी बुनिबादी गिक्षण सामा य विज्ञान जबलपुर प्र मृ३००

श्रीवास्तव, कमिनवी चतुथ वर्ष प्रश्नोत्तर संगीत स प्र

श्रीवास्तव, कृष्णिनिशीर, १९२५ । बादशं की हत्या राम-प्रसाद २७१ ए

ग्रास्तीन के साप सापी श्रीवास्तव के एन वालक घर और स्टूल के बाहर विद्या भवन, उ ४५०

श्रीवास्तव, गणशप्रसाद दो रास्ते तवयुग प्रधागार ४५० उ सिद्धाय का गृह त्यांग नवयुग ग्रं पागार २ ५० ना श्रीवास्तव विरोणचंद्र तवला बादन संगीत स प्र २ ५० ताल परिचय सगीत स प्र मा १२००, मा २३०० श्रीवास्तव गोविदप्रसाद दे शुक्त, विजयकुमार

श्रीवास्तव अवदोशप्रसाद तया हरे प्रप्रताप सि हा हिंदी साहित्य का इतिहास पुम, इ १२ ५० थीवास्तव, जगदीराप्रसाद दे हिनहा, हर्रेंद्रप्रताय

श्रीवास्तव जी पी, १८६१- बीरवल बिदा है हिंद पा (पा) १०० थीवास्तव, दवानद हिंदी साहित्य का इतिहास श्रीमताभ क थीवास्तव धनेदवरनाय वेसिक शिक्षा क्यो मीर कैसे ?

षु स, वा १५० श्रीवास्तव, परमावद हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया प्रथम

१२५० द्योध थीवास्तव, यो एन हसिये जरा कि घर, जो भा १ २२४, मा २ १०० का

थीवास्तव, पूरतबद्र तथा प्रभातबद्र श्रीवास्तव सामाजिक श्चर्ययन जनलपुर प्र गृ ५००

श्रीवास्तव, प्रतापनारायण, १९०४- विजय का व्यामीह प्रत्यूप १०० ना श्रीवास्तव प्रभातवद दे श्रीवास्तव प्रस्तवद

श्रीवास्तव प्रभातचंद्र दे श्रीवास्तव पूरनचंद्र श्रीवास्तव, प्रभावता इतिहास विक्षण पद्धति सा नि , का

३०० श्रीवास्तव, प्रमस्यरूप मदिर का कलश रा वेनीप्रसाद १२०

ना श्रीवास्तव बलरामः भारतीय इतिहास की रूपरेखा चौखना

£ X 0

रूप मडन स तथा हिंदी मोतीलाल ६०० श्रीवास्तद बी पी तथा उदयींसह कियोर सिपा नये नये यहरे रजना प्र १०० क

भीवास्तव मीरा मध्ययुगीन हिंदी कृष्णमक्ति धारा ग्रीर चैत य सप्रदाय हिंदू एवेडमी

श्रीवास्तर, मुरलीयर परीक्षार्थी व्यावरण मा भवन १६० मुगकवि दिरकर वि प्र कु १०००

श्रीवास्तव मुरलीयर दे विनयकुमार श्रीवास्तव मोतीलाल सघष वे पद्य पर नवयुग बयापार

४२५ उ श्रीबास्तव, रमाशकर जातिवर्गीका विकास हिसमि

१२ ५० श्रीवास्तव राजमणिताल तथा जगदीराशद्र सिंहत धर्म

समस्याप् श्रोरियटल पब्लि १२ ४० श्रीवास्त्रव रामचाद्र चढ्र , टोका कृष्णा गीतावली सा प्र

म , वा श्रीबास्तव रामपुनीत निवध-नरेव (देवी दमवती) पुनीत प्र

अवस्ति रामपुरात राज्यानात्व (दया प्राच्या) पुरात ७५० महारा श्रीवास्त्व, रामानुजनाल, सपा प्रतिनिधि सोक शेत लोक

चतना ५०० श्रीनास्तव, विजय कपिलवस्तु-सुविनी दिग्दर्गन महाबोधि

० ७५ श्रीवास्तव, वीरेंद्र चपग्र दा भाषा वा सम्ययव भा सा स

थावास्तव, बारद्र अपन्य सामा वा अञ्चय १२०० सोघ

—त्यां माय सपा साप्रतिकी वि य कु श्रीवास्तव शांति छायावादी काव्य भीर निरासा यथम १४०० श्रीवास्तव शिवतारामण १८१३ विती वपस्यास नद

श्रीवास्तव शिवनारायण १६१३ हिंदी उपन्यास नद व १०००

धीवारतव निषयसार निषय-माला जवलपुर म मू २७५ श्रीवारतव ग्रीनेंद्रनाच निष्पादा रेसकर, वैयक्तिक निष्य वि

भी पुरुष के श्रीनायप्रसाद विहार ग्राम प्रवायत ने मुखिया सभी स पहुंचा

विहार प्रचायत दर विभाग पहुत्रा ३००

श्रीवास्त्व मनीपच्छ सितार बादव मा १ समीत से प्र २०० श्रीवास्तव हरिमोहरूसाच स्वत्वता के सेनारी हि प्रचा

श्रीवास्तव इरिमोहननात्र स्वतत्रता ने सेनानी हि प्रचा पु (पा) १०० हसाने वाली लोककथाए आत्माराम १५० बप्न श्रीवास्तव, हरिशकर हुमामू श्रीराम मेहरा १५०० इति श्रीवास्तव हरिश्चद्र वथक नृत्य परिचय सगीत स्र प्र

र ०० ।

र प्राय प्रश्तीसर सभीत से प्र ४० ।

र प्राय परिवण सभीत से प्र प्र ४० ।

र १०, सा ३ ३ ४०, भा ४ १०० ।

स्वाद समीत से ४१ ४० ।

समीत सभीत से ४१० ।

समीत सभीत से ११० ।

समीत सभीत निवस समह सभीत से ४०० ।

समा समीत निवस समह समीत से से ३०० ।

सीवास्तर हिमा इस्पा पूप की नई साम हि प्रचा पु उ ।

पुरा की प्र सु १४० ।

पुरा की प्र सु १४० ।

पुरा की प्र सु १४० ।

सह सविस्तरणीय तींग हि यु स ४०० ।

र से से पिरी समुदी भा य नि ४४० व ।

र से से पिरी समुदी भा य नि ४४० व ।

सोनास्तर से समुदी भा य नि ४४० व ।

सोनास्तर से समुदी भा य नि ४४० व ।

सोनास्तर से समुदी भा य नि ४४० व ।

सोनास्तर से समुदी भा य नि ४४० व ।

सोनास्तर से समुदी भा य नि ४४० व ।

३०० श्रीसकुमार रामचरितमानस का तत्व-दर्शन सोक चेतना श्रीसनेही दे डिवेदी, सन्विदानद 'श्रीसनेही'

श्रीत्व कृष्णवदः, १६०८- तया नर्रेद्रकुमार भानावत अतमारती रामप्रसाद ७४

ब्योतिया, शिवप्रसाद 'दिवांकर' सभेदवर्शी निरासा नवयुग स्वासार विकायदास विदेश की साहितासी अने जातिया, सानव-आं

श्वितोषदास विश्व की प्राधिवासी जन जातिया, मानव-जाति विज्ञान या भौगोलिक परिचय रानप्रसाद ४००

स

सम्बद्ध सम्प्रकान, १६१७ काफा हावत की सबकी प्रिटोड ना पर की सान स २ प्रिटलट एव राजकमन ४ ५० ड. परित्यका राजकमन ४ ५० ड. परित्यका राजकमन ४ ५० ड. परित्यका राजकमन ४ ०० ड. परित्यका सामग्री हामरी राजकमन ४ ०० ड. प्रकृति हिन्द को राजकमन १ ०० इतन सिंहा कर स्तर्भ और पित्रक मोतीला १ ०० मारहीय तर किया मोतीना १ ०० मारहीय तर विद्या मोतीना १ ०० मारहीय तर विद्या मोतीना १ १ द १ ५ हिन्दी से बेलिन स्थान पर हुए हुए १ १ १ १ १ १ हिन्दी से बेलिन स्थान प्रकृत स्थान १ ५०

सनोपनुमारी 'शैनवा' जोहर वे बनार नेगनल ३००

सपूर्णानद १८६१ - ब्रह-भक्षत्र हिंदु एक्डमी १४२४ मपूर्णानद योग दर्शन हिंसि ६०० - बदमकों ने प्रकार मंसरता १४० व

हिंदू देव परिवार का विशास मित्र

्र पुराशतक्र

समारवड, १६१७ - छटोषंकारमवरी भोतीसात २०० स्थिपत बिहारी रामबंद ४०० सहिता, सर्पा विवय हुमारी है वस्तुत म्र कु. का सरवेता, सौर्ट रेसार्ष मिल गर्द झा. वि. ब सरवेता, समुद्रास परणीटक नवसूत्व हुं कु. ६०० ससेता तस ससेता टेसा ससेता स्थापीटक स्वास्त्र की क्योसा हि

प्रवा पु ७ ४० सन्तेना, ग्रवधिन शोर प्रयोशस्त्र राजहत प्र म ४०० से

यातायात सिद्धात एवं व्यवहोरं सुरखं ब्राध्ययन राजहर प्राप्त ८००

भाग २०० सन्तेना, एतं सी मार्थित एवं वाणिज्यिक निवयं संयो स ६ नवपुरं सा सं, सा ५००

भौगोषिक सगदन सची सा ४ नवयुन सा सा, आ

र्कः प्रोग्रोगिश सगठन एवं प्रदम् सन्तो सं = नवयुन सा स , प्राट. ००

भारत एव विदेशों में सहवारिता सरल प्रथ्ययन राजहस पार ६२४

भारत का साधिक विकास सदी-स ३ नवयुक सा स , सा ७.००

भारत में नियम-वित्त : सिढात एवं व्यवहार श्रागरा बुक

भारतीय वर्षशास्त्र सशी स ३. नवयुग सा स , बा ७ ०० मातायात के सिद्धात एवं समस्याय, सशी स रस्तीणी

१००० व्यावसायिक सगठन सती स = नववुग सा-स ; मा ७ ४० से १६ ७४

मनमेता, कमनेता जय योग कमलेल प्र ४०० क सम्मेता के वो व्यापारिक सदियम को रूपरेखा हि प्रका

पु. १००० सन्तेना, गोपालदास दे. नीरज (गोपालदास सन्तेना) सन्तेना, गोतिप्रशास स्टब्साझी शी पुरी विध्याचल

२०० २१. सब्मेना, दारिवापसाद, १६२१- वामायनी से वाल्य, सम्बृति

धौर दर्शनः यसी स > विनोदः हिंदी है प्राधीन प्रतिनिधि निव विनोद १००० सबसेना, बाव्राम प्रवधी क विचान हिंदु एटेटेवी सामान्य नापाबिकान हिंसा सक्ते ३०० सम्मेना, मुबनेवरीचरण तथा सविचाननार तिवारी पात्रीय

में हिंदी निवेष राजीव, में ४०० सन्दोना, राजीव भारत निर्वातन तथा बन्द नविताए साज-

रानेतानी, राजीन भीरण निर्वासन तथा प्रत्य कविताए साज नमत ३५०

सक्तेना, राज्य-सनुर कृष्णा स २५० उ सक्तेना, राकरपहाय नैपाल: भनीत भीर वर्गमान नवपुत प क १०००

सत्तेना, शिवनारायण तया कृष्णभद्र विजय, सथा भाषा नेहरू विदायाद भर्सवर प्र मृ ० ३० वप्र

सन्तेना, सर्वेदवरदयाल. बास का पूल समयाय वा सन्तेना, सुधा जायसी की विष योजना असीक प्र. १४०० हो।

नीरत, व्यक्तित्व भीर कृतित्व प्रणीत में है कि सम्मेगा, मुस्तेवार प्रारंकिक घरेगोर्ग कि मृत्त १५० सम्मेगा, के के प्रारंकिक घरोगीर्वा का रागह्स प्र म १७१ व्यवद्वारिक भगेविद्यान रागहुस प्र म १५० विद्या समीविद्यान रागहुस प्र म १५० सावाल्य मगेविद्यान सरक्त सम्प्रम्य रागहुस प्र म १५० सावाल्य मगेविद्यान सरक्त सम्प्रम्य रागहुस प्र म १५०

नेवान्छ क सन्दिदानद मृति, के समकाकीन भारतीय दर्शन मोतीलाल

१२०० राजत दे रमेशमद्र 'स्वबं' स्वत्रज ज्यान-कि घर, वी २०० मा स्त्रोगहुमार, १८३६- घर के दर्गण मे सरनार जिला वैसे हुनिया का पैदस सक्तर स २ म. मा सर्व दिना वैसे हुनिया का पैदस सक्तर हिंद ग्रा. (या)

२.०० सरवाम बिसासंकार चेबर मैन हिंद पा (पा) १.०० छ. सरवाम यास्त्री कार्तिक महात्म्य क्षेत्रकरी देहाती ६.०० पचर्तत्र देहाती ३४०

्वडा योगासनः देहातीः ४.०० हित्रोपदेशः देहातीः २.६० क्षरवदेव वारायेवः जाववे वो कहानियाः राजपासः १.५०

सरवदेव नारायेण जानने नो कहानियाः राजपातः १.५ सरवदेव निवासकारः १०६०-१९६५ जीवन सवर्ष राजपानः जी

शीदी सुधीता मोहरू मारवायों प्र ३ ६० स्वरावेश प्रतिमित्र वसरे दि हु स ३,०० सरवाद शो छात्र दि हु स ३,०० सव्यवेश पार्थी है साम २ ६० सव्यवेश पार्थी है साम २ ६० सव्यवेश पार्थी है साम २ ६० सम्माप्यण्यीत सुसीय से पाम १ ६माण —खरा ऐते से साम तेहरू हि ए हु २,००, बम्न साम्युण, मोधी १ ६६० मोहर सम्बद्ध में सिहर में १ ६६० मोहर सम्बद्ध में स्थान नेहरू हि ए हु २,००, बम्न साम्युण, मोधी १ ६६० मोहर सम्बद्ध में स्थान नेहरू स्थान मोहर सम्बद्ध में १ ६० मोहर सम्बद्ध में १ ६० स्थान मोहर सम्बद्ध में १ ६० स्थान मोहर सम्बद्ध मार्थित स्थान मोहर सम्बद्ध मार्थित स्थान स्थान

योगी की मधुशाला गीविवराम का सत्वत्रत दे मैक्जिनेस सत्वत्रत दे सक्जिमेस सत्वत्रत्र, रवाशी यार्थ सामाजिक धर्म हरवाणा ० ५१ श्रोमद्द्यालक प्रकास वेद प्रचा म २ २५ जी सत्वेद्रश्रताद बिहु 'यरण' मरस्ट को रास नीलम स्टोमं

११० ज सत्तनद वेदातवार ॥ तथा हिरी मोतीसास २०० सत्तनद वेदातवार ॥ तथा हिरी निवय क्यत ॥ २०० यत सीरम एक सभीता क्यत ॥ ११४ देवेंद्रनाथ सभी धीर उनकी सहा-मीटा क्या ॥ १२५

प्रि- शिवबासक राम श्रीर उनका गद्य सौरम कमल प्र-(२१

की ए हिंदी रचना का सरल शब्ययन कमल प्र ४००

साहित्य प्रवेश एक समीक्षा वमल प्र-२०० सनावदा, विष्णुराम 'मुमनाकर'. प्रवध्त बाराधना. माधन. गायत्री भवन बाबूरावजी परमाई माधन जी-गुरूदेव गौरीशकरजी नागर गाधव जी महासती लुबीबाई महलोई माघव औ. विनम्र-ग्रारती माधव धीपसागिरि पूजन मायव सगुर-परिचय माधव सद्पदेश सुधा माधव सञ्बरवास, कचनलता १६१६- फूलो की स्मन, काटो की

चुमन परिमल ८०० उ समयसदर शीताराम चौपाई सुपा सगरचद माहटा तथा

भवरताल गाहरा गारूल का समीर दे साह डोमन 'समीर' सम्मनलाल ग्रनवर बीरवल विनोद देहाती ४०० सरल दे थीहरण सरल' सरस दे मिश्र सूर्यनारायण 'सरस'

शरस्वतीदेवी सहकारिता, बया, बयो, क्से ? पु स , वा १२४ सराफ, गोपानकाण, १६२६- रिमिश्रम हि प्रवा पु का सरावगी, धर्मपद पचास साल वाद हि प्रचा पु (पा)

100 सरीन, ब्रार बार एवं सवा ब्राय सरल बनगणित राजीब,

मे ३०० सरोज, दे, मिश्र, जयश्व रकाय 'खरोज' सरोज दे शिवसिंह 'सरोज' सर्वदेव नारापण हिंदी ध्रुह्मलिया ज्ञानपीठ ६०० सलाहरहीन, गारी ताले का पूल विश्वविद्यालय ३०० उ सलित द पाउँ र बन्दन सनिल' सविता. दे रामाध्य सविता' सहपत, प्रसिन्नी १८२६- गुरु गोविदनिह भीर उनरा

भाग्य हि सा भ १५.०० वोध. सहगल, मनमोहन, ११३२- जिदगी बीर जिंदगी दि पु स

सत-बाध्य वा दार्शितक विदेश्यण भारतेंद्र भवत १२००. योग सहगल सलित वागन की दीवार धार्य वृत २००

सहत, मन्दैमातान, १६११- यदा निश्मि बन्याणमल 1.80

मान सरोवर. बस्याणमल २ ५० मृत्यावन राज पुम ३०० आ सोत-नचामो के बुछ कड तत् कि महन- ५०० सोत वधाए

विमर्ग गौर ब्युताति जिन्मव १२०० नि सहस, हरणाहिहारी, मना इदिया थाधी जिन्मव १५०० सालबहादुर राम्त्री विस्मय २५ ०० ग्रहाय, यी वित्रम कहा: सर्वश्रम्बयव रूमक प्र 1.71

सहाय, शिवपूजन, १८६३- वे दिन, वे सोग. सपा. बालेंदु-बेखर मगलमूर्ति राज्यमल ४५० सस्म हिंदी साहित्य बीर बिहार सः २ वि सप्ट ८०० सहाय, शिवरवरूप मारतीय सरङ्गी गर्ग व ३०० सहाय, शिवस्वरूप. दे सिन्हा, विघेश्वरीप्रसाद साइत्यावन, राहुम दे राहुन साइत्यायन सार्राखा. वदरीप्रसाद, सभा महता भैगसी विर्वत महता नैषसीरीस्थात राज श्राच्यविद्या सागर दे बाधी, की डी 'सागर' सातवतेकर थी दा प्रववंदेह का सुवोध प्रमुवाद. ५ भा

स्वाध्याय १००० (प्र.) व्यीमाद्रमबदमीता-परुपार्यभोधिनी स्वाध्याय २००० —सपा दैवत सहिता स्वाध्याय ३००० सातोस्कर वा द परहाई विद्या प्र म. ४.०० उ साथी दे बोहरा, मगसदत्त 'साथी' सायना, दे सहबी 'सायना'. साधना प्रतापी (कारमीरीलास प्रोमा), १६३६- भीमी मासी नवयुगंत्र ४५०

सान्याल भूपेंद्रनाय केंब साहित्य ना इतिहास हि समि

भारत मे पचावती राज नेशनल २०० मनुष्य की उत्पत्ति भीर मानव जातिया नेशनल ३,४० सामर, देवीसाम बात्मा की छोज विद्या भवन, उ 5 40 W

सायाजी मुला स्पमणी-हरण सपा पुरुपोत्तमलाल मेनारिया. राज प्राच्यविद्याः ३ ४० सारम, कृष्णमोपाल नई बहानी संबलन नवपूम प्रधानार.

२५० व शारस्वत, एव श्री रसायन शास्त्र शिवलाम Y oo सारस्वत, गोपासदस तथा बॅबट धर्मा निवय शिक्षा, सशी स ॥ चिन्मय ३००

सारस्वन, रावन, सपा राजस्वान के कवि भा २० राज सा श्रकाः ३७५

सारस्वत, रावन, दे टाइर, रवीइनाय. सारस्वत, रावन दे निवजी सारस्वत, शिवशकर मूरदास मधोक ॥ २५० मा सारामाई, मृणालिनी नन्ही नर्तती राजवगर यप्र सावत दे रपुत्रश्रदयास 'सावत'.

सावरतर, बीरविनायर क्षमोदर धात्रनम गरावारा पृथ्वीरात्र प्र मा १.४,००, मा २ ४००, मा ३ ४०० कारामानी पथ्वीराज ३ - उ

वांतिकारी चिट्ठियां राजधानी २५० मृत्युजय मावस्व र, पृत्योराज 🖩 २.००. जी र्बार वाणी. वृच्वीराज प्र १२४ सन्यस्तगद्गं पृथ्वीरात्र प्र

स्वातव्यवीर मांबरकर : व्यक्ति घीर तत्त्वज्ञान. पृथ्वीराज

हिंदुग्व- राजधानी- ३.५०

जी. सावित्रीदेवी प्रभाकरः भारती कंत्रः देहातीः १.५० साह, प्रार. पी. धीस्त जयती नाटक. प्रमात बुक. ०-२३

स्तीस्तान्करणः प्रमात बुकः धर्मः जीवन निर्माण, प्रभात चुक, मा. १. १.३७; मा. २.२.००;

भा. ३. १.५० स्यागमृति डेमियन प्रभात दक १५० ना प्रेम की विजय. प्रमात वक. १.४० ना. प्रेम दानः २ माः प्रमात बुकः १.००० (प्रः) बप्रः बाल नीति शिक्षा- प्रभात बुक- भा- १. १.००; भा- २-

2.2% भन्दि माल, प्रमात बुक, २.०० धर्म. विनयमासिकाः प्रमातं दुकः ०.६४. धर्मः संत पीउस दसके प्रमात वुक. २.७५. जी--- प्रमु. नया व्यवस्थानः प्रभात बुकः ३.६०. जी-साह, बार-पी- वे- बास्द, एस- एस-साह, जे. बी. माध्यमिक जीव-विज्ञान, भा भवन-साह, रेमी पौल, जीवन के छीटें. प्रवास बुक, ४.२४, क्या. बोपती तत्वीरें, प्रभात वक, २,२१, क्या-

-- हया के. वा. साह. हतों के हायी. प्रवास युक्त. ३.२१. जी. साहती, पी. भार. दें. टंडन, बी. भार. के. साहती, पी. भार. दे. त्यावी, महाबीर सिह. साहती, बंसरीलाल. धनुभूत योग चर्चा. बायुर्वेद शिक्षा.

माहती, बसराजः पाकिस्तान का सफर हिंद पाः (पाः) 8.00

गाहनी, भीष्म, १६१५- भटकनी राख राजकमसं. ५००. साह, केरूबिय बारनी जनवरी के संत प्रभात बुक. जी. तपस्वी मार्टिनः प्रभात बुकः १.२५. जी म्रवृत्रयी पद्य प्रभात बुक. ०.७५. जी. यूरीप के निर्माता, प्रभात बुक. २.५०. जी. बन के फूल प्रभात बुक्त. ३.००. बचा. रांत मलोइन. प्रभात बुक २.००. जी-रांत वेनेदिक. प्रमात बुक्त. १.३७. जी. सतो दी भाकियां प्रमात युक्त. ३ ००. थी. सही रास्ता. प्रभात बुदः २.२५. वचा.

उन्होंने कहा था. प्रभात युक. ४.५० कथा साहू, जगदीत. प्रवेशिका प्रायोगिक रसावन. मोहीलाल- १-३० प्रवेशिका रसायन मोतीलाल- ५.५० प्राक कार्यनिक स्मायन मोनीनाल ३-००

साह, उपदीत तथा बन्दः प्रथम वर्षीय स्नातक कार्वनिक रसा-यनः मोनीलालः ५.७५

साह. डोमन 'समीर'. संतानी-प्रशासिनाः थी दशन पू भवनः २ १०.

मार्, नरायनदासः कथा-परामः खबतपूर प्रः म्॰ २.५०० कः विह, बार, एन, भारत का सबैधानिक इतिहास तथा राष्ट्रीय मोदोलनः प्र. केंद्रः ६.७३

सिंह, बार. एन. दे. धर्मा, हरिनंद्र. सिंह, बो. पी. व्यक्ति कीट पास्त्र सिंघल. सिंह, सी. थी. बोवरमैन की पाठ्यपुरतक न्यू स्केच. ६.०० सिहत, बबदीसपंद्र- दे. श्रीवास्त्रव, राजमणिलात.

सिन्हा

सिहल, महाबीर, हमारे चौपाये. राज सा. प्रका. २.००.

सिहल, शांति- ग्रलका- मा- सा- सदन- २.७५ बिहा, सावित्री. तुला श्रीर तारे. नेशनल. ८.०० सिकद, प्रेमचंद, प्रकियात्मक भूगोल के सिद्धात. मौरियन्टल.

पश्चि. सिद्धगोपाल, काव्यवीयं. कत्रह साहित्य का नवीन इतिहास.

सिद्धनाय हुमार, १६२७- हिंदी एकांकी की शिल्प-विधि का

विकासः ग्रंथमः २०.०० सिद्धेकी, सलमा सिकंदर नामा भा ज्ञानपीठ. उ सिद्धेश दे. चतुर्वेदी, केशवप्रसाद 'सिद्धे दा'. सिद्धे द्या, देः राव, सिहासन 'सिद्धे श'-सिद्धे स्वरासादः छायावादीत्तर काव्यः नैदानलः ५.०० सिनहा, बदरीनारायण, प्राथमिकी, श्रीगणपत, १०,०० बिनहा, सदमीकांत- हिंदी उपन्यास-साहित्य का उदमद और

विकास- अनुसंधान एवं प्रयमारती. २०.०० सिनहा, सरेरा, १९४०- उपन्यास शिल्प भीर प्रवसियां.

रामा प्र. इ.०० उपन्यासों मे नायिका की परिकल्पना- ग्रामीक प्र. १२.५०

वोदाव : एक विवेचन, रीपल-नई कहानी की यूच संवेदनाः भाः ग्रं. नि. ५.००

प्रैमचंद : एक विवेचन, रीगल,

बापू- उपेश. २.००. वप्र. हिंदी उपन्यास : उद्भव भीर विकास प्रशीह प्र-

सिनहा, हर्रेडप्रतापः रस-मलकार-छंदः कैलाग व. २ ०० -तया जगदीसप्रकाश थीवास्तव, दिहारी : कदि ग्रीर काव्य,

रा. वेनीमाधव. हिन्हा, प्रमरनाय हिंदी गड. भा. भवन, २.५० सिन्हा. धरविदनारायण. विजापति युग धीर माहित्य. विनोद.

सिन्हा, बाधीनाव बेट ब्रिटेन का मनियान : सरल भ्रध्ययन-कसस प्र. १.७१

सिन्हा, देवेंद्रप्रसाद तथा बन्यः सामान्य विज्ञान भाः भवनः

सिन्हा, पांडेय रुपितदेव नारायण. दे. पांडेय रुपित (पांडेय

मिपतदेव नारायण मिन्हा) सिन्हा, बी. के. कोधापरेटिव हैं ब्राप्तमेग्ट इन नेपाल कि.

महल, १०००

सिन्हा, राम, धनु, समीकरण सिदात, केंद्रीय हि. ३.३५ सिन्हा, रामेश्वरप्रसाद- दर्शन की भनक भा गवन ३.०० मारतीय दर्शन की ऋलक मा भवन ३.००

समाज दर्शनः भाः भवनः २.२४

सिन्हा, विधेरवरीप्रसाद तथा शिवस्वरूप सहाय प्राचीन भारत का इतिहास तारा १२५० बिन्हा सत्यनारायण देन विदेश की मनोबी प्रवाए हिंद पा

(पा) १०० सिन्हा हरीश द्वार्थी ने फूल नवयूग यथागार ४ oo उ सिन्हा हरीस्वरप्रसाद ग्रनु युद्ध मन ज्यामिति प्रवेशिना

केंद्रीय हि ४ १५ **छिन्हा, हरेंद्र प्रताप** दे श्रीवास्तव, अगदीशप्रसाद

सियार मश्ररण प्रसाद १६३३- कालजबी भरना कला भा २ ५० का

गदानार राजा राधिनारमण पुस गा ३०० भेडिये की बारात कला भा ०६२ भ्रमकी दीवार साप्र २०० ए

—सपा द्वा॰ रामकूमार वर्मा «वनितस्व भीर वृतिस्व विश्लेपण कलाभा ४००

प्रतिनिधि साहित्य करा मा १६६३ २५० १६६४

धिवजी राजस्थान रा लोनशीत सथा रावत सारस्वत राज भासा ५०० सिसौदिया दे रामावतारसिह 'सिसौदिया

सीता निर्मारणी कि महल २०० सीताराम प्रौढ मनोरमा संटीक मोतीलाल ३००० सीताराम 'प्रभास' तुलसीदास भीर उनना बयोध्यानाड

क्सल प्र राष्ट्रवि मैथिलीशरण गुप्त भीर उनकी यनोधरा

रमल प्र सीताराम शास्त्री चाइमित्रा चडलीव

बीसमदेव रास एक गवेयणा हिंदु एनेडेमी २०० सदर दे थोमा, जगदीश 'सुदर' दुसरामदास हनुमान जीवन वरित्र देहाती ४५० मुखनानजी, १८८०- समदर्शी मानाय हरिभद्व राज

प्राच्यविधा मुग्रानी मनीवद दे चौपरी, शविविजासराय मृतिया, एस वी विदायय प्रशासन एवं सबदन विनोद

मुदर्शन, १८६६- बान महामारत वीरा २५० बत्र बाल रामायण योरा २०० वत्र

मुदर्शनत्रसाद सिंह तथा जिवलक्ष्मसाद सरल प्रायोगिक मीतियों मा मदन ३७५

मुदर्शनप्रसाद मिह स्या अप प्रायागिक भौतिती भा धवा ₹ 00, y 00

मुदर्शनसिंह कृष्णवरित भोतीताल १०.०० गुदर्शनसिंह चक दे धरादानद सरस्वती, स्वामी सुषाणु दे लक्ष्मीनारायण 'गुषाणु' मुधारर, के एम मजूबा विवेक २ ५० क

मुधि दे पद्मा 'मृदि सुधीर, वेरदान, १६३८- भारत की विदेश मीति अने प

म. ७ १०

युनीता, १६४१- बीज्य कमलवीर प्र २००. उ सफरके साथी कमलबीर प्र २५० उ चुमन दे बवाशसाद सुमन' पुंबद्धाण्यम सी येरे देखें कुछ देशा की ऋतक चढामागा

सुमगलप्रकास वह नन्हा सा धादमी मा ज्ञानपीठ ६००

पुमन बाबा विज्ञान के सिद्धात नवनेतना ६ ५० चुमन दे सवाप्रताद 'सूमन' पुमन दे क्षेमचद्र सुमन सुमन दे मिथ्र, बनवारीलाल 'समन'

सुमन दे रामताष सुमन' सुमन दे श्वियमगलसिंह 'सुमन'

पुनन', ज्ञाचार्य बृद्धावस्था कैसे रोके भाग्योदय २०० स्वप्नदोष कॅसे रोक भाग्योदय ३०० गुभनाकर दे सनावद्या विष्णुराम 'सुमनाकर'

सुमेर्सिंह 'दइया' प्यास की प्यास सुय प्र स ४०० व सुबोगी मिलन, स्पा सत्तन ल २ समानातर

सुराचा प्रतापसिंह माता पिता कीर बच्चे विद्या भवन, उ

सुरेंद्र, १९३१- वर्ड कहानी दशा, दिशा, समावना भवोती १५०० मुरेंद्रपाल सिंह बनोला विवाह जबनपुर प्र गृ१०० ना

गुरद्रमोहत संवित्र चायुर्वेदीय यत्रशास्त्रपरिषय चौलना सुरेशप्रसाद प्रवेशिका भूगोन भा भवन ४,५० भगोल भा भवन ६ ५०

वाणिज्य भूगोल मा भवन ५०० पुरेबायरण हिंदी साहित्य गा इतिहास राजीय, मे १०० मुरेश्वसिंह १६१०- रॅगने वाले जीव सस्ता ३०० व हेमारी विहिषा ॥ ५ नेशनल ७००

पुरेंदसिह, १६१२- हमारे जानवर नेशनत ३०० गुगी प्रकृतार महारदि सानिदास अमेग २ ०० वप मुत्रीलनुमार सिंह भाषात्रीर, बृहत्तर सम्बरण धालीर प्र,

सुशीलक्द्र सिंह, १६१३- भारतीय शासन भीर राजनीति के सी वर्ष साथी १०००

भहत्त्वपूर्णं सासन प्रणातियो सापी **१०००** राजनय ने सिद्धात सादी ४०० राजनीति सामी १०००

राजनीति में निवध साधी रेवतत्र राष्ट्रो में सम्ब घ रयागी प्र १५०० गुडद दे विविधेवनारायण सिंह 'मृहद'

सूरजन्नसाद सिंह, सपा निषय मनय मगय सा-मूरती, उबंदी आधुनिक पविता में मनोविज्ञान अनुसपान

मूरदास अमरवीत-सार सपा राजनाय धर्मा विनोद

रनेही बुछ मुक्तक पूछ उजल झनोक वा (वा) १०० स्यास बी एस प्रीड शिशा हस्तामलक पू स वा १२% स्वतंत्रतानद स्वामी विन्धों में एक साल हरवाणा २ २५

स्पविर सद्धमानाय मायवण तथागत ना उपदेण महाबोधि 040 स्नातक दे विवर्मेंद्र स्नातक

सीलकी सूरज सपा देवरी री यह नवयुग व कु २ ५०

नाम पत धीर निगण सत काव्य विनोद सील ही देवेंद्रप्रवापरिंह मनुजानुज रहीम की राष्ट्रीयता कृष्णा ब

चेतना ३५० च

सोम दे शर्मा मगीराम सोम सोम सुभाग भ्रव्यक्ता कुमार सब १५० सोमाबीरा तिली कि महल ४०० उ सीनको कोमनसिंह १६२७ खाली मनान खुले समरे लोक

२६० सोन्टाग मी के जीवन दाक्षा प्रभात बुक ३०० की

चेतना का प्रतिनिधि तकसन कविता मराठी भा जानपीट ४०० सोना कुलदीपरिष्ठ दीप द्वादणी दीव व्र ल ३०० सीनी जगदीनाचद्र समस्यानिको के ससार में केंद्रीय हि

सलिसवरी रौलिन की प्राकृतिक भूवृत लक्ष्मी ना ३० ०० सीच दे कश्यप प्रम सोज सोनवलकर दिनकर १६३३ अकुर की कृतज्ञता लोक

सेठी निहालकरन प्रारंभिक भौतिकी चौखवा १ १० सबन व निरकार वेच सेबक

500 सेठिया मूलचद सकलिता कल्याणमत २ ६० सेठी निलीचन ६ तनखीवाने सुचीसावाई

पतराम गींड विगान तथा धाय बगाल हि ६०० सेलावत सुमेर्रीसह मेथमाल रितु काव्य असका प्र सी ই০০ কা संद एम एस हायर सैके हो वाणिश्य प्रथास्त्र विकास

सा म १५०० मुबभूपणप्रसाद दे रायगरपत्रसाद सूर्यमस्य मिथण १८१५ १८६८ वीर सदसई सपूरा वया

सुवनारायण मृति चावलि १६२१ हिंदी शीर तेलुगु के मध्यकातीन राम साहियो वा तुलनारमक प्रतुत्तीतन हिं

रामप्रसाद २०० मूयकात देकीय ए बी सुवनीत दे ब्लुमफील्ड एम सपकात गास्त्री वदिक कोण मोतीलाच २२ ५०

मुरसागर सपा नददुतारे वाजपेयी हू आ समा १२५० (प्र) सूरी ललितमोहन कुलदीपसिंह माध्यमिक प्रयोगिक रसायन

—सपा रामचद्र शुक्ल सभी 🖩 १३ सा क्रे 200

6

नेसक निर्देशी

चौसठ रूसी कविताए राजपात ३०० दो चटटार्ने राजपास ७०० का

११ ०० वा मध्कलग हिंद पा १०० का

भरत्तव द्वीप का स्वर राजपाल ५०० का ─रुपा नागर गीता राजपास ६००

इरिमोहन मोलियिक खेल हिंद पा (पा) १०० हरिवगराय बच्चन १६०७ ध्रमिनव सोपान राजपाल

हरिदत्त नास्त्री व्या ऋक-सूक्त-सप्रह सभी स ४ मा साम, मे ७००

हरियत वेदानकार १८१७ कालियास के पत्ती गुरुकुल

हरिचेश है महतो बिलराम हरिचेश

विवेक १५० वप हरि दे पूप्त हरिकृष्णदास 'हरि हरिमीध दे उपाध्याय मयोध्यासिह हरिमीध

१ चौसवा १२०० हरगोविददास पाइ-सर्महण्यवो प्राकृत मोतीलाल ३००० हरनारायण स्वामी कृपानाथ सरस्वती सरस स्रोकतयाए

हवारे कवि हगारे बच्चे नवयुग प्रयागार १०० वम हनुमानदास, स्वामी, व्या हिंदी ब्रह्मसूत्र गाकर माध्य मा

नये शही नये रास्ते नवषुर प्रयागार २२५ बात तेरह एकाकी नवयुग प्रधानार १५० भारतीय ऐतिहासिक बीर महापुरुष नवपुग प्रधानार १०० वप्र

बरोजगारी के सिद्धात गगद २०० इवेता पी ही दे परवार एस एन हट्टन जे एक भारत म जाति मोतीलाल हुनुमानदास चकोर छायाबाद झीर निराला नवयुग य या नार १५०

व्यक्तिबाद पुतमूल्याकम नवसुध प्र ८०० हसवनी गौतम सपा पचामत चौलना ३०० का हसारवरूप स्वामी पटवत्रनिरूपण विज्ञान म ० ७५ हेंबेला श्री की अवर्राष्टीय व्यापार तथा मार्थिक विकास यस्य २००

हस दे उदयमानु हस इसराज दशक धाटियों के स्वर संमाग ३०० या हतराज रहवर १६१४ अमिता हिंद पा (पा) १०० उ

94440

स्वामी यगसदास सपा श्रीमहाराज हरिदासजो की वाणी सटिप्पणी व अपर निरजनी महात्माओ की रचना के मसा दादू महाविद्यावय जबपुर सिनी स्किन्तर चारस ई शिक्षा मनोविज्ञान ग्राह्माराम १५००

हरिवशरायं

हरिशकर अनुवाद शिक्षक हि शिक्षक • १० निबंध संग्रह हि शिक्षक ० ६० पत्रलेखन हि शिशक ० ५० पूल पत्ते हिंशिशक भारै ०५०, भारे ०६०, मा३०७५ क हरिश्चद्र सदाचार सूय प्र म २०० नि हरिश्चद्र विद्यालकार सामवेद गुटका देहाती 📽 👓 हरिहर सिंह हमारे पन चौर त्योंहार समाय ८०० हरिहरानद सरस्वती स्वामी (बरपात्रीजी) बहुमब बीर परमार्थसार ठा राधामोहन सिंह स्ववाधम धाम, तिलव राय हाता पो बढका राजपुर, जि धारा ६०० हरीम (हरिशकर धर्मा) १६३३- मादिकाल का हिंदी गद्य साहित्य स १०००-१५०० रामा प्र ८०० पादिवालीन हिंदी साहित्य शोध सा भवन, इ हरीश नीनिहाला के गीत राज सा बका २ ३० वप्र हरीश मध्र खल र गीत भाग्योदय १०० वन भाषा नेहर भाग्योदय १०० वप्र धरती हिंदुस्तान की भाग्योदय १०० वज नन्हा विश्वियाधर भाग्योदय १०० वप्र बिल्ली बानी स्याऊ भाग्योदय १०० बप्र हरेंद्रदेव नाशयण भारतीय जवानी की ससकार दिव्यासीक प्र ६ १० हुईवर, थीनिबास वालाजी १६०६- धट्ठारह सौ

सत्तावन सस्ता ३५०

तास्या दोपे नेशनल ६००

हवं, बार जी, माध्य शिवकोश—शिवदत्त मोतीलाल **१२००** हपंचद्र दे अनेद्रदुमार हाचानं, नैधेनियल हवेती राजपाल ५०० उ. हाडी, टामस कैस्टर विश्व का मेयर अनु गिरीशहूमार चतुर्वेदी, पुस, वा ६०० उ हालदार, श्रमितकुमार, १८६०-१६६४ स्पद्याका चढ्र-सोक १००० इडियन वल्चर एट ए ग्लान्स हि समि ३००० हिरियन्ना, एम भारतीय दशन की रूपरेखा राजरमस हील जोनर विश्व ने महान प्रयंशास्त्री एसाइइ ८०० हरमचद इचनगढ ४ भा देहाती ३०० हृदयेश दे पाडेय, हृदयनारायण हृदयत्। हेमचद्र, भाचार्य प्रपन्न सं व्यावरण धनु शानियाम उपाध्याय मा विद्याप्र ११० हेमराज निर्मम', १६३१- युद्ध और शांति ने नेता लाल-वहादुर कमल प्र, म ३ ८० रण में उत्तरे बीर सपूत कमल प्र, ध ३ ८० वया हेलबोनर, रावर्ट एल घायिक विवास गगद्म २५० हैनियन, सहारमा हैनियेन्स ऋनिक विजित अनुएम एउ वणवास एम एस बुक स १ ३०० हैरत उर्दुक प्रेमगीत प्रशीन पा (पा) १०० होधाय दानची चपनिवशवाद ॥ साम्यवाद की घोर यूरेशिया. १५०



वृहद् हिंदी ग्रंथ-सूची : परिशिष्ट १९६६

विभाग २

ম্ম

बरुर सश्सना, राज्य, कृष्णा ऋ २ ५० —री कृतनता सोनवलकर दिनकर नाक चेतना प्रदेश्यां गुक्ल एस एम सक्षों स ६ नवसुव सा स आ

—दिग्दर्शन शुनस, एम एस सभो स ३ नवयुगसा स

ग्रगिका-सस्त्रारगीत वि राष्ट्

अशिया चोली गाइड मनली कीएक दहातो २ ८० प्रगुतर निकास कीस सामन, भदत ग्रानद महाबोधि भा १

७००, भार २१००० मपत्री साहिय का इतिहास मिश्र जगदीश्वविहारी हि समि

—हिंदी पर्यायत्राची कोश कपूर, बदरीनाव सपा राजकमल 200

प्रतरा देवघर, ज्यो स्मा महाराष्ट्र राष्ट्र ३०० सत्यांना पेन्सीकर ईश्वर वोरा ८५० अतर न्द्र दीरमानुसिंह प्रताप नवपुग ग्रथागार ३५० सतर्भारती द्योत्रिय कृष्णचद्र रामप्रसाद २७<u>४</u> पनर्राष्ट्रीय कानन् त्यांची सहादीर्रासह

€ 40 —बानून सरस प्राच्यान विद्यु रामगोपाल राजहत्त्व

─थापार भीर माधिक विकास भिम्नर, नेरेल्ड एम

भारमाराम ५ ५० -- ब्यापार तथा प्राधिक विकास हजेला भी आ यन व

- सबध टडन महेराप्रसाद के द्रीय हि ६ ६० ─सवय मारिया थी, भार स २ राजीव मे १६१६ से मायुनिक समय तक ७०० १९३६ से बायनिक समय तर ३ ५०, १८७१से मापूनिक समय तक ८५०

—सदय मितल निगरण राजहस प्र म ७५० -- सबय सरन प्रव्ययन रस्तोगी, दयाप्रवान राजहस प्र म २६५ से ६२५

ग्रतिम सध्याय गुप्त भैरवप्रसाद धारा १००० —परिचय चट्टोपाध्याय सरतचद्र हिंद पा (पा) १०० अत्यासरी दोहावसी त्रिवेदी दुर्गाशकर ग्ररविंद प्र ग

अया चाद रूपचद मुनि भा ज्ञानपीठ

ग्रवरी वस्तिया रमेश भारती नवयुगप्र ५०० —सुबह यश्चपाल वालिया निरालों सा स ३०० अयर के वाहर कुमखेटा, रवीद्रप्रकाश स २ जिन्मय

अबट्ठसुत्त राहुत साकृत्यायन महाबोधि ० ५० भकड़ सा भजीतसिंह भमरा स्वास्प्य सरिता १०० श्रवक कहानी बमा सबदानद हि प्रचा पु २०० सकदर सीरवन विनोद सम्मननाल देहाती ४०० ग्रकिर की बात शाही, श्रीरग ग्रवपाली २०० धकेली माकृतिया युनल, प्रवाग परिमल ३५० शसय रह चद्रप्रकार्यासह सपा म स यूनि प्रक्षयवट कस्याण म ०५० श्रस्ट विकासन ज्योतिष न्यादर्रीवह 'नैचीन' देहाती ४५० अस्ति दीक्षा अमृतराय सजना ५०० -- पद दार्मा योदवेंद्र चह बल्याणमस ३०० श्रुच्छा नागरिक बत्स्य, सतराम नेपानल १२४ भच्छी कहानिया बलस्य सतराम रामप्रसाद ०४६ —रसोई गुस्त, नृतिहराम भाग्योदय १०० —हिंदी टेंडन विस्वनाय २ मा रामा प्र १५०० (प्र) भछूते कूल और भ य कहानिया बारस्यायन, सन्बिदानद हीरानद अन्य सरस्व प्रे ३ ५० धनेव राष्ट्रभावना उपाध्याव भगवतगरण प्रभात प्र

बट्ठारह सौ सत्तावन हर्डीकर, थीनिवास वालाजी सस्ता

ग्रठारह सूरज के पौधे बली, रमेश्व, मा ज्ञानपीठ ३०० —सौ सत्तावन मासूम रजा राही घात्माराम ६०० १८५० को वानि सौर रहेलसङ प्रतापचद्र 'साजाद स्वराज्य

सबु मौर सनत बोविदास इन्टर पूनि ४००

मणुयुग भीर हम दिलीप स सा सर्वे —को नया सर्वेश भ्रष्टण रहिम मार्थद्यक २ ५० मतीत लढा सत्यनारायण 'पुरुष' नवयुग ग्रथागार २२५ ग्रत्याधुनिक हिंदी साहित्य कुमार विमल, सपा पराग प्र

00 3 श्रपवंवेद स्वाध्याय ६००

—एव गोपय ब्राह्मण ब्लूमफिन्ड एम चौसवा २५०० - ना मुबोध ब्रनुवाद सातवनेकर स्त्री दा ५ मा स्वाध्याय

20 00 (N) प्रदुम्त निव सम्मेतन श्रीकृष्ण 'सरल' अवलपुर प्र गृ

-- नगर गुप्ता शाता राज सा बंका ३०० —मोती देवाल फकीर शिव सा १००

मदैत दशन या एक सत्ताबाद गोविदानद स्वामी दिनान म

प्रधजली विद्या समी नरेंद्र नव्यर प्र ३ ५० प्रधिकार का प्रश्न बाजपेबी भगवतीप्रसाद या सा स

प्रमुरे गीत नदस्योलियर, ऋषिकुमारी असपा-बीटा ४ ८० मधूरा स्वग बाजपेयी, भगवतीप्रसाद मा ह नि ६०० मधूरी मुस्कान तिलक चमनलाल २५० मध्येत कीन ही राजेंद्र सा केंद्र दि ३ ५०

ग्रध्ययन ग्रालोक राम विवेकी मादशे पुत्र २०० -मीर बन्देयण शर्मा, रामधीपाल दिनेश, सवा उदयपुर

विश्व ५०० मध्यारम विकास विष्णुतीय, स्वामी विभाग म १ ५० धध्यापको की शिक्षा भीतड होडन आहमाराम ६०० धनवन चतुरसेन, धानार्य सुबोध पा (पा) १०० धनकुमी सपने उमाशकर मा ख नि ५०० भनमील रतन वासुदेवा, सी एल मार्मी १७५ सनस कुड मदन साचार्य शीगुप्ता १७५ धनाज के दाने द्रअभूषण कृष्णा व ३ ०० मनादीराम भीर उनदे साथी नशीव भारमागम ५०० धनाम स्वामी जैनेंद्रज्ञार पूर्वोदय ४ ००

मनुपस्यित मोत्र, कविताए, १६५८ ६४ ध्रयवास, भारतभूषण लोकमारती ४००

मनुपान विधी स्थामसुदरानार्थं स ६ स्थापसदर ०५० धनमब के मोती को क्या, हरनारायण साधना प्र

—प्रकास तुक्रकोजी महाराज २ मा श्रीत्रदेव १५० (प्र.) मनुभववाद शस्य, यगदेव मोतीनास प्रभूव मनुमूतयोग पाठत्र, नेदारनाय ॥ ३ मा २ द्यासुदर

पनुभूतियोग दगाममुदरानार्यं स ७ मा १ दयामनुदर

—चर्चा साहनी, बसरीलान बायुर्वेद निक्षा पनुपूर्ति घोर बध्ययन भिन्न, दुर्वशिकर नववृत बबावार

820

धनुभूति धौर चितन गौड रमलेश नवयुग प्रथागार ७ ५० धनुवशिकी तथा उद्भिद् ग्रभिजनन रामप्रतापसिह नि महल धनुवाद कला कुछ विचार सेमाणी धानदप्रकाश

एस चाद - सास्कर त्रिपाठी, देवीदयान रामा प्र ८००

शिक्षक हरिशकर हि शिक्षक ० ५०

अनुसधान की रूपरेखा राजेद्रपात सिंह गयाप्रसाद ५०० यनुस्चित जाति, यनुस्चित जनजाति तेया पिछडा वर्ग की

सुची पहुजा ० ५० मनेक कठ एक प्कार शिवसिंह 'सरीज' भा प्र, ल

ग्रनेकाय तिलक पटकर एम एम मोतीनाल ६०० भनोला बिवाह सुरेंद्रपाल सिंह जयलपुर प्र गृ १०० —ससार रामवृक्ष वनीपुरी वनीपुरी २ ००

धनोस्ती भार्से गुक्स राजग्राम राष्ट्रीय शारमा • सरस्व स , का ४००

- वहानिया विष्णुदश्त विक्ल भारमाराम १२४ — दुनिया भूगोस २ ५०

घातत जोशी हिमासु पूर्वोदय १ ५० घ वेषण भूगोल मूगोल २००

बय टेकरिंग फैंबन बुर कालरा सुदीला देहाती ३२४ अपना इलाज धाप करी चौधरी, युगलिमछोर वल्याणमत ০ ৩%

— उदार भाष नरें भवह १००

— राच कसे घटायें ? मार्डेन, स्वेट सुबोध पा (पा) १०० - चरित्र निर्माण माप गीजिए कपूर स्वाम भाव पुर

300 -- जीवन निर्माण श्राप की जिए क्यूर, ध्याम धार्य युक २०० -देश घपना राज राख बहादन राजीद ह १ ५० - स्वास्थ्य प्राप बनाइये कपूर स्वाम प्राप बुक २००

ब्रपनी पहचान भगवानशीन महात्मा पूर्वोदय द्यपने प्रपने महस मुप्त हरिकृष्णदारा हरि सुदा २०० — ब्रापको पहुंचानिय श्रधिकारी, महाबीर हिंद पा

(पा) १०० — ब्रापको पहुचानिवे यार्डन, स्वट मुबोध पा (पा)

—दुस सुभ दे दी वेटी, राजेंद्रमिह नीताम ४००

धापन्न स बीर हिदी म जैन स्टरववाद बागुदेवांगह हि

─- माया घोर सान्त्यि जैन दवेंद्रबुमार मा शानपीठ

— भाषा का बच्ययन श्रीवास्तव वीरद्र भा सा म

— व्यावरण हमचात्र बाचार्य भा विद्यात्र

मनराध धीर दह दोम्नवेवम्की नाकेत

~~ घोर दंडशस्त्र राय, गीशतपुषार घोषया ८००

ग्रन्तरा का याप यरापाल विप्तव ४०० ध्रपगानिस्तान भूगोल १०० मप्रीता की राष्ट्रीय जागृति मौतम, बजेन्द्रप्रताप विदा-

--के राष्ट्रीय नेता मायुर, जनमोहनसान नवभारती

२५०, लोकस २०० धव तक दिरणस्वस्य उत्कथ् श्र ४.०० भ्रभागिन का भाग्य दरेरकर मामा विद्याप्र म ४५० मिनान बाहुन्तन-सपूर्ण बागीस्वर विद्यालकार मोतीसास प्रियन विवयावशी वर्षो श्यामलाकात चौसवा ४ १० - विकृति विज्ञान तिवेदी रधकोरप्रसाद चौलवा

55 00

—दारीर निया विज्ञान दामी प्रियत्रत चौलवा १०००

—सस्तार पदित सलह २ ५० —सोपान हरिवशराय वच्चन राजपाल १५०० - हिरी निवध मिथा के जवलपुर प्र गु १२६ ग्रमिनेत्री की स्वयंदर सभा भटटाचार्य बलारानी मान

वर्शक १२४

ग्रामियान ग्रीर यात्राए विष्णु प्रभाकर विश्वविद्यालय २ ६० प्रिमिणका रहन प्रनादनारायण मा कड, दि ३ ६० मभिशार भिगरन 'तुमुद' मीरा प्र

-- निज्ञा विजयवर्गीय, रामगोपाल राज सा सना

ममी दिल्ली दूर है भीर वहताइया कायप, प्रम 'सीज सा सगम प्र,ब्दा ३५०

मभेददर्गी निराला थोत्रिय, शित्रप्रसाद 'दिवाकर' नवयुग

धमर नयाए रामवृष बनीपुरी ४ मा बेनीपुरी १०० (प्र) —श्रातिकारी उदयकारायण सिंह परिमल ४ ०० —कोग, हिंदी स्थातर समर्रातह रा वेनीमाधव १ ५०

-ज्योति सौर रामराज्य समबक्ष बेनीपरी बेनीपरा

200 —नेहरू स्वामनुदरलाल इ पश्चित १०० —ग्रहीद चर्रयेगर मासद वैश्वपायन, विस्वनाय

लाजपन स्मारन नाहीद रामप्रमाद विस्मिल चतुर्वेदी बनारसीदास

सपा नया स भा माराम ३००

 शहीद सागरमल गोपा बोडा रामबद्र लोकावत 2000

धमरसिट राठौर न्यादरसिंह वर्चन दहाती ३ ४० ---सेतानी सावरकर गोयल, वित्रकृमार या मा सदन धमराई का साई मानप्पा, के वी नेननन २ ५० धमरीया उल्लिन के मान पर जान्सन, जेशल्ड डब्ट्र बर्व क्ष ३००

--- शा सविधान गरल ग्रन्थयन वयल प्र

-की विदेश मीति धर्नेस्ट, बार व बात्याराम

-- भेमे बडा जारान जेसम्ड डब्यू धर्मं स ३००

श्रमरीका कैसे बना जान्सन, जेरास्ट डब्ल् गर्भ व ३०० —मे सहवारिता व्रहिस, जेरी गर्ग म. ३००

—ग्रर्थंब्यवस्था मारखम्, जेस्सी इब्स्यू ग्राहमाराम

श्रमरीकी दर्शन का इतिहास हिंदू एकेडेमी ६ ५० -राजनीति भौर भ्रमरीका के राजनीतिक दल रासिटर क्लिन्टन शारमाराम ४००

-राजनीतिक प्रक्रिया लेवी तथा राध आत्माराम

—धिसा के बुछ पहलू चान्सी, हेनरी गर्ग ह २ ५०

-समाज लिन केनेच एस शारमाराम ७ ५० साहित्य का सक्षिप्त इतिहास कन्तिक, माक्स गर्ग ब्र.

समरुकरात्तर मिथ्र, विद्यानिवास, व्या राजकमल

बमावत जीर पूनम शुक्ल, मगीरप 'बोगी' ज्ञानमञ्जल प्र

बमावस माहारम्य जगन्ताय देहाती १५० अमिता हसराज 'रहबर' हिंद पा (पा) १०० यमियम्बर्यसगही कौसल्यायन भवत जानद महाबोधि

धनिय हलाहल मदभरे गोस्वामी, थीगोपाल भा विधा

भम्त कोर विप नागर, बम्तलास लोकभारती १५०० - सागर बंधक देहाती १००० धनवा श्रीतम की थे क कहानिया प्रमुता श्रीतम राजपाल

3 20 ग्रमेरिका के पेंतीसर्वे राष्ट्रपति जीन फिटसजेरल्ड कैनेडी दीक्षित, श्यामबिहारीलाल धर्मभूमि प्र

प्रयोध्याकांड प्रक्षितेश्वरप्रसाद, टीका मा भवन ६ ५० ग्ररावनी की ग्रारमा धर्मा, मनोहर राज सा समि शरूप रतन ठाकूर, स्वीन्द्रनाय प्रभात II २०० बर्चना त्रिपाटी, सूर्वकात निराला' जबलपुर प्र गृ ४००

-के क्षण चौहान, समर साहित्यात्रीक प्र, मा बर्धनासक और अनके उपयोग शर्मा, उदितकुमार, धन केंद्रीय हि ३ ७१

ध्रय विचार जैन, रतनकुमार विश्वमारती, ना ६०० अयंगास्त्र असिलेस्वरप्रसाद मा भवन ६०० ययशस्त्र सक्सेना, श्रवधिकशोर राजहस प्र म ४००

वे ८०० --- श शरल परिषय नागर, वी ही... जबलपूर प्र भ

—की रूप रेखा वर्ष, भानदस्वरूप स १८ राजहस त स ख १०

─के सिद्धात नवलिकशीर सिंह मा भवन ६००

— वे मिदान पाटनी, भार. एव भा १-२ राजीव, मे. ४०० से ७५०

भ्रयंशास्त्र के निदात स २ मडारी, मघु राजीव, मे

--के सिदात विजयद्रवास सिंह सद्यो स ६ नवहुन

सा स, आः ५६२ से १००० ---के सिद्धातः सरस अध्ययन गर्म, रतनप्रकाशः राजहस प्रम ४५०

—के सिद्धान्त सरस ग्रह्मयन गुप्त, झुनचद्रशसाद-समल प्र २ २५

—के सिदात सरल ग्रध्ययन मित्तल एस सी राजहस प्रम ७ ४०

- सरल मध्ययन विजयपालसिंह राजहस प्र म - सरल मध्ययन विजयपालसिंह राजहस प्र म

प्रय आने तक रामताल खागेश एवर-ग्रीन २ ५० प्रया के फून सिन्हा, हरीश नवयुग ग्रवागार ४०० प्रतकार पर्या में कृशवाहा तेजनारायण एन एवं ब्रव

—मुस्तावसी गामी देवेदनाथ का मजन दे ३५
—सर्पत वर्गीविनी द्वियेशे पामच्या मोगीनाल स्वकत्त्रक के बाध साथ यथा मुर्चि नेयनत १६० सतका सिह्क, साित मा सा धान्त २०३ सतिया सत्रया थाएण नद्यान मा विद्या मा २०० सत्यादिया सत्रयाय थाएण नद्यान मा विद्या मा २०० सत्यादिया सत्रयाय थाएण नद्यान मा विद्या मा २०० सत्यादिया सत्रयान निवादी निवादी तथा प्रत्यूप २०० स्ववत्त्रण गुरस्त गुर्वोध या (या) २०० स्वयाध मा विद्या पामच प्रत्यूपत प्रत्यादि हु एवेडकी सवस्त्र सांच्यामा महिता विद्यामा मुल्नावर मायव स्वयाद सांच्या सांच्या सत्याद्या सिद्धा स्वयास सांच्या स्वयास सांच्या सत्याद्या सिद्धा स्वयास सांच्या सांच्या स्वयास सांच्या स्वयास सांच्या सां

ग्रविकसित बच्चो ही सहायता केपाँ, वार्नेल ं गर्यं ब २०० श्रम्यकता सोम सुवाय पुनार सनः १२० ग्रामत विना प्राटिया श्रीमृश्वास 'स्रवेस राजपूर्व' श्रनिस

प्रम २ ५० ग्रागीय मुक्जी, ग्रार के मोनीलाल

-- ने प्रमित्तम पाडेय, राजवती ज्ञानमदल ६०००, राज स ७५००

—के गीन प्रशीत मगला

— निवंध मागर विजयनुष्पार धातीन प्र १०० धारम : एक रगीन व्यक्तित्व कीतान्या 'धारक' नीताम

१२०० सप्रयय प्रतिया जैन, पृश्योतस्त्रात स्त्रु केंद्रीय हि ३१० सप्रयय प्रयाज जैन हरिनात, सदा विष्याचल ११० प्रयोग हुस्य संपूर्ण सात्रवर, वैद्य मोलीजा ११०० प्रयोग्यापी प्राप्य सक्षदम विष्णामु आ प्राप्य भा १.

१२००; मा २ १०००

मध्दोत्तरशतनाम् मातिका विद्यासागर शास्त्री भा प्राच्य

६२० प्रसतुनन चीहान सनहर उमेश प्रसनी के हिंदी कवि त्रिवेदी, विधिनविहासी श्री भवानी प्र. ६२४

स्रम भूगोत १०० - नी गोद से चर्रावद, जनक सामी ७५० - तम गोद से चर्रावद, जनक सामी ७५० - तम ने पर्यावद प्रार्थे स्वाधार्यक स्वरंगित प्राप्ते प्रकृति के पर्यावद प्राप्ते स्वाधार्यक स्वरंगित प्राप्ते प्रकृति स्वरंगित स्वरंगि

धतामधिकी धवस्थी, राजेट पु केंद्र धतामान्य मनोदिज्ञान महत् एम पु ''' लडमी ना ५ ०० धतोज माहास्थ्य द्यमी, व्यन्नाय हेहाती १.४० धतावजा द्यार्थ कृष्णद्य 'मिनव्रु' भा क्षानगीठ ६ ०० धहमर्थ धौर परपार्थसार हरिहरानद सरस्वती, स्थामी (करवानी जी) ७ ००

प्रतिमा की यहानी जैन, यहाकाल सस्ता १७५ व्यक्तिक मौतिकी में हल हुए परन गर्ग, घातिप्रसाद राजहस

प्र म १८८

प्रास्त्री का स्वाम गुप्त, मैरवप्रसाह धारा है ५०

—देवे बिज वेदल, त्यामदरायण पावंदी २ ५०

धारत के कून, निज, सिंवकहर प्रमान पन्ति ? २५

धारत के कून, निज, सिंवकहर प्रमान पन्ति ? २५

धारत को के पण नवुद्देश, तेर्थर, स्वा प्रमाद प्र ४००

—वतक यथा खण्दाल, धनस्याम सदूर्य
धानुष्का के कून प्रतापक धानुष्का है यो सन्देश
धानुष्का के कून प्रतापक धानुष्का है स्था सन्देश

३०० बाब्री लेखें बाब्रो गाथें रचुवीर करण 'मित्र' भा ना प्र

— साथ चर्से ठाररे वातिलास वितिनीम' नवयुगसा स , इ २ ४०

—मुनो वहानी का, रवेशवड यथमाता ० ७५ शाईता दोल दठा यहाँ, देनेन्द्रगण राजपात्र २२, शाईने घववरी यहाँ, हरियसराय, प्रकार महामना १५०० —के सामने भोइन रावेश सम्पर ४५० स्वाहार्थनिक स्तापन सरस सम्पर म

२ १० ब्राकाश का राक्षस मिश्र, करलग्रिहारी हिंप्रधा पु (पा)

१०० —सानी है दत्त भारती नुयोप पा (पा) २००

—दर्शन भूगोल १००

—दानो देपानी गाविद चातर सम्ता २५० —दीर दार्मा, टेरचेद बगर ४०० —विमाजित है धर्मा, विर्मुनद्र जगर दागपर ६००

—ावसाजन ह धमा, ाव पुनड जान समयर ६० धात्राना भोन घोर हमारा क्लीय जैन नमचर 'प्रय' विकेता ५००

सागर महायात्र युद्धिय देशे श्री धी मानममधी २५० सागरी निन्तं युग्दत्त मुझेम पा —सामान त्रिपाटी, सनित्य सानदत्र २५० सागम तर्गमास्त्र जैन, प्रसुम्मनमुमार समन प्र. ग्रागमन तर्वशास्य तिवारी, केदारनाय मा मवन ५ ५० तर्वशास्त्र मल्लिन जगदीयामारायण मा मवत ११० ग्रायम गुग का जैन दर्शन मालवणिया, दलसुसमाई सन्मति

—शास्त्र गौडपादाचायं महावोषि १५० 400

माचारागमूत्र हिंदी घनुवाद सहित आत्माराम, माचार्यथी २ मा मोतीलात १६००

धात्रार्पं देशवदास दे तीन एष केराबदास विस्वेश्वरानद

— चतुरसेन का क्या साहित्य क्षूर, सुभक्तर विवेक चतुरसेन शास्त्री के उपन्यासी मे इतिहास का वित्रण

भारद्वार विशापुरम् प्र प्रतिच्ठान —वागनः नगर ननादनराय सा सस्यान राज २६०

-- दिवा तानवार, निमल, नश बगीय ८०० -- द्विदेश ग्रीर उनके सगी-साबी वाजपेयी, विशोरीदास

—नवदुतारे वाजपेवी व्यक्ति ग्रीर साहित्य द्यर्गा, रामाधार,

सपा धनुसधान २००० —बुद्ध घोष पर्नरक्षित, भिल्नु महाबोधि १००

—रामबद्र गुक्त जयनाम 'नेसिक वसल ६८० -विद्वतायप्रसाद मिथ्र पाडेय, दीनानाय युगवाणी प्र

- ह गारीप्रसाद दिवेदी व्यवि व एव साहित्य गुप्त, गणपति-चत्र भारतेंद्र भवन ७०० हजारीप्रसाद डिवेदी व्यक्तिस्व भीर कृतिस्व वासवदत्ता,

पी यूगवाणी प्र १२००

—हमबद्र मीर उनका राज्यानुसासन एव सध्ययन शास्त्री एन सी चौलवा १५००

मात का वैज्ञानिक गांडरले, वास्टर यूरेशिया १०० —का हिंदी माहित्य मृद्त, प्रकाशमृद्ध नेपनल माजन्म बाराबास सावरवर, बीर विनायव दामोदर पृथ्वीसानव्र मा १.४००, भा२ ५००, मा३

पाजादी के समह करम नेहरू, जवाहरताल प्र विभाग पाठ प्रमिनेय एकाकी टायुर, कृतमोहन सिंह साथी ३०० -एकाकी समी, नित्यानद, संभा इ ब्रे भारत मयुराय अतना ३००

भात्म तस्याण नाराज मार्गसमुद १०० भात्मत्रयी, निनदेनारे प्रसम पर प्राचारित कुबरनारायण

मा नातवीठ ३ ४० प्रात्मतत्व विवेतानदः, स्वामी श्रीराम तृष्ण १३० प्रात्मदानिया की प्रेरक कथाए अप्रवास अधीत कुमार " मनोर्यम १२३

-- विवीयन तथा प्रत्य विताण संस्पेना, राजीय राजश्य

—प्रभा मानावनि सुरहोकी पहाराव खोतुरदेव १०० -प्रवाध विष्युतीयं, स्वामी- विज्ञान म १००

द्यारम विज्ञान स-२ योग नि १००० म्रात्महत्या ग्रीर वासना के ग्रपराध वर्गा, परिगूर्णानद

सानि,का६०० आरमाको स्रास्टें शक्र सुन्तानपुरी घातमासा केंद्र, दि

—की सोज सामर, देवीलाल विद्या भवन, उ २ ८० ब्रारमानद बीवन ज्योति वागीरा, वेदानद वेद हरमाणा 90 00

ग्रात्मोद्धार के साधन गीता

ब्रादमीकी कहाती यास, श्रीकात, पत्रु राजपाल २ ५० के विकास की कहानी कील बोपालकृष्ण नेशनल ०४० बादस अन्तर्णित सर्मा हरस्तरूप भा १ रामप्रसाद ११० -कार्यात्वय पद्धति द्विवेदी, मन्तूलाल प्रभात प्र ५ ००

—की हत्या श्रीवास्तय, कृष्णिकशोर रामग्रसाद २७५ -गाव की कहानी पितान, विजीनद कुमार संज १००

—बीट महिसायें मालविका विद्यावतीं महादोधि १५० वास्मीकि रामायण जयबोपाल मोटा टाइप, वहां साइज

देहाती १२०० —हिंदी निवध शिववरण मधुर राजीय मे १२८ —हिंदी संस्कृत कोश रामस्वेहप झाल्त्री चौक्षरा १२ ५०

मादिकाल का हिंदी गद्य साहित्य स १००० १५०० हरीय (हरिशकर शर्मा) रामा प्र ६०० बादिकालीन हिंदी साहित्य बीच हरीश (हरिशनर शर्मा)

सा भदन, इ २०००

ग्रादिनिवासी श्रील महता, जोपसिंह मा सस्पान, राज ग्रादिवासी भारत योगेश घटल राजनमन ३००

ग्रादिवीद्रोही ग्रम्तराय, घनु सर्वना ६५० ब्रायुनिक इतिहास एउलस भूगोल १०० —इन्जैक्शन बुक बोकचा, हरनारायण देहाती ५२५

-एतीपैविक इंजेश्वन बुक नोरचा, हरनारायण दहाशी -- एसोपैधिक गाइड कोक्चा, हरनारायण देहाती १५ oo

-विता भीर युग दृष्टि मिध्न, शिवहुमार विद्या म , वा

—विता मे मनोविज्ञात सूरती, उदेशी धनुसमात १६०० - व हानी का परिपादवं बाय्येय, तदमीसागर सा भवन, इ

-- वृषि विज्ञान चौषरी प्रमात प्र ६००

--विकित्सा शास्त्र धर्मदत्त मोतीनार ---टैबनेट वाइड कोरचा, हरनारायण देहाती द र^y

-- नवरत्न सन्ता, योपातलात वातमा न १ ५ आधुनिसतम निवय राष, वैजनाय हि प्रवा पू ६००

धार्षनिक निवधमासा विद्या प्र भवन — निवध समीक्षा वर्षा, नरेन्द्र शायी २७१

-- तिवधावली चलित्रस्वरत्रसाद मा भवा ३ /०

—परमासुभौतिको पित्र घोटो ग्रार ग्रारमाराम ५००

-परिवहन नौजिन, भार एस नदपूर या ७५०

बाधुनिक पारचारय दर्शन पर्मा राजेंद्रप्रसाद मा बबन ६००। --प्रतिनिधि विवि धीर उनका काव्य जोशी जीवनप्रकाश

न्यस्य प्र ५००

—प्रायोगिक रसायन चत्रवर्ती भार एन मा भवन १५० —प्रायोगिक रसायन गास्त्र ताम्हण के शंजनसपूर प्र गृ

१२५ --भारत रस्तोगी दगाप्र₹ाश राजहसाथ म १७०७ स

च्यारत रस्तागा दमाप्रहाश राजहसम्म म १७०७ स धन तक ७४० १८०८ स धन तक ६००

—भारत ना इतिहास गय हरहरप्रसाद भा भवन ३२५ —भारत का इतिहास १८१५ १६५० स २ राजीव से ४५० —भारत का इतिहास (१,००७ से १६५० तक) माटिया

पी भार परि स रे राजीव म ६०० —भारत का इतिह/स सरल शब्दवन मून्दा एस सी

राजहर प्रम ३ ४० से ४०० -- भारतीय चितन नरवर्षे दिख्यनाव राजकमल

— राजनीतिक विचारधारायें भागरी चद्रप्रकारा स राजहरा प्र. म. ३०० से ११०

—राजनीतिक विचारधारायें सम्य बध्ववन रस्तोगी, द्याप्रशास राज्यम् प्रमार ४

-- राजस्थानी साहित्य भारद्वाज गातिसास रावेश वित्रगुप्त प्र ४००

— लोक तल वेसर गाप एम नगरन ३० — विश्व इतिहास निवामी धार मी जवल

— विश्व इतिहास निवासी आर मी जवलपुर प्र गृ ४००

---साहित्य भौर माहित्यकार गुप्त गणवनिषद्र भारतेंदु भवन ७ ५०

—हिंदी क्या साहित्य घोर परित्र विकास वेचन सामाग १६००

—हिंदी क्विता की भूमिका पाडम नामुनाव विनाद

—हिंदी विविद्या की मुख्य प्रपृत्तिया नगद स ३ वेशन र ४ ५०

—हिंदी गविना प्रमुखबाद सहात्वान अमिनिनव्यसाद राक्षेण पुन २ ५०

--हिरी कविना म गानि तत्व तिपारी सिन्दिशावद हि सा सम्मे

—िह्री गविता म वित्र-विद्यान रामयतन सिंह 'अमर' मेननत २०००

—हिंदी बहानिया महाराष्ट्र राष्ट्र - ००

—हिंदी साथ सुमार जिसन सचनात्र मा ३०० —हिंदी-साथ्यमिश राजेंद्रदुमार स्थय ०००

—हिंदी बाब्य की प्रवृतिया त्रितारी करपापति हि प्रचा प ५००

—हिरी-सब्य भागा रामतुमार निह बयम २३०० —हिरी बाध्य भ ययायबाद गुक्त परगुगम विरी स्थम १४००

—हिंदी गय भीर गयकार आत्र, तक्त वी ध्वम १५००

बायुनिक हिंदी नाटको का मनोवैज्ञानिक प्रध्ययन गौड

विभादतं सवस्व पुस १५०० —हिंदी निवस वर्मा, शीकृष्णप्रशाद जबलपुर प्र मृ

२ ४० —हिंदी निवध सदानद सिंह कमल प्र २००

—हिंदी व्याकरण और रचना चौधरी रामचद्र प्रयालय भा

—हिंदी व्याकरण भीर रचना वामुदेवनदन प्रसाद भा भवन १ ५०

--हिंदी साहित्य १६४७ १६६२ चौहान रामगोपात सिंह विनोद १६००

—हिंदी साहित्य की भूमिका वाध्येंब, लश्मीसागर

लोकभारती १२०० --हिंदी हान्य व्याय वर्मा, केशवनद्र, संरा स २

जानपीठ आये घटे का खुदा कृदनचदर राजपाल ३०० धानद मुरु कटोपाल्याव विकासक ए मा. जा २५०

भानद मठ बहीपाच्याय विकासद्र पुसः, वा २ ४० — जहरी कत्याण म २२४

भानासावर की सीविया पर बोहरा जगदींग हुप्या ५००

आपके बच्च की खुरान गुप्त, सुरेंद्रताम सावेश १३७ —वायन श्रीर सनीविणान निगम बृजनिहारी सा मगम यवा ३२%

ग्राप क्या नहीं वर सहत ? साहेंन, स्वेट सुद्रीय पा (पा) १००

भाषटेन संस्कृत हिंदी कोप सापर की एस मोनीलाल १०००

भ्राव सीनी भनाहर प्रभावर व न्याणमर ३५० — मव पवित्रवात हैं भ्रवड १०० भ्रावश्विता ही मूर गरन्याए रखल, बर्देंद राजरमन

धामास धौर सत फतेह सिह हिं सिम ११०० झाब कर विधान तथा साता नुकड़, एन एम सनी म ११ नववन सा स धा ७४०

श्रायत व गैम इबन माइड नरेंद्रनाम देगती १५०० बायुवेंद्र वी बुछ प्राचीन पुस्तकें नमा विषयत मीलया

— प्रशास मामव धानाय चौराता १२ ५० —प्रीय द्विरोगे राजपुष्पार चौराता १२ ०० धावर्वेदन साइड पश्चिम विद्यानसम् मोसियान

सारती बुज गाविजीदवी प्रमावर दहानी १६० सारीम्य रुपा के रुप्या समझ १०० —वेसावजि पाटक, बदारनाथ दयामगृहर ग २ १००

--विशान समा जन स्वास्थ्य सन्भीशांत शि महत

प्राविक एवं वाणिज्यिक निवध सक्तीना, एस सी सञ्जी

स ६ नवयुगसा स, आ ५०० -- तीद शास्त्र सिंह, श्री पी सिचल

-- नियोजन भडारी, मधु राजीव, मे

-पद्धविया जोशी मुस्तीयर हि समि ६ १० -विकास एलैक्नेडर, रावट जे बात्माराम ५ ५०

-विकास हेपबोनर, राबट एन गग व २ ५० - विचार हा इतिहास नित्तल, एस सी नवयुव सा स ,

-विवारभारामा का इतिहास सरल मध्ययन महेल्बरी एवपी राजहस प्रम ६२४

—विचारा का इदिहास धर्मा, रमेशबद्र राजीव, मे

—बिस्तेयण राजीव म ६००

-- सिदात मुद्रा एव योजनाकरण सरल अध्ययन

गुप्त धूत्रभद्रप्रसाद कमल प्र २ ४० -- मिद्वान, मुद्रा, वैकिंग राजस्व एव योजनाकरण शरल

धन्यवत गुप्त, धुत्रचद्रप्रसाद कमल प्र ३०० —सिटात, मुदा, वैकिए राजस्य तथा योजनाकरण नयल

तिगार सिंह मा मबन ७००

मार्मेचर बाइडस गाइड नरेंद्रलाय देहाती १४०० ग्राय भगुनिमाल सूत्र रिगजित जुनबुव सामा महाबोधि

0 20

गार्य भाषाची क विकास रूम से अपन्न च तथा ब्रान्य निश्रध शर्मा, सरनामसिंह ग्ररुग स २ चिन्नय ७ ६० मार्थ समाज के महापुरुषों के जीवन तथा कार्य इवसकाश

बगत राम ३०० याय सामाधिक यम सत्यानद स्वामी हरयाणा ० ७५

मानमगीर चतुरसन, भाचार्य हि प्रवा पु ६०० यानवार भवती का तमिल प्रवधम् धीर हिंदी कृष्ण कर-व मनिक मोहस्मद वितोद २०००

मानोक रता सक्षेत्रवास कृष्णरात, मगा ब्रास्टोक प्र.

बरेनी १००

मालोचक की झाह्या नगेंद्र नेशनस ७०० मालोचना, एक परिचय शर्मा श्रीनिवास प्रश्लोक प्र —मोर साहित्य महान, इद्रनाथ नीनाम ५ ५० प्रतिमान चौर्यस्या, वैदानीप्रसाद वृताइटेड

300 —सोवन, शुक्त, रामगकर 'रसाम रा वेनीमाधव माल्यनेत्रिय करैन्ट नरेंद्रनाथ तेहाती २४ ५०

भारत्यक मूत्र भारभाराम, भारतायथी मा १ मातीलाल 70°

भावागमन दलभारती रतन एड क (भा) २०० आबाद दो हम एवं हैं तरन तारन नवचेतना २ ५० पाविष्तार जनत थीवः स्तवा, भगवती प्रसाद बाल सा म

धार्विकारों की सच्ची कहानी सामैन, ईंधन नेशक्त

३५०

द्याराका की मृत्यु कश्यप, हरवशलालु दस कहानिया

ब्राज्ञा के दीप प्रकाश भारती भा सा सदन २५० धाशा को जीवन ज्याति ऋखह १०० आसवारिष्ट विज्ञान भा, पक्षधर चौखवा ३००

धासाढ माहारम्य शर्मा, जगन्ताय देहाती १५० धासानो के व्यापाम वेदवत शास्त्री हरधाणा ०६० ब्रास्तीन के साथ थीवास्तव टुप्पकियोर साथी चाहत स्य देश म महाकोशन १००

धाहार मुत्रावली पाठक, केदारनाथ स २ स्यामसुदर

इबलैंड का इतिहास सरल प्रध्ययन वासगुप्ता, रामशरण राजहसय म ३७%

-की तैर पाडय हृदयनारायण हृदयेश हृदय म

इडियन कल्चर एट ए ग्नान्स हासदार असितकुमार हि समि २०००

इदिस गाबी सहस, कृष्णविहारी, सपा चिन्नय १५००

-जी कृष्पादेवी इन्टर गुनि १ ७४ हर वजभूपण कृष्णा व ३०० इद्रयनूप रोवडे, अश्वगोपास वीरा ४ ५०

इद्रबला और नागक्षती कैलाश कल्पित प्रयाग प्र २०० इशोर्ट एक्सपोट बाइड हुवे, सुरेशबद्र देहाता ६ २५ इसाव बनो विष्णुदत्त विकल आत्माराम १००

—अगवान पैसा ह, सतीश देहाती १५० इटमी की सबि भूगोल १००

इति-बुत्तक धमरसित, मिक्षु महावायि ० ७५ इतिवृत्तं उपाध्याय, प्रयोज्यासिह 'हरिग्रीध' पु स , या

1 20 इतिहास अमृतराय सजना ३००

—के स्पुट लग जागिड रावणीलाल सुमर प्र -- विदावसी भूगोल २००

-पुरुष तथा अन्य कविसाए नदकिशीर दवराज मा शानपीठ ३ ५०

-- शिक्षण पढिति श्रीवास्तव प्रेमप्रकाश सा नि ,

का ३०० इधर भी बचे है उधर भी गये हैं भोमप्रनाश 'मादित्य'

स्बोध पा (पा) १०० इन दुगुणा को छोडिए ससट १००

इन सोमान मध्य नमा विष्णुच इ मा केंद्र, वा ५०० इनम मिलिए जैन मिथोमल तरिनत सोहन प्र २ ७४ इन्पर्रेष्ट्या (१५) विवेदी, ह्याप्रसार प्रवर्तर ०५० इमानदार बाल र भटट कृष्णदत वाल हितैयी ०७५ इमारत को सुरत दिवदी सन्चिक्षानर 'शोरनेही' प्रसाद

प्रथ १ स इतैक्ट्रिक नाइनमैन व रामरभैन गाइड नरॅंद्रनाम देहाती २१ १०

-- चार्यास नरेंद्रनाथ दहाती ६००

इलैन्ट्रिक मुपरवाइजर पेपैंग नरेंद्रनाथ देहाती १०५० इंट निमाण में विनान रामा, ओमप्रकास सपा नौसिन

१०० ६दो चतुरसेन भ्राचाय हि प्रचा पु ६०० ईराक भूगोत १०० ईताबास्य प्रवचन श्रव्हानर सरस्वती स्वामी

सत्ताहिय स्वाचित्र स्वाचि

—बहीबाता भागवा गोपानलाल कल्याणमल ५ ५०

्रूप्र —माध्यमिव वहीत्पाता खात्र वि महत्त १००० —माध्यमिर भूगोल गुप्ता ईश्वरीप्रसाद राजहन प्र म

— मुद्रा तथा वैकिंग शर्मा हरिदचंद्र कल्याणमल

१७५ — रसायन गौड ज एन यन्त्राजनल ४००

उतारे के उत्सू तथा अ'य बहानिया महीयाँतह हि सबन है ०० ठटो सारी बढ़ी भटट इत्यादत्त बाल हितेयी है ०० - जागो मार्डेन स्वट महोश चा (चा) १०० वस्ते चरी उद्देश चता राजकृत बेलेशुरी वेलेशुरी १२६ उत्तर क्या बिद्यालय विदेशु स्वामी यह महावान ०२० उत्तर क्या गाया बाय्य धर्मा नरेंद्र समबद २७१

उत्तरप्रदेश भूगोल ५०० -- एटनस भूगान १४०

---पंचायत राज एवट नियम व मैनुवल जैन, उजागरमल मानुनी ६००

उत्तर पोल्गुनी गुप्त नीहाररजन बोरा ६०० --वैदिन समाज एवं मस्ट्रित राज, विजयनहादुर भा

विया प्र १२०० उत्तराध्ययनमूत्र हिंदी टीना सहित बात्वाराम,

भाषायभी भा २ मानीतात्र ८०० उत्थान भौर पतन नानर्राहरू वोरा ५०० वत्यन धर्मा रामगोशात्र दिनेग राज प्र, ज १८० उदयावर मण्ड स्पर्कत पोर साहित्यकार भटनायर

बारे विनासे, मारा धारमाराम ७ १० उदान नाग्या भिगु जनदीन मणात्रीय १०१ उद्वाम रागगोगात परदेती मणा प्रवन्ति ॥ १०० उद्वापन धारण १०० उद्वीपन धारण १०० उद्योगों ने ज मदाता फीनम, तियाँनाई एम गर्ग प्र २ ५० उन्नति नेस करें ध्रधनाल माधनदास हिंद पा (पा) १०० उन्होंने कहा या साह, नेरिबम वारनो भन् प्रभात वृत्र

४५० उपस्त विज्ञान जुनल, बालकराम स २ पवतरि १०० उपरेज मुत्तावली — भवन स्वयह २ भा नस्याण म ६५० उपितवाबाद से साम्यवाद की ग्रीर होषाग दानकी यूरिनया

र ४० उपनिषत् ५२ कौश्रत्य शवरतात (भील बाक्षा), सनु भा १ स २ वेदात नेसरी ३४०

उपनिषद गोपाल वसस १६० —दर्शन घोष ग्रर्रॉवद दिव्य

—परिचय विष्णुतीय स्यामी विनान म ६०० उपयास ना प्रेम घोप स्यामतुद्र भा सा म ८००

उपयासकार श्रव्य शेसर एक श्रीवनी के सदभ मे शर्मा केदार रोबननार ४००

वैजनाय सरस्य पु स ३ ४० उपन्यास शिल्प और प्रवृत्तिया सिनहा सुरेश, रामा प्र

६०० उपयासो मे नायिका की परिकल्पना मिनहा सुरेग ससीका प्र

१२ ६० इएवास शरकप्रसाद 🖩 भा सब १२५

मीर क्लाहार चौधरी युवर्तान्तोर कल्याणमन
० ७५
 उपाशकदश्चाग सूत्रम् हिंदी टीशा सहित माामाराम,

मानार्यथी मोतीनाल ४०० उपासना निथ मूचेनारावण 'सग्रा तान मूच उभरती रेलाए चनुवंदी केशवप्रशाद शिद्ध त समानातर

२५० उद् की हास्य व्याय सायरी पश्चित प्रकास हिंद पा

१०० —के ब्रेम गीत हैरत ग्रामेन पा (पा) १०० उमिता भीतरेय विरक्षिणे राजस्वस्य्या, म हिंसा भ

४००
- व्यक्तिय घरण व्यनिव २००
- व्यक्तिय घोरतीमा विदेशाग्यण निष्ट मानासे विदे

उपर बाच्य उमादान हि पर जो 🗥 🕫

उपा बाधुनिक कहाई उपारानी दहाती ३००

ऋण सूनत सद्रह पाडे, सत्यनारायण, सपा रा वेनीप्रसाद

५०० —सूक्त सम्बर्ह हरिदल शास्त्री, न्या सक्षो स ४ सा म ,

कृत्वेद का सामाजिक सास्कृतिक श्रीर ऐतिहासिक सार रेज विस्वेदनरगाव राज सा श्रका ६००

—पत्रसूची स्वाध्याय २००

—सहिता स्वाध्याय १००० ऋतभरा मा सा सदन ३ ४०

कृतुए प्रोर स्वास्थ्य वैश्व उमेदौलाल स्वामसदर ०६२ कृतुए प्रोर स्वास्थ्य वैश्व उमेदौलाल स्वामसदर ०६२

स्वाध्याय ६००

एपर करीपाँनर गाइड कालीचरण देहाती १५०० एक प्रयोभन कथा पुन्त, भैरवप्रकाद बारा ८०० —ग्रालोचन की नीट बुक देवडा, बरद प्रवस —उन्हों नजर की गुर्द शाक्षानी हरीय बातायन १००

— उदारबादी स्वर बोल्स चेस्टर सात्माराम ३०० —गौर वाजमेगी, हरनामप्रसाद प्रवीर ६००

- और कहानी लक्ष्मीनारायणलाल नयभारती प्र ४०० - औरत की जिंदगी मोत्रासा हिंद पा (पा) २००

-- मौर सब नपूर, प्रेम हि प्रचा पु १०० -- कटी हुई जिटगी एव कटा हुआ कागज वर्गा सक्सीकात

नेश्चतल ४५० -- गणी की झारन कथा गौड़, पुरुषोशमदास कोवल सा

—गपा का आरम कथा गाड, पृच्यात्मयास कावन सा केंद्र,दि ३५० —गदा देश को जगनाय सिंह शास्त्री २ मा असोक प्रः,

व ३०० — तारा माचन,प्रभाकर हिंग्रची वृ (पा) १००

चित को राह गिरवरसिंह देहाती ६०० चुनिया समानातर यादव राजेंद्र अगर १०००

— देवता की कथी दार्घ पादवेंद्र चद्र करवालमक्ष २४०

—नदी दो पाट नदा, मुतनान बद्याक पा (पा) २०० —यद्य ही की तेज पार नक्ता, हामदोर सिंह राजकमन ४००

—पापलेट बटे के पत्र वर्मा, सावित्रीदेवी सात्माराज

रे०० --पात पहेती भवस्मी, रानेन्द्र तृषितं हि प्रचा पु

भू १०० —चीमार लडकी विमलकर विस्वविद्यालय २००

च्यानार वहना विमतन्तर विस्तानवानव २०० च्यू जल स्थानारायण नात बोरा ३००

—मुसाफिर एक दुनिया व्यास, तस्त्रनप्रसाद हि प्रवा यु २००

—रहस्य एक सस्य नातर्वास्त् राजपास २०० —रात का नरक उर्वेद्रनाय प्रश्क सुबोप पा (पा) १०० —सम्बो एक समस्या धादिस रहीय धानोक पा (पा)

—नो एक दर्व बैजल, स्यामनारायण मनु ३५०

एक विदेशी नहनी भोगीलाल इसिहाबादी' एए प्रेपी २ १०

—साहित्यक की डायरी मुतिताक प्रसिद्धा प्रसिद्धा

मा ज्ञानपीठ २ १० - स्वर बाबु का बाजपेयी, मगरतीप्रसाद-प्रधात प्र

—हृदय हो भारतवासी शर्मा, प्रोमेपका

एकाची भोवन, गोताराम मा सा सदन ६०० एकाची योगी चीपारी स्तेत्रमणी राजनमम ४०० एकादमी माहास्प्र साई, बरानाम होती १५० एगीनन्यरन माहद मजानीदास देहारी १५०० ए टेम्स्ट साफ सीसाय न्दरीय देखाज कि महस ६०० एकास्ट इसकासिक व्यापी सिनाय एस सी ग्री माहमोडा —यानीटरी इसनामिकस पिसस एस सी ग्रीसारों स

एनीमस हसकैंग्डरी विष्णुदत कविराल देहाती १२०० एनीसीनिया भूगोन १०० एनोपैनिक गाइड कोकवा हर्नाराषण देहाती १४००

—पाकेट प्रश्कादवर खना, शिवनाथ चौखदा ५०० —पेटेंट चिकिस्ता बबनीत कोकचा, हरनारायण सामना प्र

— भिवरवस द्विवेदी राजकुमार चौलमा २ ५० एवरेस्ट प्रनियान भटट हरिदत्त खेलेश' नवभारती २ २५,

वोक स १२५ एनिया गुन्ता, ईश्वरोप्रसाद राजहरा व म ५५०, सरस

सप्पयन ४ १२ एशिया त्रिशकी, वैदेहीसत्त्रम नद ४ ५ १०

क्षिया सिक्ष, प्रकाशनारायण चनप्रसाद ६२५ —का साहित्य साचने प्रमासर इत्या व

एहसासे दर पुरोहित, इहकुनार नवार्वमा प्रमङल. २५०

ऐतरेयदाद्याय का एक बध्ययन पाठक, नाबूनाल रोशनलाल १०००

ऐतिहासिक उपत्यासकार वृदायनतास वर्मा मिश्र, राम-दरम एस बाद ३५० —तिक्य त्यापी, महादीरसिंह एजीव, से ६००

— निवध स्थानी, महाबोरसिंह राजीन, में ६०० ऐसे ये चाचा नेहरू सत्यनारायमसिंह, संपा वि ग्र कु

भीना निवध संश्रह स्रोमा, बौरीतकर हीरायद सा सस्यात, राज वा १ १००, मा २ ६००, मा ३-४ ६०० स्रो नीन उपेंद्रनाथ स्वक नीताब १२४

श्रोतिषिक सेत हरिमोहन हिंद पा (पा) १०० श्रोत नाटी, नाटायणिसह कताबतार २०० श्रोवरमैन की पाठम पृस्तक सिंह धी भी म्यू स्तेच १०० श्रोस के श्रासू रचुवीरसरण मित्र' श्रा सा ≡ ६००

यो हेनचे उपहर्माण 'घरक नीताम १२५ बौचित्व विमय त्रिपाठी, राममूर्ति मा म बौचोर्विक हनेक्ट्रानिको के सिद्धात बौर प्रयोग कृष्ण, प्रो हि

समि. ६ ००

भौद्योगिक सगठन सबसेना: ग्रंस सी सबो स ४ नवयुग सास प्राप्त ००

— सगठन एव प्रवध स≉सेना, एस सी सक्षी स ⊏ नवयूग

सास.मा ८०० -सन्तियम भग्नवाल ग्रार सी नवयुग सा श्रीपसर्गिक रोग पाणेकर भारवर गोविद सखी स वे चौसवाभा १ १०००, मा२ १२०० भीर चिराग वृत्र गया नरेंद्रप्रसाद नवीन हि सा स 0 34

करावती चौधरी राजन्मल राजनमल पुस्तदमाला कचनगढ हुकमचढ ४ मा देहाती ३०० कपनी सर्विवीय नाय विधि बग्रवाल की एन स २ नवयुग सास,म्रा६२४

कप मोटरकार ट्रनिंग मैनुसल, सपूर्णकृष्णानद ३ आ। देहाती

28 BX नराजन्डसं गाइड नोकचा, हरनारायण देहाती ५२५ कद रामायण राजगोपालन एन दी, बनु स २ वि राष्ट्र

80 44 रामायण रामनायन, सरस्वती कि महल क्वर एकादगी माधुर, कवर बहादुर अमृत २०० नशाब्दापन पाठ सकत निर्माण एवं विशिष्ट विधिया योगेंद्र

जीत, भाई विनोद ५०० कच्या रंग खत्री दुर्गाप्रसाद संपा लहरी क्रुचे यागे शर्मा, श्रीराम राम समाग ६०० **ब**च्छ प्रद्रवार पद्मा नवभारती २२५ लोक स १२५ क्ठबरे धमृतराय सबना २०० मठीयनियदं भाष्य ग्राचाय नेशबदेव दिव्य क्यक मृत्य प्ररापनारायण 🛚 २ क्ला प्र, इ. २ ५० -नत्य परिचय भीवास्तव हरिस्चड सवीत स प्र २०० क्यकति नरय-नाटय प्रकारतारायण कला प्र. इ. १ ०० वयातर दवडा शरद भेपरा ६०० क्या दगर करवा, हरवगतात, मवा दशकहानिया ४०० -पराग साह नरायनदाम जबलपुर प्र मृ २ ६० -माधवी स्वामनुदरलाल, सपा जनतपुर प्र मृ रे ०० —यात्रा गुप्त, छत्रीसाल अजना

—विवस स्थाममुदरलास जबलपुर प्र गृ ३०० -पोडपी मध्यदानदन, जी नेशनल -- मूर्य की नई मात्रा थीवास्तव, हिमाणु हि बचा पृ बदव प्रवस्पी जगमोहनताय 'धारावित पु स , बा

बदम वदम पर पूत्र बडोलः, रामरतन बीहानेर टाइम्ल

1 40 वनेर के पूज धौर बदटट्टर पाठक जिठेंद्रनाथ श्रोसा प्र २००| कलाना विध, खबशकरनाय 'वशोज', गरोज प्र

बन्नड साहित्य का नवीन इतिहास सिद्धगोपाल, काव्यतीर्थ घाशा प्र

कपिलवस्तु-लुविनी दिग्दर्शन शीवास्तव, विजय महावोधि

कपन चोर तया ग्राय वहानिया तिलक क्लाभा कफ परीक्षा वर्मा, रमेश मोतीनाल १२४ क्व तक पुराष्ट्र समेथ राघव हिंद पा (पा) २०० वंबीर द्विवेदी हवारीप्रसाद सन्नी स ७ हि स र ६०० नबीर विजयेंद्र स्नातक, सपा राधाकृष्ण ६२४ -भौर कवीर-प्रम दिवदी, केदारनाम हि सा सम्मे --की मापा जायसवाल, भाताबदल कैलाश ह ११०० —की साखियो का भाषा वैज्ञानिक श्रम्ययन गुरुदेव सिंह

सरस्व पूस ८०० -- के चामिक विश्वास धमनाल मैनी भारतेंदु भवन १ ५० — गूड सन्द व्यास्या शिवद्रतसात निष सा १०० — पदावती चतुर्वेदी बरसानेलाल, सपा सा सगम, म —योग धिववर्तनान भा २ शिव सा १ ७५ कब्ज कैसे दूर हो [?] झसड १०० कभी नमें सभी नमें है, सतीस देहाती १५०

— नही कभी भी नहीं लहर प्रपति प्र ४०० रमत हुन्द रामी, विमसः समृत ३५० रूमना नेहरू काब्य कृष्णबोध 'प्रेम' प्रभाप्त दमवेस्वर की थेष्ठ वहानिया बादव, राजेंद्र, सपा राजपाल

कम्युनिटी डेवलेपमेण्ट प्रोग्राम इन इण्डिया राजेस्वरदयाल कि महल १२ ५०

क्यर उद्योग (नारियम की जटाधो का उद्योग) कौंसिल धाफ साइटिफिक एड इडस्ट्यल रिसर्व कॉसिस ४०० कर भनाहो भना रपुर्वीरसरण 'मित्र' मा सा प्र १५० नरम् प्रधान द्वे, रामज्ञागर सावेत २०० करका पाडेय, हृश्यशारायण हृश्येग' हृदय म १५० कर्मशेष बोमोलाल 'इसाहावादी' राष्ट्र प्रवा, इ ३ ५० क्ताव्य बोमीतात 'इताहाबादी' राष्ट्र प्रचा , इ ३ ४० कर्राव्य वीविददान, सेठ न ३ भा सा म ३०० वमभूमि (साप्ति) प्रेमचद हस २५० वर्मवीर विद्यार्थी यथेशशवर, पारमाराम ३०० नतिनी नदा, गृतशन स्टार (पा) २०० क्लम का मजदूर प्रमच द मदनगोपाल श्राजकमल ११००

बलाई का घार्या बारहठ, करणीदान नवयुग प कु ४०० क्ला और धायुनिक प्रवृत्तिया ध्रत, रामचर हि समि — घोर सम्ब्रुनि पत्र, सुमित्रानदन कि महल ५०० --- प्रौर साहित्य चिदानद कपर प्र २०० —का दर्शन पुत्रन, रामपद कारोना १०५० नी परम जनवानी के के धारमाराम ४०० —ब्रमम पुत्रन, रामबद कॉरोना ७००

बला चित्रिया धमह १००

रत्यनाम्रो की घुरी सबसेना, ज्योनिप्रकादा विध्याचल ३०० | कल्पवश त्यांगी रवीद्रनाथ राजकमल ४०० क्त्याण भारती श्रीकृष्णसाल देहाती १२५ —सुमन प्रमातबुक २२४ कवि धीर नेलक राकेश राजीन, मे १२५ —बूल गुरु चद्रश्रनाशसिंह मा प्र ल नोतिन विद्यापति शाही धीरग अवपाली २०० केविना मार्गेव मार्गोरप कविना ६१ २०० विज्ञा ६३

२ ५०, कविना ६४ ३०० कविता कविनाए शर्मा, शिवचड ग्रमिज्ञान

कविता मे प्रयोगवाद की परपरा चौहान प्रतापसिंह नवयुग वयोगीर २००

कवितावली झाँखनेश्वरप्रसाद, टीका था भवन १२४ कवि तोष भीर सुकानिधि मायुर सुरेन्द्र सपा ना प्र समा ─िनिराता वाजपेयी, नददुनारे वांची वितान १००० -प्रसाद, ब्रासू तया अन्य कृतिया शर्मा, विनयमोहन परि

स ४ विश्वविद्यालय ३०० विवयती त्रिपाठी, रामफेर शमा प्र ८००

कविराज शीपकृत काश्य प्रभाकर किंवा विवयणी हरण तथा धन्य प्रय चद्रप्रकाण सिंह सपा म स यूनि

 सत्यनारायण शास्त्री प्रभिमदत प्रथ चौखवा १६०० नदिवर हा रामकुमार वर्मा धीर उनका काव्य दशरवराज

चौलबा

—पत भौर छनका द्वापर विश्वभर झरुण झराके म २ १० -पर्माकर भीर उनका युव वजनारावणीतह अनुसधान

₹ 000 —बनारसीदास जैन, रवीद्रकुमार मा ज्ञानपोठ १००० ---रलाकर ग्रीर जनना उद्धव शतन चतुर्वेदी राजेश्वरप्रसाद. रीगल

-विहारीसाल चतुर्वेदी, राजेदवरप्रसाद भा सा म

—सुमित्रानदन पत शासनानी, दशरवराज नद व ४०० कविश्रमय मीमाला विध्यस्वरूप काशी हिंद ४०० विव सेमापति समीना विनेंद्रनद्र भारतीय नवग्य ग्र धागार 800

 नविश्व की एक शाम कल्याणीं सह कवर साकेत २०० मसक पाडेव, हृदयनारायण हदेन स २ हृदय म १३ ५० के से कमला गिरीप म भा सर्व १०० **१ स्तूरवा** स्मारक राष्ट्रीय स्मारक १२०० **र**स्य था एक दिन समृतराय सर्जना ३०० रहन्हे पहित, स्वग, संगा हिंद पा (पा) १ ०० रुहानिया ही वहानिया चौहान, मनहर धार्य बुक २ ४० कहानी प्रस्तताल भटटाचाय, क्रणवद मार्ग दशक ४ ५० मोर वहानी मदान, इद्रनाय, सवा रामचद ७ १० — नला नी भाषार दिलाऐँ फिछ दुर्गाशकर नवयुग **विकास ४५०**

न्हानीकार जीद्र अभिनान और उपर्याघ पाडेय जबदीन मर्थनात्र, मा ४००

बहावत कोश मित्र, भवनेस्वरनाय 'मायव' वि साध्य १५०० काच की चूडिया नदा युलशन यशोक या (पा) १००

—के सिलीने विविधम्स, टेनेसी राजपास

—के तन मोम के सन रावेन्द्र मिलन समानातर २ ५० -के वस उमेश शोभा प्र २०० कावन रग मित्र, शब्द नेशनल ३०० काटा दामन फूप है, सतीश देहाती १५० काकदुत काका हायरसी समीत २ ५०

काकद्रत काका हाथरसी हिंद पा (पा) (०० काका रागेय रायव हि शिक्षक २०० -की पुलकडिया काका हाथरसी (प्रभुदयाल गर्ग) हिंद पा

(98 } 2 00 के कारतूस काका हाचरसी (प्रभुदयाल गर्ग) संगीत

—क प्रहसन काना हायरसी (प्रभुदेवाल गर्ग) सगीत भागव की दीवार सहगल, लसित दार्य वक २००

—की नाव कृश्नचदर राजकमल ४५० --- के फूल वीरेंद्रकुमार हिंद पा (पा) too काठ का बोडा नरद्वप्रसाद 'नवीन' हिं सा स ० ७४ कादवरी (उत्तर भाग) मिथ रामभद्र बीलवा १०५०

 कयामुखम् मिध्र, उपेंद्र, सपा रा वेनीप्रसाद ४०० कानून और कामगार भारतीय ब्रीड शिक्षा सथ भा श्रीड —का व्यार राजसवमी क्ल्याणवास

कानुनी व्यवहार विधि पहुदा १००० काको हाउस की लडकी सगर, सत्यप्रवाश प्रिटलेंड काम कुज विजयपहादुर सिंह महाशक्ति ६०० कामता प्रधावली कामलाप्रसाद मिह 'नाम पारिजात काम घंघा एव ब्याज मुद्रा के सिद्धात नाग, द्याशकर हि

समि ७०० कामधेन तत्र कल्याण स २५० कामना गुरुरत भासा सदन १००

कामना मालविका, विद्यावती महाबोधि ० ३७ -- (प्रसाद) एक प्रध्ययन निध्न, दुर्गाशकर हिं सा भ

₹ ₹0 कामह्य युष्त, राजेन देहाती ३ ४०

रामायनी एक पूर्नावचार मुक्तित्रीय, गजानम माधव युनिवसंस बुक ५००

—के पाने पार्टेग भृवनचद्र नवयुग ग्रथागार ४२५

- वितान जैन, विमततुमार भा स म १२०० दिग्दर्गन द्विवेदी, केदारनाव 'यतीद्र' स २ वि प्रय

 म काव्य, मस्कृति और दर्शन द्वारिकाप्रमाद सक्सेना मसो स २ विनोद

—म नाटकीय तस्व धाराधार, इदुप्रमा हिंसा म ७०० -- रहस्य राठौर, विजयवहादूर्रामह 'विजय इ प्रे

-- विषयं दीक्षित, नवीरव समुदय १०५०

कायविकित्सा द्वारिकानाथ, सी मोतीलाल २००० कायचिक्तिसा पाठक रामरक्ष चौलवा कारवा गुजर गया गोरानदास नीरज हिंद पा (पा)

8 00 काट्न दौत्रत यानवी भयोक पा (पा) २०० कार्तिक मोहात्म्य शर्मा जगन्नाथ देहाती १५० —माहातम्य क्षेमनारी सत्यनाम शास्त्री देहाती ६०० कार्बोहाइडू 🛮 भीर स्ताइकोसाइड वर्मा फूलदेव सहाय केंद्रीय

हिं

कायकर्ता सेपीनार की रिपोर्ट भारतीय प्रौढ शिक्षा सच मा प्रौढ १०० काल की गति मिथ बटकरैन अयमाला ३०० कालजबी फरना सियारायशरण प्रसाद कला था २ ६० कालसप मिश्र रामप्रिय लालघुषा भा भवन ०७६ कालाजन शानी अक्षर ६००

कालापानी सादरकर वीर विनायक दामोदर पृथ्वीराज प्र कालाम सूत्र प्रज्ञानद महाबोधि ० २६ कालियी गिरिजादयाल 'गिरीश सा महल

कालिदास पाडेम चडवली मोतीलाल के पंगी हरिक्त वेदालकार गुरुकुल कागडी

- के सीरय सिद्धात मीर मेपदत राय शिववालक घनना प्र, धा ६००

-प्रवावती चतुर्वेदी सीताराम, सपा मा प्र म, न

—प्रयावती त्रिपाडी रामप्रताय कि महल १८००

—नमामि उपाध्याय भगवतञ्चरण रणजीत ७३० कालीतव कस्वाणं मं २००

कालीदास की सालित्य योजना दिवेदी हजारीत्रसाद नैवेद

—ने नाम्य निपाठी रामप्रताय कि सहल १२०० -- के नारक विवादी रामप्रताप हि प्रचा पू ८०० माली स्वरूप तरव कत्याण म १०० माले उनने टीने मगवानसिंह हि प्रचा पू (पा) १०० पालेज निष्धावली धवितेस्व (प्रसाद मा भवन ५० माभ्य मदन पाडय मुनतेत्वरप्रसाद भीसवा २ १०

-शना भौर शास्त्र रागेय राधव सनो स २ विनोद

— चयनिका दार्मा सरनामसिंह घरण कल्याणमल २ ५० --- पिता तिवारी रामशकर कौलवा ६०० राध्यधारा टडन गुरुप्रसाद, गया हि घर, न्वा ३००

काव्यनिणय मिसारीदास सची स २

ब ल्यागदास गाय्य प्रयोजन नित्यानदप्रमाद सरस्य पु स ---में रहस्यवाद घवस्थी, बच्चशाल 'ज्ञान' यथश १२ ६०

- न्यों ने मूनयोन भीर उनना विशास हुते, चन्त्रता हि प्रकाप

—गाम्व द्विवेदी, हवारीप्रसाद, सन्तामा सास प २००० —शास्त्र मिथ्र, मगीरय शतो स.३ वित्वविद्यासय

\$0.00

—माम्बिक प्रस्त भाव, वित्रोदा स भा सर्वे

—मैं बुछ वं रामवृत्र बनीर्री बनीर्ी ५०० —विचार बुछ समीशायें बूरतीमनीहर तबयुव प्रयागार ¥ 20 — गस्द भूछ रेखाए विथ्यु प्रमावर सन्ता ३५०

—गरी खरी धुक्त देवीइला कल्याण म २०० —देशा ब्रेड सना बिहना पनस्यामदास मस्ता ३ ४० — निवय जैन भगवरुमार मा ज्ञानपीट — मृत्तन, बुध बढारें स्नही चनीर ना (पा) १००

0 20 कुछ बहानिया गरान, इद्रशय सपा ज्ञान भारती, दि

क्वरसिंह प्रताप स्थामल प्र १२५ कुइनी वैजल, स्यामनः रायण पावनी ३ ५० कुंबहुर पालन जयरामसिह रा बेनीप्रगाद वृजियार तत्र (माथा टीशा) बुजियार मुनि घवतरि

कीर्राव रस स्वरूप थी थी ग्रानदममी ६०० क्अरसिंह मिथ चद्रशेखर स्वीति प्र १००० — एक प्राच्ययन दुर्गाशकरप्रसाद सिंह 'नाम 🖪 २ नव सा

किसानो का देश डेनमारू शाही, रामसागर भा भवन \$ 00 कीड-पत्रये तिवारी रामबद मनु राजपाल २ ५०

क्यिर किशीरयो की सदाबारी शिक्षा भट्टाबाय कृष्णपद माग दशक १०० किञोरो का भावविकास करल, एस पी मारमाराम ७ ५० क्मिनी सोक क्याए रामेश्वर प्रधात देशाती ४५०

बस्प्रा' अभिनी प्र किरणें फेडरीनफेरड २ भा युरेनिया १००

—हमारा है मनोहर प्रमाकर क्ल्याणमल २५० किरण वियल गई किरण निखर गई कौशिक ऋषि जैमिनी

-को बेटी जमनादास भरतर सदोक पा (पा)

काश्मीर भूगोस १००

२ ५० -दर्जन दार्मा केदारनाय बीखबा ०३५

—व्याकरणम् युधिष्ठिर मीगासक भा प्रास्य ४०० कासी की सारस्वत साधना गोपीनाय कविता में वि राष्ट्र

काशकुलन धातु व्यारयानम् युधिष्ठिर मीमासक भनु भा प्राच्य १०००

काव्यालकार ६इट वासुदेव २१०० काव्यालोक अजवासीलाल स्वीद्र प्र,ग्वा २००

काव्यात्यक विम्व यजनदनप्रधाद, प्रखौरी ज्ञानालोर 2000

काव्यशास्त्र की रूपरेखा स्थामनदन शास्त्री भा भवन ६ ५० नाव्याव परिचय गौड राजेंद्रसिंह मनोक प्र म १०० —-परिचय जैन, नेमीचद्र कमल प्र २ ५० काव्यात्व भीमासा मिथ जयमत चौलवा १६००

करज द्विदी, हजारीप्रसाद नैवेश ३ ५० क्तिया शीकत यानवी अशोक पा (पा) २०० क्मारसभव (पचम सग) जैन नेमीचढ़ कमल प्र क्मारसभवम् सग १५ कालिदास मा भवन ३०० कुमुद नर्मा, यनदर्शाहिद पा (पा) १००

क्रभव बालकृष्ण मुज्तर विश्वविद्यालय प्र मृ एव नेश-। नल १२५० -जागता है चहशेखरन नायर एन थीनिकेतन १७५

कलदेवी बरेरकर मामा विद्याप्त म ४०० कुलाणव सत्र कल्याण म ३५०

कंपाणव तत्र विज्ञान म ०५० **बु**लीनता गोविददास सेठ भा विस्व २५०

कुनल कपाउडर कोक्च, हरनारायण देहाती ५०० —,विकित्सा कोकंना हुरसारायण देहाकी ४०० पूर्णीनगर वा इतिहास धमरक्षित निक्तु महाबोधि २ ६०

हुनुम चट्टोपाध्याय शरतचद्र स्टार (या) १०० **बूबरी श्रववाल रामनारायण राज्यश्री २००** इति भीर इतिकार, वाणभट्ट की बात्मक्या के सदर्भ मे

नमा सरनामसिंह घटण विजय बुक पृतिका धर्मा रामकृमार चद्रशाक ६००

कृषि ग्रीमय तर्ग एवम भू माप सरल बाब्यवन शर्मा देवेंद्र दत्त राजहसम्म भ ५२५

- प्रयास्त्र मित्तल एस सी मोरिक इन पिल

-- प्रयक्षास्त्र दूधनाय सिंह रा बैनीप्रसाह २०० - प्रयास्य का रवरेला वक, मानदस्य स्थ राजहस

प्रम ५०० -- भवगास्त्र सर्व प्रध्ययन वर्ग द्यार यो राबहुस प्र स

--प्रामीण समाज एवं समाज बल्याण दूधनाय सिंह नदे ब

—पतु विभान रस्तौगी, सूलचद राजीव, मे -प्रसार सिद्धात एव ग्राम्य विकास औन रमेशचड सिंघल

—प्राणीशास्त्र सरल भ्रध्ययन भ्रष्टवाल, एस ही राज्ञहस त्र म ४५०

—प्रायोगिक रसायन मलिक विजय सिंघल —प्रायोगिक रसायभगास्त्र खन्ना अवकृष्ण राजहस्य त्र स

- भूगोल भूगोल ७ ००

- मौतिती एवम् जसवायु विमान गर्गे, जगदीशनह

राबहस प्रम ४ ४०

 नौतिकी तथा जलवायु विज्ञान सरल प्रध्ययन वैस्थ्र, चमनप्रवाश राजहसूप्र म १२४ -रिनायनगाप्त्र सरस भ्रध्ययन सन्ता, जयकृष्ण राजहस

7 4 E 34 ─स्तरपतिगास्य सरल ग्रध्ययन ग्रग्नास, एस दी राज

हसप्र म ४५० वृष्ण उपामना रामकृष्णदास रमिक देहाती ४ ६०

—नारे हैं वैदय, त्नसीराम 'माहरूर' सावेत ४००

कृष्य गीतावची थीवास्तव रामचद्र 'बद्र', शेका सा प्र

ऋणचरित सुदशनसिंह मोतीवाल १००० ऋषपद्य पाईय, विनोदचद राजकमल ४०० ऋष्मिन्त-काव्य में संसीमान गोस्वामी शरणविहारी

चौसवा २५०० ऋषाम्बुदय-लोकनाय धर्मा एन एन मोतीलाल

300

कैश्चव की काव्यकला चुक्त कृष्णशकर पुस वा ३५० कैसरिया पवडी शर्मा यादवेंद्र शहर कल्पना प्र ३ ४० की और कुर्सी गुप्त वैजनाय भाग्न नि ४५० कैंदी भीर जजीरें ठाकुर खींद्रनाथ मजु ३ ५० -की पतनी रामवृक्ष वेनीपुरी वेनीपुरी ३०० *कैनाडा का सविधान सरण कार एच नद व*े २५० कैंमिकल इण्डस्टीन जायसवाल वी एस देहाती २००० केंरल वैमन वेंकटेश्वरन एन रा वेनीप्रसाद २०० कॅरिज एण्ड बैगन गाइड देहाती ६२५ केरी साहब बा मशी विशि प्रयमनाय वोरा १२०० कैसे सेलें किकेट गुप्ता, विजयकुमार भाग्योदय ३०० -- बेलें प्रदेवाल गुप्ता, विजयकुमार मान्योदय २०० ~- बेल वासीबाल गुप्ता विजयकुमार भाग्योदय ३०० -- खेलें हाकी गुप्ता विजयकुमार भाग्योदय ३०० कैंस्टर ब्रिड का मैबर हार्डी टायस पुस वा ६०० कीर्योपरेटिव डैवनश्मेन्ट इन नेपाल सिन्हा की के कि महन 90 00

कीयाँपरेशन कम्युविटी खेवेलपबेट ए॰ विलेज प्रवासत इस इडिया मामोरिया सी वी कि महल ६०० कोई धननबी नहीं मटियानी धैलेश कि महल २ ५० क्षीकावेली विद्याभूषण 'विमृ' परिमल १५० कीनाकं दुवे, रामेस्वरदयालं शील प्र २०० कीयला और कवित्व रामधारी सिंह 'दिनकर' उदयाचल

3 20 कोसाहल गांधी सी ठी सावर' राष्ट्र प्रादि १५० कीप कल्पतरु—विश्वनाथ पटकर एम एम , भाष्य मोतीसास २०००

कीहबर की शर्व मिश्र, केनवप्रसाद राजगमस ५००

फीडियो का नाच बस्त्रो, स्वरूपकृमारी भा ग्रथमाला ३७४

कीत कीर्तन कल्याल म १२५ कौशिकओं की इस्त्रीस बहानिया बौशिक, पोतावरनाय, सपा

नेशनस ५०० त्रया साए ? कैसे सायें ? ग्रसड १००

—धर्म बुद्धिस्य है ⁷ तुलसी, भाषाय भा ज्ञानपीठ २०० कातिकरण लोहिया रायमनोहर नवहित्र १०० काति का देवता कुवर्रीसह मिथा, जग नायप्रसाद सामार्ग

—का देवता चद्रशेखर भाजाद मिश्र, जगनायप्रसाद

समागं १ ५०

शानि का देवता सरदार मगतसिह मिश्र, जगन्नापप्रसाद

सन्माग १५० --शा नाहर स्यामताल 'मधुप' मनोरमा श्रातिकारी चिट्ठिया सावरकर, बीर विवायक दामीदर

राजधानी २५० -- रमणी तीर्यराज कीरोजपुरी अशोक पा (पा) २०० कार्ति ने कमन समस्यहादुर सिंह 'समरेश' सा प्र, स

६००
—दीप मजनावित तुक्कोजो महाराज थीमुख्येव ०३०
भावितूत तिवारी, हृदयानद तुमारेश साकेत ३००
विद्यासम्बद्धाः स्थापन मुगोर

ईश्वरीत्रसाद राजहस प्र म ४०० किसन दश्मणी-रो देलि नरोत्तथदास स्मामी, सपा श्रीराम

मेहरा ७ ४० त्रिवनिकस पैथीलोजी (मृहत् मल मूत्र-फफ रस्कादि परीक्षा)

सन्ना शिवनाय चौसवा १००० शितिज्ञ की स्रोम भाटिया श्रीमृत्रकास मन्त राजपूत

प्रतिल प्रम ०५० क्षत्रवा टोग्नी मदन प्राम्ययं थी गुष्ठा ०३७ काड्डर रीन दिससा राज्यस ३०० काड्डर रीने देश म बनारतीलाल साथ प्रेम पुण २५० काड्डत सेतु समृताम सिंह समझासीन प्रभ ००

स्रोडत बतु यमुनाय विह समकासीन प्र ४०० सक्वर पीर पादमी यावाल विक्रमण १०० स्वतुराही में प्रमाद र्याति मिय मदनमोहन कि महल स्वतुराही में प्रमाद र्याति मिय मदनमोहन कि महल स्वतुर हे यह मायवन, प्रानदश्कर प्रमायवित्र ४०० सदट सतरे मीठ सदरे कीशिक व्यप्ति जीमनी विरुद्धा

जैभिनी प्र ३५० खडी बोली कविता म किरह पणन मिथा रामश्रसाट सरस्व

पुस १६०० — योली कालोक साहित्य गुप्त सत्या हिंदु एकेडमी

१५०० — भोनी नास्त्रस्य सर्मा, स्रोनारमद्र स्पनमन

५०० सम्बुत्रहवास श्रविषयोर नारायण पारिजात ३०० सराव व बरागाय झान नामीबरण बेहाती ६०० —जिंगा बहाती ४५०

नरीडी नोडियों के मीन मित्र विमन २ ख आत्माशाम

४२ १० किन्द्र विकास स्टब्स सम्बद्धाना संस्कृतीय = ---

सनित निवान गाह मरतपुरमर धमरानति ६०० सनिहान जग नौतुष 'बनारभी (निवसूति शिव) धसोन पु म ४००

माद एवम् उर्वरम् रनवीरिभिः " शक्तिवन सात स चमडा वीभित प्रश्ति साहितिका एक इटन्ट्रियस रिमर्च वीभित ० ४०

३५०

खितथी वस का इतिहास विशोधेसरस्ताल एटमी ना व हम सुद्दक पाठ धर्मरत, मिश्रु महाबोधि ११७ सून की परपरा महाबार्य, हरणापर मार रहेक १२५ सुन के परपरा महाबार्य, हरणापर मार रहेक १२५ सुन के परदाने गुज्य विश्वसुमार पत्रावी सेटी धीर खिलहानों से त्रिपाठी रामप्रताप 'तारती' प्रयोक

प्र प १२५ केत कर गुता विवयकुमार माम्पोदम १०० —के मीज हरीय 'मधुर' माम्पोदम १०० —केत मे बीचना दियोग प्र मा वद १६० कोबा हुआ प्रमा पटन जोटनाम घरून मीनाम ४०० सौफ को परजुद्दमा समुत्यय सर्वना १६०

पण क्रम भूगोल १००

—एतम पूर्णोल १००

—हिनार रोहेड तह कुला प्र ४ २००

—की गोर से समी, तुम्माल पालोक ॥, तो ७००

—की मार मुस्त्त र मा मा सा सत्त १६००

नहित्र पमालक म्माल मार समा १२५

—है पवित्र समसकुमार 'पीयेय' सा केंद्र, दि ६००

कपशील मुस्त, गरेपवाद समीक प्र ४००

गवर सार्था सम्माल प्र १६म प्र १६म २००

गवर सार्था समी प्र १६म प्र मार्थित में १००

गवर सार्था समी समी प्र मार्थित में १००

गवर सार्था विवारी रोमस्यरिमाय मार्थित में १००

गढवाली लोक साहित्य का विदेवनात्मर सम्ययन बायुनगर, मोहनलाल हिंसा सम्मे ८०० नढा गढला के गोड राजा धप्रवाल, राममरोवे राममरोवे

गणित का इतिहास बनमोहन हिं समि ६५० — शिमच पुप्ते शिरिजाशकर राजीव मे ४०० —शिमच विधि दुवे थी पी विनोद २०० गणैश सन र विद्यापी ने थेप्ट निवस विद्यार्थी, गणैन

यप्रवाल महला ४००

द्यंतर धारमाराम यति विज्ञान भुरता, पुरत्यमन राजहस प्र. म. १५० गदार दौस्त नरेंद्रप्रसाद नदीन' हिंसा स. ०७५ गद्यंतर दोल रणदेव, सरयपाल प्रजाब प्रादिता एव

ग्वारा बाण रणदेव, सर्वपाल प्रजाय प्रादेशित ए भासम्बन्धा ६०० —राजा राजिकारमण सिमारामप्रसाद शरण प्रसा

भा ३०० गच बुनुर्गातिन थोष्ट्रप्ण सरस जवतपुर प्र गृ २२४

— निर्माल्य निवासी अवानीप्रसाद २१० — भारती अञ्चल्य, महुद्र बल्यायमल १५० — मुताहार वैजनायसिंह ध्रशोक ॥ म १५०

—वंत्तरी व्याम, मोलाशहर घोषवा २५० —विविधा सहत, बन्हैयासाल करवाणमल १४०

—विहार भोड, धतापनास्तवण कि महत् २००

स्वह दुर्वाजनस्यवाद निह 'नाव' नव ता म १००
 सौरम एव सभीता सदानदितिह पमल प्र १०५
 यदायन वैजनाविद्य धनोच प्र स १७५

गरुडध्वजसमीका क्षत्र ज भोतीलाल २५० गरुडपुराण रहस्य दयाल पशीर शिवसा १०० गरीठा के गढीवद व्यास, जुल्लानद 'वेद्यास' वेद्यास ० ५० गर्जना रामगोपाल परदेशी सपा प्रगति प्र ४०० गमंबती स्वी यप्त सर्देशाथ, साकेत २ ५० गल्प दीप दार्मा, जनावनप्रसाद बरोर प्रस १८१ गापी गीत तुक्कोजी महाराज शीपुरदेव ०१६ गायी जी सीर उनके सपने वियोगी हरि सस्ता १०० गाधी-युग के सहमरण उपाध्याय, हरिमाऊ नेशनव ७०० गाद की म्रोर चत्रेश विष्याचल २०० गाइड नारायण, झार के राजवाल ४०० (वा) २०० गापासप्तशती परमानद शास्त्री प्र प्रतिष्ठान २००० गायती चित्रावली सलड १५०

-शहत बाबराब भी परसाई सनावता, विष्णसाय 'बुमना-

शार' माधव

—मन्त्रार्थं ग्रह्म ह १५० --- महादिशान ३ भा प्रसट ३ ५० (ग) ---यज्ञविधान २ मा अखड २०० (प्र) --- साहित्य सैर (छोटा) प्रसंड १० पुस्तकें १२% गाये देत प्रेम के गीत विवेदी, दुर्गाशकर घरविद प्र मृ

गाउँएम विज्ञान भौषरी, शादीबाला भा भवन ३ ३० गालिय उप रामां पाडेय देवन 'उए' रणजीत ३५०० --- के पत्र शर्मा, श्रीराम हिंदू एकेडेसी **= ००** गिटार वादन प्रकाशनारायण वस्ता प्र, इ २०० विरती दोकार नापनी माखें रॉबिन हों 'कृष्य प्रभात प्र गिरस्तिन रामकुमार 'भ्रमर' विश्वभारती, ना गीत दिनेशायन भीर स्नेही, सपा गीत प्र ४०० - वया शर्मा, मनोहर राज सा समि - प्रिया शाह हुसमुख प्रपरा गीतम मिन्न, बीरेन्द्र विच्याचल २५० गीतांक्र रामगोपाल परदेगी सवा प्रगाव प्र ५००

गीताजित ठाहुर, स्वीद्रनाथ राज सा प्रका २ १० गीता वया भंबड ६०० गीतानद पिस्ताई, मेरकोत्सा परमेश्वरन रा देनीप्रसाद

मीता पदानुवाद शतह ३०० -प्रवचन, गीना व्यास्थान माला चतुर्वेदी, गिरिवर शर्मा

३ मा नागी हिंद्र ३४ ५० —में विश्वहप दर्गने गीता

गीतायन मादानी, हरीन सूर्ये प्रस ३०० गीतावली का कार्योत्कर्य पुष्त, परमलाल नवयुग स बागार गीता दिजान भावार्य वेदावदेव, समलन एव भनु दिव्य

गोतिरा (निराना) एक प्रध्ययन मिथ्र, दुर्गाशकर हि सा, म ३५०

गीली मिटरी अमतराय गर्जना ३०० गुजरात के हिंदी गौरव ग्रथ नागर, जनावकर, गगा मुजराती साहित्य का इतिहास. दुवे, जयतकृष्ण हरेकृष्ण. हि समि ६५० गुदगुदी चतुर्वेदी, सुदरसाल 'ग्ररुणेश' प्रगति प्र २०० गुदडी का लाल साल बहादुर मजुला उमेश २ ४० गुनावन दुर्गाशकरप्रसाद सिंह 'नाय नव सा म ३५०

गुप्तकातीन उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास जापसमाल, प्रचातनुमार पारिजात —भारत गोयल, श्रीराम विश्वविद्यालय १२५० गुप्त वन वयुतराय २ भा सर्जना ८०० (प्र)

गूमराह पाडेय, सन्विशानद नवपुग प्रयागार २ ७५ गरिल्हों की छत्पामार लडाई त्रिपाठी, कृष्णदेव इन्टर पूनि

गुरु गोविदसिह यहीपसिह उमेश ४०० —गोनिकसिंह रामी राजेश उनेश २०० गोविद्धिह और उनका काव्य सहगल, प्रसिल्नी, हिं सा

भ १५०० बुरुदेव धौरीशकर जी नागर सनावद्या विष्णुराम 'गुमनाकर'

-थी रत्न मुनि स्मृति ग्रथ कोठरी, डी एन बुस्टेव स्मृति य य समिति, जैन भवन, सोहामही प्रागरा

गह-परपरा विभाव स १ ५० गुनछरें वेसुध बनियाटिक हि परि, स १०० गुनाव के भूत- वाम, शकर भाग बुक २ ५० गुसाई गुरुवानी सारव, हो हुलचद नेशनल २००० गुनी मछलिया रस्तोगी, विनोद उमेश . ५० गुँउते स्वर शामगोपाल परदेशी, सपा प्रगति प्र ५०० गृह परिचर्या तथा प्राथमिक उपचार मुकद सनिता वी

विद्या प्र भवन विज्ञान-तत्व चौषरी, शाहिबाला भा भवन ४ ५० —व्यवस्था एव विज्ञान मतीया, विचावती दि पू स

६५० वेह भीर यूनाच रायवृक्ष बेनीपूरी ^{*}दि पूरा ३०० गोडवानी रोखनुसाव, सपा धादिमजाति ७ १० बोबाजी चौहान की राजस्थानी वाया चारण, चहवान, सपा

भा विद्यास ५०० गोदान " भ्रध्ययन की समस्याए राय, गोपाल प्रय नि , 🛚

হ ও ই एक विवेचन सिन्हा सरेश रीगल

गोपालन के सबध में पारनेरकर, यदावत महादेव केंद्रीय गो परि

गोपीचद शर्मा, मनोहर, मपा राज सा समि. मौरवें कमी बौरटी धर्मा, मदनगोपाल राज लेखक ३०० गोरिल्ला की खोब में पार्टेय, गोपालचढ़ प्रथमाला १५० गोर्जी के सस्वरण जोसी, इताबद्र पु स , वा २ ४० गोसाई-चरित्र गुप्त, विकारीलाल, सपा वाणी-वितान मोस्वामी हित हरिवदाराय • एक प्रध्ययन गुलाटी, मदनलाल इ पन्ति.

प्रहण भा, राजेंद्र सा केंद्र, दि ७ ००
प्रह्मसम्प्र सर्कुणांत्र हिंदू एकेडेभी १४ २४
प्राम कबहुती श्रीवास्तव पहुला १६०
— व बहुती नियमायना प्रदोश पहुला १००
सामदात प्रत्नोत्तर भाने बिनोसा सा सा सर्व सामीण प्रयसाम्ब शर्मा रोगेस्वाह्य राजीय मे ६ ४०
— एव नामार्टक प्रयासक्य सरस्य प्रमायन गोयन,

जत्तमनद राजहसम् म --- एव म्युनिस्पत ग्रथशास्त्र मित्तल, एस भी ग्रोरियटस

—समाजशास्त्र तोमर, रामबिहारीसिंह श्रीराम मेहरा १५००

—हिंदी बोसिया बाहरी हरदेव कि महत्त प्रान्य विक्रिता पाटक वेदारनाथ स ६ व्याससुदर ० ६२ पेट बिटेन का सविधान राय हरिहरप्रसाद का धवन ८०० —दिटेन का सविधान सरल सञ्चयन सिन्हा, काशोनाय

नसल प्र १७५
पनागर चौरित्रया नेवानीप्रसाद स्रयोक प्र स २२५
पनागर वर्मा इत्यापन सना १वीड प्र स्वा १०००
पर का चित्रा प्रसापनेट साजाद सा क्सा स एव स्वराज्य ३००

-का ज्योतिपि वच्छावत, बीरजमल कि भर जो

-की मान सगर, सत्यप्रकास स २ प्रिटनेंड एव राजकमल ४ १०

-- वी सहेली बर्मा सबनोदेशी हि प्रची पु (पा) १०० -- के बुद्ध सौकत पानवी प्रसोत पा (पा) १०० परेलु इलाज ठक्टुर, धहरोसर गोपालजी मा ज्ञानपीठ

२०० — इंधन वासिल माफ साइनिफिन एड इश्हिट्यल रिसर्चा कासिल ७००

---विशोग धर्म वालीचरण देहाती २ ५० ---विशोग धर्म बुवे, सुरेशश्चर रतन एड व धर्म और अहरी की वहावतें गुक्त वृष्ण, टीवा पुस,

साम सार महुरा का नहाबत शुक्त कृष्ण, टाका पुक्ष का १५० पाट का परवर गदा, गुक्तान पत्रावी २०० —का परवर गदा गुक्तान सुबोध या (का) २०० भारियों के त्वर हसराज दशन' सन्यागं २०० भागक सीनार्य कथे १ एक टेकक अधिका अ १००

च

पहिता महामारव बन्धाण म १०० वडी परितावती बन्दाण म ०७४ पडगुप्त मीर्च रामगनावन कि महल ७५० घडोदय महराज्य रापायत्तम र्ख ३ पबतरी ०२४ चपा नामार्जुन (नैदानाच मित्र) हिंद पा (पा) १०० चपारन में महारमा गांधी राजेंद्रप्रमाद परि स वि राष्ट्र चपा सतद् चपादेवी जैन सा १०० चपू-ना॰व का घानोचनारमक एव ऐतिहासिक मध्ययन

विपाठी, लिंबनाथ चौसना १२०० चनन की घाटिया रामकुमार अमर विस्वसारती, ना चन्के की बहानी महारिया, मनमोहन नेशनल १०० चक्रमुखा के स्त्रीम करवाज म १००

चक्रन्यूह सुक्त, भगरनाय विद्याप्र म ६०० चटपट राजद्रसिह धार्मी

बट्टार्ने स्थामसुदरं नवयुग ब शामर ४०० —टकरा गई वोवर्द्धनांसह 'वहक्षी' नव्यर प्र एव शिव सा

स ३५० चडती पगडडिया अनुषके पाद कीशन, रामप्टप्ण हि अचा

पु ३०० चतुरम ठाकुर, रबींक्ष्माय प्रमात प्र २०० जतुर्व वर्ष प्रस्तोत्तर थीवास्तव सम्मिनी समीत स

चतुमुज्यास कृतं मधुमानती वार्तातमा उसका माघव धर्मी कृत संघोधित रूपातर युष्टः, भाताप्रसाद, संपा ना प्र

चतुर्मात माहारम्य भाषा जननाम देहाती १४० चतुर्विय उपस्या भीर चतुर्विय मुश्ति श्रीमातात्री श्री

ं सर्वेद १०० चमकते नजारे भा, दयानद हिं भवन १५० चमडे हा नाम हेवड, एस सी विद्या भवन उ

वयनिका यौद, राजेंद्रसिंह बसीर

प्रतिका विकोकीनाथ प्रमी नाउता हा १५० वयनिका विकोकीनाथ प्रमी नाउता हा १५० वयनिका स्टबायर, सिंद्र वस्त्राणमाल करक सहिता सनिवेद, सहींद २ मा चौत्रवा १६०० —सहिता वा नियोजराल तथा वाद्यसहिता वा

—सहिता वा निर्माणकाल तथा नीरतप सीहता का निर्माणकाल तार्या रपुबीररारण चीमका २०० —सहिता का सास्कृतिक मनुगीलन मनिदेव विद्यालकार साति प्र. का

परण चिद्व तमी, बमदत्त सा प्र परणोदन सन्तेमा, रामुद्दास मनपुग छ नु ६०० परिच पर्द, ने एस रोजनतात १२४ —निर्माण की क्याए समझ १०० परिचना रोमा औपरी, ए 'मारिनपुटि' नि प न्य

६०० चरिया दिटन धमरितत, श्रिणु महाबोधि १२४ चरेट पत्रिका श्रोगानद, परमहम स्वामी (प्रानुवाने चात्रा), सपा स २ देदीन वेसरी १४० चनने पूर्वे गुप्त, हरिकृष्णदास 'हरि' महर २००

चतने पुत्रे गुरत, हिस्हरणदास 'हरि' मृदर २०० चमा हम का जाडा गुडल कमन मुप्रमाप ४२५ चांद उतर घरती पर धाधी अगवानदाग निर्मोही' भारतेंदु

मवन ४१०

बाद का मह टेडा है मुक्तियोध, गजानन माधव भा जान-

पीठ १००० —की पुर दान , बहानारायण 'विकल' नवयुग प्रवागीर

बादनी का जहर त्रियाठी, नमदाप्रसाद हि भवन ३०० · के बधन धमरकात राजीव, इ ५ ०० बाद, सरज भीर सितारे प्रशोक भवला बादी की रात युक्त, रूमस मा वयमाला ४ ७४

षाचा नेहरू हरीस मधुर भाग्योदय १०० —मेहरू जिदाबाद भ्रमरदश्रदुर्शिह भ्रमरेश इ पश्चि

नेहरू जिदाबाद सक्तेना शिवनारायण अर्रावद प्र पृ

चाबुक विपाठी, सूर्यकोढ 'निराना' वयलपुर प्र प्

चाय उद्योग कौंसिल बाफ साइटिफिक एट इक्टिट्यन रिसर्च कौंसिल ६५० बार शी बीत शीकर यानवी झपोड पा (पा) २००

वार्रामत्रा सीसाराम शास्त्री बदलोक चार्वी ह दर्शन एक मानवीय घरीहर बोडा, रामचड

नवयुगग्र कु३५० -- दर्शन भी सात्त्रीय समीक्षा पाठक, सर्वानद चौलवा

चितक की साबारी चतुर्वेदी, मासनताल भा शानपीठ

चितन 🖩 घारी वचनदेवज्ञमार नावल्डी ४०० - ने शण बिनमेंद्र स्नातक नेशनस ७०० चिता छोडिये-प्रसन्त रहिय प्रलड १००

वितामणि विवेचन भा २ माडी, देगराजसिंह प्रशोक प्र चिता मुक्त कैसे हो ? मार्डेन, स्वेट सुबोध पा (पा)

चिनगारी भीर पूल निपाठी, रमानांत मञ् विकिरमा तरव दीपिका पाइँव, महाबीरप्रमाद मा २ द्याति

म्र, दि १०५० चिटठी-पत्री प्रमृतराय, सपा सर्वना भा १ ७००,

भार ५००

विता वे भूल रामव्या वेनीपुरी वेनीपुरी ३०० विवयनक प्रमुक्ताये सर्वना २०० वित्रवाला का रसास्वादन शुक्त, रामवद हि प्रचा प्

€ 00 विवक्र विवेदी, रमानद गास्त्री विनीद नियन्त्र मानप्पा, के बी नेशनल ३०० विश्पष्ट की परिया गुप्त श्रीरूप्य देहाती ४ ५० वित्रमय जोधपुर हि घर, जो १०० वित्रशाला माध्यन पानदात्तर धमरावती ७०० वित्रा गुरून, भानुदेव, सपा विध्याचल ३ ०० वित्रानदा ठारुर रवीद्रनाय राज । शका १०० चिर-क्या के मोह रामदेव विवास, हो ६००

चीन युगोल १०० -- एटलस भूगोल १०० - के मोर्चे पर देवन सन्मार्थ ३०० —को चुनौती क्षेमचड सुमन', सपा हिंद पा

चीनी निथकला राजकवर तथा ग्राम सा नि , का च्वकरव एव विश्वत सरे एत एम भारमाराम १५ ०० चुन्की भर चादनी चौरसिया केलनीप्रसाद प्रमिताभ , इ ब्टीवे कुन्तवे जैन मिश्रीमल तर्गित मोहन प्र २ ७५

बुनाव योगीलाल इलाहाबादी राष्ट्र प्रचा, इ ३ २४ —कानून ११६२ व्यास पहुता ६०० -कानन हिंदी मे ॰वास सीमेश्वर शर्मा शारदा प म चुने हुए कवि सौर तेसक आय वेदशानु राजहस प्र म

₹ ₹ 0 चुनौती जगदीश विशास्य अरविद प्र ग् ०५० चुक की हरू तागडी अप्तपूर्ण विवेक ६५०

चनर की पीड़ा सभी सादवेंद्र खद्र' नेशनल ४ ४० <u>बू</u>र्ण रत्नाकर कोकथा हरनारायण देहाती ३०० चेत मानसा रेक्तदान कि धर, जो ३०० चेवर मैन सत्यकाम विद्यालकार हिंद पा (पा) १०० चेहरे जाने पहचाने गोबिंददास, सेठ एस चाद २ ५०

चेहरो से विरा दर्पण रामगोपास परदेसी, सपा प्रगति प्र Y 00 चैता माहातम्य समी, जबन्नाथ देहाती १५० चींसठ कविताए जैन, इदु मा ज्ञानपीट ३०० —स्ती विताए हरिवशस्य बच्चन' राजपात ३ oo चौदह फेरे शिवानी (गीड पत्त) विश्वविद्यालय ६ ०० चौपाल चर्चा रामकुमार अगर अबलपुर प्र गृ १०० वीरपी शकर राजरमल ११०० बीराहा गुप्त, राजेश देहाती ३ ४० छद बलकार रस तिवारी, पश्चीलर जबलपुर प्र गृ

—श्रमकार रह बोध परसाई, हरिशकर जवसपुर प्र गृ

--- रस ग्रनवार नरेश मोहन कृमार भा भवन a u शास्त्र मेथात्रत, मुनि, टीका हत्याणा २ ५० -- बास्य की भूमिका सिंबकुमार नारीयण शिवानी प्र ३ ०० छदस्वतीवाक प्रवचल, वी भोतीताल १५० छदोतकार दीपिका दार्मा, भवभूति सा नि, का ०६० - यजरी ससारचढ मोतीलाल · oo

छतीसगढ म लोक गीत शर्मा, दादेश्वर, स्पा छत्तीस लोह 700

छत्तीसगडी गायाए शिक्कुमार 'दौस' राष्ट्र प्रचार म १०० छतना बाज्येयी, सबवतीप्रसाद प्रभात ॥ ३०० छताने भौर खाइया विद्यार्थी, धनतप्रसाद गूचना विभाग, उत्तर प्रदेश सरनार, सखनऊ

छात्रोपयोगी विचारमासा जगदेवसिंह छास्त्री हरयाणा ० ६१

ष्टादा की छावा गोबद्ध निसह बहनी नव्ययर प्र १.८० ---पुरम श्राचाव श्रीगोपाल मुता प्र ३ १० ष्टावालोक की रहस्य नगरी भट्टाचाय कृष्णुपद साग दर्शक

छायाबाद भीर निराया हनुमानदास चकोर नवयुग यथा गार १५०

पूनम त्याकन पत मुनियानत्त्र लोकभारती ५०
 पुन रामुनाम सिंह सरस्य म बा ७००
 विदेशपण प्रीर मृत्याकन दीनाताथ राग नवमुन ग्रेमा

सार १०००

छाबावानी नाय और निराता श्रीवास्तव गाति प्रयम १४००

प्राप्तानो र नाव्य सिंद बरप्रसाद नेगनल = ०० छीटे चतुनने बरसानेसार रायधी २ ५० अन छन छन नागर सामनराम एनके र ०० छाटे घादमी नी बडी कहानी महाने राही राजनयस —छोटे बादगी से ७ नोटेंज १०००

— छोटे सवात दुप्पतकूमार राजकमन — साहद वाजरेदी भागवतीप्रसान सामाग ७ १० जगत म समानी नाच बाम नाकर प्राय वुक १ १० — स मगत रोनित भूपनारायण व्यवसार १ ८० जभी पैमाइन चोद (गी.र सक्नी) देहाती ३ ००

-- पैमाइर चोव (चिरी तकरा) राजदकुमार दहाती ३०० जनत की रचना मुरुर्दा मा सा सदन २००

जनकवि जगनिक चेद्रप्रकार्गामह भाग्न त ३०० — दिन तर देशा संयक्षम साग्न टि जन जन संदागानहरू नस्सी गाधना सुदर प्र४००

अन जन मंत्रागित्र रिकारिया गायना सुद्देश २०० जननायक जवाहरलाल नेरुक रका भैक्रतान सपा सूच प्र सं १.८०

जननी प्रारमीयमार मिह प्रयात पश्चि जनमोष्या गौड पुरयोशमरास कोमन कि सहल २५० जनवरी के सत साह, केरिक्स कारनी प्रभात बुक जकर की रायदा पड़ित प्रकार सपा हिंग्या (वा)

१०० जमनात्रात की विवस धनायामदास सस्ता १५० जमनात्रात की विवस धनायामदास सस्ता १५० ज्याना वन्त गया गुरुनी मा ४ मा सा सदस १००० जमाने की धारा प्रतापन धानार क्यान्य २०० जमान दोहाकरी गहलोट महावीरसिंह पुस वा

६०००
अमेत भागमान वर पर एम हिन्यों (मा) १००
अमेत प्राममान वर पर एम हिन्यों (मा) १००
अमेति प्राम्प प्राममान प्राम्प २००
अमेतिया पुरत वर्गीविमान मा नि वर्ग १००
अस्य पोप मापना कमना मनोग प्र ४००
—स्य हिर्ममन तारावणाल वर्ग गानि श्र वा
—सवान वमा तारावर थियाय २१०
नवान वमा तारावर प्रमाय उपकार मन्या मना

नेवान वयक्तिमान चनुदरी देशारयात सम्त घन प्रस्था १५० जय जवान जय निसान "यामला र मधुप नवीनतम

२०० ~सारत दीक्षित मुस्तार सिंह झानट पुवा

अवैभाजा ज्ञानन नीरना नवपुग प्रयागार ४७५ अवयात्रा धुवनेतु (बीरीनकर गोवदन जोगी) द्योरा ४.४० अब विजय त्रिपाठी वात्मीकि प्रायूप १००० वयसकर प्रमाद और दितसी गर्मा राजनाय विनोग ३५०

जरासम सतोपकुमार दि यु स १२५ जमनी देन भ्रोर निकासा तिकारी उदयनारायण हिंद पा (पा) २००

(पा) २०० जनती चट्टान नदा युजान सुबोध पा (पा) २०० —माटो दर्मा निमस राजनमत जनवायु विमान भूगोल ३००

भवताश्चे । वाल २०० वदान सज्ज्ञन कि घर जो २०० जबाहरतास नेहर चतुर्वेदी रामजण सपा चिमस १००० —नेहरू एक विदवना सह बत्त गुस्दरा भा सा सदन

हरें हैं जहरं प्रत्यावर कणावकृषि नेपानल ३०० जहागीर पार्च श्रीराव राम समाप जाओजी बीर उनकी बाणी पारीक सुदानकर मा विद्याम

१००० र नान उठा है हिंदुस्तान ठानुर प्रमनुमारी प्रमनुमारी ठानुर १२ रामानिवास विधान सभा माग जलनऊ २००

्याय सनिक महान वर्मा कारिकी गत बहुम समा प्र २००

जागरण ने तिए जागरण गोड कृष्णदेशप्रसाद सदा सतीप पनि ३०० ---ने स्वर मिख सूबनारावण सरत नान मूच एव सतीन कृमार २००

ज्ञार र ०० जारा आखों ना स्थना स्थित ना पुत्र हिन्या (पा)

१०० जावत भारत दैवदरा गास्त्री हि ११७ जामृति मुस्दरी राजधान ५०० जाड की पुर पनिकर रजनी हिंग्या (पा) १००

जाति प्रविष गमा छोन्तात सरी स हिंदू यम ६२४ --भेर और बढ धमरीत भिन्नु मराग्रीय ०७४ जातिया ना नोप स्रोत ०५०

जाति वर्षो ना वितः । श्रीवास्तव रमाणकर हिंसमि १२ १०

१२ ५०

--धवराया नमधे वरातार राजद्यात ३५०

जानने की क्ट्राविया गाये व नारायण राजदात १ ८०

--धी बात अरोगोशाया स्वीयनार राजद्यात १ ८०

जायान रण घर उपादे निजामा रिस्सा (१) २००

जायानी तित्र गी रामपूजन रायाह य १ ३

जीयामा मारी रेगार बीरा भारा प्र १०

--धीर उत्तरा कार्या विश्व प्याय प्राप्त ४

--भी जिस्सी में जा मक्यना सुधा प्राप्त ४ ०००

~ना मात्रा नुक्त प्रभावर दिन्ददिसारय किंग ३६००

जायसी ग्रयावली श्रमा, राजनाय, भवा विनोद ८०० जार्ज वार्गियटन त्रिपाठी, तारा प्रस्त्रव २०० जिदगी एव पाय, एव फूल बाजधवी, हरनामप्रसाद प्रसात

¥ €0 00 -- प्रीर जिंदगी गहरत मनमोहन दि पु स ७०० —के घेरे प्रनत नवयुग प्रधानार ४ २५

---कैसे जिमें भावड १०० जिलासा घोर ग्राम बहानिया बास्त्यायन, सब्बादानद होरा

नद धनेय' सरस्य प्रे जिणक्ता परित राजींसह कवि सन्ती हि जैन स क्षेत्र सी

महाबीस्त्री, जयपुर एवं जैन सा ५०० जिन हहा तिन पाइया ईश्वरदत्ता पु जवत जिन्हें नहीं भूलगा बस्ती पर्मलाल पुन्तालाल लोक बेवना

जिप्सी जोशी, इलायद कोर भारती ६०० विना प्रगासन रामायगीषसाद कि महल श्रीत था हार मधोर, बलराज भा सा सदन ४२% जीती जागरी कहानिया मिथ सत्यनप्रशयण सरकार

जीवन प्रार जीव जनू की कहाकी पाडेय प्रभुनाय विविध — भौर साम धीरेंद्र परज दि षु स २ ५० - नी कुडली मूर, रय एतन आस्माराम ७ ५० की राहें पटेल, नित्यानद गोविंदराम ४००

-- के चार प्रध्याय मिध, मुबनेश्वरनाय 'बाघव लोक भारती —के छोटे पाह, रेमी पील प्रमात बुक ४२५

-के तत्व पीर काध्य के सिद्धात सन्मीनारायण 'सुपासु सगो स ज्ञानपीठ ६००

—के पहणू धमृतराय सर्जना २०० —के मोट निश्च रमानात नवपुग प्रकारार ४५०

—ज्योति चमुपति, व्या गोविदराम

च्योति तुर्वेशी महाराज थीगुस्देव, ० ५६

- ज्वार मुहदत्त भा सा सदन (गा) ३ ०० -दाता सीन्टाग पी वे प्रभात बुक ३००

—निर्माण साह मार, पी श्रभात युक्त **मा १ १३७,** मा

२ २००, भा ३ १५० —पापेय विद्यानर विदेह, स्वामी वेद संस्थान ० १०

—म रोली गुप्त, हरिकृष्णदास 'हरि' सदर २ ००

-- रद्या महाशक्ति १ १० --रैवा राजेस्वर पुरु नेसनल ५००

-स्याम म नैसे जीतें ? झसड १००

—संपर्प सत्यदेव विद्यालकार राजपान —सुधार निवदनतान निव सा १२३ जीवारमा उपाध्याय, गगाप्रमाद बला ब्रेस ६०० जुलस फ्लीस्वरनाय रेग् भा शानपीठ ३६०

जुना जीवना चित्रराम ब्यास मुरसीयर * राज सा मना ३७४

जुही की कसी धरण जिपाठी स २७५

जैन प्राथम साहित्य ये यारतीय समाज जैन अगदीशचर चौसरा

---प्रय मण्डारस् इन राजस्थान कासतीवाल कस्तूरवद जैन

--- धम वा प्राण सववी सुखलाल सस्ता २०० —धम वा सरल परिचय भागुविजय गणिवर मोतीलास

—धमामृत जैन, हीरालाल सपा भा ज्ञानपीठ जैनद्र को कहानिया जैनेंद्रकुमार भा १० पूर्वीदय ४०० - व्यक्ति क्याकार धीर चितक भटनागर, बाकेबिहारी,

सपा नेशनल ५०० जै तामदेव बाबा की बानवी रामदत्त कि घर, जो १७५ जो चाह हो कँसे पाये ? माडँन स्वेट सुबोध पा (पा)

—मुलाए नहीं भूलते कपिस, झाबाय बेनीपुरी ४०० जौहर के सक्षर सर्वोपक्षारी 'शैलजा नेपानस ३०० ज्ञान की कुबी गोस्वामी, मोहनपुरी देहाती १२४ ज्ञानदीय भवनावलि सुरुहोजी महाराज धीगुरदेव ० ३७ ज्ञानभारती बत्स्य सत्राम रामप्रसाद भा १

१२१, भा २ १ ४१ ज्ञानयोग पर प्रवचन विवेकानद स्वामी श्रीरामङ्करण

ज्ञान-सकलिनी तत्र कल्याण म १५० ज्ञैय भन्नय जैन, विमला, सपा ज्ञानदीप प्र २ ५० ज्यामितीय बनावट शर्मा वैद्यनाथ शर्मा प्र ज्युन्तियस शोदर देश्मियर, दिलियम दौरा २००

अवेष्ठ माहारम्य शर्मा, अवन्ताय देहासी १ ४० अयोति जले भारत सूचना घौर प्रसारण मनासय গ বিभाग ज्योतिय की पहुच गोरलप्रसाद हिं समि १०००

ज्योतिश्चदिका ययात्रसाद भाग सा १०० अवासा परवती शर्मा, वरॅंड समुदय २ ५० ज्वातामुखी द्वाधररप्रसाद सिंह 'नाय' स २ तव सा म 200

ज्यानामुसी रोवडे, भनतयोपात सस्ता ३ ४० ऋर कर कथा बारहठ करणोदान नवयुग प्र कु एव बारहठ

X & Xc मरोखे चतुर्वेदी, देवीदवास 'मस्त' लायल मसक हार योती विवयतलाल विव मा २०० मारी हिंदुन्तान की धनत, घ घ (प्रशंकात प्रहमद).

सन्मार्ग २५० मासी की रानी मार्गव मोतीलाल भा प्र मदिर —नो रानी मिश्र धानद जबतपूर प्र ग ४०० माहूरिरी राजासम शास्त्री सोक मच ३०० मिडियो बारहठ, बरपीदान बारहठ ॥ १५०

मीन बोली गुन्त, दाऊबी विदेश ४०० मुनमूना चतुर्वेदी, सदरलास धरणेश' लोकराज.

मूठे बंधन लहर प्रगति प्र १००

ट

टर्नी. भगोल १०० टावरा ही वाता (राज भाषा) रानी सहमीकुमारी राज-

सा यता २ २४ टीपू सुल्तान जैन, यादवचढ प्रभात प्र २ ५० दुर्तिप्स रामवृक्ष बेनीपुरी वनीपुरी ५०० टूटता घागा गुर्टू शबीरानी इ पब्लि हा ३५० ट्टती इनाइया दवडा, शरद अपरा — जभीरें कवल, एस एन टी- बार --- पगडडिया बुजमोहन खजना ३०० ट्टते वधन वाजपेयी, मगवतीप्रसाद हिंद पा (पा) १०० — सपने बर्मा, लक्ष्मीदेवी 'चद्रिका' समला टैगोर धीर निरासा बाजपेयी, धनधप्रसाद धनुसवान १२००

टोटका विज्ञान पाठक, केदारनाय स ६ स्वामसुदर

ट्राजिस्टर गाइड रमेशच्द्र विजय देहाती २२ ५० रिसीवर नरेंद्रनाय देहाती ६७५ टाकुर ठेंगानिह पाडेय, कातानाथ 'चोच' पु स , वा

8-00 ठुत्रामे हुए लोग उपाध्याय, शबीड कृष्णा य २३० ठोस ज्यामिति गुप्ता, पुरनमल राजहर प्र म ११२ - ज्यामिति प्रमाद, वी एन मोतीलाल २ ५० --- ज्यामिति बुद्धिवत तथा बुद्धिवत रामप्रसाद १ ५º -- ज्यामिति मधाडू, रत्नसिंह जबलपुर प्र मृ १ २५ करपोत्र नदा गुलदान ब्रशीक 🛍 (पा) २०० शक टिक्ट की जन्म कहानी चौधरी, दाचिवसासराय

अजना ६०० हाक्टर भावना गीड, गगाप्रसाद 'नाहर' साकेत ० ५० हा इटनाथ मदान हिरी विभाग, पत्राव, चडीगढ हा चपक और मनल वर्गा, मनोहर राज सा धना २ १० द्वा मगेंद्र व्यक्तिस्व भीर प्रतित्व संग्रा, रणबीर, सपा-भा साम ५००

इस. सीजू कौड, गरायशाद 'सर्हर' साहेत ०५० श. य रदवप्रमाद मिथ, व्यक्तित्व चौर कृतित्व हा मिश्र श्रमिनदन समिति, राजनादगाव

डाक्टर मिट्टी गीड, गगात्रमाद नाहर सवित १-६० हा मोयों ना दीप वेल्न, एव जी नेपनल ३ ६० डा रामकुमार वर्मा या बाग्य विवाही, ब्रोबनाब खड़लीब दा रामकृषार वर्षाः स्वक्तित्व ग्रीर कृतित्व विश्वेषण

नियारामगरणप्रमाद सपा, बला भा ४०० हायर्ग र मीरम पथ्ठ जोशी, इलाच्य सोहमारती ३५० शानी की दिनर पार्टी दरनी, स्तरपहुमारी भा योचनामा डिजाइन पेट प्रिस रामग्रवतार 'बीर' देहाती ६०० डीजन इजन गाइड कृष्णानद देहाती ५.२५ डूबते मस्तून मेहता, नरेख- साधना सदन ४०० डेस्को पर खुदे नाम नोहरा, जमदीश कृष्णा प्र ३०० दोगरी भाषा भौर व्यावरण गुप्ता, वसीलाल लितकला ₹ 50

डोलता हिमालय चतुर्वेदी, रामजन्म स २ चिन्मय ४०० बनती राह बुबते तारे बुशवाहा, विमल नवयुग प्रयागार

बाई गथ का ट्रकड़ा बोमीलाल 'इलाहाबादी'. राष्ट्र. प्रचा,

दोल की पोल (रेडियो मुधिस्तान) चिरजीत सुबोध पा (पा) १.००

ढोला मारू रा दूता शर्मातह बनोहर, स्पा स २. जिन्मय.

ढोलामारूरा टूहा रामसिंह च स. ३ ना. प्र सभा म००

त

तत्रसार कस्याथ म. ८.०० त्याक् पातन विप है घलड १०० - बहर है चौधरी, यूनलकिशोर. शत्यागमल ० ५० त्रश्राचे मुत्र जैनागम समन्वयं चारमाराम धाचार्यधी

मोतीलाल १.२५ तयागतः रामवृक्ष बेनीपुरीः बेनीपुरी २ २५ -ना उपदेश स्वविर, सढर्भानार्थं मार्यवश महाबोपि

-- का प्रथम उपदेश धर्मरशित, भिश् महाद्योधि ०३७ ─न्यर्भमूत्र भदतमयल हृदय महावोधि ०३७ —हृदय धर्मरक्षित मिश्रु महाबोधि ० ७५ वप नातेत्र रूप के जारे रम्बीरश्ररण 'मित्र' भा सा भ

300 वेपस्वी मार्टिन साह, बेरविय जारनी प्रभात युक्त १२५ तेपोमूमि जैनेंद्रजुमार तथा ऋषभयरण औन सुबोध पा (पा.)

राजीयन जनगोनिक कि. घर. को २०० तब घीर घव गुरुदत्त. हिंद पा (पा.) १०० तवसा प्रवेशिका प्रकाशनास्थायम कला प्र, इ. मा. १ १५०,

भा २ २ ०० —वादन धीवास्तव, विरीशघड सवीत स प्र २ ६०

तमिन साहित्व दक्षिण भारत हिंदी प्रचार समा दक्षिण भा-3 00

-साहित्य का नवीन इतिहास शाजगोपायन, नः वी मागा ह

तर्गिणी पिरिवादयाम पिरोद्यां. गा महत २०० तराजा हमा दिल. व्यास, हृष्णानद 'बेमार्ग', बेमास, १.००

800

तराव्यक्त प्रयवा गुकीमत पाडेय, चह्रबली नद ब ४ ०० तस्वीर पार साथ मिश्र, गगावसाद सा मवन इ ताजमहल सर्मा रामकुमार 'निसन' हि स र ४०० हाजमहत्त राजपूर्ता यहत या घोड प्रेना सूर्य प

तात्या टोपे हर्डीकर श्रीनिवास वालाजी नेशक्त ६०० तापमापन (पर्मापीटर) दिवेदी, राजबुसार चौखवा ० २६ तार सप्तक बालवायन, सच्चिदानद हीरानद 'बनेब , सपा

भा ज्ञानपीठ 🖩 ०० हारा मशपाल हिंद पा (पा) १०० तारावली चतुर्वेदी, सुदरलाल धरणेश', सपा लोकराज तारास बुल्वा गोगोल, एन एमके २ %० ताल परिचय श्रीबास्तव विरोश्चयद्व संगीत स य मा १

₹00, 48 ₹ ₹ ₹00 हातमेल धर्मी, विष्णुचद्र सा केंद्र, वा २०० सायदार मोनी शिवजतलाल शिव सा १ ४० तिम्मी सोमाबीस कि महरू ४०० तिरसा पारीक, बुढिप्रकाश प्रमोद प्र म २ ७३ तिसहम की लेती रामेदवर प्रचात देहाती ४ ५० दीन इक्वे ग्रसीक मगला तीन तिलगे इपूमा, प्रलेक्जेन्डर नवपुर प्रयागार १००० --पग ग्राविकाप्रसाद दिव्या सह सदन, स्रा ४००

-- वाल एवाकी विद्यार्थी, भारती नेवनव

 मुन्डी घूप राजेंद्रक्रमार राजेश * आनोदय - मृति सप्रहालय प्रेमानदी, बुभारी चैतन्य १ ३० —सौ पीत रामगोपाल परदेशी, नवा प्रवति प्र ५ ०० वीर्यंदरनसम्रह जीहरापुरकर, विद्याधर, सपा जैन सस्कृति

सीस दिन में सफनता परेदा, ए थी हिंद था (पा)

तुम प्रनत शास्त्र के स्रोत हो नथमल, मुनिधी भा

ज्ञानपीउ

—उदार करो, हम प्यार करें बोमीलाल 'इलाहाबादी', सा केंद्र, दि रे ०० —राजा मैं एक दुर्गातकरप्रशादसिंह 'नाथ' नव सा म

त्रनात्मक शिक्षा मनैया, के सी नोकभारती ७ ०० —सामानिश सस्याएँ तोमर, रामबिहारीसिह थीराम महरा १०००

-- गाहित्य शास्त्र विष्णुदत्त राकेश का सदन, वे तुनसी उदयभानुमिह, संवा राधात्रच्या ६ ०० -की काश्य बला घोर दर्शन धर्मा, रामगोपास 'दिनेश',

सपा सरस्व सवाद ८ ६० तूतसीवृत रामायण ज्वालाप्रसाद, टीका नया सस्करण

देहाती १५०० पुलती के गुण तथा प्रथीन कोकचा, हरकारायण बेहाशी

300

त्वधी के चमत्रारी गण भसड १००

—के तीन पात कौसल्यायन भदत यानद महाबोधि १.०० -के दल वैश्य, तुलसी राम 'भारतर साकेत ६००

---वे विस्ता जगाय युवे, शमृतलाल प्रादिमजाति ६००

के राम सत्यनारायणसिंह प्र विभाग —के वैज्ञानिक ३४३ परीक्षित प्रयोग विपाठी, लक्ष्मीपति

चीसवा ० ७४ बुजसीदास भ्रोमा, कर्न्हैयालाव सा सस्यान, राज १५०

— सोर उनका धयोध्यानाड सीताराम प्रभास व्यस प्र ─ना सींदर्थ-बोध दीवित, छोटेलाल नद स ४००

 चित्रत भीरकता यदान, इद्रनाय, तथा स २ राजपाल ६००

 जीवनी ग्रीरकाव्य दार्मा, श्रीनिवास श्रशोक प्र ३ १० नुससी पदावसी चतुर्वेदी, बरसानेसास, संशा सा सगम, म —साहित्य दर्शन मिश्र, शिवशकर, सपा तुलसी स्मारक

एव प्रवात पश्चि ४ ०० तुला भौर तारे सिहा, सावित्री नेशनल = 00 बुपान भौर किनारा नेद, निमल हि प्रचा पु (मा) १००

—को रात राय, सयुवता बालोर प्र, दि ३ ७५ —के दिये बोहरा, जगदीशींसह बोहरा प्र

—के बाद दानों. यज्ञदल सा प्र ५०० तेजरेखा पटेल पीताम्बर प्रारमाराम २००

तेल भौर उनसे बने पदार्थ पाठक, एस पी हि समि

तेलक्टाह बाया धर्मरक्षित, भिक्ष, महाबोधि ० ३७ तल्य की श्रेष्ठ कहानिया रेड्डी, बालशीरि हिंद पा. (पा)

--साहित्य का दिनहास रेड्डी, बालशीरि हि समि ६ ०० तैस्ता हुमा ताज निध, भवनतीशरण राज प्र २०० तोइत तेव कत्याण म १,८०

त्यायमूर्ति देशियन साह, भार पी प्रभात युर १५० त्यौहार घोर शिक्षा प्रविनाशिलियम् टी एस राप्टीय र्शंश गिक

निधारा तिवारी, गोपीनाय " विश्वविद्यालय

विविधा वियाणी, बजनास सवपुर सा स, इ २ ४० विविधा बेदप्रकाश 'बट्क' विश्वविद्यालय ४०० यके हुए कवनकुमार मुकुल प्र

येर गाया धर्मरतन, भिभु महाबोधि ३०० दड न्यायासय सम्रह (वृहत् भविनियम) पहना ८००

—प्रक्रिया सहिता पहुँचा ४०० दत विज्ञान गुप्त, गोपीनाच स २ घवतरि ०३० दकारादि थीदुर्गानामसाहस्य कल्याण स ० ७४

दक्षिण भारत की कला, संस्तृति, सम्यता का दतिहास त्रपापचंद्र शाजाद स्वराज्य ४ ००

दक्षिणी ध्रुव नी स्रोत दुफेत, वे प्रात्माराम ३.५० दश्खिनी हिंदी का उदमवें और विकास धर्मा, श्रीराम हि

सा सस्ये

दद् चिकित्सा महाराविन १५० दयानद दरान जगदीश विशास्त धरविद प्र मृ १०० —विद्वातद्वरागः वैदानाय गान्त्रो सावेदिवन प्रार्थ दद की तसवीर पुत्रन, नमल धनुषम २५० —सो गया महाजब हि स र ३५०

—सो गया महत्रवड़ीहुग्र र ३५० —हमारे ग्रयुतुम्हार ग्रयस्थी समुशरण 'समु, सपाहि सापरि पा ५०

सा पार पार पर दमान और तितान समस मुख्याल मोतीलान ७०० --ही मन्दर सिहा रामस्वष्टसाद मा बवन ३०० दक्षम युष नी पौराणिक गुटउभूमि जयमी, रस्तेसिंह मा सा

स १६०० दशमूल (सचित्र) वैस्य स्थलाल घन्धतरि ०५० दश वैदातिक सूत्र हिंदा रोदा सहित स्रात्भाराम साचायंथी

मोनीलाल १०००

स्त एनाडी बगानीसित मोनीनात ३००

—वस्य पुरीहित पामबद समा बस्यावमाल १८०

दाइस्थान प्रधानकी लुदूरी, रस्तुराम क्या जा प्र सवा

दानवीर मामाद्याह प्रवन्तुमार बस्यावमाल १०५

दासरा मामाद्याह प्रवन्तुमार बस्यावमाल १०५

दासरा मामाद्याह प्रवन्तुमार बस्यावमाल १००

दासरी नेते, माणात परपुराम नीवामा २ ८०

दासरी स्वाराय परपुराम नीवामा २ ८०

दासरीमहीह बारायी प्रयम्भावाद नववुष प्रधानार ६००

दासरीमहीह वारायी प्रयम्भावाद नववुष प्रधानार ६००

दासरीमहीह वारायी प्रदेश मोदीसाल १०००

दावानत नानवीनह थोरा १५०

दिस्तह में दिस्सी नीवनीवान एम एम बुन

४००

—मोर उनवा बदिश्व रणवात्र सुरेश सपूर्व

—मोर उनवा बुरशेन समेरान बहादुर वसस ह

—मोर उनवी बाव्यकृतिया बनिव सावार्य बेनीपुरी

३ ७४ दिन-रात स्थाम विनादसस्य पूम वा २०० —रोपा सत हमी रपुनीररामण नित्र भा ता त्र ३,४० दिस भीर दोवार नरेंद्रमात स्वीत हिंसा स ० ३,४ दिस भीर दोनार नरेंद्रमात स्वीत हिंसा स ० ३,४

॥ प्रतिप्टान ४०० विक्र क्षेत्रक और स्थित

दिस, दौनत भौर दुनिया कृष्यक्दर राजधास २ ५० ⊶पर एक दाग्न उमाधकर प्रदीर ४ ०० दिल्ली को कहानी भ्रोर उसक बास्तु स्मारक परमात्मासका रणनीन

—भी सात्र नारीबारा प्रजिश्चन प्र विभाग —गम्तनन रितमानुमिह नाहर वि महत १८०० —गो विनित्त मतायनुमार माल ६ श्रूनवेषर १८०

—हायर नगन्द्री प्रवेशास्त्र की रूप-रेगा गर्ग, धानन्दस्वरूप राजहराज में ६०० दिया जीवन घोष, धरविंद २ मा दिया

ाच्या जारत पाप, धरावद र मा ।द्रव्य — जीवत मा १ झदिति व १४ झव घोण झरविद व्यीमरविद २१,०० दिव्यपुरुष नेहरू शमा, भानदश्चर भगवती शर्मा ॥ माहल बस्ती नई दिल्सी-४ ६०० दिव्या यणपाल हिंद पा (पा) २००

दिखाबा ना पहला मानास वैजन, स्थामनारायण पावती

२०० दि हिन्दुी धाप इडिया एलफिस्टन कि महल २४०० वीबी सुनील मोहन सत्यदेव विज्ञालकार मारवाडी प्र३५० वीच चरण, दीप किरण कौदिक कृषि जैमिनी 'बस्प्रा' लीमनी प्रदर्भ

--- डादशी सोनी, सुप्रदीपसिंह दीप प्र, ल ३०० --- शिक्षा सदन, भाषार्थशी गुप्ता २००

— शिक्षा सदन, भोचाय श्री गुप्ता २०० — स्वीप जन मुण्य, टेनचद प्रतिमा प्र १०० — से दार जन तिवारी, गोपीनाय नववुग प्रयोगार २२५

दीपाराधना मायदन प्रानदशकर प्रमरावृति ७०० दोप्ति रामाध्य स्विता' कीला प्र १५० दीमक संशिक्त मिरिक ११२ दीमक संशिक्त मिरिक स्था, धीराम राम, नवयुग प्र दीमा बातो भीर नुसान सर्मा, धीराम राम, नवयुग प्र

४०० दीवार कपूर पुरक्षेताज हिंद पा (पा) १०० दीवासी भीर हासी आधी, हताजह सोकमारती ४५० हुप्त करप या दुग्व विकरसा चौवरी, बुगतविचोर बान यह सत्त २२५

हिना की नजरा में बेहर पाडेब रानांतर नेहर सा ह्या उसावना रामरान्य रामराम्य रामरान्य रामरान्य रामरान्य रामरान्य

देवी विषाठी मूर्यकांत 'निरासा' जरलगुर प्र गृ ४ ४० —वदना (देवी स्तुति) रामद्रयमदाग्र रशिक देहाती १ ४० देवेंद्रनाय समी बीर उनका सट्टा-मीठा सदानद सिंह कमल

दग भौर समाद दन रामप्रसाद भा ६ १७०, वा २

२०५, मा ३ २४६

-को मिटनी बुनाती है कीस-यायन, मदत बानद सन्कार -- की समस्याए भीर गामदान अयत्रकाश नारायण स २

ष्र भासर्व

-के निए रापदुमार हि प्रवा पु १ ३०

के लाग धमरवात धाधनिक कथा

-के बीर जवान रघुवशी राजेंद्र विनोद

- व दीर सिपाही चेतुवेदी मनवतशरण विनोद २००

-के प्रव्य सपूर विथ नहतेला हि प्रचा पुमा १ १००, मार ११६ मा ३ १२४

- दर्शन पुस्तकमाला १ लका २ इराक ३

फिलिम्नीन मिश्र रामनारायण सपा मुसोल --दिल्ली भीर बहुम निम्न रामप्रसाद अनिल अ म ४००

—देन के नवा सहेली कपुर, कालीवास रामा में ३०० दशरून राजेंद्रप्रसाद गीविंददास सेठ राजपान (पा)

₹0 200 दश विदेन का प्रनोधी प्रवार मिन्हा, सत्यना रायण हिंद पा

(41) 200 —दिदेश की सचित्र क्ट्रानिया वाश्विष्ठ, राम घारमाराम

—है दौर जवाना का बनारसी निह स २ राजधानी

800

देगी राज्य भूगोल २ ५०

दम प्यार दे गीन केहरीसिंह सधुकर', सपा आकादमी प्राफ

बाद

रेहणया चौधरी, राजकमल पारिजात दहरी के बाहर बाबनेबी, विद्यामास्कर प्रगति व १५० देशतियो नी तदुरस्ती पाठक, नेदारनाय स ३ इयामसदर ० ७५

रहाती र्रानिया बच्छोराध्याम, शरतबद्ध हिर स (सर) 100

देश्यात्रार परी का शिकार गुक्त, शत्रुष्मलाल उमेश २०० दैनिक गायत्री साधना सलड ० २०

··· नीवन म बीव वित्रान भागन, कामैप्रवरसङ्ख्या हि समि

दैवन गरिका सानवनकर, थी दा , सपा स्वस्थाय ३००० देवम पुरुषकार रातिकोयतम सुधिष्ठित सीमासक या प्राच्य

दो प्रभित्रय नाटक श्रीपडे, बालती साबी ३०० - राज्याने हरियागाम बन्दन राजपान ७००

-- विष महतो बितराम 'हरिवरा *एव* एल बूव १०० -दुमा का एक मुख मन्यानी, वैश्वव कि महूब

--पारा जा दनाय ग्रहर नानाम ४०० दान व निनारे पालाशीय, मिसाइस हिंद पा (पा) २०० !

दो नयरों की कहानी डिकन्स, चारसे नेशनल 🖛 🕫 ० --ब्रेंड जल मदियानी, शैलेश कि महल २ ४० —सस्ते श्रीवास्तव, वर्षेणप्रसाद नवपूराग्रयागार ४ ५० दोषकारणत्व मीयासा सर्मा, व्रियदत सपा चीनवा १००

दोहा बन्त्याक्षरी श्रमी, मगदनीदेवी प्रसंह १०० द्रव्यपुष गबुषा युक्त, शिवदत्त शीखना २००

विज्ञान शमा, प्रियवत २ भा चौलवा १८०० द्राय, विनिषय तथा वैक प्रया राठी, एस एस मुरारी

द्वितीय महासागर परिचय भूगोल १ १० -- विश्व युद्ध की कहानी गुरुवत्त भा सा सदन हिविद् वर्गीकरण माजीवाने, व व प्रात्माराम २००० द्विवेर्णो चंद्रशेखरन नायर एन , ए धौनिकेतन ० ८५ दिवेदी जी भीर वाणभटट की शारमकवा प्रप्रदाल घनश्याम

--युव का हिंदी काव्य अर्था, रामसकाराय धनुसमान

-- गुर्गान हिदो वस शैनिया चौऋषि, शकरदमास मा सा म १५०० धन कमाने की कला राजा रियमदास सस्वार

-- प्राप्ति के प्रयोग कल्याण ग १०० बम्बपद बर्नरसित, बिस् महाबोधि १५० यम्पद वज्ञनारायणसास महाबोधि ० ३७

धम्मपद राहुल साकृत वन महाबोधि १ ८० —(स्या के साथ) ३००, (हिंदी झमुवाद मात्र) ० ४०

धर्मरक्षित, भिन् महाबोधि धरती भीर बाकाय बद्योक गगला

— भीर भाकाश भुक्त, कमल भा प्रथमाला ६ ५०

—का स्वयं खोव, श्रती मुहत्रमद एमके १०० ─की मृत वरेरकर, मामा विद्याप्त मा ५००

- वी बेंदना अवस्थी, शमुशरण 'शमु' हिं सा परि, पी

-- के बीत चतुर्वेदी, हीरादेवी झलका प्र ग्वा १ ५o

-बाए रे बप्रवास, बंपरवाम कृत्य नुराती *१ ६७* —सागर भीर सीरियां भ्रमुता श्रीतम राजपान २ ५०,

(या) १ वन

—हरी मरी मिछ विवशनर प्रमात पन्ति १२४ —हिंदुस्तान की हरोब 'मधुर' मान्योश्य १०० घरम् सरपच दुव रामवजादर साकेत १०० पर्भ मीर दर्शन उपाध्याय, बसरेव भीक्षवा ४०० धसक्षेत्र बुरुलेले चोहान, विवय रणतीत

धर्म प्रय प्राचीन तथा नवीन व्यवस्थान के प्रया का हिंदी शनुवाद वाल्द, एस एन सत पौलुस प्रकाशन

इलाहाबाद. धमतरेव विवकानद, स्वामी श्रीरामबृष्ण १७० धर्मपद का कीर्णाक निर्माण महापात्र, दिनीपरुपार लोक-नेतना १५०

यमं पर एक दृष्टि सोहिया, राममनोहर नवहिर ० ८०

धर्म पराणा की सत रचाए असड १०० —बिंह (हरिभद्र) योतीलाल ३२% -माग पर बस्याण म ४०० पमबीर हतीकन राय न्यादर्सिह वेचैन देहाती ३ °० धर्मशास्त्र का इतिहास कास्यप, धर्जुन चौने हि समि भा

१ २१००, मा २ १३०० यात् शिल्प बेचनप्रसाद सिंह कि महल धीरें बहे दोन रे शोलोखोद मिखाइल ४ मा राजकमल

34 00 घुमा, भाग भीर मासू शील नवयुव ग्रवागार ३०० बुए के घटने चतुर्वेदी मनोहर पुंस का २ ५० -- के ब्रादल राख नरेंद्र जबलपुर प्र गृ २ ५० ध्य धीर बादल दामां श्रीराम राम सन्यायं ४ ५० — काटुक्डा समृता प्रीतम राजकम्य ५०० — छाव मारिक मारहर्वी स्टार (पा) २०० -- भरी सुबह तायल जुगमदिर कविता २०० धूमशिला भट्ट उदययशकर सारमाराम २५० पुल का महवे एनडर, इरविंग कि महल २ ५० ध्रवस्वामिनी का नाटय-सौन्दय गुप्त रमेशकड़ अशोक प्र

200 ध्वन्यालीक शर्मा बदरीनाच चौजवा ६०० सोचन त्रिपाठी रामसागर २ भा मोतीलाल २६ ०० ध्यात महद्र प्रनाप भानव प्र १०० तह मौम यूग नीलकठ शास्त्रा भीतीलाल नदिवाम काव्य द्विवेदी गयाप्रसाद प्रसाद लोक्सारती मई इमारत गुल्ल रामेस्वर ग्रयल हि प्रथा पू ७००

-- यहानी नी मून सबदना सिनहा सुरेश मा ग्रानि ५०० —बहानी दशा दिगा सभावना सुरेंद्र अवीको १४०० महानी सक्लन मारग बृच्णगोपाच नवव्य ग्रवाशार

-- नहानी सदर्भ भीर प्रदृति श्रवस्थी, दवीणकर शशर

-- हिरण जगन्नाथप्रसाद मिसिट रथीन्द्र प्र व्हा ५ ०० —िवरण ड सतीश देहाती १५०

—नारी रामपुण वेतीपुरी सनी श बनीपुरी २ ±o -समीभा पुराना साहित्य गय उपद्रनाय नवयन प्रचा

गार ३००

नए मंग ना मूत्रपात धलड १०० --- पूर्व की नई प्रेरणा सन्छ १०० नशर्त्र लोग व्यास विनोदगक्तर पूमा वा २०० न'हा निर्दियाचर हरीन 'मधुर भाग्वोदय १०० म हो नर्नेकी साराभाई, मूर्पानिनी राजकमल न र मु हवीर नियारी पुरंत शमनत्मण साहि व्याणी १०० —सनानी द्विदी दुर्गानर भाग्योदय १०० नपुगर निहित्मा कोकचा हरनाशयण दशनी ६०० पर्यना भीर भरे गिरीय जवारर

नया भववान गुप्त, रामभरोतेलाल 'परुजशानी' नवपूर

युवागार २०० —व्यवस्थान साह, ग्रार पी, ग्रनु प्रभात बुक ३ ५० - समाज शर्मा बहमीनारायण राजपाल १००

-समाज भीर बाब के देवता राभवृक्ष बेनीपुरी धेनीपुरी

— साहित्य घोमा, दशरय, सपा हेमकुट मा १ ३००,

मार ३२४, मा ३३४०

—साहित्य कुछ पहलू विष्णुस्वरूप उत्कर्षप्र ३ ४० - हिंदी काव्य भीर दिवेनना चतुर्वेदी, सभुनाय नद स १००० नयी कदिता का आत्मसमय तथा भ्रत्य निवय मुक्तिबोध,

गजानन माधव विश्वभारती प्र -कविता का स्वरूप विकास घोष, श्वामसुदर हि सा स

 किवता मे सीँदर्व बोध चैश्य, गायती रोशन नाल ४ ५० —कविता सस्कार भौर शिल्प मिथा, रामशंकर साथी

—कविता सीमाए धौर समावनाए मायुर, गिरिजाकुमार

मसर ६०० —दिप्ट गुस्दत्त भा सा सदन ६००

— धरती मिये सीम ग्राजित पुष्तल परिमल ३०० —समीक्षा प्रमृतराय सर्जना ६००

नये कहानी कार यादव राजेंद्र, सपा राजपाल

— ज्ञान की नयी कवाए व्यक्ति हृदय द्याय बुर २०० - नगर की कहानी विद्यार्थी रामप्रमाद राजी करवाणमल-3 00

—नये गीन उपाप्पाय शिवताशयण शिव हि भवन ० ५० ---नये चेहरे थीबास्तव, सी पी

800 निवय रवीद्रप्रसान 'सवरोत हुन्रिया ब्रा

-निवध धर्मा, विनयमोहन केलारा पू स ६०० यते त्रिपाटी सूर्यनान्त 'निराला' जयनपुर प्र मृ ३ ७४

—प्रतिनात पुराने निरुष वर्मा लक्ष्मीकात मा ज्ञानपीठ — राही नय रान्ते हनुमानदास 'चनोर' नवयूग प्रयागार

—विचार नई बातें गुरदस भा सा सदन ८५०

—सदम नय हस्ताक्षर गुप्त टेब चंद्र प्रतिमा प्र २ ००

—सबरे का उजारा दीरित, प्रकार जवनपुर प्रायृ १ २४

नरक की कार्ति म मैं बजीपाध्याय प्रवेणकृमार पानती 5 49

नरमधौर गरम पव नाहिया रामप्तनोहर नवहिंद ०६० नत दमवनी सर्मा जगहील दहाती १२४

नव एकांकी बेगवप्रमाद मिह मया समकाती प्र २ ४०

नवस्तित की कहानिया क्यामगिह भागाद एगरे १०० नवजीवर निवारी, शमनद्र सामना सदन ४००

- ज्याति प्रविश्वा पादेव समाप्रसाद देशती १० ५०

नवतीपत बोद राहुत साहत्वायन यहांबीचि ० ११ नवभारत का राजनीतक भूगीस भूगीस २०० नवभारती मदान, इहनाए, सचा पान धू नवरत्व रग सोकागि मिश्र हिसा ग्रामे नवरत्व रग सोकागि मिश्र हिसा ग्रामे नवाब वनकोता टटन, प्रवास्तारायन विवेक २४० — ननह चुत्राहोन, प्राचार्य मुद्रोध पा (पा) १००

्ननाक् चतुर्सन, सामाय पुमाय पा (मा / १००४) मवीन प्रपेशास्त्र जैन नवीनस्त सा २ रामाय २ ७४ ---गातिविज्ञान मधाद्व रानसिह जबसपूर प्रसृ २०० ----विज्ञान विज्ञान प्रति सक्त रामचेट कि महास ३०

--- चित्रकता शिक्षण पेद्धति पुरेत रामचेद्र हि महस ३०० --- चित्रोपनिति गुप्ता, राभेद्याम जनतपुर प्र मृ २०० --- बीज गणित गुप्ता राभेद्याम जनतपुर प्र मृ मा १

२५०, भा २ २२४ मा ३ ३१० --- भारतीय चित्रकला शिक्षा पद्मित गुक्त सम्बद्ध कि

महल ४०० ---रसायन रास्त्र कुलघेष्ठ के पी नवलदुर प्र मृ ४०० ---व्यापार प्रमानी पारादार एव कुलघेष्ठ २ मा राम-

प्रसाद ७००

35.00

—िंदी समीस बोसी, कृष्णवस्तम श्रयम १६०० मार, रात, गले के रोग चौथरी, युगलविसीर कल्यायमत

नागदमय मूलचन्द 'प्राणेश' भा विद्यास १०० नागक्ती भीर धुमा राजेंद्र मिलन प्रपति प्र १०० — मौर धुमा राजेंद्र मिलन समानातर २५०,(पा)

1 40

—का वेश धम्बदास सनता १५० नागमणि प्रमुना श्रीतम राजपाल २६०, (पा) १०० नागर गीता हरियरपाच 'वञ्चन, त्या राजपाल ६०० नागरिक स्पॅन भूगोल ०५०

--- शास्त्र एव उसके सामान्य सिद्धात द्विवेदी, रविषक्रर अवसपुर प्रगृक्षा १२२१, भा२२५०, भा३ २५०

-- शास्त्र के मूल सिद्धात मित्तन, नेमिगरण सगी स ६ राजहर प्र म ४००

राजहर प्र म ४०० — साहत के सिद्धान राय, हरिहरजसाद या मदन ४१० — साहत के मिद्धात भीर मारतेग्य सविवान रचनावित्र

--- साहत के मिदात और भारतेय सविवान रचुनावनिह भागानोक २ ४०

--- पास्त्र के सिद्धात सरल अध्ययन बीरहेरवरप्रसाद निह कमल प्र २२५

—तास्त्र सरत मध्यपन रस्तोती, द्याघशात राजह्म प्रम ४४०

— मुस्था मिथ, रामासकर होक्त्रिय

नागरीक्षस-प्रवादने गुष्ट शिशोरीचात, वया २ मा ना प्रसमा नामाचो के देश में चतुर्वेदी, विधिन विनोद ३०० नामिन कुराबाहा बात सुनीच पा (पा) २०० नामेयारी हे, सतीच देहाती १४० नाटक साहित्स का अध्ययन मैस्यूड, बेंडर सारमाराम ७५०

नाटव सिद्धात बोम्मा कैवारापति नैवेद नाटवालोबन पाडेय, स्मामनारायण विजय पु म ६०० नाय भीर सत साहित्य, तुलनात्मक भ्राच्ययन तपाच्याम,

नागॅडनाय कासी हिंदू १००० -- पय और निर्मुण सत काम्य सोनकी, कोमससिंह

- पण और नियुंण रात काम्य सोनको, कोमनसिंह विनोद

─सप्रदाय द्विवेदी हवारीप्रसाद लोकमारती १००० तावक योग गिवदलतास ३ मा शिव सा ४०० तावारात पेशवा श्रीवास्तव, दिमाणु वि म कु ३ ७५ भागार्थ मजरी ─रायव इण्डमूर्ति के वी मीनीसास १५०० ─रालपाता वदाधिनाय शर्मा वी मार मोतीसास

१५ ०० भाम मसिका—योज कुसक्षी मोतीलास ६०० भारद मक्तिस्य एक मस्तिविषयक प्रवेचन मीर सास्यान

मारत नाराचुन पूर भारतास्थयक प्रतमन सार सारवास्य विकेशतह स्वामी औरास्ट्रण १ ०० भारत मोह नारक समी, यत्योग केहाती १२४ जारो ना रहा मिल स्वामीताराच्या हि प्रचा पूर १०० —की बीन समस्याद पुरु, सुरहास साकेत २५० —जी स्वत दुर्गोय राज्यार सिंह 'गाय' नार का म २५० —हृद्य चालविकः, स्विताची महासीध १५० तर्माय का विनास वरेत्व, माना सला १०० विस्था पुढारे साहित्य, ताल पित्रमुख स ४०० —सहस्य माना सिल्क, स्वत्येतारायच्या मा महन ५५० —सहस्य माना स्वतः, स्वत्येतारायच्या मा महन ५५०

निजी और तार्येजनिक खेत्रे कोहिया, राममनोहर नर्याहर ०६० निवान नवनीत बार्ट्स कोक्चा, हरनारायण साधना प्र ८०० निवाम और निवस पदान, इन्द्रनाय नेशकत १४०० निवधनार धुनावराय जैन, देवेंद्रनार सा राल प्र निवस परिया च्याचान, क्याचेन चोक्सा २००

-वयनिका चनुवदी, महेंद्र, सरा नेरानस

--दर्शन राश्चा कि घर, खा ५०० --दर्शन परसाई, हरिशकर, सपा जनतपुर प्र गृ २५०

—निरेत पूज मोतीतातः विन्यय ६००

—पोयूष गृंतानी, यश, सपा हि मदन —प्रकार विरागी, स्वामिद्धारी बारोक प्र म २००

—सारती गौनम सनमोहन भा सा म ४५० —सारु होतासम्बद्धाः स्वयस्य स्वयस्य

—माता योगान्तव, शिवप्रसाद प्रवसपुर प्र गृ २ ०५ —रिन्मा सारस्वत, गोपायत्त सरो म विभय ३००

—रोसर गर्ग, महेनच्द्र चौसवा १ ००

- सबह द्यामनदनप्रसाद सिंह हि सा स २.००

निवध तिबध सप्रह हरिशकर हि शिक्षक ० ४० - सचय सरजप्रमाद सिंह सपा मगम सा —साहित्य की प्रमुख समस्याए बाजपेयी अबिवाप्रसाद सानि मा -- भौरभ मिश्र बाबूलाल चौखवा १ २५ निबंधालीक दामा राजेंद्र लक्ष्मी ना ६०० निमत्रण चतुरक्षेत्र द्याचाय हिंद पा (पा) २०० निमांड के सत् कवि सियाजी गंगराड, रमेशचंद्र हि सा निमोनिया प्रकाश बाजपेवी देवकरण स र धवतरि ० ३७ नियोजित परिवार मुख का बाधार बनत, ब ब सुबोध ब निराला तिलक विजमशिला प्र ७०० —ग्रीर राम की शक्ति पूजा भाटी देशराजींसह बाबोक प्र 900 — भौर राम की पवित-पूजा पर्मा, हरियरण विन्मय २ ५० -- शब्य ग्रीर व्यक्तित्व वर्मा धनजय स २ विद्या प्र म १००० -- काव्य पर बगला का प्रमान चौकरी इद्रनाय थी भा - या साहित्य भीर माधना उपाध्याय विश्वसंग्नाम स २ विनोद ६०० -- की बा॰य साधना जीन, देवेंद्रकुमार कमन प्र -की काव्य साघता शर्मा बीजा हि सा स ६०० -- श्रीवन भीर साहित्य तेतना रायणश्रसाद विह राज प्र निराशा के बत्तव्य सोहिया राममनोहर नवहिट • ७० निरक्त भाष्य भगवहत भा प्राच्य १२०० निरुवत यास्य ज्ञानमहल १६०० --समू≓चय वररुचि भा प्रशस्य ८०० निय्तरसत्र कल्याण म २५० निभरिणी सीता कि महत २००

निर्मर वाया बन्ती स्वरपत्रुमारी भा स्थमाना ३५० -भीर परपर दर निमना नेगनन ५०० निलम्झ रमेश चौबरी ए आरिमपूडि हि बचा पु (qr) १०० निवसना प्राचार्य गोपात सुय प्र म ५ ५० निर्वाण तत्र कल्याण म २००

निषय नरेश (देवो दमयता) श्रीवान्तव रामप्नीत पुनीत T UZO नीम के उपयोग पाठक, केदारनाथ स ६ दयामसूदर १०० नीरज व्यक्तिस्व घौर वृतित्व सक्येना सथा प्रयति प्र 3 00

-- १य ग्रविनाप्रसाद दिया मा सदन सं ५०० निया की गोद पूक्त कमल सामार्ग २५०

नीर भर माये बदरा ला २ जमानकर भा छानि ४०० मीत्रक्रमल नदा गुलरान प्रभोज वा (वा) २०० मीलजन माई परछाइया जगींबह नीरज मनिता ३०० नील तत्र वस्याण म २००

नीला कठ, उजले बीन मिश्र, विश्वनायप्रसाद बाणी विदान नीबी मील विष्ण प्रभाकर सपा सस्ता ३ ५० नुतन बालोक प्रमृतराय सर्गता २५० न्त्य प्रस्न पत्र प्रयाग सगीत समिति क्ला प्राइ ० ५० - प्रक्रोत्तरी प्रकाशनारायण कला प्र ६ १०० नृतत्व तथा समाज दर्शन दास्य, यदादेव मोतीलाल ८०० नेताजी जिवेदा, चद्रभूषण रमई काका साकेत ० ५० नेत्र रोगा का इनाज चौधरी, युगलिक्शीर कल्याणमल

नेपाल और नेपान नरेश पाइव, राजनाथ ज्ञानपीठ ४ ५० —ना सविधान राग हरिहरप्रसाद भा भवन —देश और निवासी धेलल मध्य हिंद पा (पा) २०० नेहरू श्रतिम यव्याय घट्टोपाध्याय, वसतक्रमार श्रशोक पा (पा) १०० - वित्व भनक टडन प्रेमनारायण हिं सा भ २५०

— अतिय बात्रा गुप्ता, के पी , सपा इंपन्ति १ ५०, प्रार्ट पेपर ३७५ — ऋौर काशी रयुनायप्रसाद सपा भा प्र महल १०० का भतीना जुनीर, रिजया सण्जाद एमके १५०

—को काव्याजीस शशिवर सभा गिरिक १ २४ — विदो मे गुप्ता, के पी इ पब्लि १ ८०, झार्ट पेपर -- जी का महाप्रस्थान रथनायसिंह नैपनप १०००

—जी की पुष्यात्मा की घावात सन्ता विद्यावती विद्या सागर ०६०

— दूसरो की दृष्टि से सुप्ता के पी इ. पब्ति २ ५० - व्यक्तित्व मौर विचार भतुर्वेदी, बनारशीदास स ३ सस्ता २५००

मैतिन शिक्षा जैन राजे द्र श्रनुपम ै ५० नैवाल धतीत धीर वतमान संबसना धानरसहाय पवधुग

य कू १००० नैवधीयवश्तिम मोदी दीपशिला तथा रा बनीप्रशाद नौनिहानो ने गीत हरीन राज शा भना २ ५० नौम्स्सिम जाति निणय शर्मा छोरेताल हिंदू पन ५ ५ न्याय के न्याय भोजपुरी नाटक दुर्गाप्रसादशिष्ट्र नाथ'

-- गास्त्र वी न्यरेखा उपाध्याय कागीनाथ गा भवन

मिद्धात मुक्तावसी हिंटी बाग्या प्रत्यभ गह धर्मेंद्रपाप

गास्त्री मानीतात्र ४२८

q

परज घौर पानी योयंत्र, सीताराम भा सा सदन १ ७४ पत्र स पत्रज तांगडी चानपूर्णा पृणिमा प्र पग धोर पान मनान, ज्वानाप्रसाद विस्वविद्यानय ३०० पसृद्धिया कृष्णजुमार 'नूतन' कुमार सत्र १५० पवकोश और मूरम जगत गगान्रसाद यार्ग सा ० ६६ पन्तर सत्यनाम शास्त्री देहाती ३ ४० पबदशी पीतांबर, ब्या रहन एड क ६०० पचमकार सथा माववय कत्वाण म ३०० प्यविध रूपाय-करपना विज्ञान धरिनहोत्री, ग्रवधविहासी

चौलवा १५० पचतील भौर बुद्धि बदना महास्यविर भदत बोधानद

महाबाधि • १३

पचाम्त हमदत्री, गीतम सना चौखबा ३०० पचायत राज ऐक्ट एव नियमावती बरोडा पहुता ८०० प्रधानी राज वा वित्त विधान भसाली, सुरजराब मगल सदय १०००

पत्राव नेतारी लाला लाजपतराय वर्मा, मुनुटविहारी सस्ता \$ 00

-प्रात भूगाल ५००

पत्राबी साहित्य मा नवीन इतिहास भग्नवान, जानेंद्रपान

प वयवद विद्यानकार भाषा विभाग, प्रभाव, परियाला

पडिन नहरू चीर मध्य प्रदेश मुखना एव प्र सवासनासय, म प्र,भोक्तन

नेहरू व उत्तराधिकारियो वा रहस्य भट्टाचाय, कृष्णपद

मागंदर्शक १२५ — मुरतिनारायण मणि प्रभिनदन ग्रय प्रव्रवाल वासुदेवधरण

प मुरितामारायणमणि निपाठी बभिभादन समिति, के ४०।१ = भैरवनाय वाराणसी २५०० पहुचानी सन्तरपुराय सदा २ मा भादिजाति ६००

पत भीर उनका गुजन कंसरीकुमार मोतीलाल ३१२ पचारा साल बाद सरावनी, धनचद हि प्रचा पू (वा)

पच्चीस पूर्णमानी कथा अगन्ताच देहाती १ ३० -श्रेष्ठ कहानिया दानितपास देवन, खवा सहयत

पडीमी देशों म जैन, यश्याल सस्ता ६०० गरी हमें भीर गामी रमा, जनिसर मास्पाराज १ ०० पतन र। मार्ग गुहश्स भा सा सदन ८०० पतिती के देश में रामवृत्य बनीपुरी बेनीपुरी ३०० पति-परनी भोमीताल 'इलाहाबादी राष्ट्र प्रवा, इ २७१ पत्यर भीर फूम गिरवर्सिह दहाती ३०० —शी नाव गुप्त नग्मयनाय हिंद पा (पा) १०० — ने सनम सक्त सुस्तानपुरी सुबीय पा - वे हाठ गदा, गुनरान प्रशोक वा (वा) २ oo पत्नी को परमेरवर मानी व्यास, गोपालप्रसाद सुबोध वा

(T) too पत्र प्रवोध पाडेस, हृदयनारायण 'हृदयेश' हृदय में २०० —नेयन हरिणकर हि शिलक ० ६० --स्पन्तर बहाब, रामहत्त्व सवा भा ५ सम्ता ६००

पत्राजीत केनाम कलिएत, स्पा विष्याचन २००

पय के दर्गण में सतीसकुमार सरकार -दरा रामकिशोर 'वैमिनी' शेकालिका २ ४० पयरीने प्रतिरूप टडन प्रतापनारायण विवेक ४०० पथित गुरदत्तामासासदन ७५० पदार्घ की रचना मीमसन राजकमल ०६० —विज्ञानम शुक्त वाशीरवर चौसवा ८०० —शास्त्र का, मागद हि समि ६०० पदावली जीन जवाहरलाल विध्याचल १०० पदाकात मालवीय व्यक्तितव भीर कृतित्व भीनार शरद,

सपा शारदा प्रभ वचगधा शशिकर निरिक्त १२१ पद्माभरण कृष्णनारायण प्रसाद माथभ', टीका भा भवन

गदमानत प्रव्याल, बामुदेवधरण व्या सा सदन, चि १५०० परियती बरित्र चौपई नाहटा भवरसाल सपा सादल ४०० पद्मावती सर्मा, हरिसकर रामप्रसाद १३७ पाद्य ग्रनेक लग्य एक ग्रस्ट १०० पन्नी का मुकुट रमेश भाई ग्रामें बुक २०० पविहरा चतुर्वेदी स्वरताल 'मरणश सीरराज परछाई सातीस्कर वा द विद्या प्र म ४०० परतो के धारपार उपेंद्रनाथ भक्त नीसाम ४ १० परदनी की गोरही, मुसचद 'प्राणश स्वास्म्य सरिता १०० परप्यमरी मास्टर कालीचरण दहाती २४० परमंबीर भारत स्थामलाल मध्य नधीनसम ३२% परम सया मृतु कालेलकर काका (दलानेय बालकृष्ण वानेनकर) सस्ता ३००

परमाणु शक्ति की कहानी कृष्ण्यहादुर रा वनीप्रसाद १२% परगुराम की प्रतीक्षा (दिनकर) एक प्रध्यमन रामी, योगेंद्रनाथ हि सा भ १७५ पराई डान का पछी समरकात हिंद पा (पा) १०० पराचय का पुरस्कार कोहबी द्रोणबीर राजकमल १५०

परानवेम् बस्याण म १५० वरिछाही घोमा, रशिवविहारी निर्मीक जमशेदपुर भोजपूरी

शरिकन निगम, जगदीशमारायण अस्पूरा हे ०० परित्यक्ता सवर, सत्वत्रकाश राजकमल ४ ५० परित्रेम जैनेहकुमार, पूर्वोदय ८०० यरियाया प्रवय युक्त, जयन्तायप्रसाद चीलवा २ १० परियो का नाच चहुपाल मिह 'मयक' नवपुग प्रधानार

परिवार भीर उनका निर्माण सस्रह १०० -- नियोजन चीर, केवल एमके २०० — नियोबन, नयो भीर केंसे युष्ता, विजयनुमार माग्योदय

परीवार्षी व्यानरण श्रीवास्तव, मुरसीयर मा भवन १५० परोपकारी बानक भटट, इटमदत्तं साल हिनैयी ० ७४ पर्वो नी प्रेरणा भीर पद्धति ससह ३०० पर्वत पर प्रकाश प्रमात वृक्ष १३७

पश्चमों के घातक रोग दीक्षित राजेश देहाती १२५ पर्य की परपरा गोयल सीताराम भा सा सदन ४००

— चिक्तिसा गुप्ता जोहर सिघल

--परिचय भूगोल १०० --पालन एवं चिकित्सा सरल अध्ययन श्रमी, देवेंद्रदत्त राजहसम्म म ४ ५०

-पालन चिक्तिसा एव दुग्योत्पादन बाजपेयी, एल डी

-पालन सिदात एव प्रयोग गुप्ता जौहर सिघस --रोग विकित्सा घारासिह देहाती ० ७% परिचम निपाद दर्शन चौद्धान, गजानन बिंह 'नम्ब प्रेमी प्र H o Ko

-- ब्रालोचना बास्त्र बार्णेंग सहमीक्षावर हि समि ८ ५० --- भारत की यात्रा टाइ, जेम्स राज प्राच्यविद्या --साहित्यलीयन के शिखांत जेम्स स्काट कि यहन पहला भौर मालिरी जत प्रम्दुसत्तार, काजी विश्वविद्यालय

—धार मिहारोबिब चिहोमिर राजकमस २ २५ पहिये के ऊपर जैन कृतलकूमार हि भवन ३५० पाच सिपाही रामकृमार असर जबलपुर प्र गृ १ ५० पाचाली दामा यजदत्त सा प्र

पाइम्र-सच्छीनाम माला देवरदास जीवराज मोतीलात

800 पाइ सहमहण्यवी प्राष्ट्रत हरगोविददास मोतीलाल ३००० पान हमलानरो से भारत की ललकार व्यक्तिहृदय नत्याण मल ४००

पाक्तितान का सविधान सरल ग्रध्ययन राजहस प्र म

-- ना सफर साहनी, बलराज हिंद पा (पा) १०० -- भी उद् बायरी पडितः प्रकाशः, सपा हिंद पा (पा)

पॉक्ट मयेजी हिंदी कोश हिंद पा ४००, (पा) ३०० पाटशाला वे हीरे पाटक रचनावत्रसाद सन्मार्ग १ ३० पाणितिप्रशस्ति नाटन गोपाल धास्त्री ज्ञानमञ्जल

पाणिनीय भ्याकरण का धनुशीलन भनुदाकार्य, रामशकर इक्षी राजिक्ल १२०० पारांजल योग-दर्शन विष्णतीयं, स्वामी विज्ञान म १ ३० -- योग सत्र - भीजवित्ता भारताचार्यः रामशक् मोतीलाल

-- योग गुत्र -- व्यास बाचस्पति मट्टाचार्य, रामशक्र

मोतीतात १००० पानी के गुण तथा उपयोग कोकचा हरनारायण दहाती ३ ००

—विच मीन वियासी मिश्र राष्ट्रवेंद्र नेवानल ४०० पाप भीर पीडा पामीदान, दिनेश प्रमति प्र १०० — भीर पुष्य दावल, क्षमन सामार्ग ५०० —नापन रेगीन हि बबन ०७३ पापी रांगेय राथव हिंद पा (पा) १०० पायुत्री की बीत द्वारकाष्ट्रसाई राज सा ज २००

पारिवारिक समाज शास्त्र धर्मा, कैलाशनाथ कि महत

200 पार्टी कामरेड यशपाल स ५ विप्लव ३०० पार्वती महाकाव्य तिवारी, रामानद 'भारतीनदन' भा

मदिर १५०० पानस भादर्शकारी आर्या भारमाराम २०० पावसगान तिवारी, भगवानदास प वि गृह पालि पाठ माला धर्मरक्षित भिक्ष महाबोधि १०० — साहित्य का इतिहास राहुन साकृत्यायन हि समि ५००

पाश्चात्य काव्य शास्त्र वे सिद्धात गुप्त शासिस्यरूप प्रशोग 7 8000

-राजनशतिक विचारवारा का इतिहास धर्मा, विश्वनाथ-प्रसाद हि समि १४००

—साहित्यालोधन ग्रीर हिंदी पर उसका प्रभाव वर्मा, खोद्र-सहाय विस्वविद्यालय 🖩 १० पापाणी जानवीवल्लभ शास्त्री जयोगित १ ४०

— बॉटवं चेतना का कथा काव्य गोस्वामी, श्रारणविहारी हि सांस ५००

पिकनिक दुवे रामेश्वरदयाल श्रील प्र १०० पिता और पुत्र तुर्गनेव हिंद पा (पा) २०० पीरू बकास चनोरा सवाईसिंह सपा सच शक्ति २ ५०

पीलीमीत का साहित्यिक इतिहास चुक्ल, गणैशर्शनर 'वधु' हिंसा परि, पी २०० पुरलो की छाती दुवे, रामउजागर साबेत २००

पराचनत बेद विपवन सामग्री ना समीक्षारमन भ्रध्ययन भटटाचार्य रामशक्र हिंसा सम्मे पूराण विवर्श उपाध्याय, बलदेव शीलवा २०००

-शास्त्र एव जन बचाए तिवारी, रमेश तथा चीलश \$200

पुराणों की प्रमर कहानिया त्रिपाठी, रामप्रताप भा ५ सा पुराना कठ नई हुनार गुप्त, टैनचंद्र प्रतिभा प्र १०० पुरानी बात थीमाताजी थीमरविंद १ ५०

पुरुष भीर महापूरुप श्रीवास्तय, हिमांश हि सा हा ३ ५० - गप्त रोग विशित्मा कोश्चा, हरनारायण देहाती ६०० परपार्थ भगवानदाम सन्नो स र पौराबा पुरुषोत्तम मास माहात्म्य धर्मा जगानाथ देहाती १५०

पुष्तरणो ने सामादिन गीत परोहित पुरुपोतमदास नि भर, वो १००

पुरकरियी गौड, राजद्रसिंह धशीर प्र म १७४ षुस्तक वीक्ट्रानी एलिन एम राजपाल २०० पुग्तकालय दर्शन धाही. औरम ध्रापाली २०० पुरत पासन एव लगा प्रणानी धानदनुमार भा भवन ६०० पृष्टश को जोठा गोस्वामी, बरणबिहारी हि सा स २ २५ पूजा भास्वर देहाती ४ ४०

पूर्व बनगर्शमय राधव शत साधवा २७४ पुणिमा मानविता विद्यावती महावाधि ०६२

पूर्व ब्राप्ननिक राजस्था । रथवीर मिष्ट शा. सस्यान, राज ७ ००

पूर्वप्रह गुरुदरी या सा सदन ७०० पूर्वी चारस्यायन, सन्चिन्द हीरागद 'बजय' राजपाल ७०० --एशिया का प्राथ्तिक इतिहास मिख्न, मिसला स १ हि

समि ५ ५० -एशिया का थाधूनिक इतिहास चीत पदमाकर स न

हि समि ५५०

प्यिबी का परिधान भूगोल ० ४०

---की कहानी भूगोल १००

- की कहानी रंगनायकी सा वनीप्रसाद १ ४०

की परिक्रमा विद्य, प्रकाशनारायण रामप्रसाद मा १

०६१, भा २ ११५ महत्र १२२ -- की वार्ते दार्मा गरमात्मा रामा व १ ५०

की सक्ती कहानी मूर, पैट्कि नेशनल ३००

-- पर विजय रामवृश वेनीपुरी २भा वेनीपुरी २०० (प्र) पृथ्वीशां रास्त्व गुन्ह, पाताप्रसाद सवा सा सदद वि

पृथ्वीराजरासी त्रिवेदी, विधिनविद्वारी पारुख म १००० पुर्वीराजरासी मोहनसिंह, सपा ४ मा

राज १००० (प्र.), भा ६ संप्रो —भी विवेचना भोहनलाल बास्त्री तथा

राज १५००

-- पदावती समय गीड विश्वनाय टीका सा नि का

पैटेन्ट प्रेन्काइवर द्विवेदी, रामनाथ चौसवा ८०० पैतरे उपेंद्रमाथ 'बरक' नीलाभ ४ ००

पोदीज गाइड धर्मनी, कारूल देहाती ४ ५० पौलियो सवा धायुर्वेद घोमप्रकाश, कविराज पौलियो बाधव

भागीवर्ता, नई दिल्ली पोप माहारम्य शर्मा, जगन्ताय देहाती १.५०

पौ फ्टेगी मा सा सदन ३०० म्पार कर मुक्ते मनुब सुवत्र गणेशसकर 'बधु' हि सा परि ,

प्यारी प्यारी कहानिया धर्मपाल शास्त्री आर्थ वक २०० प्यास नावरे, एल ही ? विस्वभारती, ना -- भीर शोने रववीरशरण 'नित्र' मा सा म ३०० -- की प्यास मुभैरसिंह 'दइया' सूर्यं प्र म ४ ०० प्यासा निकेर शर्मा, नरेंद्र समुदय = 00

-- पानी रैना विभना भारमाराम = ०० प्रकाश की छाया म नरेंद्र शल सिंह सरता

800 प्रकीणिका वाजपयी, गददलारे अनुषयान ७ ४० प्रश्ति भौर प्रारब्ध दुवे कृष्पविहारी नवब्ग संधानार

के बीच भन्मृति के राग टील, एडविन वे आत्माराम

-- पर विजय रामकुप बनीपूरी २ मा वेनीपूरी १००

~- मानव भीर शिवात वित्रपूर्व प्र ३००

प्रस्तीरम मार्थेवर वाइद्विव वर्देदनाय देलती ८ २१

प्रकृतिकल टाजिस्टर सचिद्रस रमेशचढ्र विजय देहाती ७ ५० प्रक्रियात्मक भूगोल के सिद्धात सिकट प्रेमचढ़ मोरियन्टल

मगोत सरस मध्यपन गप्ता, ईदवरीप्रसाद राजहस प्र

म १६६

प्रगति के प्राप्त असड १००

प्रगतिवाद मिथ्न, शिवकुमार राजकमत ८००

 पूनम्त्याकन हसराज 'रहवर नवपुत प्र ६ ०० प्रगतियादी बाब्य मिश्र उमेश ग्रयम १४००

त्रयत् समावसारनीय शिद्धात तोमरः रामबिहारीसिह श्रीराम मेहरा १०००

प्रजनन शीमानी पन्नातान विद्या भवन उ २ ५० व्रवय घौर परिव्रह योयल, सीताराम भा सा सदन १७५ प्रथम पीर व्यास हुल्लाद वेमास वेमास (पा) १०० प्रणव भारती—प्रथम बीगा ठाकुर घोकारनाचे मोशीलाल

प्रतादनारायण मिध्र जीवन धीर साहित्य शुक्त, गुरेशचप्र

बद्दं धनुसद्यान १५०० व्रताप रासो[ँ] जाचीक जीवरह राज प्राच्य विद्या

प्रतिनिया देवरान (नदिश्लोर देवरान) राजकमल 🕿 🕫 🛚 प्रतिज्ञा (प्रेमचर) एक अध्ययन चौधरी रामखेलावन हि

साभ २००

प्रतिनिधि एकाकीकार महेद्र रामचरण सा सदन, दे ६ ६ ४ -कहानिया केसरीद्रमार मोनीलाल ४००

-बहानिया भारहाब, शानिलाल 'राकेश चित्रगुप्त प्र ३ oo

 रचनाए नानकसिंह या शानपीठ —श्रोक गीत श्रीवास्तव रामानुत्र, सपा लोकचेतना

--सकतन कविता मराठी सीनवयनर, दिनकर भा ज्ञानपीठ ४००

—साहित्य सिवारामधन्य प्रसाद सपा कला भा १६६३ 2 40, 8EER 2 40

—हस्ताक्षर रामगोपाल परदेसी, समा प्रगति प्र ४ ०० व्यतिमा मेहताब हरेकृष्य हि प्रचा पु (पा) १०० विद्योग गुस्दतः राजपास ४००, (पा) २०० प्रतिष्ठान वैनिया, एम जे प्रभात वृक् १०० त्रवीक तथा प्रतीकवाद चद्रकता मगल २७० प्रतीकवाद ध्यवाल, पद्म यनोविनान

प्रती≆शास्त्र वर्मा, परिपूर्णानद हि समि १००० त्रयम याम भाषवन मानेदरावर प्रमरावति ६०० —वर्षीय स्नातक सार्वनिय रक्षापन साह, जगदीश

योतीसास १७१ प्रदोध वृतक्षा जगन्नाम देहाती १२५

प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री, एक जीवनी विद्याप्रकाश धनित य म

प्रबद्ध विद्धार्थ विद्यार्थी रामप्रसाद रावी रामप्रसाद १६५ वबीयबद्भिया-बैंबस जगदीयखाल मोतीसास ३००

प्रभात ने प्रसून मिथ दुर्गासकर, सवा नवयुग व्यापार ४५० प्रमुख देशों की दासन प्रणालिया सरल बध्यवन रस्तोंगी,

दयाप्रनाश राजहस प्र म ४०० से ६५० ---राजनीतिक विचारक मित्तन, नेमिशस्य राजहस प्र म

५०० से ७५० ---राजनीतिक विचारक सरस मध्ययन मित्तल सी क

प्रयोगवाद श्रीर नयी कविता श्रमुनायसिंह, समकालीन प्र ६००

 काध्यक्षारा तयोक्त नई कविता तिवारी रामचकर चौखबा १२ ४०

प्रयोगात्मक मनोविज्ञान रावत, डी एस सबो स २ विनोद ५००

—वनस्पति विज्ञान विमल शांति ही राजहस्य म ४०० प्रवचना पुरुदत्त हिंद पा (पा) २०० प्रवीण प्रशीसर प्रशासनारमण कला प्र, ६ ४०० प्रतीण प्रशासन प्रशासन हिंदर सा प्रवच १००

प्रविधिका प्रयसाहत देवेन्द्रप्रसाद सिंह का प्रवन ६०० — इतिहास मुनेद्वरप्रसाद का सबन का १ ३०००, का २३४५० (प्र)

- नागरिर शास्त्र राय हरिहरप्रसाद भा भवन ६००

-- नागरिक सास्त्र तथा झर्यसास्त्र अखिनेस्वरप्रसाद भा भवन भा १३००, भा २३३५० (प्र)

— प्रायोगिक रसायन साहू, जनदीया मोतीशाल १५० — पुगोल मुरेशप्रसाद भा भवन ५५०

— रसायन ठाटुर वजुएलाल भा मदन भा १ ४०० मा २३००

—रमायन सारू, जगदीश मोतीलाल ११० —वारीर विज्ञान एव स्वास्थ्य चौधरी, गोलोवविहारी

मा मनन भा १ दारीर तिलान ४ २४, मा २ स्वास्थ्य विशान ४०० —संस्कृत व्याकरण चीचरी, सरवनारायण मा भवन ४ ५०

१ २ २४, मा २ ३४०, मा ३ २४०, मपूर्व ७४० प्रशास महासागर निजेंद्र सा केंद्र, बा ३००

प्रतिभाग विद्यालयो न प्रवेती शिलम विधि बर्मा, मुनासाल विनोद ४००

प्रस्त मोर उत्तर श्रीभाताजी मा ४ श्रीधरविद ४०० — मोर प्रस्त जैतेंद्रकुमार पूर्वोदय

—भौर पृथ बावपनी, हिन्द्रिण नवनुब स्थागार २०० प्रभाद नाजबार, निर्मेल, स्था मा प्रतिष्टान = ५० प्रसाद श्रीर उनकी कामायनी प्रचन्डिया, महेदसाधर कमल प्र --श्रीर उनकी सहर विज, प्रयोत्तमताल रीगल

—श्रीर उनकी सहर विज,पुरपोत्तमताल रीगल —ग्रीर उनके नाटक वेसरीकुमार मोतीलात २१२

 मारे घ्रवस्वाधिनी माधुर सुरेंद्र हरिनामका २५०
 का स्करमुप्त, विवेचकात्मक तथा व्याध्यात्मक प्रध्ययन विव, प्राचीत्तमनाल रीगल

--- दी कविताए पाडेंग सुधानर हि प्रचा पु ८०० --- नी काव्य प्रतिमा मिध, इंगीशहर नवयुग ध्रमागर

६०० —को काव्य प्रवत्ति नामेश्वरप्रसाद सिंह धनुमधान

—को काव्य प्रवृत्ति नामेश्वरप्रसाद सिंह घनुमधान —की दार्शनिक चेतना चनवर्ती प्रथम २०००

—की नाट्य क्ला पाडय रामधेलावन धनुसधान १२५० —के नाटको का बाह्त्रीय चध्ययन समा, जगरनायप्रसाद

नद व ८२५

—के नारी चरित्र ठाकुर, देवेश नवयुग प्र २००० प्रकार व सामुदाबिक विकास चौहान, प्रारमाराम

विचा म . हो
प्रमृतिविज्ञान द्विवेदी रामनाच बीलवा १०००
प्रमृतविज्ञान द्विवेदी रामनाच बीलवा १०००
प्रस्त वेदना चायवन, धानदराकर धमरावित १४००
प्रस्त वेदना चायवन, धानदराकर धमरावित १४००
प्राक्त कार्विक सावव साहु, अगरीस मोतीसान १००
प्राक्त कार्य स्वकार वाहान साहुत्य पर प्रभात चार्या,
गोवद्वी प्रमुख्य न १६००

— ग्रीर ग्रपभ स साहित्य तथा उनना हिंदी साहित्य पर प्रभात तीमर, रामसिंह प्रयाग विश्व

-- पैयाव व्यास २ भा मोतीताल ३६०० -- मार्गोवदेशिका दोगी व्यवस्थास मासीताल

प्राकृतिक विकित्सा वयो ग्रीर कँस शकरानद, स्वामी भाग्योदय ३००

--विहित्सा विज्ञान घपड १०० --विहित्सा सायर चौधरी, युगर्नाक्द्रोर वत्याणमल १५०

— उदर राषाबस्तम पवतरि ०३७ — भूतृत सैत्रिवरी, रोतिन ही लहमी ना ३००० प्राप्तत कर भवरनीत सपा वरिमोहत मासबीय प्राप्त

प्रापन कृत भक्रकोत सथा हरिमोहन मासधीय प्रापन हिं सा सम्मे प्राचीन एवं भव्यकारीन भारत (प्रारम से १५३६ तक)

स्यागी महाबोर्रीसह राजीब, मे ८ ५० -बाब केराबदास चढ़रामन, ए, मदा सोशमारती ६००

--सायो नी न्य-परपरा नाहना, अनरचर भा विद्या प ६००

च्याच्यात सजनमाता दीनित, रामस्तेही देहाती पुटका साहज ४५०

--- भारत वा इतिहाम निन्हा, विधेशवरीप्रमाद

तारा १२ ४० --भारत वा भौगोतिक स्वन्य ध्वतस्थी, सवपविदाने

−मारत वा माणात्वा स्वरंग अवस्था भवनाय स्रोतीवास १००० प्राचीन मारत का राजनीतिक स्था सास्कृतिक इतिहास गाउप विमयनद साउन दुक १२ ५०

—मारत वा राजनैतिक एव सास्कृतिक इतिहास पुरातम प्रस्तरकाल स सन १२०० तक लूनिया, बनवारीनाल मरनक्ष्य

--मारत नो दश्नीति वागनी, य ए मोतीनान १००० --मारत (प्रारम से १२०६ तक) त्यागी महावीर्ससह

राजीव, में ८००

मारत मे जनतत्र गुक्त देवीदरा हि समि १ ५०
 मारत म नगर तवा नगर-जीवन राव उदयनारायण 'उदय हिंद एकेडमी २२००

-- मारत म राजशास्त्र प्रणता पाडब स्थामलान हि समि

१००० —भारत मे राज्य घौर न्यास पानिकः त्रिपाठी हरीहरनाय मीतीलाल १०००

—भारत म लग्मी प्रतिमा एक अध्ययन राययोगिदचड हि प्रचा पू ७००

ाहप्रचापु ७०० ─भारत सरल प्रत्ययन सृप्ता एस सी राजहसाप्र स

५०० --- मारतीय ग्रनमोल रत्न सर्मा, सुमन वगहरा त्र --- भारतीय ग्राय राजवश सर्मी सुमन वगहरा त्र १६००

-- मारतीय बद्धाराज्य शर्मी, सुमन मनहरा प्र -- मारतीय लोकपर्म ग्रवनान, वासुदेवगरण जानोदय ट्रस्ट,

श्रहमदाबाद ----भारतीप शिनाः मुलर्जी रामाङ्गमुब मोनीलास

-- भारतीय संस्कृति सूनिया, बनवारीलाल नयूराम लक्ष्मी ना १५००

- मारतीय माहित्य इतिहास निश्व विटर मोतीताल

— भारतीय साहित्य की साम्कृतिक भूषिका उपाध्याय रामजी देवभारती प्र एव लोकभारती ३२ ५०

जा २०० ---राजम्यानी गीन शर्मा, विरिधारीलाल मा १२ मा सस्थान राग २४० (४)

---राजस्थानी गीत मोहनमिंह संया भा ३, ४,७ ६ सा सन्यान राज भा ३ २ १० भा ४ २७१, मा ७

२ ०४, मा द २ ७५ --राजस्यानी गीत दवडा, हनुमतसिंह सदा भा ५ सा

गन्यान, रात्र मा ६ २७५, मा ६ २७६ —राजन्यानी गीत मोहनसिंह मा १०-१२ सा संस्थान,

राजस्थाना गात माहनासह मा १०-१२ सा सस्य राज २ ३५ (प्र.) सर्गत साहित्य वा इनिहास बैतसमूलर कि महल

भारत्ते साहत्य वा दानहाम बनसमूनर १० महल प्राच्य पम मीर पारवा य तिचार राघानुष्यान, सामिन्सी राज्याल आश्वतत्व विष्णुतीर्षं, स्वामी विज्ञानम १०० प्राण देशये, नाम कर गये व्यधितहृदय भा सा म १५० प्राणी विज्ञान वीपिका लाल एम बी केद्रीय हि ६००

— शास्त्र विमल, शांति, डी राजहस प्र म १७१ — शास्त्र सरल ऋष्यपन विमल, शांति डी राजहम प्र म

प्राणय पुरुषाचित सर्मा वणशसास 'प्राणेश सारदा देवी

शर्मा, फिरोबाबाद, जि सागर। जानो की बाजी कालिमोहन, अनु हिंद पा (पा) १००

प्राथमिक विकित्सा एव जन प्रतिरक्षी घौर, केवल राजधानी २००

─सहायता विश्व रामाशकर प्रात्माराम २ ५०
─सहायतः क्रोर वह परिचंवा चौषरी वातिवाला भा

-सहायतः और गृह परिचंदा चौषरी शातिमाला भा भवन ३००

प्राथमिकी सिनहा, बदरीनारायण शीगणपत १००० शर्यना पद्धति तुक्रोजो महाराज शीपुरदेव ०५० शर्योगिक जतु विज्ञान विमन, शांति की राजहम ≣ म

४०० — जीव विज्ञान बनर्वी भा भवन मा १४००, मा २ — डेरी रसायन सास्त्र तथा पशुपोषण प्रस्पर मिधल

—भूगोत के मूल तत्व वर्गा, के एन जबलपुर प्र गृ १६० — भौतिक विज्ञान जैन, ही सी जवलपुर प्र गृ ५५०

सक्षिप्त स ३ ६० --श्रीतिक विवान सर्वा, गुरवत संशो स २ राजहसं प्र

म ३७५ से ४५० —श्रीतिकी सुदर्शनप्रसाद सिंह मा भवन ६००, ७००

─रसायन तिव री. जे एस जवतपुर प्र गृ ३ ४०
─रसायन दुवे कत्याणवल १ ८०

—रसायन दुव कत्याचमल १८० —रसायन शर्मा, चद्दशेखर भा भवन २५०

—रसायन द्यास्य खन्ता जयकृत्य राजहसात्र म २ ५० —रसायन द्यास्य चन्नवर्ती, भी की जबलपुर म १ २६

-- रसायन शास्त्र मुखर्जी, एम एन सर्रो स ३ रानहम श्र स १२%

 रसायन ग्राह्म सरस प्रध्ययन सम्मा, जयकृष्ण राजह्म अ म १५०

धारम बतुर्वेती बगदीश, सपा भा मा मा म, दि = ०० प्रारम्बिक प्रयेशास्त्र चलितस्वरम्साद मा मदन २ २५ — अयेशास्त्र सक्सेना, सुरेशबद्र कि महल २५०

— अवशास्त्र सन्तना, सुरानद्र कि महत्र ३ १० — उद्दिभद शास्त्र शक्तर, वनवतिसह चौसना ४ १०

- चलनशास्त्र चीवरी, रामोदार मा मदन ३०० - बामीण समावदास्त्र तोमर, रामविहारीसिंह श्रीराम

मेहरा ७५० —ज्यामिति समा वैद्यनाय समीप्र

—ज्यामात समा वजनाय समा प्र —ठोस ज्यामिति चत्रसेथरप्रमाद मा पदन २००

—नागरिक नास्त्र राय, हरिहरप्रवाद भा भवन ३५० —निवासक ज्यामिनि चद्रशाचरप्रमाद मा सवन भा

३००, मा २.१५०

१६२ ब्रेमाजनि तुननी वनजीन झारमानाम २३० श्रेमिना रेचर निना राजगान ५०० प्ररम प्रगत सर्मा, समहस्य झार्येबुत १५०

─हमृति समृतराय नथा नर्जना ६०० प्रम मृतरिया बदुशी तथा प्रम शहानिया पतिकर, रजनी नत्याणमल ७५० जना महानिया पतिकर, रजनी नत्याणमल ७५० जि १ मा प्रमात न्क १०० (प्र)

र् ०० --ने पुरुपरात्र ग्रानद सुरेंद्र ज्ञानद प्र १५ ०० --ने साहित्य सिद्धात कोहती, नर्देद श्रदीक प्र १०००

--वानारी वित्रय गीरालाविह सास २५०० --वीश्रीष्ठकहाति गमदीन इद्रनायहिंदया (पा) १००

एक विशेषन सिनहां सुरेस रीगल
 कलम का निपाही धनुनराय सजना २०००
 कहानीकार सानद सुरेंद्र झानद प्र १०००

हिर पो (पा) १०० —क्या मेरी मागरेर प्रमात बुक २०० —की विजय साह भार पी प्रमात बुक १६० प्रेमचद भौर जनकी रसभूमि गुप्त वास्तिस्वरूप रीयल

—प्रवास की टीवा गीतम, लस्पण्यत्त अश्वीक प्र १०० —िमतन भा, नदिनशीर देववधु ४०० प्रीत का युरस्कार वजमबन नमन प्र १०० प्रीम प्रीर प्रवास प्राव्योजीव सस्ता २०० —प्रीर हस्या वे रहस्यमय मुकदमे पश्चित प्रकास स्पा

क्यल प्र १२५ प्रियदर्शी मिथ, बानद कैलाश पुस (प्रय प्रकाश (केशक्दास) वेगवानदीन लाला सपा कस्थानदास

—भीतिकी तांत्रे, विहासकार चीसवा १६०
—मनीतिहान मोहित्तर एह एम सोकमारती १००
—मनीतिहान मोहित्तर एह एम सोकमारती १००
—सनीतिहान संगोता के के रावहृत व म ३०१
—रहामन गाँड व एन कत्यापमा ४००
—सारा हरोन वर्ग प्रयोक्ष्यार भोतीसाव ४००
—स्वास्य दांत वर्ग प्रयोक्ष्यार भोतीसाव ४००
—स्वास्य पुत्त गोरीसकार स ४ स्थामसुद्दर ०३७
—स्वास्य पुत्त गोरीसकार स ४ स्थामसुद्दर ०३७
—स्वास्य पुत्त गोरीसकार स ४ स्थामसुद्दर ०३७
—स्वास्य विज्ञार सीपति भोतोकविहारी भा पकन ३००
हित्त विज्ञासकार स्थार प्रवेश क्या वीरण स्वास्त्रविक्ष

प्रारभित प्रायोगिक भौतिकी वौशिक एच के बाल सा म ----भूगोल वर्मासुमन चौखवा १४०

> भूतो से सुबय, कार्ग की कुभत सम्बर्गता, क्यानता। परिस्तर ६०० भैक्टरीय पेस्ट पट्ट्या २५० फेबकी सावसी पस्टिन, प्रकार, नया हिर पा (था) १००

पूर्वत होरावर हि गिर्वर सा १०१०, सा १० सा ३०७१ पूर्वा से सुबंध, बार्गे की बुधन सम्बरदार, क्यानपता परिवर्ग ६००

फुनक्का क्यान समान पुनवारी नतुर्वेती, गुन्दराग 'प्रत्येग'. लोकराज १०० पुन्तार जिन्हो चट्टभूषण 'स्मई काला' मानेत १२५ पून नहीं त्य बोतन हैं घयबात, बेरारनाथ परिमत ६५० पूनवते हरियानर हिंगियक सा १०५०, सा २०६०,

ष्टिक्य एटिंग्य बाइड पुष्त, श्रीहण देहाती ४५० एक्स फोरोग्राफो पुष्त श्रीहण देहाता ६२८ —मेक्स बाइड पुष्त श्रीहण देहाता ६२४ —पुनमदिया इत्त्वरर हिंदथा (पा) १०० पुनमदिया जैन मिलीयल तर्राजन मोहन स २०५ कुनकरी क्यों स्वरा पुनमही बाह्य

पतन्त्र बाह्यस्य यसी, अरामाय देहाती १ १० िन्दर मेकेनिक बनी, औराम देहाती ६ २५ चिटित याप परिचय वर्षा औराम देहाती १२०० चिट के बही गयस्यर, सपुबर परिजात चिटान को वासरी विकत, प्रकास, हवा हिंद पा (पा) १००

कार्ट एड तथा वागरिक सुरक्षा धर्मा, सक्ष्मीनारायण हिंद च १०० का नरक्षण विवान गुन्त, युग्निश्मोर चीलता १०० चनो की कास्त्र भेवानीदात, हेंसूनी २२५ दमन जिला बले देवा ची राज्युत्व मुनर्सी २,०० कार्यो के तक्ष्मे के बस्वटाय, मनु सब्दा २०० कार्युक केदिन चार धर्मा, पाडेय वेषन 'दस' हिंद गा (ग) १००

फरार की बायरी दुर्वाशकरप्रसाद सिंह नाप' निष्य सा स ३ ५० फर्नीचर डिजाइन युक रत्तप्रकारा छील देहाती १२००

प्लेटो के कान्य सिद्धात जैन, निर्मेला नैशनल ६०० फड़ा मेक्टस ग्रांफ पोसिटिकल साइश एण्ड इनोनामी मुस्मुल निहाससिंह कि महत्त १८०० फणीस्वरनाप रेणु थप्ड कहानिमा यादव राजेंद्र, सपा राजणास २ ५०

—िश्वता विधि घोर सामयो यमा प्रश्वितारायण दि पुत ४०० — विष्या हुस्तावनक स्थान, बी एव पुत्त, वा १२५ प्लास्टर नास्टिय नता कानीवरण देहाती २४० जीहर के रोग ग्रोर उनको चिकित्सा नदवती, ब्रह्मानर चोत्ता के रोग ग्रोर

प्रोफेटेंबल होम इडस्ट्रीब दुवे मुस्सवद देहाती ६२५ प्रोद मनोरमा सटीक सीताराम मीतीलाल २००० —रक्तानुबाद कीमुदी दिवेदी, विश्तदेव विस्तिवधालय १००० —शिक्सा के नए माध्यम नरेंद्रकुमार भाषा पीन्त ४०० क्रेंब साहित्य का इतिहास सान्याल, मूर्पेंद्रनाथ हिं- समि

७००० वर करो घहनाई तिवसुमार 'धिय' विव-धा सः १५० वरी कराजातिह,कुदर सारेतः १५० वपनः है, सतीम देहातीः १६० वपनः है, सतीम देहातीः १६० वपनः है सेतु आ, दिरोपद 'अवाकी' परिसदः २०० वसरो कहुर, रचीकराय राज्य राज्यका १६० वसरी कहुर, रचीकराय राज्य राज्यका राज्यका राज्यका स्था

७.०० वक रहा हु जुमून मे पडितः प्रकाश (स्रोवश्रकाश पब्दि)

मा, मार्गीट ३०० बण्दन : एक बुगातर गोपालदास भीरज" पजाबी पु ४०० --: व्यक्ति कोर कवि. सटनागर, बाकेबिहारी सपा नेसनल

Y.00 बच्चे भौर उनका मनोविज्ञान. असङ १००

-- सदगुगी कैसे बनें ? घलड ४०० दक्तों की कुछ समस्याए श्रीमानी, वासूनान स ३ विद्या

मदन व ३.२४

—की शिक्षा दीक्षा. बखड १.०० —के नाटक कपूर, मस्तराम 'लिमल'. नेशनल २ ५०

—के **लघु** निवये हि शिक्षक १.००

—के सरस निवध हि शिक्षक १ ४०

—को बेसे सुवारा जांग ? प्रावड १०० बरनुर है आही किहान की. जैन, श्रीचड भ्रारमाराम ३०० बरनुरीवपनिषद् भ्रास्वपोप, प्राचाप, महाबोप ०२० बद्द बहाहर, मानी, रानहरण आर्थ कुरू २०० बदवानुस, बारहुड, क्राणीदान बारहुड प्र १५०

बडा मनित सागर. मोहनलाल देहाती ४०० — पोनासन. सरकाम चारती, देहाती, ४०० बडों का सक्पन गिरिजाददाल 'विरोध' नवदन अवायार

० ७५ — की बड़ी दातें. प्रसद १.०० इते कुमा प्राधिक कोस्प्रदान 'सन्तर' सारक प्रतिस्

बन्ते बरण, माटिया, मोम्प्रकाश 'ब्रचल' राजपूत स्रवित प्र म.२.००

को कोर हिमासय पर. ब्यास, कृष्णानद विश्वास विश्वास
 १.००

बर्तिया पृत्र हैं. मा, रिनेशच्द 'त्रवासी' परिपत्त २ १० बरवरी स्ताए. वार्मा, रामगोशत 'दिनेया'. वात्र में, ब. २ १० बरेटवीयाने सबस् मार्मा, निहानकत्र हि त्रवा पु ८०० बन को हीरे पृत्य, हरिकृण्यास 'हिर्' कुरर. १०० बने माना मानोस. नुस्तु, हरिकृण्यास 'हिर्', कुरर. १.०० बनार एक हल्ली की. राजेंद्र मिनान, सपा. समानावर १०० बनार एक हल्ली की. राजेंद्र मिनान, सपा. समानावर १०० बनार पात्र हल्ली की. राजेंद्र मिनान, सपा. समानावर १०० विकास की छात्र सरस्मेत जोतिर्मित्र दि. पू. स. ३१०

-नी देटी सप्रमाय 'भरक'. नीलाभ ४०० बराबाल काव्य-समृह, बरतवाल, बडीप्रसाद, एम एव. बुक.

• १५० • पांच पुत्रवेत तो है. जोग्री, हिमासु मान सान मंन ५००० बरेठन- जोसी, इलाषद- पु स-, ना- २.०० वर्य कट्टोल (परिवार नियोजन)- दीक्षित, राजेश- देहाती-

वर्फ बनी ग्रयारे इद्रजीतसिंह 'तुलसो'. ग्रार्टसः ६.०० बदंरक विजेता धूमकेतु (गोरीसकर गोवदंन जोशी) वोरा

६०० व्हतियात महण कुमार सह १०० वहित्यात महण कुमार सह १०० वहित्यात महणावत्व, प्राचार्य हरयाणा १२.०० वहिताचानसम्बद्धी हिन्दी, राजकुमार, चीसता ०.४० बहुता सारा, महणाव मारती वा सा सहम, १२५ बहुता सारा, महणे हिमारे कुमी, र्योह्माल पंतार्योः मंजू

बहिरय योग योग नि १००० वहिरे बाधन बाका चिवेदी, बद्दभूषण 'रमई काका' साकेत. १२४

बहुत हैं, एक स्वतं मीत प्रवीप पाठक, राजजुमार लात प्र., प. बहु के वरण पाडेय, शहररवाल तबकुत यमावार. ३.०० वास का पुत वस्तेना, तबस्वरदायाल सम्बद्ध बा प्रोर वायू चद्रप्रकास सिंह, साहेत १.४०

बाणमद्द को भारमकथा । एक प्रध्ययन भटनागर, राजँइ -मोहन- विनोद- ३ ५०

बात कुछ कहनी द्विवेदी, रामेश्वरप्रसाद 'रामेश्वर' श्योत्स्ना प्र ४०० बाता रो मूमलो शर्मा, मनोहर २ मा. राज सा समि.

बादतो के बीच गोवर्डन मिह 'बहुती'. नम्पर प्र. १७५ बापू धिनहा, बुरेश जपेश २०० —गप्ट्रीय जभी. रतीराम साहती देहाती. १.१०

बाबू कुंगर सिंह दूर्गात्तकरप्रशाद सिंह 'नाय' - नव सा. म.

बारह बंदे यशपास विष्तव ३ ५०

—घटे. यशपाल हिंद पा (पा) १.००

—मास माहात्म्य शर्मा, जगन्नाथ देहाती १४.००

—मासा वर्गा, गजानन. नि. घर, जो. ४०० —माह के त्योहार. रामकृष्ण दास रिसक देहासी ४.१० बाहुरपत्य राज्य व्यवस्था बावपेयी, रामबंड, पौसाबा

बावन पत्ते. कृष्णवन्दरः स्टारः (पा) २०० —परियो का नाचः वाजपेयोः, हरनामप्रधाद प्रवीरः ४.०० बातकः पर भीर स्कून के बाहरः श्रीवास्तवः, के एनः विद्या

भवन, उ. ४ १०
--वालिकायो की मनोवैज्ञानिक समस्याए द्वारकामसाद.

 चालिकायो की मनोवैज्ञानिक समस्याए द्वारकामसाव नैयनस ३.००

वालकाड--रामवरिश्रमानस रायबद्द सास्त्री, मौतीसाल, ३.०० वालको का नव निर्माण, अखड, १.०० धातनो ने इन दुर्गमों से बचारण प्रावड १००
—हो इक तरह मुमारिण स्टाइ १०० स्वाती क्राहिट निरुक्तार देव प्रेक्ड कि महत बातवड सहिट निरुक्तार देव प्रेक्ड कि महत बातवड बतीतो बातवड मुझे हि सा सम्मे बातवड एकावची बावान बुड ०३०

१५० ---नाटक सप्रह रामा, एस के सा नि, ब ---नीति सिक्षा साह भार पी प्रभात बुक भा ११००,

भा २ १२६
—पदरात्र उपाध्याय, बानकृष्ण वयमाला २००
बालवाडी दुव जुनराम स भा सबै २००
बालभारती बल्प, सबराम भा २ रामभमाद ०७६

बाल महामारत मुदर्शन वारा २ ४० — मुकुर गुप्त एक मूच्याकन लोडा, बल्यानमल बाब् बातमुकुर गुप्त गतवायिको समारोह समिति कलकता

—विशास की समस्याए प्रसार १०० —वीरों के लेल मिश्र शिवरुमार प्रमास पब्लि १२६

— सहार भूगोल सक्षिप्त १२%, छपूण २०० — सामान्य विज्ञान राजेंद्रप्रसाद भा १ रामप्रसाद

० ६५
वाती यथ धर्मा, जरारीय देशकी १ २५
वाती यथ धर्मा, जरारीय देशकी १ २५
वाहयों निरिज्ञाद्दान्त 'मिरीम' का महल बाह्य स्वरिक्त न वरवह एसीमांव धा माराय ४०० विरोदा धोर सभीरें घरत धारमायम ६०० विलाय काय जयनाय 'नितन नेयनन ४०० विलाय काय जयनाय 'नितन नेयनन ४०० विलाय काय वर्षाम्य प्रमाण प्रमाण वर्षाम्य

विमुख के बेटी पुराहिन, जबरनाय प्रभव विनय ० ७३ दिना वेबारो के घर मडारी, मन्तू मणर ३०० —पैदे दुनिया पैरल सफर सबी गडुमार स २ घ मा सर्व

— पैसे दुनियां का पैटल सकर सतर सतीपातुमार हिंद पा (पा) २००

विनीता उद्योग कीमिल ग्राप साइसटिन्डिएड इडस्ट्रियत रिसर्च कीमिन ६०० विनीते का वैद्यानिक उपयोग कीसिल ग्राफ साइसनिन्डिक एड

इंदरिन्यन रिसर्व की सेत ० १०

वियामी जी मित्रा की नजर म गुप्त, रामचंद्र ° विदामी ॥ ००

बिस्ती बोती भ्याज हरोग "मधुर" भारपोदन १०० विष वे दान पार्मा, नतिनवित्तावन भोरीतात २०० विस्मित भी बहुव उपासमान 'सबुप' सनोरमा २० बिहार भीर दहाना वोपारिनव सोसापनीब रेवट समा नियमावती पहला ३ १०

— भौर जडीमा को भावरेटिव सोमाइटीज निवसाक्यी पटूजा २०० विश्रार का धेर द्यामनाल 'मधुन' मनोरमा ---प्रान-यनायत के मुखिया श्रीवास्तव, घीनायप्रसाद संघी स पहुंबा

—दुशन तथा प्रतिप्शन प्रविनियम पहूजा ३०० —पश्चायत दढ विधान श्रीवास्त्रव, श्रीनाचप्रशाद पहूजा ३००

—पंबायत निर्वाचन नियमावती, १६५६ पहूँ र १५० —श्रो-यूनीवर्तिटी सर्पशास्त्र की रूपरेशा (विद्वात) काँ,

भानदस्त्रस्य राजहृत प्र म ५०० —त्री यूनीवर्षिटी प्रयोगस्त्र के सिद्धात सरल ध्रम्ययन गर्गे,

रत्नप्रकारा रावहस प्र म ३ ७५ — सूमि द्यवस्थन कानून पहुत्रा ७ ५०

— श्रीम सुवार मधिनियम, १९५० मरोडा, पूर्णेचद्र, सरा पहुचा २ २६

— भूमि हदवदी कानून १६६१ खेडीरमण, सपा पहुत्रा १ अप

—मे जिला परिषद् अधिनियमावली रमण पहुंचा २०० —स्टिनिकेट हत्तक (बिहुार स्टिनिकेट सैनुमल) १९६४

सविवासय मुद्रणालेय, विहार, परना
—हायर सेक्ट्रो सर्वेतास्त्र की रूपरेका गर्गे, धानन्दस्वरूपः
राजहस प्र स १००

विहारी कवि भीर काव्य सिनहा, हरेंद्रप्रताप " रा बेनीमाध्य

— की कार्य-सावना आटी, देशरार्वावह सरोक प्र २ १० — वधावती शुस्त, यीनिवास, स्पा मा विम्याचन २०० —रोहावती मुस्तीवर्रीसह देहानी ० ७१

— योमांसा विपाठी, रामसागर सघो स बसीक प्र १००० — सनसई वैज्ञानिक समीक्षा गुन्त, गणपतिषद्व, भारतेंद्व

मनन ५५०
—सतन्दि सार समी अविनाचरण " प्रसार दुक २७५
को ए डिटी रचना का सरस सम्मयन सदानदीहरू कमल

प्र४०० बीच की कडी पार्य पार्य सा ४०० बीच सम्दर्भय सबेना ६००

—धीर प्रेषु माहरवरी सिंह 'महेरा' महेरा प्र २ २% बीवन मूल सपा महाराव राघवदान नदीर बाबू बैंबनाय

प्रसाद, राज्यस्वादा, बनारस ७०० बीवयमित चहरवरप्रमाद मा भवन ४५०

चरन सम्ययन युन्ता, पूरनमत राजहस प्र म. १ १०
 वीडी वार्डे वरिषदेवनारायगिमह 'मृहद'. वि प्र मु ११००
 वीन त रस और हिंदी साहित्य मारी, इस्पदेव मूच प्र

्र ॰ ०० बोरवत विदाहै स्रीवास्तव, स्रो पी हिंद पा (गा)

बीम उदेव रास, एव गवेपण सीताराम शास्त्री हिंदू एकेडेसी

बीयजी राजास्ती की घौषधिया वर्षा, मुदुष्टम्बरूप चौषका

50

बीसमी रातान्दी मे भमरीकी शिक्षा- केंडेल, माई एव गर्गे स ३६०

श्रीस सुबहो के बाद. शीहान, मनहर उमेश ३ ४º बदेली फाग साहित्य. ब्यास, कृष्णानद विग्रास'. मा १. वेग्रास

युक-कोपिंग के माधुनिक सिद्धातः हि. प्रचा पु २.७५ --कीविन: सरस प्रध्ययन. विजयपाससिंहः राजहस प्र म

बुद्ध और बुद्ध धर्म, त्रिपाठी, चद्रवसी महाबोधि ० ७१ - भीर बौद्ध धर्म चतुरसेन, धावार्य- मा प्रान्त, १ १० -कालीन सारत का भौगोलिक परिचय धर्मरक्षित, मिल्

बहाबोधि. ०.५० -की देन महास्यदिर, भवद डी. शासन महाबोधि २००

-कीर्तन चौहान, प्रेमसिह, महाबोधि, १.६०

—गया शीलाचार, भिक्ष महाबोधि ० ७१ - बरितावली, मानविका, विद्यावती बहाबोधि ० ७१

-- चरितावली. रामचद्रलाल. महाबोधि. १.०० बुद्धचर्च्या राहुल साहत्यायन महाबोधि १००० इद जीवनी वेदराजप्रसाद महाबोधि ०७%

बुद्धत्व की भीर शाक्य, बसतकूमार बहाबोधि ६.०० बुद्ध वचनः कौसल्यायनः, भवत मानद महाबोधि ० ७५ -वन्तामृतः महास्यविर, भदत डी. वातनः महावोपिः

१ २५

ब्दार्चन चौहान, श्रेमसिंह महाबोधि ० २१ बुद्धि विसास बलतराम साह राजः प्राच्य निद्या ३ ७५ बुधमाकी बेटी दानी, पाडेय बेजन 'उस' हिंद पा (पा)

वनियादी द्याला मभिलेखः पाराशारः रामकृष्णः समग्रनई १०० ाला सगठन पारासर, रामकृष्ण समग्र नई ० ६० --शाला संगठन भीर शिक्षण व्यवस्थाः पाराचर, रामकृष्णः.

समग्र नई, १०० शिक्षण मूलोळीनः सनस्रोवाले, सुशीसाबाई ** जबसपुर

म गु. २.२५ —शिशणे सामान्य विज्ञान श्रीवास्तव, एस पी जनवपूर श्र

म २,०० -शिया भीर जीवन समाज व्यवस्था- दुवे, निसापचढ- स-२

राष्ट्रीय शैक्षणिक. --शिक्षा की विशिष्ट पद्रतियाः सन्धी, सरला जननपूर

प्र. मृ २ ७५ --- शिशों की सामान्य पर्वतियाः अवस्थी, सरना जवलपुर प्र

7. 7.02 -- शिक्षा मनोविज्ञानः मन्त्रैया, विद्यावनी अवलपर प्रः ग

-- शिधाराय संपटन द्विवेदी, समाशानर, जननप्र ध म्

--शिक्षा विद्यातः तिदासी, जबन्तायप्रसाद जनसपूर प्र.गृ. २ ७४

—शिक्षा विद्वातः राव, सूर्येवारायण बल्यालयसः ३ ००

बृहत् आर्थिक विश्लेषण विजयेंद्रपास सिहः नवयूग साः सः, मा. १४ **०**०

वृहत्कवा अप्रवाल, नीलम, सपा कि. महल १२ ५० बहुत साहित्यिक निवध विपाठी, रामसागर" प्रशोक प्र १२ ५०

— हिंदी-मराठी शब्दकोष नेने, मोवास परशुराम''' महाराष्ट्र राष्ट्र २०००

बहुद हिंदी प्रय-सूची महाबन, यशनाल " भा. प नि ३६.०० बंबास की फार्गे ब्यास, कृष्णानद 'बेग्रास ' १० मा. वेयास (A) 600

—वोल व्यास, कृष्णानद 'बेमास' बेमास १.०० बेईमानी की परत तथा श्रग्य निबंध परसाई, हरिशकर

यूनिवर्षंस बुक ३ २१

बेकार कुछ नहीं राय, भगरनाय रास्ता ० ७५ बेटा हिंद का लद्वाय में दुवे, रामजजागर साकेत. ३.०० बेटिया हो वो ऐसी रामवझ बेनीपरी बेनीपरी १.०० बेटे हो तो ऐसे रामवक्ष वेनीपरी बेनीपरी १.०० बेनदेत्ती कीचे कोचे, बेबदेती विगमय ४०० बेनीपरी बाल प्रवावबी रामवक्ष बेनीपरी, भा १. बेमीपरी,

24 00 बेरोजगारी के सिद्धान इवेला, पी डी गर्म प्र. २०० वेला विपाठी, सर्वकात 'निराला' जवलपर म ग. ४.०० —स्टह की कार्तिकेय, महेद वितरजन प्र. बेसिक शिक्षा नयो भीर कैसे ? श्रीदारतद, घनेश्वरनाथ प.

स, वा १.५०

वैकिय के सिद्रात तथा भारतीय बैक ध्यवस्था प्रक्रिलेखर-प्रसाद, भा भवन ४००

—विधि एव व्यवहार शर्मा, हरिश्चद्र, सा भवन, भा. वैचवकं एड डाई फिटर भगवतराय देहाती = २४ बैरग बेनाम बिहिट्याः मिथ रामदरश साम्या प्र. २ ४० बोधिचर्यावतार शाति भिश्व द्यास्त्री महाबोधि. १००० बोसियव प्रदीपम् रिगनिन नुतदुवलामा महाबोधि ०.५०

बोलदी कहानिया मार्वे, विशोदा, घा. भा. सर्वे १ ५० -तसवीरें साह, रेमी पील प्रमास बुक २.२४ बीव्य सुनीता समलवीर प्र २००

बोधिसस्य प्रानदेवपुरूपभन्ते २००

बौछार विवेदी, नद्रभूषण 'रमई काहा' साहेत. १.२५ बौद्ध चर्या विदि धर्मरतित, भिशु महादोधि • १६६

-दर्शन मीमासा उपाध्याय, बलदेव. यहावोधि ६.०० -धमं के मूल विद्वात वर्षरिक्षन, मिल यहाबोधि. 0 ७१ -धर्म के विकास का इतिहास पाडे, गोविदवद्र हि समि.

—धर्मं दर्शन तथा साहित्य धर्मरक्षित, मिशु. नद. छ. ६ ५०

- धर्म ही मानव वर्ष धर्मरशित, मिश् सपा महाबोधि.

--वित्रानवाद अववा बौद्ध दर्गन तथा उसका विवास, राज, पी टी मोनीताल १५०

-- विमूर्विया धर्मरक्षित, मिन्नु- यहाबोधि- १.००

बौद्ध सस्कार पद्धति धर्मरक्षित, भिक्षु महाबोधि ० ५० -- सिद्धाउसार दलाईलामा मोनीलाल ४ २० बौद्धिक रस मिश्र, रामप्रशाद श्रानिक प्र म यूज भीर बदेली लोकगीतो में कृष्ण क्या गुप्त, सालियाम

विनोद १२ ५० का सास्कृतिक इतिहास मीतल प्रभुदयाल राजकमल

द्वजमापा एव खडी बोसी के व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन द्यमा गेंदालाल प्र प्रतिष्ठान १०००

-- भीर बजबूनि साहित्य, तुलनात्मक मध्ययन तोमर, कणिका काशी हि ६००

-की विभूतियां दार्पा दवेंद्रनाथ मोतीलास ३ ७६ --रीति शास्त्र प्रय कोदा चत्वेदी, जवाहरलास, सपा हि

सा सम्मे कुजराज-काव्य बाधुरी जवानसिंह बहाराचा सा सस्यान,

ब्रह्मचर्य के साधन मा १-१० भगवानदेव, शासाय हरयाणा

ब्रह्मज्ञान धपूर्व मनार श्रारमदेव स्वामी विज्ञान स ६०० बह्मदिज्ञान योजेश्वरनद सरस्वती स्वामी योग नि १४०० बाह्मण की बेटी चट्टीपाध्याय छरतच्य हिंद पा (पा)

—िंतर्णेय दामी, छोटेलाल हिंदू धर्म १५ ०० ब्रिटिश उपनिवेशो का ऐतिहासिक भूगोल भूगोल २०० भवर गीत मालबीय हरियोहन हिंसा संदेन मनतप्रव स्यादरसिंह वेचेन देहाती १२% भक्त प्रह्लाद धर्मा वैधनाय रामो प्र भक्तदास बतुरदास इत टीका सहिन राघवदास राज प्राच्य विद्या ६७१

भक्त मीरध्वज न्यादरसिंह नेवैन देहाती १२% मस्तिकाल एक बाध्ययन नाहर कि महल मनित बाध्य के मुल स्रोत मिश्र दुर्गाशकर मददन यद्यायार

YUY -- माध्य में मायुर्व माव का स्वरूप वयनाय 'नतिन' बहत

—काध्य में रहस्यादाद पाडे, रामनारायण नेवनस २००० भिक्त मास साह, बार पी प्रभात बुक २००

भश्ति योग भएडानद सरस्वती, स्वामी सरसान्तिय —योग का तत्व गीता भगवद्गीता यून तथा हिंदी टीका बामुदेवगरण, बनु मोती-

सात ६०० मगवान गौतम बुद महारपविर, मदत बोधानद महावोधि

मगवान बुद मानविका, विदायनी हि यचा पू ३ ५० -बद मा सुसार मो संदेश एव धाय व्यान्यान धीर प्रवचन विवेशानद, स्वामी श्रीरामकृष्ण

--धीकृष्ण भौर भगवद्गीवा विवेकानद स्वामी श्री-रामकृष्ण १७०

मगवान श्रीहृष्ण लीलामृत महारी, प्रेम धमत्रीवी ३५० भगीरव के बेरे रस्तीमी, विनोद मात्माराम १०० मन्न सीमाए रेड्डी वालगौरी राजकमन ४०० मजनकज तुकडोजी महाराज श्री गुरुदेव ०६० बटकता देवदास भीर खोई हुई पारी भानद, सुरेंद्र भानद प्र ६००

भटकती राख साहनी, भीष्म राजकमन ५०० मटक्सी लहरें भीर किनास श्रील नवयुग प्रधानार X 58

भटके राही मध्र भाषिणी प्रभात प्र २ ५० -राही मित्र, विस्वनाय नवपुग प्र ६०० वयकर लोक करण मन् १ र४ बबन निर्माण कता वदीँप्रसाद भाग्योदय ३०० महिष्यवाणी महतो, बालेराम नवपूरा य थागार २०० भागवृत्ति सव उनम् वृधिध्ठिर भीभासक, सपा भा प्राध्य

३०० भागे हुए सौग मटियानी, शैलेश कि महल ४०० भाग्यहीन श्रोमीसास 'इलाहाबादी' राष्ट्र प्रचा , इ ४०० माग इजन की कहानी नेशनस ३ ४०

मामिनी विलास धन्योश्ति पाडेय, जनादंनस्वरूप दिव विद्यालय ३ ५० भारत इतिहास भौर सस्ट्रांत मुस्तिबोध गत्रानन माथव

अवतपुर प्र गु३ ६० -एव विदेशो में सहकारिता सरल ध्रष्ययन सबसेना,

एस सी राजहसंब म ६२५

— धौर विश्व जैन, पी धार दि पु स ७ २५ —ग्रीर सनार मधोक, बलराज भांसा सदन ५००

—क्या जगन्ताय द्यास्त्री मोतीलाल १.२६ —का धार्षिक एव वाषित्रय भूगोल शुलध टठ, एन एल

रागभाद ३००

—ना प्राधिक भूगोल मामोरिया, वनुमुज गवाप्रसाद १० x -का भाषित विकास गीड ए पी सनो स अ नवयगसास, या १२५०

— का भाविक विकास पाटनी भार एस सुद्दी स २ राहीव मे ५ ५०

—का धार्षिक विकास बरना चैनसिंह जैन पूम —का धार्थिक विकास मिलन, एम पौ घोरियन्टल पश्चिम

- ना मायिक विशास मनसेना, एस सी सत्ती M ३

नवयुग सी में, मा ७.००

—का इतिहास रस्तोशी, दयाप्रकाश संगी रा ॥ राजहरा प्रम म प्रारम से १४२६ तक ६ ५०, १५२६ से बद तर ७ ६०, प्रारम्म से १७०७ तर ६००, १७०७ से धवत स १५०

-ा इनिहान (पूर्व ऐतिहासिक बाल से धवतक) रस्तोती द्यात्रकाण राजहत प्र म ६२५

~ना इनिहास सरल बच्ययन गुप्ता, एस सी '' य≇हस प्रम ३०० से ११००

भारत का ऐतिहासिक चमविकास एव प्रत्य प्रवध- विवेकानदः । स्वामी श्रीरामकृष्ण १३०

-का मुगोल · सरल मध्ययन गुप्ता, ईश्वरीत्रसाद

राजहस प्र म = =0

-- ना भौगभिक प्रध्ययन नेगी, बनवीरसिंह हि प्रचा पु 14 00

-का राजनीतिक इतिहास, १७५७ १६६० रामकुमार सधो स २ हि प्रचा पु

-का राष्ट्रीय प्रादोनन मामरी, चडप्रकास प्रम ४००

-का राष्ट्रीय ब्रांडोलन तथा सावैपानिक विकास मित्रा, रबीदनाय लोहमारती १२००

--- का राष्ट्रीय बादोलन, सर्वधानिक विकास एव सविधान परमात्मा शरण सशो स ३ रस्दोगी

--- ता राष्ट्रीय भादोशन सरल सध्ययन काशीनायसिह कमल प्र ३००

—का वाणिज्य भूगोल धवदाल, धमरनारायण रा बेनीप्रसाद ३००

—का सपूर्ण इतिहास दामी गोफीनाय दिवसाल ७००

— का सर्विचान परि स ३ प्र विमान —का सरियान राजहसाय मा ४००

-का सविधान बरोबा, पूर्णचत्र, सम्रा सको १६६३ पहुंचा \$0.00

-का सविधान सरत प्रध्ययन थीरकेश्वरप्रसादीसह

कमल प्र १६०,२२१ -का सर्वधानिक इतिहास तथा शच्दीय प्रादीसन सिह.

धार एन प्रकेंद्र ६७४

--का सरत मूगोल प्रद्वात, एल सी मुरारी ३ -०

-का सरत वापिक मूगोल भूगोल २ ४० —का सामाजिक कार्ति उपाशिय रामजी रा वेनीमध्यव

800 -की माधिक सवस्याए पाटनी, भार एन संशो स २

राजीव, मे ५ ५०

--को चित्रकता रायक्रणदास मा भ

--की प्रतिनिधि कहानिया समी, नलिनविकोचन सपा पू म --- वीप्रमूस फमलें टडन के एन रामप्रसाद

-- की मौगोलिक समीका यौड, कुपाशकर सबी स

हि प्रचा पुँ १५०० -- को महान विमृतिया श्रवड १००

- की बितीय सामन स्ववस्था वर्मा, पूनदेवयहाय

केंद्रीय हिंध मध्

—नी विदेश नीति दार्मा, यीराम नि घर, ग्वा ८०० - सी विदेश नीति सुधीर, वेददान जैन पु म ७ ५० —नी विभृतिया धीनानाय 'शरण' नवयुग य थागार

--को सवाम पद्धति रपुवद्यी, बीरेंद्रॉमह कुनचद

—की सस्ट्रित भौर कला मुङ्जी, राधातमन राजपान

₹₹ 00

मारत की सब्जिया यादव, ए एस " कैलाश पू स की समाज व्यवस्था तोमर रामिक्टारीसिंह थीराम मेहरा ७ ५०

-की सामाजिक संस्थाए सोमर, रामविहारीसिंह थीराम

मेहरा १००० --- के कुछ शिक्षा दार्शनिक चौते सरयुप्रसाद रा वेनीमायव

—के कातिकारी गुप्त, मन्मयनाय हिंद पा (पा)

---के बदरत्न राय, बहादेव राजीव, इ १ २४ —के महान ऋषि वानप्रस्थी प्राणनाथ स २ राजपाल

-के महान ऋतिकारी व्याम सत्सनप्रमाद गगा

के रत्न विरिजादयाल गिरिश नवपुग प्रधीमार

-- गौरव रचुवीरझरण मित्र भा सा म २०० -बीन और उत्तरी सीमाए लोहिया, राममनोहर

नवहिंद २०००

-जानकोश (वापिकी) भवनीप्रकुमार विद्यालकार, सपाहिद्या (पा) २००

-दुरंशा भारतेंदु हरिश्चत सपा भूषण स्वामी हिं सा

--परिचय नकसो मे भादर्श राजकमल ०७४ —पाक बुद्ध १९६५ भारो, इच्लदेव रमन प्र, ब

--- पाकिस्तान चीन समस्या देवशीनदन विभव कि चन

—, बारतवर्षे का विस्तृत भूगोल चौहान, बीरेंड्रसिंह

सशो स २ रस्तोबी —भूमि जिदाबाद स्थामसुद्रर शक्ति प्र १७४

- में बार्विक नियोजन क्य राष्ट्रीय बाय मित्तल, एस सी प्रसादप्र य २ ५०

-म बाति हट्टन, वे एव मोतीलाल

- मे नये बाटों का सुरब रेडी रेकनर प्ररोडा भानद-

प्रकाश कि घर, जो ३००

- मे निवय विता सिदांत एव व्यवहार सबसेना, एस

सी घाषरा दुक १००० —में प्यापती राज स्पेशवह शास्त्री कृष्ण व ७००

-मेपचायती राज सान्यास, प्रवेदनाय नेपनन

- म कल तया फूनो नी खेती लवानिया, मुरारीपाल

स ३ सिघल १०६२

—से मुद्रा भीर बेंकिंग का विकास मिध्र भवधविहारी हि समि ४००

-में बाताबात मिद्धात एव व्यवहार गौतम, सुधाकर

राजीव में ७०० —मे राजस्व के सिडात एव व्यवहार शर्मा गुरवप्रभाद

मानकचद —मे वैद्यानिक समाजवाद ज्ञानपीठ ११०

- भारत में शिक्षा की वर्तमान गतिविधिया निगम, विश्वनाथ"" जबनपुर प्रगु२ ४०
- में समावदास्त्र, प्रजाति ग्रीर संस्कृति भट्ट, गौरीवकर सा सदन, दे १५००
- —मे सहकारिता द्वादोलन महेशचद रा बेनीप्रसाद 200
- मे सामुदायिक विकास जीहर सुरिद्रसिंह यून्टिटी म सामुदायिक विकास विजयप्रतापित रा बेनीप्रसाद \$0 00
- मे स्पानीय स्वशासन का श्रालोचनात्मक श्राध्ययन
- केशवप्रसाद मा भवन ४०० - मेरा देव धिल्डियाल रमाप्रमाद पहाडी रा
- वेनीप्रसाद २००
- मारतवर्षं का इतिहास रितमान्सिह नाहरं कि महत्त
- का बड़ा मानचित्र भूगोत २३०
- -का भूगोत मिश्र, रामनारायण, सपा भूगोल ३००
- —काभूगोल वर्माके एन जवलपुर प्रयु २ १० — हा राजनीतिक तथा सास्कृतिक इतिहास श्रीवास्तव
- प्रादीवीदीनान २ मा शिवलाल १००० —की खनिजात्मक सपित (चाट सहित) शमा, निरञनलान
- भूगोत २२४
- मारतवरीय प्राचीन चरित्रकोश चित्रराव सिद्धश्वरशास्त्री भा चरित्रकोश ६०००
- मारत सम्राट समुद्रगुप्त धूमकेतु वोरा ६ ५० भारती नेदारनाय लाभ भा भवन ३००
- भारती द्विवेदी, रामवयन ग्ररविंद विद्या प्रचारक बुक
- डिपो, कचहरी रोड, गया ०५० भारतीय भव्दकोग १६६५ वि राष्ट्र ६००
- -- प्रयेशास्त्र गग प्रानदस्त्रक्त्य सशो स ३ राज्ञहस प्रम ६५०
- —भर्षशास्त्र तेला एस सी स ५ कृष्णाव १३५० -- प्रयशास्त्र देराथी, सत्यदेव सञी स ४ सक्यी
- ना १२५०
- सयशास्त्र नवलशियोर सिंह भा भवन १६५० - प्रयशास्त्र पाटनी, पार एल सन्नो स २ राजीव, मे
- 7 40 - प्रयंतास्त्र दोस, यंलेशकृमार मा भवन भा १
- ६७५, मा २ ६५० —प्रयंगास्य भित्तन, एस श्री घोरियन्टन पब्लि
- -- प्रयंतास्त्र दार्मा, हरिश्चद्र सा भवन, धा - प्रयंतास्त्र महतेना, एम सी सत्तो स ३ नवपुण सा
- संद्रा ७०० - प्रयंगास्त्र दर्शन गौड, कृपाशकर रा बेनीप्रसाद
- मर्पपास्य सरल मध्ययन राजनियोर नमन प्र २ २५ —शासिक समस्याए एव वृथ्ठपूर्ण दुसथेष्ठ, एव एवं स २ रामप्रसाद २ ४०

मारतीय बार्य माचार्ये बार्ण्य, लक्ष्मीसागर हि समि १०५० -इतिहास की रूपरेक्षा शीवास्तव, यलराम चीलवा २ ४o ─इतिहास सरत अध्ययन उपाध्याय, मिदिलेशचद राज-

220

- हस प्रम २२५ से ४५० --- उद्योगो ना सगठन, प्रवध एव वित्त गुप्त, बी एन सा
- मदन, धा ─ऋत्विज्ञान लोहनी, भारकरानद हि समि ४५०
- -ऐतिहासिक बीर महापुरुष हुनुमानदास 'चकीर', नवयुग ब्रयागार १०० ---कपनी अधिनियम धत्रदास, बी एन स ४ तवपूरा सा
- सम्बा३७४
- ─क्सा अग्रवाल, वासुदैवशरण पृथिषी प्र २४०० -- कला एवं संस्कृति स्यामप्रकाश रवीद्र प्र, ग्वा ३ xo
- --काव्य दर्शन पाडेय, फूलनद, सम्रा चित्रगुप्त प्र ४ oo ~काव्य धारा चित्रगुप्त प्र Y X०
- -काध्व में छायावाद निश्र, गगाधर पुस, वा २ ५o - किकेट के नवरश्न शर्मा, हरिमोहन वोरा २ xo
- —संती नया युद त्रिवेदी, प्रवित प्रभात प्र
- -पामीण समाजवास्य द्यमां, रामनाय द्योरियन्टल परिक १२ ५०
- चित्रकता का इतिहास वर्मा, ए बी प्रशास बुक १४ oo -अनता एव सस्वाए तोमर, रामबिहारीसिंह श्रीराम मेहरा \$0.00
- -जनता तथा सस्याए भुकवी, रवीद्रनाथ सच्ची एवं परि
- स ३ सरस्य स --- जवानो क्षी सलकार हरेंद्रदैव नागयण दिव्याक्षोक प्र
- -तत्व दर्शन भट्टाचार्य, ब्रुष्णपद मार्ग दर्शक ३००
- —तत्व विद्या संघवी सुखलाल मातीलाल ३०० -- तथा पाश्चारव रगमच चतुर्वेदी सीताराम हि समि
- —तकंबोध ज्ञान मीमासा भा, प्रतिरुद्ध मोतीलाल १२४
- तर्वधास्य तथा ज्ञानधास्य वर्गा, प्रधोरशुमार मोतीलाश
- -- दह सहिता बर्मा, देवधारीप्रसाद पहुजा १२ ०० दर्गन उपाध्याय बलदब चीखदा १०००
- -दर्शन मित्र, उपश मशो स २ हि स**पि**
- --दर्शन रावाकृष्णन्, सबंपाली राजपाल पूर्वापं रेथ ००, उत्तराध
- --दर्शन का परिचय विवासी, रामानद 'भारतीनदन' मा
- ---दश्चन की कहानी पाढेंग, सनमसास या बेनीप्रमाद 7 00
- --दर्गन की मुमिका निवारी, रामानद 'मारतोनदन' मा.
- मदिर ७००
- ~दर्भन की रूपरेखा हिरियन्ता, एम राजकमार १२००

भारतीय दर्शन परिचय ल १ न्याय दर्शन स २ वैशेषिक-

दर्शन भा, हरिमोहन पु म --दर्शन सरल परिचय चन्टोबाध्याय, देवीश्रसाद राजकमलः

६०० - नगर विद्यार्थी संसित्यसाय राजकमत ३४० --नीति का विकास पार्वेय, राजकली वि राप्ट्रं ४०० --नीति दास्य का इतिहास भारोय मोखनसाल हि समि

२००० --परपरा चतुर्वेशे, महेद्र श्रनु केंद्रीय हि २५० --परिवहन को समस्यायें और मिखात नागर, विष्णुबत्त

कैनाश पु स

---पशुपरी भूगाल २०० ---पुरालिपि शास्त्र बुदलर मोतीलाल

-- फिल्मों का दाविहास करणा सकर राजूमि -- मापामो का मापासास्त्रीय धम्मयन वर्षा, अजेस्वर

मा १ विनोद २००

— मापाय मूनोल १ २१
 — भूनोल सरल प्रव्ययन गुप्ता, ईश्वरीप्रसाद राजहस व

- मनोविनान अत्रय, पी एल मोतीलाल ६०० - मुनलों नी सैन्य-स्थवस्या इरविन, विसियन आदश हि

--राजदास्त्र प्रणेता पाडेय, स्यामताल हि सबि --राष्ट्रीय भारोतन शय हरिहटप्रसद मा भवन ४०० --राष्ट्रीय भारोतन एव सबैपानिक विकास निवती राय-

राष्ट्राय मारांतन एवं सवधानक विकास विवास कार्या नरेग मोतीलाल
 राष्ट्रीय मारोजन भौर सायुदायिक विकास विमलेश

---राष्ट्राय साराजन व सन्मी ना = ५०

—राष्ट्रीय प्रारोतन सरत प्रध्ययन राजहस प्र म ३ १० —सोक कवाए पिरिडयाल रमाप्रसाद 'पहाडी', सपा रा

बेनीप्रसाद ४०० - सोरजीवन प्रौर नासन व्यवस्था मितल, नेमिश्वरण सधी

स ६ रामहस्य प्र म ५०० —वैगानिक क्यूर, स्थामनारायण सना स सा नि का ६००

—सासन राय हरिहरप्रसाद भा भवन ४५० —गासन एव राजनीति का विकास परमातमा सरण सशी

न्यासन एवं राजनाति को विकास परमात्मा शरण म २ रस्तोगी

—शासन भीर तमना विकास राम,हिस्हिरप्रसाद वा भवन —शासन भीर राजनीनि के सौ वय सुयीलवह सिंह साबी १०००

—गिगा बाधूनिक नात बीर्देडहुमार विह सापना म

-- रिमा दी प्रापृतिक समस्याए (प्रस्तोत्तर) भारहाब, दिनेपचड वितोद ४०० मारतीय शिक्षा की वत्कासीन समस्यार्थे पाठक, सुरेशप्रसाद रस्तोगी

—शिक्षा की प्रमुख समस्यायें दीक्षित, उपेंद्रनाथ राज बुक

— शिक्षा की समस्याएं मीतसः मुनासासः रामा पन्ति — सरोजन य समाजनाद धीय नारायण सस्ता ३ ५०

--सविधान और नायरिक जीवन सरल श्रष्ट्यमन वीरकेश्वर-श्वसद सिंह कमल प्र २ २५ --सविधान तथा नागरिक जीवन (राजनीति) गुस्त, राम-

—सावधान तथा नागारक जावन (राजनाति) गुप्त, राग नारायण कि यहल ४७१

—सविधान तथा राष्ट्रीय झादोसन, भामरो, नद्रप्रकाश राजहस प्र. म. ७ १०

-- सविधान तथा राष्ट्रीय ग्रादोसन सरन प्रध्ययन रस्तामी, द्याप्रकाश राजहस प्र म ६००

—सविधान सरल मध्ययन रस्तोगी दयाप्रकाश राजहरा अ स द द००

— सस्कृति मट्ट, गौरीशकर सा सदन, दे १७ ५० — सस्कृति सहाय जिवस्वस्य गग व ३००

—सङ्ग्रित धौर साधना गोपीनाथ विदर्शन मा २ वि सञ्द्र ७ ००

 सरकृति का इतिहास सरल अध्ययन रस्तोगी दशप्रकाश राजहस प्र व ६००

—सस्कृति की रूपरेखा शस**ड** २००

—सस्कृति के स्थापी स्वर वास्त्यायन, सन्विद्यानद हीरानद प्रजब राजकवल —सस्कृति यौतन से वादी तक लोहनी, भास्करानद भाग-

चित्रकार वादाव से वाचा तक लाहुना, भारकरानय भाष-ह्यवन. ६ ०० —समात्र एव सस्कृति तोमर, रामविहारीसिंह श्रीसम मेहरा

५ १०
 समान एव सस्कृति (भारतीय जातिया) सरस प्रध्यमन

गोयन, मूलवद राजत्त्व प्र म ४०० — समाव एव संस्कृति (सारतीय जनतच्या) सरल प्रध्यपन

गीयस, मुसबद राजहस प्र म ४०० —समाद मोर सस्याए सरल ग्राप्ययन ग्रानदशकाश राज-हस प्र म ४४०

- वनान, संस्कृति तथा संस्थाए तोनर, रामिहारीसिंह श्रीराम बेहरा १२ ४०

-वाधना और सत बुतसी मायुर, हरस्वरूप सा नि , ना

- श्रामानिक व्यवस्था तीमर, रम्पविद्यारोसिक श्रीराम मेहरा

—सामाजिकसयठन स ३ मुक्बों, धार एन प्रकाश बुक ३ १०

-साहित्य ना इतिहास वेवर, घल्वर्ग कि यहल

—साहित्य-कोश नगेंद्र, सपा राज्यमन

—साहित्य, तुननात्मक सञ्जयन थमा, वजेरवर प्रधान सपा किनाड

—साहित्य धास्त्र देशपाडे मोतीलाल १२ ५०

भारतीय साहित्य बाहत्र ग्रीर काव्यालंकार. व्यास, भीलार्वकर. चौखवा. ५.००

---सैन्य पद्धति का इतिहास- टहन, बी- भार- के-"

प्रकास युक ७.५०

--सैन्य-विज्ञान बुलथे बठ, रमेश्चचंद्र " संशी. स. २-चद्र इ.२४

- स्त्री शिक्षा भट्टाचायँ, वेलारानीः मार्गं दर्शकः १०० भारतेंद्र हरिस्चद्रः वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागरः संशोः सं. ३ साः

भवन, इ ७.५०

--हरिदवद धर्मा, रामदिलास राजकमल. ६ ०० मार्शव-काव्य मे प्रयो हरन्यास. रस्तोगी, उमेचप्रसाद. चौलवा.

मावप्रकाशनिषद् भाव निश्नः चौलवाः ६.०० भावरम लहरी मद्द, बलवतराय मुलाबराय 'बाबरम'.

मोतीवाल. भाषा. पील्ड, ब्लूम मोतीलान.

मापा लोहिया, राममनोहर तवहिंद- १००० -- श्रीर भाषिकी. द्विवेदी, देवीशंकर- लक्ष्मी ना. ५.००

-- ग्रीर संवेदना चतुर्वेदी, रामस्वरूपः भाः ज्ञानपीठः -- भौर साहित्य- वारान्तिकोब- हि- प्रचा- पु ५ ००

-- वा इतिहास भगवहत्त. स ३. इतिहास प्र म म.००

-- ज्ञान भीर निवध रचनाः पाठक, बद्रहस''' चिन्मय 8.80

- प्रेमरस दोल रहीम. क मृ. हि.

—भूषण, गौड, राजॅद्रसिंह, ग्रद्योक प्र. व. लोकः बृहत्तर सस्करण सुशीलकृषार सिंहः बालोकः

—विज्ञान. ग्रंपवाल, ग्रार. हो. प्रकाश वृक. ८०० -- विज्ञानः शर्मा, देवेंद्रनाच राधाकृष्णः

-विज्ञान के सिद्धातः सूमनः नवचेतनाः ६ ५०

- बिज्ञान पर भारण, जोशी, हैमचढ़, हि. समि. ५.०० -- विज्ञान : दिकास भीर विदलेवण रावतः चह्रभानः सरस्यः

पू. स १२.५०

—राध्दन्कोपः शुनन, रामशकर 'रहाल'ः राः बेनीप्रसादः - ग्राह्त प्रवेशिका, धमरवहादर सिंह 'श्रमरेश', रा. वेनी-

प्रसाद. ६.०० -- शिशण की नवीन विधियां, धोड, एस. के. विद्या भवन, उ. 1.02

भास के नाटहों का द्वास्त्रीय ग्रध्ययन, दीक्षत, धार्य बुक-

भा. सा. भ गेवा साधना तुकडोजी बहाराजः श्रीनुब्देवः

मिसारिनः ग्रोमा, जनदीश 'सुदर'- ग्रशोरू प्रत्म-

मिति-चित्रः श्यामी, स्वीद्रनायः राजकमनः मिनगार, विवेशी, भट्टभूषण 'स्यर्ट बाहा', माकेत है-२% भीनी-भीनी भाव गधि, स्याम, कृष्णानद 'विद्यास', वैभास-2.00

मील : भाषा, साहित्य भौर संस्कृति जैन, नेमीचंद हीरा-भैगाप्र ५.००

भवन-कोप. भूगोल. १.०० —विजयम् उमाधकरः सं ३. मा. यं. ति. ६.००

भवनेस्वरी निरयाचेन क्ल्याण मं. ३.०० मुँस की ज्वालाः दुर्गाशंकरप्रसाद सिंह 'नाय'. नव साः मंः

१.२३ भूगोल- मुरेशप्रसाद भा- भवन- ६.५०

-एटलस. भूगोन. १.५०

— चित्रावसीः भृगोतः २५० -- चब्द-कोप. भूगोल. २.०० —चिक्षा पढितः भूगोलः १.००

मूचास- गुप्त, राजेश- देहाती- १.५०

मृत के वाब वीखे. वरसाई, हरिशंकर, सिहल सा. २ ५० मू-तत्व (प्राकृतिक भूगोल). भूगोल. ४.००

मू-परिचय भूगोत. ३.००

मु-रूप विज्ञाने एवं भु-स्वरूप विद्यान, प्रतापितः हि प्रचाg. 20.00

भूस पर भूत. होश्सपियर, दिलियम. उमेश. २.०० मूले विसरे वित्र. वर्म, मगवतीचरण राजकमल. १३.००

भेडिये की बारातः सियारामशरणप्रसादः कला भाः ०.६२ भैरव विवास-वैद्यनायः धर्मा, एनः एनः मोतीनालः

भैरवी चत्रपूजनः संत्याण यं. १.००

भेल सहिता. वेला, घाचार्ययी. चौतवा. १०.०० मैयन्य करपना विज्ञानः धान्तहोत्री, धवधविहारीः चौतंबाः ।

-सिहता, भागम भीर प्रत्यक्ष दृष्टिः भ्राग्निदेव विद्यालकारः

हि. समि ४.५० भोजन कब बीर कैंग्रे. गुप्त, सुद्धनाय. साकेन. ४.०० भोजन-विधि (पय्यापय्य) पाठक, केदारनाय स. २.

व्यागमदर २.०० भोजपूरी: एक समीक्षा- दुर्गार्शकरप्रसाद सिंह 'नाम' नव

सा. मं. २.००

—के कवि भीर काथ्य. दुर्गाशंकरप्रसाद सिंह 'नाप'. नव सा-

म. ४.५०

- सोक गीत में करण रस. दुर्गाशंकरप्रमाद गिह 'नाय'.सं. २. नव सा. म. १०.००

मोज, भोजपुर भीर भोजपुरी प्रदेश, दुर्गाशंकरप्रसाद सिंह

'नाष'. नव सा मं ३.०० भोरकठ बुध, सखपाल दि पु. स. ४.००

भोर की जमुश्रह्यां. समितिहु 'बजेश'. नव व्योति प्र., भाः

—से पहले. धम्तरायः सर्वनाः २.००

भोसी मासी- माधना प्रतानी (बाहमीरीसांस घोभा). नवपुर

भौगोतिक शब्दकोश धीर परिश्रापार्वे रपूर, प्रमरनाय, हि-महत्त्र.

भौतिक भूगोल सरल प्रध्ययन गुप्ता, ईस्वरीप्रसाद राजहस

प्रम ४४०

—रसायन शास्त्र लन्ना, जयकृष्ण राजहस प्र म ५०० —द्यास्त्र गर्ग द्यातिप्रकाश साञ्चल प्र म १२५ -- बास्त्र म नया, नयो, कैसे ? विरी, राजेंद्र राजीव, मे

-- ज्ञास्त्र में वयो और कैसे वैश्य, चमनप्रकाश राजहस प्र # 155

-- शास शरत यच्यवन नगे, शासिप्रसाद २ या राजहस ब्रम ३७१ (प्र) भौतिको एव रासायनिक सणनाए श्रीनास्तव

—परिवय मेहरोत्रा, एस के Ⅲ २ राजीव से ३६० भ्रम की दीवार सियारायसरणप्रसाद सा व २०० भ्रमरंगीत सार शर्मा, राजनाय सपा विनोद --सार शुक्त, रामचद्र, सपा सनो स १३ वा सेवा स

200 भ्राद्रपद मास माहारम्य शर्मा जगन्नाय देहाती १ १० मनल दीप पटेल, पीतावर ब्राह्माराम ३०० युग दामी, ज्ञानस्वस्य मगलताचा १०० -- सूत्र मिलल, महेद भासाम ५०० मालाचरण घमुतराय, सपा सर्जना १५ ०० मगसिर माहारम्य धर्मा, जयन्ताव देहाती १५० मजिल गीड, दर्जेंद्र एमके २०० --दर नहीं वर्मा, रविशेखर प्रयोली ४०० मन्या धमृतराय, सपा हस ५००

मजुपा सुपासर, दे एव विवेक २ ४० मजुपा वयन समुखराय प्रेमबद हस ५०० ममयार पाडव, सिंबदानद नवयुव ब्रवानार ३०० गत्र भीर मात्रामी का रहस्य, तत्रानुसार अवस्थी सिवसकर चीलवा

मत्रकोष कत्यागम २०० मनसिद्धिका उपाय कत्याण स २००

मदिर वा कलग श्रीवास्तव प्रेमस्वरूप रा वेनीप्रसाद १२० मवही व्याकरण कोश पर्याची सम्पति हि सा स

मष्ठती गरी हुई चौघरी राजकान राजकान ५०० मटभैने पृष्ठ राजेंद्रपास सिंह राज्यकी २ ५० महरा या छाछ के उपयोग समी प्रवासीकाल स २ स्थामसुदर १००

मही का दीवा गुरुदयालसिंह राजक्रमल ५०० मणिपुरी नृत्य प्रकाशनारायण वना व , इ १०० मणियाला भारत सुबना भीर प्रयास्य मत्रालय, प्रवाशन

विभाग प्र विभाग

मतिराम बर्षावली निय, कृष्णविहासी ना प्रसमा मत्स्य प्रदेश की हिंदी-साहित्य की देन गुप्त, मोतीलाल. राज

গ্নাব্দবিয়া

बदुरा की बीनाक्षी अक्ल, बनुष्नलाल समेश २०० मघकरी थ्यास विनोदशकर, सपामा ३-४० पूम, वा

300 (8) मधुक्तम्य हरिवशराय 'बच्चन' हिंद पा १००

मधु के उपयोग पाठक, कैदारनाप स ४ श्यामसदर १०० —के गुण तथा अपयोग दीक्षित रामानेही देहाती २ ५० मधुमय सदभ योबिददास, सेठ "प्र प्रतिष्ठान ३२०० मधमालवी वार्ता कृप्त, माताप्रसाद सवा ना प्र सभा

मधरवनी शर्मा, रामगोपाल 'दिनेश' राज सा मका

मधुर मिलन धारोडा, समरजीत चमनसाल २००

बबुरिया गाडेय हृदयनारायण हृदयेग' स र हृदय म

बच्च एशिया के खरीव्ही प्रमिलेखों से जीवन वर्मा, उचा मोतीतात ३००

मध्यकासीन काव्य विनयकुमार मा भवन ४२४ —भारत त्याबी, महाबीरींबह राजीब, मे ४ ४० से

—मारत (१००० १७६१) रस्तोवी, बयाप्रकाचा स २

राजहसंत्र सं १००० —बारत सरल बध्यवन युष्ता, एस सी राजहस 🖩 म

₹ 20 世 € 00 -- सत साहित्य पाडय, रामखेलाबन हि प्रचा पू १५ ०० -हिदी काव्य की ताविक पृथ्ठभूमि जपाध्याय, विश्वभरनाथ

शा भवत इ -हिंदी सत विचार भीर साधना चौरसिया, केवनीप्रसाद.

हिंदु एकेडेमी १५०० मध्यप्रदेश में सहकारी भादोलन सुचना तथा प्रकाशन, मध्य-

प्रदेश, भोपान - सहकारी सस्याए ग्राधिवियम, १६६० जिदल, मदनलाल

स ३ राजकमल —हाबर सेबन्ड्री प्रयंशास्त्र की स्परेखा गर्ग, ग्रानद-

स्बस्य राजहस्य म ६५० मध्ययूगीन भारत, १००० से १७०७ ई परमारमाद्यरण

—हिंदी कृष्णमनित धारा ग्रीर चेताम सप्रदाय श्रीवास्तव,

मोरा हिंदू एकेडेमी मन के गीत मिथ, शिवधकरलास मंशिताम, स मनवन्दावन लक्ष्मीनारायणलाल नेजनल ४०० यनु नो समाज व्यवस्या दुवे, सत्यिमित्र कि महल ७००

मनुष्य ना मृत्योकन श्रसद १०० —को उत्पत्ति भीर मानव जातिया सान्याल, भूपेंद्रनाथ

नेशनल ३५०

—मे ईस्तर की माकी **यस्तर १०**० -- सर्वेशिय भीर सफल जीवन कैसे बने गीता मनोरमा राजमन्तार, यो वी नेशनस २ ५०

मनोविज्ञान वरिट, हैनरी ई एसाइड १६०

मनोविज्ञान को ऐतिहासिक रूपरेखा खायसवाल, सीताराम

हिंसमि १३०० —केक्षेत्र लुबा, राममूर्ति हिंसमि ७५०

के दीन तुवा, राममूर्ति हि साम ७५०
 त्त्रपा शिव सकल्प प्रात्मानद, स्वामी हुरवाणा ३५०
 मे प्रारम्भिकी साख्यिकी श्रमशाद हसेन मोतीलाल

३५० --सप्रदाय पादेय रामराकल रामप्रसाद ४००

मनोव्यया पाढेय, हृदयनारायम 'हृदेर्दा' हृदय म ० ५० मन्मी विगर्वेगी द्वारकाप्रसाद उपन्यास प्र मरकत द्वीप का स्वर हृदिदशराय 'बच्चक' राजपास ५ ०० मरघट का मुर्श वर्षा, परिवृर्णनद सा नि , वा १ ५०

—की राख सस्यद्रप्रसाद बिंह 'ग्रहण' नीलग्र स्टोरी १ ५० मकहूत का रंग स्थल मित्र मदनमोहन कि महल सरसी का सामिक सामित्र इतिनास १६०५ हो १६००

महाठी का भावनिक साहित्य, इतिहास, १८०४ से १६५० देशपारे, भी गो नवपुत्र बुक्त्यान —हिस्स्तानी कीश बीरपदे, बामनराव स्वाध्याय २००

मराठों का इतिहास (१००० ई से १७४१ ई तक) इक पाट शिवधर १२०० —का उत्कर्ष तिवारी, रमेश चौलवा १२००

--का उत्कर्ष राताबे, जस्टिस मोतीलास १२०० महरूतता मन-प्रवृत्त की समस्य चरणपूर्वी स्वास्याय २०० मक्त मयक महर्षि, श्रीकान्ह कि यह जो २०० ममें विज्ञान पाठक, रामरक्ष चीलवा ॥ १५०

मस्तवपू पर्मरक्षित, मिसू नद व २०० महाल कल की सुनन, पमदुनार सुनमा सा स महीन पुत्र को कहानी कातिमोहन सुन रावपाल २०० महीनिय्द नर्देशनाय देहानी २५ ५० महतनाय चारण मस्तनाय देहानी ४००

महत्त्वपूर्णं शासन प्रणातिया सुशीतचद्र सिंह साथी १००० महर्षि दयानद् गुरुदतः भा सा सदन

--द्यानद भीर महारमा गामी धर्मदेव विद्यामार्वेड हरयाणा २०० --देशानद का जीवन वेदवागीस, वेदानद हरसाणा १५०

महाकवि कानियान सुगीतकुमार उमेश २०० -- वानियान और उनका समिजान शाकुतल विपाठी,

कृष्णवान सा नि , वा २ ७५ — वी साहित्य-साधना गुण्ड, सुरेशवह रीयस — जायसी स्वक्तित्य एव वित्रव वर्मा वरमेऽवरदीन

—आयसी, व्यक्तित्व एव इतित्व वर्मा परमेश्वरदीन नवपुग पु भ

—दिनकर दर्वशी तथा धन्य कृतियां जैन, विमलकुमार भासा म १५००

—नदरास प्रयुवान, यदि बैनाय व २७५ —निराक्षा, बानकी बल्लम सास्त्री, सपा अवशिव एव

निराभानि —पन वर्मा, सयकाम मा प्र,दि

—प्रसादः वर्गा, सरपहाम भा ग्र , दि

महानवि विहारी की धमर-कृति विहारी धवसई रामी, देवेंद्र 'इह' सन्नो स ३ विनोद

— सबमूति राव गगासागर चौलवा ५००

 सुब्रह्मच्य बारती एव महाकवि सूर्यकात त्रिपाठी निराता के काव्यो का दुननात्मक श्रष्ट्ययन अपरामन, पी हि सा भ. २०००

 मृरदास धौर महाकवि पोतना दक्षिणपूर्ति, एन एस हि सा भ २०००

—सूरदास, वृतिया और कला वर्मा, परमेश्वरीदीन "

नेवयुर पू भ —हरिग्रीय गुष्त, हुबमचद प्र प्रतिष्ठान

—हारक्षाव पुज, हुबमचद प्र प्राय-कान —हरिक्रीय वा प्रिय प्रवास केसरी कुमार मोतीसाल २२५ महाकौदाल के सरण ब्रजभूषण भादरी पारिजात प्र, सा

३०० महाराग गाणी एक जीवनी नंदा, वी मार सस्ता ५०० महादेवी ममिनदन यथ पत, सुमित्रानदन सोकमारती

३२०० —का वेदना-भाव खडलवातः जयनियनप्रसाद सर्गो स २

विनोद ५०० — वितन व कसा मदान, इद्रनाय, सपा रामाकृष्ण ५५०

-वर्मा कुमारविमत पराय प्र १५० -वर्मा प्रश्नित्त यथ देवदश बाहमी, समा श्रीघर शाहत्री,

प्रयाग --वर्मा घोर 'स्मृति की रेखाए' शर्मा, राजनाय विनोद

महानवर सित्र, नरेंद्रमाथ धनना ३०० महानता का मर्म तिवारी, रामानद 'मारतीनदन' मा मदिर.

महान् दारीनिक डॉ राधाकृत्यन धनत, म अ प्रेम प्र

- नेहरू वर्गा, ताराचद विरमय २ ५०

-वैशानिक मुले, गुणाकर राजकमल ३००

—शिक्षा वास्त्री निगम, शिवनाय जवलपुर प्र गृ २०० —शिक्षा वास्त्रियों ने सिद्धात रस्त, बार बार विश्व-

विद्यालय महापुष्य वेदप्रकाश 'टोरी' नदीनतम १०००

सहायुष्य बदप्रकाश दिश्रा नक्षानतम् ६००० सहामारतः का बाधनिक हिंदी प्रवन्य काम्या पर प्रभाव

महाभारत का बायुनिक हिंदी प्रवन्य काम्या पर प्रम विनय सन्मार्ग २०००

-वाबीन समान महाचार्य मुलमय सोवमारही २४००

—को नारी सवासकर, वनमाताः प्रमितव २०००

—वीश राय, रायनुमार घीएवा २०००

बहा साहज १५०० -भाषा जयगोपास देहाती १२००

--भाषा जयगोपास देहाती १२०० महामना ग्री पहित मदनमोहन भी मानवीय रे तेग्र भीर

हामना का पाड़्य मदनमाहन का मातवाय र ताप धार आधन गरूमन बागुदेशारण मासवीय, मदनमोहन मा १ बागिय मा जमदाती समारीह समिति, बासी हिन्दू

विस्वविद्यालय, वाराणशी

महामानव रापी मुजेदेव मार्थ सा १०० महामानवदुद राहुत साहत्यामन महावीधि २५० महामूर्त सम्मेतन वाका हायरती सुबोध पा (पा)

१०० महायात्रा गाया (रैन थीर चटा) रागेव राघव वि बह्ल

१६०० महाराजा मत् हिर नाटक न्यादर्शिह बेचैन देहाती ११० महारानी प्रहित्याबाई श्रीव्रटण 'सरत' जबलपुर प्र ग्

२०० ---हुगांवती वर्षा, वृ वावनलाल मयूर महाराष्ट्र का हिंदो-लोक काव्य दिवाकर, कृष्णजी गंगायर

हि सा भ ५०० महायतो यमेरिशतः भिन्नु महायोधि ०७५ महायते वर्षमान जीवन मोर उपदेश जैन सा महासति स्ताबाद महलोई सलावद्या विष्णुराम सुमलाकर

म्हासात सुरावाद नकना क त्यानको त्यानुहान कृष्ण मण्ड माहास्तर वह पूर्वील १२६ —एटवाद मुगाल १०० —हैसादिनी बाबदी मुगोल १०० माहास घटाव निर्देशनारामा पिरोण' सा मक्स मा गोर्डी, मेहिसा हिंद या (या) २०० —सालस्त्रयो बनालाल सी सी सालस्त्रमी २२० —सालस्त्रयो स्वालाल सी सी सालस्त्रमी

— ग्रीर मुना जुत्सी, मोहनी साक्तेत १०० — की उदासी ग्रीमीलाल 'इलाहाबादी' राष्ट्र श्रवा , इ

१ ५० --- शी मनता, यानी, योगराज आर्थ बुक २०० मोन का सिदूर बोहरा, मनलदक्त 'साथी' वि यर, जो

३०० माह्रकाप्रयचन श्रलहानद सरस्वती, स्वामी स २ सस्ताहित्य

मास्त्रताल चतुर्वेदी व्यक्ति ग्रीर काव्य तिवारी, राम-

िकतावन अनुवान १६०० मान्य महत्त्वर पर्या, जनावा देशुली १४० मार्टी की गुडिया गुडल कमल दिन य ६०० —के भीव —कीने की नीम मिन्न, मामान्य राजकमल —जागी दे मिन्निहोंनी मान्यदे अस्त्याराम २०० मावर्ज एच्यावड्डी मयुरायानी देशुली ४४० —कीन-सार्ट कोने रीपाल्यानश्वरात्व विक्र स्वाने

- कीन-सुदर कीन ? राधिकारमणश्रसाद सिंह बासोक श्रे १५०

--- सोच इन्हर्म बासीवरण देहाती १०५० मातामो मीर शिद्यमा के रोगा की रोकयाम बर्मा, दिनेश्वनद्व,

प्रतु केंद्रीय हि ४०० माता रिना घीर बच्चे सुराणा प्रतापसिंह दिवा सबन, स

४०० मानु उपासना बल्याच म २६०

मानृ उपासना वरसाण म २६० —काभेद सत्र वरुयाण म २६० —दर्गव माईबी श्रीश्री मानदपयी २१० ग्रातुष्पाण ग्रिमण द्विष्णा, के वितोद ६०० मातुलीया पर्शारत थी थी मानदर्मा १ २० मातुलीय प्रशीरत थी थी मानदर्मा १ २० मातुलाथी धोमताती मा ४ धीमर्पीवर ०१७ मातिक व्यो का विकास विश्ववरत्मकार वि राष्ट्र ६४० मार्चकी ग्रिमेर्ट्याला गिरीव था मच्च मार्चकी वर्ग, मुल्यात वर्गोक था (या) २ ०० मार्चका वर्ग, मुल्यात वर्गोक था (या) २ ०० मार्चका वर्ग १ ४०० मार्चका वर्ग १ ४००

—कृषि रसायन मार्यन, पी एन नद व्र ७०० —जीव विश्वान साह चे शे भा भवन —प्रयोगिक रसायन सुरी, ससितमोहन कुसदीर्पाह

रामप्रसाद २०० — चुमोत व्यासी जानकीसास मा १-२ शिनसास ६०० — मोतिकी गय सगदीसाबद रे मा राजहस प्र म

—सातवा गयं कार्यावयः २ ता राजहात्र स् ७०० (प्र) —रेखायित पादेव, जे पी कस्यागमस ४०० मानको पडिहार, गिरधारीसिंह जगजीवन सर्वेदिय ४००

मानक्षा पाडहार, गरकारासिंह काजावन संवादय ६०० मानियन प्रस्वयन की सरस दिश्चि वलवर्तसिंह प्रकाश मुक ६७४ —क्ष्म प्रकाष विवादी विश्वनाथ हिं प्रचा पू १०००

— क्या प्रकाश विवासी विवयनाथ हि प्रका पु १०० — निक्यम तिवासी, विवयनाथ स्थोक प्र म १०० — प्रवेशका तिवासी, विवयनाथ स्थोक म म १४० मानदर प्रालोचना प्रीर फनुसवान गर्मा निवनविक्षीयन

मोतीलास ५०० यानव इतिहास को रूपरेसा शर्मा एस मार सहमी भा म०० ---एकता का स्वरूप श्रीमाताजी श्रीमर्शवद २५०

-- कत्याच बवाल फकीर खिव सा भा १.१००, भा २ १२५ -- का उज्जवस मक्टिय हिंदु एकेडेमी ४५०

—की कहानी कृत, कार्षटन एस मारमाराम ७ ४० —के दिये मेथावी भनेरचह सहता १ ४०

—के पुत्रायी सुक्त, प्रमरनाय विद्या प्र म २५० —कानव बुन्त मन्ध्यनाय राजपाल ६५०

—बृद्धि सबयी विवेचन हि सिन

— पूँगोल भूगोल ३०० — पूनोल वशिष्ठ, रामस्वरूप सि घर, ग्वा १०००

-भूगोत सरल अध्ययन गुप्ता, ईश्वरीप्रसाद राजहत प्र स ५००

— मञीन शीर मृत्यु दत्तभारती रतन एड म. (११) २०० — चरीर रचना मुक्दम्बस्य भोतीलाल

-- चरीर रचना मुक्दम्बस्य योतीलाल -- सस्तृति के निमाता योविद पानक रभीद्रभ, खा २००

—सम्यता वा विवासः राजीवनयन प्रसाद मा भवन ७ ५० —समाज ध्रप्रवान, गोपालहरूप कि महत २ ५०

मानविकी पारिमाधिक कोश नगेंद्र, सपा राजकमल २ ४० (प्र)

(प्र) मानवीय जान के सिद्धान भववान बर्गासिह हि सिम ८५० — निष्ठा धर्मासिकारी, सारा आग्रासिक सामवेंद्र रचुनीरवारम 'सिम' सा सा प्र २५०० मानस का मनोवैज्ञानिक मध्ययन शर्मा कि महत् १००० - दर्शन श्रीकृष्णलाल सन्नो स शानद पु, वा ४०० मानसरीवर सहल, कन्हैयालाल कल्याणमल २ १० माया मिली न राम राजिकारमणप्रसाद सिंह अशोक प्रे

१ ७१ भारबल निष्स के डिजाइन रामग्रवतार बीर' देहाती ६०० मारवाडी गीत संग्रह मोहनलाल देहाती ४ ५० मार्के टवेन उपेंद्रनाम सहक नीलाभ १२% मानसं घीर गाधी का साम्य दर्शन नारायणसिंह हि सा

सम्मे मार्गं दर्शन पौराणिक, कालीचरन शाच्य विद्या मालविकान्तिमित्रम् मा, तरिषीया, सपा रा वेनीवसाद

300

मालबी क्हावर्ते मेहता, रतननाल, सपा भा रै सा सस्यान, राज २०० (ग्रप्रा) - ना लोक साहित्य परमार, व्याम हिंदु एकेडेमी मालूबाही बुक्ल, पुतुआल 'चद्रावर' विवेक

मासूम निगहां का शिकार नाथ, पी 'मोहन' हि प्रचा पू (पा) १,००

मारको की रहस्यमयी युवती भट्ठाचार्य हुन्जपद मार्ग दर्छक मास्टर भहिम बस्, मनोज सस्ता ४००

मिट्टीकाकण अञ्युत नेशनल ५०० —की दीवार वर्गी, ऊपा भार्मी

 के गुण तथा उपयोग कीकचा हरनारायण देहाती ६ ०० ·--के सनम कुश्नचन्दर राजपाल ३००, (पा) १०० - व पूट्टी का काम गर्ग प्रेमप्रकाश विद्या भवन, उ २ ५०

मिडिल भूगोल ४ मा भूगोल ३५० पित्रथयो बनिए — सूखी रहिए घला १००

मिनिस्टर की दावरी सगर, सत्यप्रकाश राजकमल ४०० मिलन के गीत राजेंद्र मिलन समानातर ३००

मिस इड़ा घर्मा, रजन ज्ञानपीठ २०० मिसेज लाल मदारिया, मदनमीहन हि प्रचा प (पा)

\$ 00 मिस्टर 'सोये-शीये' चनुर्वेदी बरमानेमात्र विनोद ३०० मीमांसा धौर मृत्यांक्न दार्मा, रामगोपान दिनेश' साहित्य

लोक 🖭 ६०० ---दर्शन दर्शनानद स्वामी, टीका देहाती ६ oo

भीरां की काय्यकला भीर जीवनी दार्का नारायण सरस्य पू प्रथ5 म

मीरोबाई प्रमात हिंग्न र —की पदावली चतुर्वेदी, परपुराम, सगा हिं सा सम्मे ५०० मीरा दी प्रेम-साधना, मिय, मूबनेश्वरनाथ 'माधव' सजी स

राज्यमल १००० -, जीवनी धौर काव्य महनोत, महावीर्शनह वृ स , वा

t Xo -नाची रे मा, रवेगचद नव्यर प्र ३ oo

-पदावसी. चतुर्वेदी, बरमानेपाल, सवा. सा सगम, म

मुनतक नाव्य परपरा और विहारी त्रिपाठी, रामसागर स २ भशोक प्र १५००

मुक्ता शर्मा, पाडेय वेचन 'उप' घात्माराम २ ५० की लडी विश्वमोहनकुमारसिंह भा भवन २००

मुनताफल भुनल, चहिकाप्रसाद प्रशोक प्र म १०० मुनित यज पत, सुमित्रानदन राघाइच्य

—बोध जैनेंद्रकुमार पूर्वोदय ४ ५० मुखिया के प्रधिकार और कर्ताव्य थीवास्तव पहला

2 20 मुगलकालीन भारत रस्तोगी, दशप्रकाश सञ्जी 🤻 राजहस त्र म ११२६-१७६१ ६००, १४२६-१८१८ ८००

भुग्धबीय भाषा विज्ञान श्रववाल, रामेश्वरदयालु प्रकाश सुक मुन्द मे जो शेप है भट्ट, उदयशहर बात्माराम २५० —मे देव ओवन का विकाश धानिहोत्री, स्त्यनद देव समाज

मुक्ते टिकट दो सगर, सत्यप्रकाश राजकमल ५०० ∼नालुम न या वाजपेयी, भगवतीप्रसाद सुवीध पा (पा)

मुटापा भौर उसका इलाज, चौधरी युगलकिशोर कस्याणमस

मुद्राए एव उपचार कत्याच म २००

मुद्रा एवं मधिवेशन मबस्यी कि महल १०० ~एव वैक्गि चौहान शिवन्यानिसह सा भवन, पा

~-एव दैनिंग जैन सध्मीना ७ ५०

-- एव र जस्व भुष्त विरिजात्रसाद स ३ रामप्रसाद \$0.00

— ग्रीर दैन परिचय पांडेय सुधानर

१६र ~की रूपरेला सरस प्रव्ययन नित्तल, एस सी राजहस ब्रम ६२४

~• इसन एव प्रधिकोपण प्रदवाल एस सी सा ५५०

—वसन एव श्रीवशीयण विजयेंद्रपान सिंह स १२ नवयूगसा शा मा ६३७

—तया वैत नी स्परेला ध्यवार कि प्रचा प

~-तथा वैनिय विजयपार पिह राजहसप्र म ३७५ ~तथा बैनिय नी स्प रेला गर्य धानदरदरप गर्मा स २ ताजहसाम ४५०

--वैक्ति सनर्राष्ट्रीय ध्यापार के गिद्धात परमार, एस

गर्गे स ११०

~-वैक्ति एव राजस्य अग्रदात, एम सी 'नवपूर सा

·-वैक्गि एव राजस्य वित्रयेंद्रपाल सिंह साथी म १२

नवयुगसाम मा १००० वैतिस, विद्नी विनिधय पारनी, धार एस राजीव, से

¥ 10 ·-वैश्वि, विदेशी विनिमय प्रतरीष्ट्रीय ध्यापार, राष्ट्रीय भ्राय तथा राजस्य गर्ग, भ्रानदस्वरूप राजहस्य प्र म

 ५० से ६ ५०
 मुत्रा, वैक्तिग, विद्यो वितिमय, राष्ट्रीय घ्राय, अवर्राष्ट्रीय ब्यापार तथा राजस्य पाटनी, घार एस सन्नो स २ राबीव,

मे ६०० —बैंकिन, दिदेशी विनिमय, राष्ट्रीय बाय अतर्राष्ट्रीय व्यापार, राजस्य एव सास्यिकीय मार्च्य विकय संस्करण पाटनी, बार

एल सत्रो स ३ राजीय, मे ६०० — बेहिन, तिदेशी विनिषय, राष्ट्रीय घाय तथा अतर्राष्ट्रीय व्यापार पाटनी, झार एल सत्रो स ३ राजीय, मे

भू ०० —वैकिंग, विनिमय सौर झतरास्त्रीय व्यापार निवम सवत-

राम सा नि, का ---मौद्रिक एवं प्रयं व्यवस्था पाडेय, वी एन मोदीनाल

मुत्राराक्षस आटी, देवराजींसह मधोक प्र ३०० मृद्राराग्तम् का, तारिणोश संग रा वेनीप्रसाद ३०० मुनिप्री हुकारीमस स्पृष्टि स्थ मुनिप्री हुजारीमस स्पृष्टि स्थ, प्रकारम् समिति, स्यावर ४०००

मुमुद्ध मार्ग ३ मा बस्याण स ६०० मुरदा सराय पित्रमाशीहत वा सातवीठ ३०० मुस्तान का मोत्र तोमर, प्रमण्डीहत जवाहर, ७३० मुस्तान का मोत्र तोमर, प्रमण्डीहत जवाहर, ७३० मुस्तान काम्य निवादी, हृदयानद कुलोर्द्ध साकेत ४०० मुस्ता नैयानी विरावित मुहता नैगसिरोस्यात साकरिया,

बदरीप्रमाद, समा राज प्राच्यक्षिया मुहाबरे कहामते मोहना सिंह हि शिलक ० १० मुल सन्कृत उद्धरण मुदर, जान चीलका भा १-३

६००, मा ४ भूस्य मीर उपन्तापांत्र मोशीलाम ४२ ४० मूस्य मीर उपनी प्रामुत्तपांत्र मोशीलाम ४२ ४० मूस्य मीर उपने महेशस्य हिं सिम २०० मूस्यांत्र सहस्य नदेशताल राज पु म ७०० मूस्यांत्र मा मार्ग्यस्य स्थामा मही, होगार्थांत्र स्थापित व २१० मृत्यस्य सार्व्यक्त सार्व्यक्त स्थापित स

मृत्युजमी पद्य साहू, केश्विम बारको प्रभात बुक ०७५ मृत्यु घीर उस पर विजय घीष खरीक्द श्रीमर्रावद ३०० मृत्य मरु सीति ४०० भेपदृत कोरसिया, केशनींप्रसाद, रूपा खगोरु पू म २४०

भेपदूर चौरसिया, क्रेशनीप्रसाद, रूपा अभीक यु म २१० भेपदूर तिसक्तथारी सिंह 'तिनर' विद्यावती प्र एवं द्यांति जनरत ३४०

—मीमासा स्वामनदन सास्त्री टीका भा अवन मेपदूरम (उत्तर मच) सानरमा यदुपात सिंह सोकमारती ६००

मेपर्त (राजस्यानी धनुवाद) रागेय राभव कस्याणमन २००

मपमाल, रितु काश्य सेखादन, सुमेरमिह धनका प्र, सी

मेषमाला चतुर्वेदी, सुदरतात 'म्रहणेदा', सपा लोकराज मेम साहव का देरा बच्ची, स्वरूपकुमारी भा ग्रवमाता

२०५ भेरा बीवन प्रसन्तराय शास्त्री सरस्व पश्लि ६०० —देश बस्त्री, पदुमसाल पून्ताताल दि पुस ३२५ —मारत देश महान् विजय निर्वाध कल्याणमल १२६

—मन बनवास दियो सा बोसी सांति राषाकृष्ण मेरी जापान यात्रा तुकडोची महागज श्रीपुरुदेव १२५ —सब से बढी कहानी का नदकितोर देववणू १०० —बोच्ठ कहानिया वाजसेती, मगवतीप्रसार प्रत्यूप ४४० मेरे स्नत समय का साध्य श्रीमद्भगवर्षीता वरमानद, मार्ड

मा सा सदन १०० —सपने कपिलदेवनारायण सिंह सुदूर वि प कु ७५० —देखें कुछ देशों की ऋतक सुबहाय्यम, सी चदामामा

१५० —प्रिय निवध बस्ती पदुमलास पुन्नासाल लोकपेतना

६०० — स्टूब्स देव उपाध्याय, हरिमाज सस्ता १०० — स्टूब्स देव उपाध्याय, हरिमाज सस्ता १०० वेबाह गोरव माध्य रच्छी १०० — परिचय वाजरेगी, विशिवविद्वारी छा सस्यान, राज ०५० — परिचय वाजरेगी, विशिवविद्वारी छा सस्यान, राज ०५० — पराय व हॅटीय गोस्वया गहलोत बगदीग्राधिह स २ विकास के स्टूब्स के स्टूब्स

हिं साम, जी ३०० मेदाडी कहादने जोशी लक्ष्मीलाल, सपा सा सस्यान, राज २०० (भ्रजा)

में भ्रागिरस ऋतुराज हिंसा प्र, म्र —भीर तुम भूषण बनमानी नई सदो प्र ५००

- कैसे सेंलक बेना मा परिषद् ४०० - गीत सुनाता जाऊचा दिवाकर, बल्लभेश प्रगति पष

५०० — जारा नेहरू धकर मुस्तातपुरी भा प्रवमासा — जुनाव सह बा समी, एरा के सा नि , व की ति तत व की ति तत की तत

मैथिकी वाहित्व का इतिहास मा, बासगोविद मा मवन २४. मैंबी चादबी नदा, पुत्रवन हिंद पा (पा) १०० मोटकार इस्ट्रिन्ट इत्यानद देहारी १४०० मोटाका वम करने के उपाय विवाही, प्रभूनारायण स २ स्थानसुबर १००

मोती वर्षे विकासी, हारास्त्रीम् एमके १०० — स्मार्के सुस स सम्बर सुलागपुरी सा कॅं, ११ २५० भोतीसात नहरू जोती रसेस जायना स्वत् २०० नोहरू की बची अस्मीहत चीलवा ०६५ मीत की स्वास सामन स्वत् १०० भीत की स्वास सम्बर्ध मान हिंद सा (सा) १०० —की माद स वनसम्बर्धित स्वत् हिंद सा (सा) १०० मीत के पने में चतुरसेन, प्राचार्य हि प्रचा पु (पा) १००
— के मुहम द्याग सरतानसिंह भ्रष्य नल्याणमन ३५०
मीदिक प्रमंदास्त्र श्रद्रशाल एम सी नवबुन सा

मौलिक रसायन गणित खना जयबृच्य राजहस प्र भ

मौलश्री के फून श्रिमा राजन नीलाम ३२%

य

यवसास्त्र रायसरणश्रदाई मा मक्त सबुबंद स्वाध्यस्य मृद्धस्य स्वरूप १००० स्वृत्त स्वाध्यस्य मृद्धस्य स्वरूप १००० स्वृत्त स्वाध्यस्य १००० स्वृत्त स्वाध्यस्य १००० स्वृत्त स्वर्गाधास्य स्वरूप स्वर

मृ १०० मरापाल के चपन्यास समी स्नेहबता त्र प्रतिप्ठान

यशक्त वज्ञभूषण कृष्णाव ४५० यशोधरा एक समीक्षा वासुदेवनदनप्रसाद आ सवत

४५० यह मनिस्मरणीय जोग श्रीनास्तव हिमास दि प स

४.०० —घरती है बसिदान की का, बयोग्याप्रसाद बंबमाला

२०० -परिनृता पारागर विरजीलान दि पुत्त ४००

— बस्ती है शहीदों नी डाकुर, रवीद्रनाथ मजु ३५० — मेरी कविताए हैं डाकुर रवीद्र कि महल

र ४०
— सब मूठ है गुरदर, उसेस ४००
— सब मूठ है गुरदर, स्टार (ग) २००
यही सब है महत्तर नाधर राजनमन ३००
— हमारे नाब है एवद मुनानाहमी नाबेनना १४०
कार्यल्य-मूर्ति जनांदर सारमी रोजनमन १४०
सारा वा मूर्य गुर्म नेत, सीरेंड्यमर सबयोग प्र व्

यातायात वे शिद्धात एव समस्याए मनमेना, एम सी सबी

स रम्तोगी १०००

--- मिद्धीत एव व्यवहार करत अध्ययन सम्मवा, सम्पत्तिगोर राजदूत प्र म ८०० यात्रा वा प्रनद नात्तरर, नाता वि राष्ट्र ७५० यात्री वा परिचय श्रीदारतव, हिमानु राजपानी ५०० यादो के पहार जगरीहाच्छ नशतन ३०० वादों के बाताबन विवाती, प्रेर मानद प्र ३०० बुन्दर्शन तुमसी वर्षों, सरकाम मा प्र प्र —िदन्दनर प्रविधारत मुस्सीधर वि ध कु १००० बुगायत मत्रवर्ष १०० बुगायत रामधोषात परदेशी, यदा प्रपति प्र ५०० बुगायति रामधोषात परदेशी, यदा प्रपति प्र ५०० बुग दुस की विदा पर (नेहर स्मास्ति) निवात ३०० —पुस्प नेहर भोविदशत, यह राजपात २००

- पुरुष राम गुरदत मा सा सदन २०० - पुरुष राम गुरदत मा सा सदन २०० - पुरु की कहानी रणदिने, एम वी सशो स २ निविध

- युगो में दिल्ली वर्मा, निर्भवस्वरूप मार्थ युक - नीमा ससह १००

—वीणा मिथ्र, विद्यावती सम्रह

--वाणा भिया विद्यावद्या अक्षड युगवाणी (सुमित्रात्तदन पत) एक घष्ट्ययन पारेय रामेरवर-रमेश हिंसा भ ३ ४०

युन समम चहरोसरन नायर, एन श्रीनिरेनन १ ४० — सदेश सखड १००

युगावन प्रप्रवास, यनस्थाम भपूर्व बुँद एक मोर्चे प्रतेक गुप्त, टेन्चर प्रतिमा प्र १०० —ग्रीर बाति के वेता सास वहादुर हेमराज 'निर्मय'

चमल प्र, स ३०० —के गीत सर्मा, बीरेंद्र विश्वप प्र, में ३००

— के बोर्चे पर धीर, केवल हिंद पा (पा) १०० — के साधन धीर साध्य कुलग्रेष्ठ, रमेशवद्र रा

वेनीप्रभाद ८०० वनीप्रभाद ८०० वनानी निञ्चत का पास कोपिया ससारास मोतीसाल

५०० यूगोस्सानिया की कहानी शक्ति। राजेंद्र यहाँ प्र २५० यूरोप का श्राधुनिक इतिहास समूखदार, वी के कि महल

७ १० — का इतिहास त्यागी, महागीर्रामह राजीव मे ४ ०० है

१५०
चा इतिहास शरल प्रथ्ययन दासगुप्ता, रामशरण

— सरल शब्ययन गुप्ता ईस्वराप्रमाद राजहुन प्र म

ये धनवादे सक्य राषापृष्ण ७०० के क्या रूप समी, सरदेवेंड नहें 'नूपेंड वं ४'०० य चक्के वातिया कृदिन सुरोप पा (पा) २०० ये मेरी क्विताए है तथा प्राप्त रचनाए —कवींड रचींड

बोरीहरू बोरा कि सहर ३०० व सहस्तात पहुं जेन श्रीषट विद्यापत २०० व सहस्तात पहुं जेन श्रीषट विद्यापत २०० व स्तीय प्रात्य प्र ४०० व बा ने पणु जैन श्रीषट विद्यापत १५० व माने प्र प्र प्रति त नव्याप हु ४०० व माने श्रीर हम वर्गी, स्वारतीवरण राधारण योग विरास्ता सार्विद विद्यारार चीपना ३४० व

योग-तरम विद्यानर विदेह, स्वामी वेद सस्यान ० २० -दरान दरानानद स्वामी, टीका दहाती ६००

--दर्शन सपूर्णानद हि समि ६००

-प्रवाह वंडस्वाल पीताबरदश सानेत ३ ५० --मनावितान मानेय, शातिप्रकात इन्टरनेशनस स्टैडड -वाशिष्ट सपूर्व १ तिस्ट म ६ प्रकरण सहित, खरल भाषा

म रामां, रतीराम, बनु देहाती बडा साइब, मोटे बहार २२ ००, दहेन एडीशन २५००

-- वाशिष्ट क्या रघुनायसिंह हि प्रका पु १२०० —वियोग शकर राजकमल ६००

-समन्त्रय घोष, झर्रांदद भा २ ख १ श्रीमर्रावद

योगायोग ठानुर, रवीद्रनाय हि प्रचा वु (पा) १०० योगी का सोऽहँ काव्य सत्यभूषण योगी गोविदराम १ २%

-की मधुपासा सत्यभूषण योगी गोविदराम पोरोपीय उपन्यास साहिश्य व्यास, विनोदशकर पू म वा

—साहित्य ध्यास विनोदसक्ट पू म , वा २०० -साहित्यकार व्यास, विमोदशकर पु म, वा ५०० यौन मनोविकार, कारण और निवारण गुप्त, सुरेंद्रनाय

साकेत २०० यौवन की माधी सुई, वियरे हिंद वा (वा)२ ०० रग-जग भीर व्यग व्यास, गीरालप्रसाद मा सा म ५०० —विरयी कविताए गुप्ता, वाता कल्यापमत १०० —विरयी कहानिया विष्णुदत्त 'विकल स्नारमास ११० रगभूमि प्रेमचंद सरस्व प्रे सक्षिप्त ६००

-(प्रेनचर) एक प्रध्ययन चौषरी, रामखेलावन हि सा भ २५०

रगमच ज्ञानकुषारी प्रजीत परिमन २०० रगमच थीष्ट्रपंगदास मनु हि समि ११५० - मीर नाटक की भूमिका सहमीनारायण सास नेपानल

\$000 रगमनरी निधा, गारदा नवन्त प्रवानार १७१ रजना द्वारवाधसाद एमके २०० रक्त राषाबल्लम धवतरि ० २% रवनदीप मडारी गणपतिचद्र कि घर, ओ ३ १० रयुनाय रपक मनसाराम, कवि कि घर, जो १५० रपुरा नासिदास सा महादमी ६ ६० रपुर्वीर श्रद्धावति कालेलकर काला इटरनेशनल एकेडेबी

माफ इंडिएन क्लबर नई दिली रचनात्मन नहानिया गीनम, कमला भाय बुक २०० —राजनीति बजान, रामकृष्य, सपा सस्ता ४००

रजवी संवयम शिवमूनि स्वामी, एव भार प्रानीय = ००

रत्रनीयधा राम, दिवेशी भादग पु स २०० रजनीयधा वैरागी धनजम नेशनले ३०० रिवया का बाही दन्तर खाह रिजया सुल्लाना देहाती

रण-जागरण जोशी, गणैनचद्र स २ चिन्यय ४०० **—बाक्**रा व्यक्तिहृदय भा सा म १५० रणमल छद मूलबद 'प्राणश' भा विद्या म रव मे उतरे बीर सपूत हेमराज 'निमम कमल प्र, अ

रतींघी त्रिवेणी चत्रभूषण रमई काका साकेत १२५ रत्नगर्भी भारतभूमि भगवानसिंह राजपाल १५० रत्नदिवान पुरुषोत्तपदास स्वामी नि महल १५०० र नाकर की साहित्य-साधना पाठक दानवहादुर 'वर

विनोद ६०० रत्नावली और उनका काव्य भारद्वाज, रामदत्त गगा रयपक पेंडसे श्री ना राजपाल ६०० रष से निरी वासुरी श्रीवास्थत हिमासु भा प्र नि ४५० रवड इहस्ट्री कॉसीचरण देहाती ६०० रम्या धमृतराय सर्जना ५०० रवम परीक्ष या भदनलाल कस्याणमल १२५

र्रावट पद्म कथा ठाकूर, रवीद्रनाथ राज सा सका रविठाकर की दावा ठाकूर, रदीद्रनाथ राज सा सका

रवीद्रशीताजीत कैलान कल्पित, प्रमु प्रमाग प्र २०० खीदनाय विकास नद इ १००० —को अंध्व कहानिया ठाकुर, रवीद्रनाय हिंद पा (पा)

 टैपीर जीवन भीर रचना जीहर, सुरेंब्रॉमह सा सगम, स् ५००

रवीड निवंध माल समृतराय सनु सजना १२०० -- भारती रामवृत्र बेनीपुरी बेनीपुरी ४ ०० ---रलाकर ढाकुर रवीदनाय मा विद्या भवन व रहिमरपी (दिनकर) एक प्रध्ययन शर्मा योगेंद्रनाम हि

सा च सपूज ४००, सक्षिप्त २०० रस बलकार छद सिनहा, हरेंद्रप्रताप कैलान ब २०० रसलान का समर काय्य मिख, दुर्गाशकर नवयुग प्रवाकार

—को काव्य-बला सीलावर 'वियोगी' दीप प्र २ ५० -प्रयावली माटी, देशराजींसह प्रशीक प्र ५००

· दोहावली मुरलोधर बिह देहाती ० ७४ -रत्नावसी याज्ञिक, मबानीशके सवा हि सा सम्मे

रसगुल्ला चतुरेश विष्यावस २ २५ रसिविक्तिसा चर्जी प्रशाकर चीसवा ६०० रस छद सलकार राषी, कृष्णदेव सामेक प्र १ ५०

—सरेधाम कुन्धेष्ठ, वद रामप्रसाद ००७४ रसमित्र तियात्मक रसनास्त्र नर्मा व्यवस्ताय प रमेशनाय

द्यमां जी १७, निजास कालोगी का हि वि वि , वारायसी ५००

रस रसायन गुन्हित सूबन गा, देवीगरण घवतरि ०११ रसराज मतौदिष, मपूर्व १ मा वैदार देहाती १००० रसलीन बयावली पाडय, सुधाकर, सपा हि प्रचा प

रस विषय त्रिपाठी रामपूर्ति विद्या म , वा ६०० —शास्त्र प्रीर साहित्व समीक्षा ऋरी, कृष्णदेव, मारतेंदु

भवन ६०० रससिद्ध रामनाथ कविया शर्मा, मनोहर राज सा समि रसायन परिचय त्यासी, पर्यासह स २ राजीत, मे ३२६

-- शास्त्र सारस्वत एच सी शिवलाल ४०० -- शास्त्र में क्या क्यो, कैसे ? अन्निहोत्री, ही ही २ सा

राजीय मे ० ७५ (प्र) सपूर्ण १२५ -- शास्त्र म क्यो प्रीर कैसे खन्ना, जयकच्या राजहस प्र म

--- शास्त्र म क्यो भीर कैसे खन्नों, जयकृष्ण राजह १५०

— शास्त्र में वयो और कैसे रस्तोगी, घार ने राजहस प्र म १२५

— शास्त्र संरल संध्ययन खन्ना, जयकृष्ण २ मा राजहसं प्रमु ४१२ (प्र)

—सहिता, भाषा टीका सहित यवतरि १०० रक्षायनसार क्यामपुरराजाय स ४ क्यामसुर ८०० रसिनप्रमा नेशवदास राष्ट्रीय सब्दालय १००० रहस्यमय विरद प्रभास, प्रमतकारी, धनु केंद्रीय हि २८० रहस्यमद विपाठी, राममृति राजकसल १००

रहीम की राष्ट्रीयता सोलकी, देवेंद्रश्रतावसिंह 'बनुजानुब' इच्ला प्र १०००

राका गिरिजादयाल 'गिरीश' सा मडल रागेय रापव भीर अनका उपन्यास साहित्य मानद, सुर्देड

ल परिचय श्रावास्तव हारस्चद्र समात संप्र भा १ १७४ भा २ २४० मा ३ ३४०, भा ४४००

—प्रवीण धर्मा, गणेशप्रसाद कता प्र इ ५०० राजकीय मर्थ प्रवध के गिद्धात विजेयेंद्रशास सिंह नवसूत सा

राजराय भय प्रवय कारदात विजयप्रपाल सिंह नवयुवसा सं, प्रा ७ ५० राजनय के सिदात सुशीलक्द्र सिंह सामी ५००

— ने सिदात भीर व्यवहार राय कृष्णा चीलवा ५०० राजनीति भुरीसबर सिंह साथी १०००

राजनीतित द्वापित्व ने सिद्धात दार्मा, बजमोहन हि समि ७०० —निवय स्थापी, महावीर सिंह राजीव में ७४०

— बिषय भारिया, पी ग्रार राजहसात्र मं — विषय वर्गा, के एक मन्त्रों सा २ रस्तोगी

—विचारो का इतिहास त्यामी महाबीरसिंह मा राजीव, म ६५०

—विवारों का इतिहास त्यापी, वहाबीरसिंह सा २ राजीय, से ३००

—विवारो का इतिहास सरच बध्यवन मितन, नेनियरण भा १-२, राजहस अ राजनीति के मूजू तस्व लास्की, हेरोल्ड जे एसाइड २१००

—वितन का इतिहास मैटिस लक्ष्मी ना १५०० —मे निवध सुशीलचंद्र सिंह साथी

—मे विभिन्तवाद सरस घंध्ययन रस्तोगी, दयाप्रकाश राजहस प्रमा ३००

-- विज्ञान के तिद्वात सरस भाष्यमन गर्ग, गगाप्रसाद ' राजहस प्रम ३०० से ५००

—विज्ञान - सरल ब्रध्यपन राग, हरिहरप्रसाद रमल प्र
—विज्ञान सरल ब्रध्यपन बीरकेश्वरप्रसाद सिंह कमल

प्र ३००

— बास्त्र रस्तोमी दयात्रकाश राजहस प्र म ७५० राजनैतित भूगोस भूगोस ८००

राजपुताने का इतिहास गहलोत, जगदीशसिंह भा ३ जयपुर व बसवर राज्य हिंसा म्, जो १५००

राज भाषा हिंदी गोविंददास सेठ हि सा सम्मे राजवाडे तेल सग्रह जोबी, सहमण शास्त्री, सना शिवलाल

१२ ६० राजस्थान का बासन्तिक पर्व, गणगौर भोभा, शैनदपाल,

चिपा सूमन प्र

—के क्वि चतुर्वेदी, नद, सपा राज सा सका १०००

—के कवि सारस्वत, रावत, सरा भा २. राज सा धना ३.७५

के कहानीकार भोभा, दीनव्याल, स्पा राज सा भका

—के कहानीकार, हिंदी, महेंद्र, रामचरण राज सा प्रश

—के बद्ध काव्यकार महेद राम वरण, सपा राज सा मना

—ने नाटनकार महेद, रामधरण, समा राज सा धका

१.७५ --के राजपूत महेशा, मायीलाल वि घर जो ४००

—क राजपूत महत्ता, मायालाला । व पर आ र ०० —के रोति रिवाज गहलोत मुखदीरॉमह रोजनमान

— देवरी मेन्यूमन जैन, हरिश्वद्र सशो स राज

-- पनायत, न्याय पनायत पनायत समिति एव जिला परिषद्

सृहत् कोड् जैन हरिश्चद्र राज पनायत प्र

बृह्त् कोड् जैन हरिस्बद्ध राजपवायतः प्र
- प्रगति के पन्द्रह वर्षं दशोश, भवरतः न 'राजप्र, ज

द १० प्री यूनिवर्षिटी धर्षसास्त्र वी रूप रेखा गर्ग, मानदरवरूप

राजहर प्रम ६०० ---- में हिंदी के हस्तिनिवत प्रवों की योज मनारिया मोनी

रूपे हिंदी के हस्तिनिनित बचीं वी योज मनारिया मोती साउ,सपा मा १ सा सत्यान, यत ३०० (पता)

सात, संशा मा १ ता सत्यात, गत ३०० (घना) —मे हिंदी के हस्तिस्तित बचाकी सोज नाहरा, प्रगरवद, संशा मा २ ४ सा संस्थान राज मा २ ४००,

मा ४ ५०० -- म हिन्नी ने हस्तिनित्त वर्षों की गोज भन्नागर, उदयसिंह,

— महिनी वे हस्ती विविध वर्षों की गोज भननावर, उदयसिंह, संपा भा ३ सा सस्यान राज ४०० (प्रप्रा)

— य सोनगीत सिवजी राज भासा ५००

राजस्यानी उमरसैयाम शर्मा, मनोहर, अनु राज भाषा -- एकाकी महारी, गणपनिचद्र, सपा ताब सा ग्रहा ५ ७६

---वैन सतो की साहित्य साधना कासबीवाल कस्तूरबद जैन सा

-- दोहावली धर्मा, गिरिधारीनाल, सपा मा १ सा सस्यान, राज २१०

---भाषा चाटवर्या, सुनीतिकमार सा सस्थान, रात्र २ १० (भ्रमा)

—भील गीत शर्मा, गिरियारीलाल, सपा आ २ ३ सा श्रह्यान, राज २ ४० (प्र.)

-भीलो की कहावर्ते भील, फूलजो माई, सपा सा सस्यान राज २ ४०

-भीतो के लोकगीत भीत, फूलजी माई सपा मा १ सा सस्यान, राज २५०

- मेयदूतः रामा, महोहर, यनु राज मावा

-रबीद्र वाणी धर्मा, मनोहर, यनु राज सा समि - लोक-कथाए सप्रवाल, गोविंद मा म

--लोकगीत कमठान, गगाप्रसाद सपा भा १ सा सस्यान

राज २५० - लोकगीत चोयल, दिवसिंह, सपा वा २ सा सस्यान,

राज २५०

--सोमगीत देवदा, हनुदर्ताग्रह, सपा या ३ सा सस्यान, राज २५० --सोकगीत व्यास, मोहनमाल भा ४ सा सस्यान,

राज २ %० -सोक्रगीत रोबावत, सीमान्यसिंह, सपा मा १ सा सस्यान,

राव २४० --बोहतीत ध्यास, मोहनसाल, सपा मा ६ सा सस्यान,

राज २५० लोक संस्कृति की रूपरेला पर्या, मनोहर राज सा सबि

--वयनिकार् भालसभाइ सा रावः सा यका ४ ७५ - बातों नरोत्तमदास स्वामी, सन्ना मा १ सा सस्थान, राम २५०

-बार्ना उपाच्याय, भदानीगकर, महा मा २ सा संस्थान, राज २५०

—वार्ता दोसावत, सौभाग्वसिंह, सवा भा ३, ४, ७ सा सस्यान, राज २ ५० (प्र)

—यार्वा दोसावत, यौभाग्यसिह मा १ सासस्यानः राज २ ४०

---बार्ता पुटाबन, लडमीकुमारी मा ६ सा सस्यान, राज

--वेति साहित्य भानावत, नरेंद्र राज सा बका २१०० -- स्पारण सालस, सीनाराम वि घर जो ३००

-- बाहित्य भीर सत्वृति मनोहर प्रशक्तर, नपा भाषा पनि 400

—साहित्य कुछ प्रवित्या मानावत, नरेंद्र वेशनल ६ ०० —साहित्य-सम्बद्ध राज पूरा म भा १ ३ ००, भा ३

2 40

राबस्य एवं रोजनार के सिद्धात पाटनी, बार, एन सशी स २ राबीव, मे ३००

~के सिदात पाटनी धार एस राजीव, मे २ ५० राबहर हिंदी निवध गौढ, बार एन राबहर म म ३ ७५ राजा निरवसिया कमलेश्वर या ज्ञानपीठ ५००

—वेटा कैसे बनाए गुप्त, स्टॅडनाय साकेन १५० —भोत्र कालिदास देहाती ३ ४०

रात्रीय हिंदी निवध सबेसेना, श्वनेश्वरीयाण 'राजीव, मे ४००

राज्य सौर बद्योग गर्ब, दी पी राजीद, में ५००

—की अर्थे व्यवस्था एवं कर विद्यात अयोध्याविह हि समि ७ ५०

 की दार्शनिक विचारधारा जोशी, के सी हि समि ६०० राणा की पतनी रागेय रायव हि शिलक १५० रात की बाहा म बहमद बन्दास स्वाजा राधाहरण

3 20 राषा माधव रस सुधा गीता

राबिन शो पूष्प की कहानिया राबिन शो पूष्प. नरेंद्र बन्शी N 3.40

राम उपासना रामहप्लशास रतिक बेहाती ४ ४० —की शक्ति पत्रा तथा विरासा धर्मा, देवेंद्र इद्र' विनोह

रामकुमार वर्मा की नाट्यक्ला वर्मा, सुरेशकुमार लोकचेतना

यमनिव्य नवनीत दत्तरादाचार्यं, स्थामी भा १ विज्ञान म

रामवरितमानस विपाठी, विवयानर मा. ३ मोतीलास 30 00

रामचरितमानस मिथ, विश्वनायप्रसाद, सपा सर्वभारतीय

 प्रयोध्याकात रामचंद्र शास्त्री मोतीसास ४ १० — का बस्व-दर्शन थीशकूमार लोक देवना

-श बुबनारमक अध्ययन धुबल, शिवकुमार अनुसुधान 2200

भा पनीवैनानिक प्रव्ययन सर्मा, जगदीसप्रसाद कि महल-रामजय वि राष्ट्र

रामजन्य दार्मा, जगदीन दहाती १२४ रामनरेश त्रिपाठी भौर उनका स्वप्त रामी, श्रीनिवास प्रशीक

90 F R रामप्रसाद विस्मिल महावीर मोमासक हरपाणा ० ७१

राम बनवास धर्मा जगदीश देहाती १२४ — सबदुध युद्ध धर्मा, जयदीश देहाती १२५

रामवन्त द्विदी 'बर्रविद' जीवनरमणिका दूव, विध्याचल सुनम ० ५०

रामानुत्र रागेष राधव स २ कि महत २५० रामायणकातीन संस्कृति व्यास, शातिनुमार नान्सम सस्ता,

रामायप तुनसीहत ज्यानाप्रसाद, टीका

रामायण वतर्ज राष्ट्रियाम न्यादरसिंह बेचैन देहाती ५ ५० --- मजरी (सदर काउ) शुक्ल, स्थामबिहारी 'तरस', टीका.

सशी संसानि का १७३ रामायनी, लखमन सत् परोक्षा खेलगुलाव संग्रा मादिमजाति

रामाध्यम त्रिवेदी बृजवाला भा १ देवाग्रम (बालकाड)

श्रीदेवी बुजवाला ५००

रावी के किनारे जयत वाचस्पति राजपाल २ ५० --पार बलवतसिंह हिंद पा (पा) १००

शाध्य भीर राज्य जैनेन्द्रकुमार पूर्वोदय ३००

राष्ट्रकवि मैमिलीशरण गुप्त भीर उनकी बञोधरा बीताराम 'प्रभास' कमल प्र

राष्ट्रका प्रहरी निरजननाय झाचार्य चिम्मय १५० निर्माता सरदार पटेल चढ्छेलर बास्त्री स २ सोसायटी 2000

 नौका प्रजनाविन तुकडोनी महाराज योग्रदेव ०७३ राष्ट्रपति राषाकृष्णन प्रवनीद्रकृमार विद्यासकार राजपास

—राधाकुष्णनः प्रवनीदकुमार वितासकार हिंद पा (पा)

राष्ट्रभारती चौलवा १ १० राष्ट्रमाया मादोलन नेने, योपाल परशुराम महाराष्ट्र राष्ट्र

—की शिक्षा मुकर्जी, श्रीघरनाय स २ बाचार्य बुढ

—की समस्या गर्मा, रामविलाम प्रक्षार १२०० —रजत जयनी य य उत्हल प्रातीय राष्ट्रभाषा प्रशास समा व्यक्त प्रा २०.००

-- विचार सगह जोगलेकर, न वि सद्योस ४.

—शिक्षण राजपान नायर एस हि सा भ ३०० ---सरल हिंदी ब्याक्शण सर्मा, वेदारनाथ चौसना 1 24

--हिंदी, समस्याए भीर ममाधान श्रमां, देवेंद्रनाव

राजवमल ६ ५०

राष्ट्र राम नारदमूनि विचित्र हिना परि , पी ०२५ राष्ट्रीय प्रात्हा, पौराणिक बान से चीनी प्राक्रमण तक भवस्यी, नदश्मारः स र धी प्रधावर रेवव

— भजनावलि तुरहोत्री महाराज धौगुण्देव १५० · समयता में साहित्य दीनानाथ 'गरण' वि स कू ३ ०० राष्ट्रीय गाहित्य समा प्रन्य निवय जानपेथी, नददूनारे विद्या म, वा १०००

रासपनाध्यापी धीर भवरगीत (नददास) विदवसर 'धरुण'

मशोवं प्र ३ % ० रासायनिक गणित पर इन हुए प्रश्न रस्तीयी, बार बी-

राजहमात्र म १२५ रावायनिक परिभाषाए तथा ब्राजिन समीतरण सेवेदवर्रीगृह मा भवत १७५

रासो साहित्य भौर पृथ्वीराज-रासो : सक्षिप्त परिचय नरी-त्तमदास स्वामी मा विद्या म ७.००

राह का पत्थर गुप्ता, विध्याचनप्रसाद प्रभात प्र. राहंगीर के गीत राहगीर राहगीर प्र ३ ५० राही के सपने वर्मा राजनारायण राज प्र राहे प्रतग-प्रतग सर्मा, बादवेंद्र 'चद्र' राष्ट्र, प्र. दि

820 रिमिक्तिम सराफ, गोपालकृष्ण हि प्रचा प् रिसर्व बाफ टायलेट शाप्स भगवतराव देहाती १५००

रीतिकास के प्रमुख प्रवध काय्य, स १७०० १६०० वि इद्रपाससिंह 'इद्र' विनोद १५०० रीतिकातीन मलकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन शर्मा, म्रोमप्रकाश हिसास २५००

रीतियुगीन काव्य वर्मा, कृष्णचद्र. पूर्म, इ. १५०० क्कर सोचती हू बक्षी, रमेश हिं प्रचा पु (पा)

स्ट्रट प्रणीत काव्यातकार चीयरी, सत्यदेव वास्रेव १५ °० रुपये का सवमूत्यन भीर उसका प्रभाव भट्टाचार्य, पी सी ""

नवमारती द ०० रपहले पानी की बूदें टडन, प्रतापनारायण विवेक ४०० रुवाइया चतुर्वेदी भगवतश्चरण विनोद १ ५०

रुक्मणी हरण सावाजी भुला राज प्राप्यविद्या ३५० **क्ठी रानी मिथ, नरेंद्र सरिंगणी ३ ५०** क्य की धप कैलाश कल्पित प्रयाग प्र —के वादेल भोभा, कृष्णदत्त पेहवर्गित चौहान (क्र)

घाउवा (पासी) १२४ इपको की भाषा विद्य रामगोपाल हि सा सम्मे. ३ ००

रूपतर्रागणी चन्नधर मोतीसास रूपद्यिका हालदार, मसितकुमार चदलोक १००० रूप महन स तथा हिंदी श्रीवास्तव, बलराम मोतीलाल € 00

रूपमती नदा, गुनशन भ्रशोश पा (पा) २०० हप रश्मि धर्मा, गजानद रा बेनीप्रसाद १०० रूस व फान का सविधान अरल धप्ययन कमल प्र स्सी सोक क्याए दर्गा, शुभा हि भदन २०० इसी साहित्य का इतिहास शुक्ल, केसरीनारायण हि गमि

ह्यों नी तीन वार्ताए भागेंग, मोभी राज हि गाँग ४०० रॅंगने वाले जीव गुरेशमिह मन्ता ३०० रैम्बाए कृटण जनगेवी, गरा मूर्य प्र म १.२५ — मिल गई सबसेना, बीरेंद्र सा नि , य रेडार परिचय विस्वेश्वरदयाल हि गमि ५.५०

रेडियो की प्रथम पुन्तक रमेराचा विजय —के निए कैसे निर्ले धमरनाय पनन नवयुग र न्

-- ट्राजिम्टर गाइड विजय, धार मी देहाती १० ५o

—गारेट बुक्त नर्देदनाय. देहाती ६ ०० -विश्वित नर्देशनाय देशती १६ ५०

सप्ती धर्दुस सतार, बाडी विस्वविद्यालय २००

सतनार हे, सतीय देहाती १ ५० सतनार वैरागी, बालकवि सुबीध पा (पा) १ ०० सनित कलाए धोर मनुष्य एडमैन, इरविन नेशनल ४०० --- तिरथ विश्वनायस्टिह ' E ३ धर्वना प्र. धा

सडे सुरमा भाव जी उर्फगीयले वा बाबू भा १ डागी. गणपतलाल दत्तदयु २७५

संपुपाराशरी माध्य कपूर, समबद मोनीनाल ८०० सर्पे सिद्धांत कीमूदी गोरीयकर सिंह विस्वविद्यालय १ ५० -हिंदी शब्द-रंगर तिपाठी, करणोपति, सपा ना प्र समा १५००

नेशनल ५०० सम्पति है, सवीच देहाती १ ३० सिक्षमा राती वेदारनाय साम भा भवन २ ४० सपु उद्योगों के लिए सुविधाए क्या और कहा प्र विभाग सर्पेनर हिंदी शब्दसागर त्रिपाठी, कश्लापति, सपा ना प्र यमा ६००

नाम समा सहमण मुर्छा रामा, जगदीस देहाती १२५ लक्ष्मीनारायण विश्व के सामाजिक नाटक चहुँदा, भारतभूषण.

सका काढ दुर्गाशकरप्रसाद सिंह 'नाय' नव सा म सबी लड़की देशी, राजेंद्रसिंह हिंद पा (पा) १०० सक्षणा और उसरा हिंदी काम्य ने प्रसार- विवाठी, राममूर्ति

ल

रेवती धर्मा, कृष्णचद्र 'भिन्स' हि श्रचा पु ५०० रेशमी डोरे कुरैशी, जमीला पश्मिल ३०० रोगि परिचय सन्ता, शिवनाथ चौखवा १२ ७१ रोगि परिक्षा विधि दामी प्रियत्रत शोखवा ६०० -रोगविमर्स दिवेदी, रामनाय चौनवा २०० -परीक्षा सन्ता, शिवनाय चौक्षत्रा ६०० रोती के दक्षे बतल, प्रमारहुमार नवपुत प्र रोती राह सिसकते तारे गुक्त, कमल नव्यर प्र ४३० रो पडे तुम ग्राधिकर गिरिक १२% रीयदाव उपेंद्रनाय झश्क हिंद पा (पा) १०० रोमियो जूलियट शुक्त, शत्रुघ्नलाल, स्या उमेश २०० रोशनी की रम तायल जुएमदिए हिं सा प्र, म २०० ---के घेरे गुप्त, खेदीलाल अवना ३००

रेडियो व ट्राजिस्टर सर्वितिय विजय, बार सी देहाती 2029 —ग्रन्दकोश खडेतवाल, गणपतलाल देहाती १ २६ ---सर्विसिंग रमेगचंद्र विजय हि समि ६ ६० रेख की पटरिया तिवारी, रामेश्वरनाथ धर्वना प्र , मा 3 00

> चोरप्रिय वहानियां वाजपेयी, मगवतीप्रसाद प्रवीर ४०० -- स्वाइमा. रामगोपाल परदेसी, सपा प्रगति प्र ४ oo लोक्त द्राजिस्टर रमेशचढ विजय देहाती ४५०

~ऱ्डाबिस्टर रिसीवर देहाती **⊏** २५

-नाटक मारतीय प्रीड शिक्षा सप भा प्रीड ३०० ~परनोक गुस्दत्त भा सासदन ५०० —प्रशासन धवस्यो, धमरेश्वर लक्ष्मी ना —प्रशासन महद्रप्रसादसिंह मा भवन १००० -- प्रशासन सरन प्रध्ययन सारिया, यी बार राजहस

—बीर परलोक सुधार न्यादरसिंह 'बेचैन' देहाती १ २४ -कथायों के कुछ रूद तत् सहल, बन्हेयालाल कि महल —देव नेहरू रामधारीसिंह 'दिन इर' उदयाचल ५.oo

नेन देन चट्टोपाध्याय, शरत्वद्र हिंद पा (पा) १००) तीक शर्वधास्त्र पादनी घार एस राजीद, मे ७०० — अवशास्त्र विजयेंद्रपालसिंह नवयुग सा स , मा ११ २५ -श्रवशास्त्र सरल प्राच्यान महेस्वरी, एव पी. राजहस प्रम ७१०

निफापा देखकर, बैयक्तिक निवध थीवास्तव, शैलेंद्रनाथ वियक् ३०० सुणिया जाति निणय गौड, भौमदत्त शम्मां 'विकल' हिंदू धमें ६ १० लेडोन बाडी मेकर्स बर्गेसी, फारूक देहाती २ ४०

शा ८०० काल तारा रामवृक्ष वेतीपुरी दि पूस ३०० —घरती प्रमृतराय नजना २ ५० सालबहाद्दर शास्त्री श्रविकारी, महाबीर हिंद पा १०० —शास्त्री जितेंद्रप्रसाद सिंह सपा प्रगति प्र ३०० चास्त्री व्यक्ति हृदय रामप्रसाद ३ १० —चारतो सहल, कृष्णविहारी, सपा वि मय २५ ०० सास हवेसी शिवानी विश्वविद्यालय ४०० साला लाजपतराय रामनाय सुमन साधना सदन ५५० साले का फूल सलाहउद्दीन, गांची विश्वविद्यालय ३०० खियानुसासनवर्षं रामी, युक्द मोतीलाख १२०० लिप्हा वसरामदत्त स्वास्थ्य सरिता ०६३

सहर शीर लपटें वर्गा, सतीशबहादुर, मशोक प्र, फ ३०० को बरसा तुकडोजी महाराज थीगुरुदेव १५० —मीमासा चावला स्वदेश कला म १ ४० सहरो का ससार टडन, श्रीप्रकाश वाल सा. म १२५ —की दौड ताजवर सामरी नवपुग प्र Y ०० सह कारण एक है शकर सुल्तानपुरी सा केंद्र, दि. ३ ४० —पुकारेगा विरिधानिक्योर सपा नवभारती प्र ३०० साही इन्डस्ट्री कासीचरण देहाती ६०० - व हाइन्तीनिंग काली दरण देहाती ४ ५° बागत लेखा धुक्त, एस एम सधी स ५ नवयुग सा स ,

ं लवण परीक्षा भा, एच के भा भदन

सोकवित्त पार्टनी, मार एल राजीन, मे ६००

--के तिव्रात डास्टर एलाइट ६००

-- सरत प्रत्यक्त प्रत्यक्त एल पी राजह्म प्र म ६२१
लोगित्रता प्रानीम् हमार सज ३००
लोगित्रता प्रानीम् हमार सज ३००
लोगित्रता हमार से ११०
लोगित्रता मुसी कहैयालाल माणिकताल सुनीय स
(पा) १००
लोगित्रता मुसी कहैयालाल माणिकताल सुनीय स
(पा) १००
लोहित मुसी कर्माहरूप राजीह से १००
विदार वर्षो मुद्रेतनाय ने २००

-- सारत्म जुड्डर राजीहताल पानु ७००
वर्षा ने स्तार स्तार

धनस्पतिं ग्री निर्माण कालीवरण देहाती व २५ ─शास्त्र विमल शांति वी राजहत प्र ग ३७६ — शास्त्र सरत प्रम्ययन विमल, शांति वी राजहत प्र म ५२५

वध या प्रियत्मा मैत्रा, धनिलच्छ पारिजात प्र सा

बन ने पून सामू नेत्रवित बारनी प्रमात हुन रे ००

— फिर प्राई प्रमोदराजा राज्यशी २२४ — प्राची पा दुर्गतकरप्रसादसिंह 'नाव नव सा म १२४ वाकाटक पुत्र पूर्व मञ्जूषार कार सी मोतीसात — राज्यका का इतिहास स्था अभिनेस मिराओ, नासुदेव

विष्णु तारा वाचरी हिन्दरमाद श्रीनल प्र स्म वाचरी इतिहास वर्षो हैस्वरम्भाद श्रीनल प्र स्म वाचरा वर्षो हुस्टेंग है ०० वाणि वर्षो हुस्टेंग है ०० वाणि वर्षो हुस्टेंग है ०० वाणि वर्षो हुस्टेंग हुस्टेंग हुस्टेंग वर्षों हुस्टेंग हुस्टेंग वर्षों हुस्टेंग हुस्टें

— गुगोत सुराप्रसाद मा भवन १००
— निद्धात प्रचान हि भचा पु ३७५
सारमायन नामतून प्रतिदेव दिवातवार देशती ७५०
सार्यायन नामतून प्रतिदेव दिवातवार देशती ७५०
सार्या पास्त्र भौवासता हरिष्क सामीव सा प्र २६०
सानगी नाहुन, भवरसात राज सा मचा ४५०
सामगी विलानुनावनम् वामी वेदवती, सपा मा आच्य

वाममार्गं बत्याण म १०० वायनिन वादन प्रवासनासायण नना श्र, इ. २०० बारट विषयतारी विश्वक तीववी हिंद पा. (पा) १०० बारित रूप " धारमाराम १४० बारित हैस्टिंग्स का मुक्तमा वर्क, एटमड पादर्श हिं २००० बारित हैस्टिंग्स का मुक्तमा वर्क, एटमड पादर्श हिं २००० बार्न्शी क्योर तुवती और तुवती २५० बार्न्शीक खोर तुवती साहित्यक मुस्पाकन धपवास, साम्प्रकाश प्र प्रतिकार २०००

समप्रकाश प्र प्रतिष्ठान २००० वास्मोकीय रामावण कोश राम, रामकुमार चौषवा २००० वासना के बकुर टक्स प्रतापनारायण सा केंद्र, दि ३५० वासना के बाहर वच विचावस्त सिरमी, सरमीप्रसाद 'रमा'

हि साहित्यातय ०५० बाह् । बनारस बहेगुरू मा मावा १२५ विच्य हिमातय धिवमणलींस्ह 'मुमन' झारमाराम ४०० विकास त्रीर सर्वोदय पाढे विद्यासागर सा सगम, म्बा

र १० — का प्रकाश विषाठी, भिवानीभील साकेत १५० — जीत बीहान 'प्रेमी' प्रेमी प्र म १०० विकासातक वाल मनीविद्यान रामबालेस्य सिंह मोतीसाम ११०

विकृत रेलाए धुवते विज भटनागर, महेह युष्णा स ३०० विजय क्ला सरल अध्ययन सहाय, धी कमल प्र १२५ विस्थात प्राविच्कारक तथा उनके भ्राविष्कार पैट, पलैवर राजपास २००

विवार घोर मूर्याकन, कपिस सावार्य वि ॥ मु ४ ४० - चौर विवेचन विवेदी, विधिनविहारी पारत प्र १००० - चौर विवेचन विवेदी, विधिनविहारी पारत प्र १००० - चौर समीसा चौहान, प्रतापितह नवसुन प्रमानार ४ ७४ - विटकीय एव सकेत ध्यवराह, प्रयुद्ध विनोद्ध विनोद्ध

विचारों की ध्वाधिक पाविक पाविक एक १००
विचाय चुवाचा विचारित स्वा च्वासामा १००
विचाय ना बचायोह शीवारावत स्वारानगरावण प्रत्यूप १००
—के त्व पर मा, क्यालनगरावण 'क्योल एक ध्वाला १००
विचायों बावस्थी, भ्रप्यतीस्थाद बात सा में ४४०
विचायों बावस्थी, भ्रप्यतीस्थाद बात सा में ४४०
विचाय हमारी है सहिता सपा नवपुण प कु
विचाय कोर वैमानिक सकर सुल्तानपुरी सर्वुपण ०४
—म बडा दवान स्टायांची, कुणाव मार्थ देशित १५०

— वार्ता बस्बी, पदुमलाल पुग्नालाल जबनपुर प्र पृ ३ ४० वितरण एव राजस्व विष्यावन २ ४० विस व्यवस्था सरन ब्राध्ययन मितल एस सी राजहस प्र

स ६ २५ विदेशियों से सबद केंद्रीय अधिनियम और नियम (३१ धगरत, १६६५ तक यवारुपभेदित) युद्द मत्रालय, भारत सरकार,

दिल्ली विदेशों म एक सात स्वतनतानद, स्वामी हरयाणा २ २४ विटेह गीतावती विज्ञानद विटेह, स्वामी वेद सस्पान

विवापति धौर तत्ना काव्य कपूर, ग्रमकार गगा

विद्यपति भीर उनकी पदावली रामवृक्ष वेनीपुरी सपा परि स वेनीपुरी १०००

१२५

--की काव्य प्रतिमा सर्मा गोविदराम नवयुग प्र ७ ५० --पदावली स २ वि राष्ट्र

-पदावली सटीक शर्मा, कृष्णदेव अशोक प्र १०० -थुग मीर साहित्य सिन्हा, मर्रावदनाश्वय विनोध

१२ ४० विक्षाचियों की दिन चर्या विद्यार्थी जनदीश कोविद्यास विद्यालय प्रशासन एवं संगठन सुसिया, एस वी विनोद

६००
--ध्यदस्य पादव, रामप्रसाद श्रीराम सेहरा
विष्ठत दश्रीनियरिय कातीचरम देहाती १६००
विषक्त दश्रीनियरिय कातीचरम देहाती १६००
विषक्त प्रतिकारियाम गिरीम सा मकस
वित्रस पारती सामवद्या विष्णुत्यम सुवताकर साधव
वित्रसपत्रिकः गाठक दानहरूद वर्ग जवसुण स्थानार

हे ७५ दिनवयांत्रका विद्योगीहरि टीका युस वा १५० दिनव पढ़क राहुल साक्टवायल महावेशि १२०० विनवमासिका साह, बार यी अमास बुक ०१४ दिनव मुका करवाण म १२६

विनोश के विवार मादे, विनोश मा ३ सस्ता २०० विन्हेराची महेसदास राव राज प्राच्यविद्या विश्व स्वटंपाच्याय, शरतच्य हिंद था (पा) १०० विभा रागी, विमना समृत १००

विभा रामा, विमान कमूत १०० विमाने कोर प्युर्गात सहल कन्द्रैयाताल विमान १२०० वियोग, करण रक्ष का गय काल्य लब्जीनावावण 'सुवायु वि

विरज्ञानेंद चरित वेदानदः स्वामी इंस्पाणाः १ १० विरक्षानुमूलि चरित काम्या निम्न, मुद्देवसम् इत्याणदासः ४ १० विरक्षिणी यानी, मृगीराम वीम प्रत्युष्ट १२०० विद्याद्विणी याना के थीन सम्मण कुप्त सुद्धेदकाव खादेत

विविध प्रसर् प्रमृतराय सर्जना था १ ७ ५०, या २-३

१२ ४० (प्र.) विविधार्य भगवानवास शीलका ६०० विवेक के एक घनस्मी, देवीयकर, सर्वा आ जानपीठ ७०० -करिता प्रकारनित तुकरोनी महाराज जोतुक्देव १५० विवेशनद सचयन विवंशनर, स्थामी श्रीशमङ्ख्य ७५०

विवेशनद सचमन विवशनद, स्वाभी श्रीरामकृष्य ७ १० —साहित्य विवेशनद स्वामी १० स झडेत साध्य ६०० (प्र)

विगास भारत भूगोस ११० विद्युद्धिमार्ग वसरिति सिंगु २ मा महाबोधि १००० विद्युद्धमार्ग कमाराह्य कीस. हृष्णद्भार कि महत

रर १० विस्व इतिहास गुप्ता, रामगरणदास राजहम प्र म ३७%

- इतिहास एटलन भूगोत २ ५० - इतिहास-तोग महारी, चद्रचाब, सभा मा ३ ज्ञान-महिर

— इतिहास ना महारा, पद्रभाव, सा वा व ज्ञान-माः — ना इतिहास वर्मा, गोपोषद व व्यापनस ३०० विश्व का व्यापारिक भूगोत्र मिश्र, रामनारायण भूगोत

 की म्रादिवासी जन-जातिया, मानव-जाति विज्ञान का भौगोतिक परिचय दिवडीय दास रामप्रसाद ४००

—की प्रमुख शासन प्रणालिया त्याणी महावीरसिंह • परि स २ राजीव, मे ७०० से ०४०

—की ग्रहान महिनाए मुर्टू, धवीरानी भागृतिक शा ॥

-की साहतिक गायाए शुक्त, शतुष्तवाल उमेरा २ ५० -के अनुठ बादश गिरिकादवाल 'गिरीरा' नवयुग दशागार

०७४ —के प्रमुख सर्विद्यान स्थागी महाबीरसिंह परि स ३

राजीव में ७१० —के प्रमुख सर्विधान सरल झध्ययन रस्तोगी, दयाप्रकाश

राजहार म र्ं ८ १० - के २० समर उपन्यास रागेय राधम सपा हिंद पा (पा)

२०० —के महान प्रयोशस्त्री हीलबीनर एलाइड ८००

—के महान वैद्यादिक केन फिलिए राजपाल १०००

—के महान शिक्षा बास्त्री शास्य, जयजयराम राजपास ३ ५०

- के सत महापुरुष देवराज (नदिकतीर देवराज) काशी हिंदू २ ४०

 के सविधान सरस प्रध्ययन वीरनेप्वरप्रसाद सिद्द समल प्र ३००
 तथा गौतिक भूगोस सरस प्रध्ययन गुप्ता, ईश्वरीप्रसाद

राजहसंत्र मं ४५० — यम दवाल क्कीर शिव ता मा १०७५, मा २

० १० —-भू-कोश भूगोल २१००

- भुद की रोमाचकारी कहानिया परदेसी, सपा हिंद पा (पा) १००

—रावनीति का इतिहास वर्षा, दीनानाथ दि पु स ६०० —ताति की घोर केनेडी, जॉन एक घारमाराम ४५० —सम्बद्धा का इतिहास साधुर, एल पी चित्रमुख प्र ५७५

चना वर्ष व्यावाधनात्मक व्यवस्य शमा, राजनाथ वि ३ १०

—का बस एक प्रध्ययन शर्मा, हय्यदेव हिं सा ॥ ३४०

विस्वविद्यालय दिन्या की समस्याए भेंकेल, बार्ल्स गर्गे ह

विष से धमृत की घोर धश्रद १०० विषेता धमृत नानक्षित राजकमन ४५०

विष्णु उराधना रामकृष्णदाम 'रिसिक देहाती ४५० विमुद्धिमन्यदीपिका कीसाबी, धर्मानद महाबोधि ३५० विस्तारवादी चीन के दो हजार वर्ष चतुर्वेदी, जगदीशप्रसाद नवभारती २२५ लोज ॥ १२५ विस्मृति के पक्ष माजायं, निरजननाथ या सा म ३.०० — के भय से गुप्त तनसुखराय सूर्यं प्र ३०॥ विहारी की काव्य कला उदयमानु हस रीपल बीटामिन श्रीर हीनता दनित रोग गुप्त, सुरद्वनाय साकेत

बीणा बादिनी गिरिजादयाल गिरीश सा भइल ३५० बीर गायाए कोहली द्रोणवीर राजकमल १५० बीरगाया स्वनत्र भारत की बरनवाल सलदेवप्रसाद

भार्मी ४५० बीर दश के बालक बीर चनुर्वेदी, रामजन्म चिन्मय १२५ —भूमि हरयाणा भगवानरेव द्याचाय हरयाणा ४०० --वाणी सावरकर, बीर विनायक दामोदर पथ्वीराज प्र

- सत्तर्स प्रपूर्ण सूयमस्त मिथण बनाल हि

-सम्यासी राजेंद्रपान जिज्ञामु श्री स्वामी सर्वानद जी,

दयानद मठ, दीना नगर (पुजाब) ४०० हेम् भगवानदव, प्राचार्य हरयाणा ०७६ बीरागना चैन्नम्मा शक्र बाम अमेश २५° बुद सतर्सः चुबन, कृष्ण, टीका यु स , वा २ ५० बुद्धावस्ता कैसे रोकें 'सुमन', ग्राचार्य भाग्योदय- २०० व पाक सप्रह तिवेदी कृष्णप्रमाद खबतरि ३ ५० बृहत् इहजाल सपूर्ण तात्रिक देहाती २५००

-पर्यायवाची कोश दिवारी भोलानाय, सपा सद्यो स २ कि महल

—सप्तवार क्या जगन्नाय देहाती २०० वैणीसहार नाटकम का सारिणीय, सपा रा वेनीप्रसाद

4 40 वेद मत्रों के प्रकाश म सपूर्णानद सस्ता १ ५० वेद रिम मग्रवाल, वामुदेवशरण स्वाध्याय ५ ०० — विमय वदवत शास्त्री हरयाणा २००

--व्यारुया प्रय सप्तम पुण्ड विद्यानद विदेह, स्वामी बेद सस्यान १५०

 शोरभ विद्यापी, जगदीय गोविदराम वैदान विवेतानद, स्वामी श्रीरामकृष्ण २ ०० --सार म स्याहियी मदानद मोतीलार २०० वै दिन वर्गानिमेल राजकमल --दिन, व स्रोग महाय शिवपूत्रन राजकमत ४५० वैदों का दिव्य सदेश अन्तड १०० --- मे वैदिर ज्ञान रायावरूपम घवतरि • १६ वे महान कैमे बने राष्ट्रवयु राजपास १०० वे माई वे लाल भा, धयोध्यात्रसाद श्रयमाना १२% —सडेंगे हवार साल मिथ्र विवसायर बङ्ग्न

वैनिकियन रहमगीरी दीश्वित, बानदश्रहागं परि स

विश्वविद्यालय ७०० वैदयावति मा सा सम्मे 🎨 👓 वैज्ञानिक अनुसुधान धोर धाविष्कार राव रवीद्रप्रताप जवलपुर प्रागृ १ ५० — वद्मावी ना इतिहास चतुर्वेदी, जगपति हि समि ५ oo —गणनायेँ रस्तौगी, सुधीरचंद्र राजीव, मे १२४

-परिमापा कीश नपूर, बदरीनाय, सपा शब्द-लोक

— प्राणायाम रहस्य अद्योत्रहुमार सिंह धवतरि २२५ वैत्तिक व्यवस्था शर्मा, रमेशबद रातीव, मे

वैदिक सास्थान राय, गगासागर चौखदा २०० —इतिहासाय निर्णय शिवश्वनर काव्यतीर्थं स २ वैदिक

पुस्तवालय ६ ५० —उपदेश मा १ श्री १००८ श्री स्वामी जी महाराज, व्या स्रीपीतावरा १२५

—कीश सूर्यकात शास्त्री भोनीलाल २२ xo

— वर्ष एवं दर्शन कीय, ए बी २ भा मोतीलाल ५००० — धर्म परिचय जगदेवसिंह शास्त्री हरयाणा ० १५

—निवधावली शर्मा, मुशीराम 'सोम चौलना ४ ०० — प्रवचन जगरकुमार शास्त्री मधुर प्र २२४

— भारत में यज और उसका धार्थ्योत्मक स्वरूप देवराज, मृति हरवाणा २००

- यूग ने भारतीय भाभूपण रायगीविदचद शीलगा

\$4 eo योग-परिचय विष्युतीयं, स्वामी विज्ञान म ३ ५० —वाङ्गय में प्रयुक्त विविध स्वराङ्ग प्रकार गुधिप्ठिर

मीमासक मा प्राच्य १५०

- विनान विमर्श वैद्यनाय शास्त्री सावदेशिक शार्य व्यावरण पाडेंग, उमेगबद चौनदा २००

—स्याकरण मैकडोनेल मोती ताल

—स्याक्रण मा १ रामगोपाल नेशनल १४०० —बीबयसा पूजा-पद्धति इत्याण में २००

—साधवा विद्यानद विदेह, स्वामी वेद सम्यान » ५० साहित्य भौर सम्बृति उपाध्याय, वनन्व चौनवा ६००

—साहित्य की रूपरेला अप्रवाल, हसरात्र चीमवा २ º o

—साहित्य मे नारी प्रधानकृतार वेदालकार वामुदेव

 स्वर-सभीना द्यमरनाय शास्त्री श्रीमासबीय १००० वैद्यनीय सुमावितावित महता, वी एम भीलवा २०० वैद्यराज जी बी जीवनी (राधावल्लम) धवनरि ० १६ वैद्यास माहातम्य धर्मा, जगन्तस्य देहाती १५०

वैद्याली, एक परिचय जाही, यीरग अध्यानी २०० - की नगर वय चतुरसेन आचार्य साग्दा प्र, मा

पूर्वार्ट ६००, उत्तराद ६०० व्यस्य वी बरमात चनुवँदी, बरमानपास रामप्रमाद १७४ व्यक्ति धौर शाय्य चतुर्वेदी, माखननाल धनुमधान

—बौर साहित्य बाबपेयी, नदद्वारे प्रनुषयान

30 00 व्यक्तित्व घोर विचार बन्हैयामिह, शपा कि महत व्यवपान, बिखरी भास निखरी प्रीत नाजपेयी, चातिकुमारी ओकमारती

जारनारणा ज्यद्वार प्रशिमा सहिता पहुंचा १ १० व्यवहारिक मनोविज्ञान कौरिक, सत्यप्रकाश राजीब, मे १०० —मनोविज्ञान राय, रामकुमार चौसवा ८००

—मनोविज्ञान सबसेना के के राजहर प्र म ४५० —मनोविज्ञान की रूपरेसा राव, रामकुमार चौसवा ५०० —मनोविज्ञान सरल प्रध्यमन कीमिक, सरप्रकाश राजीन,

स ४७५ स्थाकरण बोध परताई हरिशकर अनसपुर व सृ ० ६०

-- महामाध्य प्रदीयोग्रोत तथा छाया सहित मोवीसास १६६४

ध्यापारिक तथा भौधोगिक सगठन एव प्रदय बहुगुणा, सर्वेद्रदत सभी स ३ सहमी ना १०००

— सन्तियम प्रध्वाल वी एन सबी स ७ नवशुण सा स, प्रा ८०० से १०००

-सन्तियम को रूपरेक्षा सबसेना के वी हि प्रचा पु

व्यापान भीर शारीरिक विकास मतीककुमार सिंह स २ स्थामसदर २४०

-रा कायाकरर चौधरी, प्रातिकारि करवाणमस १०० -शिक्षा पुरुत रमेशरन पु स , वा ०७१ व्यावसायिक सगठन सरसेना, एस सी सत्तो स ६ नवस्त

सा स. मा ७ ५० से १३ ७५ व्यास मिनवन प्रय दिनेश, हजारीत्रसाद, सपा एस चाद

२०.०० वत भीरत्यीहार चलड १००

হা

सहर तीजा बहायी बनावता ०४० सहर ताजा स्वास्त स्वास्त सहर वास्त वास्

शतपय बाह्यण सायण साया सपूर्ण ५ मा मोतीलाल २००० शतरब का प्यादा पटवा, शुभकरण राजल ४ एव सूर्य प्र

स १५०
प्रवेतार समृत्याय पाप धर्नना १६०
धान्द प्रीप्त प्रमुद्धा प्

-- निज्ञान धरल मध्ययन समी, देवेंद्रदस २ मा राजहरू प्रभा ३०४ (प्र)

शहर का छत्ता शिरीप घंभा सर्वे १०० शहर वा शहर नहीं या चौधरी, राजकमल वि गंकु ३७४

शहर में पूनता साईना उपेंडनाय धरक नीलाथ १२०० साकर प्रयावसी-दश उपनियद, कहाएम, भगवदगीता शाकर प्रध्य सहित ३ भा मोतीसाल ११७५ साकर अध्यर सहीद की साहनी पाडेंब, रत्नाकर, सपा भीसा प्र ४००

-के पुजारी, मुंद के विजेता भटनागर, बाकेविहारी शकुन ६००

शांतिद्वत बोस्वाची, अथवानवत्त सूर्ये प्र म १०० शांति-वेवा और विश्व शांति कालिकर, काका (बसान्नेय बावकृष्ण कालेतकर) प्र भा सर्व बाकुक कालिवात रायाकृष्ण १००

शाकीत्वादन के सिद्धात एवम् विधिया शर्मा पी पी प् एशियन

वादी राहुन साहत्यावन हि प्रचा पु ६०० साम भीर वर पारी, रात्ताता सक्तर २०० साम भीर वर्वेची भीर, स्वामपुषर मा दुरु २७५ सामराजीर, सपुत समी, नेयनाव समी अ सामराजीर, सपुत समी, नेयनाव समी अ सामराजीर की स्वीनिया विजयप्रकास हि प्रचा पु (मा)

बारदीयास्यानाममाता — हर्ष कीति पटकर, एस एम , भाष्य मोतीताक ५००

शालाक्यतत्र द्विवेदी, रमानाच स २ चौक्षवा शासकीय एव कार्यालयोन धानेखन, टिप्पणी धीर संशोप सेखन राष्ट्र प्रचा समि

यास्त्र राम परिचय ४ मा प्रकाशनारायण कला प्र इ. मा ११७५: मा २ २००: मा २ ३००, मा ४

शास्त्री औ दूसरो की नजर य व्यक्तिहदय पार्थ बुक

र १० -स्पृति यथ धमरनाय, सता ज्ञानलोक व्यह्यहाँ के धासू धर्मा, देवेंद्रनाय हि ज्ञा स २०० जिल्लाकों धीर गिलावों जरेंद्रनाय घरक नीताम ४०० जिल्ला कला तारकेदवरप्रसाद दि यू स ७ १० शिनण की समस्याएं टैसर, हैरल्ड राजपात ७०० शिला भौर भारतीय लोकतृत्व योमानी, कासूनाल विद्या भवन, उ. २००

-- भौर स्वतत्रता कानॅट जेम्स वी भारमाराम २००

—का महत्व भगवानप्रसाद सरता ३०० —का विकास भगवानप्रसाद सस्ता ३००

—की समस्याए मायुर विश्वनाय सहाय इ पब्लि

—के तात्विक सिद्धार जायसवास नद न ६५० —के मूल भाषार गण शोभा रा वेनीप्रसाद ६५०

—के मूल भूत सिद्धात दूवे, राधेस्थाय दि पु स ३ ४º

— के सिद्धात भीर भाषार गुप्ता एव एन स कैतास इ ६७६

— इसोन गुप्ता एल एन कैलास व ८००

— प्रदक्षातिया किरण योकुत इन्टर यृति १२५ — मनोदिज्ञान गुप्ता एल एन केलाब ब १२५०

—मनोविज्ञान जायसवाल सीताराम विद्या प्र स १००० —मनोविज्ञान वर्मा, लक्ष्मीबिहारीलाल बद्योक प्र स

₹ 00

 मतोबिज्ञान स्थिलनर चाल्स ई मारमाराम १५००
 मतोबिज्ञान एव बाल बुनियादी मतोबिज्ञान बर्मा, सारदा प्रसाद लोकचेठना

स ४१०

म ४ ५० — मे कियारम्क प्रतुत्धात पाडेयु के पी विनोद ३००

—में बस्त्रोदयोग माहेस्वरी द्वारिनाप्रसाद पुस्र, वा २ ४० —में सरल सारियकी पाडेय के थी विनोद ३००

- विज्ञान जायसवार, सीताराम विनोद ११००

-- सिद्धात वर्मा समीविद्दारीलाल ग्रदीक ग्र. म. ३०० शिचा ग्रीर यशीपवीत का रहस्य बसंड १०० शिलाशीत विज्ञान शोसी, जनहवीप्रसाद चौलवा ०७४

शिव जपातना रामकृष्णदास 'तिक' देहावी ४ १० —कोण-शिवदत हय धार जी भाष्य मोतीलाल १२०० —महाराणा सरल भाषा, सचित्र, मोटे ब्रसरी मे सम ,

--- महाराणा सरल भाषा, सचित्र, मोटे ब्रांसरो मे हाम , रतीराम, बनु देहाती बडा साहत्र १४००, दहेन एडी

सन १६०० —स्वत्य विधानद विदेह स्वामी वेद संस्थान ०३० धिर्वागत प्रतोत समा विस्तित शिक्षा

धिवसिंह सरोज सपा तिसोवी नारायण दीक्षित शिवसिंह। टाकुर तेजकुमार ६००

शिशुमीर भमिमावर मलह १०० — जन्म से पूर्व ग्रसड १००

—पानन यरापान, हा प्रिटलेंड ३००

मीट मेटल बन्नमं बातीषरण देहाती ६२६ गुनवार बतवधा रामबृष्णदास रिमक देहाती ०७६ गुतुरमुगीवा रेतिस्तान धरण धनु पृस्तके ३००

गुँद गिवना की लोड रामघारीगिंह दिनकर उदयाचन १०००

─पनग्याभिनि प्रवेशिका सिन्हा, हरीरवरप्रमाद, चतु
कंद्रीय हि ४ १५

युद्ध नुद्धि मीमाशा समी, मोलानाम हि सिन १००
—हिसे बाइटी, इरदेव लोन मारती २००
सुम गीत मोटी, भीनाम कि एर, नो १५०
सुमशा चतुरसेन, प्रासाय हि प्रचा पु ४६०
सुम्य की भूति टकन, प्रतापनारायम विवेक ४००
सुम्य की भूति टकन, प्रतापनारायम विवेक ४००
सुम्य की सेन माहोसरी द्वारिकाममाद रा वेनीमाम्यव १६०
सेर को सामरी मंदित, प्रकार, समा हिंद मा (पा) २००

धेरबाह सूरी भगवानदेव, भावार्य हरवाणा ० ७४ वेवहे व्यक्तित्व विचार धीर कृति भटनागर, बाकेविहारी,

सपा भारताराम वेप स्मृतिया रमुबीर सिंह ना प्र सभा वैधिक एव विधासक प्रशासन योगेंद्रनीठ, भाई बिनोद ६०० —समानसारण बायस्वात, सीताराम हिं सीम ७ ५० वैधासिनो बादेग, हृदयनाराम हिंदेयेल हुदय प्र ४०० बोधासिनो पादेग, हृदयनाराम हिंदोल १,४० बोधा प्रतिया एव विद्योगिक समी, स्वामिट्ट मारामाराम बोचा भीर सुम्बन है, स्वीच हैसती १,४०

खु बार रस भौर हिंदी-काव्य पुष्त, गणपतिचद्र भारतेंद्र भवत १२.६० श्रद्धाराम ग्रवावती भनोट, सरनदास, सपा नेशनस म ००

यन मधंदास्य विषरस, बैजनाच सरस्य स - समस्याए श्रीवास्तव, राजमणिलास मोरियटस

पश्चि १२ १० —समस्याण एव समाज-कन्याण सरल प्रध्ययन प्ररोहा,

योनजनार राजहत य म ६२४ श्रवण कुबार धर्मा, वरवीत देहाती १२४ श्रवण महारम्य, वर्षा, जगनार्य देहाती ११०

श्री अनुपूर्वि प्रकाश लूपरा हरिसिंह हिरिसिंह सूपरा, रिटायर्ड वैक मैनेशर, जे ६ राजीरी गावन नई दिस्ती १४ ६००

--- मर्रावद का सर्वाय दर्शन सर्मा, रामनाय मोरियटक्ष पब्लि १०००

─ग्रर्शबद पत्रावसी योग गर्शबद मा २ श्रीग्रर्शबद १००

-- प्रराविद शारिभाषिक शब्द कोश माचार्य, नैरावदेव दिव्य -- प्रारविद साहित्व एन भाकी श्रीप्रतिद २००

--वच्छव गीताबिस बत्याम म २ ५०

-- बमता स्तव मजरी बत्याण म २००

-- वत्यद्वम २ भा वत्याप स १४० श्रीकासी निस्यार्चन कल्याप म ३००

---स्तव गजरी बत्याण सं ३ १० श्रीकृत्य चोपटा, सुरर्शन उमेरा २००

---जन्माष्टमी महात्सव गोस्वामी विम्मनताल, सपा गीता

• ३० वीकोष, हिंदी-मस्ट्रन कोष धर्मा, केदारनाच, सपा चौसवा

थोकाप, हिंदी-मस्तृत कोप रामा, बेदारनाथ, संगा घोस ्रै ४

श्रीमायत्री तस्व विर्मस कृत्याण सः २०० श्रोगुरु वर्ष माहित का टीका, देवनागरी लिगि सः गीपात्र सिंह,

कौमी, जालघर १६००

- श्रो गोपाल प्रसाद ब्यास श्रीभनदन एष ब्यास स्वर्ण-जनती समारोह समिति, २० थियेटर कम्युनिकेशन विल्डिंग, कनाट ध्तेट, नई दिल्ली १ २०००
- नदमानु गुप्त धमिनदन त्रम गुप्त, दीनदमालु, सपा एस ਜਾਣ
- -- शिन्तमस्ता निरमाचेन नत्याण म २ ००
- --- तनस्तराय जैन स्मृति स्य जैन, जैनद्रकृतहरू तनसूसराय स्मृति प्रय समिति, दिल्ली १०००
- —हारा नित्याचन कल्याण स २ ३०
- -तारा स्तव भाजरी कल्याण म २ २५
- तारा स्वरूप सुरव करुयाण म २०० -- त्रिपुरा महोयनियद कल्याण स १५०
- दुर्ग स्तव-गत्रशे बस्याणाम २ ५०
- --नारापण उपदेशमात शिवोम प्रकाश, ब्रह्मचारी विज्ञान म १७४
- -परनानिरि पूरत सुनायका, विष्णुतम स्वकाकर बाबद ─पुर्यात्तम योग चलडानद सरस्वतो, स्वामो चरसाहित्य
- -प्रमसागर लल्लाल देहाती १०० -- बगला नित्याचेन कल्याण क २ ००
- बापू राष्ट्रीय जनी रतीराम बास्त्री देहाती ० ६०
- --- बाला निरयाचेन बल्याण मा ३ ००
- —बाला स्तव मजरी ब्रुट्याण मा २ ६० - नगवती गीता गल्याण म ३ २६
- --- मुबनेश्वरी रहस्य कस्याण में ३००
- भूवनस्वरी स्तव गजरी कल्याण म ३००
- —र्मरवोपदेश कल्पाण म २७५ धोमह्यानद प्रकाश सत्यानद, स्वामी बेद प्रश्रा मा ३ २५
- थीमर मागवत शुरत, रबुनदनप्रसाद 'मटल घटन प्र \$400
 - मीमदुभागवत गीता. १४ मध्याय माहारम्य सहित देहाती
- --- तर्व रागेस्थाम सपुर्व २० मा शत्री, श्रीसाध देहाती
- श्रीमःद्वगवदगीता पुरवायं बोधिनी सातवलेकर, श्री दा
- स्वाच्याय २००० थीमञ्चागवत रहस्य प्रसदानद सरस्वती, स्वामी सल्साहित्य
- श्रीद्रान्तभाषार्यं जी भौर उनका पुष्टिमार्गं चतुर्वेदी सीताराम हिसाक् ५००
- श्री महाराज हरिदास जी की वाजी सटिप्पणी व अपर निरंजनी महात्मामों की रचना के बनाय स्वामी, भगत दास, सपा दादू महाविद्यालय, जबपर सीटी २०००
- -भाता जी के दवन श्रीमाताजी घोषरविंद २ १० --'रमा' भौर उनका कान्य मित्नी, नव्मीत्रसाद 'रमा' हि
- साहित्यालय ०७% श्रीराधा जन्माष्ट्रमी महोत्सव गीता
- ---मायव-विदन पोहार, हनुमानप्रसाद बीता ५००

- श्री रामचरित्रमानस श्रयदा रामायण प्राठी काड सटीक सपा वदमणप्रसाद भरद्राज सुलसीदास तेजगुमार १४०० श्री रामबीबा नाटक विश्वेश्वर देयान देहाती ७ ५०
- -- रामलीला बाटक शर्मा बगदीश देहाती १०००
- -लासवहाद्रर चास्त्री चित्रबदनवार चित्रकला सगम
- विचारक्षापर थी निश्यनदास क्षेपराज —दवाम मुखसागर सपुण, सचित्र मोटे पक्षर नरसिंह स्वाम
- मन् देहाती वहा साइज १४ ००, दहेज एडी शन
- थीस्वामा पूजा पढिति करवाण म 2 ०० -सपर्या वासना कस्याण म ३ ५०
- —धीचैतन्यचरितामृत गोस्वामी कृष्णदास श्रीहरिजाम प्रेम
- सकीवन महत्त, वृदायन
- -- श्री मा सानदमयी गुरुप्रिय देवी श्री श्री शानदमयी भा १ ३ ४,६,२०० (प्र), भा २,४ ३०० (प्र)
- -- चीविद्या निस्पाचन करमाण म ३ ५० -श्रीविद्या स्तव मजरी कल्याण म ३ ५०
- -- मुरजबत बासानमधु मगल श्री सेठ सूरवमल कौशिमा, ऋषि वैश्विती वहवा २५ ००
- स्वामी सरवदेव परिवाजक पञाव भाषा विभाग भाषा वि , पदान, पटियाला
- हरुमान बीवन बरिष अकुर, बुसरावदास देहाती. 840
- —भीम विजय युक्त, रमाशकर 'रखाल वरिमल श २ १० —हिर भस्त रखामृत सिंखु व्या स्नामनारायण पाडेय वोस्थाभी, सप सा नि. का १ १०
 - —हवे की **धा**त्मकथा चपाच्याय बालकृष्ण प्रथमासा 2 40
 - श्रेष्ठ बहानिया वादव राजेंद्र, क्या राजपाल २५० वद्वकनिरूपण ह्वास्वरूप, स्वामी विज्ञान म ० ७४

स

सकिता धानदकुमार रामप्रसाद २ ५० सक्तिता धेठिया, मुलबद कल्याणमस २ ४० सनत्य सन्ति के उद्युत चमत्कार अलह १०० सकीर्तन पाडेय, हृदयनारायायण हृदयम हृदय म ० ४० सनात बाजपेथी, कैलाश भा शानपीठ ३ ०० सम्बन्धित वायत्री हवन धल्रह ०२०

- —शिहारी समारवद्र रामवद ४०० —सामान्य दर्वन वर्मा, ए के मोतीतात ४ ४० -हिदी व्याकरण मोहना सिंह हि शिक्षक o yo सञ्जेषीकरण बादव, जगदीस या मदन ३०० सगम जानशीवत्वम द्यारती जयशिव २००
- सगम जोबी, मदनमोहन रामधसाद ३०० सगम वैद्यनाय चद अभरतवति १५०

सर्गतिहों की चित्रावलिः श्रीवास्तव, हरिश्चडः संगीत सः प्र

सगीत निवय सब्रह श्रीवास्तव, हरिश्चद्र, सपा सगीत स

प्र ३००

-- प्रवीण प्रश्न पत्र प्रयाग सगीत समिति कला प्र, इ ० ७५ -- प्रवेशिका बसु शिवेंद्रनाय २ मा मोतीलाल ३०० -प्रश्नोत्तर श्रीवास्तव, हरिश्चद्र भा १ सगीत स प्र

\$ 60

सवीतराज-प्रयम धर्मा, प्रेमलता मोतीलाल ४००० — शिक्षक बसतकुमार कला प्र, इ २०० सगीताजील ठाकुर मोकारनाय ६ मा मोतीलाल ३२०० संग्रह निवाठी, सूर्यकात निराला' जबसपुर प्र वृ १ ७४ सप्रहोलय भनुशीलन रायबीयरी, ही एमके २५०० सप्रमित्रा भीर सिघल विजय रामवृक्ष वेनीपुरी बेनीपुरी

सर्वयं माम, समरसेट राजपाल ६०० —के प्य पर धीवास्तव मोतीलाल नव्युग ग्रवागार ४२५

संघवाद भीर संघवाद शासन धार्मी, वजमोहन हि समि सर्विता प्रेमशक्य सपा विष्याचल २ ५०

स्त्रीवन कहा ? राजेंद्रप्रसाद सिंह नेनीपुरी ३ ५० सबीविनी पारसीप्रसाद सिंह तारामहल १७६ सत अलोइस साह, केरबिन बारनो प्रमात ब्रूक २०० · क्षीर चतुर्वेदी, राजेस्वस्त्रसाद मा सा न १६० -श्रव मल्बदास दीक्षित, त्रिलोनीनारायण सा सस्यान.

कि एजब सम्प्रदाय और साहित्य वर्मा, वजनाज

राज प्राच्यविद्या ७ २५ काव्य का दार्शनिक विश्लेषण सहगत, मनमोहन भारतेंद्

भवन १२०० सतिति निरोध सब, क्यों और कैसे मुध्त, सुरेंद्र नाय साकेत

सत दाद भीर उनका काव्य मिथ, भगवतवत दिनेश प्र क्

---नामदेव की हिंदी पदावसी मिथ्र, भगीरवं " पूना

विश्व १५०० -पलट्दास भौर पतट पर रामाकृष्णसिंह सूर्व प्र -पीरस दसर्वे साह भार पी प्रभात बुर २७% ---पासिस जेवियर पस्कात, जे प्रमात बुक २ ७३

---वर्नंड मार्टिना, सिस्टर प्रमात बु**न** १२६ —देनेदिक साह, नेदविम बारनी प्रमात बुक १३७ मंतरों की हाती दीवड़े, प्रनंतगीपाल हि प्रचा पू (था)

—माहित्य शुक्त, प्रेमनारायण स्थम १८०० —शाहित्य की सौकिक पृथ्ठमूमि शर्मा, घोमधकारा हिंदु

एवं हमी —मिगात्री, एक प्रध्ययन उपाध्याय, रामनारायण सा दूरीर ३००

सतानमुख प्राप्ति 🕷 प्रयोग कल्याण म 🐧 ०० सताल सस्भारकी रूपरेखा जमाशकर निर्माण प्र.प \$2 20

सबीनी-प्रकाशिका साह, होमन 'समीर' थी दयाल 🛚 भदन

सत्तन राजेंद्र मिलन, सपा ख १ समानांतर ३ ७५ सबुनन सुथोगी मिनन, सपा ख २ समानातर ३ ४० सती की माकिया साह, केरविम बारनी प्रभात वक ३०० ---के धार्मिक विश्वास धर्मपास मैनी नवजीत २४ oo — के सायी साह, रेमीपील 'प्रभात वृक ३ २ <u>४</u> सदेह का सिंदर परदेखी करवाणमत ३००

सध्या पाढेव, रूपनारायण नवयूग प्रयागार ४०० -- स्वा ? स्वों ? की ? उपाध्याय, गगाप्रसाद वैदिक प्र

—योग घौर ब्रह्म साक्षारकार ब्रह्मचारी जनन्ताम 'पिवक' एस ही शर्मा, २०००

सन्यस्तसद्य सावरकर, वीर विनायक दामोदर पृथ्वीराज प्र सन्यासियो नी गुप्त बृटिया रामनारायण देहाती ७ ५० सन्वासी ग्रीर सुदरी शर्मा, यादवेंद्र 'सद्र' कल्याणमल ३०० — का विवाह वरेरकर, मामा विद्याप्र म २०० सपादक के पक्षीस वर्ष शुक्ल, देवीरत क्ल्याण म. ४०० सपके भाषा हिंदी सहमीनारायण 'सुघांचु' राजकमस २ ५० सपूर्ण भारता लड्, ५२ लडाई मटल्लाल देताती १२०० —गाधी वाड्मय भारत सूचना मौर प्रकार मत्रालय

 महारामायण शिवत्रतलाल शिव सा ६०० --रामायण सन्ता, उदय विश्वासागर १००

सयुक्त निकाय कास्यप, भिक्षु जगरीश महाबोधि भा १ ७००. मा २ ६०० ─िनिकाय धर्मरक्षित, सिंधु महाबोधि भा १७००, मा

2 800 -राज्य धमरीका भूगोल १०० सबुज्यता, समीकरण एव घाक्तीकरण सम्बोकरण धर्मा,

चदशेसर मा सवन १२५ सयोजन कोसल्यायन, भदत धानद महावोधि ०३७

ससार की यनोरम कहानियां शामवृक्ष वेनीपुरी बेनीपुरी 300

—वी लोक यायाए भूगोल १००

---के महापूर्य धराष्ट्र १.००

—शासन भूगोन ३०० सस्कार संसदं बोबल, सीताराम भा सा सदन १७५

सस्त्रत मतनारकोश धर्मा, धोमप्रवाश वासदैव — काव्य में शकून शर्मा, दीपचद्र सामं, में १२ ५० --- बाब्य दास्त्र का इतिहास काने. पी थी मोतीसास

-के महानवि श्रीर नाव्य उपाध्याय, रामजी''' रा

वेशीमाधव ─नाटक कीच, ए बी मोसी दास १५००

—भाषा बरो, टी घीसवा ३०.००

सरन्त रचन गौड, गणेशदत्त प्रकाश बक २०० —रीविकाव्य का विकास परमानद शब्दकी य प्रतिष्ठान

--वाड्मय स्पाध्याय, बलदेव बीखवा १७३ --व्यार एण द्विवेदी, कपिलदेव विश्वविद्यालय ५ °=

--व्याकरण की उपन्रमणिका ईश्वरचद्र विद्यासागर बीखवा

-- व्याकरण कीमुदी ईरदरचद्र विद्यासागर या १-४ चोखवा

-व्याकरण दर्शन चौधरी, रामचह खबानव, मा

-ध्याकरण, रचना तथा निवध उपाध्याय, रामश्री सीक मारती

-शियण पाडेप, रामशकल विनोद ३ १० --साहित्य का मालोचनात्मक इतिहास पाडेय, सत्यनारायन शामं.मे ८००

-साहित्य का इतिहास चपाच्याय बनदेव परि स ७-

शारताम, बाएव चीजना १२०० - साहित्य का इविहास, वैदिक साहित्य की रूपरेका सहित भग्नताल, हसराज सती स ४ चौतवा ७ १०

-साहित्य का नवीन इतिहास कृष्ण चैतन्य चौख्वा २००० सप्तक घोष माविद शीमर्रीवह १५० -साहित्य म मीलिकता एव अनुहरण रस्तोगी, उमेश्वप्रसाद

चीलवा ८०० --साहित्य में सायुरवमूलक सनकारों का विकास शर्मा,

बहारिय बहारिय गर्मा गवर्तमेट कालेज, बाजमेर १२०० -- मुक्बि समीना उपाध्याय, बनदेव चौसवा २००० सस्कृतानुबाद निवधादश गीड, पूर्वाद मोतीनान १५०

सस्कृति भीर साहित्य हुवे मापूरी राजवसाद ४०० -की परोहर महेन्द्र, रामचरण ग्ररविंद श ग २ १% सस्मरगी के बीच निरासा दाकर द्वस्तानपुरी या प्रथमाता

\$ 00 सईदा जिया प्रजीमाबादी हि प्रचा पु (बा) १०० सक्तिय प्रार्थना पाठ तुकडोसी महाराज श्रीनुददेव . १० सहर-परिचय सनावद्या, विश्वाराम 'सुमनाकर' माधव सचित्र शापुर्वेदीय यत्रशस्त्रपरिचय सुरद्वमोहन चौखबा १ ७५

- इन्द्रेक्शन शत्ना शिवनाथ नौसंबा ११०० --- क्रियारमक घोष्यवि परिचय विनान दिवेदी विश्वनाय

चौसवा १२००

- नगरदा तथा दिन्तपरियासन वर्मा, मुख्दस्वरूप चौरावा

—पह विज्ञान व्हीरा, माशासनी मारमाराम = ०० -परिवार नियोजन कोकचा, हरनारायण देहाती ५ २६ -- भौगोलिक कहानिया भूयोल ० ५०

सन्त्री मन्त्रि मॉटफोर्ड, सुइस हे प्रमात वृक्त २ ५० सहक वापिस जाती है कुष्पवद एमरे १ ०० सतरगी बहानिया उदयन बौधाबा १४०

शताईस कविजाए मनोट, रामा द सात्माराम १ ६० सत्य, शिव सुदरम्, विवासी, रामानद 'मारती दन' २ मा

मा मंदिर ६०००

सत्यमेव वयते यदसेन, माचार्य राजधानी १७४ सत्य हरियचद्र नाटक वासदेव, टीका मा भवन १६० ---हरिश्वद नाटक व्यास लक्ष्मीशकर, सपा चौरावा • ६५ --नारायण वत कथा धर्खंड ० ७४ सदाचार हरिश्चद सूर्व प्र ए २००

सदा बनान रही कालीनरण देहाती १२ ०० - नीस शर्मा समयोगान दिनेश पीतम प्र म २०० सदाबहार बुबाब रामगीपाल परदेशी सपा प्रगति प्र ३०० सदुपदेश-सुधा सनावशा विष्णुराम सुमनाकर माध्व सब्गुणी बालक मट्ट, कृष्णदत्त बाल हितेपी ० ७५ सदगुणो की सच्ची सपीत झहाड १०० सहमंपुण्डरीक सूत्र दत्त एन मोतीलाल १०००

हदवाणी माईकी श्रीश्री मानदमयी १००

चनावन धर्मोद्धार दुवै, नबधेदनराम ४ मा मोतीसाल ₹0 40 भञ्जनमाला भूपेंदरकुमार देहाती २ ५० बामित प्रकरण दिवाकर सिद्धसेन मोतीलाल ६०० क्यने महक उठे अपीत संबह त्यापी, रामावतार धारमाराम

सन्तक्ष ही जाति निषंग धर्मा, छोटेलाल हिंदू धर्मे. भा र मा २ = २४ सप्तरश्य सावित्रीदेवी विष्याचल १००

क्यावर्ष वर्मा महादेवी सोक्सारती ६०० सप्तराती मीमासा कल्याम मं १७५ -- रहस्य कस्याण म ३ ५० क्षकर भीर सपने दशरवराज प्रभात प्र -के साथी सुनीता कमलवीर प्र २ ५० समस जीवन वधीतिया, रामजीसाल मुरारी ० १६ वफलता का रहस्य महागिक्ति २ ५०

सकेद गुलाब श्रीमाताओं श्रीमरविंद २ ४० सब कुछ चतुर्वेदी, सुदरसास 'प्रदणेश सोकराज १०० -- बलता है बब्बर, सुदर्शन नवयुग प्र २ ५० —से निराली चीच यीनानाय 'शरण' नवयुग प्रयागार

-हैं समान, सब हैं महान श्रीहान, नवाबाँसह इ टर पूरि

\$ 50

सम्बी सरवण कीतिल प्राफ साइटिफिक ए इ इडरिट्रयल स्तिर्घनीतिल ०५० सम्यताकी रहानी ड्रेन्ट, विस कि महत मा १ १०००

भार ८०० समकालीन दार्शनिक समस्याए यत्य, यदादेव, सपा, म मा

दर्शन १३०० - बारतीय दर्शन सन्विदागद पृति के मोतीलाल १२ ०० सममौता दार्पा, श्रीराम् 'राम' सूर्वे प्र ४००

सम्तल विकोणनिति मजुदार एँ धार भा भवन

समदर्शी बाचार्य हरिमद्र सुखनालको राज प्राच्यित्या

समस्यप की गया चनुर्वेदी, जमदीशबद्ध नवबेतना ६०० समन्वित शिभा ऋष की साधना ज्ञानपीठ ६२५ समयातीत काता नवहिंद ३००

समरागण-सूत्रधार वास्नु शास्त्रीय भवन निवेत शुक्त, द्विबेंद्र-नाय धन् महरचद

समदायी पाठ रचना थाराचार रामकृष्य समस नई

०२५ समस्त समस्यामो का एक हो हत ऋखड १०० समस्यानिको के ससार मे सीनी जमदीयजद केंद्रीय हि

समस्या भौर समाधान दिनकर कृष्ण व ४०० समाज मध्ययन की रूपरेखां राय, हरिहरप्रसाद

समाज प्रध्यपन की रूपरेखां राय, हरिहरप्रसाद भा भवन ३०० —भीर घपराध सरल ग्रध्यपन गोयल मूलचद राजहस

भ म ६२५ ─भीर राज्य मारतीय विचार मित्तल सुरेंद्र हिंदु

—सार राज *धकेण्मी*

एक रमा —भीर संस्कृति उपाध्याय भगरमुनि समिति ३२%

— की मिमनेन रचना भलंड १००

के समोसे रामावतार सिंह सिसौदिया बागद पु वा
 च्दर्शन व्यास रामनारायण तुलसी

—दर्शन सिहा रामेश्वरप्रसाद भा भवन २२% —दर्शन नी रूपरेखा मैकेंजी जे एस राजनमल ७००

— मनोविद्यान ज्ञानपीठ ४५०

—वादी वर्गा मिश्र स्थामाचरण नवसारती ४०० —विज्ञान मिद्धात चौर प्रयोग राजाराम शास्त्री सत्त्रो स

प्रविभाग समाज्ञपास्य मृशापात्र मोतीलास ४००

— की रूपरेली मुकर्जी मार एन स २ प्रकाश कुक

३ ५० —ने मूचनस्व सोमर रामविहारीसिंह २ भा

थीराम मेहरा १००० (प्र.) —के मूल मिद्धात सरल भ्रष्ट्ययन गीयल मूनवड

—क मूल मिद्धातः सरल भ्रष्ट्ययन यायन मूलचड सा १ राजह्य प्रसः ३,४०__

—ने मुनापार तोपर रामविहारीविह मानक्चद —व सिद्धात तोमर, रामविहारीविह श्रीराम मेहरा

्रीत तत्त्व च्या विद्याल स्थ

 ने निद्धात गरल अध्ययन गीपन मृतचद राजहस प्र.म. ६२५

 सरल प्रत्यक्त प्रातद्वयस्य २ मा राजहुल प्र म-३ ७५ (प्र)

-- मरत प्रध्यवन पुष्पराज राजहन प्र मः १२६ समाजनात्त्रीय निरंध तीमर समिब्हारीहिंह राजीव, मे

-- निवय मायुर, बैराउनाय रामा बुर- ४ १०

समाज सेवा का क्षेत्र सभुनापसिंह हिंसमि भा १

५१०, मा २ ६०० समाधि वाजपेवी विद्यामास्कर प्रगति प्र ३०० समोकरण सिद्धात सिर्झ, राम, धनु केंद्रीय हि ३३५ समीका सीर मुल्याकन रामी हरिक्षण चिनाय १०००

समीक्षा के मान भौर हिंदी समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तिया टडन, प्रनापनारायण २ भा विवेक २५ ०० (प्र)

—के मान दंड धर्मा राजेंद्र श्री भा भारती —तत्त्व घोमप्रशास शास्त्री हिं सा स ३०० समीक्षारमक निवच गुप्त सुरेशबद्र मार्ग बुक १२५० समीक्षारोक दीक्षित भगीरण समुदय २०००

—- सास्त्र चतुर्वेदी,सीताराम चौलवा २१०० समृद्र विज्ञान भूगोल ३००

धमुद्रावदान भूगान ६०° समुखत राष्ट्रमिश्र नेदारनाम 'प्रभात' वि पम्मि १५० सुटुर गुप्त टेकचद्र प्रतिभाग्न १००

सम्मोहन सक्तीतन व्यास कृष्णानद 'वेमास' वेमास १०० सम्माट के मासू वीरमानुसिंह 'प्रताप' नवयुग म मागार

वर्षात्र वर्षा स्वाच प्राचीयास्य पाहिना राजनाः नर्वाहृद्द ० ५० सरवम कुरैवी, असीला परिनल २ ७५ सर अमरोशचंद्र बस् त्रिपाठी तारा प्रस्प २ ००

सरवा विवामी देव योपालबद्र भा साँग २०० सरदार भवतसिंह स्वादर्सिंह वेबैन' देहासी १२६ ~~भवतसिंह थाइच्च 'सरस जन कल्याम

—निवय और रचना धर्मा, बोमप्रकास हिं ना म

— प्रयोगात्मक मनोविज्ञान श्रवदाल, प्रार एस लग्मी मा

२७१ --- प्रायोगिव रसायन शर्मी चद्रगेयर भा भदन २००

—मागवन देहाती ३०० —मापा विचान गीवम मनगोहन सनो स ३ हि सा सः

E oo

-- महामारत देहाती ३००

 राजनीति तथा घेट विटेन घौर धमेरिका की सामन प्रणानिया स्थागी, महावीरसिंह राजीन में ६००
 राजनीति शास्त्र स्थागी, महावीरसिंह २ भार राजी

—राजनीति चास्त्र त्यांगी, महाबीर्रीग्रह २ भा राजीव में ३५० से ६५०

—रामायण धकर सुल्नानपुरी या सा मे २ ४०

---रामारण देहार्वी ३०० ---मोरवर्गण करवारायण काणी क्यारात स

—सोश्रदचीए हरनाशयण स्वामी हृपानाथ शरस्वती विवेद १५०

सामवेद

सरल ध्यवहारायुर्वेद भौर विषविज्ञान युप्त, युवलिक्शोर-

चौचदा

-शिक्षण विधिषा भारद्वाज, दिनेशाचद्र विनोद १०० -- शिक्षा मनोविज्ञान मायुर, एस एस विनोद ४०० --संस्कृत ब्याकरण शुवल, स्यामबिहारी 'तरख'. सा

नि.का २०० सामान्य विज्ञान दामौ यद्रशेखर मा भवन ५००

—हिंदी दोषा, विद्या हेमकुट भा १ १००, मा २-३ १५०(प्र), भा४ १२५, भा५ १४०, भा६-₹ €0

—हिंदी भगवत किशोर नेशनतः मा १ ०६३, **मा** २

सर सी वी रामन त्रिपाठी, जनदीतानारायण प्रत्युव २०० सरहरों के बीब कमलेरवर हिंद या (पा) १००

सरीज कुशबाहा, गीतारानी चौधरी सलबार चती, सलवार चली न्यास, गोपालप्रसाद स्वोध

सर्विध भाषद्वार वटकभैरव स्तोत्र क्ल्याण म ०७६ सर्विधिकाली कपूरस्तव कल्याण स १०० सवेरा, समर्थ, गर्जन उपाध्याव, मनवतवारण मा अन्तपीठ

समुराल की घरती. मिश्र, सूर्यनाशायल 'सरस' ज्ञान-सूर्य सहकार प्रादोलन थयो ? गौरीशकर मारतीय कि महेच

सहकारिताः नेहरू, जवाहरलाल सत्ता २.०० सहनारिता, स्या, नयी, कैसे ? सरस्वतीदेवी यु स , वा

सहकारी भडार वयो च कैसे ? गौरीशकर भारतीय कि

महल ५०० सह वितन समृतराय सर्जनः १०० सहज भीर शुभ मार्कडेय धारा एव नवा सा अ ४००

- सामना डिवेदी, इजारीप्रसाद मध्यप्रदेश शासन

सहायक पुस्तन श्रीड साक्षरता ने शिक्षको के लिए राष्ट्रीय दौद्यणिक

सही रास्ता साह, केरबिम बारनी प्रभात बुक २ २% सहोदरा घराकि मगला

सहगादि की बेटी मिथ, नरेश सर्गाणी २ २५ सारययोग (गीना ना द्वितीय भध्याय) ससडानद सरस्वती,

स्वामी सत्माहित्य ५०० सास्यपोगदर्शन का नीणोंदार जोशी, हरिशकरः चौसवा

\$4.00 सास्यायन तत्र कल्याण म ३००

सास्यिकी सिद्धात एवं व्यवहार सरल सध्यवन यादव, ही-एस राजहन प्रम ६ २३

सागीत ममरसिंह राठौर न्यादरसिंह वेचैन देहाती ४ ६० --- कवर निहालदे ना मुस्तान- स्वादर्शवह देवैन- देहाती * 40

सागीत गोपीचद्र सर्व वालकराम न्यादर्राहर वेचेन देहाती.

—ढोला मारू तुर्व वालकराम न्यादर्शसह वेर्वन देहाती —पुरनमल तर्व बालकराम न्यादर्शतह वेचैन देहाती

¥ 20

---भवत प्रहलाद न्यादरसिंह वेचैन देहाती ¥ ५० -- मारू का भाव त्यादर्शिह वेनैन देहाती ¥ ४०

-- राजा भत हरि न्यादर्शिह वेचेन देहाती ४ ५० -- रूपबसत तर्ज बासकराम न्यादरसिंह वेचैन देहाती

8 20 --- दाकतला स्यादर्शमह वेचैन देहाती ४ ५o

—शीला दे वर्ज बालकराम न्यादर्शित वेचैन देहाती 8 20 -- सरवर नीर न्यादर्शसह वेचैन देहाती ४ ६०

─हरिश्चड न्यादर्शसह वेचैन देहाली ४ ५० साच को भाग शीकत शानवी भशोक पा (पा)

साम की बदरी वाजपेयी, निर्मेना आर्थ बुक

-को बेला नदा, गुलशन नवयुग 🛮 ४०० -वे स्वर शैसवाला हि शकादमी २ oo —सकारे व्यास, श्रेयासाल विच्याचन १२४ साप्रतिकी श्रीवास्तक, वीर्देह सासो के स्वर यतीद्रनाय 'राही' प्रतिमा परि

सास्कृतिक परिप्रेक्य मे भारतीय जीवन चतुर्वेदी, सीताराम *** भाप्रयः, तं १००० साकेत की टीका विश्वभर 'मानव' लोकभारती १२ ५०

सागर, लहरें धीर मनुष्य भट्ट, उदयशकर धारमाराम 7 00 '६० के बाद की कहानिया विवयमीहन सिंह ' नया सेखक

साव एकाकी समी, कन्हैयासाल कृष्ण द ३०० साव प्रविनिधि एकाकी सहसीनारायणनाल, सपा बीरा

तात समुदर मटियाबी, शैतेश कि महल. साधक का सदाद बल्याण म ३७४ साधन-पथ शिवोम्प्रकाश, बहाचारी विज्ञान श १.०० —सकेत विष्युत्रोयं, स्वामी सः २ विज्ञान म ० ५० सपदा रावल, नाराडणदत विज्ञान ग २ ०० साधना कुसध्रेष्ठ, सरोजिनी राज्यधी २००

साधारण एव प्राष्ट्रनिक भूगोल वर्षा, के एन " जनसपुर प्र १.५० साद्रन स्वोग- सहेलवात, रूपपनलात देहाती २.५० सामविक सूत्र ज्ञानमृति मोठीलाल १ ४०

सामवेद. स्वाच्याय सूडम शक्षर २००, स्गूल प्रक्षर. ३०० - पटका हरिस्वद विद्यालकार देहाती ४०<u>२</u>

—सहिता स्वाप्याय १५००

सामाजिक सामाजिक प्रध्ययन श्रीवास्त्रव, पूरनवड *** जवृत्तपूर प्र गृ. 400 कल्याण घोर सुरक्षा अरल घष्ट्यन धानदप्रकाश राज-हस प्रम ४ ४० --मनोविज्ञान सकोलकर, व वि विश्वविद्याल्य १०० -मनोविज्ञान परिचय तोषर, रामविहारीसिंह धीराम मेहरा १००० ---मानव विज्ञान प्रिचर्ड, ई ई इवाइन्स राजकमल ६०० ---मानव शास्त्र एव वन्यं आति कल्यांण भरल ग्रध्यवन गोयल, मूलचढ राजहस घ घ ६२४ -- मानव शास्त्र अरल मध्ययन गोयल, मूलचढ राजहस प्र # You —वियदन भौर प्रपराध सरल प्रध्यवन गोवल, मूलवर राजहस ब्र म ६२५ -विवारवारामी का इतिहास सरल बध्ययन योगल, मूलचद राजहस्त्र स ५०० —विषय दर्शन ५ मा भूगोल २६२ —व्यवस्या सीमर, रामविहारीसिंह श्रीराम मेहरा १००० —सर्वेक्षण एवम् क्षोज सरस घघ्ययन गोयल, मूलचद राजहस प्रम ४०० -- सर्वेक्षण सरल प्रध्ययन गोयल, मूलचद राजहत प्र म सामान्य ज्ञान भूगोल २ ५० - माथा विज्ञान स्वसेना, बाबूराम हि सा सम्मे ७०० मौतिको जैन सुदर्शनलाल राजीव, मे २७६ -मनोविज्ञान भटनागर, सुरेश राजीव मे ५५० -विज्ञान सिन्हा देवेंद्रवसाद भा भवन ४ ५० -- मनोविशान सरल प्रध्ययन जयवल्लभ सिंह कमल प्र 3 00 -- मनोविशान सरल धच्ययन सन्तर्मना, के के राजहस प्र म ३७% ─रसायन ठाकुर मा भवन १० थ० रसायन स्यागी, पद्मसिंह राजीव, मे २७५ —रासायनिक गणना ठाकर भा भवन ३ १० रोगो भी रोज्याम भीते, प्रियक्षार भीसवा ३ ५० -विज्ञान श्रीमाली नदक्षित्रीर विद्या मदन, उ 0 44 —विज्ञान एव गणित. निमय. एस थी *** अवलपुर प्र य मा १. ४५०, मा २ ३५० विज्ञान शिक्षण शर्मा, रमेशचढ कृमार सज ३ २६ -- य्याकरण भीर रचना शर्मा, बेंकट चिन्मय २०० सामदायिक विशास भीर यचायती राज नेहरू, जवाहरलाख सस्ता २ ५० --विकास एव कृषि प्रसार दूधनार्थीसह नद व -- विकास योजना बिदेदवरी सिंह साधना स २ २% सामृहित सेती दुर्गानकरप्रसादाँसह नाय ने क्सा म १०० सौदाविरी भारतीय प्रौढ़ शिद्धा सब भा प्रौढ़ ०३६

गारच्यक पाडेय विश्व सारत ३७%

सारनाय दिग्दर्शन धर्मरक्षित, भिक्षु, महाबोधि • ३७ — बाराणसी घमरक्षित, मिथु महाबोधि १५० सार्थ सौंदर्थ-सहरी कल्याण मा ३.५० सार्वजनिक प्रयंशास्त्र देवेंद्रप्रसादसिंह भा भवन १००० सावन बाखों में दार्मी, यादवद 'चंद सूर्य प्र म. ३०० —की घूप नीरव स्वास्थ्य सरिता १६० - की बेला रघुवशदयाल 'सावत नवयुग प्रयागार ३ ७४ साली साहिवा की झादी वर्गा मनोहर कृष्णा व ३ ४० साहस और पराक्रम की कहानिया चौहान, मनहर प्रार्थ एक - के पुत्रने राषवृक्ष वैनीपुरी ३ भा वेनीपुरी, २ ०० (प्र) साहसपूण यात्रार्थे भूगोल १०० ब्राहारा पर एक द्विट भूगोस ० ५० साहित्य और उपयोगिता रामचड्र 'प्रदीप' चिन्मय १ ४० --का उत्कर्ष पाड्य, श्यामनारायण विजय प मा ६०० —का बनोवैज्ञानिक प्रध्ययन उपाध्याय, देवराज एस भाद —का मुख्यादान वर्सकोल्ड, डब्लू भी विश्वविद्यालय —का विश्लेशण वासुदेवनदन्त्रसाद मा भवन ६०० का साथी द्विवेदी, हजारीप्रसाद राष्ट्र प्रचा समि १५० -की प्रावृतिक प्रवृतिया थिश्र, जगन्नायप्रसाद ग्रथमाला 300 --की मान्यतायें वर्मा, शगवतीचरण हिंदू एकेडमी ¥ ५० कुछ विचार ज्ञानवती ज्ञानालोक —के मान भीर मृत्य ग्राज सा प्रका ४ ६० —के विश्लेषण वासुदेव भा भदन —के सायी कैसाय दुल्पित लोक चेतना २०० -- चितन वर्मा, रामकुमार कि महत ६.५० -दर्शन जानकीवल्लभ शास्त्री जयशिव २०० —निश्य मिश्र भवीत्य विश्वविद्यालय ७०० -परिचय सर्वा, यदनयोहन राष्ट्र प्रचा सनि -प्रदेश एक समीक्षा सदानद सिंह कमन प्र २०० —रायायन (स्वतंत्र) दर्वासक्रप्रसाद सिंह 'नाय' नद सा श ६०० -शास्त्र के अमूख पक्ष विदाठी, राममृति वाणी विज्ञान -सगम जिलोकीनाव 'प्रेमी' मा प्र मदिर ३०० -समीक्षा केसरीव्यार मोतीलान ३०० —सरोवर बनासीसिंह हि ला स २ ५० — सहचर द्विवेरी हजारीप्रसाद नैवेद ४ ०० -- साधना भीर संघर्ष रामा, रणदीर मा सा म ५०० -साधना को पुष्ठभूमि भा, बुद्धिनाय 'कैरव' परि 🕅 २ ज्ञानपीठ ६ १० —साधिकार्थे. कैलाश किएत लोक पेतना २२४ साहित्वासोश रामयोपास परदेमी प्रवृति प्र १००० साहित्यानीचन विजयनुमार धशोर प्र ३०० — सिद्धात मित्र सरोक्य २५० साहित्यिक निवध धप्रवाल, घनश्याम " प्रार्थि

साहित्यिक निवध गुप्त, गणपतिचद्र सञ्जी स ३ अञीक प्र

--नित्रव गुप्त, शातिस्वरूप सदी स ४ अशोक वा - निबंध बतुर्वेदी, बिरियर शर्मा मोतीलाल २ ६०

-- निवय धर्मेंद्र बह्मचारी शास्त्री मोतीलाख ४ oo

निवध सम्मीनारायण सुधाद्यु राजकमन ३५०

—निवध वाजपेयी, नददुनारे लोक चेतना

-निवय शर्मा, मनमोहनलाल अवन्नाय कृष्णा व १२६%

-- निवध शर्मा, राजनाय संशो स ८ विनोद ८०० -- भिवय नये प्रायाम जोती, जीवनप्रकाश ववयुग प्र ५ ००

साहित भीर समृदर बाली, सुदर्शन विटकापट ५ ०० मिगाजी की बाणा गाराडे रमेणबढ नेशनन ४००

हिंदूर की लाज वर्मा, लक्जीदेवी 'चहिका' मगला विषी भाषा, लिपि धौर साहित्य जोतवाणी, मोवीनास शीमती राज जोतावाणी ४ एत ६४ लाजपत नगर, नई

दिन्ती १४ २००

सिंघुकी बेटी पाडेय, बीरेंड्र प्रतृप सा ४ ५० सिहरात विजय पवनकुमार कल्याणमल १२% सिंहनाद दीक्षिक लवेनुदा सानेत १२४ सिह्त दीप गोविददास, सेठ मा विदेव १ १० मिकदर नामा सिद्दीकी, सतमा भा शानपीठ मितता कण पाडे, सी हो , अन विध्याचल २ १० सिकों के गुरु का, कमलनारायण 'कमनेश हि सा स विगरेट बीडी कैस छोडे नरद्रनाथ सुदोव पा (पा) १ ०० सिवास मुत्त कितिया भित्रु महाबोधि 🕫 ६०

सितार बादन श्रीबान्तव, सतीशच्य मा १ समीत स प्र गुपा दिगम, विक्रमादित्यसिंह हि मवत ६२६

सितारों की पाठशाला भीमप्रकाश भादित्व सूर्व व २ १०

— नी सेर कृष्णवह एमके १५०

मिछ मृत्युज्जय योग पाठक, वैदारनाव स 🔻 स्वामसुदर \$ 00

रिदात नीमुरी प्रमीपनारिका पाडेय, रामारमण मोतीलान ---वीपुरी प्रयोग मूची जिनेद्रियाचार्य अमदीराचद ४ वा

मोतीतास ६ ८० नीपुरी प्रामोनरी शुक्त, रामगीविद २ मा मोठीसास

i me · कीनुरी स्थास्या नित्र मोदीलास

-शिरोपान जोशी, वैदारदत ३ मा मौतीलाल ४६०० सिदाय का गृह त्याम श्रीतास्तव, मणेशप्रमाद नवयुग ग्रमा-

गार २ ८० सिनेमा मशीन प्रापरेटर रानप्रकाण 'शील' बेहाती १२००

सिने समीत बहार गुप्त श्रीप्रका देहाती ४ ५० - स्टामं एउदम गुप्त, धीकृष्य देशनी ४ ५० निय विजन-राग प्रयाल, रामशिकार भनीत उचित प्र

भिवासमञ्जल गुन्त नगेंद्र, संपार्श २० नेपानल ७ ५० —गुप्त का साहित्य गुप्त, परमनाल नवपुत वंदानार ५०० सिर काददं महाशक्ति १५० सीता की मा रामवृक्ष वेनीपुरी बैनीपुरी १ ५० —बनवास धर्मा, जगदीश देहाती १२५

सीताराम चौपाई समयसदर साद्रल सीता स्ववंबर शर्मा, जबदीश देहाती १२५

—हरण शर्मा, जगदीश देहाती १२५ सीमा दार्मी, विमला ग्रमत ३००

खीमाए चौहान, मनहर उमेश १२०० सीमा की ओर ऋषिवारायण पावन' नारायण प्र ५००

 वर्ड और कुल कश्मीरीलास जाकिर विश्वनचढ १ ७॥ सीवन कला विद्यार्थी मोहनताम कि घर, जी २ ५० सुदर दात बीर चनकी देख-रेख मूप्त, सुरेंद्रनाथ साकेत.

मुन्देरब बाक्पॅक कैंसे बने दुवे मुरेशचद देहाती सुदरी बसू मनोज हिंद पा (पा) १०० स्कृति कुर्वविद्वारी वाजपेयी स्मृतिग्र च विपाठी, शभूरत्न सपा

साहित्यापन १००० —समीना श्रमी, भावदनारावण भा भ**दन** ४००

सुख शातिमय गृहम्य अक्षड १०० सुखी गृहिणी शर्मा हनुमानप्रसाद 'वैद्य' महाशन्ति २ ५०

—जीवन महाशक्ति २ १० --राजद्रमार शीर बन्य कहानिया बाइल्ड, ब्रास्कर बिंध्या

वत १०० सुनयदयमी कथा जैन, हीरासाल, सपा मा ज्ञानपीठ

मुगम बद्य त्रिपाठी, त्रियुवीनारायण रामप्रसाद १३७ सुत्त निपात धर्मस्तन, मिझु महावोधि ४ १० मुदामा चरित ग्रांतिस्वरप्रसाद, टीका मा भवत १२६ सुषा नायर, टी एन गोपीनाय नवमारती ३ ४०

सिद्ध बजनावित तुक्छोजी महाराज श्रीगुरुदेव । ६० सुधि के शण गुप्त, विद्या हरनी बराम २०० सुधिया श्रेष रह गर्थी रशशबंद्र 'समल दिवाकर प्र १००

-की रिममित प्रवास, कैलाराच्य प्रासीक प्र, मु ३०० सुनहते धैवाल बास्त्यायन, सन्बिदानद हीरानद 'प्रतेष'

ग्रसर १२ ०० सूती नहानी उदयन चौलवा १.४०

- अनमेजय रवाचायं, बाद्य नेशनल ३ ०० - भाई साधी परसाई, हरिशकर या १ यूनिवर्सन युक

३ २४ मुबह की इन्तार विमलराथ नवयुग प ३०० — मेरी है थीराम सिंह 'बसम प्रवता २००

सुब्रह्मच्य भारती घण्यस्वामी रि महल सुरक्षा भौर समय चतुर्वेदी मगवतकरण, सपा विनोद

सुरतिया ना विश्वरे खोमा, रनिवविद्यारी 'निर्भीव' जमग्रेद-पुर मोजपूरी १५०

सुराना इदीर बाइड सपतनास ० २१ — वर्जन गाइड सपतलाव o.to

—नाप तौत निर्देशिका स = सपतमास ०.१०

शुराना नाप तील प्रवेशिका स ६ सपतनाल — नाप तौन सारणी स २ सपतलान १०० मोपाल गाइड सपतलाल ० १० —मध्यप्रदेश डायरेक्ट्रो सपतन्ताल ५०० सुजन सिंह इटर बनास में दुवे, रामउजागर साकेत १०० मूलगते पिंड भादानी हरीया वातायन ६०० मुस्तान ग्रीर निहालदे दिरला लडमीनियास नेशनल ५००

मुवर्ण रेला जोशी शिवकुमार नेशनल ३०० मुबीरा द्रमल, कर्तारसिंह राजपाच २ ५० सुपमा पार्टेय हृदयनारायण हृदयेश हृदय म १७५ स्मतुलित परिवार ग्रसह १००

मुहागिने मोहन राकेश हिंद पा १०० मुक्तिया एवं सुभाषित विवेकानद स्वामी श्रीरामकृष्ण (पा)

सूक्ति सचयन जैनेंद्रकुमार पूर्वोदय ३०० सूते पेड सन्द्र पत्त नदा, गूलवान बाशोक था (या) २०० मुंधीवेघ विज्ञान दिवेदी, राजकुमार सन्नो स ३ चीखवा

सूत्रद्वयम् राहुल साहुत्यायन महाबोधि ६०० सूना बाचल दिलरे मोती दुसाच विजेंद्र कुनार सब ४०० सूकी काव्य संबह चतुर्वेदी, परश्राम सन्नी स ४ हि सा

सुरमे ६०० सर का भूगार वर्णन तिवारी, रसाशकर अनुसंधान २००० —की साहित्य साधना निया भववतस्वरूप शिवलास

सूरज नया, पुरानी घरती व्यामनदन किशोर रा वेनीप्रसाद सूरजप्रभाश करणीदानजी ३ मा राज प्राच्यविद्या सुरतें भीर सीरतें कांपल धावार्य वेनीपुरी २२५ सरदास सारस्वत, शिवशकर प्रशोक प्रें २ १०

-- भीर उनका भ्रमरगीत प्रचन्डिया महेंद्रमायर कमल प्र - भीर उनका भ्रमश्मीत शर्मा, श्रीमिवास श्रशोन श्र ७०० -- का काव्य वैभव वर्मा महीराम 'सोम', प्रवस १२ ५० -- भ्रमर-गीत सार वाजपेयी, प्रयोत्तम हि प्र. वा Y. . .

मूर पदावली चनुर्वेदी, बरसानेलाल, स्ववा सा सनम्, म वालकृष्ण टक्षन, प्रेमनारायण, सपा हि सो भ १५० सुरसागर बाजपैयी, नददुलारे, सपा २ भा स ४ ना प्र समा १२ ५० (प्र)

सुर साहित्व की भूमिका भटनागर, रामरतन सद्यो स २ रा बेनीमाधव ५००

—साहित्य विमर्श दश्वरपराज प्रमात प्र ५०० —सुघा टेहन, प्रेमनारायण, सपा हि सा व १ ४० सूर्य ना रक्त चौहान, मनहर छमेश ६००

—रहिम विकित्सा धवतरि ०७% —रेन भौर गुनाह महेद्रनाच एवके ३०० मुर्वीन्त भारद्वाज शातिलात 'राहेण' वित्रगृप्त प्र ५००

सर्देश स्तूत नागरिक शास्त्र २ मा गुप्त, बृत्रविहारीनात

रामप्रशाद- ३ ५०

सेकेंड़ी स्कुल बीजगणित रे, मनोहर रामप्रसाद ४०० सेन्स की विचित्रताए सहमीनारायण हिंद पा (पा)

सेठ गोविददास व्यक्तित्व एव साहित्य शुक्ल, विजयनु मार'''

सा भवन, इ १२ ५० सेतुबध मा १ मिथ, उपनारायण ज्ञानोदय ५०० सेना की भौरव गाया शर्भा, भोमप्रकाश इन्टर यूनि १२४ सेनानी तिवारी, रामानद भारतीनदन भा मदिर ५००

सेनापित धौर उनका काव्य मिश्र, दुर्गशकर नवपुग प्रया-गार ३ ४० --पृथ्य मित्र चतुर्वेदी, सीताराम पुस, वा १५०

सेमर के फूल पाठर, बक्बन 'सलिल' जमशेदपुर भीजपुरी सैतान-स्जम धमोरा, सवाईसिंह सेपा सध शक्ति ४०० — भुजञ्च धमोरा, सवाईसिंह, सपा सप शक्ति सैढातिक एव भारतीय कृषि रसायन शास्य श्रीवास्तव,

धनतकूपार कि महल ७ ५०

सैय मानचित्र-दर्गण तिवारी, विश्वनाय घर्शाक प्र म सैर सवाटा चढवालसिंह 'सवक' नवयुग प्रयोगार ० ७% सोदायण वियनवी राज प्राच्यविद्या सोना या बाजादी कृष्यकुमार 'नूतन कुमार संख १५० सोने का भरता आरसीप्रसाद सिंह तारामदल १७५ सोनो निपर्ज रेत मे वर्मा, गजानन कि घर, जो ४०० सोमनाथ अतुरसेन, बाचार्य हिंद पा (पा) २०० सोमेरवरकृत बानसोश्लासः मिश्र, शिवशेखर चौलवा सोये खडहर अध्ये युप्त, टेक्चड प्रतिमा प्र २०० सोरठ विजेता धूमकेंतु वीरा ६००

सीवियत रूस पिता के पत्री से चैन, जगदीशबद्ध नैशनल 7 00 सोहिनी मित्रा, खपादेशी नैशनल ४०० शींदवें भीमाता काट, इमैनुद्रल कि महार ७ ५० ─लहरी शंकराचार्यसदी m २ विद्यान म ५०० —शास्त्र भीर रस सिद्धात गुष्त, गणपतिषद्र भारतेंद्र भवन

€ 20 सौंफ चिकिरसा महाशक्ति ० ५० सौरों का सब धर्मा, रामहरण, धार्म बुक २०० स्कृत अक्रमणित दत्तः भाभवन ३०० -ज्यामिति रामग्ररणप्रसाद भा भवन ─बीजगणित मज्मदार, ए धार भा मंबन ५००

स्टार्च और असना व्यवसाय टडन सतप्रगाद हि समि स्टीम इजन की कहानी ईवन फेडिक नेपानल ३ ४०

-इन्जीनियसं गाइड सपूर, एच सी देहाती १२०० --इन्जीनियसं हैंडवुक कपूर, एव सो देहाती २०२४ --मोनोगाइड रता हरिषद ग्रात्माराम १४ · • स्टेबिस्कोप तथा नाढी परीक्षा खोगी, जनहवीप्रगाद चौराया

0 VX

स्त्री रोग विज्ञान द्विवेदी, रामनाय चौखवा ३ ५० स्यल युद्ध कला तथा उत्तरी अफीका का संप्राम टडन, बी

न्नार के সকান বুক ৬ ২০ स्यानीय शासन मिछ, मृत्युजयप्रसाद मा भवन १००० स्यिति विज्ञान गुप्ता, पूरनमन राजहस प्र म १ ५० स्तेह के प्राप्त पाठक, बच्चन 'सेलिल' जयशिव १५० —के बधन जितेंद्रचंद्र भारतीय नवयुव बवागार ३ ५०

स्येन भूगोल १०० —भी लोककथायें शिवानी कि महल **इप्रे पेंटिंग** कालीचरण देहाती १२०० श्फलिंग महेद्र प्रताप मानव प्र ४०० स्मरियों का स्वम बालो, सुदर्शन बिटलेंड ३०० स्माल स्केल इहस्द्रीज गुप्ता, कालीचरण देहाती १२०० स्मतियो की छोड़ में देवदत्त दास्त्री प्र प्रतिकान ४०० स्याह सबीर विपादी, मानिसय मानद व ३०० स्वश्यदताबाद एव छायाबाद का तुलनारमक प्रध्ययन शिव

करण सिंह नारायण १३०० स्वतन और प्रतिनिधि शासन जैन, यो सी हि सीम ११०० स्वतनता का धर्य तिवारी, रामानद 'मारतीनदन' मा

मदिर ४०० का परिवाम ठाकुर, स्वीदनाय प्रभास प्र २ ००

— की बलिवेदी जगत्सापप्रसाद मिलिय सा प्र म , ग्वा २ ०० — के सेनानी श्रीवास्तव, हरियोहनलाल हि प्रचा पू (पा)

-पूर्व हिंदी के समर्थ का इतिहास रामगोपाल हि सा सम्मे —सम्राम के बिस्मृत पृथ्ठ मुकंद सिंह स्रथ नि दि ३०० स्वतत्र भारत की सदाबार सहिता भट्टाबाय, कृष्णपद मार्व दर्शक ४००

--- मारत के सुरमा कौशल शामस्वरूप वमल प्र, अ ४०० —राष्ट्रो के सबय मुत्तीलवड़ सिंह त्वागी प्र १५०० -समाज की शिक्षण पद्धति जवली, वी के हि सा भ

\$0.00

स्वप्नदोप मौरवीर्यं सुनीवत पाडेश, ममरचड्र चवतरि २०० - कैमे रोकें 'तुमत', झाचार्व भाग्योदम ३०० स्वप्नभयी विष्णु प्रभाकर हिंद पा (पा) १०० स्वप्नविद्ध मिश्र, रामनाथ प्रभिक्षान ३०० स्वप्न साकार वैद्य, हरिचरण भा सा सदन ४०० —गुदरी दिवेदी, रामनपन 'श्वराविद' राजधनेश्वरी पूरत

वासय, वचहरी रोड गया ४ ४० स्वप्नों की गोद बाजपेशी, मगबतीप्रसाद या ग्र 🐧 ६०० स्वयमिद्धा वद्योपाध्याय, माणिक सुत्रोध पा (पा) १०० स्वराज्य दान गूरदत्त भा सा सदन ७ ५० — सुधारी दार्म भगवतीलाल कि घर, जो १०० स्वगम विप्लव मिद्य, सदमीनारायण हि प्रचा पु २०० स्वण-कमल स्वल, कमल सा बेंद्र, दि ३५०

— वाला बाजपेवी, ब्रोमप्रकाश सत्र ३ ५० स्वस्य केसे रह सर्मा राष्ट्रयात्र मनासीस्त १०० मारत केंद्रीय स्वास्थ्य शिशा ब्यूरा केंद्रीय स्वास्थ्य. स्वस्य रहते के शरल उपाय शर्मा, लक्ष्मीनारायण हिंद पा.

स्वातव्यवीर सावरकर व्यक्ति भीर करवतान सावरकर, वीर विनायक दामोदर पृथ्वीराज प्र १ ५०

स्वातत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास वर्मा, काति रामचद १००० —हिंदी उपन्यांस, सन् १६४७-१६६२ चीहान, रामगोपाल

सिंह विनोद ३०० —हिंदी काव्य सन १९४७ १९६२ चौहान, रामगोपालसिंह विनोद ३०० स्वाधीनता के पथ पर गुरुदत मा सा सदन ७ ५० े के सेनानी भवतास, श्रीकृष्ण कृष्णा द्र ३०० स्वामाविक भोजन नौधरी, युगतिकशोर कत्याणमल १०० स्वामी चट्रोपाध्याय श्वरतचद्र हिंद पा (पा) १०० —विवेकानद राय ब्रह्मदेव राजीव इ १ ४० स्वास्थ्य एव प्राणायाम श्रकरानद, स्वामी भाग्योदय ३०० — और मोजन तनसुखजी, श्यास कि घर, जो १०० — ग्रीर सद्दुस गुप्त, ग्रनिदेव स २ श्यामसुद्दर २०० -- विज्ञान और सार्वेबनिक बारोग्य घाणेकर, भास्कर गीविंद चौसदा ७ ४०

—शिक्षा पाठावसी बाणेकर, भास्कर, गोविंद

स्वाहा दिवेदी, रायवचन 'धरविद्द' सूलम ३०० स्विटजरशैंड का सविधान सरस प्रध्ययन कमल प्र

ह

हस अमृतराय, तथा तर्वता ६५० इसते निर्भर दहरुती बट्टी विष्णु प्रमाकर नेशनल १५० रोते प्रामु माटिका, प्रोमप्रकाश 'भ्रषल' राजपृक प्रनिल प्रम २००

—हसते कैसे जिये ⁷ मार्डेन, स्वेट सुबोध पा (पा) १०० —रोना वाडे, बवाप्रसाद पुरा, बा २०० हसाने वाली लोककवाए थीवास्तव, हरिमोहनलाम भारमा-

राम ११० हिसिये बरा धीवास्तव पी एन कि घर, जो मा १

२२४, मा २ १०० इसी की कहानिया राव, मोहिनी एमरे १०० हडीती लोक्गीत मट्ट चढशेसर कृष्णाव २०००

हथियारबद हमले से निहत्ये बनाव राजवशी भ्रानदेशमार इटर यूनि १५० हवियारो नी कहानी कृष्णादेनी इन्टर यूनि १५० हनुमान उपासना रामकृष्णदास रसिक देहाती ४ ४०

—जीवन चरित्र स्खरामदाम देहाती ४५० हम इनकी सतान हैं रामवृश्य बेनीपुरी र मा बेनीपुरी २०० (T)

—प्रौर समाज बैजल, वात्रहृष्णदास या २ रामप्रसाद १०८

हम कैसे जियें कपूर, श्यामचढ़ विद्या प्र म-—जाग उठे लमानीसिंह 'धनगर नवीनतम २५० -- बदल तो दनिया बदले अलड १०० --- भारत से क्या सीखें मैक्समूलर ग्रादर्श हि १०००

-सब एक हैं बर्मा मनोहर प्रभात पब्लि १२% हमारा घर कुश्नचदर राजपान २००

-देश भूगोल १०० -देश मोतीलाल २००

—नेफा हमारा लहाल का कमलनारायण कमलेश' हि

सा स ० ७५ सर्वधानिक इतिहास तथा राष्ट्रीय ग्रादोलन ग्रानद, पी

एस नेशनल —संसार भूगोब २ ५०

हमारी विडिया सुरेशसिंह स ५ नेशनत ७०० -- दनिया भूगोल ० ५०

- पृथ्वी वैजल बालकृष्णदास रामप्रसाद ३२४ - पुच्यो व्यास, श्रीकात, धनु शिक्षा मा २ ६०

—पूर-विर्माण योजसा प्रकड १००

— लोक कथाए चत्वेदी, शिवसहाय सस्ता २५० हमारे कवि मीर लेखक गीड राजेंद्रसिंह स ३ कैलाश व

─किंद हमारे बच्चे हनुमानदास 'चकोर नदयुग द्यागार

—चौपाये सिहल महाबीर राज सा धका २००

-जानवर सुरेशसिंह नेशनल ३०० नाट्चकार व्यक्तितृदय रामप्रमाद

-पय प्रदशक भग्रवाल, भारतभूषण राधाङ्ख्य ४ ५०

-पन भीर त्योहार हरिहर मिह सन्माग **६००** -- प्रेरणा स्त्रोत राग्रा, रणबीर एत चाद ३००

-- बहादूर जवान रनूढी बीरेंद्रमोहन उमेश

-- बहादूर हवाबाज रतूदी वीर्रेंद्रमोहन उमेश - महान् बत्तराधिनारी प्रलंड १००

-लेखक भीड, राजेंद्रसिंह सभी स ५ सा भवन, इ

-सगीतज्ञ प्रकाशनारायण क्ला प्र,इ ३००

-सत हमारी एकता शुक्त, समस्ताम विद्या प्र म २५० --सस्कार सूत्र लक्षीराम शास्त्री सस्ता ३००

- साधव हमारी सिद्धिया धुनल, धमरलाथ विद्या प्र म 2 40 --साहित्यकार कृष्णनारायणनाल मा मवन इ ३ ००

हुमें जीने दो मदन, धाचार्य धीयुरता १५० हरदीन व्यास कृष्णानद विमान वमास २०० हरा पाती वलबार तिवेदी, चद्रभूपण स्मई काका खाकेत

हरयाणा का इतिहास अगवानदेव बाचार्य हरवाणा १६०० हर पीता निवासी, गोपीनाथ नवपूर स्थापार २ २% हरिनरित धर्मा जीननवितायन, संपा स १. वि राष्ट्र ₹ **२**४

हवं मुकर्जी, मार के मोतीलाल हलचल वीरदेव 'वीर' मा भवन १५० ह्लघरदास कृत सुदामा चरित्र तिवारी, सियाराम भा भवन

हन्की मगेंद्रप्रतापसिंह जदशेदपुर भोजपुरी १००

हवेली हाचार्न, नैयेनियल राजपाल १००

१६४५ ई॰ तक नागरी प्रचारणी सभा, ना प्र समा

हस्त सामृदिक ज्योतिष न्यादर्रीसह 'वेर्चन' देहाती द २५

इस्तलिखित हिंदी पुस्तको का सक्षिप्त विवरण सन् १६००.

-सामृद्रिक शास्त्र न्यादर्शसह 'वेचैन' देहाती ४००

- स्कूत स्मृति वित्रण मेहरोता, पी सी " राजीव, मे

हाई स्कूल ज्यामिति चरनसिंह मुरारी २ २४

—स्कूल भौतिकी जुन्ता, को भी मुरारी २ २x

-स्कृत रसायन गुप्ता, भी भी मुरारी २ xo

हाजी पीर का दर्श राजकुमार हि प्रवा पु २००

हाड़ीती कहावर्ते पाठक, नायुलाल हाडीती २००० हायी का शिकार चौहात, मनहर समेश २००

- तेकेंडी भनिवार्य गणित सर्मा हरस्वरूप स ३

सेकडी धर्षशास्त्र जैन, नवीनचढ रामप्रसाद ६ २५

- रोकेंड्री नागरिक शास्त्र इकवालनारायण शिवलाल

सेकेंड्री नागरिक शास्त्र शर्मा, एम पी स ३ रामप्रसाद

- वेकेंडी बीजनियत शर्मी, हरस्वरूप स. ३ रामप्रसाद

-सेकॅडी भूगोल मित्र, प्रकाननारायण भा १ स ३

-सेवॅडी वाणिज्य धर्यशास्त्र सेट, एम एस शिवलास

हानी के शब्य शिद्धात माटी, देसराजीगह कला म , दि

हास्य विव-सम्मेखन व्यास, गोपालप्रसाद, सपा मुबोध पा

हारजीत ना भेद भानदर्मार सस्ता २००

— की प्रवृत्तियां चतुर्वेदी वर्षाने नाम राज्यश्री

—वत्तीसी कपूर, कन्हैवालास राजकमन ४ ४०

—ध्यनकार. व्यास, कृष्णानः 'वेद्यास' वेद्यास (पा)

-विनोद विद्यार्थी, अगदीन गोविदशम

-के दात धमृतराय सर्वना २ ५º हायर बेकेंद्री प्रकाणित वार्मा, हरस्वरूप स ६ रामप्रसाद

भा. १. ३ ००, भा. २ ५ ००

भा १ ३१०, मा २ २५० -सेकॅडी भूगोल चतुम् ज, मामोरिया शिवलाल ७ ००

रामप्रसाद ४००

रागप्रसाद ४००

(पा) १००

9 00

हवाई जहाज के ब्राविब्लारक व्यास, श्रीनात, प्रतु राजशत

१३५

हिंद-चीन वेदप्रवाशसिंह दि पु स ११०० हिंदी प्रसमीया शब्द कीय जैन, छगनलाल पूर्वच्योति ६०० -- प्रादोलन वर्गा संभ्मीकात, संपा हि सा सम्मे

-- प्रातीचना के प्राधार स्तमः शुक्तः रामचद्र राधाकृष्ण -- प्राश्नेखन मानद प्रणाली (स्विधक एव कुनी) देशपाँड नरहर गगाधर सो प्रतिभा साने, ३२३ नारायण

वेठ, वृता-२ ७ ५०

--- इगिर्मा ग्रामर रत्नप्रकाश 'शील' देहाती ३०० -इगितरा बोतवात रस्नप्रकास 'सोत' देहाती ३००

--इगितन लेटर राइटिंग रत्नप्रकास 'बील' देहाती ३०० -- बद्भव, विकास भीर रूप बाहरी, हरदेव कि महत

---उपन्यास श्रीवास्तव, शिवनारायण नद व १०००

-- उपन्यास मोर ययार्यवाद त्रिभुषनसिंह सक्ती स ४ हिं प्रयापु ६००

— उपन्यास कला टडन, प्रतापनारायण हि समि ६५० उपन्यास का विकास मीर नैतिकता शुक्त, सुसदेव

ग्रनुसंधान १५ °° — उपन्यास . पृष्ठमूनि भीर परम्परा बदरीदास व वम

उपन्यास साहित्य का उद्भव और विकास सिनहा,

लक्ष्मीकात प्रमुराधान एवं सम्बद्धारती २००० -- उपन्यास 'सिद्धात मीर समीक्षा दामा मन्छन्ताल

प्रमात प्र १२००

— उपत्यासो का मनोवैज्ञानिक मूल्याकन शर्मा, दद्यनारा यण 'विकल' नवयुग प्रधागार ४ २५

- उद् स्वाह्या श्रप्रवास यनस्याम अपूर्व -एवाकी महेत, रामचरण सरस्य पुत्त ४ १०

-एकानी की शिरपविधि का विकास सिद्धनायकुमार

वयम २००० —ग्रीर गार्यसमाज शर्मा, सूर्यदेव ग्रायं सा १०० — मोर उसकी उपनापामी का स्वरूप अवाप्रताद 'सुकन'

हि सा सम्मे १०००

- भीर गांधी कालिकात्रसादिसह लता त्र १५० —भीर गुजराती नाट्य साहित्य का तुलनात्मक बाध्ययन

उपाच्याम, रणधीर नैशनल २००० -- भौर तेलुगु के मध्यकालीन राम साहित्यों का तुननात्मक धनुशीनन सूपनारायण पूर्ति, चावति हि सा भ

24 00 - नया साहित्य भीर उनके विचार पर पाठको की रिच

वा प्रमाव राय, गोपाल यय नि , प २५ ००

- कवि कोमुरी चतुर्वेदी, गौरीशकर काशी प् - रुविता में राष्ट्रीय भावनाः मुख्तः, विद्यानाय मा मा मः

-- कवियितियों के प्रेमगीत श्रीमनद्र 'सुमन' हिंद पा (पा) 2.00

हिंदी कवियों की कहानिया जैन, श्रीचढ़ कल्याणमल १५० -कहानी की रचना प्रतिया श्रीवास्तव, परमानद, प्रथम

—कहानी, विधान एव विकास पाडेय, रामजी राहुल पुस्तकासय

-का प्रासोचनात्मक इतिहास मिश्र, रामदात मोतीलास

-काम सूत्र देवदत्त शास्त्री कि महत

-का विकास बाहरी, हरदेव कि महल -काव्य ग्रोर ग्राविद दर्शन चौहान, प्रतागसिह युगवाणी

त्र १५ • • —काव्य की निर्मुण घारा मे मनित शुक्त, स्वामसूदर

काशी हिंदु = ° ० -काव्य, पिछता दशक शर्मा, गोविद 'रजनीव' शगल

—काव्य मजुवा पाडेय, रामशकर चौखवा ३००

—काव्य मे नियतिषाद, सदत् १०५० दि से २००० तक शर्मा, रामगोपाल 'दिनेश' कि महल १५०० - काव्य मे प्रतीकवाद का विकास, १६००-१६४० वीर्देह

सिंह हिं सा परि. -काव्य शास्त्र मे रस सिद्धात बोधरी, सन्विदानद मतु-

सधान १६०० —की छायावादी कविता का कला विधान बलबीरसिंह

'रत्न' नेशनल १२५०

—की प्रयोगशील कविता घोर उसके प्रैरणास्रोत (१६४३-१६६०) नागर, श्रीराम सरदार = ००

-की लोकप्रिय हास्य कविताए. राँबिन गाँ पूच्य हिंद dt (d1) \$00

-की समस्माए समी, कामेरवर, नायल्टी

-- कृतार्णव कल्याण म^{्र} ५०

—कृष्ण-भक्ति काव्य पर श्रीमद्भागवत का प्रभाव शुक्त, विश्वनाथ मा प्र गदिर १२००

—के मावलिक उपन्यास वाजपेमी प्रकास नद स १०० <u></u>के घादि मुद्रित ग्रंच कृष्णाचार्य, समा मा ज्ञानपीठ

_के माधुनिक कवि तिवारी, रामप्यारे हिं सा स

—के श्रामुदिक कवि रवींद्र अमर भा सा स १२ ५० -के कवि ग्रीर लेखक चौरसिया, केशनीप्रसाद ग्रशोक

क कहानीवार केसरीवुसार मोतीलाल २२५

- के दस सर्वश्रेष्ठ कचात्मक प्रयोग गुटूं, धरविद, सपा

-- के प्रतिनिधि कवि तिवारी, रामप्यारे हि सा स

—के प्रतिनिधि निवधकारो का साहित्यिक परिचय दीक्षित.

दयाशकर राकेश व म १०० —के प्राचीन कवि निवारी, रामप्यारे हि सा स ३.००

—के प्राचीन प्रतिनिधि कवि नक्सेना, द्वारिकाप्रसाद

विनोद- १०.००

दक्षिण भा ३००

2000

हिंदी के रीतिकालीन मलकार ध्रमी पर संस्कृत का प्रमान

- जैन क्दनलाल सा नि व १६०० -के साथ दक्षिणी भाषायों का तलनात्मक व्याकरण -के स्वच्छदतावादी उपायास जीहरी कमलकूमारी धयम
- --- के स्वीकृत प्रबंध कृष्णाचाय संदा श्रार्वावत २० oo कौलावली निषय क्ल्याण म ३२४ -गद्य सिंहा ग्रमरताय मा भवन २ १०
- —गद्य का विकास गौतम प्रमप्रकान अनुस्रधान १६००
- भद्य क्रमुपाकर जैन जिनेद्रकृमार कथल प्र १ ५० - गद्य मजरी भागरा विश्व २ ५० -- शद्य साहित्य जोशी जगदीशचद्र चि सय १०००
- ज्ञान प्रभाकर थीहरण सरल जबलपुर प्र य १७५ —तया मराठी उप'यासो का ठुनशहनक बध्ययन, १६०० १९५० ई० गुप्त शातिस्वहत्र भा सा म १५००
- -तथा मराठी कृष्ण काव्य का तुलनात्मक मध्ययन केलकर र श मशर २०००
- -- दशरूपक धनजय त्रिगुणायत गोविद सत्रो स सा नि.का ८०० र
- —य इंगलिश सबदेव नारायण ज्ञानपीठ ६०० --नाटक पर पारवात्य प्रभाव मिश्र विश्वनाय लोकभारती
- 25 00 -निक्य मिश्र शिवहमार सनी स ६ नारायण दुक एव
- प्रवीर १०० —निवयं का विकास शर्मा मोकारनाय अनुसंधान १६००
- —निवधादश रामशकर शास्त्री चौखवा २२% -पद सम्रह कासभीवास, करतूरचद जन घ क्षत्र सवा जैन
- सा ३०० — पद्य कुसुमाकर जैन जिनेंद्रकुमार नमत प्र १५०
- वद्य पूर्वपात्रलि भागरा विश्व २ ५०
- -पर्यामों का भाषागत प्रध्यवन कपुर बदरीनाथ हि सा
- -प्रत्यक्षशारीर गणनायसेन चौसवा मा १ १०००, मा 3 \$400 -प्रदोष मेहरीता बलदेवप्रसाद श्री सत्योडा ४ ५०
- ---भवित-साहित्य म तोन तत्त्व रवीद्र ग्रमर भा ता म 17 X0
- --भाषा भवीत भीर बनमान जबात्रसाद समन विनोद
- मापा घादोलन गोविददास बठ हि सा सम्मे -भाषा भीर निवि का ऐतिहासिक विकास विवाही सस्य नारायण विश्वविद्यालय ४००
- मापा वा इतिहास मिथ रमेन ब्रजात धनोर प्र
- ---भाषा वा उदभव धीर विरास जवाल युवानद विभोट. -मापा को धार्यानक समस्याए तथा धन्य निवध धर्मा,
 - सरनामसिंह प्रस्पं चिमय ७ ६०

- हिंदी भाषा शिक्षण योगेंडजीत, भाई सत्ती स ४ दिनोद
- भाषा शिष्ण मजुषा तारकेश्वरप्रसाद सिंह भा भवन
- —ब्रह्मसूत्र शाकर माध्य हनुमानदास स्वामी व्या भा **१** चौखवा १२००
- मलयालम कोश परि स दक्षिण मा ५ ४० - मुहाबरा कोश तिबारी भोतानाय सपा सशो स २
- कि महल - मे प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में प्रयं परिवतन पाल, केशवराम
- प्राची २०० -- मे स्सँग प्रयोग एव धाय निवध पाड्य रामदीन समिजान
- 3 00 — वार्षिकी नर्गेंद्र, नवा भासाम ल १ ६ ५०, ल २
- ₹0 00, ₹ ₹ ₹0 00
- —विश्वकोण मा २ ४, ६ नाप्र समा २ ४०० (प्र), विनेष स ३० ००
- -वैज्ञानिक भौर तकनीकी प्रकाशन निर्देशिका १९६६ कौंसित ११०
- —व्यय्य विनोद व्यास, गोपालप्रसाद सपा भा सा म
- --व्याकरण की रूपरेखा दीमशित्स ज म राजकमल
- \$0 00 — स्याकरण तथा रचना धर्मा प्रमिला नुमार सञ्च ४ co
- =वाकरण व धपिठत विरागी स ३ रामप्रसाद 200
- बब्दसागर १० भा मे ना प्र सभा भा १ १२००, भा २ १ वन भा ४ १२ वन
- -ातानद तरिंगणी कल्याण म २७४
- सन्भाषण क्ला पाड्य कपितदेव प्रवीर १२४
- समाप्त रचना का बब्धयन जैन, रमेगचद विनोन १००० -साहित्य दिवेदी हवारीप्रगाद धसरबद ७ ४०
- —साहित्य धनुशीसन शुक्त रामेश्वर प्रचन जवलपुर प्र 4 X00
- सोहित्य एक द्राप्तिन वरिदृश्य वास्त्यायन, मध्यदानद हीरानद 'मनय राषाकृष्ण
- —साहित्य एक मृत्यात्रत ठाक्र विधिनविद्वारी मपा
- वेशानी प्र -साहिय एक सर्वेगण बानी योगरात्र व्य हाइव ८००
- —साहित्य घोर बिहार सहाय निवाबन में २ वि राष्ट्र 500 —साहित्यं का दिनिहास द्विवदी, हुनागिप्रगाद गया राज-
- —साहित्य का इतिहास राय मिहागन मिद्रण प्रदा प्र
- मान्यि का इतिहास श्रीवास्तव अल्लीनप्रमाद प्रमाह १२ ४०
- -साहित्य रा इनिहास श्रीवास्तव दयानद धर्मिताभ व

हिंदी साहित्य का इतिहास सुरैससरण राजीव, में १.०० ---साहित्य का इतिहास दिग्दर्शत. मट्ट, सोमनाय 'आदर्श'. कीनस. १२ ५०

-- माहित्य पा प्रारमिक मुख पांडेय, राखिक्शोर, नवीह्द

६.०० ~ साहित्य का बृहत् इतिहास भा १,२ ६,१३,१६ ना

प्रसमा. २४०० (प्र)

—साहित्य का विकास- धर्मा, वासुदेव सूर्य प्र ५०० —साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास त्रिपाठी, राजिकशोर

सहण प्र १४०० -- साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास पुष्त, गणपतिचड सारतेंदु

भवन १५००, डी-सबस स. २२५० —साहित्य का सदिवन इतिहास रमेशबद मुरारी ०७५ —साहित्य का समित्त इतिहास शक्य, विषयकुमार जवस-

पुर प्र. गृ० ६७ —साहित्य का सरल इतिहास गीड सार एन गणहस प्र

स २२५ — साहित्यः दुष्ट विकार दीक्षित, त्रिलोकीनारासमण नवपुन

प्रधासार १००० --- साहित्य के इतिहास की रूप-रेखा तिवारी धार सी

जबलपुर प्र गृ ६०० --साहित्य के इतिहास पर बुते हुए प्रश्न और उनके उत्तर

मा. २ २०००

-साहिय पर बीड धर्म का प्रभाव मानविका, विद्यायनी हि प्रचा पु २०००

—साहित्य परिचय प्रमत्नाय ज्ञातालोकः २ ५० —साहित्य : पिछला दशक विश्वाय, सपाः सूर्यं व म

 साहित्य मे कृष्ण कुनश्रेटऽ, सरोजिनी राज्यश्री १२ १०
 साहित्य युग और धारा कृष्णनारायणप्रसाद 'मागप -भा भवन ५ ४०

─माहित्य युग घोर प्रवृत्तिया श्रमों, शिवकुमारः सशो एव परि स. २ भगोत प्र ८००

--- साहित्य : विकास क्या परसाई, होश्यकर ** जबत-पुर अ गु १ १०

—साहित्य संबह भा १ एशिया पन्ति ६ ५०

--साहित्य मरोवर. वार्मा, वजवर, साम चौबजा २०५ --साहित्य: मर्वेशण धीर समीका द्यायनस्वप्रमाद मिह हि सा. स ७००

— तेवी ससार टडन, प्रमनारायण सन्द हिंसा म २०००

हिंदुमो की पोषी कल्याण म ३०० —के बत धीर त्यीहार रामकृष्णदास रिवक देहावी. ४४० —के बन पर्व धीर त्यीहार. त्रिपाठी, रामप्रताप बास्त्री.

हिंदु व सर्विरकर, बार विनायक दामीदर राजधानी- ३ --ना भ्राह्मन राष्ट्रपर्भ १०० हिंदुस्तान की ऋषो. मिथ्र, स्वाममुदर. साकेत. १०० —हमारा धर्मपाल घास्त्री- राजपाल १५० हिंदु घोर मुसलमान लोहिया, राज्यमनोहर नवहिंद. ०७५

—देव पश्चितर का विकास संपूर्णानद मित्र —धर्म ए बसत उपाध्याय, प्रविवादल मोतीलाल, ३.००

—नीतिश्वास्त्र मस्सिन, जगदीशनारायण मा भवत. ३.०० —सस्कार पाडेब, राजवती सशी स २. बीसदा.

95.00

—सरकृति के मून तरव स्थामप्रकाश स्वीद प्र , ग्वा. १.५० हित्तोपदेश पडित, नारायण हिंद पा (पा) १.००

हिनोपदेश सत्यकाम शास्त्री देहातीः २ ५० हिमगिरि-विहार रूना सुघाशु चतुर्वेदी तपोवनम जी महाराज

स्वामी वामुदेव

हिम बिद्ध युव्त, अगदीश मा जानपीठ. ३०० हिमाचल की लोक गाया. ध्यानसिंह कुमार सन्त. ३०० — के लोक-गोत बिट्टू, हरिकृष्ण निदेशक, लोक-

मन्पकं विभाग, हिमाचल प्रदेश, शिमला-४ ३०० हिमानस जीवनप्रकास जीवन' चमनलाल २१० हिमातव ति्बरी, यमानुद 'मार्सीनदृत' मा सदिर ५०००

— ग्रावात देता है इसमें छ, रवीद्र निम्मय १.२४ —का गोगी व्यासदेव योग ति ८००

—का सदेश बरिनहीशी, दिवाकर सारेत. १,०० —के बावल में घटनाना, तरन तारन नवसून प्रवासार ४,४०

—सतरे मे जनार्दन यजयः चौवरीः —गरत रहा है चडशेखरन नावर, एनः धीनिकेतनः १.७५

—ना भूगो कवडू चतुरी चाचा हि. परि., इ. १.०० —ने पुरारा इ, सरीया देहाती. १ ५०

---वर लाल छाया. शालाकुमार. भा सा. सदन. १२.०० हिये तथा उपाय मुक्षचेद 'प्राणेश्व'. स्वास्थ्य सरिता. १०० हिरोशिया के भूत. मारिस, एदिता राजस्थल

4.40

हीग के गुग तथा उपयोग-कोक्चा, हस्तारायण देहाती-३.०० हीरे मोता अप्रकाल, रामप्रकाश भा सा. प्र. २०० हमायु श्रीवास्तव, हस्तिकर श्रीराम मेहरा, १५००

हृदय ऋ नदकिशोर, देववयु २००

-की भोर दुर्गातकरभक्षाद सिंह 'नार्ष' नव सा. म. २.५० -के बथन जम्स, हेनरी राजपात. ७००

हेमिग्वे. उपेंद्रनाय 'बरक' जीलाभ. १.२५ हैंड बुक बाफ बिल्डिंग कन्स्ट्रवेशन रामधवतार 'बीर'. देहाती.

३४ ५० स (दिस्विका), जोशी, जनहवीयमाह, चौ

हैजा (विसूचिका). जोशी, जनहवीप्रसादः चौसबा. ०.७४ हैनिमेन्स कानिक डिजिब हैनिमेन, महास्मा एम एल.

बुक म १३००

हैमनेट. मनुन्याय, यानु सर्जन १०० होटम का कमरा- वावसेयो, मगवतीप्रधाद भाग्य नि. २.५० होम्योपेषिक में इनेक्शन वर्णवाद, एम. एस. एम. एस. वुक —पारिवारिक विकित्स वर्षण शोक्षन, राजेश देहाती. १००

ह्विटमैन उपेंद्रनाथ 'ग्रःन' नीलाभ १२%